KARAKARA JEREKERA

نَشِينَاللَّهُ الْخَانِ الْمُعْلِينَا لَمُعْلِينًا كتاب الايمان والكفث م آصول کافی جدیدهارم حنت لقة الاسلام المرفه لديمولانا الشيخ يمخم لعيقوب كليني عليالزا مترسة من جالينان الميثر المعلم مولانا اليست وطيفر سين معاصب فبأرمد ولا العالى نقوى الامروموى

ناشه ظفت میم بیابیکیننه طررسط ناظم آبادنم ارای علقت رئیم بیابیکیننه طریسط ناظم آبادنم ارای

2199.

جمل حقوق كجق ناميشر محفوظ مسيي

ظفت ميم پليت نزلرسط دين ناظم آباد مرار كراچي

مطبع _____ قرینی آرٹ پریس کتابت ____ سیدمحمد رضازیدی ہدیہ ____ 165روپے تاریخ اشاعت ____ اپریل 2003ءبار ششم المن بدم المنه المنهادة المنه المنهادة المنهادة المنهادة المنهادة المنها المنهادة ال

مُن وَيَعِ السِّيلِيِّ السِّيلِيِّ السِّيلِيِّ السِّيلِيِّ السِّيلِيِّيِّ السِّيلِيِّيِّ السِّيلِيِّيِّ السِّيلِيِّيِّ

پیشس لفظ

الحدد للدوب العالمين والعسلوة والسلام حلى ستبدا لموسلين وخالتماليمين وَ الله الطيب ين الطاهمين المصوصين

بعدهم ووصلوة عض بيعكر ارشانى ترجم كمانى جلدا قرافيتم بهونے كے بعدم، ميں نے جلد دوم كا ترجم قسطة قسطة دمال كؤدمن لجيع كزناسنددرج كرويا تتعاج يحدد لتشرسندودى تتلكلة جير مكل مهوكيا اس وتستسعدا ذمرينواس كاكت بست كافتروع كردى كمة - خداكا لا كه لا كه شكريه كرجلدا ول كالمرح جلد ثا أن جي لمين بهوكرمونيين كه نظر كے سائنے آگئ اس زمان بير كم كآب كالجهيوا نامعمول كاحنهي ، الخصوص مبسوط كما بول كم يونك كالزانى عركزيني كي بداس كم سامة كمت بت اه د طباعت که اُجرَبِی پیلے سے زیادہ ہوگئ جری *فداکا شکہ بیکران مشکلات کے تحت اس نے اپنے نعنل وگرم سے میرعدہ سے بیمن*ول آسان کودی بيرمون فافله حمين صاحب مولوى فاضل عرص جامعه اما ميركا مشكركزا دمول كم انتحول ني كمنابت فنعه كابييل بين فلطيول كم اصلاع کی اودمیرے ہے اس بارکوہلماکیا عربی اور ارد و دونوں عبارتوں میں محت کے لیے م اپنے بس کی کوشش توکر کی گئ بحريى يهنهي كمساجا سكتاكرا فلاط سدبا دكل بك صاحب بجال اس دنيا ين اودبهت سي إتين المكنات كي فهرست مسين الله بي كذاب كالميس عي بينا مجلى بدكية كريرس الفين ك بهت سدرا مل طركز الرشفين مي نظر كابوك جاناكوني بڑی ہات ہیں ، ان د دنوں میلدوں کے ترجر کا کام میں نے حالم ہیری میں کیا ہے جبکہ دوکم استی سال کا موجیکا مہون شہور توہی ہے كآوى سترسالكا جوكرسته جانكب ستريبتراشن شهورج حين وآسة سال آنے برح نگياميوں اس فا درمطلق كاكها ل يك شکرا داکر درجس نے اس کی گزری عمور مجھے نونیق دی کھیں نے من مقدس کنا بری از جراپنے تسلم سے کمل کر لیا اگرچ بسیسما کا كاتقاضاا ورطبيعت كالمحملال فيرس بأكاوزن بهت زياده برصاديا تقانا بممي فيمت نهين يارى بيران عفرات كأنبدول سے شکرگزا دیہوں جغوں ذیری اس ناچ پمنت کی مدرک - میں بی بی نکرتمام چلانے کا پچاس سال سے آزادی بنام وا ہوں اس لئے کوئی هادت مح در دشتغلمیرے دم کے ساتھ ہداس کا سال دت در درسات کنابس اب کے میرے تسام سے نکام کی بین اور بلع بج برجى بى دونىن كتابى فيرملبوع بى إيداعول كانى جلد دوم كترجم كو جلاصتر كرف ك بعدس جدادد ومعمون عليم السلام کی مواقع پر این کاسلسده نوز میں شروع کر دیاہیے بحدالنھ اس سلسلہ کی بہلی کتاب میبرت ازشول نوپس شالع

ان في جليه المنظمة والمنظمة ول

ہوچکی سے نومبر ۱۹ ۱۹ عیں میرت علی قسطاً قسطاً بھیب رہی ہے موانے حیات کے بعد ہرکتاب میں حقائق و معادت اسلام کابیان بھی شامل ہے اور آخرنک رہے گا ہرت ادر ہوگہ سا شاسلام فعلی دین خدات پر دوشن ڈال جائے گی اسی طرح آخر تک ہیں۔ سلسلہ بحث کی گئی ہے" سے برت علی ہیں قرآن اور اہل بیٹ اور اہل بہیت کی دینی خدات پر دوشن ڈال جائے گی اسی طرح آخر تک بیسلسلہ چلے گا ہر سوائح بھی کا حجم کم اذکم چا در صفحہ مہرکا میں نے یہ ایک لمبا پر دگرام اپنے سلمنے دکہ لیا ہے بوت قریب سے قریب ترجی ق جا ای سے ایے صورت ہیں چہدہ سوانح بھر دیں کے مکمل مہونے کی کو کی صورت تو نیخ نہیں آدمبی مگرجی خالق برحق اورق اور دمطنق نے اشا کام حجم سے نیا ہے اس رحمت و اسعدسے کیا بعید ہے کہ وہ یہ کام بھی اس ناچر رک ہا مقوں سے پورا کراہ ہے ۔ اس پردگرام کے تحت دنش ر النڈ العور پر ہما رہے غرب ہے تمام خفائق ناظرین کے ساخت جا میں گئے۔ میں ارباب عقل وقہم اور علما ہے کرام کی خدمت ہیں دست بست مبتی ہوں کہ اگر اس سلسلہ میں کچہ غلطیا ں ننواسے گزر میں تو بجائے طعن توشیع سے میرا کھیج زخمی کرنے کے اس بھیا ل کے بیش نظر ورگزر فروائی کہ فللمیوں سے بشرت کا وامن ہائے نہیں۔ وجا توفیق الا ہا تگاہ مرات ہو الشار المیں مقال کے بیش نظر ورگزر فروائی کہ فللمیوں سے بشرت کا وامن ہائے نہیں۔ وجا توفیق الا ہا تگاہ

مرا تشعرانشم سينطفرحسن نقوى الامروبى -

THE WALVE WALVE WE WELLE WELLEW EX EX EX EX EX EX EX

افان ملدم المنافظة

بارگاه باری میں عشرض

اس ت درمطان ، استعبود بری تیری بارگا دع و وجدال پی بصریجد و نبیا بدالتی کرتا ہوں کہ اگر پرمیسری ناچسیز درنی مشدمات نیری نسکا و بعلف و کوم تشابل اجد دستداد با جداست آواب میرے شفیق والدین کی دوح کوعطا و نبرا و بناجن کی آغرش شفقت میں پرودرش با کرمیں ، س قابل ہوا کہ بچاکس سال سے تیرے دین برح کی کھریاً و تفزیراً خدمت کرتا چلا آدیا ہوں یہ سب تیری تونسیت اور تیرے ان نیک بندوں کی دھا کو کا انٹرجن کو تو نے میرا ماں باب سن ایا بحکم و آل محکم کے صدیقے میں ان کی دوح کو اپنی برکت و دیمستے سائے میں سے این ا

یں بردل تیسداگنهگادسنندہ

ستينطفنين

فالمات كاتعارف

د اکثرسیدندیم الحسن می ۱۹۹۰ فهرست مضايين

الثان

جلدا

| 32 | | | | | | · | • | - 1 |
|---|-------|---------------|---------------------------------|------------|----------------|--------|--|------|
| 333 | مغيبر | <u>بارنبر</u> | معانقه | نمزشار | مؤثر | بابفير | <u>عنوان</u> | نزوا |
| 認 | 97 | 4.4 | معانق | ۲٠ | ۵ | IAA | الخب فحالله واليفين فحا الله | |
| 33 | 94 | Y-A | تقبس | 71 | 4 | PAI | مذمت دنيا وزيدنى الدنيا | |
| | 90 | 7-9 | "شَكِرَةُ الاَتُوانِ | 44 | 77 | 19. | تتمدباب سابق | |
| 37 | 99 | 41. | مومن كونومش كونا | ۲۳ | 78 | 191 | . قشاعت | |
| | 1.0 | FIL | مومن كاحاجت بُرادنا | 44 | 14 | 192 | كفاف عِمَلاً منق بقدر منزورت | ٥ |
| | 111 | YIY | مومن که حاجت پراری می می کرنا | . 70 | 19 | 192 | امرخيرمي تعميل | 4 |
| 33 | 110 | TIP | مردمومن تعكرب كودوركرنا | 44 | P Y . | 191 | العات وعدل | |
| To the | 114 | rip | موم <i>ن كو</i> كھامًا كھيلايًا | 44 | r _A | 190 | لزگوں سے استغنا | 1 |
| .V. | 144 | 110 | مو <i>ین ک</i> ولباس بهنانا | Y A | ۲۰. | 194 | صلة رحم | 4 |
| 例 | 170 | PIN | مومن پرجهريان كرنا ادرعوست كرنا | 44 | 1 | 194 | والدين سينتك | |
| | 114 | 714 | فادمت مومن | pu, | | . 4 | المودمسلمين بس سى كرنا ال كوتعيمة | 11 |
| 217 | ITA | YIA | تعيوشا ومن | 21 | 41 | 194. | اددنقع بهنجاماً - | |
| 372 | 179 | . 719 | لوگؤل مے ددمیان اصلاح | ٣٢ | 45 | 199 | بوزمول كأتشطيم | IY |
| | 1171 | 77- | احيارمون | | 44 | y | لمؤشين كآأبيره يرميعا أنيجاره | 11" |
| K | 177 | וזץ | أييضاف كودعوت الى الايمان ديبا | 44 | AF | 1.1 | ممس دعويدارا يمان كاحق واجبسير | |
| | 188 | YYY | تقيدك صودت بيرمئ لفول كوامرٍ | 70 | | | موافات ملحاظ دين نهي دين مي آو | 10 |
| 3 | 7 | | حق ک دعوست بازرسنا | | 49 | Y-Y. | تعارت بوتا ہے۔ | |
| 3 | | | خداا پنادین اسے عطاکر استہد | | 4. | him | مومن کا حق المومن پر | 14 |
| | 122 | ۲۲۳ | دوست دکھتا ہے۔ | | 44 | r-m | نزاحم د تما ف ف زیارت افوان دیارت | 14 |
| | IFA | 414 | مسیلای دین تفید | ۳۷ | 49 | 1-0 | زيارت افوان | IA |
| \$\frac{1}{2}\frac{1}{2 | 14. | 770 | تقية | 44 | 10 | 4.4 | تمصافح | 14 |
| £,4 | { | | - · | | | | | |

| 7.5 7.5 | 3 | جلزا | PER | 500 | essa T | J. S. | 545F45F | انئن | E | B |
|------------|-------|-------|---|----------|-----------|--------|---------------------|---------------------------------|--------------|--------|
| 3 | مونر | باباز | نار حنوان | 200 | مزر | بابتير | حنوان | | كيرهماد | 3 |
| 35 | | | اس کے بارسے میں جو صل کا تعریف کرے | 4. | 10% | | | اذكوهياف | ۵۴ د | 5 |
| SP) | 444 | 414 | ادراس عمقلات على كرس | | iap. | 776 | الملامات ومسقات | ومت اوراسک | <u>بر بر</u> | 1 |
| 33 | 170 | YEA | . نوگون سے جنگڑا ضعومت اور دواوت | 41 | 124 | Y YA | ن | لتصدموم | اهم تحا | 7 |
| | rga | 444 | فضب | 44 | ı | | يرايمان بداودبرت | إخىبو تأنجنش | بربع د | 3 |
| 33 | 464 | 10. | ۲ حد | | 144 | 444 | <i>).</i> | میراس کے بہ | 4 | 12 |
| | 100 | 701 | عصبيت | 44 | [A· | 44. | مسامته آرام بإنا | | | 17.4 |
| | 407 | rar | ا بگیر | | IA• | rri | التذكيا دتع كآلمه | - | | 17 |
| | 444 | 101 | المجكب | 44 | IAI | ۲۳۲ | | ومن ك دوقسي | | 15 |
| 級 | 448 | 496 | • | | | | ج دمعا تب پرمبر | | | 5 |
| W | 724 | 700 | ملع | | ا ۱۸۳ | Almhi | | رغين | | G |
| | ۲۷۳ | 1.04 | • | | PAI . | | | ئىدىت ابتىلا ت | | - |
| 43 | 424 | 406 | سودخلق | | 194 | | | قراد المسلمين | | E |
| | 140 | YBA | • | | ۲۰۳ . | rmy | | - | - 149 | 2111.0 |
| | 144 | . 709 | پ ذا د،زبان درازی ** | | | | د د کان بن بن بوکت | | | 07.70 |
| | YA- | . 44. | ، وہ شخص <i>جربے شہیے بہ</i> ا جائے | | 4.4 | 444 | يبغان | | | SW |
| Ž. | PAI | . PAI | | | | | سے دمن کی تا بیکد ک | | | IN TO |
| 37 | YAY | 444 | | | 7.5. | | • | باتی ہے۔ ن | • | Ç |
| | 446 | . 444 | | | 4.4 | - | | | j or | 1.3 |
| N. | PAY | . 444 | الخلم | 44 | | KW. | | نام <i>ان کبیرہ</i> دور پرید | | |
| X | 494 | | خواہشات کہیروی ر | ٨٨ | LAV . | | رجمجنا | نا بهو <i>ن کوحقی</i> ند | * 64 | 100 |
| N. | 196 | | • | 49 | 774 | 444 | ار د <i>د</i> ید | نامپون پرام دی روسان | , 00 , 10 | |
| ** | 794 | | | | 17. | מאאל | رارفان | قرکے اصول او ا | | - 11 |
| 577 | ۳.۲ | AP.Y | | Al | rro | AWA | | یا ۲ لمب ریاست | , 64 h a | ١. |
| 35 | *** | | | 44 | ואץ | 140 | بهادے دنیاک گھات | | | - 1 |
| 50 | 7 7.4 | . F4* | مطع رحم نافوان والدين عقوق | ۸۳ ۸۳ | 444 | 444 | المرادع دي والا | مان الرب ال بيونار | | 1 |
| 6 | 3 | 2503 | CONTONO STORE CONTON | 300 | 308572 | 8D726 | DIRTINGE OF A | STAST! | (ES) | ڒۣڎۣ |
| 1 | 55-7- | ME'S | A FOR FOR FOR FOR FOR FOR | 15/4° | س دخمه د | 17,EG6 | 7256 6256 62566 | aray cra | G VW | - 0 |

| Š | W | ملزا | - Karara | 3 | 7 | 是 | ان الكائلة | 153 |
|------|------------|------------|----------------------------|------|----------|------|--|----------|
| 2000 | برصفحتبر | <u>ن</u> ا | عنوان | | | | | البشار |
| 500 | 444 | | نرے نہ دومرول کو دیتے وسے | | | 744 | دوسرون كم مقابل نسب برفز كمنا | 10 |
| 1 | Pro | YAY. | ج نومن کوڈرائے | | Ì | 14 P | مسلاتون كوادبيث اودعفيرهجتنا | |
| 3 | ٣٣4 | YAL | چنن <i>ن بی دی</i> | | MIL | 4414 | دومرون عجيب دعوندن والا | 14 |
| 5 | 476 | | انتثلث دا ز | 14 | hid | 440 | خذمنت مرزنش لومن | |
| 3 | m4. | MAG | معصيت فلراكم ساسته | • | ۳۲ | 444 | غيبت وبهتان | 49 |
| 3 | | | الحا وستنجمتلون | | 477 | 744 | تقلسن برمومن | 9. |
| | المأسا | Y 9 . | دشا يريكنا ميون كاسسذا | 1.14 | ۳۳ | 764 | شماثت | 91 |
| 1 | minm | 791 | حمنهنكاد وللصيح بمأتشيني | | 474 | 744 | شباب زخلیار!) | 94 |
| | 444 | 191 | احثا ت مردم تخسر | 1.0 | 444 | YA. | نقن من برمومن شماشت متباب دمگیارد) تهدت دیدگانی | 34 |
| | ۲۵۲ | rais | ممغسر | 1.4 | | | امس كماريدين جوايين كال | 31 |
| | Ind. | ran | دج وكفسر | | ۳۲4 | PAI | كولمفييحت مذكرسه و | |
| - | in it in | 790 | منفريصتون اوراس كاشافيس | | mr9 | YAY. | خلفٍ وعد | |
| į | 240 | 194 | مسقت لفائل ومنانق | | | | اص کے بارے میں حبی سے برا در | 44 |
| 1 | 719 | 796 | مشرک | 11- | 779 | ra p | . مومن ملخ آشة اوروه ستبل | |
| | ۳۷۲ | 494 | شك | 111 | | | اس کے اِرے بیں سے اس کا | |
| | 14.5 | 199 | مثللك | | بإنواتها | 44 4 | نجائن مدمإے اددوہ شکیت | [3], |
| - | MAI | to | متفعف | مطاا | | | يوكولى برا در يوسن يذفودكوليميز | 94 |
| Ì | | | | | | | | 1 |

0

N.lo

. .

ا ن زيد المنظم ا

الكسروالحفاسي والنباب

ه (بنائب) ۱۸۸ ه (الْحُبِّ فِي اللهِ وَ ٱلْبُغْضِ فِي اللهِ) ه

١ عداً أَمْ مِنْ أَصْحَامِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ مِنْ غُرَبْنِ عِبْسَى وَأَحْمَدُ مِنْ عُرَبْنِ خَالِدٍ، وَعَلَيْ مِنْ إِبْرَاهِمِمَ مَنْ أَبِدٍ ، وَ مَهْلُ بِن ذِئِلْهِ جَمِعا أَعَن ابْنِ مَحْبُولِ ، عَنْ عَلَيْ بْنِ دِئَالِ ، عَنْ أَبِي عُبِيدَة ٱلحَدَّاء عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لِللهِ قَالَ : مَنْ أَحَبُ لللهِ وَأَعْمَى للهِ وَأَعْمَى للهِ وَأَعْمَى للهِ وَأَعْمَى للهِ وَأَعْمَى للهِ وَأَعْمَى للهِ وَأَعْمَى اللهِ وَمُعْمَى للهِ وَأَعْمَى اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ اللهِ وَاللهِ اللهِ وَاللهِ وَاللّهِ وَاللّهِه

َ عَرِهٰ بِمَا لِدِعِسِدَا لِنُدَعِيدَا لِسَلَامِ نَے جِوَّوُسِشَنُودِيَّ خَدَا کے لئے کسی سِرِمِسِنہ کرے یا بغض رکھے اور یُوشِنُودیٌ خدا کے لئے کسی کوعطا کرسے تواس کا ایمان کا مل ہے۔

٣ - ابن مَحْبُوبِ ، عَنْ مَا إِلَيْهِ بْنِ عَطِينَةَ ، عَنْ سَعبدٍ إِلاَّ عَرْجٍ ، عَنْ أَبِي عَبدَ اللهِ عَالَ : مِنْ أَوْنَقِ عُركَى الأَبِمَانِ أَنْ تُحِبَّ فِي اللهِ وَتُعْفِضَ فِي اللهِ وَتُعْطِي فِي اللهِ ، وَ تَمْنَعَ فِي اللهِ أَنْ تُحِبِّ فِي اللهِ أَنْ تُحِبِّ فِي اللهِ وَتُعْظِي فِي اللهِ ، وَ تَمْنَعَ فِي اللهِ أَنْ تُحِبِّ فِي اللهِ أَنْ تُحِبِّ فِي اللهِ وَتُعْظِي فِي اللهِ وَتُعْظِي فَي اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ ا

۲-۱ بوعدد الندعايد اسلام سيدمردى بي كرجوا يمان كارستى كومنسبوط بكراس كو چاجتي كرمجست بيا عداوت ،عملايا منع جركيح وجمحف فوخ نودى قدا كريت بور

٣ - أَبْنُ مَحْبُوْبٍ، عَنْ أَبِي جَعْفَرُ عَيْنِ النَّعْمَانِ الْأَخْوَلِ صَاحِبِ الطَّاقِ ، عَنْ سَلامٍ ابْنِ الْمُسْتَنبِدِ عَنْ أَبِي جَعْفَر اللهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَلَهُ عَلَيْهِ عَنْ أَلَمُ وَمِن لِلْمُؤْمِنِ لِلْمُؤْمِنِ فِي اللهِ مِنْ أَعْظِم شُعَبِ الْإِمَانِ عَنْ أَبِي جَعْفَر اللهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَلَهُ عَلَيْهُ وَمَن لَلْمُؤْمِن فِي اللهِ مِنْ أَعْفِي اللهِ مَن أَحْفِلُ اللهِ .
اللا وَمَنْ أَحَبُ فِي اللهِ وَأَبْغُضَ فِي اللهِ وَأَعْظَى فِي اللهِ وَمَنْعَ فِي اللهِ قَهُومِنْ أَعْفِلُ اللهِ .

الله المنافعة المنافع

عَنْ أَبِي بَسِيرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلْظِ قَالَ: سَمِعْتُهُ يَقُولُ: إِنَّ ٱلْمُتَعَايِّيْنَ فِي اللهِ يَوْمَ ٱلْقِيَامَةِ عَلَى مَنَابِرَ مِنْ نُورٍ، قَدْ أَضَامَ نُورُ وَجُوهِهِمْ وَنُورُ أَجْسَادِهِمْ وَنَوُرُمَنَابِرِهِمْ كُلَّ شَيْءٍ حَتَى يُمُورُ فُوايِهِ ، فَيُقَالُ: هُولا مِ ٱلْمُتَعَابِتُونَ فِي اللهِ .

ہے۔ فرمایا ابوعبدا للمعلیالسلام نے فوٹ نودی فدا کے لئے ایک دوسرے کودوست رکھنے والے کو قیامت کے روز فور کے منبروں پر مہونگے اور فورسے ان کے چہرے اوراجسام اور منبراہے چیک رہے ہوں گے کہ وہ ای فورسے بہانے جائیں مجے اور ان سے کہا جائے گا یہ وہی لوگ ہیں جرآئیس میں ایک دوسرے سے فرینڈ الی اللّٰد دوستی رکھتے تھے۔

و - عَلِي بَنُ إِبْرَاهْهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَشَادٍ ، عَنْ حَرَّيزٍ ، عَنْ فُضَيْلَ بْنِ يَسَادٍ قَالَ : سَأَلْتُ الْمَاشِ عَنِ الْحُتِ وَالْبُغْضُ ، أَمِنَ الْإِيمَانِ هُوَ ؟ فَقَالَ : وَهُلِ الْإِيمَانُ إِلَّالَحُتُ وَالْبُغْضُ ، ثُمَّ الْإِيمَانَ وَذَيْتَنَهُ فِي قُلُوبِكُمْ وَكُرَّ مَ إِلَيْكُمُ الْكُفْرُ وَ الْفُسُوقَ وَالْيَصْلِانَ الْوَلْئِكَ مُمُ الزَاهِدُونَ الْمُسُوقَ وَالْيَصْلِانَ الْوَلْئِكَ مُمُ الزَّاهِدُونَ الْمُسَلِّقَ وَالْيَصْلِانَ الْوَلْئِكَ مُمُ الزَّاهِدُونَ الْمُسُوقَ وَالْيَصْلِانَ الْوَلْئِكَ مُمُ الزَّاهِدُونَ الْمُسْلِقَ وَالْيَصْلِانَ الْوَلْئِكَ مُمُ الزَّاهِدُونَ اللَّهُ الْمُلْوَقِ وَالْيَصْلِانَ الْمُلْتُونَ الْمُسْلِقَ وَالْمُسْلِقَ وَالْمُسْلِقَ الْمُلْتُونَ الْمُسْلِقَ وَالْمُسْلِقَ الْمُلْتِقِيقِ الْمُلْتِقِيقِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ

ے میں نے حفرت الوعیداللّٰدُ علیرانسلام سے پوچھاکیا محتب اوربغض ایمان سے سے قرمایاکیا ایمان حب دِنغض سے ملاوہ بی کوئی تجیزہے پھریرآ بیت تلاوت فرمائی ۔ اس نے ایمان کو تمہاد سے بے بچوب قرار دیاہے اور تمہارے دلوں پین اس کو زیزت دی ہے اورکھرونسوق وعصیان سے تم کونفرت دلال ہے بہی لوگ داشدین ہیں ۔

٣ عِذَة مِن أَصْحَابِنا ، عَن أَحْمَد بْن أَبِي عَبْدِاللهِ ؛ عَن عَبْدِاللهِ ؛ عَنْ عَبْدِينِ عبلى ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ عَلِيّ بْنِ يَعْدَى - فَهِما أَعْلَمُ - عَنْ عَمْرِ وَبْنِ مُدْدِكِ الطَّائِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ تَهْدَيْكُ لِلْ صَحَابِهِ : أَي عُرَى الْإِمانِ أَوْتَقُ ؟ فَقَالُوا : اللهُ وَرَسُولُهُ أَعْلَمُ ، وَقَالَ بَعْضُهُمْ : الصَّلاةُ وَقَالَ بَعْضُهُمْ الصَّائِقَ وَقَالَ بَعْضُهُمْ : الْحَجّ وَالْعُمْرَةُ وَقَالَ بَعْضُهُمْ : الْجِهادُ ، فَقَالَ رَسُولُ اللهِ اللَّهِ كَاهُ وَقَالَ بَعْضُهُمْ : الْجِهادُ ، فَقَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْكِنْ أَوْتَقُ عُرَى الْإِمانِ : الْحُبّ فِي اللهِ وَالْمُنْ فِي اللهِ وَ اللَّهِ اللهِ وَالْمُنْ فَي اللهِ وَ اللَّهِ اللهِ عَلَى اللهِ وَاللَّهُ وَاللَّهِ وَاللَّهِ اللهِ وَاللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَاللَّهِ وَاللَّهِ وَاللّهِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَاللَّهِ وَاللَّهُ وَلَا إِلَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا لَهُ اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا لَهُ الللَّهُ وَاللَّهُ وَلَا لَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ وَلَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الل

۱-فرایا حفرت ابوجدا لندعلیال ام نے کرسول اللہ نے اپنے اصحاب سے فرمایا ۱ بھان کی کون سی رسی ذیادہ مفہوط ہے اسخوں نے کہا دورہ ، بعض نے کہا ج اور عمرہ ، بعض نے کہا ج اور است نے دیا دہ مفہوط دسی حب فی اللہ و بغض فی اللہ اور اولیا سے خدا کو دوست دکھنا اور ان کے درشمنوں سے بغض درکھتا ہے ۔

504/4

الله المناسبة المناسب

٧ - عَنْهُ ، عَنْ عَنَّ مِنْ عَلِيّ ، عَنْ عُمَرٌ بْنِ جَبَلَةَ الْأَحْمَسِيّ، عَنْ أَبِي الْجَارُوهِ ، عَنْ أَبِي جَمْفُرِ

عَنْ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ بَهِ إِنْهِ يَهِ اللهُ عَلَى الْمُتَخَابِّوُنَ فِي اللهِ يَوْمَ الْقِيامَةِ عَلَى أَرْضِ زَبَرْ جَدَةٍ خَصْراً اللهَ فِي ظَلّ عَنْ يَمْ بِيهِ عَنْ يَمْ بِيهِ . وَكِلْمَا يَدَيهِ يَمَنِي . وُجُوهُمُ أَشَدُ بَياضاً وَ أَضَوَهُ مِنَ الشَّمْسِ الطَّالِمَةِ ، يَغْيِطُهُمْ مَنْ اللهِ عَنْ يَمْ اللهِ مُقَرِّ بِوَكُلُ نَبِي مُرْسَلٍ ، يَقُولُ النَّاسُ : مَنْ هُولًا ، فَوَلا الْمُتَخَابِتُونَ فِي اللهِ .

بِمَنْزِلَتِهُمْ كُلُّ مَلَكِ مُقَرَّ بِوَكُلُ نَبِي مُرْسَلٍ ، يقَولُ النَّاسُ : مَنْ هُولاً ، فَوُلا الْمُتَخَابِتُونَ فِي اللهِ .

ے - فرایا حفرت الیجعفر علیا اسلام نے کرد ہوگ اللہ نے فرایا ۔ فوٹ نودی فدا کے سلے محبت کرنے والے دوز قیامت ذیر چد بہزی ڈمین پر عوش الہٰ کے سایہ میں ہوں گئے اور دو نوں یا شوان کے واہنے ہاتھ کی طرح قوی ہوں گئے ان کے چمرے سفید میں سے اور سودرج سے ڈیا وہ چکھا امال کی مغزلت پر ہر ملک مقرب اور ہر نبی کمرسل کرسے گا۔ اوک پوچھیں گئے یہ کون ہیں کہا جلسے گا سے وہ اوگ جی جود خالے الہٰ کے لئے ایک دوسر سے محبت کرتے تھے۔

٨. عَنْهُ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّمْرِ بَنِ نُوَيْدٍ ، عَنْ هِشَامِينِ سَالِم ، عَنْ أَبِي حَمْرَةَ الْمُمَالِيّ ، عَنْ عَلَيْ ابْنِ الْحُسَيْنِ لِنَظَاءُ قَالَ : إِذَا جَمَعَ اللهُ عَرْ وَ حَلَّ الْأَوْ لِنَ وَالْآخرِ بِنَ قَامَ مُنَادٍ فَنَادَى يُسْمِعُ النَّاسَ فَبَعُولُ : أَيْنَ الْمُتَعَابِتُونَ فِي اللهِ ، قَالَ : فَبَعَوُمُ عُنْقٌ مِنَ النَّاسِ فَبُقَالُ لَمْ الْمُعَجَابِتُونَ فِي اللهِ ، قَالَ : فَبَعَوُلُونَ : إلى أَيْنَ ؟ فَبَعُولُونَ : إلى الْجَنَّةِ بِعَيْدِ حِسَابٍ ، قَالَ : فَبَعَوْلُونَ : إلى أَيْنَ ؟ فَبَعُولُونَ : إلى الْجَنَّةِ بِعَيْدِ حِسَابٍ ، قَالَ : فَبَعَوْلُونَ : إلى أَيْنَ ؟ فَبَعُولُونَ : إلى الْجَنَّةِ بِعَيْدِ حِسَابٍ ، قَالَ : فَبَعُولُونَ وَأَيْ فَيَعُولُونَ : إلى الْبَيْعُ اللهُ أَيْنُ ؟ فَبَعُولُونَ : إلى اللهِ أَيْنَ ؟ فَبَعُولُونَ : إلى الْجَنَّةِ بِعَيْدِ حِسَابٍ ، قَالَ : فَبَعُولُونَ : فَلَا اللهِ أَيْنَ ؟ فَبَعُولُونَ : إلى اللهِ أَيْنَ ؟ فَبَعُولُونَ : إلى الْبَيْعُ فَيْوَلُونَ : إلى اللهِ أَيْنَ ؟ فَبَعُولُونَ وَاللهِ فَيَعُولُونَ وَاللهِ فَيَعُولُونَ نَعْمَ أَلْهُ إلى اللهُ أَلَى اللهُ أَلَى اللهُ إلى أَيْنَ اللهُ إلى اللهُ إلى اللهِ أَيْنَ اللهُ إلى أَيْنَ اللهُ إلى اللهُ إلى اللهِ إلى اللهُ إلى أَيْنَ اللهُ إلى اللهُ إلى

۸- حفرت على بن الحسين عليدالسلام نے فراباجب دوزقيامت اوّلين د آخين جمع موسكے توايک منادی ندا كرے گا جس كولوگ منيس محے دہ كچے گا كہاں ہيں قربتنا ل الله مجست كرنے والے ـ بس كچے لوگوں ك گردنيں اضيں گا، ان سے كہا جلئے گاجنت كى طون ہے حساب جلو، طائكہ لچھيس مح كہاں جارہت ہو وہ كہيں مگر بم قربتنا لى الله محبت كرتے والے ہيں وہ كہيں مكے تمهارے اعمال كيا متھ امفوں نے كہا ہم فوشنودك فذاكے لئے كى سے مجنت يا بغن ركھا كرتے متے وہ كہيں مكے كيا اچھا ہے ابو عمل كرنے والول كا -

 المنظ ال فيعلم المنظم ا

عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلْهِ قَالَ : إِنَّ الرَّ جُلَلَيْجِبُّكُمُ وَمَا يَعْرِفُ مَاأَنَتُمُ عَلَيْهِ فَيُدْخِلُهُ اللهُ ٱلْجَنَّـةَ بِحُبِكُمُ وَ إِنَّ الرَّ حُلَ لَيْبِيْفِضُكُمُ وَمَا يَعْرِفُ مَاأَنَّتُمُ عَلَيْهِ فَيَدُّخِلُهُ اللهُ يِغْضِكُمُ النَّارَ

ور فرایا امام جعفر ما دق ملیل اسلام نے ایک شخص تم سے محبت آلوکر تلب بنظا ہر شید و بہونے کی ج ثبیت سے اور اسس گنا دکو نہیں جاننا جوتم کرتے ہو تو خدا اس کو واخل جنت کرے گا اور ایک تم سے بہ سبدب شیعہ ہونے کے عداوت رکھنا ہے اور بینہیں جاننا کو تمہار اگناہ کیا ہے تو خدا اس کو داخل جہنے کرے گا

١١ عداً أَ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ خَمْدَ بْنِ خَالِمٍ ، عَنِ ابْنِ الْعَرْزَمِي ؛ عَنْ أَبهِ ، عَنْ جَابِرِ الْجُمْفِي ، عَنْ أَبِي جَنْفِر اللهِ قَالَ : إِذَا أَرَدُت أَنْ تَعْلَمُ أَنَّ فَبِكَ حَيْراً فَانْظُرُ إِلَى قَلْكَ ، فَإِنْ كَانَ يُحِبُّ أَهْلَ طَاعَة إللهِ قَلْكَ ، فَإِنْ كَانَ يُحِبُّ أَهْلَ طَاعَة إللهِ قَ يُحِبُّ أَهْلَ طَاعَة إللهِ قَ يَحْبُ أَهْلَ طَاعَة إللهِ قَلْمَ مَعْضِيتهِ فَلَهُ عَنْدُ وَاللهُ يُبغِضُكَ وَإِنْ كَانَ يَبغُضُ أَهْلَ طَاعَة إللهِ وَيُجْبُ أَهْلَ طَاعَة إلله وَيُعْضَلُ مَعْمَ مَنْ أَحَبُ .

اا۔فراہا الوج عفر علیدالسلام نے جبتم یہ جاشنا چام کرتم میں تیکی ہے توا پنے دل پر فور کر واگر وہ اللہ کے مطبع بند وں سے مجت کر تلہ ہے اور آگر ابل معلیت سے ابنوں رکھتا ہے تو تم سمجہ وکرتم میں نیکی ہے اور آگر ابل طاعون سے بغض رکھتا ہے اور اللہ تم سے دور سے دو

١٢ - عَنْهُ ، عَنْ أَبِي عَلِيّ الْواسطِيّ ، عَنِ أَلَحُسَيْنِ بَنِ أَبَالٍ اللهِ عَمَّنْ ذَكَرُهُ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عِلْهِ فَالَّذَ لَوَأَنَّ رَجُلاً أَحَبُ رَجُلاً لللهِ عِلْمَ اللهِ عِنْ أَهْلِ النَّالِ فَالَّذَ لَوْأَنَّ رَجُلاً أَبَعْضَ رَجُلاً لللهِ عِلْمَ اللهِ عِنْ أَهْلِ النَّالِ وَلَوْأَنَّ رَجُلاً أَبِعَ ضَرَدُ لِللهِ عِلْمَ اللهِ عِنْ أَهْلِ النَّالِ وَلَوْأَنَّ رَجُلاً أَبِعَ ضَرَدُ لِللهِ عَلَى عَلَيْمِ اللهِ عِنْ أَهْلِ النَّالِ وَلَوْأَنَّ رَجُلاً أَبِعَ ضَرَدُ وَلَوْ اللهِ عَلَيْمِ اللهِ عِنْ أَهْلِ النَّالِ وَلَوْ اللهِ عَلَيْمِ اللهِ عِنْ أَهْلِ النَّالَةُ وَاللهِ عَلَيْمِ اللهِ عِنْ أَهْلِ النَّالِ وَلَوْ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عِنْ أَهْلِ اللّهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمِ اللهِ عِنْ أَهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْمِ اللهُ عِنْ أَنْ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عِنْ أَهِ الللّهُ عَلَيْمُ الللّهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ اللهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَى مُؤْلِمُ اللّهُ عَلّهُ الللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَى مُؤْلِمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَيْلُولِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَى مُعْلِمُ اللّهُ عَلَيْلُولِ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ الللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَّا عَلَيْمُ اللّهُ عَلَّا عَلَيْمُ اللّهُ عَلَّالِمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَّا عَلَيْمُ اللّهُ عَلَّا عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَّا عَلَيْمُ اللّهُ عَلَّا عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ الللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَالْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْمُ اللّهُ اللّهُ عَلَّمُ اللّه

۱۲۔ فرمایاا مام محدثنتی علیہ السلام نے اگر کوئی شخص سے قریشہ الیٰ اللہ محبت کرے تو اللہ اس کو اس مجبت کا تو اب عطا کرسے گا اگر چہ اس کا محبوب علم الخی میں ووزخی بہوا دراگز کسی سے قریشہ الیٰ اللہ بغی رکھے تو اللہ اس کو اس کا ٹواپ دے کا اگر بد اس کا دشمن اہلِ جشت ہی سے ہو۔

١٣- ُ عَمَّا بُنْ يَحْمَٰى ، عَنْ أَخْمَا ، بَنْ غَمِّ بَنِ عَيِسْى ، عَنِ الْحُسَنِي بَنِ سَعَهِم * عَنِ النَّشْرِ بَنِ سُوَبَهِ عَنْ يَحْمَى الْحَلَبِيّ ، عَنْ بَشِيرِ الْكُناسِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ إِلَيْهِ قَالَ : قَدْيَكُونُ خُبُّ فِي اللهِ وَرَسُولِهِ وَ مَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ وَمَا كَانَ فِي اللهُ نَيا فَلَيْسَ بِشَيْهِ . حُبُّ فِي الدَّنْيَا فَمَا كَانَ فِي اللهِ وَرَسُولِهِ فَقَوْا بُهُ عَلَى اللهِ وَمَا كَانَ فِي الدُّ نَيا فَلَيْسَ بِشَيْهِ . ۱۳ فرمایا امام جعفومادق علیالدام تے جمعی ایسام ولیے کوئت فی الله اور حت دول کے ساتھ حب ونیا ہوتی بدول کے ساتھ حب ونیا ہوتی بدول کا تعلق بدول کا تعل

١٤ عِدَةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ؟ عَنْ أَحْمَدَشِ مُعْدِينِ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عبِلَى ؟ عَنْ سَمَاعَةً بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ أَمْ مُناحُبُ اللهِ عَلَى إِنَّ الْمُسْلِمِينَ يَلْتَقِيانِ ؟ فَأَفْضَلُهُمُا أَشَدَّ هُمَاحُبُ الطاحِبِهِ .

مم الفرطيا صادق الممركة في جب دوسلمان لمين تواففل ان من وه بي جومجست مين زياده مد

١٥ _ عَنْهُ مُعَنْ أَخْمَدَ بِنِ أَعَدِبِنِ أَبِي نَصْرِ وَابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ صَفُوانَ الْجَمَّالِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْتِكُمُ قَالَ : مَا الْنَقَلَى مُؤْمِنَانِ قَطُ ۚ إِلَّا كَانَ أَفْضَلُهُمَا أَشَدَّ هُمَا حُبَّالِاً خيو

۵۱- فرایاحفرت الوعبدالشرنے جب دومومن بلتے میں تواففل وہ مہوتاہے جواپنے بھائی ہے محبت مسیں نیا دہ ہو۔ نیا دہ ہو۔

١٦ ــ الْحُسَيْنُ بْنُ عُقْدٍ ، عَنْ عُقَدِبْنِ عِمْرَانَ السَّبِيعِيّ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَبلَةَ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ
 عَمْارٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلْمَالَ : كُلُّ مَنْ لَمْ يُحِتِّ عَلَى الدَّبِنِ وَلَمْ 'يُبغِضْ عَلَى الدّبِنِ فَلادِبنَ لَهُ .

۱۹ر قرمایا حقرت ا بوعبدا لله طبراسلام نے جب کوئی دیں کی مجست میں کسے بغف یا محبست نہیں رکھٹ اس کا دین ہی نہیں ہے ۔

ایک سولواسی وال باب مندن نیا اور زبرتی الدنیا (باب) ۱۸۹

۵ ﴿ ذَمِّ الدُّنْيَا وَالزُّهْدِ فَهِهًا ﴾ ٤

١ _ عَنْ أَنْ يَحْبَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ مَهِي عِلْى ، عَنِ الْحَسِنِ بْنِ مَحْبُوبِ ، عَنِ الْمِيثَمَ بْنِ فاقد

الْجَزَ رِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلَى قَالَ : مَنْ رُهَدَ فِي الدُّنْيَا أَثْبُتَاللهُ الْحِكْمَة فِي قَلْبِهِ وَ أَنْطُقَ بِهَا لِينَانَهُ وَبَعَشْرَهُ عُبُوبُ اللَّهُ نَيَا دَاءَ لَمَا وَدَوْا، لَمَا وَأَخْرَجُهُ مِنَ الدُّنْيَا سَالِماً إِلَىٰدَادِالسَّلَامِ .

ا۔ فرمایا حضرت ابوجدا الله علیا اسلام نے فعیم فی الدنیا قلب انسان میں حکمت برقراد رکھتلیے احداس کی ذبان کو گئریا کرتلہے اور اس کا خلاج میں اور اس کا حلاج میں اور اس کا حلاج میں اور اسے دنیا سے معمد میں اور اسلام کی طرف ۔ میصح سسلامت وار اسلام کی طرف ۔

٧ -- عَلِيَّ بْنُ إِبْرَاهِمِ ، عَنْ أَبِهِ ، وَعَلِي بْنِ عَيَالَةُ الْقَامَانِيّ ؛ جَمِيماً ، عَنِ القاسِمِ بْنُ عَيْدِ ، مَنْ الْمَيْمَانِ بْنِ الْمَيْمَانِ بْنِ الْمَيْمَانِ بْنِ الْمَيْمَانِ بْنِ الْمَيْمَانِ بْنِ الْمَيْمَانِ بْنَ عَنْ حَمْسِ بْنِ غِيَاتٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهُ عَلَى قَالَ: مَا لَذَ عَلَ الْمَعْنِ عَلَى الْمَعْنِ عَلَى الْمَعْنِ عَلَى الْمَعْنِ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ السّلامُ : حَرْامٌ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَامُ : حَرْامٌ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَامُ : حَرْامٌ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَامُ : حَرْامٌ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَامُ : عَلَيْهِ السّلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَامُ : عَنْ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلْهُ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ السّلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلْهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلْهُ عَلْهُ عَلَى اللّهُ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْه

۲- فرطیا حفرت ابوعبد الله علیدا سلام نے خرسب کی سب ایک گوئی ہے حس کی کبنی زمد فی الدنیا ہے محرفر ایا اسول الله نے فرطیا حسال کی ملادت اپنے قلب میں نبائے گاجب یک فذائے دنیا سے بے روا نہ ہو اور حفرت ابوعبد ما للہ نے فرطیا جب تک دنیا ہے ہے دخبت نہ مہوں دنوں پر حرام ہے کہ وہ صلادت ایمان کو بائیں۔

٣ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنْ عَبِّنِ عَبِسَى ، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ أَبِي أَيْوُبَ الْخَرْ ازِ، عَنْ أَي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْهَرِ يَهِلِا قَالَ : قَالَ أَمِيرُ الْمُؤْمِنِينَ يَهِلا إِنَّ مِنْ أَعْوَنِ الْأَخْلَاقِ عَلَى الدّبِنِ الذُّهْدَ فِي الدُّنْيَا .

سو- قرايا اميرا لمومنين عليا اسلام في دبن من سب سعة يا ده مدد كارا خلاق مي زبر في الدنيا جه-

٤ ــ عَلِيَّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، وَ عَلِيُّ بْنُ عَبَّهِ ، عَن القاسِم بْنِ عَبَّهِ ، عَن سُلَيْمَانَ بْنِ دَادُدَ
 الْمِنْقَرِيِّ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ هَاشِم بْنِ الْبُرَيْدِ ، عَنْ أَبِهِ أَنَّ رَجُلاً سَأْلُ عَلِيّ بْنَ الْحَسْنِ عَلِيْظَاءُ عَنِ الرَّهْدِ الْمُنْ وَجُلاً سَأْلُ عَلَيْ بْنَ الْحَسْنِ عَلِيْظَاءُ عَنِ الرَّهْدِ اللهِ عَنْ أَدْنَى دَرَجَةِ الْوَرْعِ وَأَعْلَى دَرَجَةِ الْوَرْعِ وَأَعْلَى دَرَجَةِ الرَّهْدِ أَدْنَى دَرَجَةِ الْوَرْعِ وَأَعْلَى دَرَجَةِ الْوَرْعِ أَدْنَى دَرَجَةِ الرِّشَا ، أَلَا وَ إِنَّ الرِّهُدَ فِي أَلَيْةٍ مِن كِنَابِ اللهِ عَنْ وَ جَل : وَ أَعْلَى دَرَجَةِ الرِّشَا ، أَلَا وَ إِنَّ الرِّهُمَ فِي أَلَيْةٍ مِن كِنَابِ اللهِ عَنْ وَ جَل : وَ أَعْلَى دَرَجَةِ الْمُنْ مُؤْلِئِمْ أَلْ وَ إِنَّ الرِّهُمْ وَلِي اللهِ عَنْ وَ جَلْ : وَ لَكِيلًا تَأْسُوا عَلَى مَا فَا تَكُمْ وَلا تَعْرَحُوا بِمَا أَلَاكُمْ أَوْرَعِ لَا يَعْرَحُوا بِمَا أَلَاكُمْ وَلا تَعْرَحُوا بِمَا أَلَاكُمْ أَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلْمَ عَلَى مَا فَا تَكُمْ وَلا تَعْرَحُوا بِمَا أَلَى كُولُونَ اللّهِ عَنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ عَلْمَالَالُهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللللللللْ اللللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ الللللْمُ الللّهُ اللّهُ الللللْمُ الللللْمُ الللللْمُ الللللْمُ اللّهُ الللللْمُ الللللْمُ الللْمُ الللللْمُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللْمُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ اللْمُ الللللْمُ الللللْمُ اللللْمُ اللللْمُ الللْمُ الللّهُ اللّهُ الللللْمُ الللّهُ اللللللْمُ ا

سه ایکشخص خصفرت علین الحسین علیها السلام سے دیجا زمد کے متعملق ، فوایا دس چیزی چی ان میں ایک زمد ہے پس زمد کا اعلیٰ درجہ ودرع کا ارنیٰ درجہ ہے اور ودرع کا اعلیٰ درجہ یقیں کا ادنیٰ درجہ ہے الدیقین کا اعلیٰ درج رضا کا ارنیٰ درجہ ہے ذہری تعریف کتا بہتر خوامیں یہ ہے جو نوت ہوجلئے اس پراضوس دکر و جوبل جلئے اس پر نوش ذہجہ۔

٥ .. وَيِهٰذَا ٱلْإِسْنَادِ ، عَنَ الْمِنْفَرِيّ ، عَنْ سُفْيَانَ بْنِ عُيَيْنَةً فَالَ : سَيِمْتُ أَبْاعَبْداللهِ عِلَى وَ هُمَو يقَوُلُ: كُلُّ قَالِ فِهِ شَكُ ۚ أَوْشِرُكُ فَهُوَسَاقِطُ وَإِنَّمَا أَزَادُوا بِالزَّهْدِفِي الدُّ نَيَالِنَفْرَ عَ قُلُوبُهُمْ لِلْاخِرَةِ .

۵ رفرایا الدعد النّدهلدانسلام نے ہردل جس میں شک درخرک ہو وہ سا قطالا عتباد ہے انہیار وا وصیافے دنیاسے برفتی اس کے رکھی تاکہ آخرت کے لئے ان کے دل مجبت دنیاسے خالی ہوجائیں

۱-۱میرا لمؤنین طیرانسلام نے فرایا جوشنی آواب آخرت کی طرف رغبت دکھتاہے اس کی علامت یہ ہے کہ دہ دنیا کی چند دونہ لذات کو ترک کرتاہے ہوشنی دنیا میں زہدا ختیاد کرتاہے تو وہ تقیم الجی کی روسے نقصان میں نہیں دہتا کی دونے الذات کو ترک کرتاہے تو اسے آخرت کا تواب مل جا آ ہے لذات دنیا مے ویص کوح می کرنے سے مجھ زیادہ نہیں کرجا آ ۔ تو وہ تواب ہے جھ زیادہ نہیں کروم ہوجا تہہے۔

٧ - عُنَّا بُنُ يَحْلَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الْخَنْعَيْنِ ، عَنْ طَلْحَةً بْن زَيْدٍ ، عَنْ أَلَوْ ، عَنْ عَنْ طَلْحَةً بْن زَيْدٍ ، عَنْ أَلَوْ مَنْ اللهِ عَلْمَا اللهِ عَلَيْهَا فَا لِهَا أَنْ يَكُونَ فَهِا جَائِماً خَالِهَا .
أَيِّي عَبْدِاللهِ عِلِيهِ قَالَ: مَا أَعْجَبُ رَسُولَ اللهِ وَاللَّهُ عَنْ اللَّهُ نَيْا إِلْأَانْ يَكُونَ فَهِهَا جَائِماً خَالِهَا .

٥- فرما ياحفرت جدد الشوليالسلام فه رسول الشكودنياس كون بيزاس سازياده بسندنهي آن كم وه مجيس مين الدفعال فدرت ربس .

٨ عِدْ أَهُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبْدِ بْنِ خَالِدٍ ، عَنِ القَاسِم بْنِ يَحَنَى عَنْ جَدِّ والْحَسَنِ ابْنِ اللهِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عِلْقِ فَالَ : خَرَجِ النَّبِيُّ وَالْمُوسَدُونَ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِيلُو عَلَيْ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِيلُو اللهِ عَنْ عَبْدِيلُونَ عَلَيْ عَلَا عَالِمَ عَنْ عَبْدِيلُونَ مَا لَهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِيلُونُ عَلَيْ عَنْ عَبْدِيلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْ عَبْدُ اللهِ عَنْ عَبْدِيلَهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ عَبْدِيلُونُ عَنْ عَبْدِيلُهُ وَاللّهِ عَنْ عَبْدِيلُهُ عَنْ عَبْدِيلُونُ عَلَى اللهِ عَلَى عَبْدِيلُونَ عَبْدِيلُونَهُ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهِ عِلْهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى عَلَى اللّهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَالِهِ عَلَى اللّهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى عَلَى اللّهِ عَلَى عَلَى اللّهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى الل

فَأَنَّاهُ مَلَكُ وَمَعَهُ مَفَاتَبِحُ خَزَائِنِ الْأَرْضِ ، فَقَالَ : يَأَغَّهُ هَٰذِهِ مَفَاتَبِحُ خَزَائِنِ الْأَرْضِ يَقُولُ لَكَ رَبُّكَ: افْتَحْ وَحُذْ مِنْهَا هَاشِئْتَ مِنْ غَيْرِأَنْ تَنْقُصَ شَيْئًا عِنْدي ، فَقَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفِيَئِيِّ اللّهُ نَيَا ذَارُمَنَ لَاذَارَ لَهُ وَلَهَا يَجَمَّعُ مَنْ لا عَقْلَلَهُ ، فَقَالَ الْمَلَكُ : وَالّذِي بَعَنَكَ بِالْحَقِّ نَبِيتًا لَقَدْ سَمِعْتُ هَٰذَا الْكَلامَ مِنْ مَلَكِ بِقَوْلُهُ فِي السَّمَاءُ الرّابِعَةِ ، حِنَ أَعْطَبِتُ الْمَفَاتَبِحَ .

۵- قرایا الوعب دا لدّعلیال الهنه که ایک دوزرسول خداصلی خون و مُغیم برا مرموست ان کے پاس فرشت آ پا
 اور اسپنسا تہ خو اتن ارض کی کنجیاں لایا کہنے دلگا۔ اسے محکر بیخزائن ارض کی کنجیاں ہیں خدا فرما آسے کر تفل کھولو ا ورحیسنا چاہو ہے تو کہ تہمارا آلوا ب آخرت میرے ٹردیک کم نہ ہوکا صفرت نے فرمایا ۔ دنیا گھر ہیں اس کے لئے جس کے لئے دوسرا گھرشہ ہو۔
 یہاں جی وہ کرے گا جس کی عقل نرمین فرشتہ نے کہا قسم ہے اس ڈات کی جس نے آپ کوئبی برحی بسنایا کریہی کلام میں نے آسمان جہارم ہداس فرشتہ سے سنا تھا جس نے تھے یہ کنجیاں دی تھیں ۔

٩ ــ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَن أَبِيهِ ، عَن أَبِيهِ ، عَن أَبِيهُ ، عَنْ جَمِيلِ بْنِ دَدُّ اج ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى مَنْ بَلَةٍ مَيْناً ، فَقَالَ لِإَضْحَابِهِ : كَمْ يُسَاوي عَلَى مَنْ بَلَةٍ مَيْناً ، فَقَالَ لِإَضْحَابِهِ : كَمْ يُسَاوي هُذَا؟ فَقَالُوا: لَعَلَّهُ لَوْ كَانَ حَيَّالَمْ يُسَاوِدِ هُما ، فَقَالَ النَّبِيُّ بَهِ وَالذَّي نَفْسِي بِيدِهِ الدُّ نَيْاأُهُونَ عَلَى اللهِ عِنْ هٰذَا الْجَدْي عَلَى أَهْلِهِ .
 عَلَى اللهِ مِنْ هٰذَا الْجَدْي عَلَى أَهْلِهِ .

۹ ۔ فرمایا حفرت ابوعید الله علیدالسلام نے کر رسول الله صلع گزرے ایک الیے مردہ بکری کے بچہ کی طرف سے جس کے کان کے بعد کا واقع میں کان کے بعد کا انداز اسلام نے کہا اگریہ زندہ جس کے کان کے بعد کا تعدید میں انداز اسلام کے بعد کا کوئی سوال ہی نہیں ، حفرت نے فرمایا ۔ فداکی قسم یہ دنیا عدا کے نزد کیک اہل دنیا کے نزد کیک اہل دنیا کہ اسلام سے تریادہ و لیبل ہے ۔

١٠ على بن إبراهيم، عَنْ عَلِي بن عَبّ الْقاساني، عَمَّن ذَكرَهُ، عَنْ عَبْدِاللهِ بن القساسم عَن أَي عَبْدِ اللهِ إللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ بَلْ وَفَقْتُهُ فِي الدّ بِن و بَعشَرَهُ عُبُوبَها عَن أَي عَبْدِ اللهِ عَلَى إللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَن اللهُ عَد وَعَالَ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى

الله المنظمة ا

قَالَ: وَسَوِهْتُ أَبِاعَبْدِاللهِ عِلَيْ يَتَوُلُ: إِذَا تَخَلَى الْمُؤْمِنُ مِنَ اللَّهُ نْبَاسَمْ أَوْ وَجَدَ حَلَاوَةَ حُبِّ اللهِ وَكَانَ عِنْدَأُهْلِ اللَّهُ نَيْا كَأَنَهُ قَدْ حَوْلِطْ وَإِنتَمَا خَالْطَ الْقَوْمَ حَلَاوَةَ حُبِّ اللهِ فَلَمْ بَشْتَعِلُو المِعَيْرِهِ . فَالَ وَسَمِعْتُهُ بِقَوْلُ : إِنَّ الْقَلْبَ إِذَا صَفَاضًا قَتْ بِعِالْا أَرْضُ حَنَّى يَسَمَّهُ .

١١ - عَلِيْ ؛ (عَنْ أَبِهِ)؛ عَنْ عَلِي بْنِ عَبْر الْفَاسَانِيّ عَنِ الْقَاسِم بْنِ عَبْر الْمَهْ الْمُنْ وَالْهِ وَ عَنْ الْفَاسِم بْنِ عَبْلِم بْنِ شِهْابِ قُالَ: الْمِنْ عَبْر اللهِ عَنْ عَبْد اللهِ عَنْ اللهُ عَرْق عُبْر اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَمْر اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَمْر اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَمْل الله عَدْ مَعْر فَقِ اللهِ اللهُ عَنْ اللهُ عَمْر اللهُ عَمْل اللهُ عَمْل اللهُ عَمْل اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَمْل اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَمْل اللهُ عَمْل اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَمْل اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلْهُ اللهُ اللهُو اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُو اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ال

١١- حفرت على بن السين سع سوال كياليا عندالله كون ساعمل زياده اففل سع فراي الله اورسول كم موفت

کے بغوریفس دید سے بڑھ کرکو گئی تہیں اور اس کی بہت ہی شاخیر ہیں اور دعامی کی بھی شاخیر ہیں ہے بہا چیز فدا کی افران کہ بڑے یہ معقیب تنافی ہیں ہے بہاری اور کا فروں میں سے بہوگیا اور حرص وہ معقیبت الرکواول ہی سے بوجا و کہ اور حرص وہ معقیبت الرکواول ہی سے بوجا و کہ کہ اور در ایٹ انقصان کرنے والوں میں سے بوجا و کے ایس انھوں نے اس چیز کو لے دیا جس کی انتھیں فرورت در تھی لہذا دیجیز دوڑ قیامت تک ان کی اولا دیں وافل ہوگ اور اولاتِ آوم اکٹراس چیز کو طلب کرے گئی میں ماری ہیں ہے جیز دوڑ قیامت تک ان کی اولا دیں وافل ہوگ اور اولاتِ آوم اکٹراس چیز کو طلب کرے گئی جس کی اسے خرورت درجو پھر حد کر جو آدم کے بیٹے میں کیا اس نے اپنے مجا کی کوشت کی میت مراحت و کلام و بلندی ، مرتبدا وردولت کو قبل کر دیا اس کی شامی میں جو بیس کی میت ، دیا می میت ، دیا میں جب و کری ہیں ابنیام اور علمار نے ان امور کو جانے ہوگئی ہیں ابنیام اور علمار نے ان امور کو جانے ہوگئی ہیں۔ کر میست بے یہ سات عاد تیں ہیں یہ سب میت و نیا میں جو جو گئی ہیں ابنیام اور علمار نے ان امور کو جانے ہوگئی ہیں۔ کر میست بے یہ سات عاد تیں ہیں یہ سب میت و نیا میں جو جو گئی ہیں ابنیام اور علمار نے ان امور کو جانے ہوگئی ہیں۔ کر دنیا کی میت تراحت کی کہ ہے اور ملاوں کی جو ہے دریا ہے شام کی ایک میت میں جو اور کی ہو ہوگئی ہیں۔ کر دنیا کی میت تراحت کی اس میں کر چاہے دریا ہو گئی ہیں۔ کر دنیا کی میت تراحت کی اور کو جانے ہوگئی ہیں۔ کر دنیا کی میت تراحت کی اور کو جانے ہوگئی ہیں۔ کر دنیا کی میت تراحت کی کر جو ایس کی دو تعین جی خود ان کی جو بھی ہوئی کی جو تراحت دیا ہو گئی ہوں۔ کر دیا ہو کر دیا ہوئی ہوئی کر دیا ہوئی کر دیا ہوئی کی جو تراحت دیا ہوئی کر دیا ہوئی کر دیا ہوئی کر دیا ہوئی کر دیا ہوئی ہوئی کر دیا ہوئی کر دیا ہوئی کر دیا ہے تراحت دیا ہوئی کر دیا ہوئی

١٢ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى قَالَ :
 قَالَ رَسُولُ اللهُ وَاللَّهِ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ الللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ الللَّهُ عَلَيْهِ الللَّهُ عَلَيْهِ الللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ إِلَّا عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى الللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى الللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى الللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى اللللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَى الللّ

۱۲- فرمایا رسول خدانے طلب دنیایں نقصان آخرت ہے اور طلب آخرت میں نقصان دنیا ہے اور دنیا کا نقصان آخرت کے نقصان سے بہترہے ۔

١٣ ـ عُمَّا بُنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحْمَدَ بِن عَبِّسِ عَسْى، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبِي أَيتُوبَ الْخَنَّ الِ
عَنْ أَبِي عُبَيْدَةَ الْحَدَّاءِ قَالَ: قُلْتُ لِأَ بِي جَعْفَرِ عَلَيْكُ ؛ حَدِّ نُنْيِ بِمَا أَنْتَفِعُ بِهِ فَقَالَ : لِا أَبَاعُبَيْدَةَ أَكُثِرُ وَكُرَ الْمَوْتِ إِلَّازَهَدَ فِي الدُّنْيَا .

۱۳- دا دی نے امام محد با قرطیرانسلام سے کہاکہ مجھے کوئی ایسی بات بتاسیئے ہومیرے لئے نفع نجش ہو۔ فرمایا۔ اسے ابو عبیرہ موت کا ذکر زیادہ کیاکر وجوموت کا ذکر زیادہ کرتاہے وہ دنیاسے رغبت ہوجا آلہے۔

١٤ - عَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنِ الْحَكَمِ بْنِ أَيْمَنَ ، عَنْ دَادُدَ الْأَبْزَارِي قَالَ : قَالَ أَبُو جَمْفَرِ عِلِيهِ : مَلَكُ يُنَادِي كُلَّ يَوْمٍ : ابْنَ آدَمَ لِدْ لِلْمَوْتِ وَاجْمَعْ لِلْفَنَا ۚ وَابْنِ لِلْخَرَابِ .

۱۳ فرا یاحفرت امام محد با قرطید الدام نے ایک فرشند برروز نداکرتا ہے اے این آدم بیدا بوموت مے لئے جمع کم فنا کے لئے جمع کم فنا کے لئے جمع کم فنا کے لئے جمع کم بنا بریا دی کے لئے ۔

١٥ - عَنْهُ ، عَنْ عَلِي بِنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عَمَرَ بِنِ أَبَانِ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَى إليهِ قَالَ اللهُ عَلَيْ بِنُ الْحَرَةِ وَ إِنَّ الْآَبُونِ الْبَانِ اللهُ عَلَيْ بِنُ الْحَرَةِ وَ إِنَّ الْآَبُونِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَيْهُ عَلَاهُ عَلَ

أَلْإِنَّ الزُّ اهِدِبِنَ فِي الدُّ نْيَاتَأَخَذُوا أَلَا أَرْضَ بَسَاطاً، وَالثَّرَٰابَفِراهاً ، وَالْمَآهَ طِيْباً، وَقَرَّ شُوا مِنَالدُّنْيَا تَقَرْبِضاً .

أَلْاوَمَنِ اشْنَاقَ إِلَى الْجَنَّةِ سَلاعَنِ الشَّهَواتِ ، وَمَنْ أَشْفَقَ مِنَ الشَّادِ رَجَّعَ عَنِ الْمُحَرَّ مَاتِ وَ مَنْ زَهدَ في الدُّنْنِا هَانَتُ عَلَيْهِ الْمَطَائِثِ .

أَلْإِنَّ لِلهِ عِبَاداً كَمَنْ رَأَى أَهْلَ الْجَنَّةِ فِي الْجَنَّةِ مُخَلَّدِينَ ، وَكَمَنْ رَأَى أَهْلَ النَّارِ فِي النَّارِ مُمَدَّ بِنَ ، شُرُورُهُمْ مَأْمُونَةٌ ، وَقُلُوبُهُمْ مَحْرُونَةٌ ، أَنَفْسُهُمْ عَفَيْعَةٌ ، وَحَوائِجُهُمْ خَعَيْفَةٌ ، سَبَرُوا أَيْاما قَلْبِلَةً ، فَضَارُوا يِعُقَبَى رَاحَةٍ طَوبِلَةٍ ، أَمَّ اللَّيلُ فَصَافَتُونَ أَقَدَامَهُمْ تَجَرِّي دُمُوعُهُمْ عَلَى خُدُومِهِمْ وَهُمْ يَجْأَرُونَ إِلَىٰ رَبِيهِمْ ، يَسَعَوْنَ فِي فَكَاكِ رِقَابِهِمْ ، وَ أَمَّ اللَّيهَارُ فَعَلَمُهُمُ ، عَلَمْ أَنْ الْعَبَاءُ ، بَرَرَةً ، أَنْقِياهُ وَهُمْ يَجْأَرُونَ إِلَىٰ رَبِيهِمْ ، يَسْعَوْنَ فِي فَكَاكِ رِقَابِهِمْ ، وَ أَمَّ النَّاظِرُ فَعَلَمُهُ ، عَلَمْ أَنْ الْعَبْرَةُ مَنْ الْعَلَامُ وَعُلِكُ مَنْ الْعِبَادَةِ ، يَنظُنُ إلَيْهُمُ النَّاظِرُ فَيْقُولُ : مَرْضَى - وَ مَا مِالْقَوْمِ مِنْ مَرْسِ - أَمْ خُولِطُوا فَقَدْ خَالطَا الْعَوْمُ أَمْرٌ عَظَيمٌ ؛ مِنْ ذِكْرِ النَّارِوَمَافِها .

۱۵ اعفوایا ۱ مام علی به بحین علیا اسلام نے دنیا پیچے کی طون جاد ہی ہے اور آخرت آگے کی طرف آدہی ہے اور ان دونوں

کے لئے پیٹے چیں لیس تم آخرت کے بیٹے بنوا و دابست دنیا بیسے زینوا ورتم دنیا کے ترک کرنے والے اور آخرت کی طرف رفیت

کر نے والے بن جاؤ جو لوگ ترک دنیا کرتے ہیں وہ زمین کو اپنا بسترا ور خاک کو اپنا فرمش بناتے ہیں اور پان کو لذی خرویات

با اور جو آتش جہنے سے ڈرا اس نے محرات سے دوگرد انی کا اور زیدا خیتیا رکیا رحصائب دنیا اس نے خواہشات دنیا کا 8 ہو کہ جوجنت کا مشتاق بوا اس نے خواہشات دنیا کا 8 ہو ہو کہ جو جنت کا مشتاق بوا اس نے محرات سے دوگرد انی کا اور دون کو معقوب کیا اور دوز نے میں ابل دون کو کو معقوب کی با اور جو آتش جہنے ہیں اور اس نے محرات سے دوگرد انی کا اور ان کی نظر میں ہی جو گئے آگاہ ہو ہو تھوں ہیں جو گئے ان ہو وات کی دون کو د

سی خالسے وہ یہ ہے کہ ان کا برحال و کرمیم اور اس کی تکا دیق یا دکر کے ہے تعین ندان کوکوئی و ماغی حارصہ ہے جیسے خون اور مذکو فی جسا کہ نوگ ان کے متعلق خیال کرتے ہیں۔

١٦ - عَنْهُ ، عَنْ عَلَيْ بِنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ الْمُؤْمِنِ ، عَنْ جَايِرِ قَالَ : دَخَلْتُ عَلَى أَبِي جَعْفَرِ اللهِ فَقَالَ: يَا جَائِرُ وَ اللهِ إِنْ يَلْمَحْزُونَ، وَإِنْ يَلْمَشْغُولُ الْقَلْبِ ، قُلْتُ ؛ جُعِلْتُ فِذَاكَ وَمَاشُغُلُكُ وَمَا حُنْهُ وَاللهِ وَمَا شُغُلُكُ وَمَا حُنْهُ وَمَا حُزْنُ قَلْبِكَ ؟ فَقَالَ يَا جَائِرُ إِنْهُ مَنْ دَخَلَ قَلْبَهُ صَافِي خَالِمِ دِينِ اللهِ شَغَلَ قَلْبَهُ عَمَّا سَوْاهُ ؛ يَا وَمَا عَسَى أَنْ تَكُونَ اللهُ نَيْا؟ هَلْ هِي إِلْا طَعَامُ أَكَلْنَهُ أَوْتُونُ لِيَسْتَهُ أَوَاهْرَأَةٌ أَصَبَتْهَا؟!

وَاعْلَمْ فِلْ الْجَابِرُ أُنَّ أَهْلَ النَّقُوى أَيْسَرُ أَهْلِ الدُّنْيَامَوُونَةٌ وَأَكْثَرُهُمْ لَكَ مَعُونَةٌ، تَذْكُرُ فَيَعْبِنُونَكَ وَإِنْ نَسَبَتَ ذَكَرُ وَكَ، قَوْ الْوُنَ بِأَهْ اللهُ قَوْ الْمُونَ عَلَى أَمْرِ اللهِ، قَطَعُوا مَحَبَّنَهِ بِقُلُوبِمْ وَعَلِمُوا أَنَّ ذَلِكَ هُوَ الْمَنْظُورُ اللهُ نَيّا لِللهُ نَيّا لِطَاعَةِ مَلْبِكِيمُ وَنَظَرُوا إِلَى اللهُ عَنْ وَجَلَّ وَإِلَى مَحَبَّنِهِ بِقُلُوبِمِمْ وَعَلِمُوا أَنَّ ذَلِكَ هُو الْمَنْظُورُ اللهُ نَيّا لَكُمْ فَلْ اللهُ عَنْ وَجَلَّ وَإِلَى اللهُ نَيْ لَكُ هُو الْمَنْظُورُ إِلَى اللهُ نَيْ لَكُ هُوا أَمْ اللهُ وَجَدْتَهُ فَي مَنْامِكَ فَاسْتَيْقُظُتُ وَلَيْسَ مَعْكَ مِنْهُ شَيْءٌ إِنْهِ إِإِنْمَا عَنْرَبُ لَكُ هٰذَامَنَلا ، لا نَتَهَا عِنْدَ أَهْلِ اللّهُ وَالْمُسْتَعْمَلِ وَعَرَامِ اللهُ وَعَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ وَعَلَى اللهُ اللهُ وَعَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْدَهُ اللهُ اللهُ عَنْدَهُ اللهُ اللهُ عَنْدَهُ اللهُ اللهُ عَنْدَ اللهُ اللهُ عَنْدَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْدَ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْدَ اللهُ اللهُ

۱۱- جابر سے مروی ہے کہ میں ام تحدیا قرعلیا اسلام کی خدمت میں حا خربوا تو آپ نے قربایا۔ اے جابر میں محسن دن ہوں اور میرا دل ف کرمند ہے۔ میں نے کہا میں آپ فسدا ہوں کس چیز نے آپ کے دل کومسٹر دن کیا ۔ فربا یا۔ لے جابر میں کو دل میں انڈ کے دین کی صاف اور خانعی مجرت ہواس کا دل ماسوا کی طرف شغول نہیں ہوتا۔ اے جابر دنیا ہے کیا یہی ناکر کچھے تھا نا کھا لیا اور کچھ لباس بہن لیا اور عورت سے محبت کر لی - اے جا ہر بند کہ مومن تو دنیا میں بقار کے لئے مطنی نہیں ہوتا اور نہ آخرت میں جلنے سے بے خوف ہوتا ہے۔ اے جابر آخرت دار قراد ہے اور دنیا فناکا گھرہے اور زوال کی جگر، لیکن اہل دنیا غفلت میں

يرسم وقيي موهنين فقها وابل فكروعبرت بيدان كو ذكرفداس بازنهين ركفتا وه امرجيه وه ابيت كانول سيسنقين (ارباب مثلالت كابيان)ادديمين دوكتي ب ذكر فداے لوگل كى وہ زيب درينت بے دہ اپنى تكھوں سے د كيسے بي وہ تَّفاب آخرت حاصل كرنے ميں كامياب موتے بي حس طرح وہ لينے علم ك بدولت كامياب جوتے بي اسے جا برجو لوك ابلِ تقوى بى وه بدنبت ابن ونميلك بهت كم سامان زندگ ركھتے ہي اور تمهادى مدوسب سے ذيا ده كرنے والے جوتے بي تم ان سے اپنی خرورت بيان كروتووه تمهارى مددكريسكا وداكرتم معول جاؤتو وه بإده لايسك وه امرتعدا كسبست زياوه بيان كرنه وله ہی اورا مرخدا کے سبسے زیاوہ قائم کرنے ولے ہی کھوں نے فدا کی مجدت کی وجہ سے نیا کی مجدت کو قبطے کردیا اور اپنے مالک ک اطاعت کی بنیاد پران کودنیا کے معاملات سے وحشت ہو تی ہے اور غدا ک عظمت سٹان کے کاظ سے ان کی دوستی ان کے لئے منظور تظريره آنهد دنيا ان كنزديك ايك سرائك كانندبيجس بن كوئى آئة ادرجلا جائة ياس مال كى طرح بع جي نواب مين کوئی اے اور جا گئے پر اس سے باس مجھ تدمور یہ مثال میں نے تم سے اس نئے بیسان کہ بیے کہ تم سمجھ نوک اہلِ علم وعقل کے نزد یک دنیا سايه كمشل بعاسه جابرا للدنيج رعايت تهار عاما توكيب اس كاحفا فلت كرواس كرين وحكرت كمتعلق بيسوال مت کر وکر خذا کے تروی متم بادام تب کیل ہے۔ وتنا ہی مہرگا جتنی تمہارے دل ہی ۲۱ کے وکام کی عربت ہوگی جوجرے فرنیا کے تعمل تم سے بیان کیا اگراس کے علاوہ کول اور تھیئ تہادے ول میں ہے آو فداسے عذر خواہی کا طرف اولُو ، فتم اپنی عمر کی - اکٹر وہیں کسی الركاطرت اليعمن كدجب وهييزان كولمتى بعاتوان كالغ إعف شقاوت بوق بدا ورست عدا يعين كحن جزيد كابت كرتي بي جب ده النك إس آقب أوان يم ك بلعث سعادت بن عانى بياس كم متعلى خدك فريايليد الشرمومنون كو كنامون بد الكركر دينا ہداوركا فروں كے يع تواب أخرت كوبر وان كروينا بيدين شركوں كرد دنوں پرغالب آف سے موموں كا ابر رواحاً بداورمشركول يك يير آسوت ين كون اجريان نهين ريتا-

١٧ - عَنْهُ عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ مُوسَى بْنِ بَكَنْ عَنَّ أَبِي إِبْرًاهِمَ إِلِيْ قَالَ : قَالَ أَبُوذَتْ يَرَحَمُهُ اللهُ جَزَى اللهُ الدُّ نَبًا عَنَى مَدَمَةً بَعْدَ رَعَهِ فَيْنِ مِنَ الشَّعِيرِ أَتَغَدَّىٰ بِأَحَدِهِمَا وَأَتَعَشَّى بِالْآخِرَة بَعْدَ شَمَلَتَ عَالَةً فَي الشَّعِيرِ أَتَغَدَّىٰ بِأَحَدِهِمَا وَأَتَعَشَّى بِالْآخِرَة بَعْدَ شَمَلَتَ عَالَتَهُ فِي السَّعْدِينَ اللهُ عَنْ مَنْ الشَّعِيرِ أَتَغَدَّىٰ بِأَحَدِهِمَا وَأَتَعَشَلَى بِالْآخِرَة بَعْدَ شَمَلَتَ عَالَتَهُ وَاللهُ عَنْ مَا وَأَتَرَدُ عَلَى إِلَّا تَحْرَلُى .

۱۰۱۵م موسی کافل علیدالسلام نے فرایا کہ ابو ڈگرنے کہا فلدا مجھے جزآ ڈیجب میں اس دنیا کی مذمت کرتا ہوں دونچہ کی روٹیووں کے بعدجن میں سے ایکسمبرے کو کھا تا ہوں اور ایکساشام کواور دوا وٹی اپیشنسوں کے بعدجن میں سے ایک کولنگ بنا تاہوں دوسرای کرچا در۔

١٨ - وَعَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بُنِ الْحَكَمِ ، عَنِ ٱلمُنتَىٰ ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْ قَالَ: كَانَ أَبُودَةٍ مَنْ عَلَيْ اللهُ عَنْهُ مَا يَنْ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ مَا يَنْ عَلَى اللهُ عَنْهُ مَا يَنْ عَلَى اللهُ عَنْهُ مَا يَنْ عَلَى اللهُ عَنْهُ مَا يَنْ عَنْ عَلَى اللهُ عَنْهُ مَا يَنْ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَنْهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَعَنْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلِي عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلِي عَلَيْكُمْ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلِيكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمُ عَلِي عَلَيْكُمْ عَلَيْكُم

خَيْرُهُ وَيَمَثُرُ ۚ مَنَ ۗ ﴾ إِلاَّمِنَ رَحِمَ اللهُ ؛ يَامُنْتِغِي الْمِلْمِ لايَمْعَلُكَ أَهَلُ وَلاَمَالُ عَنْ نَفَسِكَ أَنْتَ يَوْمَتُفَارِقُهُمْ كَشَيْهِ بِيتَ فَهِيمُ ثُمَّ عَدَوْتَ عَنْهُمُ إلى عَبْرِهِمْ ، وَالدَّنْبَا وَالآخِرَةُ كَمَنْزِلِ تَحَوَّ اَتَ مِنْهُ إلى غَيْرِهِ وَمَا بَيْنَ الْمَوْتِ وَالْبَعْثِ إِلاَ كَنَوْمَةٍ نِمُنْهَا ثُمَّ اسْتَبْقَطْتَ مِنْهَا ؛ يَامُبْتَغِي الْمِيْلِم قَدِّ مُلِمَعَامِكَ بَيْنَ بَدَي اللهِ عَنَّ وَحَلَ مَ فَإِنَّكَ مُنَاكِ بِمَمَلِكَ كَمَا تَدِينُ تُذَانُ يَا مُبْتَغِي الْمِلْمِ

۸۱سا بوقدر رادی بین کوب دانشر نے ایک قطیعی فرایا ایک طالب علم کے سے دنیا بین کول ایسی چرنهیں کراس کا فیر نفع ند دندا در شرنقدان رہنچائے گرجی پرالشروم کرے ۔ ۲ علم کے طلب کا کہیں اہل دعیال اور مال تجھے لیٹ نعن سے قائل در کردے ایک در میان ایک میں الدر مہت کو دنیا میں ان کے در میان ایک مہمان جیسا ہے جو کہیں میں کرے کہیں شام ، دنیا ایک منزل ہے جس سے دوسری منزل کی طرف جاتا ہے موت اور بعث کے در میسان اثنا ہی وقت ہے جے کو لی سو کرجاگ دی ہے اس مائی کا جیسا تونے کو لی سو کرجاگ دی ہے اس مائی کا جیسا تونے کیا ہے اس کا دیلے کا جیسا تونے کیا ہے اس کا یہ لد لے کا جیسا تونے کیا ہے اس کا یہ لد وہا ہی اے طاب گار علم تجھ کے گا۔

١٩ . عِدَّةٌ مِنْ أَسْعَامِنا، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ تُعْيَرُنِ حَالِدٍ، عَنِ أَلْفَاسِم بْنِ يَحْمَلُ، عَنْ جَدْهِ الْحَسَنِ
 ابن زائيدٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيعٍ قَالَ : قَالَ رَدُّهِ لُ اللهِ بَالْهِ عَلِيدٌ عَالَى وَلَلْدُنْبًا إِنَّمَا عَلَى وَمَعْلَمُهَا كَمْمَلِل
 الزّاكِ وَفَعْتُ لَهُ مُنْجَرَّةٌ فَي يَوْمٍ طَائِقٍ فَقَالَ تَحْمَلُها ثُمَّ زَاحَ وَتَرَكّها .

۱۹ ر دسول النڈنے فرمایا۔ کچھے ونیاسے کیاسروکا دلیری اور اس ک مثال ایک سواری سی ہے جے گرم دن میں ایک وثرت س جلتے ا وردہ اس کے نتیج قبیلول کرے۔ کچھ دیرآ دام کرنے کے بعد اسے حجوڑ دے۔

٢٠ عَلَيْ أَنْ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ مُهْرَبِن عبلى ، عَنْ يَعْجَى بْنِ عُقَبةَ الأَرْدَيْ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ اللهَ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الل

ُوَاعْلَمْ ۚ أَنَّكَ سَنُسْأَلُ غَداً إِذَا وَقَفْتَ بَيْنَ يَدَيِياللَّهِ عَنَّ وَجَلَّ عَنْ أَدْبَعِ : شَبَابِكَ فَهِمَا أَبْلَيْنَهُ ؟

الم و الما المنظم المنظ

وَعُمْرِكَ فَبِهَا أَفْنَيْنَهُ ؟ وَمَالِكَ مِمَاا كُنَسَبْنَهُ ؟ وَفَهِمَا أَنْفَقْنَهُ ؟ فَتَأْهَّبُ لِذَلِكَ وَأَعِدَ لَهُ جَوَابًا ؛ وَلاَتَأْسَ عَلَى مَافَاتَكَ مِنَالَدُ نَيًا ، فَإِنَ قَلْبِلَ الدَّنْيَا لايدَوْمُ بَقَاؤُهُ وَ كَشِرُهَا لاَيُؤْمَنُ بَلاؤُهُ ، فَخُذْ جِنْرَكَ وَجُدٍ فِي أَمْرِكَ ، وَاكْشِفِ الْفِطَاءَ عَنْ وَجْهِكَ وَتَعَرَّ صَ لِمَعْرُوفِ رَبِكَ وَ جَدِّدِ دِالتَّوْبَةَ فِي قَلْبِكَ وَ اكْمُشُ فِي قَرَاغِكَ فَبْلَ أَنْ يُهْصَدَ قَصَدُكَ وَيقُضَى فَضَاؤُكَ وَيَخُالُ بَيْنَكَ وَبَيْنَ مَا تَرُبِدُ .

٧١ - عَلِي بَنُ إِبْرُاهِمِ ، عَنَ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ بَعْضِ أَصْخَابِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي بَعْفُودِ قَالَ : سَمِعْتُ أَبِاعَبِدَالْهِ عَلَيْكَ بِيَعُولُ ؛ فِيما نَاجَى اللهُ عَنَّ وَجَلَّ بِهِ مُوسَى اللهِ : يَامُوسَى لاَتَرْكُنْ إِلَى اللهُ نِادُ كُونَ الظَّالِمِينَ وَرُكُونَ مَنِ اتَّحَدُهَا أَبا وَامُنا يَامُوسَى لَوْوَكُلْنَكَ إِلَى نَفْسِكَ لِتَنْظُر لَهٰ إِذَا لَمُنَا عَلَيْكَ حُبُ الدُّ نَيْا وَرَهْرَ تُهَا ، يَامُوسَى نَافِسَ فِي الْخَيْرِ أَهْلَهُ وَاسْتَبِقَهُمْ إِلَيْهِ ، فَإِنَّ الْخَيْرَ كَاسِيهِ وَاتَّذِكَ مِنَالَةٌ نَيْا مَا بِكَ الدُّنْ نِيا وَمُوكَلِ إِلَى نَفْسِهِ ؛ وَاعْلَمُ وَاتَّذِكَ مِنَاللَّهُ مِنَا اللهُ وَمُوكَلِ إِلَى نَفْسِهِ ؛ وَاعْلَمُ وَاتَّذِكَ مِنَاللَّهُ مِنَا وَلَا تَعْبُطُ أَحَدا بِكُنْرَةِ الْمَالِ فَإِنَّ مَعْ كُثْرَ وَالنَّالِ تَكُثُرُ اللهُ نُوكِ الْمُؤْمِنَ وَلاَتَعْبِطُ أَحَدا بِكُنْرَةِ الْمَالِ فَإِنَّ مَعْ كُثْرَ وَالْمَالِ تَكُثُرُ اللهُ نُوكِ الْمُؤْمِنَ الْعَلَيْ مَنْ اللهُ وَاللهِ فَإِنَّ مَعْ كُثْرَ وَالْمَالِ تَكُثُواللّهُ نُوكُ اللهُ وَاللّهِ مِنْ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللّهُ مِنْ اللّهُ وَاللهُ مَا اللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ مَنْ اللهُ وَاللهُ اللّهُ وَاللّهُ مَنْ اللهُ وَاللهُ مَا اللهُ اللهُ وَلَا لَهُ وَلِمُ مَا اللهُ اللّهُ وَاللّهُ عَلَى عَيْرِ النَّهُ وَلِي عَنْهُ وَلا تَعْبِطُنَ آحَداً بِرَضَى النَّاسِ عَنْهُ مَ حَشَى تَعْلَمُ أَنَّ الللهُ وَاللهُ لَلهُ وَاللّهُ اللهُ وَاللّهُ عَلْمُ اللّهُ وَاللهُ اللهُ ا

الاسا مودس ترد بعیدا ظالم وکه کرتے ہیں یا جو دنیا کواں باب کھی کرا عقاد کرتے ہیں۔ استان فدانے اوسی کے کہا الے موسی وزیرا کا مجھ الیسا میروس تکرد بھیدا ظالم وکه کرتے ہیں یا جو دنیا کواں باب کھی کرا عقاد کرتے ہیں۔ استانوں کا گرمی اپنی توقیق کے بغیر تیزا کا مجھ ایسے بھی ڈویتا توجب دنیا خرور کھر بھی فالب آجاتی اور اس کی تازات کے بطارت اور لوگوں کو اس کی طرف میرشان اور اس کی تازات کے طالب بھوا ور لوگوں کو اس کی طرف میرشان اپنے مفول کے فریع ہے۔ دنیاست اس چرکور دکر وجس سے پروائی واصل کے طالب بھوا ور لوگوں کو اس کی طرف میرشان اور لاجائی ہوئی نظروں سے۔ دیتا ہے قدرا ہونے والے کو جو میزئیک و برئیک و برئیل اپنے فنس بھران اور اور اور اور اور کوگوں کے ال کا کھڑے سے دوقتا ہے قدرا ہونے والے کو جو میزئیک و برئیل اور اجداد اللہ اس سے اللہ والد اور کوگوں کے ال کی کھڑے سے دوقت اور کا اور ایس کا ایک میں موقع ہوتی ہے جو تو اور کوگوں کے ال کی کھڑے ہوں کیو نکر والی میں بال اس سے اللہ دوائی کہ توجوس سے بہت سے دیک داخل عدت میری توسطی اور مطاب و دونوں کے لئے باعث المین میں بڑس می داور مطاب و دونوں کے لئے باعث المین میں بڑس میں دافل طاعت اوک کرتے ہوں کیو نکر غیری برجوا طاعت میری توسطین اور مطاب و دونوں کے لئے باعث المین میں بڑس می داخل کا دونوں کے لئے باعث باد کری ہوگا۔

٢٢. عَلَيْ بَنُ إِبْرَاهِهِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَبْدِالْهُ بَنِ الْمُعَبِّرَةِ ، عَنْ غِبَاكِيْنِ إِبْرَاهِهِم. عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَبْدِاللهُ بَنِ الْمُعَبِّرَةِ ، عَنْ غِبَاكِيْنِ إِبْرَاهِهِم. عَنْ أَبِهِ عَلَيْهِ وَإِنَّهُما مِنَّ أَلَاثُ ثَبَا كَمْنَانِ أَلَادَيْةِ مَا أَلَيْنَ مَدَتَهَا مَنْ أَلَاثُ ثَبَا الشّهُ النَّاقِيْ فَي كِنْاكٍ عَلَيْ صَلَوْاتُ اللهَ عَلَيْهِ وَإِنَّهُما مِنَّ أَلَاثُ ثَبَا كَمْنَانِ أَلَا عَلَيْهِ مَا أَلَيْنَ مَدَتَها وَلَهُ مَنْ مَعْدَرُهَا الرَّ عُلِى اللهَا قِلْ ، وَيَهْوَى إِلَيْهَا الشّهُم الثّاقِعُ ، يَخْذَرُهَا الرَّ عُلَى اللهَاقِلُ ، وَيَهْوى إِلَيْهَا الشّهُم الثّاقِعُ ، يَخْذَرُهَا الرَّ عُلَى اللهَاقِلُ ، وَيَهْوى إِلَيْهَا الشّهُم الثّالِقِيلَةِ مَا أَلَيْنَ مَنْ اللهُ اللهَاقِلُ ، وَيَهْوى إِلَيْهَا الشّهُم الثّالِقِيلُ .

۲۷- فرایا امام جعفرها دی الیالسلام نیکناب حفرت الی علیدانده مین بید دنیاک مثال سانید، کی سی حجیوند

"٢٠ عَلَيْ بَنُ إِبْرَاهِمِم ، عَنْ نُغَرِيْنِ عِسَى ، عَنْ يَوُشَ ، عَنْ أَبِي حَسَلَةَ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَنْ اللهُ عَنْ أَمْرِ الْمُؤْمِنِينَ لِهُ إِلَى بَعْيِن أَصْلُابِهِ يَعِنُلهُ : ا وُصِبْتُ وَنَشِي بِنَعْوَىٰ مَنَ لاَتَحِلُ مَعْصِبْنَهُ وَلاَ يَعْنِي إِلَّا لِينَ بَعْيِن أَصْلُوبِهِ يَعِينُلهُ : ا وُصِبْتُ وَنَقْسِي بِنَعْوَىٰ مَنْ لاَتَحِلُ مَعْصِبْنَهُ وَلاَ يَهْ فَي اللهُ عَنْ أَهْلِ الدُّنْيَا ، فَبَدَنْهُ مِنَ أَهْلِ الدُّنْيَا وَ قَلْبُهُ وَعَقْلُهُ أَمُّ عَالِينَ الآخِرَةِ ، فَأَطْفا بِصَوْ، قَلْمِهِ مِا أَبْعَرَتُ عَنْ أَهْلِ الدُّنْيَا فَقَدْار حَرامَهُا وَعَلَيْهُ أَنْهُ وَعَقْلُهُ أَمُّ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ

مَّابِقَيَ مِنْ عُمْرِكَ وَلا تَقُلْ غَدَا [أ] وْبَعْدَ غَدِ ، فَإِنَّمَا هَلَكَ هَرْ كَانَ قَبْلُكَ بِإِقَامَتِهِمْ عَلَى الْأَمَّانِيّ وَالنَّسُوبِفِ حَتَّى أَتَاهُمْ أَمَّرُاللهِ بَهْنَةَ وَهُمْ غَافِلُونَ ، فَتَقِلُوا عَلَ أَعْوَادِهِمْ إِلَى فَبُورِهِمُ الْمُظْلِمَةِ التَنَبِيَّقَة وَقَدَّأَمُلُمَهُمُ الْأَوْلادُ وَالْأَهْلُونَ ، فَالْتَقَطِّمْ إِلَى اللهِ بِقَلْبٍ مُنْهِ ، مِنْ رَفْضِ الدُّنْيَاء وَ عَرْيَانَيْسَ فِيهِ انْكِيلُ الْرُولاَ انْجِزَالُ ، أَعَانَنَا اللهُ وَإِيثَاكَ عَلَى ظَاعَتِهِ وَوَقَلَقْنَا اللهُ وَإِيثَاكَ لِمَرْضَاتِهِ .

٣٢٧- فربايا الوعبدالته عليالسلام ني كما ميرا لمومنين في اين أيك محابي كونفيوت ك كرمين تجفي ا ورخوه لين أغس كو وہیدشتار کا ہوں اس ڈاشسے ڈورنے کاجس کی معقبہت جاگزنہیں اور زاس کے فیرسے امپدک جاتی ہے اور استغنااس کے خبریت نہیں ملیّا ، جوالشدے درااس نے عرت یا تی ، تو کا ہواا درسیروسیراب ہوا ا دراس کی عقل کواہی دنیاسے زالمنڈ تبارك وتعالى بن ادى كى درياس كابدن توابل دنىيا كەساخى بوتلىدا دراس كافل آخرت كودىكىيى والى بوڭىدى ب دنیا مین اس کی تا تامین جنچرون کو دیکیتی مین ول کی دوشنی ده دباد بتلب لین ده برا سمی تاب حرام چیزون کو اور كشاره كش مهوجا لكسيط شبهات سندا ورقد إى قسر يك وصاحت جزول كاكلى احمد للطة نزك كرويا حواسفراس قوت اللوشسك جس سے عبادت کے لئے اس کی بیٹ توی رہے اور انشا کیڑا لیاجس سے سٹر عور تیں جو جائے وہ مجنی وٹا اور کھراجی کے بغیر چاره كارنه وادراس كواس كم معمل كمي براحما وادركي عنداني يسيخ في راس كا عماد فدا برم وتاب اس ندريات میں لمبیٹ بدن کوبہت تعیب میں ڈا لاپیان تک کراس کی ہسٹیاں آئی آئیں ا ورآئٹیسی وحتس گئیں ۔ غذا مداس کے بہے ون ایک دوسری قوت اس مے بدن میں بعید اکر دی اور اس کی عتی کو اور نیازہ قوی کر دیا اور اس کے دیے ہے کا خات کو ا ور براصدا وباس خادنيا كوترك كرويا كيونك كمشترونيا كادى كوانعاها باكوثنا الدبهره بنا ويتحديثنا وداوكون كاكرد أول كو جعاد تى بىدلېداجىنى عرياتى بىداس يى اينى كى كولوداكر لوا دركل ا در پرسول پراسفان ركلونم سەپىلەر و لوگ بلك بوركك جوعلط اميد باندصة ربير اورمستى سيركام ليترسيديهان كمسكرا جانك خداكا عكم آكيا اود وه غفلت بى ميں پڑے رہے۔ ولگ ان کو تا بوت پس رکھ کران کا قبر مل مکسلے کے وہ قبریں جو تلک ویا دیکہ تیں اولا وا ور فانزان والوں نے اسمنیں قبریل شہیں وبادیا اودتمام احیدیں قبطع برگھیں۔جانے ہیںا ہے تلب کے سا شوجی بیں ترک ونیا کا اداد: ہی ریاستا۔خدا ہمادی اورتم ادگ مدد كرست ابني اطاعت بي اور تونيق وست بم كو اور تم كوابن مفي ك -

٢٤ - عَلِي بَنُ إِبْرُامِهِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَبْدَاللهِ بَنِ اللهٰعِبْرَةِ وَغَيْرِهِ ، عَنْ طَلْحَة بْنِ زَيْدٍ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبْدَاللهِ بَنْ اللهٰعِبْرَةِ وَغَيْرِهِ ، عَنْ طَلْحَة بْنِ زَيْدٍ ، عَنْ أَلْمَ عَنْ طَلْحَالُ اللهُ مَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ طَالله عَنْ اللهُ عَنْ الله عَنْ اللهُ عَنْ الله عَنْ اللهُ عَنْ الله عَنْ اللهُ عَنْ الله عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ عَلْمُ عَلَيْمِ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمِ عَلَيْمُ عَلَّ عَلَا عَلَ

مع در قربا با حغرت الدعب دالشرعليا لسلام في وثيل ك مشال مندد ك بإنى كى سيد بياسا جننليدة بياس برمعتى من وتربي بيات برمعتى من وتربي بيال المربعة بيال برمعتى المربعة بيال تك كد و عرميا تلبعد -

٧٥ _ الْحُسَيْنُ بْنُ عَيْهِ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَنِ الْوَشَاءِ قَالَ : سَيِفْتُ الرِّ طَا يَهِ يَقُولُ : قَالَ عَلَى مَا فَاتَكُمْ مِنَ الدُّنْيَا كَمَا عَلَى مَا فَاتَكُمْ مِنَ الدُّنْيَا كَمَا لَا يَأْسَوْا عَلَى مَا فَاتَكُمْ مِنَ الدُّنْيَا كَمَا لَا يَأْسَى الْمَا اللهُ نَيْا عَلَى مَا فَاتَكُمْ مِن دَينِهُمْ إِذَا أَصَابُوا دُنْيَاهُمْ .

۲۵ - فوایا حفرت دام دفدا علیدا سلام نے کرحفرت میسی طیدا سلام نے اربی سے کہا ۔ دنیا سے ج جزم کی گاس پر افسوس شکر وجیسے اہل دنیا، فسوس نیس کرتے اس چزر چروین کے متعلق ان سے فوت ہوگئ -

ایک سولوت وال باب سابق منته باب سابق

ام، (بال)

١. الْحُسَيْن بْنُ عُبَّوالا شَعْرِيُّ ، عَنْ مُعَلَى بْنِ عَنْ الْحَسَن بِن عَلِي الْوَشْلَى ، عَنْ عَاصِم ابْنِ حُمَيْدٍ ، عَنْ أَبِي جَمْفَر إِنْ اللهَ عَنْ أَلَى وَجَلالي وَ وَجَلالَ عَمْلُو يَ عَنْ أَبِي جَمْفَر إِنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ أَبِي جَمْفَر إِنْ اللهَ عَنْ أَبِي وَجَلالي وَ عَظَمَني وَعَلَوْ يَ وَجَلالي وَ عَظَمَني وَعُلُو يَ وَارْتَهَا عِمْكَانِي، لأَيُو ثُرُعَبُد هُواي عَلَى هَوٰى نَفْسِهِ إِلاَ كَفَفْتُ عَلَيْهِ ضَيْعَتُهُ وضَمَّنْتُ الشَّمَا وَاتِ وَالْأَرْضَ وَرُقَةً وَكُنْتُ لَهُ مِنْ وَزَاء تِجَارَةً كُلِّ تَاجِرٍ .
 الشَمَاوَاتِ وَالْأَرْضَ وِرُقَةً وَكُنْتُ لَهُ مِنْ وَزَاء تِجَارَةً كُلِّ تَاجِرٍ .

۱- فرایا امام محریا قرعیدا صلام نے کہ حدیث قدسی میں خدانے فرایا - متم ہے مجھے اپنے عزت وجلال کی اپنی عظمت و رفعت کی اگرکوئی بندہ میری مرضی کو اپنی ٹو آپش پرترجیح و نیٹا ہے تو میں را ہِ معاش کو اس سے ہے مبادک قرار دیٹا ہوں اور آسمان وزمین کو اس کے دارتی کا ضاحن بنا دیٹا ہوں اور جس اس کے ہے ہرتا چرک تجارت کی طرح اس کے نفع کا سود اکرتا ہوں ۔

٧- عَنَّ أَنِي حَمْرَةً ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ ابْنِ مَحْبُوب ، عَنِ الْمَلاه بْنِ رَذِينٍ ، عَنِ ابْنِ سِلْانِ عَنْ أَي حَمْرَةً ، عَنْ أَي جَمْقَر عليه قَال : قَالَ اللهُ عَنَّ وَجَلاً : وَعِنَّ تِي وَجَلالِي وَعَظَمَتِي وَ بَهَائِي وَ عَنْ أَي حَمْرَةً ، عَنْ أَي جَمْقَ عَبْد مُؤُمِن مَوَاي عَلَى هَوْا ، في شَيْء مِنْ أَمْرِ اللهُ نَيَا إِلاَّ جَمَلْتُ غِنَاهُ في نَفْسِه عَلَي هَوْا ، في شَيْء مِنْ أَمْرِ اللهُ نَيَا إِلاَّ جَمَلْتُ غِنَاهُ في نَفْسِه وَهِ عَنْ أَمْرِ اللهُ نَيَا إِلاَّ جَمَلْتُ غِنَاهُ في نَفْسِه وَهِ عَنْ أَمْرِ اللهُ نَيَا إِلاَّ جَمَلْتُ غِنَاهُ في نَفْسِه وَهِ عَنْ أَمْرِ اللهُ نَيَا إِلاَّ جَمَلْتُ غِنَاهُ في نَفْسِه وَهِ عَنْ أَمْرِ اللهُ نَا إِلَّا جَمَلْتُ عَنَاهُ في نَفْسِه وَهِ عَنْ أَمْرِ اللهُ عَنْ وَرَاه وَخَارَةٍ كُلِّ تَاجِدٍ .

۲ مفهون دسی ہے جوا ویر مذکور ہوا۔

ایک سواگیالوت وال باب قناعت

(بابالقناعة) (١٩١

تَدَّالُحُسَنِنُ بَنُ عَلَيْ بِنِ عَامِرٍ ، عَنْ مُعلَى بِنِ عَلَى بُنُ عَلَى بُنُ عَلَى بَنَ عَلَى بَنِ عَلَى اللهِ بَنِ عَلَى بَنِ عَلَى اللهِ بَنِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الل

٧- فربایا الوعبدالله علیالسلام نے کررسول الله معلم نے فرایا بجس نے ہم سے کچے مانگا ہم نے اب ویا اورجس نے بے نیاز ان میا -

٣- عَنَّابُنُ يَحَيَّى عَنْ أَخْمَدَ بَن عَيْدِ عِسلى، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَخْبُوبٍ ، عَنِ الْهَبْشَمِ بْنِ فاقِدٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهُ عِنْ الْمَعْلِينَ وَاقِدٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهُ عِنْهُ إِلْيَسِيرِ مِنَ الْمَعْلِينَ وَالْمَعْلِينَ وَعَيَ اللهُ مِنْهُ إِلْيَسِيرِ مِنَ الْمَعْلِينَ وَعَيَ اللهُ مِنْهُ إِلْيَسِيرِ مِنَ الْمَعْلِينَ وَالْمَعْلِينَ وَعَيْ اللهُ مِنْهُ إِلْيَسِيرِ مِنَ الْمَعْلِينَ وَعَيْ اللهُ مِنْهُ إِلْيَسِيرِ مِنَ الْمَعْلِينَ وَعَيْ اللهُ مِنْهُ إِلْيَسِيرِ مِنَ الْمَعْلِينَ وَعَيْ اللهُ مِنْهُ إِلْمَالِينَ وَالْمَعْلِينَ وَالْعَمْلِينَ وَالْمَعْلِينَ وَاللَّهُ مِنْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَاهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلْمِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ

٣ فربايا العبد الشرطيات الم في حرض ورست دن برانشر سدا في طوا فدا الله عن الفايم ، عن عقود الله عن عن عن عن الفايم ، عن عقود أن عن المناسم ، عن عقود أن الفايم ، عن عقود أن الفايم ، عن عقود أن المعالم ، عن المناسم ، عن عقود أن المعالم ، عن أبي عبد الله عن المناسب المناسبة المناسبة المناسبة عن ا

» - قرایا الدعب دالته علیانسلام نے کہ تودیت میں سینہ کداے ابن آ دم جیسا چلہند بن جا توجیسا کردیگا وبیسا ہی بدار پائے کا بوتسلیل دفرق پر اللہ سے داخی میوا غدانے اس سے علی شکیل کوقبول کیا اور جو متھوڑی سی ملال دوڑی پر راخی میوکیا اس کا خرج بلکا میوکیا اور کمائی پاک میوکی اور فستی وقبی رہند دور میوکیا ۔

عَلِيُّ بُنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ نُقِيئِن عَهِلَى، عَنْ نَقْدِيْنِ عَهِلَى، عَنْ أَقِيلُ قَالَ:
 مَنْ تَنْهَ مِنَ اللّهِ نُقِ إِلَّالْكَتَهِ لَمْ يَكُفِهِ مِنَ الْعَمْلِ إِلَّالْكَتَهُ وَ مَنْ كَفَاهُ مِنَ اللّهِ نُقُ الْقَلْمِلِ فَإِنَّدُهُ
 بكنبه مِن العَمْلِ الْقَلْمِلُ .

٥- فرطا ادام رضا على السلام في ولد قرضين برقناعت نهي كرنا دور فياده جاجتا بي تونيير كافي برونا اس كو تكرعل كشرا ورجس في تناعث كارزي قسليل بركو اس كمدائ كان بيوناعلى تسليل .

٩٠ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِمِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي غَمَيْرٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ يَهِعُ قَالَ: كَانَ أَمْبُرُ الْمُؤْعِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ يَتَوُلُ : ابْنَ آدَمَ إِنْ كُنْتَ سُرِيدٌ مِنَ اللهُ نَيْا مَا يَكُفْبِكَ فَإِنْ أَيْسَرَ مُافِيهُا يَكُفْبِكَ وَإِنْ كُنْتَ إِنَّمَا مُرْبِدُ مَا لاَ يَكُفْبِكَ فَإِنْ كُلْمَ مَافِيهُالاِ يَكْفِبِكَ وَإِنْ كُنْتَ إِنَّمَا مُنْ مِنْ اللهِ يَكُفْبِكَ فَإِنْ كُنْ

۲ رامیرالمومنین علیدانسلام نے قرما باراے ابن اکام اگر توسامان ونیا سے یہ ادا دہ دکھتا ہے کہ وہ تیرے لئے کھا یت دے تو تھوڑا سامان بھی کا فی برجائے کا ادر اگر کھایت کا ارازہ نہیں تو قریادہ سے نیا دہ سامان کی کھایت نکرے کا ر

 حَسَىٰ فَعَلَ الرَّ جُلُّ ذَٰلِكَ ثَلَاثًا ثُمَّ دَهَبَ الرَّ جُلُ فَاسْنَعَارَمِعُولًا ثُمَّ أَتَى الْجَبَلَ ، فَصَعِدَهُ فَقَطَعَ حَطَباً مُمْ خَاءِهِ فَبَاعَهُ بِنِيْفِ مُدِّ مِنْ دَقِبِقِ فَرَجَع بِهِ فَأَكَلَهُ ، ثُمَّ ذَهَبَ مِنَ الْغَدِ ؛ فَجَاءَ بِأَكْثَرَ مِنْ ذَٰلِكَ فَمَ جَاءِهِ فَبَاعَهُ بِنِيْفِ مُدِّ مِنْ دَقِبِقِ فَرَجَع بِهِ فَأَكَلَهُ ، ثُمَّ ذَهَبَ مِنَ الْغَدِ ؛ فَجَاءَ بِأَكْثَرَ مِنْ ذَٰلِكَ فَبَاعَهُ ، فَلَمْ يَزَلْ يَعَمَلُ وَيَجْمَعُ حَسَنَى اشْتَرَىٰ مِعْولاً ثُمَّ جَمَع حَسَى اشْتَرِىٰ بَكُرَيْنِ وَ غُلاماً ثُمَّ فَنَاعَهُ ، فَلَمْ يَزَلْ يَعْمَلُ وَيَجْمَعُ حَسَنَى اشْتَرَىٰ مِعْولاً ثُمَّ جَمَع حَسَى اشْتَرىٰ بَكُرَيْنِ وَ غُلاماً ثُمَّ أَثْرَىٰ حَسِّى الشَوْلِ بَعْلَالُهُ وَكَبْفَ سَمِعَ النَّبِي بَهِ الْمُعَلِّى فَقَالَ أَثْرَىٰ مَثْنَى أَغَنَاهُ اللهُ مِنْ اللّهُ عَلَيْنَاهُ وَ مَنِ اسْتَعْنَىٰ أَغْنَاهُ اللهُ ،

درایا ابوعبد الند علیدالسان نے کا صحاب دسول میں ایش خص نگ دستی میں مبتلا تھا۔ اس کی بی بی نے کہا کہیا ا بھا ہونا کرتم دسول الله کے باس جا کہ سوران اللہ کے باس جا کہ سوران کی اس کے عطا کردیا اورجس نے طلب میں بینسیان کی جا ہی تھا۔ سے درایا ہے اس کے عطا کردیا اورجس نے طلب میں بینسیان کی جا ہی خدا نے اس کے عطا کردیا اورجس نے طلب میں بینسیان کی جا ہی تھا اس نے کہا درسول اللہ بیشری دعیت دان نہیں ہما دی میرے ہی گئے کہا ہے بیس ابنی بی بی بی بیان کیا ۔ اس نے کہا درسول اللہ بیشری دان نہیں ہما دی عرب کا حال کیا معلوم) بھرجا و اپنا حال بیان کرد وہ بھرآیا حفرت نے اسے دیکھ کر بھر وہی فرایا ۔ بہاں تک کہ تین باداب ہی بھروا ۔ اس کے بعد اس کہ بھرائی عادیت کی اور بیلے سے ذیا وہ کنٹر بال جمح کرکے لایا ۔ جمعد و دو اور نے تربیط سے ذیا وہ کنٹر بال جمح کرکے لایا ۔ جمعد و دو اور نے تربیط سے ذیا وہ کنٹر بال جمح کرکے لایا ۔ جمعد و دو اور نے تربیط سے ذیا وہ کا کہ بیان تک کو وہ ما لدا دمجو میسید جمع کرکے دو اور نے تربیط سے ذیا وہ کو بایا جس نے ہم سے ما لیکا ہم نے اس کو دیا اور جس کے فعدا سے نیازی اور جس نے اور ایک بیسان تک کو وہ ما لدا دمجو کیا اور میں کو دیا اور جس نے فددا سے نیازی اور ترک طلب کو جا با فدا تے اسے بیروا بہنا دیا۔

میں نے فددا سے بے نیازی اور ترک طلب کو جا با فدا تے اسے بیروا بہنا دیا۔

٨ - عِذْ مَ مِنْ أَصْحَامِنًا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ غَلَوبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنِ الْحُسَيْنِ بْنِ الْفُرَاتِ ، عَنْ عَمْرِوبْنِ شِمْرٍ ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَراداًنَ قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمَوْتِ اللّهِ عَنْ أَرَاداًنَ يَكُونَ أَغْنَى النّاسِ فَلْبَكُنْ بِمَا فِي يَدِاللّهِ أَوْثَنَى مِنْهُ بِمَا فِي يَدِ عَيْرٍ هِ .

۸- فرمایا امام محد با قرعلیدالسلام نے کررسول النّد نے فرمایا جوعنی بننے کا ادادہ رکھتا ہے اسے چا ہیئے کہ جو اللّد کے ید قدرت میں ہے اس پراعتما دکرے ند کر جو بندول کے بانفو میں ہے۔

عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ فَضْ إلى عَنْ عَاصِم بْنِ حُمَيْدٍ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةً ، عَنْ أَبِي جَعْفِر أَفْأَ بِي عَبْدِ اللهِ
 اللَّهُ اللَّهُ عَالَ : مَنْ قَنَعَ بِعَارَذَةَ هُ اللهُ فَهُومِنْ أَغْنَى السَّاسِ .

٩ - فرما يا ١١ م محد با فرعلي السلام في جس في البيندون في تفاعت كى وه سب سيد ويا وه فني سب -

ان فيلدم المنظمة المنظ

١٠ عَنْهُ ، عَن ابْنِ فَضَالِ ، عَن ابْنِ بُكَيْرِ ، عَنْ حَمْزَةَ بْنِ تُحمْرانَ قَالَ: شَكَارَجُلُ إِلَىٰ أَبِي عَنْ حَمْزَةَ بْنِ تُحمْرانَ قَالَ: شَكَارَجُلُ إِلَىٰ أَبِي عَبْدَالًا عِبْهِ أَنَّهُ يَطْلُبُ فَيْسُبُ وَلاَيقَنَعُ ، وَتُنازِعُهُ نَفْسُهُ إِلَى مَاهُو أَكْثَرُ مِنْهُ وَقَالَ : عَلِمْنِي شَيْئًا أَنْفُي اللّهُ مَا فَيْهَا أَنْهُ عَنْهِ لَا يَعْمُونَ مَا يَكُفْبِكَ ، فَأَدْنَى مَا فَيْهَا يُفْنَبِكَ ، وَإِنْ كَانَ مَا يَكْفَبِكَ ، فَأَدْنَى مَا فَيْهَا يُفْنَبِكَ ، وَإِنْ كَانَ مَا يَكْفَبِكَ لَا يُغْنَبِكَ ، وَإِنْ كَانَ مَا يَكْفَبِكَ .
 لا يُغْنَبِكَ فَكُلُّ مَا فِيهَا لا يُغْنَبِكَ .

ادا کیشنم من افام جعفر صادق علیال اوم سے بیان کیا جوطلب کرتا ہوں پالیٹ ہوں لیکن میرا دل ت افع نہیں ہوتا اور میرانفس دیا دہ پانے پر تلاد ہتا ہے لہذا مجھ کوئ مقیدنعیست کیجئے جفرت نے فرایا اگر چوچز تیرے انے کافی ہے جھے بے نیاز بنادے تردنیا کی ادلی چیز بہنیاز بنادے گیا ورا گر جوچیز تیرے نے کفایت کرتی ہے وہ بھے یہ نیاز نہیں بنام کی تودنیا کی کوئی چیز بھی تھے ہے نیاز نہیں بنام کئی۔

١١ ـ عَنْهُ ، عَنْ عِدْةٍ مِنْ أَصْحَابِنَا، عَنْ حَنَانِ بْنِ سَدِيرٍ ، رَفَعَهُ فَالَ: فَالَ أَميرُ الْمُؤْمِنِينَ إِلَيْكُ مَنْ رَضِيَ مِنَ الدُّنْيَا بِمَايُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ مَنْ رَضِيَ مِنَ الدُّنْيَا بِمَايُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَيِهِا مَنْ يَوْضَ مِنَ الدُّنْيَا بِمَايُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَيْهَا مَنْ يُوضِي مِنَ الدُّنْيَا بِمَايُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَيْها مَنْ يُوضِي مِنَ الدُّنْيَا بِمَايُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَيْها مَنْ يُوسِي مِنَ الدُّنْيَا بِمَايُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَيْها مَنْ يُوسِي مِنَ الدُّنْيَا فِمَا يُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَيْها مَنْ يُوسِي مِنَ الدُّنْيَا فِمَا يُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فِيها مَنْ يَنْ مَنْ الدُّنْيَا فِمَا يُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَي مِنَ الدُّنْيَا فِمَا يُجْزِيهِ لَمْ يَكُنْ فَي مِنْ اللهِ الللهِ اللهِ اللهِ

اد فرایا امیرا لمرمنین علیدان الم فیجوسالان کونیاسے اسے پر داخی ہوگیا ہواس کے لئے کا فی ہوتو وہ آسانی سے اس کے لئے کا فی ہوتو وہ آسانی سے اس کے لئے کا فی ہوگا ورنداس کے لئے ونیاک کو کی شے کافی نہوگا۔

ایک سوبانوے وال باب کفاف رعطائے رزق بقدر ضرورت،

ه (با بُ الْكَفَافِ) ١٩٢

ا عَلِيَّ بِنُ إِبْرِ الهَمِم، عَنْ أَبِهِ عَنْ غَيْرِ وَاحِد ، عَنْ غَاصِم بْنِ حُمَيْدٍ ، عَنْ أَبِي عُبَيْدَةَ الْحَدْ الهِ فَالَ: سَمِفْتُ أَبَاحَمْفَم عَلَيْ الْمَالَةُ وَالْمَالِيْةِ وَاللَّهُ وَمَلْكُ وَاللَّهُ وَاللّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَمُؤْلِدُ وَاللَّهُ وَاللّهُ وَاللَّهُ وَاللَّالَالَهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّه

ا۔ فرمایا حفرت ا مام ممدیا قرطیدال الام نے کہ دسول اللہ نے فرمایا کہ حدیث قدسی سے خدانے فرمایا ہے کہ اپنے اولی اس مجھے سب زیادہ وہ شخص بدر ہے جو تنگ وست ہو مگر خلوص سے نماز اورا کرسے تاکہ تواسسے محصد پلئے اور اپنے دب کی انجی عبادت کرے اس مکہ کے مطابات جودا فہل غیرب ہے اور لوگوں کے درمیان گمتام ہوا وراگر اس کی دوزی بقدر حاجت ہو تو وہ اس پرمیر کرسے دجب جلد اس کی موت آئے تو اس کی میراث تھوڑی سی ہوا ور فربت کی وجہ سے دس پر دونے والے کم ہوں

٢ _ عَلِي بَنُ إِبْرُاهِبِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلَيْ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِيهِ قَالَ:
 قَالَ رَسُولُ اللهِ وَهِ فَيْ إِبْرُاهِبِمَ أَسُلُمْ وَكُانَ عَيْشُهُ كَفَافاً .

٧- دسول النَّدن فرما يا فوضخرى اس كے لئے جوامسلام لايا اور اس كى معاش بقدرت دہى -

 ٣ ـ النَّوْفَائِيُّ ، عَنِ السَّكُونِيِّ ، غَنْأَبِي عَبْدِالله عَلَيْ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ أَبَعَ اللَّهُمُّ الْأَنْقُ اللَّهُمُّ الْأَنْقُ مَنْ أَبْعَضَ عَنْ أَبْعَضَ عَنْ أَبْعَضَ عَنْ أَنْعَضَ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَل المُعْلَمُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللْ عَلَى اللّهُ ع

۳- فرطی رسول النشرنے یا الندمحدوآل ممرکو رق وست، باک وامنی اور بقدرت مرورت روزی کا اوران کے رشمنوں کو مال اورا والادکا۔

٤ عدّ ، مِنْ أَصْحَابِنا ، عَنْ أَحْمَد بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ يَعْقُوب بْنِ يَزِيدَ ، عَنْ إِبْرُاهِهم ابْنِ عَبْدِ النّوْفَلَيْ ، رَفَعَهُ إِلَى عَلِي بْنِ الْحُسَيْنِ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِما قَالَ : مَنَ رَسُولُ اللهِ يَعْجَدُ إِبْرُاهِهم إِبِل فَبَعَثَ يَسْتَسْتَهِهِ ، فَفَالَ : أَمَا مَا فَي ضَرُوعِها فَصَبُوحُ الْحَيْ وَأَمَّا مَا فَي آلِينِينَا فَفَبُوقَهُم ، فَقَالَ رَسُولُ اللهِ يَسْتَسْقِهِ فَحَلَب لَهُ مَا فَي رَسُولُ اللهِ وَاللّه مَنْ بِرَاعِي غَنْم فَبَعْتَ إِلَيْهِ يَسْتَسْقِهِ فَحَلَب لَهُ مَا فَي صُرُوعِها وَأَكْفَأ مَا فَي إِنَائِهِ فَي إِنَا رَسُولِ اللهِ وَالْحَيْثِ وَبَعْتَ إِلَيْهِ مِنْاةٍ وَ قَالَ : هٰذَا مَاعِنْدَنا وَ إِنْ صُلّا مَنْ وَلِيلًا مِنْ اللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

م رحفرت على بن الحسين سے مروى ہے كەرسول اللاكا كذر ايك اونٹوں كېروائے كون سے بوا - آپ نے اسے مجمع كا كھانا مجيئ كے دود حدال اس نے كہا جودود حداوشن كے تعنوں بير ہے دہ اونٹوں كے جروا بول كا حسن كا كھانا ہے اور جربادے برنوں بيں ہے وہ شام كى خذا ہے رسول اللہ نے دعاكى دخدا وندا اسے كثرت سے مال اوراولا دوے بر

آپ کاگزر کرلیوں کے چرولیے کی طون ہوا آپ نے است و ووہ انگا اس نے بتنا دو دھ بکری کے تھنوں ہیں تھا وہ سب لیا اور جننا بہنوں ہیں تھا وہ سب ہارے پاس ہے اور جننا بہنوں ہیں تھا وہ سب ہارے پاس ہے ہا اور ایک بکری حفرت کے پاس بھیم اور کہا ۔ ہمارے پاس ہے اگرا ور زیادہ کی خورت ہوٹو لایا جلے ۔ آپ نے اس کے نام اور دان کی بقدر کھایت و زق ہے ایک صحابی نے کہا آپ نے اس شنعیں کے ہے جس نے آپ کی جا آپ کی جا ہے ۔ آپ کی جا ہے ہے ہیں اور جس نے آپ کی جا ہے ۔ پری کے اس کے لئے وہ دعادی جے ہمارے عام لوگ پسند کرتے ہیں اور جس نے آپ کی جا ہے ۔ پہر ہے اس نیادہ سے جو یا و خوری کی اس کے لئے وہ دعا کی جہر ہے اس نیادہ سے جو یا د خورت دیے ۔ جو در مادی ہے۔ خورت دیے ۔ وہ بہر ہے اس نیادہ سے جو یا د خورات دیے ۔

ه _ عَنْهُ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِي البَحْنَسِرِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لِلْتَكُلُّ قَالَ : إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ يَهُولُ اللهَ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لِلْتَكُلُ قَالَ : إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ يَهُولُ اللهَ عَنْدِي المُؤْمِنُ إِنْ وَسَعْتُ عَنْدِي المُؤْمِنُ إِنْ وَسَعْتُ عَلَيْهِ وَذَلِكَ أَقْرَبُ لَهُ مِنْي . وَيَفَرَّحُ عَبْدِي المُؤْمِنُ إِنْ وَسَعْتُ عَلَيْهِ وَذَلِكَ أَبُعَدُ لَهُ مِنْي .

۵- فریایصا دق آل محد علیالسلام نیر کرفدانے عدیث قدسی میں فرمایا میرابندہ محرون بہوتاہے اگریس اس کے دزق میں کمی کرووں صالانکہ کمی کرووں حالانکہ میں اس کے دزق میں آوسین کرووں حسالانکہ دہ اس کو تجھ سے فرمید کرنے والاہوتا ہے اور وہ خوش بہوتاہے اگریں اس کے دزق میں آوسین کردوں حسالانکہ دہ اس کو تجھ سے دورک تاہیے۔

٢- الْحُسَّنُ بْنُ عُنِّهِ ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ إِسْحَاقَ ، عَنْ بَكْرِبْنِ عَنَّهِ الْأَذْدِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلْهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْدِي عَبْداً مُؤْمِناً ذَاحَظٍ قَالَ : [قَالَ رَسُولُ اللهُ وَاللهُ عَلَّ عَرَّ وَجَلَّ : إِنَّ مِنْ أَغْبَطِ أَوْلِيَائِي عِنْدي عَبْداً مُؤْمِناً ذَاحَظٍ قَالَ : [قَالَ رَسُولُ اللهُ وَلِيَّالِهُ عَلَى عَرَّ أَوْلِيَائِي عَنْدي عَبْداً مُؤْمِناً ذَاحَظٍ مِنْ صَلاحٍ ، أَجْسَنَ عِلْدُةٌ رَبِيهِ ، وَعَبْدَالله فِي السَّرِيرَةِ وَكَانَ غامِضاً فِي السَّاسِ فَلَمْ يُشَرِّ إِلَيْهِ بِالْأَ صَابِعِ وَكُلْنَ عِرْاللهُ وَقَلْتُ بَوَا كِينِهِ
 وَكُانَ ذِرْقُهُ كَمُافاً ، فَسَبَرَ عَلَيْهُ فَعُجِتْلَتْ بِوالْمَنْكِيّةُ ، فَقَلَ تُرُاللهُ وَقَلْتُ بَوا كِينِهِ

۱۰ و شرطیا ایو بسدالشرعلیدالسلام نے که درسول الشرفة فرایا که الشرتعال نے حدیث قدسی میں صند ابا ہے کہ مومن بسندوں میں میرے نزویک قابل عبط وہ ہے جو صاحب نصیب ہو اور صلاحیت میں اجھا مہوا ہے ارس کی عبادت میں نیون در سے الشرک عبادت کرے الوگوں میں ایسا گشام ہوکاس کی طرحت کوئ ا فسکلی نز انتظامی نز انتظام نوا ور اس بھا ور اس انتخاب میں معاد اس میں معاد اسام میں معاد اس میں معاد اس میں معاد اس میں معاد اس میں معاد اسام میں معاد اس میں معاد اسام میں معاد اس میں معاد اسام میں میں معاد اسام معاد اسام میں م

A MANUS RESPONSATION OF THE PRESENTATION OF THE PROPERTY OF TH

ایک سوترانوے وال باب امرحیہ میں تعبیل

(باب) سام

۵ (تَعْجِيلِ فِعْلِ الخَبْرِ)

ا مُن حُمْرُ انَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِاللهِ عَلِيلٍ مَقَوْلُ : إِذَاهَمَّ أَحَدُ كُمْ بِخَيْرِ فَلا يُوَخِيرُهُ فَإِنَّ الْمَبْدَ دُبَعْنا صَلَّى السَّادَةُ أَوْشَامَ الْبَوْمَ فَيُقَالُ لَهُ : اعْمَلْ مَاشِئْتَ بَعْدُ هَافَقَدْ غَفَرَ [الله] لَكَ .

ا - فرمایا ابرعبد الشرعلیالسلام نے جب سم میں سے کو گذشی کا ادادہ کرے تواس بی تاخیر میں کرفی ہا ہے اکثر جبندہ عا در در در در در کا تلب تو فدااس سے کہندہے اس کے بعد جو چاہے عمل کرفدا کے بخشش دے گا۔

اس مدیت اس مدیت معدم بردا کرنما دا ور دوده کے بعد بنده جوعمل بیج کرے گابخش دیا جلائے گا لورس اس مدیت کا منشا یہ نہیں، اول توبنده کوید پتہ کیے چل سکتا ہے کہ اس کا کون ساھل ایسا مقبول بوا کہ خدایا ملا تکرنے ایسا کہا۔ دوسرے نمازی تعریف یہ ہے کہ وہ فمشا اور منگرے دو کتی ہے تو اعمال فیح کے زدیک ہی درجائے گا لیکن اگر کوئی گناه مغیرہ سرز د بوجائے اتفاقاً، تو الحقر ا بنی رحمت سے اسے معان کردے گا۔

٢ - عَنْهُ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكِمِ، عَنْ أَبِي جَمبِلَةَ قُالَ: قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ ﷺ : افْتَتَيْحُوانَهَارَ كُمْ
 مِخَيْرِوَأَمْلُوا عَلَىٰ حَفَظَتِكُمُ فِي أَوَّ لِهِ خَيْراً وَفِي آخِرِهِ خَيْراً، يُـفْفَرُ لَكُمُ مَابَيْنٌ دُلِكَ إِنْ شَاءَاللهُ.

۱ رفرایا ابوعبد النزعلیدانسلام نے کرمیرے پرر بزرگواد نے فرایا ۔ جب تم نیکی کا او اوہ کرو قوجلوی سے کو گزروتمیں کیا معلوم کہ کیا امر مانع نیر حادث ہو جلتے -

٣ - عَنْهُ ﴿ عَنِ ابْنِأَ بِي عُمَيْرٍ، عَنْ مُرُ انِمِبْنِ حَكِيْمٍ ، عَنْأَ بِي عَبْدِاللهِ عَلَى قَالَ: كَانَأَ بِي يَعُوُلُ: إِذَاهَمَمْتَ بِخَيْرِ فَبَادِدْ ، فَانِكُ لاتَدْي مَا يُحْدَثُ .

۳۰ و مندایا ابوعبدالشرعلیال ام نے کہ اپنے دن کا افتستاح نیکی سے کرو اور اپنے ما فنا مندستوں۔ (کما ماکا تبین) کے دفت میں اقل روز اور آخر روز نیکی درج کرادو اگر درمیان دوز میں کوئی بدی تم سے سرڈ د ہوگ تو افٹا دانٹر بخش دی جائے گئے۔

٤ - عَلَيْ بنُ إِبْراهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِأَبِيعُمَيْرٍ ، عَنِ ابْنِ أَدَيْنَةَ ، عَنْ زُرارَةَ ، عَنْأَبِي جَمْعُرِ بِهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ رَاللَّهِ عَلَيْ اللهُ يُحِبُّ مِنَ الْخَيْرِ مَا يُعَجَّلُ .

م - حفرت رسول فدانے فرمایا کہ هذا اس نیکی کوپ ندکرتا ہے جوجد لدی جائے۔

٥ ـ عِدَّةٌ مِنْ أَصَعُلِهِ ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَيْبِهِ خَالِدٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ عُلْمِهُ وَ مَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكْمِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ عُنْمُانَ ، عَنْ بَشْهِرِ بْنِ يَسَارٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيّ قَالَ : إِذَا أَرَدَتَ شَيْئًا مِنَ الْخَيْرِ فَلا تُوَقِي فَلا تُوْفِقُ فَيْ مُ فَإِنّ اللهِ عَنْ وَلَوْشِقَ تَمْرَةٍ .

۵ - فشریایا الوعبدالله علیالسلام نے جب تم کسی امرمین میکی کا ادادہ کرو تو تا خرمت کرو بندہ جب گیم دن میں دوزہ و کھنگ ہے توخداا سے آتش جہنم سے نجات ویتا ہے جو چیزتم کوفداسے قریب کروے اسے کم نسمجھوا کرچہ وہ کچھو ہارے کا ایک دلیت ہی کیوں نہو۔

٢ - عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ فَصَاٰلٍ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِنًا . عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلَمْ قَالَ : مَنْ هُمَّ يَخْدِ فَلْيُعْجَدُ وُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَمْ قَالَ : عَنْ مَعْمَ يَخْدِ فَلْيُعْجَدُ وُ لَكُ عَلَى الْعَبْدَ وُبَتَمًا عَمِلَ الْعَمْلُ فَيَقُولُ اللهُ عَبَارَكَ وَ تَعْالَى : قَدْ غَفَرَتُ لَكَ وَلااً كُنْبُعَلَاكُ شَبْدًا لَسَبْدُ السَّبِيَّةُ فَهَرُ اللهُ سُبْحًا نَهُ وَلااً كُنْبُعَلَاكُ شَبْدًا لَسَبِّدُ السَّبِيَّةُ فَهَرُ اللهُ سُبْحًا نَهُ فَيَوْلُ : لاَوْعَزَ تِي وَجَلالِي لاَأَغْفِرُ لَكَ بَعْدَ هَا أَبْداً .

۳رفرایا ابوعبداللهٔ علیالسلام نے چنیکی کا ادادہ کرے چاہیئے کہ وہ اس میں جلدی کرے تاخیر دوا رہ رکھے کیونکہ بندہ بعض ا دفات ایسے کام مجی کرگزرتلہے کہ خدا اس سے کہتاہے کہیں نے تیرے گنا ہ بخش دیئے اور اب ٹیرے گنا ہ ناکھوں گا اور چربری کا اداوہ کرے چلہے وہ اسے عمل میں نالئے کیونکہ ب اوقات ایسے گنا ہ مجی کربیٹھ تاہے کہ خدا کہتاہے فتم ہے اینے عورت وجلال کی اس کے بعد تجھے نریختوں گا

٧ - عَلَيْ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِ الله عَلَيْ فَالَ : إِذَا

هَمَمْتَ بِشَيْرٍ مِنَ الْخَيْرِ فَالْأَتُوَخِيْرُهُ فَإِنَّ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ رُبَّمَا الْمُلْعَ عَلَى الْمَيْدِ وَهُوَعَلَى شَيْءٍ مِنَ الطَّاعَةِ فَيَقُولُ : وَعِزَ تِي وَجَلالِي لاا عَذِّ بُكَ بَعْدَهَا أَبَداً! وَإِذَا هَمَمْتَ بِسَبِّنَةٍ فَلا تَعْمَلْها، فَإِنَّهُ رُبِّمَا اطَّلَغَ اللهُ عَلَى الْمَبْدِ وَهُوَ عَلَىٰ شَيْءٍ مِنَ الْمَعْمِيةِ فَيَقُولُ : وَعِزَّ تَيْ وَجَلالِي لاَأَغْفُرُ لَكَ بَعْدَهَا أَبَداً .

2- فرمایا الوعبدالله علیا اسلام نجبتم کی نیم کا اداده کروتوتا نیرد کرو- بنده کی اطاعت علم المئی میں کوئی تیکی آتی ہے تو دہ کہت ہے دت و ملال کی میں کی تھے بتلائے عذاب در کون گا اور جب تم بدی کا اداده کروتوا سے عمل میں شلاک بست فرما تا ہے دوتات بنده کی کوئی ایسی معصیت علم المئی میں آتی ہے کہ خدا اس سے فرما تا ہے اپنے عزت و جلال کی قسم میں تخصی در بخشوں گا -

﴿ أَبُوعَلِيّ الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ كَيْرِبْنِ عَبْدِالْجَبْنَارِ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ أَبِي جَمِهِلَةَ، عَنْ كُلَّيْبْنِ حُمْرُ انَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ يَمْبِنِهِ وَ شِمَالِهِ شَيْطًا نَيْنِ حُمْرُ انَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ يَمْبِنِهِ وَ شِمَالِهِ شَيْطًا نَيْنِ فَلْمُنَانَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ يَمْبِنِهِ وَ شِمَالِهِ شَيْطًا نَيْنِ فَلْمُنَادِدُ لا يَكُفَّاهُ عَنْ ذَٰلِكَ .

٩ - عَنْ أَبِي الْجَارُودِ قَالَ : سَمِعْتُ أَخْمَدَبِنِ عَنْ أَخْمَدَبِنِ عَنْ أَبِي الْجَارُودِ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَا جَعْفَرِ اللّهِ يَقُولُ : مَنْهَمَّ بِشَيْءٍ مِنَ الْخَبْرِ فَالْيُعَجِّلْهُ ، فَإِنَّ كُلَّ شَيْءٍ فَهِهِ تَأْخَبْرُ فَإِنَّ لِلسَّيْطُانِ فَهِ نَظْدَرَةً .

۹ فرمایا ا مام محد با قرهلیالسلام نے جونیکی کا ادا وہ رکھتا ہے اسے چاہیے کے جلدی کریے کیوں کہ درصورت ما خیرشیطان ک نظراس پردینی ہے

﴿ ﴿ مُعْلَى اللهُ عَنْ مُعْلِيهِ اللهِ يَقُولُ ؛ إِنَّ التَّمَةُ لَللهُ عَنْ عَلِي بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَنِ الْعَلاه ، عَنْ مُعْلِم عَنْ مُعْلِم عَلَى أَهْلِ الدُّنْيَا كَيْقُلِهِ فَي مَوْادْ بِنِيمْ يَوْمَ الْفِيامَةِ قَالَ : سَمِفْتُ أَبَا جَنْفَر اللهِ يَقُولُ ؛ إِنَّ التَّمَةُ لَللهُ فَيْرَعَلَىٰ أَهْلِ الدُّنْيَا كَيْقُلِهِ فَي مَوْادْ بِنِيمْ يَوْمَ الْفِيامَةِ . وَإِنَّ اللهُ عَنْ مَوْادْ بِنِيمْ يَوْمَ الْقِيامَةِ . وَإِنَّ اللهُ عَنْ وَجَلَا خَفَيْفَ الشَّرَ عَلَى أَهْلِ الدُّ نَبَا كَخِفَتْ فِي مَوْادْ بِنِيمْ يَوْمَ الْقِيامَةِ .

۱۰ - بیں فیصنا ۱ مام محدیا قرطیہ انسلام سے کرفدانے عمل فیرکو دنسیا کے نیک لوگوں پراسی طرح بھاری بنا دیا ہے جس طرح وہ روز قیبا مست میزان میں ان کے عمل کروز تی بنائے گا اور اہلِ شرریٹ رکو دنسیا میں اسی طرح بلکا بنسا دیا ہے

جى طرح وه دوزقيامت ميزان ميں ان معمل كومليكا بنائے گا-

ایک موجورالوے وال باب انسان وعدل

(باب) هم ۱۹ ه (الإنطان و العدل)

١ - عُمَّا بُنُ يَخْيَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُهْرَبْنِ عِهْمَى، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَم ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ حَمْزَةَ عَلَيْهِ بْنُ يَخْدُو وَاللّهُ عَلَيْهِ بِهِ الْحَسَنِ مَا لَا عَنْ عَلَيْ بْنِ الْحُسَنْنِ صَلّواْتُ اللهِ عَلَيْهِ عِلْ قَالَ : كَانَ رَسُولُ اللهِ عَنْ جَيْدَةً وَصَلّحَتْ سَرِيرَتُهُ وَحَسُنَتْ بَهِ وَأَنْ فَقُ وَ حَسُنَتْ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهِ وَاللّهُ وَ

ا- فرمایا علی بن الحسین نے کردسول المنڈنے اپنے خطبہ کے اسٹوی فرمایا - نوش بخری ہواں شخص کے ایے جس کے اخلاق پاکیزہ ہوں جس کی طبیعت صاحب سی بہو ۔ باطئ کیفیات میں صلاحیت بہوا ورفلا بری حالات میں حسن ، اپنی مزودت سے تیا مدہ مال راوفدا میں نزچ کرے اور خرورت سے زیادہ بات کرنے سے طبیعت کورو کے اور اپنے نفس کو چھوٹر کر دو مرول کے حقوق الدا کرے ۔

٢ عَنْهُ مَ عَنْ مُعْلِينِ سِنَانٍ ، عَنْ مُعْلِويَةَ بْنِ وَهْبٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمُ فَالَ : مَنْ يَضْمَوْلِي أَرْبَعَةً بِأَذْبَعَةً إِنْ الْعِنْلَةِ وَ أَنْفِقٌ وَلا تَخَفَّ فَقَرا ، وَأَفْشِ السَّلامَ فِي الْعِنْلَمِ ، وَاتْرُكِ الْمِرَاءَ وَ إِنْ كُنْتَمَّ عِنْ الْعِنْالَمِ مِنْ نَفْشِكَ.
 كُنْتَمَ عُمِقًا ، وَأَنْشِفِ النَّاسَ مِنْ نَفْشِكَ.

۲- فرما یا کون سیے جوضا من بہومیرے سے چار با توں سے جنت کے چار گھرون کا بخرج کر و را ہ فدا میں اورا فلاسس سے نہ ڈروا ورسلام کو دنیا میں عام کرونسی برسلمائ مردکوسلام کر وا ورجی کھیے کے چھوڑ و دچاہیے تم حق برسی بروا درا ہی خودی کے سامتے لوگوں کے درمیان انعما ٹ کرو۔

٣- عَنْهُ ، عَنْ الْحَسَنِيْنِ عَلِيّ بْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عُقْبَةً ، عَنْ خَارُودَ أَبِي الْمُنْذِرِقَالَ:

THE STANGE STANGE STANGE STANGE STANGES STANGE

سَمِفْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ تَلْبَكُمْ يَقَوُلُ: سَبِيدُالا عَمَالِ ثَلاَثَةٌ : إِنْمَافُ النَّاسِ مِنْ نَفْسِكَ حَلَى لاَ مَرْضَى بِشَيْ؛ الأَرْضَبِ لَهُ مِثْلَهُ وَمُوْاسْاتُكَ الاَّخَ فِي الْمَالِ وَذِكْرُ اللهِ عَلَى كُلِّ خَالٍ لَيْسَسُخُانَ اللهِ وَالْحَمْدُ لللهِ وَلا يَلْ اللهُ وَالْحَمْدُ لللهِ وَلا يَسْسُخُانَ اللهِ وَالْحَمْدُ لللهِ وَلا يَلْ اللهُ وَاللهُ عَنْ وَجَل بهِ أَخَذْتَ بِهِ أَو إِذَا وَرَدَ عَلَيْكَ اللهُ إِلاَّ اللهُ عَنْ وَجَلَ بَهِ أَخَذْتَ بِهِ أَو إِذَا وَرَدَ عَلَيْكَ اللهُ عَنْ وَجَلَ بَهِ أَخَذُتَ بِهِ أَو إِذَا وَرَدَ عَلَيْكَ شَيْءٌ نَهَى اللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَكَنهُ وَاللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَكَنهُ وَاللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَكَنهُ وَاللهُ عَنْ وَجَلَ بَهِ اللهُ عَنْ وَجَلَ بَهِ أَوْ إِذَا وَرَدَ عَلَيْكَ شَيْءٌ نَهَى اللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَكَنهُ وَاللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَكُنهُ وَاللهُ اللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَكَنهُ وَاللهِ وَاللهُ اللهُ عَنْ وَجَلَ اللهُ عَنْ وَجَل عَنْهُ تَرَكُنهُ وَاللهُ اللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَاكُنهُ وَاللّهُ اللهُ عَنْ وَجَل عَنْهُ تَرَكُنهُ وَاللّهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَاكُنهُ وَاللّهُ عَنْ وَجَل عَنْهُ تَرَاكُنهُ وَاللّهُ عَنْ وَجَلْ عَنْهُ اللّهُ عَنْ وَجَلْ عَنْهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلْ عَنْهُ لَهُ مُنْ اللهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللهُ اللهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَجَلَ عَنْهُ تَرَاكُنهُ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَلْ اللهُ عَنْ وَاللّهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَاللّهُ عَلْهُ وَاللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْكُ لَا لَا عَلَيْكُ اللّهُ عَنْ وَاللّهُ عَلْ اللهُ عَنْ وَاللّهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللّهُ عَلْ اللهُ عَلْهُ عَلْهُ عَلْهُ اللّهُ عَلْهُ الللّهُ عَلْ الللّهُ عَلْ الللهُ اللهُ عَلَاللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَالِكُ الللّهُ اللّهُ وَاللّ

سے رفوایا حفرت الدمبر اللہ فے سرواد اعمال تین جزیں ہیں دینے نفس کے مقابل دو موں کے ددمیان انساف کڑا ہما تھک کر توراخی ہوجائے اس بات پر کر جوا ہے ہے ہے ندکر تاہے دہی دوسروں کے لئے ہند کرے اور مال سے اپنے بھائی کے ساتھ ہمدر دی کرنا اور ہرمال ہیں اللہ کا ذکر مگر مرف تعبیکا لئے اللہ وَالْحِیْدُ اللّٰهِ فَدِلْا إِلَمْ إِلَّا اللّٰهُ بِرَاکْسُفَا مُرکے بلک فند اللّٰے جو حکم دیا ہے اسے بجاللت اور جس سے منع کیا ہے اسے ترک کرے۔

٤- عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلِي اللهِ ، عَنْ إِبْرَاهِهِمَ بْنِ عَجْدِالنَّقَفِي ، عَنْ عَلِي ابْنِ الْمُعَلَىٰ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ أَرْدَارَةَ عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِهِ عَنْ أَبِهِ عَنْ أَبِهِ عَنْ أَبِهِ مَنْ يُنْفِفُ النَّاسَ مِنْ نَعْشِهِ لَمْ جَعْفَي عَلَيْ فَالَ أَمْبِرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْ فَي كَلْإِم لَهُ : أَلَا إِنَّهُ مَنْ يُنْفِفُ النَّاسَ مِنْ نَعْشِهِ لَمْ يَرْدُهُ اللهُ إِلَّا عِزْ أَ.

م ۔ فرمایا امام محدیا قرطیدانسلام نے کہ امیرا لمومئین طیدانسلام نے فرمایا جو اپنے نفس سے دوسروں کے درمیان انسان کرناہے خدااس کی عزت کوزیارہ کرتا ہے۔

٥- عَنْهُ، عَنْ مُعْمَانَ بْنِ عَهِلَى ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ أَي عَبْدِاللهِ عَنْ مُسْكَانَ ، عَنْ عَنْهُ عَنْ مُسْلِم ، عَنْ أَي عَبْدِاللهِ عَنْ وَجَلَّ يَوْمَ الْقِيامَةِ حَنْمَى يَهْرَغَ مِنَ الْحِسَابِ ؛ رَجُلُّ لَهُ مَنْ تَحْتَ يَدِهِ ، وَرَجُلٌ مَسَى يَهْرَغَ مَنَ الْسَيْلِ فَلَمْ يَمِلُ مَنْ تَحْتَ يَدِهِ ، وَرَجُلٌ مَسَى يَهْنَ النَّيْنُ فَلَمْ يَمِلُ مَنَ الْحَدْقَ فِيمَالُهُ وَعَلَيْهِ . أَحَدِهِمَا عَلَى أَلْ يَعْمِدُ وَ ، وَرَجُلٌ قَالَ بِالْحَقِّ فِيمَالَهُ وَعَلَيْهِ .

۵ . فریایا حدارت ابوعبدالله علیدالسلام نے تین قدم کے آدمی دوز قیامت خداک لئے اقرب المخلق ہول کے بہاں مکی کہ وہ حداب سے قارع ہوں اوّل وہ شخص کرجب اسے خقد آئے توبا وجود کمزور پر قدرت رکھنے کے اس پرظام ندکرے وہ سرے وہ جد دوآ دمیوں کے درمیسان را ابط ہو توان دونوں ہیں ہے کسی برجی بقدر ایک بجو کے تللم نزکرے بتیبرے وہ کرمتی بات کہے چاہے اس میں اس کا نفع ہو یا فرر

٦ ـ عَنْهُ ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ النَّمْنِر بْنِ سُوَيْدٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِمٍ، عَنْ ذُرْارَةَ ، عَنِ الْحَسَنِ الْبَرُّ ۖ الْزِ

عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ عِلِمَا قَالَ في حَدِيثٍ لَهُ ؛ أَلَا أُخْبِرُ كُمْ بِأَشَدِ مَا فَرَضَاللهُ عَلَى خَلْقِو ، فَذَكَسَرَ ثَلاثَةَ أَدُّ أَنِهُ اللهُ عَلَى خَلْقِو ، فَذَكَسَرَ ثَلاثَةَ أَدُّاءَ أَذَ لُنا : إِنْمَانُ النَّاسِ مِنْ نَسْمِكَ .

۱۷ ر فرایا الوعبدا لند ملیدانسالم نے کیا ہیں تھیں بتاکن کہ غداکا سب سے بڑا فرض اس کی مختلاق برکھا ہے کیھسرتیں چیزوں کا ذکر کیا جن میں سب سے پہلی بات بہتمی کہ وہ اپنے نفس سے مقابل لوگوں سے درمیسان انصاف کرے ۔

، رفوا دا ابرعبد الشرعليد السلام في كد رسول الترصلم في فر مايار سرداد الال ابين نفس كم مقابل لوكول كه ددميان انعما ون كرتليت (ورقر بتدًا ل الشركية كيما كه سع بمدردي كه عدا درم وال بين وكرفد أكرنا-

٨ - عَلَيْ ، عَنْ أَبِهِ ، عَيِ ابْن مَحْبُوب ، عَنْ هِ هَا مِبْن طَالِم ، عَنْ ذُرَارَة ، عِنِ الْحَسَنِ الْبَرَ الْإِ قَالَ : قَالَ لَي أَبُو عَبْدِاللهِ لِلْجَنْ ؛ أَلَا أُخْبِرُكَ بِأَشَدَ مَا فَرَمَ اللهُ عَلَى خَلْقِهِ (تَلَاث ؛ بَلَى قَال ؛ إنْ أَبُو عَبْدِاللهِ لِلْجَنْ : أَلَا أُخْبِرُكَ بِأَشَدَ مَا فَرَمَ اللهُ عَلَى خَلْقِهِ أَنَا إِنْ ي لاَ أَتُولُ شَبْحُ النَّاللهِ إِنْسَافِها للنَّي مِنْ نَقْسِكَ وَمُواسًا تِكَ أَخْالَ وَذِكْرِ اللهِ فِي كُلِّ مَوْطِين ، أَمَّا إِنْ ي لاَ أَتُولُ شَبْحُ النَّاللهِ وَالْحَمْدُ اللهِ وَلا إِلَه إِلاَ اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلَكِنَ ذَكْرُ اللهِ جَل وَعَنَ فِي كُلِ مَوْطِين إِذَا لَهُ وَلا إِلَه إِلاَ اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلِكِنَ ذَكْرُ اللهِ جَل وَعَنَ فِي كُلِ مَوْطِين إِذَا هَجَمْتُ عَلَى ظاعَة أَوْعَلَى مَعْضِية .
 إذا هَجَمْتُ عَلَى ظاعَة أَوْعَلَى مَعْضِية .

۸- فرمایا ۱ مام جعفرصا دق علیدانسادم سندین تمهیں بنا تا مہوں کر النڈ نے اپنی مختلوق پرچ فرض کیاہیے وہ کیاہیے مادی ندکہا وہ کیلیے فرمایا وہ کیلی اقداد الله کہدو بینا ہی کا فی نہیں اگرم بیمبی ذکر ہے۔ بلکہ مروقع میروکھ میں مراد ہے کر امرائی کو (ورویٹ اطاعت بجال یا جلٹ اورجس امرکی نہی کہے وہ اس کے خلات کر سفسنے تعیمات سمچھ کم کرکڑے کیا جلے کے۔

٩ - ابْنُ مَخْبُوب، عَنْ أَبِي أَسَامَةَ فَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عِنْهِ : مَا ابْنُلِيَ الْمُؤْمِنُ بِشَيْءَ أَشَدُ عَلَيْهِ مِنْ خِطَالٍ ثَلَاثٍ يُحْرَمُهُا ، قَبِلَ : وَلَمَاهُنَّ ؟ قَالَ : الْمُؤَاسَاةُ فَي ذَاتِ يَدِهِ وَالْإِنْسَافُ مِنْ نَفْسِهِ وَ ذَكُرُ اللهِ عَلَيْهِ مَنْ خَلْ اللهِ عَنْدَ مَا وَ ذَكُرُ اللهِ عِنْدَ مَا أَوْ ذَكُرُ اللهِ عِنْدَ مَا أَجِلَ لَهُ وَذَكُرُ اللهِ عِنْدَ مَا أَجِلَ لَهُ وَذَكُرُ اللهِ عِنْدَ مَا أَجِلَ لَهُ وَذَكُرُ اللهِ عِنْدَ مَا أَجِلَ لَهُ وَذِكُرُ اللهِ عِنْدَ مَا أَجِلَ مَ عَلَيْهِ .

۵- فرمایا الوعبدالشرعیدالسلام نے کوئی مومن بمین خصلتوں سے زیادہ مخت کی خصلت میں بہتلانہیں کیا گیا او بھالگیا وہ
کیا ہیں؟ ٹوبا یا ہمدددی با وجود قدرت وطاقت کے اورانساف اپنے نفس سے اوراللّذی بہت زیا وہ یا دلیکن میری بیمراد نہیں
کر مرت سمان اللّا والحمد اللّه کہنے ہے اکشفا کرے بلکہ بے مرا دہے کہ جب ملال روزی ملے تواسے یا دکھے اور جب حرام سے بیچے
اسے بادکہ ہے۔

١٠ عدَّة من أَسْخَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ مِن أَسْخَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ مِن أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ يَحْنَى بَنِ إِبْرَاهِمِ مِنِ أَي الْبِلادِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ جَدِهِ أَي البِلادِ رَفَعَهُ قَالَ : جَاءًا عَزَا بِي إِلَى النِّيقِ وَاللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَنْ فَالَّذَ فَأَلَّهُ اللَّهُ عَنْ فَالَّذَ فَأَلَّهُ اللَّهُ عَنْ فَالَّذَ فَأَلَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ إِلَيْكَ بِعَنْ عَمْلاً أَدْخُلُ بِهِ الْجَنْةَ ، فَقَالَ: مَا أَحْبَبْتَ أَنْ وَاللَّهُ النَّاسُ إِلَيْكَ فَلا تَأْتِهِ إِلْبَهِمْ ، خَلّ سَبِلَ الرَّاحِلَةِ ، فَأَنْ يَا يَبِهُ النَّاسُ إِلَيْكَ فَلا تَأْتِهِ إِلَيْهِمْ ، خَلّ سَبِلَ الرَّاحِلَةِ .

۱۰- جب حفرت رسول فداصلع کمی جہاد کے خار ہے تقے ایک ہدوعرب نے آپ کے گھوٹسے کی دکاب تھام کرکہا مجھے کوئی آب یا اس کھوٹ کے دکاب تھام کرکہا مجھے کوئی آب پات بتا ہے جب سے میں جنت میں واض ہوں ۔ فریا با اگراس میں کو دوست رکھتا ہے جس سے دل تیرے پاس آئی تو اس کے بیاس آئی تو اس کے میں میں اور اگراس کو پسندر کرے کہ لوگ تیرے پاکس آئی تو تُووید ایرتا وُان کے ساتھ مذکر میں اس کے دلوگ تیرے پاکس آئی تو تُووید ایرتا وُان کے ساتھ مذکر میں رکاب جھوڑ کرمیں جا کول ۔

١١ - أَبُوعَلِيّ الْأَشْعَرِيُّ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِعَلِيّ الْكُوفِيّ ، عَنْ عُبَيْسِ بْنِ هِمْامٍ، عَنْ عَبْدِالْكُوفِيّ ، عَنْ عُبَيْسِ بْنِ هِمْامٍ، عَنْ عَبْدِاللهِ عَنِ الْحَسَنِ بْنِعَلِيّ الْكُوفِيّ ، عَنْ أُمْبَالُهُ الظَّمْآنُ ، مَا أَوْسَعَ الْعَدْلُ إِذَا عَنِ الْحَلَى مِنَ الْمَاءَ يُصِبِّدُ الظَّمْآنُ ، مَا أَوْسَعَ الْعَدْلُ إِذَا عَنِ الْحَدَّلِ فِي وَإِنْ قَلَّ .

١١- زبايا الدعب والمطعلية وسلام في عدل الله في الدين المعين المعين المياس كو الما وركيب المحا عدل المع جب معيث كري من المركيب المحاد المركيب المحدد المعين المركيب المحدد المحد

١٢ . عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنْ أَبِهِ عَنْ أَبَهِ عَبْدِاللهِ عَلَيْ مَخْبُوب ، عَنْ بَعَضِ أَصْخَابِهِ ، عَنْ أَبَهِ عَبْدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ أَنصْفَ النَّاسَ مِنْ نَفَسُهِ رُضَى بِهِ حَكَماً لِغَبْرِهِ .

١٧- فربايا حفرت الوجد الله علي السلام في وشخف ودروس كما تهما تصاف كر تلب تودوس السس كمسا مخط

١٢ ـ أُمَّدُ بْنُ يَحْدِي ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبْسِي ، عَنْ يَعْلِي مِنْانِ ، عَنْ يُؤْسُفَ بْنِ عِمْرَانَ ابْنِ

مبنم ، عَنْ مِعْقُوبَ بْنِ شُعَيْه ، عَنْ أَيِ عَبْدالله عِيهِ قَالَ : أَوْحَى اللهُ عَنَّ وَجَلَّ إِلَىٰ آدَمَ عِلِهِ أَسَى سَأَجْمَعُ لَكَ الْكَالْكَلامَ فِي أَذْبَعِ كُلَمَاتٍ ، قَالَ : يَارَتِ وَمَاهُنَّ ؟ قَالَ : وَاحِدَةٌ لَي وَ وَاحِدَةٌ لَكَ وَوَاحِدَةٌ فَهِمَا بَيْنِي وَبَيْنَكَ وَوَاحِدَةٌ فَهِمَا بَيْنِي وَمَاهُنَّ ؟ قَالَ : يَارَتِ بَيْنَهُنَّ لِي حَشَى أَعْلَمَهُنَ ، قَالَ : أَمَا النّبي لِي وَبَيْنَكَ وَوَاحِدَةٌ فَهِمَا بَيْنَكَ وَبَيْنَ النّاسِ قَالَ : يَارَتِ بَيْنَهُنَّ لَي حَشَى أَعْلَمَهُنَ ، قَالَ : أَمَا النّبي لِي فَنَعْدُونَ إِنْكِو ، وَأَمْتَا النّبي بَينِي وَبَيْنَكَ فَعَلَمُ وَجَعَلْ النّبي مَا تَرْضَى النّبي مَا تَرْضَى لِلنّاسِ مَا تَرْضَى لِنَعْسِكَ وَ تَكُرَهُ فَهَمُ مَا تَكُونُ لِيَعْسِكَ وَ تَكُرَهُ لَهُ مُا تَكُونُ لِيَعْسِكَ وَ تَكُرَهُ لَيْهُ مَا تَكُونُ لِيَعْسِكَ وَ تَكُرَهُ لَهُ مُا تَكُونُ لِيَعْسِكَ وَ تَكُرَهُ لَهُ مُا تَكُونُ لِيَعْسِكَ وَ تَكُرَهُ لَهُ مُا تَكُونُ لِينَاسِ مَا تَرْضَى لِلنّاسِ فَتَرْضَى لِلنّاسِ مَا تَرْضَى لِلنّاسِ فَتَرْضَى لِلنّاسِ مَا تَرْضَى لِلنّاسِ مَا تَرْضَى لِلنّاسِ فَتَرْضَى لِلنّاسِ مَا تَرْضَى لِلنّاسِ مَا تَرْضَى لِلنّاسِ فَتَرْضَى لِلنّاسِ فَتَرْضَى لِلنَّاسِ مَا تَرْضَى لِلنَاسِ فَتَكُونُ لِللّهُ مِنْ لَكُونُ لِي لِللّهُ اللّهِ فَي اللّهُ اللّهُ اللّهُ فَلَالَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

۱۳۰۰ فرایا ایومبدالندهد اسلام نواند آدم کودجی کی پیر تیرے گئے چار بایش جیج کودل گا آدم نے کہا ہے میرے رب وہ کیا ہیں۔ فرایا ایک میرے لئے اور ایک تیرے گئے اور ایک تیرے اور لوگوں کے درمیان -آدم کے کہا و فدایا بیان کرناکویں جانوں و فرایا ہومیرے گئے ہے ۔ فدایا بیان کرناکویں جانوں و فرایا ہومیرے گئے ہے ۔ فدایا بیان کرناکویں جانوں و فرایا ہومیرے گئے ہے ۔ فرای درمیان ہے وہ یہ ہے کہ میری عبا دست کو اور جو چیز میرے ورمیان ہے وہ یہ ہے کہ میری اور جو چیز میرے ادوار گا ہوں کا طرف تیری احتیاج ہوگی اور جو چیز میرے ادوار گا ہوں کا طرف تیری احتیاج وہ بیے کہ توجو اپنے لئے ہوئی دوموں کو مدون کے گئے ہند کہا وہ جو فریعے گئے ہوئے گئے ہوئے گئے ہوئے گئے ہند کرے دیموں کے گئے ہند کہا ہے ۔ فرایان ہے وہ بیے کہ توجو اپنے گئے ہند کرے دیموں کا وروں کے گئے ناہدندگر ۔

١٤ ــ أَبُوعَلِي الْأَشْمَرِيُّ، عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الْبَيْ الْجَبْ الْجَبْ الْمِعَنِ ابْنِ فَمَنْ اللهِ مَنْ غَالِبِ بْنِ غَنْمَانَ ، عَنْ دُوجِ ابْنِ الْخُتِ الْمُمَلِّي ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ غَلِيدٍ قَالَ : اتَّعَوُ اللهُ وَاعْدِلُوا، فَإِنَّ كُمْ تَعِيْبُونَ عَلَى قَوْمِ لا يَمْدِلُونَ.

۱۹۷۰ فرمایا ابوهبدد الشرهلیدانسان مهند الناسع فیروا وردول کرواییت گوردانوں کے درمیسان کیونکرتم نا پسند کرتے موان اوگوں کی حکومت کی جو عدل نہیں کرتے۔

١٥ -عَنْهُ، عَنْ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ مُعَاوِيَةَ بَنِ وَهْبٍ ، عَنْ أَيِعَبَ دِاللهِ يَهِلِا قَالَ : المَدْلُ أَحَلَىٰ مِنَ الشَّهُو ، وَأَلْمَتُ بَدِ ، وَأَظْمِتُ رِيحامِنَ الْمِسْكِ .

هارفرها با ابوعبدالشرعليد إسلام كرعدل شهدس زيا ودستيريه بعدسكدس زياده زم اوردشك سدزيا ده خوشبود ارب

١٦ _عَدَّةٌ مِنْأَصْحٰ إِلَا ، عَنْأَحْمَدَ بْنِ عَلَيْهِ خَالِدٍ ، عَنْ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ عُنْمَانَ بْنِ جَبَلَةَ ، عَنْ أَي جَفْمَ إِلَى اللهِ عَلْ أَوْ وَاحِدَةٌ مِنْهُنَ جَبَلَةَ ، عَنْ أَي جَفْمَ بِهِ إِلَا قَالَ : قَالَ رَسُولُ الله وَ إِلَيْهِ عَالَ مَنْ كُنَ فَهِمِ أَوْ وَاحِدَةٌ مِنْهُنَ

كَانَ فِي ظِلِّ عَرْثِي اللهِ يَوْمَ لَاظِلَ إِلَّاظِلَهُ؛ رَجُلُ أَعْطَى النَّاسَ مِنْ نَفَسِهِ مِاهُوَ اللَهُمُ، وَرَجُلُ لَمَ يُفَتَى مُ رَجُلًا وَلَمْ يُؤَخِّذُ رَجُلاً حَتْمَى يَعْلَمَ أَنَّ ذُلِكَ لِلهِ رِنَى ، وَرَجُلُ لَمْ يَعِبُ أَخَامُ الْمُسَلِمَ بِعَبْ حَتْنَى يَنْفِيَ ذَلِكَ الْمَيْبَ عَنْ نَفْسِهِ ، فَإِنَّهُ لا يَنْفِي مِنْهَا عَيْباً إِلاَّ بِذَالَهُ عَيْبٌ ؛ وَكَفَى بِالْمَرْء شُفلاً بِنَفْسِه عَنِ النَّالِين .

۱۱ - فرمایا الوجعقوطیرا سلام نے کوریول اللہ نے فرمایا تین خصلین جس میں ہوں یا ان بی سے ایک بھی ہوتو وہ دوار قیامت عرش دہنی کے بیچے ہوگا جب کرکوئی اور سا بہ نہ ہوگا پہلے دہ شخص جوابئی طرف سے توگوں کو وہ دسے جو وہ دوسروں مانگنا چا ہتلہے وو مرے وہ جوکس کو نرا کے بڑھا تلہے ڈیچھے ہٹا تا ہے جب تک اس بیں خدا کی مفی کو نہاں نے ، تیسرے ک بندہ مسلم کوع بب ہمیں منگا تاجب تک کہ اس عمیب کو اپنے سے دور نہیں کرلیتا اور بدعیب دور نہیں ہوسکتا جب تک بر اپنا عبیب اس پرنا امرز ہوا ورانسان کے لئے بیشن کیا تی ہے کہ وہ لوگوں سے توج ہٹا کوعرف اپنے نفس کی طرف توجہ کرے -

١٧ - فَنْهُ مَ عَنْ عَبْدِالرَّحْمَٰنِ بَنِ حَمَّادٍ الكُوْفِيّ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بَنِ إِبْرُاهِيمَ الْفِفَارِيّ، عَنْ حَمْفَرِ ابْنِ إِبْرُاهِيمَ الْفِفَارِيّ، عَنْ حَمْفَرِ ابْنِ إِبْرُاهِيمَ الْفِعَارِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ قَالَ : قَالَ رَسُّولُ اللهِ وَاللهِ عَلَيْهِ عَنْ دَاسَى الْفَقَهِرَ مِنْ مَالِيهِ وَأَنْفَقَالِهُ وَاللّهُ عَنْ اللّهُ اللّهُ وَمِنْ مَاللّهِ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَمِنْ مَالِيهِ وَنَالِكُ الْمُؤْمِنُ حَقَيّاً .

عد قرایا حفرت الوصد الله علیان اسام نے کودمول الله نے زایا جواہت مال میں سے فیقرکی مددکرتا ہے اور دہ اوار اپنے نفس کے درمیان انصاف کرتلہ تو وہ ہچا عومن ہے۔

١٨ - كَتَّادُبْنُ يَحْمَى ، عَنْ أَخْمَدَبِن عَتْمَ ، عَنْ عَتْدِبْنِ سِنَانِ ، عَنْ خَالِدِبْنِ أَنْفِع بَيْ عِالشَابِرِيّ عَنْ يُوسُفَ أَلْبَرُ إِنْ فَالْمَا اللّهُ عَلَيْهِ عَنْ عُولُ : مَا تَدَاراً اثنَانِ فَي أَمْرٍ قَطْ أَ، فَأَعْلَىٰ أَحَدُهُمَا عَنْ يُوسُفَ أَلْبَرُ إِنْ أَنْ إِلَا أَدِيلَ مِنْهُ .
النَّصَفَ طَاحِبُهُ فَلَمْ يَقَبَلُ مِنْهُ إِلَّا أَدِيلَ مِنْهُ .

۱۸ د فرایا الوعیدالنومین جب دوشخص کسی امرمیس نزاع کرین آدچاہے کر برایک ال میں سے اپنے سامتی کے معاطری العمان کرسے اورب انعا مامقبول مزموکا جب تک وہ مال ندویا جائے جو باعث نزاع ہو۔

١٩ - عَنْ أَبِي أَيْوُتِ ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَنِّا بْنِ مَعْبُوبٍ ، عَنْ أَبِي أَيْوُتِ ، عَنْ عَيْرَ إِنْ قَيْسٍ عَنْ أَبِي أَيْوُتِ ، عَنْ عَيْرَ إِنْ قَيْسٍ عَنْ أَبِي إِلَّهُ وَاللَّهِ عَنْ أَبِي إِلْكُونَةُ أَحَدُهُمْ مَنْ حَكَمْ فِي نَفْسِهِ بِالْحَقِّ عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عَلِيْهِ فَالْ : إِنَّ لِلْهِ جَنَّةُ لا يَذْخُلُهُا إِلاْ فَلَاثَةٌ أَحَدُهُمْ مَنْ حَكَمْ فِي نَفْسِهِ بِالْحَقِّ

۱۹ فرما یا ا پوجففرهلیدانسلام نے اللّٰدک ایک جنت سیے جس میں ند داخل ہوں گے مگر بین قسم ہے لوگ ، ایک ان پیں سے دہ ب جوا پینے نفس کوحن پر قسام کم رہنے کا مکم دے۔ ٢٠ _ عَلْيُ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ الْبُنِأَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنِ الْحَلَبِيّ ، عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ خَمَّادٍ ، عَنِ الْحَلَبِيّ ، عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ خَمَّادٍ ، عَنْ الْحَدَلُ أَخْلَى مِنَالُمَا ، مُصِيّبُهُ الظَّمْآنُ ، مَاأَوْسَعَ الْعَدْلُ إِذَاعُدِلَ فَهِدِ وَإِنْ قَلَّ . عَبْدِاللهِ إِنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى مِنَالُمَا ، مُسَيّبُهُ الظَّمْآنُ ، مَاأَوْسَعَ الْعَدْلُ إِذَاعُدِلَ فَهِدِ وَإِنْ قَلَ .

٥٠ د فرايا بوعيدا لفدعليدامسدم في على اس باقى سد نواده ميها سيجس كويياسا بلد اورعدل چا بيك كذا بى كم بوده برى

ایک سوپنجانوسے ان باب بوگوں سے استفنا

ه (بناب) ه (م) ه (الم) ه ه (المُورِينية الله عن الله من اله

١ - كُتْرَابُنُ يَحْدِلَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ مُتَلِينَ عِهِلَى ، عَنِ الْحَسَين بْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَبَدْ اللهِ بْنِ سِلْانِ
 عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ يَلِيلِا قَالَ : شَرَفُ الْمُؤْمِنِ قِيّامُ اللَّذِلِ وَعِرْ مُ السِّنْ الْحُمْ عَنِ النَّاسِ ،

و فره باحفرت الوعبد الشعليد السلام في مومن كالشرف قائم اليل مونا الداس كاعوت لوكول سعيد بروابي بين ب

٢ = عَلِيُّ بْنُ إِبْراهِهِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، وَ عَلِيُّ بْنُ عَهْ الْقَالِمَانِيِّ جَمِهِماً ، عَنِ الْفَاسِمِ بْنِ عَنْهِ ، وَ عَلِيُّ بْنُ عَلَى الْقَالِمَانِيِّ جَمِهِماً ، عَنِ الْفَاسِمِ بْنِ عَلِمْ اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ وَجَلَّ رَبَّهُ أَشَيْنًا إِلاَّ أَعْطَاهُ فَلْمَيْنًا إِلاَّ أَعْطَاهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَّ ذَلِكَ مِنْ قَلْبِهِ لَمْ يَسَأَلُ اللهُ شَيْئًا إِلاَّ أَعْطَاهُ .

۲ رفرایا حفرت؛ بوعبدالله علیه السلام نے جب تم میں سے کوئی بہ چا ہے کہ خداسے جو مانکے وہ اس کو دے دے تواسے جاہیے کہ نوگوں سے با تکلید الیس بہوکرا بنی امیدکا پورا تعلق خدا ہی سے دکھے جب الله اس کے دل کی بات معلی کرنے کا توجیر اس سے بندہ جوسوال کرے گا وہ اسے بورا کرے گا ۔

٣ ـ وَبِهٰذَا الْأَسْنَادِ : عَنِ الْمِنْقَرِيِّ ، عَنْ عَبْدِالرَّرُ اقِ ، عَنْ مُعَمَّرٍ ، عَنِ الزُّهْرِيِّ، عَنْ عَلِي بْنِ
 التُحسَيْنِ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِما قَالَ : رَأَيْتُ ٱلضَيْرَ كُلَّهُ قَدِاجْتَمَعَ في قَطْعِ الطَّمَعِ عَمْا في أَيْدِي النَّاسِ

وَمَنْ لَمْ يَرْجُ النَّاسَ فَي شَيْءٍ وَرَدَّ أَمْرَهُ إِلَى اللهِ عَزَّ وَجَلَّ فَي حَميعِ الْمُؤْدِهِ اسْتَجَابَ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ اللهِ عَزْ وَجَلَّ اللهِ عَزْ وَجَلَّا اللهُ عَيْءٍ .

۳ ۔ فربایا حفرت علین الحدین نے میں نے مجولی و کی کہ اس احری دیکھا کہ جولاگاں کے بیاس ہے انسان اس سے اپنی کو تعطع کرے اور جو کو گی بندوں سے امید زر کھے گا اور تمام الموریس فعدا ہی سے لونگائے گا توخد اسرام میں اس کی دعا قبول کریگا

٤ - نَجَنَدُ بَنُ يَخْنِى ، عَنْ أَخْمَدَبْنُ نَجَّى ، عَنْ عَلَىٰ بْنَ الْحَكْم ، عَنَ الْحُسَيْنِ بْنِ أَبِي الْعَلاو ، عَنْ عَلَىٰ بْنَ الْحَكَم ، عَنَ الْحُسَيْنِ بْنِ أَبِي الْعَلَاو ، عَنْ عَلَىٰ بْنَ الْحَكَم ، عَنَ الْحُسَيْنِ بْنِ أَبِي الْعَلَادِ ، عَنْ عَلَىٰ الْحَلَاثُ عَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ الْحَلَاثِ عَلَىٰ الْعَلَىٰ الْحَلَاثِ عِنْ اللّهُ عَلَىٰ الْحَلَاثِ عَلَىٰ الْعَلَىٰ الْعَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ الْعَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهَ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ الْحَلَىٰ عَلَىٰ اللّهُ عَلَّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَّا اللّهُ عَلَىٰ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَىٰ اللّه

۳۰ وی نے حفرت الوعب، الله علیہ اسلام کوکھتے سنا لوگوں سے اپنی حاجتوں کوطلب کرنا اپنی عزت کا کھونلہے اور حیا کا رخصت کرنا اً ورج کھی لوگوں کے پاس ہے اس سے بے پر واہونا ، موس سے دیں میں عرش ہے اور طبع وہ کوظئ اہر برظا ہرفتیزی ہے۔

م عِدَّةً مِنْ أَسْخَامِنَا ، عَنْ أَخْمَدَهِنِ مُخْدِينِ خَالِدٍ ، غَنْ أَخْمَدَهُنِ مُخْدِيْنِ أَبِي نَصْرِ قَالَ : قُلْتُ الأَ بِي الْمُسَنَنِ الرِّ مِنْ يَهِعِ : جُعِلْتُ فِذَاكَ اكْتُبْلِي إِلَى إِسْمَادِهِلَ ثِنْ ذَاوُدَ ٱلْكُاتِبِ لَعَلَى الْصِبُ مِنْدُ قَالَ : أَنَا أَضِنُ بِكَأَنْ تَطْلُبَ مِنْلَ لَهٰذَا وَشِبْهَهُ وَلَكِنْ عَوْ لَوْعَلَى لَمَالِي .

۵- داوی کہتلہے ہیں نے امام رضاعلیہ اسلام سے کماکہ اسماعیں بن واؤد دا مون کا نزائِی) کوایک خط لکھ ویجے تاکہ سمجے اس سے کہاکہ اسے تیرا مانگذا چھا نہیں سمجھتا ربہتر بیسٹ کہ تو میرسے مال سے سے کرخ ہے کر۔ ہے کرخ ہے کر۔

٢ - عَنْهُ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَمَّادِيْنِ عَهْلَى، عَنْ مُغاوِيَةَ بْنِ عَمَّالٍ ، عَنْ نَجْمِ بْنِ خَطِئِمْ الْغَنَوِيِّ عَنْ أَلَمُ وَمِثَالٍ ، عَنْ نَجْمِ بْنِ خَطِئِمْ الْغَنَويِ عَنْ أَلُمُ وَمِنْ فَي دَيِنِهِ أَوَ مَا سَعِعْتَ قَوْلَ خَايَمْ ؛ عَنْ أَلِي جَعْفَ لِ عُلْمَا عَرْمُتُ الْبَاشُ مَا أَلْفَيْنَ عَلَى النَّاسِ عِنَّ الْمُؤْمِنِ فَي دَيِنِهِ أَوَ مَا سَعِعْتَ قَوْلَ خَايَمْ ؛ عَنْ أَلْعَلَى عَنْ الْمُؤْمِنِ فَي دَيْنِهِ أَوْمَا سَعِعْتَ قَوْلَ خَايَمْ ؛ وَالطَّعَ عُلْمَا أَنْ عَلَى اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَنْ أَلْفِيلَى هَا إِذَا عَرْقَوْنَهُ النَّقُسُ ، وَالطَّعَ عُلْمَا أَلْفِيلَى هَا إِذَا عَرْقَوْنَهُ النَّقُسُ ، وَالطَّعَ عُلْمُ الْفَقْرُ

۳ - امام محد با قرعلیا نسلام نے فر فایا - با یوس ہونا ان چیزوں سے بچو ٹوگوں کے قبیضے ہیں ہیں مؤمن کے لئے دین میں باعث عورت ہے کیا تو نہیں سنا -عورت ہے کیا تونے ماتم کا بیہ قول نہیں سنا -جب میں نے لوگوں سے اعید قطع کی توامش فنا کو حاصل کر لیا بشرط یک نقس اس کر بچانتا ہولیے ٹی اوپرے دل سے ڈس و

ادرلايع أو تقري -

٧ ــ تُخَدَّهُ بُنُ يَحَمَّى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ مُخَدِّبِنِ عَبِسَى، عَنْ خَآوبْنِ سِنَانِ ، عَنْ عَمَّادِ الشّابَاطِيّ ، عَنْ أَجَّوبُنِ سِنَانٍ ، عَنْ عَمَّادِ الشّابَاطِيّ ، عَنْ أَيْ مَبَّدِ اللّهِ عَلَيْهِ يَقُولُ : لِيَجْنَمِعْ فِي قَلْبِكَ الْإِفْنِقَادُ إِلَى النّاسِ وَالْإِنْدَفْنَاءُ عَنْهُمْ وَ فَيكُونَ افْتِقَادُكَ إِلَيْهِمْ فِي لَبِنِ كَلَامِكَ وَحُسْنِ بِشْرِكَ ، وَيكُونَ اسْتِغْنَاؤُكَ عَنْهُمْ فِي لَئِن كَلَامِكَ وَحُسْنِ بِشْرِكَ ، وَيكُونَ اسْتِغْنَاؤُكَ عَنْهُمْ فِي نَا اللّهِ عَنْهُمْ فِي ذَا لَكَ .

ه در دایا داد هیدد الد علیدالسلام نے کوامیرا لموشین علیدا نسلام فراتے تھے کہ چاہیے کرتیرے دل میں لوگوں کی طدر ف احتیابی اور ان سے بے پروازی اس طرح جمع مہوکہ تری احتیاج ان کی طرن کلام کی فری اور شکفتر دوئی سے مہوا ور تیری ہے پرواہی ان سے اکروک حفاظ شاور بقائے کو شکھ کے جو۔

﴿ عَلَيُّ بِنُ إِيْرَاهِمِ عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ مَعْبَدٍ قَالَ : حَدَّ ثَنِي عَلِيُّ بْنُ عُمَرَ عَنْ يَحْمَى بْنِ عِمْرَانَ ، غَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِنْ أَبِهِ كَانَ أَمْبُرُ الْمُؤْمِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ يَعَوُّلُ : ثُمَّ ذَكَرَ مِثْلَهُ .

٨- قربايا الدعب خالاتُ علي السادم في كرام والمونين في فرايا اس ع بعدم بن ف اوبروا لي حديث بيان ك-

الكساوجها أوروال باب

(باب صلة الرّجم) 194

١ عَلَيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ، عَنْ أَبِهِ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ، عَنْ جَمهل بْنِ دَرُ اج قَالَ: سَأَلْتُ أَبَاعَبُواللهِ اللهِ عَنْ جَمهل بْنِ دَرُ اج قَالَ: سَأَلْتُ أَبَاعَبُواللهِ اللهِ عَنْ وَهِياً اللهِ عَنْ وَوَلِ اللهِ حَلَّ ذَكُوهُ : • وَاتَ عَلَيْكُمْ رَقِبِها ، اللهُ عَنْ وَكَالًا إِنْ اللهُ عَنْ وَجَلَ أَمْرَ بِصِلْتِها وَعَظَمَها ، أَلَا ترَى أَنْ هُ جَمَا لَها مِنْهُ .
 غُالَ : فَمَالَ : هِنَ أَرْحَامُ النّالِس ، إِنَّ اللهَ عَنْ وَجَلَ أَمْرَ بِصِلْتِها وَعَظَمْها ، أَلَا ترَى أَنْ أَنْ حَمَا لَها مِنْهُ .

۱۰ د اوی کہنا ہے میں نے ابوع بداللہ علیائسلام سے اس آیت کا مطلب ، اس اللہ سے فروح ب کے وسیلہ سے تم اہم سوال کرتے ہوا ورصداء رحم کروء اللہ تم ہر نگران ہے ۔ حفرت نے فرایا ارحام سے مراد لوگوں سے رحم کرنا اور اسے عظیم سمجھنا

بے کیا تم نہیں دیکھنے کے فدانے اپنے ذکر کے قریب اس کا ذکر کیا ہے۔

٢ - عُمَّدُ بنُ يحْنيٰ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُجَدِيْنِ عهدى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ النَّمْمَّانِ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَمَّادٍ قَالَ : بَلْمَنَى عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيهٌ أَنّ رَجُلاً أَتَى النَّبِيّ وَاللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيهٌ أَنَّ رَجُلاً أَتَى النَّبِيّ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى الللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى ا

۲- فرمایا صفرت الوعید النه علیدا مسلام نے ایک شخص دسول النه می پاس آیا اور کہنے لگا۔ یادسول النه میرے فائدا ن والوں نے مجھ پرچھ کمیا ، مجھ سے قبلے دحم کیا ہمجھ گا ابال ویں ، یس نے ان سے میں جول ترک کر دیا ۔ فرمایا اس صورت پس خدائم سب کوچھ وڑوے گا ۔ اس نے کہا بھرس کیا کروں ۔ فرمایا جس نے قبلے دحم کیا ہے اس سے مسلز رحم کر ، جس نے بچھی تھے تحروم کیا ہے اس پر کم بشش کرا ورجس نے تجھ پر ظلم کیا ہے اس کو معاف کراگر تونے ایسا کیا توفداکی طرف سے تیرسے لئے ان پر خابر حاصل ہوگا

٣ _ وَ عَنْهُ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عُبِنِي عَبِنِي ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبِنِي أَبِينَضٍ ، عَنْ عُبَّرِبْنِ عُبَيْدِاللهِ قَالَ : قَالَ أَبُوالْحَسَنِ الرِّ ضَا لِلْقِبِظِيَّا: يَكُونُ الرَّ جُلُ يَصِلُ رَحِمَهُ فَيَكُونُ قَدْبِقِيَ مِنْ عُمْرِهِ ثَلاثَ سِنبِنَ فَيُصَبِّتُهُ هَاللهُ ثَلاثِينَ سَنَةً وَ يَفْعَلُ اللهُ مَا يَشَاءُ .

۳۔ فرطایا مام رضا علیدانسلام نے کبھی ایسا ہوتاہے کہ ایک شخص صله رهم کرتاہے اور اس کی عمر قبل صلة رهم کرنے مے حرف ٹین سال باتی دہتی ہے خوااس کو ہیس سال کر ویتلہے اور اللہ جرچا ہتناہے کر تکہید۔

٤- وَعَنْهُ ، عَنْ عَلَى بِنِ الْحَكِم ، عَنْ خَطَّابِ الْأَعْوَدِ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ قَالَ: قَالَ أَبُوجَعْفَر عَلَى اللهُ عَوْلَ اللهُ عَنْ خَطَّابِ الْأَعْوَلَ وَتُنْفِي الْأَدْوَلَى وَتُنْفِيرُ الْحِسَابَ وَتُنْفِي الْأَعْوَالَ وَتُدَفّعُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّه

مه رَوایا دام محدیا قرطیالسلام نے مسلز رحم احمال کو پاک کر تاسید ا ورمال کوزیا وہ کرتلید ا وربلاگان کو دورکر تلبیت اور بس کا حساب پیش خدا آسیان کرتا ہے ا ورموت میں تا خرکر تاسیعہ

ه ـ وَعَنْهُ ، عَنِ الْحَسَنِ بَنِ مَحْبُوب، عَنْ عَمْرُو بَنِ أَبِي الْمِقْدَامِ ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرٍ يَهِ اللهِ عَلَى عَمْرُو بَنِ أَبِي الْمِقَدَامِ ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرٍ يَهِ اللهِ عَلَى اللهِ جَالِ وَ قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَصْلَابِ اللهِ جَالِ وَ أَلْكَ مِنَ اللهِ عَنْ أَصْلابِ اللهِ جَالِ وَ أَرْحَامِ النِّسَاءِ إِلَى يَوْمِ الْقِيامَةِ أَنْ يَصِلَ الرَّ حِمَو إِنْ كَانَتُ هِنْ مُعَلَى مَسَبِرَةِ سَنَةً عَلَى مَسْبَرَةِ سَنَةً عَلَى اللهِ عَنْ دُلِكَ مِنَ اللَّهِ بِنِ . وَاللَّهُ عَلَى مَسْبَرَةِ سَنَةً عَلَى مَا اللَّهُ عَلَى اللَّهِ بِنِ .

ه- ٹرمایاحفرت امام محدیا فرطیدالسلام نے کررسول اللہ نے فرمایا میں وصیّت کرتا ہوں اپنی امّت کے موجودہ لوگوں کو اور جوان میں سے خامت ہیں ان کو آور جوان میں سے خامت ہیں ان کو آور جوان میں سے خامت ہیں ان کو آبیامت تک کو اور جوان کا درین میں ہے۔ ان کو قیامت تک کے لئے کہ وہ اپنے عور پزسے مسلم رحم کریں اگر جہ وہ ایک سال کہ مسافت پر ہوکیونکہ وہ امر دین میں ہے ہے۔

٢ ـ وَعَنْهُ ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ حَفْسٍ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْتُكُمْ فَالَ : صِلَةُ الْأَرْحَامِ تُحَيِّدُ اللهِ عَلَيْتُكُمْ فَالَ : صِلَةً الأَرْحَامِ تُحَيِّدُ أَلْكُفَّ وَتُسَيِّمُ فَي الْأَرْحَامِ تُحَيِّدُ أَلِي وَتُنْفِيمُ ، فِي الْأَجَلِ.

۲- فرایاحضرت ابوعید الشرعلیرانسلام نے کرسلز رحم فلق کو اچھاکر ناسپے اور ہاستے کو صاحب کرم بنا تاسپے اور نفس کو پاک کر تاسپے رزق میں زیادتی کر تلہے اور موت میں تاخیر کرتاہیے۔

٧ ــ الْحُسَيْنُ بُنُ عَيْمٍ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عُجْمٍ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ الْوَشْاء ، عَنْ عَلِيْ بْنِ أَي حَمْرَةَ عَنْ أَي بَصِيرٍ ، عَنْ أَي عَبْدِاللهِ عَلِي فَالَ : سَمِعْنُهُ يَقُولُ : إِنَّ الرَّ حَمَ مُعَلَّقَةٌ بِالْعَرْشِ تَقُولُ : اللَّهُمَّ عَنْ أَي بَصِيرٍ ، عَنْ أَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهُمَّ وَهُو قَوْلُ اللهِ عَنْ وَجَلَّ : وَاللَّـ دَبِنَ يَسِلُونَ مَا أَمَرَ اللهُ بِهِ أَنْ يُوصَلَ إَنْ وَحَمَ كُلِ ذَى رَحِم .

ه را بوبعيرا وي بي كرمي خدام جعفومدا دن عبداسلام برسناكة آب فقرابا كريقناً زم دهدا، رحى، عرض كرساتن معلّق ومتفعل بيدا وُلاسلة) قركم تابير ائد الترحس في جو بيدندل قدام كي آواسس مرسات و (احسان كا) تعساق قائم كرا در جس فرج سف فطع تعساق كيا تواس سع تعلق (حراحسان) كوقطع كره ادريه رحم ال محكم بيد ادريبي فدا كافوان بدر وه لوك جن كو وتعلقاً الاقائم ركف كا حكم دياج النفيل قائم ركفت بين الخ (الكلا ا وربر صاحب رحم كارهم بد

٨ -- عُنَّدُبْنُ يَحْيلَى، عَنْ أَحْمَدَنِنُ عَنْ أَحْمَدَنِنُ عَنْ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ مـــالِكِ بْنِ عَطِيَّةَ ، عَنْ يُوشَى ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ مـــالِكِ بْنِ عَطِيَّةَ ، عَنْ يُوشَى ابْنِ عَمْادٍ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عِنْهِ أَوْ أَنْ نَاطِق مِنَ ٱلجَوْادِح يَوْمَ الْقِيامَة الرَّحِمُ تَعَوُّلُ : يَادَبُ مَنْ وَصَلَتِي فِي الدُّ نَيْا فَاقطِعِ الْيَوْمَ مَا بَيْنَكَ وَبَيْنَهُ ، وَمَنْ قطَعَني فِي الدُّ نَيْا فَاقطِعِ الْيَوْمَ مَا بَيْنَكَ وَبَيْنَهُ .

۸- فرمایا ا بوعبد الله علیداسلام نے اعضامیں سب بہلے تیامت میں گواہی دینے والا عود آوں کا رحم مہوگا وہ کہے گا ارب جس نے دنیا میں تعلق الم کا اور اس کے درمیان ہے اور جس نے دنیا ہیں تعلق الم کا ارب جس نے دنیا میں تعلق الم کا ایس میں میں اس سے قبطے تعلق کر۔ ہے آئے تو کھی اس سے قبطے تعلق کر۔

٩ - عَنْهُ ٤ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُتَوْبِيْنِ أَبِي نَسْرٍ ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ الرِّضَا عِنْهِ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبُواللهِ عَلَيْكُمْ وَمِلْهُ اللَّهِ عَنْهُ اللَّهِ عَنْهُ اللَّهِ عَنْهُ وَمِلْةُ الرَّحِم مَنْسَأَةً مِلْ رَحِمَكَ وَلَوْ بِشَرْبَةٍ مِنْ مُلْءَ ٤ وَأَفْضَلُ مَا تَوْصَلُ بِهِ الرَّحِمُ كَفَّ الْأَذَى عَنْهًا وَمِللَةُ الرَّحِم مَنْسَأَةً

فيِ الْأُجَلِ ، مَحْبَبَةٌ فِي الْأَحِلِ .

د و رایا ابوعبدالله علیالسلام نے صدر مر کرو اگرچ یا نی بلاکری میوا ورصله رحم کی نیزمسورت بید بی که این عزین کی اذبیت سے کا ذبیت سے کم این عربین کی اذبیت سے کم این مسلم رحم سے موت میں تا خرم ہوتی ہے اور خاندان والے محبت کرتے ہیں۔

١٠ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَمْنَادِبْنِ عَبِسٰى ، عَنْ حَرِيزِبْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ فَضَيْلِ ابْنِ يَسَادٍ قَالَ: قَالَ أَبُوجَعْقَرِ عَلِيلًا : إِنَّ الرَّحِمَ مُعَلَّمَةٌ يَوْمَ الْقِيَامَةِ بِالْعَرْشِ تَقَوُّلُ: اللَّهُمَّ صِلْ مَنْ وَصَلّني وَاقْطَعْ مَنْ فَطَعَنى .

۔ اُ۔ فرطیا امام محد با قرطیرانسلام نے کردوز تیامت رحم معلق ہوگا عرش سے بنیچ اور کھے گا خدا ونداج سے کچھے ملایا ہے تو میں اسے ملا اورجس نے کچھے قبطع کیا تو بھی اسے قبطع کر۔

١١ - عُمَّدُ بْنُ يَحْمَىٰ ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبَىٰ ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَبِلَى ، عَنْ عَنْ عَنْ بَوْدِنِ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ بَرْدِم، عَنْ حَنْانِ ابْنِسَدِيرٍ، عَنْأَبَهِهِ ، عَنْ أَبَيْ جَعْفَرِ عَلِيْ فَالَ: قَالَ أَبُوذَرِ وَضِيَ اللهُ عَنْهُ السَّوِعْتُ وَسُولَ اللهِ عَنْ أَبَيْ جَعْفَرِ عَلِيْ فَالَ: قَالَ أَبُوذَرُ وَضِيَ اللهُ عَنْهُ السَّوْعَ لَهُ وَتَكَفَّلُ اللهِ عَنْ أَلْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ اللهِ عَنْ أَلَا مَنَ الْفَالِمَةِ الرَّ حُمُوالاً مَّانَةُ ، فَإِذَامِنَ الْوَ صُولُ لِلرَّ حِم ، الْهُ وَتَكَفَّأُ بِهِ الشِّراط فِي النَّالَ فَي النَّالَ اللهِ اللهِ اللهُ الله

۱۱- فرایا ابوذرنے میں نے رسول اللہ کو کہتے سنا کہ روز قیامت صرا ط کے دوکنار سے ہوں گئے ایک رحم دوسرے المنت جب صلة رحم کرنے والاا ور المانت کوادا کرنبوالا ہیں پرسے گزرے گا توجنت کی طرف داست ہائے گا اورجب المانت میں نیانت کرنے والاا دوّاطع دیم گزرے گا تواس کوان دونوں اعمال قبیرے کی وج سے کوئی عمل فائدہ مذدے گا اور صراط نبی بہوکر اسے جہنم میں گرا دسے گئے۔

١٢ ـ عِدَّةٌ مِنْأَصْحابِنا ، عَنْأَحْمَدَبْنِ عَنْجَدِبْنِ خَالِدٍ ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ ابْنِأَ بِيعُمَيْرِ ، عَنْ حَفْصِ ابْنِ قُرْطٍ ، عَنْأَ بِي عَمْزَةٍ ، عَنْأَ بِي جَمْفَر إليهِ قَالَ : صِلْةُالْأَرْحَامِ تُحَشِّنُ الْخُلْقَ، وَ تَسْمَيْحُ الْكَفَّ وَتُسْمَيْحُ الْكَفَّ وَتُسْمَيْحُ الْكَفَّ وَتُسْمَيْمُ فِي الْأَجْلِ .
وَتُطَيِّبُ النَّفْسَ ، وَتَزْبِدُ فِي الرِّزْقِ ، وَتُنْشِي، فِي الْأَجْلِ .

۱۲- فرمایا بوحبفر علیدا سلام نے کرصل رئم خلق کو اچھاکر تاہے اور با تھ کوصا حب کرم بنا تاہیے اور نفس کو پاک کرتاہے اور زنو تی میں ذیا دتی کرتاہیے اور موت میں سبب تا غیر ہوتاہیے -

١٣ _ عَنْهُ، عَنْ عُنْمَانَ بِنِ عِيلَى ، عَنْ خَطَّابِ الْأَعْورِ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ قَالَ: قَالَ أَبُوجَعْمَرٍ

THE THE TANGE OF THE PARTY OF T

عِنْ عَلَمُ الْأَرْحَامِ تُزَكِيْ الْأَعْمَالَ ؛ وَتَدْفَعُ الْبَلُولَى ، وَتُنْمِيالْا مُوالَ ، وَتُنْسِي. لَهُ في عُمْرِهِ ، وَ تُوَيِّيعُ في دِزْقِهِ ؛ وَتُحَبِّبُ في أَهْلِ بَيْنِهِ ؛ فَلْيَتْقِ اللهَ وَلْيَصِلْ رَحِمَهُ

۱۳ فرمایا امام محدیا قرطیدا نسام نے کرهسائر حم اعمال کوپاک کرتاہے میعبیت کو دورکرتاہیے دولت کوبڑھا تا ہے عمر کو زیا وہ کرتاہے رزق میں وسوت ویتاہے اورخاندان وا لوں میں مجبت ہیدا کرتھیے ہیں لوگوں کوا لنڈسے ڈرنا چلہتے اورمسائ رحم کرنا چاہیئے۔

١٤ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ ؛ عَنْ أَبِهِ ؛ وَعُمَّهُ بْنُ إِسْمَاعِهِلَ ؛ عَنِ الْفَضْلِبْنِ شَاذَانَ ؛ جَمَعِماً ، عَنْ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ؛ عَنْ إِبْرَاهِهِمَ بْنِ عَبْدِالْحَمِهِدِ ؛ عَنِ الْحَكَيمِ الْحَنْاطِ قَالَ : قَالَ أَبَوُعَبْدِاللهِ عِلْهِ : صِلَةُ ابْنِ أَبِي عُمْرَانِ الدِّيَارَ وَيَزيذانِ فِي الْأَعْمَادِ .
 الرّ حِم وحَسُنُ الْجَوْادِ يَعَمُرَانِ الدِّيَارَ وَيَزيذانِ فِي الْأَعْمَادِ .

سم ارفرا يا حفرت ابوعبد الله عليدانسلام في صلة رحم اور الجي بمسائيكي شهرون كوا بادكرت بي اور عمر كوزياده مرت بي

مَ عَدَّةَ مَنْ أَصْحَابِنَا ؛ عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيَادٍ ؛ عَنْ جَعْفَ رِبْنِ عَبِّدِ الْأَشْعَرِيَّ ؛ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنَ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنَ عَنْ عَبْدَاللهِ بْنَ عَنْ عَبْدَاللهِ بَاللهُ اللهِ عَنْ عَبْدَاللهِ بَاللهُ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلِي اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلِي اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلِي اللهِ عَلْ اللهِ وَاللهُ عَلَيْهُ اللهِ وَاللهُ عَلَيْ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلِي اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلِي اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلَيْ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلَيْهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلَيْهِ عَنْ عَبْدِ عَلَيْهِ عَنْ عَبْدَ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَدٍ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْه

۵ د فربایا امام محدیا قرطیرانسلام نے کرتیول النڈنے فربایا ہے نبیکیوں میں سب سے زیا وہ ا ذروئے تواب صسارہ بھہید۔

١٦ _ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ؛ عَنْأَبِهِ ؛ عَنْ النَّوْفَلِيِّ ؛ عَنِ السَّكُونِيِّ ؛ عَنْأَبِي عَبْدَاللهِ إِللهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمِعْنَةِ ؛ مَنْ سَرَّ مُ النَّسْأُ فِي الْأَجَلِ وَالزَّ لِادَةُ فِي الرِّزْقِ فَلْمِيلُ رَحِمَهُ.

۱۶ فرمایا ابوجدد الترطیرات الم نے کررسول الترصلع نے فرمایا جونوش بہوتا چلہے تا فیرموت پر زیادتی مزت پر اس کو چاہئے کرصدار مے کرے۔

٧٧ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ؛ عَنْ أَبِيهِ ؛ عَنْ صَفُواْنَ بْنِ يَخْلَى ؛ عَنْ إِسْخَاقَ بْنِ عَمَّارِ قَالَ : قَالَ أَبُوْعَبْدِاللهِ اللهِ اللهِ عَمْلُهُ مَنْ الْمُعْمِ إِلْاصِلَةَ الرَّحِم ، حَتَّى أَنَّ الرَّ جُلَّيَكُونُ أَجَلَّهُ ثَلَاثَ أَبُوعَبْدِاللهِ اللهِ عَمْلُهُ اللهُ عَمْرِهِ ثَلاثِهِنَ سَنَةً فَيَجْعَلُهُمْ ثَلاثًا وَثَلاثَهِنَ سَنَةً ؛ وَ يَكُونُ سِنَةً فَيَجْعَلُهُمْ ثَلاثًا وَثَلاثَهِنَ سَنَةً ؛ وَ يَكُونُ سِنَةً فَيَجْعَلُهُمْ ثَلاثًا وَثَلاثَهِنَ سَنَةً ؛ وَ يَكُونُ

idional Carcallana Long Restanting Linnongia

أَجَلُهُ ثَلَاثًا وَثَلَاثِهِنَ سَنَةً ؛ فَبَكُونُ قَاطِماً لِلرَّحِم فَيَنْقُصُهُ اللهُ ثَلَاثِهِنَ سَنَةً ويَجْعَلُ أَجَلَهُ إِلَى ثَلَاثِ سِنْهِ. الْحُسَيْنُ بْنُ مُثَمِّدٍ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَنْهِ ، عَنِ الْحَسِنِ بْنِ عَلَيْ الْوَشَّاء ؛ عَنْ أَبِي الحَسنِ الرِّ طَا يَطْفِيكُمْ ؛ مِنْلَهُ .

۱۵- فرمایا حفرت ابوعبدا لله علیداسدام نے صلیم رحم سے بڑھ کرکو ٹی چیز عرکو نہیں برخھاتی اکرکسی کی عمین مرضیّین سال باتی ہوں اور وہ صلیم رحم بجالائے تو الله تعالیٰ تیس سال بڑھا دیتاہے۔ مصمی عمراگرس سال موقواس کے سوسال کم کے اس ک عرتین سال کر دیتا ہے۔ یہی عدیث امام رضا علیدالسلام سے میں منقول ہے۔

١٨ - عَلَي بَنُ إِبْرُاهِم ؛ عَنْ أَبِهِ ؛ عَنْ بِعَضْ أَصْحَابِهِ ؛ عَنْ عَمْرِ وَبَنِ شِمْمٍ ؛ عَنْ جَابِر ؛ عَنْ أَبِي جَمْفَرِ عِلِيْ قَالَ : لَمَّاخَرَجَ أَمَبُو الْمُؤْمِنِينَ يُطْتِكُ يُوبِدُ الْبَصْرَة ؛ نَزَلَ بِالرَّ بَدُةٍ فَأَتَاهُ وَجُلْ مِنْ مُحَالِهِ ، عَنْ الْمَارِ الْمُؤْمِنِينَ إِنْ مَعْمُواللهَ فَيْ الْمُعْمِلُهُ فَيْ الْمُعْمِرة فَيْ اللهَ فَيْنِينَ بِمَعْمُونَتِي وَحَيْبِهُم عَلَيْمُواللهَ وَالْمَعُولِينَ إِنِي تَحَمَّلُتُ فَي وَقُومِي حَمَّالَةٌ وَإِنّي سَأَلْتُ فِي لَمُواتِق مِنْهُمُ الْمُؤاللة وَإِنْ فَمَنْ مَمْ اللهَ فَيْنِينَ بِمَعْمُونَتِي وَحَيْبِهُم عَلَيْهُمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمَنْ مُواللّهُ فَيْرَاللّهُ مِنْ مَنْ مَا أَمْبُواللّهُ فَيْلِكُ اللّهُ وَمِنْ مَا اللّهُ مُنْ اللّهُ وَمَنْ وَاللّهُ مَا يَمْنَعُهُمْ وَاللّهُ مَا يَمْنَعُهُمْ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مِنْ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَمَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ وَمَنْ اللّهُ وَمَاللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ وَاللّهُ مَا اللّهُ مَلْ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَا اللّهُ مَاللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ وَمِنْ اللّهُ وَمَنْ اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مِنْ اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَاللّهُ مَا اللّهُ مَنْ اللّهُ مَا اللّهُ اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ مَا اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مَا اللّهُ مَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مِنْ اللّهُ اللّه

كرير كيونكر مسلة وهم كرنے والے اليے حضري كرنے والے بي جن كا اجر الحكا اور قطع وهم كرنے والے قطع تعلق كرنے والے بي اور كند كا را مان كار كرنے والے بي اور كند كا را من را وى كہتلہے اس كے بعد الميرا لمونسين نے اپني سوارى كو آگے بڑھا يا اور حفرت كى بات نے ان كے ول برانز كيا

١٩٠- عَنْ يَعْلَى عَنْ اللَّهِ عَنْ الْحَمْد بْن عَلَيْدِي عِسَى ، عَنْ عُنْمَانَ بْنِ عِسَى ، عَنْ يَحْلَى، عَنْ أَلَهِ عَبْدَاللهِ عَلَيْكُ عَالَى: قَالَ أَمَرُ الْمُؤُونِينَ عَلِيلا ؛ لَنْ يَرْغَبَ الْمَرْءُ عَنْ عَشْبَرَتِهِ وَإِنْ كَانَ ذَامَالِ وَ وَلَهِ وَعَنْ مَوَدَّ يَمْ وَكَرَامَنِهمْ وَدِفَاعِهمْ بِأَيْدِيمِمْ وَأَلْيَنَهِمْ ، هُمْ أَشَدُ النّاسِ حَيْطَة مِنْ وَرَائِهِ وَأَعْطَعُهُمْ عَلَيْهِ وَعَنْ مَوَدَّ يَهِمْ وَكَرَامَنِهمْ وَدِفَاعِهمْ بِأَيْدِيمِمْ وَأَلْيَنَهِمْ مَكَارِهِ الْامُورِ ، وَ مَنْ يَقْبِضْ يَدَهُ عَنْ عَشْبَرَتِهِ وَأَلْسَنَهُمْ مَكَارِهِ اللَّمُورِ ، وَ مَنْ يَقْبِضْ يَدَهُ عَنْ عَشْبَرَتِهِ وَتَقْبَضُ عَنْهُمْ عَنْهُمْ أَيْدِي كَثْبِرَةٌ وَمَنْ يُلِنْ خَاشِبَتْهُ يَعْرُفْ صَدِيقَةُ مِنْهُ الْمَوْدَةَ ، وَمَنْ يَلِنْ خَاشِبَتْهُ يَعْرُفْ صَدِيقَةُ مِنْهُ الْمَوْدَةَ ، وَمَنْ يَلِنْ خَاشِبَتْهُ يَعْرُفْ صَدِيقَةُ مِنْهُ أَيْدُي كَثْبِرَةُ وَمَنْ يُلِنْ خَاشِبَتْهُ يَعْرُفْ صَدِيقَةُ مِنْهُ الْمَوْدَةَ ، وَمَنْ يَلِنْ خَاشِبَتْهُ يَعْرُفْ صَدِيقَةُ مِنْهُ وَالْمَودَةَ وَتَعْبَلُ الْمَعْرُوفِ إِذَاوَجَدَهُ يُخْلِيفِ اللّهُ لَهُ مَا أَنْفَقَ فَهُونُنِهُ وَيُورِ اللّهُ فَيَالُهُ وَيُورِ اللّهُ عَلَيْهُ وَيَعْمُ لَهُ فَيَ الْمَوْدَةَ وَكُونُ الْمُعْرُوفِ إِذَالَالًى مَوْلِولَ الْمَالِي الْمُولِقُورُ الْمَوْدَةُ وَلَا يَعْمُونُ الْمَالِ يَعْمُونُ الْمَالِ وَلَايَتُكُمُ وَيُورُ الْمَوْلُ الْمَالِيقُهُ مُولِولِ الْمَوْلُ الْمَوْلِ الْمَوْلِ الْمَوْلِ الْمَوْلُ الْمَوْلُولُ الْمُولِ الْمَوْلِ الْمَوْلِ الْمَوْلِ الْمَوْلِ الْمَوْلُولُ الْمُولِ الْمُولُولُ الْمَوْلُولُ الْمَوالِ الْمُولُولُ الْمُولِ الْمُولُ الْمُولُولُ الْمُولُ الْمَوْلُولُ الْمُولِ الْمُولِ الْمُولُولُ الْمُولُولُ الْمُولُولُ الْمُؤْمُولُ أَحْدُولُولُ الْمُولُولُ الْمُولُولُ الْمُولُولُ الْمُولُولُ وَلَا يَمْولُولُ الْمُؤْمُولُ الْمُولُولُ وَلَا يَعْمُولُ الْمُولِ الْمُولُ الْمُولُولُ الْمُؤْمُ الْمُؤْمُولُ الْمُولُولُ اللّهُ اللّهُ وَلَا يَعْمُولُ الْمُؤْمُولُ اللّهُ اللّهُ وَلَا يَعْمُونُ الْمُؤْمُ وَلَا يَعْمُولُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُؤْمُ اللّهُ الْمُؤْمُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

رف نبد المعالمة المعا

٢٠ عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَايِنًا ، عَنْ أَحْمَدَهِنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ عُنْمَانَ بْنِ عَبِسْى ، عَنْ سُلَيْمَانَ بْنِ عِبْلَى ، وَ مُنْ سُلَيْمَانَ بْنِ عِبْلَى اللّهِ عَلْمُ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَبْدَاللهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَنْهُمْ . عَنْهُمْ أَمْوَاللّهُمْ وَيَنْمُونَ فَلَايِزَالُونَ فَي ذَالِكَ حَتْثَى يَتَقَاطَعُوا فَإِذَا فَعَلُوا ذَٰلِكَ انْقَشَعَ عَنْهُمْ .

۲۰ درادی که تلبی میں فیصفرت الوعبد النّدعلیال الم سے کہا کہ نلاں خاندان والے ایک دوسرے سے نیکی سے بیش میں اورجب کتے ہیں اورصلہ رحم کرتے ہیں۔ فرمایا توان کے مالوں میں ترقی ہوگی اور وہ ہمیشہ توش رہیں گئے جب تک تسطع رحم نہ کریں اورجب ایسا کریں گئے تویہ ترقی دک جلنے گی۔

٢١- عَنْهُ، عَنْ غَيْرُ وَاحِدٍ ، عَنْ ذِيَادِ الْقَنْدِيِّ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ سِنَانِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَالَ : إِنَّ الْفَوْمَ لَلْكُونُونَ فَجَرَةً وَلا يَكُونُونَ بَرَرَةً ، فَيَصَلُونَ أَرْحَامَهُمْ فَتُنْمَى قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفِئْلُ أَعْمَالُونَ أَرْحَامَهُمْ فَتَنْمَى أَمُواللَّهُمْ وَتَمُولُ لُ أَعْمَالُونَ أَرْحَامَهُمْ فَتُنْمَى أَمُواللَّهُمْ وَتَمُولُ لُ أَعْمَالُومُ مَ فَكَيْفَ إِذَا كَانُوا أَبْرَاراً بَرَرَةً .

۲۱ - فربا حفرت الدعددا لله عليدانسلام نے کدرسول الله صلع نے فربایا کہ ایک قوم فاسق و فاجر مہوتی ہے اور مسلم مرحم نہیں کر آن ہے اور مسلم مرحم نہیں تو ان کے اعموال میں ترقی ہوتی ہے اور عمولو لاتی ہوجا تی ہے ہیں کیا محف کان ہے ان لوگوں کے تواب کا جونیک ہوں اور مسلاء رحم بجالائیں ۔

٢٧ - وَعَنْهُ ، عَنِ الْقَاسِمِ بْنِ يَخْلِي، عَنْ جَدِّهِ الْحَسَنِ بْنِ رَاشِدٍ ، عَنْأَ بَي بَصَبِرٍ ، عَنْأَ بَي عَبْدِاللهِ عَنْهِ قَالَ: قَالَأُمَبُرُ الْمُؤْمِنْبِنَ لِلْكَالِّهُ: صِلْوُ الْرَحْامَكُمْ وَلَوْ بِالشَّلْهِمِ، يَقَوُلُ اللهُ تَبَارَكَ وَتَعَالَى: «وَاتَّقُو اللهَ الَّذِي تَسَاءَلُونَ بِهِ وَالْأَرْخَامَ إِنَّ اللهَ كَانَ عَلَيْكُمُ رَقبِباً» .

۲۷ - فوایا اوعبدالشعلیالسلام نے کہ امیرالمومنین علیالسلام نے فرایا کرصلت رحم بجا لا کہ - اگرچ سلام ہی سے کیوں نہوالٹرقع کی استعماد رحم کرو سے کیوں نہوالٹرقع ال فرا آلمہ - اس الشد سے فرروجس سے کیوں نہوالڈرم کرو بہت کا لیارہ استعماد رحم کرو بہت شک اللہ تم پرنگہنان ہے -

٣٣. مُعَدَّدُ بِنُ يَحْدِينَ ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ ، عَنْ عَلِيّ بِنِ الْحَكِيمِ، عَنْ صَفُوانَ الْجَمَّ اللهَ اللهَ وَقَعَ بَيْنَ أَبَي عَبْدِاللهِ وَبَيْنَ عَبْدِاللهِ بَنِ الْحَسَنِ كَلامٌ حَشَّى وَقَعَتِ الضَّوْضَاءُ بَيْنَهُمْ وَاجْتَمَ عَالَتْ اللهُ وَقَعَتِ الضَّوْضَاءُ بَيْنَهُمْ وَاجْتَمَ النّّاسُ فَافْتَرَ قَا عَشِيْتَ مُمْنَا بِذَٰلِكَ وَعَدَوْتُ فِي حَاجَةٍ ، فَإِذَا أَنَا بِأَبِي عَبْدِاللهِ يَهِ عَلَى بُابٍ عَبْدِاللهِ بِنِ الْحَسِن وَ هُوَيَعُولُ : يَا خَارِيَةُ قَوْلِي لِا بِي عَبِّلُ إِي خُورُجَ ا فَالَ: فَخَرَج فَقَالَ : يُاأَبْاعَبُدِاللهِ مَا بَكُثَرَ بِكَ ؟ فَقَالَ:

إِنْ يَلَوْتُ آآيَةً مِنْ كِتَابِاللهِ عَزَّ وَجَلَّ الْبَارِحَةَ فَأَقْلَقَتْنِي ، قَالَ : وَمَاهِي ؟ قَالَ : قَوْلُ اللهِ جَلَّ وَعَزَّ وَعَرَّ وَعَرَّ لَا يَعْمُ وَيَخْلُونُ مَا أَمَرَ اللهُ بِهِ أَنْ يُوصَلَ وَ يَخْشُونَ رَبَّهُمْ وَ يَخْلُفُونَ سُوءَ الْحِسَابِ ، فَقَالَ: صَدَقْتَ لَكَأَنْ يِ لَمْ أَقَرَ أَهْذِهِ ٱلآيَةَ مِنْ كَبَابِ اللهِ جَلَّ وَعَرَّ قَطَّ فَاعْتَنَقَا وَبَكَيَا .

۳۷۰ راوی کہتاہے کہ ایک روز الوعب داللہ علیہ اسلام اورعبدا للہ بن الحسن کے درمید ان سخت گفت گوہوئی پہانتک کے دونوں کی آ وازیں بلند ہوئیں لوگ جمع مہو گئے شام کے وقت دونوں جدا ہوگئے جمیع کے وقت میں ایک مردد شدے نکلا بیں فے دیکھا کہ حفرت امام جعفر معاوق علیہ السلام عبد اللہ بن الحصرت امام جعفر معاوق علیہ السلام عبد اللہ بن الحصرت کے در وازہ پر کھڑے جب اور لو نڈی سے کہ درہ ہیں کہ الوجھ ہے کہ دہ بہ ہرائے تو آپ سے لوجھا۔ آپ جسی ہی جسی کہ ہے آئے۔ فرما یا دات میں نے کتاب اللہ میں ایک آیت پڑھی جس نے کھی ہے جو لوگ ملاتے ہی اس جز کو جس کے ملانے کا اللہ نے حکم ویلیے اور چین کر دیا انتحوں نے لوجھا وہ کون سی آیت ہے فرما یا خدا فرآ آلہے جولوگ ملاتے ہیں اس جز کوجس کے ملانے کا اللہ نے حکم ویلیے اور اللہ بن خدا ہیں ایک آیت کو گئا ہو خدا ہیں اللہ بن خدا ہیں اللہ بن حدا ہی اس آیت کو کتاب خدا ہیں بہیں تھا اس کے بعد دونوں نے معافقہ کیا اور دوئے۔

٧٤. وَعَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ قَالَ: فُلْتُ لِآ بِي عَبْدِاللهِ تَلْكُمُّ : إِنَّ لِيَ الْحَكَمِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ قَالَ: فُلْتُ لِا بِي عَبْدِاللهِ تَلْكُمُّ : إِنَّ لَهِ قَطْمَهُ ؟ ابْنَ عَمْ أَصِلُهُ فَيَقَطْمَنُهُ وَقَطْمَهُ أَتَأْذَنُ لِي قَطْمَهُ ؟ قَالْمَ فَعَنْ عَمْ أَصَالُهُ أَتَّا ذَنُ لَي قَطْمَهُ ؟ قَالَ : إِنَّكَ إِذَا وَصَلْمَهُ وَقَطَمَكَ وَصَلَكُمُ اللهُ عَنْ وَجَلَّ جَمِيماً وَإِنْ فَطَمْنَهُ وَقَطَمَكَ قَطَمَكُمُ اللهُ .

۲۷- دا دی کہتلہ میں خوخرت ابوعبد الترطیدالسلام ہے کہا۔ میرا ایک جی زاد بھائی ہے میں نے اس سے صلا رحم کیا اس نے مجھ سے قطع رحم کیا ہیں نے ادادہ کیا ہے کوجب اس نے مجھ سے قطع رحم کیا ہیں نے ادادہ کیا ہے کوجب اس نے مجھ سے قطع رحم کیا اور اس نے قطع رحم کیا توخدا تم دو توں کو ملا دے کا لیکن اگرتم دو نون تعلع رحم کردگے تواللہ تم مدار کھے گا۔

﴿ ١٨٨٠ - عَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ؛ عَنْ دَاوُدَبْنِ فَرْقَدٍ قَالَ : قَالَ لَي أَبُوعَبْدِ الله عِلِيّ : إِنْهِ أُحِبُّ أَنْ يَعْلَمُ اللهُ أَنْ يَعْدُ اللهُ عَنْهِ اللهُ عَنْهِ اللهُ عَنْهُ أَنْ يَعْلَمُ اللهُ أَنْ يَعْلُمُ اللهُ عَنْهُ أَنْ يَعْلُمُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ ال

۲۵- حفرت الدعبدالله فرایارین دوست رکھا بوں اس بات کوک انٹراس بات کوجان نے کسی نے مسلم کی کمیں نے مسلم کی کے دو کے دئے اپٹی گردن چھکا دی ہے اور میں سبقت کرنا ہوں اس امرس کہ لوگوں سے مسلم رحم کروں قبل اس کے کہ وہ فراقی کم حیشت کی بنار پر مجھ سے مستنفی ہوجا ہیں۔

٢٦ ـ عَنْهُ ؛ عَنِ الْوَشِّهِ ؛ عَنْ مُعَرِّبِن فَضَيْلِ الصَّيْرَفِيِّ ؛ عَنِ الرَّوْ ظَا يَلْبَكُنُ قَالَ : إِنَّ رَجَمَ آلِ عُنَّد

ر ال زوان المراج المراج

- الأَيْمَةُ عَالِيَهِ لَا مُمَلَقَةٌ بِالْعَرْشِ تَعُولُ : اللَّهُمَّ صِلْ مَنْ وَصَلَني وَاقْطَعْ مَنْ قَطَمَني مُمَّ هِيَ جَارِيَّةٌ بَمْدَهَا في أَرْخَامِ الْمُؤْمِنِينَ أَثْمَ تَلاهَذِهِ الْآيَة : وَوَاتَّمْتُوااللَّهَ الَّذِي تَسَاءَلُونَ بهِ وَالْأَرْخَامَ .

- ٢٠٠ فرديا الم رضا طيرا سلام في كرصلة رحم آل تحد ك آئتر عليهم اسلام كا معلق بين عرش بروه كه تله و خداه ندالي رعمت سة ترسيب كراس كوجس في مح ساصلة رحم كيا اور دور د كه اس كوجس في قطع تعلق كيا مجه سدر بعدل وهم جادى ميطى ك بعد ارجام مومنين مين بدايت برحمى - اس الشرسة وروجس سعة مسوال كرته م واورهسار وم بجالا دّ -

٢٧ ـ عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بَيْنَ أَبِي عَبْدِ اللهِ ؛ عَنِ ابْنِ فَصَّالٍ ؛ عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ عُمْرَ بْنِ يَرْبُدُ قَالَ ؛ مَا أَبْنَ بُكِيْرٍ ، عَنْ عُرْلِ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ : «الَّذَبِنَ يَسِلُونَ مَاأَمَرَ اللهُ بُدِ أَنْ يُولِ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ : «الَّذَبِنَ يَسِلُونَ مَاأَمَرَ اللهُ بُدِ أَنْ يُولِ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ : «الَّذَبِنَ يَسِلُونَ مَاأَمَرَ اللهُ بُدِ أَنْ يُولَى اللهِ عَزَّ وَجَلًا : قَرَّا ابَتُكَ .

١٤- ١١دى كېنتىك كىمى فى حفرت الوجدالله على السلام ساس آيت كمتعلق سوال كيا ده صادرهم كرتى بې جس كاحكم الله ف دايت فراياس سعم ادتيرت قرابتداريس -

٢٨- عَلَيْ بَنْ إِبْرَاهِهِم ؛ عَنْ أَبِهِ ؛ عَن ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ؛ عَنْ حَشَّادِ بْنِ عُثْمَانَ وَهِمَّامِ بِنِ الْحَكَمِ وَدُرُسْتَ بْنِ أَبِي مَنْسُودٍ ؛ عَنْ عُمَرَ بْنِ يَرْبِدَ قَالَ : قُلْتُ لا بي عَبْدِاللهِ عِلِيهِ : «الذَّبِنَ يَسَلُونَ مَاأُمَّرَ اللهُ بِهِ أَنْ يُوسَلُونَ عَالَ : مَالُمْرَ اللهُ بِهِ أَنْ يُوسَلُونَ فَي قَرْا بَنِكَ . ثُمَّ قَالَ : فَالا بِهِ أَنْ يُوسَلَ ، وَقَدْ تَكُونُ فِي قَرْا بَنِكَ . ثُمَّ قَالَ : فَلا تَكُونَ مِي هَرُا بَنِكَ . ثُمَّ قَالَ : فَلا تَكُونَ مِي هَوْلُ لِلشَّيْء : إِنَّهُ فِي شَيْرٍ وَاحِدٍ .

۱۸۰ درادی کہتا ہے میں فیصفرت ابوعبد الشرعلیا اسلام ہے اس آ بیت کے متنعلق بوجھا بیصلون ما امرالشد المخ فرالی سے
انل جو فی ہے آلی محکد کی امامت کی تصدیق اوران کی محبت کے بارے میں اور کبھی اس سے مراد مجا رہے کہ ایک ہی مراد مبوق ہے پیموفر ایا تم ان لوگوں میں سے منہ فر سیح کسی شے کے متعلق کہتے ہیں کہ بید تو ایک ہی میں اور کیتے ہیں۔
مراد میت ہیں ۔

۱۹۹- توایا حفرت علی بن الحمین علیدانسادم نے کرسول الشرف فرمایا کرجزیجا بہتاہیے کراس کی عروراز برداوراس کا رفرق زیادہ مہوتی اس کو چاہیئے کرصدار رحم کرے رحم اپنی زبان سے دوز قیاصت کچے گا۔ خدا وندا دھست تادل کراس پرجب نے مسلم رحم کیا اور دھمت سے دورر کھ اس کوجس نے مشطع رحم کیا۔ وہ شخص جو اپنی نیکی کی بنامر پر سیمھے گا کہ اس کوبہشت طے گا آزاس کے پاس آئے گا وہ دھم جواس نے قبلے کیا ہوگا اور وہ اس کی وجسے قوج نہیں ڈالا جلسے گا۔

٣٠ عَلِيُّ بْنُ مُخْذِ، عَنْ طَالِحِ بْنِ أَبِي حَمَّادِ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِعَلِيّ ، عَنْ صَغُواانَ ،عَنِ الْجَهْمِ بْنِ رَحْمَّادِ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِعَلِيّ ، عَنْ صَغُواانَ ،عَنِ الْجَهْمِ بْنِ رَحْمَّةً وَاللَّهُ عَلَى عَنْ مَا لَكُمْ عَلَيْ حَقُّ ، قَالَ: نَعْمُ حَقَّالِ : قُلْمُ عَلَيْ حَقُّ الْإِثْلامِ . حَقُّ الرَّ جِم وَحَقُّ الْإِثْلامِ .

۷۰ د دادی کهتاب میں نے صفرت ا بوعد الدّ علیالسلام سے بی تھاکہ میرے کچھ قوابت و اربی جومذیب ا ما مید نہیں رکھنے کیا ان کا کو فَ حق میرے او پہنے۔ فرمایا ہاں تن رحم کوکو فی چیز قسط نہیں کر فی اور اگر وہ تمہا دسے ہم حذیب ہوں تو بچوان کے ووثق جی ایک دوشتہ حادی دوسرے اسلام۔

٢٠ ـ عَنْ إِسْحَاقَ بَنُ يَحْمَىٰ ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَنْ أَخْمَدَ بَنِ عَنْ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ إِسْحَاقَ بَنِ عَشَارٍ قَالَ : سَيغَتُ الْهَاعَبَدَاللهِ عِلَىٰ يَتَوُلُ : إِنَّ سِلْقَاللَّ حِم وَالدِّ لَيْهُو نَانِ الْحِسَابُ وَ يَعْمِمَانِ مِنَ الذَّ نُوبِ ، فَسِلْوُا الْرَخَامَكُمُ وَبِرْ وُابِاجْوَانِكُمُ وَلَوْيحُسُنِ السَّلامِ وَرَدَ الْجَوَابِ .

۳۱ ۔ یں فروش ا بوء پر الله علیہ السلام سے سنا کومسائی رحم اور نیکی حساب کو بشکا کر دیتے ہیں اور گنا ہوں سے بچاتے بی بس تم صلاً درحم کرو اور ا پینے بچاتیوں سے نیکن کرو اگری، وہ سلام کرنے یا جواب سلام دینے سے بو۔

٣٧ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِمِمْ ، عَنْ عَبْنِي عَبِسَى ، عَنْ يَوْنَسَ ، عَنْ عَبْدِالصَّمَدِبْنِ بَشَيْرِقَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عِنْ إِبْدُ بَنْ إِبْرَاهِمِمْ ، عَنْ عَبْدِاللهِ عَلَى أَنْ عَبْدِاللهِ عَلَى الْعُمْرِ وَتَقَيِّمَ الْأَرْدِ وَ السُّوهُ وَ أَبُوعَبُواللهِ عَلَى الْعُمْرِ وَتَقَيِّمَ الرَّعَ السُّوهُ وَ مَدَّقَةُ اللَّيْلِ تُطْنِي مُ غَضَبَالرَّتِ . مَدَّقَةُ اللَّيْلِ تُطْنِي مُ غَضَبَالرَّتِ .

۳۲ - فرمایا ابوعبد النوعلی الساؤم نے عسل مرح آسان کرتاہے حساب کوروز قیامت اور عمرکو زیارہ کر تلہے اور برائیوں سے بچا تلہے اور دات کوحد قد ویٹا غضب خداسے محفوظ دکھتلہے ۔

سوس عَلِيٌ ، عَنْ أَبِيهِ، عَنَ أَبِيهِ عَنَ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ حُسَيْنِ بْنِ عُثْمَانَ ، عَمَّنَذَ كَرَّهُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْكُ فَالَ : إِنَّ صِلْقَالِقَ جِم تُزَكِي الْأَعْمَالَ وَتُنْمِي الْأَهُوالَ وَتُبَيِّرُ الْحِسَابِ وَتَدُفْعُ الْبَلُولِي ﴿ تَرَبُدُ فِي الرِّرْفُو

CHANA CHUR CHANA C

۳۳- فرما با حفرت ا بوعب دالتُّدعلِ إلسالم نے کەصلاً رحم اعمال کوپاک کرتلہے مال کو بڑھا تکہے ا ورحساب کو بلیکا کرتا اور کہلاکو دورکرتا کہ ہے۔

ایک سوستانوے وال باب والدین سے بی

((باب البربالوالدنين)) 194

٨. عَنَّ أَبِنُ يَحْلَى، عَنَّ أَحْمَدُ بِن عَيْدِ بَنِ عِلِمَ وَعَلِيَّ بَنُ إِبْرُاهِم، عَنَّ أَبِهِ جَمْعِعا، عَنَ الْحَسَن بَنِ مَحْبَوْ ، عَنَّ أَبِي وَلاَدٍ الْحَسَانُ ؟ فَقَالَ : الْإِحْسَانُ أَنْ تُحْسِنَ صُحْبَتَهُما وَأَنْ لاَتُكَلِّمُهُمَّا أَنْ يَسَالُاكَ شَيْنًا إِحْسَانُ ؟ فَقَالَ : الْإِحْسَانُ أَنْ تُحْسِنَ صُحْبَتَهُما وَأَنْ لاَتُكَلِّمُهُمَّا أَنْ يَسَالُاكَ شَيْنًا وَسُالُاكَ شَيْنًا وَحَتَى اللهِ وَإِنْ كَانا مُسْتَفْنِينِ أَلَيْسَ يَقُولُ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ : وَلَنْ تَنَالُوا البِرِّ حَتَّى تُنْفِقُوا مِثْنَا تُحْبَدُونَ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلْ اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ اللهُ ال

ا را دی کہتلہے میں فرحفرت الوعبد اللہ علیہ السلام سے پوچھا اس آیت کے متعلق والدین سے احسان کرو۔ اس احسان سے کیا مرا دیے فرا یا احسان سے مراویہ ہے کہ ان سے انجھا کرے ملوا در انھیں کی الیی شے کے انگئے گا بحلیف ندوشیں کی انھیں مزودت جو چہاہے وہ ما لدارہی کیوں نہ ہوں کیا خدائے نہیں فرا یا تم ہرگز نیکی نہاؤ کے جب تک اپنی محبوب چیٹ فرن نرکر و کھر حفرت نے فرایا ۔ خدا فرا تا کہ ہے آگران دو نون ہیں ہے کوئی ایک بڈھا ہو جائے یا دونوں بڑھے ہوجائیں توان سے کہ دخل سے اور فرا کے مرزئش کریں تب ہی آت سے کہ دخل سے کہ دخل اور ان سے بہت اور سے کہ دخل اور ان سے کہ دخل اور ان کے ماریں قو ان سے کہ دخل انہوں کی مغفرت کے سب سے ایھا کلام ہی ہے اور فدانے فرایا ہے عابوی کے ساتھ ان کے ماشنے چیک جسائد

اورصفرت فرابان کارن رعم ادرنور دل سے دیمیموادران ک آواز پر اپنی آواز او پی نکرو اورن اپنا یا تھان کے ہا تھوں سے بلند کرواور این ایس ان کے قدم سے آگے نہ بڑھاؤر

٢- ابْنُ مَحْبُوْدٍ ، عَنْ خَالِدِبْنِ نَافِعِ ٱلبَجْلِيّ ، عَنْ مُعْبَوْنِ مَرْوَانَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَا عَبْدِاللهِ عَمْوَلُ : إِنَّ رَجُلاً أَتَى النَّبِيّ وَمَالِئِي فَقَالَ : يَارَسُولَ اللهِ أَوْسِنِي فَقَالَ : لاتَشْرِلاً بِاللهِ شَيْئاً وَإِنْ عُتَ بِالنَّادِ وَعُدْ بَتَ إِلاَ وَ قَلْبُكَ مُطْمَعْنُ بِالْإِنْمَانِ ، وَوَالِدَيْكَ فَأَطِعْهُما وَبَرّ هِمنا حَبَّيْنِ كَانَا حُدِرٌ فَتَ بِالنَّادِ وَعُدْ بَتَ إِلاَ وَ قَلْبُكَ مُطْمَعْنُ بِالْإِنْمَانِ ، وَوَالِدَيْكَ فَأَطِعْهُما وَبَرّ هِمنا حَبَّيْنِ كَانَا أَوْمَ مِنَا لَهُ إِنْ أَمْرَاكَ أَنْ تَخْرُجُ مِنْ أَهْلِكَ وَمَالِكَ فَافْتُلُ فَإِنْ ذَاكِ مِنَ الْإِنْمَانِ .

مادیس ندهند ا بوعبدا لنده ایرانسلام سسناک لیکشندس درول الندی پاس آیا اور کین دیگا مجھ کچے آهیدت فرطیت ادستاد فرایا الله کی دان یم کوشرک مذکر چا بیستان کی است ارشاد فرایا الله کی دان یم کوشرک مذکر چا بیستان کی است می کوشل کا در است کی میں جلایا جائے یا سخت میں اور است کی میں کو خلاق دست اور اس کے سعمت میں ہوتا دیا ہی کا میں میں کو خلاق دست اور اس کے اللہ دست کش ہوتو ایدا کر در میں میں کا در است کا در اس

٣- عَلَيْ أَنْ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِنِ أَبِي تُمَيِّرٍ ، عَنْ سَيْمٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ ، يَأْتَ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ ، يَوْمَ الْعِيامَة عَنْ مُن مِنْ اللهِ عَلَى مَا لَيْن أَبُومُ مِن نَبْدُ خِلْهُ الْجَنْدُ ، فَيُقَالُ ، هٰذَا أَلِينُ .

۱۰ قراباحفرت الجعیدالشرعلیدالسادم نے کروڈ تیباحث ایک چیز مشی شند پرزگ آئے گا آوڈ تیزی سے وہ کا دے گا ہفت خومی کو اور اسے جنت میں واخل کر دے گ ۔ ملا کم کہیں گئے یہ ال باپ کے ساتھ نمی کا برلہ ہیں۔

٤. الْحُسَيْنُ بُنْ ثُمُّنَا ، عَنْ مُعَلَى بْنِ ثُنِّد ، عَنِ الْوَشَاء ، عَنْ مَنْشُورِ بْنِ حَارِمٍ ، عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ يَهِلِ ثَالَ : قُلْتُ : أَيُّ الْأَعْمَالِ أَفْضَلُ ؟ قَالَ : الصَّلاَةُ لِوَقِيْتِهَا ۚ وَ بِنُ الْوَالِدَيْنِ وَالْبِحِهَادُ فِي سَبِيلِ اللهِ عَذَّ وَ حَلَّ .

٧- فرما يا دا وى في كون ساعل انفل يد فرما إحفرت في تناز اور والدين سانيك الدجهاد أي ميل الله

٥ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِم ، عَنْ عَنْ عَبْنَ عَبْسَى بْنِ عُبَيْدٍ ، عَنْ يُونُسَ بْنِ عَبْدِالرَّ خَلْنِ ، عَنْ دُرُنْتَ ابْنِ أَبِي مَنْشُورٍ ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ مُوسَىٰ عَلِيلٍ قَالَ : سَأَلَ رَجُلٌ رَسُولَ اللهِ عَلَىٰ أَبِي مَنْشُورٍ ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ مُوسَىٰ عَلِيلٍ قَالَ : سَأَلَ رَجُلُ رَسُولَ اللهِ عَلَىٰ وَلَيْحِلْنُ قَبْلَهُ وَلا يَسْتَسِبُ لَهُ .
 وَلَدِهِ ؟ قَالَ : لا يُسْتَسْبِهِ بِإِشْمِهِ ؟ وَلا يَمْشِي بَيْنَ يَدَيْهِ ؟ وَلا يَجْلِشُ قَبْلَهُ وَلا يَسْتَسِبُ لَهُ .

۵ رحفرت امام موسی کا فلم علیدا اسلام نے فرما یا کم ہے درمول اللہ سے ہوچھا کہ باب کا حق اولاد پر کمیا ہے فرمایا یا ب کا تام دنے اس سے اسکے مناجلے اس سے ساشنے ندیمیٹے اور اس ک گائ کا سبب ندینے۔

٢- عِدَّةٌ مِنْ أَصْخَامِنًا، عَنْ أَحْمَدُ بِنِ عَبِيهِ خَالِهِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَبِيهِ اللهِ بَن بَحْر، عَنْ عَبِدُ اللهِ اللهِ اللهِ مَسْكَانَ ، عَتَنَ رَوَاهُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْكُ فَالَ : قَالَ - وَأَنَا عِنْدَهُ - لِعَبْدِ الْوَالِحِدِ الْأَنْسَادِيّ فَي مِي اللهِ اللهِ عَنْ وَجَلَّ : وَمِ الْوَالِدَيْنِ إِحْسَانًا ، وَفَانَ عَنْدُ مَا اللّهِ اللهِ اللهِ عَنْ وَجَلَّ : وَمِ الْوَالِدَيْنِ إِحْسَانًا ، وَفَانَ اللّهُ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ الله

۱۰ داوی کمتا ہے کرمیں حفرت ابوع دالڈ علمہ إنسان کی فد دستہیں حافر تھا گراکپ نے عبدا نوا عدالا نعدا ری دے وا لدین سے نیک کے بارے میں ہوائیں گہتا ہے دو والدین سے نیک کروہ ہم نے کمان کیا کر پسوٹ ہم امرائیل کہتے ارد قدا ہے دہنیں ہم در پذیبے کا انتکام کم کی کی عبدارت دی والدین سے احسان کروپ ہم نے کمان کیا کر پسودہ گفتان ہیں ہے ہم نے اسٹا ن کو دالدین سے نیک کرنے کی دعیدے کی اورا کروہ نوردیں اور مجبور کریں اس امریج کہ تومیرام نے داروسے اس چیز کوش کا گرائی کر میرام نے داروسے اس چیز کوش کا تھے علم ہی نہمیں ہے تو اس صورت میں ان کیا طاعت درکہت یہ امریخ کم ہے ان سے مساؤر مم کیا جلستے اور ان کے بی مجبول کی ان کا خاری میں ان کیا طاعت درکہت یہ اور ان سے مساؤر مم کیا اورا کر وہ نثر کر ہو تو ہمیں ہوئی ہم ان سے مساؤر م کا اورا کر وہ نثر کر ہوئی تو ہمیں ہے ان کا حق مگر تعظیم ۔

ان کا بی میں گر تعظیم ۔

عسلم صلا تطعها مصاحبهما فى الدنسيامعر وفيادان تينون آيتون مينهن آيت انجام الله سعمه قرانول مين پال جاتى بعيدكن س حديث مين جواس آيت كومورة لقمان كاظابر كميا كيكسه وه ال الفاظ معسمونة لقمان مين نهيمي اود دادى ممس كي تعريم بنى امرائيل كسانخه ك بيد مجوامام في كيون فرايا كريد آيت سورة لقمان مي بند -

ر المعنوى اشكال آواس كى سورت يهب كداد كأنبالموالد بين احسانا كيمتعلى خابركياكر به آيت بنى امرائيل بين بين معنوم به قل بركياكر المعنوى المورت يدمعنوم به قل بركورت به آيت بنى امرائيل بين بهرائيل بين بهرائيل المورد المقان كالفاظ سورة تقمان بين بلك آب في لفظ احسات بر نظر كفت بوط في في الدبن سے احسان كى تأكيدا ورج بكر بھى تسدان ميں بهرادى في معنوت كامفوم مسم بين مورد كا كھا يا بين اس في بهرائيل معنول تاكيدا ورج بكر بھى تسامت ميں بهرائيل ميں بين المقان ميں بيدا المورد المعنول بين الفاظ كاد كرنهين كيا اورد بھى احتمال بيد كرم بدائين سين مورد المعنول المعنول المعنول المعنول المورد بھى المورد المعنول بين المورد بنى المرائيل بين بين مورد المعنول بين مورد المعنول ا

اوريه مى امتمال چى كسورة لقمان مى ووصينا الادنسان بوالد بيدك بعد لفظ حدسنا قرأت آثم يمن ثابث چوحفرت في دونون صورتون كالمفنون بونك يك سابته وكركيا بيد لإذا داوي في عمداً يامهو آ اختصادكيا او تفعيل سع بيان مذكيا بتيسر سديد كران وكرن كا كمان برمقاك احسان كا ذكر حرف مودة بنى امرائيل بي بيد معفرت في موزا حدان كوبين نظر كاركوايا كرموده لقمان مين بيد معفرت في موزا حدان كوبين في المرائيل مداد كارتوايا كرموده لقمان مين بيد معفرت في مداد كارتوايا كرموده لقمان مين بيد مداد مداد كرمين من المداد كارتوايا كرموده لقمان مين بيد مداد كارتوايا كوبين مين بيد مداد كارتوايا كرموده كرمين كارتوايا كرموده كارتوايا كوبين كارتوايا كوبين كارتوايا كرموده كارتوايا كرموده كارتوايا كوبين كارتوايا كوبين كارتوايا كوبين كارتوايا كوبين كوبين كارتوايا كوبين كارتوايا كوبين كوبيا كوبين ك

فلامهجلسى فينكحا بيسكرب حاريث ضعيف يتعكيونكراس كارادى مجبول بيع.

٧ عَنْهُ ، عَنْ تُخَدِّبُنِ عَلِيّ ، عَنِ الْحَكَمِ بِنْ مِسْكِينِ ، عَنْ تُخَدِّبْنِ مَرَوْانَ قَالَ : قَالَ أَبُوعِبْدِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ ، وَ يَتَصَدَّقُ عَنَهُمًا ، وَ يَتَصَدَّقُ عَنَهُمًا ، وَ يَتَصَدَّقُ عَنَهُمًا ، وَ يَتَصَدُّقُ عَنَهُمًا ، وَ يَتَصَدُّقُ عَنَهُمًا ، وَ يَخَمُّ اللهُ عَنْهُمًا ، وَ يَتَصَدُّقُ عَنَهُمًا ، وَ يَخَمُّ اللهُ عَنْهُمًا وَ يَصَوْمَ عَنَهُمًا ، فَيَكُونُ اللَّذِي صَنَعَ لَهُما ، وَلَهُ مِنْلُ ذَلِكَ فَبْزِيدُ وَاللهُ عَزَّ وَجَلَ بِيرٍ مِ وَصِلْنَهِ خَيْراً كُنْبِراً ،

۵۰ نند مایا ا پوعبدا لله ملیسایسلام نے کس چینے تم بیں ہے کسی کو ماں باپ سے نیک کرنے کومنع کیا ۔ خواہ دہ نندہ میوں یا مروہ ا وروہ نیکی ہے ہے کہ ان کی طون سے نماز پڑھے صدقہ وسے ، چج کرے روزہ رکھے جوکو کی لہنے ماں باپ کے ساتھا لیں نیک کرے گا تو اللہ اس کو اس نیکی ا ورصدائر رحم کے بدے میں چرکٹیرہ طاکرے گا۔

٨ - عُنَّدُ بَنُ يَحْلَى ، عَنُ أَحْمَدَبُنِ عُنَانِ عَلَى ، عَنْ مُعَمَّرِ بَنِ خَلَّادٍ قَالَ: فَلْتُ لِأَ بِي الْعَسِنِ
٨ - عُنَّدُ بَنُ يَحْلَى ، عَنْ أَحْمَدَبُنِ عُنَانِ عَلَى ، عَنْ مُعَمَّرِ بَنِ خَلَّادٍ قَالَ: فَلْتُ لِأَ بِي الْعَسِنِ
الرِّمَا تُلْقِيَّانِ : أَدْعُو لِوَالِدَى إِذَا كَانَا لَا يَعْرُ فَانِ الْعَقْ ؟ قَالَ : ادْعُ لَهُمًا وَتَصَدَّقَ عَنْهُمُا ! وَ إِنْ
كَانَا حَبَيْنِ لَا يَمْرُ فَانِ الْحَقَّ فَنَارِهِمًا ، فَإِنَّ رَسُولَ اللهِ رَالَهُ يَتَلِيَّةٍ قَالَ: إِنَّ اللهَ بَعَنْنَي مِالرَّ حُمَةً لِلْ بِالْمُقُوقِ .

۔ راوی کہتلہ پیر نے امام رضا علیہ السلام سے کہا کیا ہیں دما کوں اپنے والدین کے بیٹے اپسی مائٹ ہیں کہ وہ ندہب ح حق در کھتے ہوں قرایا وحاکرا وران کی طرف سے صد قد دے اور اگر وہ زندہ ہوں توبا وجود حق پر زمہونے کے ان کی عدارات کوٹول انتصلع نے قرایا جیں رجمت تک سامتے ہم جا گیا ہوں مذکر نا فران کی تعدیم کے ہے۔

ه عليُّ بنُ إِبْرَاهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ هِطْامِبْنِ طَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَرُ ، وَالَ اللهِ مَنْ أَبَرُ ، وَاللهِ مَنْ أَبَرُ ، وَاللهِ مَنْ اللهِ مَنْ ، وَاللهِ مَنْ ، وَاللهُ مَنْ ، وَاللهِ مَنْ ، وَاللهُ مَنْ ، وَاللهِ مَنْ مُلْ اللهِ مَنْ ، وَاللهِ مَنْ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَاللهِ مَاللهِ مَا اللهِ مَنْ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهُ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ مَالِهُ اللهِ الله

و و فرایا مغرت ا بوجد دانشر علیدانسان کر ایک شخص ندرسول انشر سر پوهیا جین کس کی فرانبرد ادی کرون فرایا این ا ان کی اس مذکه امیر فرایا این مان کی دس نرکها بیروزایا این مان که اس نه کهامیر فرایا این باپ کل-

١٠. أَبُوعِلَيْ الْأَشْمَرِيُّ عَنْ مُنْفَيَّرِينَ سَالِم ، عَنْ أَحْمَدَ بِنِ النَّفْسِر ، عَنْ عَمْرِ وَبِنِ سَيْمٍ ، عَنْ أَبِي مَنْ أَبَي رَجُلُ رَسُولُ اللهِ وَإِنْ لَهُ اللهِ فَإِنْ لَكُنْ حَبّا عِنْدَاللهِ الْجِهْادِ تَشْهِطُ قَالَ : فَقَالَ لَهُ النَّبِي بَهِ اللهِ عَلَى اللهِ وَإِنْ رَجَعْتَ مِنَ الذُّ نُوسِ كَمَا وُلِدْتَ ، قَالَ : تُرْزَقُ وَإِنْ تَنْتُ فَقَد وَقَع أَجُرُكَ عَلَى اللهِ وَإِنْ رَجَعْتَ رَجَعْتَ مِنَ الذَّ نُوسِ كَمَا وُلِدْتَ ، قَالَ : يَارَسُولَ اللهِ إِنْ لَهِ وَاللّهِ إِنْ رَجَعْتَ مِنَ الذَّ نُوسِ كَمَا وُلِدْتَ ، قَالَ : يَارَسُولَ اللهِ إِنْ تَبْتُ فَقَد وَقَع أَجُرُكَ عَلَى اللهِ وَ إِنْ رَجَعْتَ رَجَعْتَ مِنَ الذَّ نُوسِ كَمَا وُلِدْتَ ، قَالَ : يَارَسُولَ اللهِ إِنْ تَبَيْدُ فَيَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا لَهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا لَهُ وَاللّهُ وَلَا لَهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا لَا مُعَمِّلُونَ أَنْشُهُمُ اللّهِ يَوْمًا وَلَيْلَةَ خَبُرٌ مِنْ جِهَادٍ سَنَةٍ .

۱۰ فرایا حفرت ابوهبدالنڈ تلیدائسلام نے ایک شخص نے دسول انڈ صلع ہے آکرکہا ہیں جہاد کی طرف داخب مہوں فرایا راہ فدایں جا وکرا گزش ہوملے گا توزندہ دسیے گا توخداکی طرف ہے دق ہے گا اورا گراپئی موت مرے گا تو ترااج ہوں الشریر مجد گا اورا گراپئی موت مرے گا تو ترااج ہو الشریر مجد گا اورا گراپئی موت مرے گا تو ترااج ہو الشریر مجد گا اورا گربی کے اس نے کہا یا اورا گا اللہ موجد کے جا دورا کر جا ایک موجد کہا یا اورا گربی ہوں میں اور مجہ ہے ہم ہت محبت کرتے ہیں وہ میرا جانا اپسند کرتے ہیں حفرت نے فرایا تورک جا اپنے مال باپ کے پاس مدہ وہ تم اس فات باک کی جس کے قدرت ہیں میری جان ہے کہ ان کا آنس ایک سال کے جماد سے بہتر ہیں۔

١١ ـ عِدَّةٌ مِنْ أَسْحَابِنَا ' عَنْ أَحْمَدَبْنِ مُعْلَدِبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَم ، عَنْ مُعَاوِيَةَ بْنِ وَهُمْ ، عَنْ ذَكَرِيُّنَا بْنِ إِبْرَاهِهِمْ قَالَ : كُنْتُ نَصْرًا نِينًا ۖ فَأَسْلَمْتُ وَ حَجَّجْتُ فَذَخَلْتُ عَلَىٰ أَبِي عَبْدِاللَّهِ لَمُنْتُكُمُ فَتُلْتُ: إِنِّي كُنْتُ عَلَى النَّصْرَا نِيَّةِ وَإِنِّي أَسْلَمْتُ، فَقَالَ : وَأَيُّ شَيْءٍ رَأَيْتَ فِي الْإِمْلامُ؟ فُلْتُ قَوْلُ اللهِ عَنَّ وَكُلَّ ۚ : وَمَا كُنْتَ تَدْرِي مَا ٱلكِتَابُ وَلَا الْإِمَانُ وَلَكِنْ جَعَلْنَاهُ نَوْراً نَهَدِّي بِهِ مَنْ نَشَاءُۥ فَقَالَ : لَقَدُ هَذَاكَالُهُ ، ثُمَّ قَالَ : اَللَّهُمَّ اهْدِهِ ـ ثَلاثاً ـ سَلْ عَمَاٰفِئتَ يْنَابُننَيّ ،فَقُلْتُ : إِنَّ أَبِيوَا مْشي عَلَى النَّهُ را نِينَّةِ وَأَهْلَ بَيْتِي ؛ وَأُمِّنِي مَكْنُهُ وَفَةُ ٱلبَّصِرِ فَأَكُونُ مَعَهُمْ وَآ كُلُّ فِي آنِيتِهِمْ ؟ فَقَالَ بِأَ كُلُونَ لَحُمْ الْجِنْزِيرِ ؟ فَقُلْتُ : لْأُولا بِمَسْتُونَهُ ، فَقَالَ : لاَ بَأْسَ فَانْظُرْ أُمَّكَ فَبَرَّ هَا ، فَإِذَا مَاتَتْ فَلا تَكِلُّهَا إِلَىٰ غَيْرِكَ ، كُنْ أَنْتَالَّذَي تَقُومُ بِشَأْنِهَا وَلانْخَبِرَنَّ أَحَدَا أَنَّكَ أَنَيْنَنِي حَسَّى تَأْتِينِي بِمِنِي إِنْ شَارَاللهُ قَالَ : فَأَتَيَنُهُ بِمِنَى وَالنَّاسُ حَوْلَهُ كَأَنَّهُ مُعَلِّمُ صِبْبَانٍ ، هٰذَا يَسْأَلُهُ وَهَٰذَا يَسْأَلُهُ ، فَلَمْ أَقَلِيمْ الْكُوْفَةَ ٱلطَّهَاتُ لِأُمْنِي وَكُنْتُ ٱطْمِيمُهَا وَآ فَلِي تَوْبَهَا وَرَأَلْسَهَا وَأَخْدِمُهَا فَقَالَتْ لِي : إِنا بُهَنَّ مَا كُنْتَ تَعْشَعُى هٰذَا وَأَنْتُ عَلَىٰ دَبِنِي فَهَا الَّذِي أَرَىٰ مِيْنَكَ مُنْذَهُ هَاجَرْتَ فَدَ خَلْتَ فِيٱلْحَنْهِفِيَّةِ؟ فَقُلْتُ : رَجُلُ مِنْ وَلَدِينَبِينِنَا أَمَرَنِي بِبِهٰذًا ، فَقَالَتْ : هٰذَا الرَّ جُلْ هُوَنِينٌ ؛ فَقُلْتُ : لاَوَلَكِنَّهُ ابْنُنَبِيّ ، فَقَالَتْ :لِالْبِنَيُّ إِنَّ لَمَنَا ۚ نَبِيٌّ ۚ إِنَّ هَذِهِ وَخَاتِهَ ٱلاَ نَبِيَّاهِ ، فَقُلْتُ : لِمَا مُقَمَّ إِنَّهُ لَيْسَ يَكُونُ بَعْدَ نَبِيِّنَا نَبَيٌّ وَلَكِنَّهُمَّ ابْنَهُ صَالَتْ: يَا أَبْنَيَّ دَبِّنَكَ خَيْرُدِينِ، اغْرِضُهُ عَلَيَّ فَقَرَضْتُهُ عَلَيْهَا فَدَخَلَتْ فِي الْإِثْلامِ وَ عَلَّمْتُهَا ، فَصَلَّتِ الظُّهْرَ وَالْمَسْرَ وَالْمَغْرِبَ وَالْمِشَاءَ ٱلْآخِرَةَ أَنْمُ عَرَضَ لَهَا عُارِضٌ فِي اللَّهْ بِل مَ فَقَالَتْ : يَا ابْنِيَّ أَعِدْ عَلَيَّ مَا عَلَمْتَنِي فَأَعَدْتُهُ عَلَيْهَا، فَأَقَرَتَ بِهِ وَمَاتَتُ، فَلَمَا أَصْبَحْتُ كَانَ ٱلْمُسْلِمُونَ الَّذِينَ غَسَلُولُهَا وَكُنْتُ أَنَّا الَّذِي مَنْلَبْتُ عَلَيْهَا وَ نَزَلْتُ فِي قَبْرِ لهَا .

۱۱ - دادی کهتا به کهی نفرانی تخامیم می اسلام ی کیا اور می نے جے کیا اسی زائد میں میں حفرت الدی باست میں اسلام ی کیا بات دیمی - بی نے کہا اللہ کا یہ تول باعث بدایت ہوا۔
اے دسوں کی تم نہیں جانتے سے کرکتاب کیا ہے اور ایمان کیا ہے فین ہم نے تواس نبوت کو ایک فی قراد دیا اور اس سے جس کو ہم چاہی است در میں ہے اور اس سے جس کو ہم چاہی بدایت کرتے ہی جائیت کرتے ہیا ہتا کہ ایست کا بت قدم رکھ ہے فرایا دریا فت کرج چا بتنا بی بدایت کرتے ہی حفرت مند فرایا خدا نے نہ کہ جانب فدایا است کا بت قدم رکھ ہے فرایا دریا فت کرج چا بتنا ہے میں باد فرایا - فرایا کی میں اس کرسا تقریبوں اور ان کے میں اور ان نوازی میں اور ان نوازی بین اور میں اور میں نے کہا نہیں - فرایا تو کوئی مضا تقریبیں تواہی ماں کی گرائی و خدمت کی برش کی میں میں کے خرد کرنا - قوفود تمام امور بجا لانا اور کری کو خرد کرنا کہ تو میرے کیا دور ترنام امور بجا لانا اور کری کو خرد کرنا کہ تو میرے

÷44/64

پاس آیا تفایہ ان کی کہ گومئی میں اف الدیم سے پاس پہنچ جائے۔ داوی کہتلہ کہ جب بیں صفرت کے پاس کا توہیں ان الدیم سے باس کا فران کے لیے گئے ہے کہ جب بیں کوفہ والبس آیا توہیں نے اسے دیکھا کہ حفرت کے گر داور سرے جوئیں جنس کوفہ والبس آیا توہیں نے اس نے اسے جہ بیان کا برتا ڈکیا۔ میں اسے کھانا کھلاتا تھا اور اس کے کپڑول اور سرے جوئیں جنسا تھا اس کی فدوت کرتا تھا۔ اس نے مجھ سے کہا۔ جب توہی حدیث پر تھا اس وقت توق نے کہا ہے اس اندیا تھا جب سے تو نے ہمارا دیں جھوڈا اور اسلام میں داخل ہوا ۔ میں نے اس علی تجھ سے کہا۔ جب ارسے کہا ہے اس نے کہا ہے تو نہی ہی ہے اس کے البدا میں اندوں نے ایسا حکم دیلہے اس نے کہا ہے تو نہی ہے جہ اسے متعلق بتا ہیں نے کہا ہما دے نہی کے بعد کوئی نی آنے والا نہیں ۔ یہ ان کے فرزند ہیں اس نے کہا ہے تا تیراویں بہترین دین ہے جھے اس کے متعلق بتا ، میں نے کہا ہما دین کی تعلیم دی اس نے ظروع ہو مغرب کا ورعشا دکی نماز پڑھی ، بجروہ جب ارکی آس نے مسلمان ہوگئی۔ میں نے اس کو احکام دین کی تعلیم دی اس نے ظروع ہو مغرب کا اور عشاد کی نماز پڑھی ، بجروہ جب ارکی قوم المان جمع ہوئے اس کے عدل کی خوالے دیا وہ بیش نے اور اس نے جہے جوئی توم المان جمع ہوئے اس کے متعلق بیا دیا ہوئے اس کے متعلق بیا دیا ہوئی اور اسے قبر میں آنا وا اس نے اور کیا اور مرکئی جو تو نے جھے جوئی توم المان جمع ہوئے اس

اس مدین سے بنا ہر معلم ہوتا ہے کو عیدایوں مے رتنوں میں کھانا جائز ہے میکن ا مام کا مقصد کو میں گھانا جائز ہے میکن ا مام کا مقصد کو میں گئا ہوا نہ ہو صاف سے جوب اور اسفیں آسانی سے پاک کرسکتے ہوں۔ البتدا گرسور کا گؤشت کھایا ہو توجب بک سات بار شی سے فوب ما تجھا نہ جلتے ان ہیں کھانا جائز نہ ہوگا اس طرح اگر شراب بینے کا فاف ہو تو اسے ہمی می سے مائے تعافروں میں سے گر چین کہ شراب الرجاتی ہے لہندا تین بار می سے انجھنا کا فی ہوگا رہے سالن یا دودھ وغیر و کے برتن توان کو اگر وہ صاف سخوے موں تو یافی میں ڈوال کھا ہر کیا جاسکتی ہے۔

اس حدیث سے الم مے ایک میجزے کا بھی اظہار ہوا اوروہ اس طرح کراکپ نے ایک نوسلم سے فرایا کرجب تیری ماں مرجلے تواس کی بچمپر و کھنین خود کرنا غیروں ونعرانیوں) مے میپروٹ کرنا راس سے علوم ہوا کرحفرت بعلم امامت جانتے تھے کراس کی مان مسلمان ہو کرمرے گا۔

١٢ - عَنَّ بَنُ يَحْلَى ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَيْلُ مِنْ عَلْمَ فَيْ مِنْ أَصْحَايِنًا عَنْ عَلَيْ بَنِ الْحَكَم ؛ وَعِدَّ أَ مِنْ أَصْحَايِنًا عَنْ أَحْمَدَ بَنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ عَمَّادِ بَنِ حَبَّانٍ قَالَ : خَبَرْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عِلَيْ بِبِرِ إسْمَاعِيلَ ابْنِي بِي ، فَقَالَ : لَقَدْ كُنْتُ أَجِبُهُ وَقَدِالْدَدَدُ لَهُ حُبّاً ، إِنَّ رَسُولَ اللهِ وَالْفَيْخُ أَتَنَهُ أَخْتُ لَهُ مِنَ الرَّضَاعَة فَلَمَّا نَظَر إلَيْهَا كَنْتُ أَجْبُهُ وَقَدِالْدَدَدُ لَهُ حُبّاً ، إِنَّ رَسُولَ اللهِ وَالْفَيْخُ أَتَنَهُ أَخْتُ لَهُ مِنَ الرَّضَاعَة فَلَمَا نَظَر إلَيْهَا مَنْ وَدُهَبَتْ مَنْ مَنْ عَلَيْهِ أَنْ وَمُنْ كُنُ وَمُولَ اللهِ وَالْفَيْخُ أَتُنَهُ أَخْتُ لَهُ مِنَ الرَّضَاعَة فَلَمَا نَظَر إلَيْهَا مَنْ وَدُهَبَتْ مِنْ وَبِيهِا وَبَسَطَ مِلْحَقَتُهُ لَهُ فَامَتُ وَدُهَبَتْ مُنْ اللَّهُ وَالْعَنْ وَنَعْدَالُ فَا مَنْ وَلَهُ مُنْ اللَّهُ وَالْعَنْ وَيُعْتَلُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا فَيَعْلَى اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا قَالًا وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَلَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَوْلَالِهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَوْلِلللللهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَمْ اللّمَ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَلَا اللللللّهُ اللللللّهُ اللللللهُ الللللّهُ اللللللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللللللّهُ الللللللللللّهُ اللللللللّهُ اللّهُ الللللّ

A MININITATION OF THE PERSON WHILE THE PERSON WHICH THE

وَجْاءَ أَخُوهَافَكُمْ يَصَنْعُ بِهِ مِاصَنَعَ بِهَا، فَقَبِلَكُهُ ؛ يَارَسُولَ اللهِ صَنَعْتَ بِأُ خَيِنِهُ مَالَمْ تَصَنَعْ بِهِ وَهُورَجُلْ ؟ ؛ فَقَالَ ؛ لِأَ نَبَهَا كَانَتْ أَبَرَ إِوْالِدَيْهَا مِنهُ .

۱۱۰ داوی کہتلہ میں نے امام جعفوصلات علیہ السسلام کو خردی اپنے بیٹے اسمنعیل کا، اس کا نیک ک جو اس نے میرے ساتھ کی محفرت نے والی میں اس کو کہلے بھی دوست رکھتا ہوں ریول الٹر کے باس حفرت کی رضاع کی محفرت نے والی میں اس کو کہلے بھی دوست رکھتا ہوں ریول الٹر کے باس حفرت کی رضاع بہن آئی حفرت اس کو دیکھ کر بہت نوش ہوئے اور اپنا بالا پوش دوبا کر ہے اس کا بھائی آیا۔ حفرت نے اس کے ساتھ کی میں اور اس کے سرت کے دیکھ کو کو کھی کو خش ہوئے اس کے بعدوہ جلی گئے۔ اس کا بھائی آیا۔ حفرت نے اس کا سے دھ مل در کیا جو اس کی بعدوہ جلی گئے۔ اس کا بھائی آیا۔ حفرت نے اس کا سے دھ مل در کیا جو اس کی بین کے ساتھ کیا تھا کہی نے اس کا سبب پوھیا قرابا وہ اپنے بھائی سے زیادہ دیا ہے۔

١٣ - عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيْرَةَ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُجَدِ بْنِ عَبْسى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيْرَةَ عَنْ عَبْدِ اللهِ بَوْلِهُ عَلَى اللهِ إِنَّ أَبِي قَدْ كَبْرَجِد أَ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ إِبْرَاهِ بِمَ بْنِ شُعَيْبِ قَالَ : قُلْتُ لا بي عَبْدِ اللهِ عِلْهِ إِنَّ أَبِي قَدْ كَبْرَجِد أَ وَضَعُفَ فَنَحْنُ نَحْمِلُهُ إِذَا أَزَادَ الْحَاجَة ، فَقَالَ : إِنِ اسْتَطَعْتَ أَنْ تَلِي ذَٰلِكَ مِنْهُ فَافْعَلْ وَلَقَيْمُهُ بِيَدِكَ فَنَعُنْ ثَلُهُ عَداً .

۱۳ ماوی کہتلہ میں فیصفرت ؛ پوعدالشعلیدانسان سے کما کرمیرا باب بہت بوٹرھا ہو کیا ہے اور کمز وہہے جب تعفات ماجست کا خودک نوکروں پرندھپوڈ اپنے با تھسے لقر بناکراس کے ماجست کا خودک پرندھپوڈ اپنے با تھسے لقر بناکراس کے مند میں دے کرید امرروز قیامت نیرے لئے سپر ہوگا۔

١٤ - عَنْهُ ' عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ : عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيْرَةَ ' عَنْ أَبِي الشَّبْاحِ ، عَنْ جَابِرِ قَالَ : لَهُ مَعْدُ رَجُلاً يَقُولُ لِا بِي عَبْدَاللهِ عَلِيلِا : إِنَّ لَي أَبَوَيْنِ مُخَالِفَيْنِ ؟ فَقَالَ بَرِّ هِمَا كَمَا تَبَرُّ الْمُسْلِمِينَ مِتَوْلاً نَا ...

۱۱۰ - ایک شخص نے امام معفرصلاتی علیدا لسلام سے کہا میرسے ماں پاپ دوٹوں ہماسے مذہب کے مخالف ہیں حفرت نے فریا یا ان کے ساتھ ایسی نیکی کرمیسی ان مسلما نوںسے کی جاتی ہے جو سم کو دوست رکھتے ہیں ۔

٥٠ - عَلَيُّ بْنُ إِبْرُاهِبِمَ ، عَنْأَبِهِ ؛ وَ نُهَّدُ بْنُ يَحْسَلَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلَيْ ، جَمِيعًا ، عَنِ ابْنِ
مَحْبُوب ، عَنْ مَالِكِ بْنِ عَطِيتَة ، عَنْ عَنْبَسَة بْنِ مُضْعَب ، عَنْ أَبِي جَعْفِر عِلِي قَالَ : ثَلَاثُ لَمْ يَجْفَلِ اللهُ
عَنَّ وَجُلَّ لِا حَدِ فَبِهِنَ رُخْصَةً : أَذَاء الأَمَانَة إِلَى الْبَرِّ وَالْفَاجِرِ وَالْوَفَاء وَالْعَلْدِ لِلْبَرِّ وَالْفَاجِرِ وَبِرِ
الْوَالِدَيْنِ بَرَّ يَنْ كَانًا أَوْفَاجِرَيْنِ

۱۵ و د سرمایا دام محد با قرطیدا مسام نے کوئین چیزی بی جن کے ترک کی خوانے اجازت نہیں دی اقل اولے امانت نواہ امانت رکھنے والانیک پویا بد- دوسرے مدخواہ نیک سے بہویا برسے تنسیب والدین سے نیک نواہ نیک میون یا بد-

١٦ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِبِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيِّ ، عَنِ السَّكُونِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيْ فَالَ:
 مِن السُّنَّةِ وَالْبِيرِ أَنَ يُكَنَّى الرَّ مُجلَى إِشِمَ أَبِهِهِ \\

١٦- قرايا صادق المعدف سنت اورنيكي يديه كرا يك شخص ابنى كنيت اب عالم عدر كص يعنى ابن فلال-

١٧- الحُسن بنُ عَن مُعَلَى بنِ عَن مُعَلَى بنِ عَنْ مُعَلَى بنِ عَنْ مُعَلَى بن عَنْ طالِح بنِ أَبي حَشَادٍ جَميعًا عَن الْوَشَاءِ ، عَنْ أَخْمَد بنِ عَائِذٍ ، عَنْ أَبِي خَدِيجَةَ سَالِم بنِ مُكْرَم، عَنْ مُعَلَى بنِ خَنْ الله عَنْ أَبِي عَدْ الله عَنْ أَبِي الْوَالِدَيْنِ فَقَالَ : ابْرِدْ أُمَّكَ ابْرِدْ أُمَّاكَ ابْرِدْ أَبَاكَ ابْرِدْ أَبَاكَ ابْرِدْ أَبَاكَ ابْرِدْ أَبَاكَ ابْرِدْ أَبَاكَ ابْرِدْ أَبَاكَ ابْرِدْ أَبَالُكَ وَبَدَأَبِالأُمْ قَبْلَ الْأَبِ.

۱۵- فرایا الوعبد الشعلیدالسلام نے ایک شخص رسول الشرک پاس آیا اور والدین سے نیک محم متعلق لچ بچا۔ فرایا مال سے نیک کر ، مال سے نیک کر ، مال سے نیکی کر ، باپ سے نیک کر ، باپ سے نیک کر ، مال کا ذکریاپ سے پہلے کیا۔

١٨ - الوَشَّاءُ ، عَنْ أَحْمَد بْن عائِذٍ ، عَنْ أَي خَدِبَجةَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيهِ قَالَ : خِآهَ رَجُلَ إِلَى النَّبِيّ وَالْهَنْ فَقَالَ : إِنّي قَدْ وَلَدْتُ بِنِنا وَرَبَّيْنُهٰ حَتَّى إِذَا بَلَفَتْ فَأَلْبَسَنُهٰ وَحَلَيْنُهٰ أَمْمَ جِئْتُ بِهِ اللّهِ اللّهَ اللّهَ اللّهَ اللّهَ عَلَيْهُ وَكُلْنَ آخِرُ مَا سَمِعْتُ مِنها وَهِي تَقُولُ: يَا أَبْنَاهُ ! فَمَا كَفَارَةُ ذُلِكَ ؟ قَالَ بِهِ اللّهِ عَلَي اللّهَ أَمْ حَيَّةٌ ؟ قَالَ : فَعَلْ عَلَى خَالَةٌ حَيَّةٌ ؟ قَالَ : فَعَمْ ، قَالَ : فَابِرْرَها فَإِنّها بِمَنْزِلَةِ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُو

مارفرایا ابرعبدالله ملیدانسلام نے ایک شخص رسول الله کے پاس آیا اور کھنے لگامیری ایک لوگی تھی میں سنے اسے پالا پوسا ۔ جب جوان ہوئی تواسے لباس اور زبور سے آناست کر کے ایک کنویں پرلا یا اور اس میں اس کو دھکسیل ویا فتوم باہ میں سے میں نے اس کی آواز کشنی، اے میرے باپ میری مدوکر بیں اس کا کفارہ کیا ہے حفرت نے فرمایا تیری ماں زندہ ہے اس نے کہا نہیں فرایا خالہ ہے اس نے کہا ہے فرمایاس کے ساتھ نیکی کر وہ محزلہ تیری ماں کے ہے جو کچھے تو نے کیا ہے میں اس کا کفارہ ہے۔

الوفديم. نے بچچھاا ام حبفرصادق عليرائسلام سے اليساكب اس شعس نے كيا تھا فرايا عهر جا بليت ميں قبل آنحفرت كى بعثت كە يەشركيين عرب اپنى لاكيول كواس خوف سەقىل كردياكر قدىنى كەگر وە قيدىموڭيىكى توودىرى قوم بى جاكر بچرجنيں گا-

النافيليم المنطقة المن

چونکریدیمل استخفی نے امسالم لانے سے پہلے زمانۂ جا پلیت میں کیا کھا اپنڈا متربع محمدی کی دوسے توسیع :- اس کوسڑا نہیں دی جاسکتی اس ہے حضرت نے یہ کفارہ بچویز فرما یا-

١٩ - ُ كُمُّ بْنُ يَحْنِى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ ُ عَبْدٍ ، عَنْ كُمْدِ بْنِ إِسْمَاعِيلَ بْنِ بَرْبِعِ ، عَنْ حَنَانِ بْنِ سَدِيرٍ عَنْ أَبِيهِ قَالَ : قُلْتُ لِأَبِي جَعْفِر عِلِيلٍا : هَلْ يَجْزِي ٱلْوَلَدُ وَالِدَهُ ؟ فَقَالَ : لَيْسَ لَهُ جَزَّاءٌ إِلَا فِي خَصْلَتَيْنِ يَكُونُ الْوَالِدُ مَمْلُوكَا فَيَشْتَرَ بِهِ أَبْنُهُ فَيُعْتِقُهُ أَوْيْكُونُ عَلَيْهِ دَيْنٌ فَيَقَضِيْهِ عَنْهُ

۱۹- راوی کمتاب میں نے امام محمد یا قرعلیوالسلام سے پوچھا کیا بیٹا اپنے باپ کی خدمات کا بدل دے سکتلہے فرایا دوچزوں سے اگر اپ غلام ہے تواسے آزاد کرادسے اور اگرمقوض ہو تو اس کے قرض کوان اکادے۔

٢٠ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ مُعْتَبِينِ عِهِلَى، عَنْ يُونُسَيْنِ عَبْدِالرَّ حَمْنِ ، عَنْ عَمْرِ وَبْنِ شِهْرِ
 عَنْ جَابِرِ قَالَ : أَتَىٰ رَجُلُ رَسُولَ اللهِ وَاللّهِ عَلَيْ فَقَالَ : إِنّي رَجُلُ شَاتُ نَشَهِطٌ وَأَ يَجُبُ الْجِهَادَ وَلِي وَالدّة قَلَ خَابِرِ قَالَ : أَتَىٰ رَجُلُ مُلَا يَتُنْ عَلَيْ مَعَ وَالدّتِكَ فَوَالّذَي بَعَثَنِي بِالْحَقِّ [نَبِيدًا] لَانشْهَا تَكْرُهُ ذَٰلِكَ ؟ فَقَالَ لَهُ النّبِيُّ وَاللّهُ عَلَى اللهِ سَنَةً .
 بيك لَيْلةً خَيْرٌ مِنْ جِهَادِكَ في سَبِلِ اللهِ سَنَةً .

۰۰- فربایا جابرونی النّدعند نے کہ ایک شخص نے دسول النّدسے کہا ۔ پس مروجوان اورصاحب توت ہوں جہاد کرنا پسند کرتا ہوں لیکن میری ماں اس کوبسندنہیں کرتی ، حضرت نے فوایا تو واپس جا۔ خدا کی نتم اس کی مجدت صرف ایک دات کی را ہ خدا میں تیرے ایک سال کے بھا دسے بہتر ہیے ۔

٢١ ــ ٱلحُسَيْنُ بْنُ عَبْمٍ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَبْهِ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَبْهِ اللهِ بْنِ عَنِ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانٍ عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سَنَانٍ عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفِر عَلَيْتِهِمَا ثَلَ : إِنَّ ٱلْعَبْدَ لَيَكُونُ بَارِ آ بِوَاللِدَيْهِ فِي حَيَاتِهِمَا ثُمَّ يَمُوتُانِ عَلْمَتْهُمْ اللهِ عَنْهُمَا دُيُونَهُمُا وَلا يَسْتَغْفُر لَهُمَا فَيَكْتُبُهُ اللهُ عَاقاً ، وَ إِنَّهُ لَيَكُونُ عَاقاً لَهُمَا فِي حَيَاتِهِمِا عَيْرَ بَارٍ آ .
غَيْرٌ بَارٍ بِهِمَا فَإِذَا مَا تَافَضَى دَيْنَهُمَا وَاسْتَغَفَّر لَهُمَا فَيَكُنْبُهُ اللهُ ءَرَّ وَجَلًا بارْ آ .

۲۱ رحفرت امام باصترعلیہ السلام نے فسرما یا پی شخص اپنے ال باپ کی حیات میں نیکی کرنے والا ہولیکن مرنے اسے بعد ان کا قرض اوران کے دانے استغفار نزکرے توخدا اس کوعاتی تکھتاہے اورکہی ایسا ہوتا ہیے کہ ایک استخص ماں باب کی زندگی میں عاتی ہوتا ہے کیوں کہ اس سے ان کے لیے نیکن نہیں ہوتی لیکن ان کے عرفے پران کا قرض اوا کرتا ہے اور ان کے بیئے استخفار کرتا ہے تو فدا اس کونیکوں میں مکھتاہے۔

النازمان المناه المناه

((بنائِ)) ١٩٨ ((بنائِ)) هُوْرِالْمُسُلِمِينَ وَالنَّصِيَحةِ لَهُمُ وَنَفْعِهمُ

١ عَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوفَلِيِّ ، عَنِ السَّكُونِيِّ ، عَنْ أَبِيعَبَّدُ اللَّهِ عَنْ أَلَيْ عَنْ أَلَيْهِ مَ عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَلَيْهِ عَنْ أَلَيْهِ مَ اللَّهُ عَلَيْكُمْ أَلَا إِلَّهُ مَا أَمُورِ الْمُسْلِمِ بَ فَلَيْسَ بِمُسْلِمٍ .
 قَالَ رَسُونُ اللهِ يَوْلِئِينَ : مَنْ أَصْبَحَ لَا يَهْتُمُ مِا أُمُورِ الْمُسْلِمِ بَ فَلَيْسَ بِمُسْلِمٍ .

ار فرمایا معادق المعرف كرسول السّرصلع فرما با جواس حال مين محرك كرمسلما فول كم احود مي اظهار هم خوادى مذكر مدتوق مسلمان نهير-

٢ ــ وَبِهٰذَا ٱلْإِسَّادِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَ إِلَيْكُ : أَنْسَكُ النَّاسِ نَسُكا أَنْسَحُهُمْ جَيْباً وَ أَسْلَمُهُمْ
 قَلْباً لِجَمِيعِ ٱلسُّلِمِينَ

۲- ادرانہی اسناد کے ساتھ رسول اللہ نے فرایا کہ لوگوں میں سب سے زیادہ عبادت گزاد وہ ہے جو تمام سلمانوں کے سکھ صاف سسیندا ورفول خول کے مکھتا ہو۔

" _ عَلَيُّ بْنُ إِبْرُاهِهِمَ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عَبَّهِ الْفَاسَانِيّ ، عَنِ الْفَاسِمِبْنِ عَبَّهِ ، عَنْ سُلَيْمَانَ بْنِ ذَاوُدً الْمِنْقَرِيّ ، عَنْ سُفْيَانَ بْنِ عُبَيْنَةً قَالَ : سَوْمُتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عِلْقِلْ يَعَوُلُ : عَلَيْكَ بِالنَّصْيِحِ لللهِ فِي خَلْقِهِ ، فَلَنْ تَلْقَاهُ بَعَمَل أَفْشَلَ مِنْهُ .

۳- فرمایا حفرت ابوعبدالله علیدانسدام نے اپنے اوپرلازم قراردے ، نوگوں کو قریبتّ النا الله نفیعت کرنا کریشی فداس سے بہترعمل نہرا -

٤ - عُنَّ مُعَدِّبُنُ يحَنِى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنِي عَهِنِي ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ مُعَدِّبِن الْقايم الْهَاشِمِيّ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ قَالَ : مَنْ لَمْ يَهُمَّمُ بِأُ مُورِ الْمُسْلِمِينَ فَلَيْسَ بِمُسْلِمٍ .

سم - فرايا الوعبدالله عليدا مسلام في المورسلين مي فم فوادى اورمددى نهيس كرنا وه مسلما ل نهير-

٥ - عَنْهُ، عَنْ سَلَمَةَ بْنِ الْخَطْابِ ، عَنْ سُلَيْمَانَ بْنِ سَمَاعَةَ ! عَنْ عَتِيهِ عَامِيمِ ٱلكُوْدِي عَنْ أَبِي عَنْدُالَهِ عَنْدُ اللهُ عَنْ مَنْ مَنْ أَصْبَحَ لا يَهَتَمُ مِا مُورِ الْمُسْلِمِينَ فَلَيْسَ مِنْهُمْ وَمَنْ سَمِعَ رَجُلاً يُنادِي يَاللَّمُسُلِمِينَ فَلَيْسَ مِنْهُمْ وَمَنْ سَمِعَ رَجُلاً يُنادِي يَاللَّمُسُلِمِينَ فَلَمْ يُجُرِّبُهُ فَلَيْسَ بِمُسْلِم.

۵- فرمایا الدعبد الشّعلید اسلام نے کرمول الشّعلع نے فرمایا بھردنے اس عال مِسمِع کی کر وہ امور ملین میں ان سے ہمدردی نہیں کہ آتو وہ ان میں سے نہیں اور چرکسی کوفریا دکرتے مسلمانوں سے سنے اور اس کو جواب سز دے تو وہ مسلمان نہیں ۔

٦ عَنْ أَبِرْ اهْبِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيِّ ، عَنِ السَّكُونِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْ فَالَ : قَالَ رَسُول اللهِ عَلَيْ الْخَلْق عِلْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِيهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَنْ اللهِ عَنْ أَبِيهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَنْ أَنْ عَنْ اللهِ عَنْ أَنْ عَلْمَ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ أَبِي اللهِ عَنْ أَنْ اللهِ عَلْمَ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللَّهِ عَلْمَ اللهِ عَلَيْ اللّهِ عَلْمَا عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلْمَ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلْمَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَيْ اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى الللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى الللمَّذِي عَلَيْ الللّهِ عَلَى الللّهِ عَلَيْ الللّهِ عَلَيْ اللللّهِ عَلَى اللللللّهِ عَلَيْ الللّهِ عَلَى الللللللللّهِ عَلَى اللّ

٧- فروایا بوعبدالشطیراسلام نے کررسول الشملع نے فروایا بمنلوق الشرکاکنبہ ہے لیس خدا کے نزدیک محبوب وہ ہے۔ جوعیال الشرکو لقع بہنجائے ا ورحنا ندان والوں کونوشش رکھے۔

٧ عَذَهُ مِنْ أَصْحَامِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ عَلِي بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ، عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيرَةَ قَالَ : حَدَّ ثَني مَنْ سَمِعَ أَبَاعَبْدِاللهِ يَقَوُلُ : سُيْلَدَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ وَقَالَ : قَالَ : عَدَّ ثَني مَنْ سَمِعَ أَبَاعَبْدِاللهِ يَقَوُلُ : سُيْلَدَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَنْ اللهِ وَقَالَ : أَنْفَعُ النَّابِي إِلَى اللهِ وَقَالَ :

ے - دا وی کہتلہے مجھ سے بہان کیا اس خور نے سنا حفرت ا بوجہدا لٹ علیالسلام سے کر کسی نے دسول النٹرسے بوچھا کہ فداکے نزدیک سب سے زیا دہ محبوب کوئٹ ہے جو ٹوگوں کوسب سے زیا وہ نفع مہنچاہتے ۔

٨ = عَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكْم ، عَنْ مُنْتَى بْنِ الْوَلْهِدِ الْحَثَّاطِ ، عَنْ فِطْرِ بْنِ خَلْيَفَةَ ، عَنْ عُمْرَ بْنِ عَلِيّ بْنِ الْحُسَيْنِ ، عَنْ أَبْهِ صَلَواتُ اللهِ عَلَيْهِما قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُثَلِّخِ مَنْ رَدَّ عَنْ قَوْمٍ مِنَ الْمُشْلِمِينَ عَادِيَةَ [ما،] أَذْ نَادٍ أُوجِبُتْ لَهُ الْجَنَّة أَنْ

٨- رسول الشرصل الشرعليدوآ لهوسلم نے فرایا جمسلمان کوپائى كے طوفنان سے باآگ میں جلفت بچائے توجنت اسس بد واجب بہوتی ہے۔

٩ ـ عَنْهُ، عَنِ ابْنِ فَضَالِ ، عَنْ ثَعْلَبَهُ بْنِ مَبْعُونِ ، عَنْ مُعاويَة بْنِ عَمَّادٍ، عَنْ أبي عَبْداللهِ إلله

ان فرملن المستحد المست

فِي قَوْلِ اللهِ عَنَّ وَجَلَّ : «وَقَوْلُو اللِّنَاسِ خُسْنَاهُ فَالَ : قَوْلُوا لِلنَّاسِ خُسْنَا وَلاَتَقُولُوا إِلَّا خَيْرُ اَحَتَّى تَمَكِّمُوا مِنَا هُوَ ؟ .

۹- فرایا حفرت الوم بدالله علیدانسادم نے آیہ" لوگوں ہے ایھی بات کہون اور حرکہودہ ایھی بات کہو بہاں کے کم جبان لو کہ وہ کیا ہے بعیٰ خاکرہ کی بات کہو بعد میں اس کا نفع تم کومعلوم ہوگا ·

٠٠ عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ أَبِي نَجَرُ انَ ، عَنْ أَبِي جَمِيلَةَ الْمُفَضَّلِ بْنِ طَالِحِ ، عَنْ جَابِرِ بْنِ يَزِيدَ عَنْ أَبِي جَمْفَرِ عِنْهِ قَالَ فِي قَوْلِ اللهِ عَنَّ وَجَلَّ : ﴿ وَقُولُو اللِّنَاسِ حُسْنًا ۚ قَالَ : قُولُو اللَّهٰ اِسْ أَحْسَنَ مَا تَحْيِدُونَ أَنْ يُقَالَ فَهِكُمْ .

در آیہ تولوالاناس حسناک منعلق الم محد با قرطید السلام نے وایا کرتم لوگوں سے اسی بہترے بہتر بات کوچے تم چاہے بو

١٦ عَنْ عَبْدِاللهِ بَنِ جَبَلَة ، عَنْ سَهْلِ بَنِ زِيَادٍ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ الْمُبْارَكِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَبَلَة ، عَنْ يَحْيَى بْنِ الْمُبْارَكِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَبَلَة ، عَنْ يَحْيَى بْنِ الْمُبْارَكِ أَيْنَمَا كُنْتُ ۚ قَالَ: نَعْنَاعًا . رَجُلٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ بِهِي قَالَ فَي قَوْلِ اللهِ عَزْ وَجَلَّ : «وَجَمَلَنِي مُبْارَكُ أَيْنَمَا كُنْتُ ۗ قَالَ: نَعْنَاعًا .

اار فرایا حفرت الوعد الدعلدالسلام ناس آیت کمتعلق دواس فرم معمدارک بنایا جهال کهیں مجمی بول ۔ " کر مبارک سے مرادبہت زیادہ نفع بہنجانے واللہے -

ایک سوننانوے وال باب بورهول کی تعظیم

(بابُ إِجْلالِ الكَبيرِ) 199

٤ - عَلِيٌّ بْنُ إِبْوَاهِيمَ، عَنْ أَبِيدِ، عَنِ ابْنِأْ يَيْ عُمَيْرٍ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ، عَنْ أَبِي عَنْدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْدُ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْدُ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْدُ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْدُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَلْمُ اللهِ عَنْ أَلِيمَ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِعُولُ اللهِ عَنْ أَبْعِي عَلْمَ عَنْ أَبْعِي عَنْ أَبِي الللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْ عَلَى الللهِ عَنْ أَبِي الللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى الللهِ عَنْ أَبْعِيلُ إِلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ

ارمفرت رسيل فعاصل تشعليدوالهوسلم ف ضرايا بور صصلهان كي تعظيم كذا ايساب كويا خدا كي تعظيم كرنا-

19/m

٢ - عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُمَّا ، رَفَعَهُ قَالَ : قَالَ أَبُوعَ بْدِاللهِ عِلْيَا : لَيْسَ مِنْ امَنْ
 لَمْ يُوقِيْنُ كَبَيْرِنَا وَيَرَحُمْ صَغِيْرِنَا .

۲- فرایا ایوبدا ننژهبراسلام نے اپنے بڑوں کی تعظیم کروا ودان سے صدار وحم کرد ا ودسب سے بڑا افضل صلہ وحم بر ہے کہ تکلیف ان کی دور کرو۔

٣ - عَلَيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ عَبْدِاللهِبْنِ أَبَانٍ ، عَنِ الْوَصَّافِيّ قَالَ : قَالَ أَبُوْعَبْدَاللهِ بِهِ إِبْرَاهِهِمْ ، عَظِيْمُوا كَبِلَادَ كُمُّ وَ صَلِوُا أَرْجُامَكُمُ ، وَ لَبْسَ تَصَلُونَهُمْ بِشَيْءٍ أَفْضَلَ عَنْهُمْ .
 مِنْ كَفِّ الْأَذَىٰ عَنْهُمْ .

مر فرما عماد ق آل محدِّف جوبرُون كاعرت نهي كرتا چھوٹوں پررهم نهيں كرتا وه بم ميں سے نهيں -

دوسووال باب مومنین کاآپس میں بھائی چارہ

النائب)

۵(إخْوَة المُؤْمِنينَ بَعَضْهُمْ لِبَعْضٍ)

١ - عَدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ مُجَدِيْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عبسٰى ، عَنِ ٱلمُفَضَلِ ابْنِ عُمَــرَ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلِيّلٍ : إِنَّمَا ٱلْمُؤْمِنُونَ إِخْوَةٌ بَنُوأَبٍ وَٱمْ ۖ فَإِذَا ضُرِبَ عَلَى رَجْلِ مِنْهُمْ عِرْقٌ سَهَرَلَهُ ٱلآخَرُونَ .

ا۔ فرایا مادن آل محدّفے مومنیں ایک دوسرے ہے بھائی ہی جیسے ایک ال باہست اگران میں سے کسی ایک کی دگر پر تکلیف ہوتو دوسروں کوچاہیے کہ اس کی وجہ سے بیدار دہیں ۔

٢ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ فَضَالَةَ بَنِ أَيَّدُوبَ ، عَنْ عُمرَ بَنِ أَبَانٍ ، عَنْ جَايِرِ الْجُعْفِي قَالَ: تَقَبَّضْتُ بَنْ يَدَيْ أَبِي جَعْفَر إِلِيْلِ فَقُلْتُ : جُعِلْتُ فِذَاكَ رُبَّمَا حَزِنْتُ مِنْ غَيْرِ مُصِبَبَةٍ تُصبُبني أَوْأَمْرِ يَنْزِلُ بَيْنَ إِنَّ مِنْ غَيْرِ مُصِبَبَةٍ تُصبُبني أَوْأَمْرِ يَنْزِلُ بِي عَنْ يَعْمُ يَا جَايِرُ إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ خَلَقَ الْمُؤْمِنِينَ بِي حَتَّى يَعْرِفَ ذَالِكَ أَهْلي في وَجْهِي ، وَصَدبِقي ، فَقَالَ: نَعَمْ يَا جَايِرُ إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ خَلَقَ الْمُؤْمِنِينَ بِي حَتَّى يَعْرِفَ ذَالِكَ أَهْلي في وَجْهِي ، وَصَدبِقي ، فَقَالَ: نَعَمْ يَا جَايِرُ إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ خَلَقَ الْمُؤْمِنِينَ إِنْ اللهَ عَنْ وَجُلُ خَلَقَ الْمُؤْمِنِينَ

مِنْ طَهِنَةِ الْجِنَانِ وَأَجْرَى فَهِيمٌ مِنْ دَهِيحٍ رُوْجِهِ ، فَلَيْدَاكِ ٱلْمُؤْمِنُ أَخُواْلُمُؤْمِنِ لِأَ بَهِهِ وَالْمَرْهِ ، فَإِذَا أَصَابَ رُوحاً مِنْ تِلْكَالًا رُوَاجٍ فِي بَلَهِ مِنَ الْبُلْدَانِ حُزْنُ حَزِنَتْ هٰذِهِ لِا نَتْهَامِنْهَا .

۲- جارجیعتی کہنے کہیں ایک دوندا مام محدیا ترطیرا اسلام کے ساھٹے دل گرفتہ تھا۔ میں نے حفر شدسے کہا ہیں آپ پر فارا ہوں بعض اوت بغیر کسی معیدت یا حادث کے میں نود بخودا لیدا رمنجیدہ جوجا تا جوں کہ میرے گو دائے اور میرے دوست بہچان جلتے ہی حفوت نے فرایا اسے جا براللٹرنے مومنین کوجنت کا مٹی سے بیدا کیا ہے اوران میں اپنی قددت سے ایک ہوا کو جلایا ہے چونکہ مومن مومن کا مجا کی کمحا کا ایک بار با ہد کے لہذا جب بہ مہدا جلتی ہے کہی شہر ایس خرکے کسا تھ آولوگ محزون جوتے ہیں اس سے۔

٣- عُمَّا بْنُ يَحْنَى، عَنْ أَحْمَدْ بْنِ عَبْ عَبْ عَبْ عَنِ ابْنِ فَضْالٍ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عُفْبَةً ، عَنْ أَبِي عَبْدِ الله عَنْ الله عَنْ عَلِيّ بْنِ عُفْبَةً ، عَنْ أَبِي عَبْدِ الله عَنْ أَلَى عَنْ أَبِي عَبْدُ أَلَا يَعْلَى الله عَنْ عَلَى الله عَنْ عَلِيّ الله عَنْ عَلَى الله الله عَنْ عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَنْ الله عَنْ عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله عَلَى الله الله عَلَى الله عَلَى

۱۰۰ فرمایا الوعبددا نشرهنیدارسلام نے مومن ، موس کا مھائی سیداس کا محدا فنظ اور اس کا رسبنا ہے اسس سے خیانت فہیں کرتا ، اس کودھو کہ نہمیں دیت اس پرظام نہیں کرتا اور وعده فلافی نہیں کرتا ۔

٤ _ نَتْدُ بُنُ يَحْلَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ نُتِمْ بْنِ عَلِمْى ، وَعِداً أَنْ مِنْ أَصْحَالِنًا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيادٍ

جَمِهِماً ، عَنِ ابْنِ مَخْبُوب ، عَنْ عَلِيّ بْنِ رِئَابِ ، عَنْ أَبِي بَصِيرِقَالَ : سَيِفْتُ أَبَا عَبْدِاللهِ لِلللهِ يَقَوُلُ : 'أَلْمُؤْمِنُ أَخُوالْمُؤْمِن كَالْجَسَدِالْوَاحِدِ ، إِنِ اشْتَكَىٰ شَيْئاًمِنْهُ وَجَدَالُمَوْلِكَ فِي سَائِرِ جَسَدِهِ ، وَأَرْفَاحُهُمَا مِنْ رَوْجِ وَاحِدَةٍ ، وَإِنَّ رَوُحَ الْمُؤْمِنِ لَاشَدُّ اتَّ صَالاً بِرُوجِ اللهِ مِنِ اتَّ صَالِ أَنْهَا عِالشَّمْسِ بِهَا .

ہم۔ اوبعیر کھتے ہیں کرنوایا مساوق آل محرکے کرمومن ہمومن کا بھائی ہے اور وہ دونوں ایک بدن کہ انتہیں اگر ایک عفو کر تکلیف ہوئی ہے توسیار ابدن اس سے مشافری ہوجاتا ہے دومومنوں کی اُرح ایک ہی اُرح ہوتی ہے اور دوم مومن روح خوا (خلیث اللہ کے اس سے زیادہ لمیں ہوئی دیتی ہے میتن سورے کی کرن سے۔

ه ـ عِدَّةُ مِنْ أَصَعُابِنَا ، عَنْ سَهِلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ عَبْدِالرَّحْمَٰنِ بْنِ أَبِي نَجْزَانَ ، عَنْ مُشَنَّى الْحَنْاطِ ، عَنِ الْحُنْاطِ ، عَنِ الْمُسَامُ أَخُوالْمُسُيْلِم هُوَعَيْنُهُ وَمِزْ آتَهُ وَ الْحَنْاطِ ، عَنِ الْخُارِثِ بْنَالْمُعْبِرَةِ فَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهُ بِهِي : الْمُسَامُ أَخُوالْمُسُيْلِم هُوَعَيْنُهُ وَمِزْ آتَهُ وَ الْحَنْالِهُ ، لَا يَخُونُهُ وَلا يَخْدُنُهُ وَلا يَغْنَابُهُ .

۵- فرایاحفرت ابومبدان طیداسلام ندمسلمان اسلمان کا مجالید اس ک آنکه بهداس ک دمیل درم نا ۱ اس سے خدانت نہیں کرتا ، اس ک تکذیب نہیں کرتا ، اس ک تکذیب نہیں کرتا ، اس ک تکذیب نہیں کرتا ، اس کا تک تعدید نہیں کرتا ، اس کا تک تعدید نہیں کرتا ، اس کا تک تعدید نہیں کرتا ، اس کا تعدید نہیں کرتا ، اس کرتا ، اس کا تعدید نہیں کرتا ، اس کا تعدید نہیں کرتا ، اس کا تعدید نہیں کرتا ، اس ک

آبِ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِبِمْ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنَأْبِي عُمَيْرْ ، عَنْ حَمْسِ بْنِ ٱلْبَخْشِرِي قَالَ ؛ كُنْتُ عِنْدَالِمِ عَبْدِاللهِ يَشْعُ بِنَ إِبْرَاهِبِمْ ، عَنْ أَبْهِ ، عَنِ ابْنَ أَبِي عَبْدِاللهِ عِبْدِاللهِ عَلَيْ عَلَيْ عَلَى عَلَيْ فَقَالَ لِي ؛ تُعْجِبُهُ ؛ فَقُلْتُ : نَعَمُ فَقَالَ لِي وَلِمَ لَا تُعْجِبُهُ وَهُوَأَخُوكَ وَشَرِيكَاتُ فِي دِبنِكَ وَعَوْنُكَ عَلَىٰ عَدُو لِدَ وَرِدْقُهُ عَلَىٰ غَيْرِكَ .

۱۰ د داوی کمناسید می حفرت الزعبدالله کی فدمت بین حافرتها کدایک شخص آیا حفرت فرمایاکیا تم اس کو دوست د کهتر بویی نے کہایاں ۔ انھول نے مجھ سے کہا۔ مجعلاتم کیول نہ دوست دکھو کے ایش خص کوج تمہا را مجائی ہے ۔ وین می تمها داشریک سبے دشمن کے مقابلہ میں تمہاد احددگارہے اور اس کا دزق تمہادسے فیریہ ہے ۔

٧- أَبُوعِلِي الْأَشْمَرِيُّ، عَنِ الْحُسَيْنِ بْنِ الْحَسَنِ ، عَنْ عَيْنَ عَنْ عَيْنِ الْوَرَمَةَ، عَنْ بَعْضِ اَصْحَابِهِ ، عَنْ عَيْنِ الْحُسَيْنِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَى اللهِ قَالَ : سَمِعْنَهُ يَقَوُّلُ : الْمُؤْمِنُ الْحُسَيْنِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَى اللهِ قَالَ : سَمِعْنَهُ يَقَوُّلُ : الْمُؤْمِنُ اللهُ عَنْ اللهُوْمِنِ اللهِ قَالَ : سَمِعْنَهُ يَقَوُّلُ : اللهُوْمِنُ أَبَي جَعْفَى اللهِ قَالَ : سَمِعْنَهُ يَقَوُّلُ : اللهُوْمِنُ أَبَي اللهُوْمِنِ اللهُوْمِنِ اللهُوْمِنِ اللهُوْمِنِ اللهُوْمِنِ اللهِ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُومِنِ اللهُومِنِ اللهُومِنِ اللهُومِنِ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنِ اللهُومِنِ اللهُومِنِ اللهُومِنِ اللهُومِنِ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنِ اللهُومِنَ اللهُ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُومِنَ اللهُ الل

ے۔ را دی کہتنہ ہے میں نے ا مام ممد باقر طیدائسلام سے سنا مومن ، مومن کا مجا تی ہے۔ بحا ظ اپنے باپ ا ورما ل کے کیونک

الله فرمنين كوجنت كى مى بيداكيا بصاوران كى مورون مين نيم جنت كولېراديا بي لېذا باب اورال ك ده آبس مين بهائي بي -

٨ - عُمَّا بْنُ يَحْيَىٰ عَنْ أَحْمَدَ بْنُ عَيْبِهِ عِسْلَى، عَنِ الْحَجْ الِ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عُقْبَةَ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللّهِ عَلَيْكُمُ عَلَى اللّهِ عَلَيْهُ وَلا يَعْلَمُهُ وَلا يَعْلَمُهُ وَلا يَعْلُمُ وَلا يَعْلُمُ وَلا يَعْلُمُ عَدْةً فَيُخْلِفَهُ . قَالَ: إِنَّ الْمُؤْمِنَ أَخُوالْمُؤْمِنِ ، عَيْنُهُ وَدَلْلِلهُ ، لا يَخُولُهُ وَلا يَظْلِمُهُ وَلا يَعْلُمُ وَلا يَعْلُمُ عَدَةً فَيُخْلِفَهُ .

۔ رندیایا صفرت ابوعب، اللہ علیہ السلام نے کہمومن ، مومن کا بھائی ہے اس کی آنکھ ہے اس کا دمہن کہ ہے اس سے خیا نت نہیں کرتا ، اس پرظلم نہیں کرتا اس کی غیبیت نہیں کرتا اور نزوعدہ خلانی کرتا ہے۔

٩ - أَحْمَدُبْنُ عُنِيْنِ عِيسَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ أَيَى عَبْدِاللهِ ، عَنْرَجُلِ، عَنْ جَمِيلٍ، عَنْ أَيَى عَبْدِاللهِ اللهِ عَنْرَجُل، عَنْ جَمِيلٍ، عَنْ أَيَى عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ قَالَ : سَمِعْتُهُ يَقَوُلُ : المُؤْمِنُونَ خَدَمُ بَعْضُهُمْ لِيَعْضِ ، قُلْتُ : وَكَيْفَ يَكُونُونَ خَدَما بَعْضَهُمْ لِيَعْضِ ، قُلْتُ : وَكَيْفَ يَكُونُونَ خَدَما بَعْضَهُمْ لِيَعْضِ ؟ فَالَ : يُفِيدُ بِعَضْهُمْ بُعَضُهُمْ بُعَدِيثَ لِيَعْضِ ؟ فَالَ : يُفِيدُ بِعَضْهُمْ بُعَضُهُمْ الْحَديثِ

٩. فرایا حفرت ا بیعبدالند علیدانسدم فیمومن دوسرے مومن کا خادم ہوتا ہے لچر بھا یہ کیے۔ فرایا سے سراد ہید
 پے کرایک دوسرے کوفا کدہ بہنچ آتا ہے۔

١٠ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِم ، عَنْ أَبِهِ ؛ وَغَدَّبُنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبَّى عَبِيلَ ، حَمِها ، عَن أَبِهِ الْجَعْفَرِ عَلَيْكُمْ يَقُولُ ؛ إِنَّ ابْنِ أَي عُمَيْ ، عَنْ إِسْمَاعِلَ الْبَصْرِيّ ، عَنْ فَضَلُوا الطَّرِيقَ فَأَسَابَهُمْ عَطْشٌ شَدِيدٌ فَنَكَفَّنُوا وَلَرِمُوا نَقَرا مِنَ المُسْلِمِينَ خَرَجُوا إِلَى سَهْرِلَهُمْ فَضَلُوا الطَّرِيقَ فَأَسَابَهُمْ عَطْشٌ شَدِيدٌ فَنَكَفَّنُوا وَلَرِمُوا السَّولَ الشَّرِ لَهُمْ فَلَاللَهُ مَنْ اللَّهُ الللللَّهُ اللَّهُ الل

اردادی کہتا ہے کو حفرت ا کام محمدیا قرطیرا سلام نے فرایا کر کچھ سلمان سفر کود ہے تقے کر راستہ محبول کھے اور پیاس کا ان پر غلبہ ہجا۔ انخوں نے ایک ورخت کرنچے پنا ولی ان کہ پاس ایک بوٹھا سفید بس پہنے آیا اور کہنے لگا ہیں ان چنول ہیں سے مجول چنول نے دسول النہ سے بیدت کہ ہے۔ میں نے دسول النہ سے سنا ہے کہ مومن انومن کا بھال ہے اس کا آگا ہے اس کا دم ایک رہے ہیں۔ یہ ہے ہیں بہ گیے۔ مکن ہے کہ میری موجود گی میں آپ اوک مرما میں ۔

١١ - عَلِيُّ بِنُ إِبْرُ اهِبِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ؛ وَعُنَّابِنْ إِسْمَاعِبِلَ ، عَنِ أَلْفَضْلِ بْنِ شَاذَانَ ، حَمَيِعاً ، عَنْ

اا درا دی ففل بن پسادسے مردی سے کھیں۔ قرصون الوجہ دالٹر علیدالسان ہے سنا کھسلمان کا بھال ہے وہ اس پر ظلم نہیں کرتا اسے ڈلیل نہیں کرتا ،اس کی فیدیت نہیں کرتا ۔ اس سے بیانت نہیں کرتا ۔ اسے محروم نہیں کرتا ۔ دلبی کہت ہے کہ جرے ایک دوست نے جھ سے لیچھا کہ تیرند فرفعیل کوالیے کہتے سستا ہے ہیں۔ آئ کیا جاں اس لے کہا جرب نے حفوت الوجہ دالنڈ سے سنلہے کے سلم ملم کا بھا لی ہے وہ نہ ظلم کما ہے خدود کا ویڈلیٹ نہاس کو ڈلیل کرنگہ نہ اس کی فیسٹ کرتا ہے نہ اسے محروم کرنگہے۔

+ 100 100 1000 cm

٥ (فَيِمَا يُوْمِبُ ٱلْحَقِّ لِمَنِ الْتَحَلِّ ٱلْإِمَانُ وَيَنْقَضُهُ) ٥

ا سَعَلَيُّ بَنُ إِبْرَاهِهُمْ، عَنْ هَارُونَ بِنِ صُنْهَا وَ مَنْ مَسْعَدَة بَنِ صَدَّقَة قَالَ : سَوِعْتُ أَبَاعِبْدِاللهُ يَنْهُ لَ وَسُعُلُ مَنْ إِبِمَانِ مَنْ يَلْزَمُنَا حَمَّنُهُ وَ احْوَ يُعْلَىٰ هُووَيِها يَبْكُ وَ بِمَايِهُ فَلَ ؟ فَعَالَ : يَعْهُولُ وَسُعُلُ مَنْ إِبِمَانِ مَنْ يَهُولُ اللّهِ مِنْ سَاحِبِكَ فَإِذَاظَهُرَ لَكَ مِنْ مُنْ اللّهِ مِنْ سَاحِبِكَ فَإِذَاظَهُرَ لَكَ مِنْ مُنْ مِنْ اللّهِ وَمَنْ مَنْ اللّهِ وَأَنْهُرَ لَكَ مِنْ اللّهِ وَالْمُهُرَّةُ اللّهُ وَالْمُهُرِّ لَكَ مَنْ اللّهُ وَالْمُهُرَّ لَكَ مَنْ اللّهِ وَالْمُهُرِّ لَكَ مَنْ اللّهُ وَالْمُهُرَّ لَكَ مَنْ اللّهُ وَالْمُهُولُ اللّهُ وَاللّهُ وَلَهُمُ وَاللّهُ ولَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللللللّهُ الللللّ

روسورووال باب موانات بالارت المين دي بر توتدار ف اوتاب ريات ۱۰۲ (بات)

هُوالنَّه التَّوْاجِي لَمْ يَقَعْ عَلَى الدّبِن وَ إِنَّه هُوَالتَّهْارُفُ ﴾
 هُوالتَّهْارُفُ ﴾
 مَا تُنَّهُ يُنْ يَعَدْنَى ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَلْمَ يَنْ عَلْمَ بِمَنْ عَنْ عَلْمَ بِنَانٍ عَنْ حَمْرَةً بَن عَنْ الشَّارِ ، عَنْ أَبِيهِ عَنْ أَبِيهِ عَنْ أَبِيهِ قَالَ : لَمْ تَنَوَاخَوْاعَلَىٰ هٰذَا الْأَشْرِو إِنَّمَا تَعَارَفْتُمْ عَلَيْهِ .
 عَنْ أَبِي جَمْفَهِ يَهِيْ قَالَ : لَمْ تَنَوَاخَوْاعَلَىٰ هٰذَا الْأَشْرِو إِنَّمَا تَعَارَفْتُمْ عَلَيْهِ .

ب _ عَنْدُ ، عَنْ أَخْمَدَ بُن ُ عَنْ عُنْمَانَ بْنِ عَبْسَى ، عَنِ ابْنِ مُشكَّانَ وَ سَمَاعَة ، جَمعِها ، عَنْ أَيْهِ عَبْدِياللهِ لِلْقِيلِيْ فَالَ : لَمُتَنَوّا خَوْاعَلَى هٰذَا الْأَ مْرِ [وَعَ إِنْ مُناتَعَارَ فَتُمْ عَلَيْهِ .

اد ترایا حفرت ا مام محد با نشرهلیدانستهم نے کم امردین چیں موا خات نزکرو، برتوعرت ایک دوسرے سے پہلے تعارف کی صورت ہے۔

مىللىپ يەسپەك مومنيىن كەدرىيسان تومواخات فى الدین قبل پدیدائش پى چوتی ہے دنسيا ك عواخات توایک قىم كاتعارى بوللىپ چەنگەمومنسيين كى طینت ایک ہى سبت لهذا دومسا ئى مواخات ستىردرع بى سے ہے۔

دوسوتین وال باب مومن کاحق مومن پراوراسس کی ادایگ «بنائی» سوی

ه(باب)ه

و (حَيِّ الْمُؤْمِنِ عَلَىٰ أَحْبِهِ وَأَدَاهِ حَقِيهِ)

١ - عُنْ سَبْفِ بْنِ عَنْ أَحْمَدَ بْنُ عَبْدِ بْنِ عَبِسْى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ سَبْفِ بْنِ عَمِيْرَةً
 عَنْ عَمْرِ و بْنِ شِيْرِ ، عَنْ جْإِبِر ، عَنْ أَبِي جَمْعَرَ إِلِيْلِا قَالَ: مِنْ حَقّ ٱلْمُؤْمِن عَلَى أَحْبِهِ ٱلْمُؤْمِن أَنْ يُشْبِعَ
 جُوعَنَهُ وَيُؤَارِيَ عَوْدَتَهُ وَيَغُومُ جَ عَنْهُ كُنُ بَنَّهُ وَيَقَشِي دَيْنَهُ ، فَا ذِامات خَلَّفَهُ فِي أَهْلِهِ وَوَلَدِهِ .

ا - فرایا امام محد با قرعیدا سلام نے مومن کا حق مومن مجھا ن کر ہے ہے کہ اگر مجدوکا ہوتو سیرکرے پر سندم ہوتو بساس بہنائے۔ اس کی مصیبت عدد کرے اگر مولمے تواس کے نگروا لول کی ، اس کا جانشین بن کوفیر فیرے ۔

CATALOR CALCALOR CONTROL CONTR

٣ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَنِي عَبِسُى ، عَنْ عَلَيّ بَنِ سَبْنِ ، عَنْ أَبْهِ سَيْهِ ، عَنْ عَبْدِالْاً عْلَىٰ ابْنِ أَعْيَنَ قَالَ : كَتَبَ [بَهْ شُمُ الْمُحْابِنَا يَسْأَلُونَ أَبْاعَبْ دِاللهِ عَنْأَشْبَاهَ وَأَمْرَوُنِي أَنْ أَسْأَلُهُ عَنْ حَقِي أَشْبَاهِ عَنْأَشْبَاهَ وَأَمْرَوُنِي أَنْ أَسْأَلُهُ عَنْ حَقِي أَشْبَاهِ عَنْأَشْبَاهَ وَأَمْرَوُنِي أَنْ أَسْأَلُهُ عَنْ حَقِي الله عَنْ أَشْبَاهِ مَلْمَ أَخِينِي ، فَلَمّا خِنْتُ لِأُودَ عَهُ فَقُلْتُ : سَأَلْنَكُ فَلَمْ تُجِبني ؛ فَقْالَ : إِنْهَا فَانْ تَكْفُرُوا إِنَّ مِنْ أَشَدِ مَا أَفَتَرَ مَن الله على خَلْقِهِ تَلاثاً : إِنْهَا فَالْمَرْء مِنْ نَقْشِهِ حَشْمُ لا خَبِهِ مِنْ نَقْشِهِ إِلا بِمَا يَرْضَى لِتَقْسِهِ مِنْهُ ، وَمُؤَلِّاهَ الأَخْ فِي الْمَالِ، وَذِكْرَاللهِ عَلَى كُلِ خَالِ يَرْضَى لِا خَبِهِ مِنْ نَقْشِهِ إِلاَ بِمَا يَرْضَى لِتَقْسِهِ مِنْهُ ، وَمُؤَلِّاهَ الأَخْ فِي الْمَالِ، وَذِكْرَاللهِ عَلَى كُلِ خَالِ لَبْسَ سُبْخَانَ اللهِ وَالْحَمْدُ اللهِ وَلَكِنْ عِنْدَ مَاحَرً مَاللهُ عَلَيْهِ فَيَدَعَهُ .

کہتار ہے بلکہ ج چیزی الٹرے حوام کوی بین ان کو ترک کردے۔

٤ - عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْن عَنِ أَلَكَ مَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ جَمَبِلٍ ، عَنْ مُراازِمٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 عُلْيَتُكُمُ قَالَ : مَاعُ بِدَاللهُ بِشَيْءٍ أَفْضَلَ مِنْ أَدَاءِ حَنْيُ الْمُؤْمِنِ .

م و وا الوعيد الشعليا اسلام في كم غداك اس سي بترجدات نهين كمون كاحق ا واكيا جلت -

٥ - عَلِيَّ بَنُ إِبْرَاهِمَ ا عَنَّ أَبِهِ ، عَنْ حَمَّادِيْنِ عِبْسَى ، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بِنِ عُمَرَ الْيَمَانِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عُلِيَّاكُمُ فَالَ: حَقُّ الْمُسْلِمِ عَلَى الْمُسْلِمِ أَنْ لَا يَشْبَعَ وَيَجُوعُ أَخُوهُ وَلا يَرْوَى وَيَعَطَشُ أَخُوهُ وَلا يَكْتَسَي وَيَعَرْى أَخُوهُ ، فَمَا أَعْظَمَ حَقَّ الْمُسْلِمِ عَلَى أَحْبِهِ الْمُسْلِمِ، وَ قَالَ: أَحِتَ لِأَحْبِكَ الْمُسْلِمِ فَلْ يَتَكَلّمَ حَيْرً الْوَلاَيَمَلَهُ لَكَ، كُنْ لَهُ طَهْرُ افَإِنَّهُ مَا تُحَدِّدُ وَإِنَّا الْمُسْلِمِ وَإِنَّا الْمُسْلِمِ عَلَى أَحْبِهِ الْمُسْلِمِ وَ قَالَ: أَحِتَ لِأَحْبِكَ الْمُسْلِمِ عَلَى أَحْبِهِ الْمُسْلِمِ عَلَى أَحْبِهِ الْمُسْلِمِ وَقَالَ اللّهُ عَبْرُهُ وَ أَجِلّهُ وَأَكُو مُنْ وَقَالَ اللّهُ عَلَى وَأَنْتَ مِنْهُ فَإِنْ كَانَ مَا لَكَ عَلْمَ وَإِنْ أَنْ كَانَ مَنْ اللّهُ وَإِنْ أَنْ اللّهُ عَبْرٌ فَا حَمْدَالِلهُ وَإِنْ الْمُؤْمِنَ وَإِنْ أَنْ اللّهُ وَإِنْ أَنْ اللّهُ عَبْرٌ فَا حَمْدَالِلهُ وَإِنْ اللّهُ اللّهُ وَالْمُؤْمِنَ وَإِنْ أَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَقَالَ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَى اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا عَلْمُ وَاللّهُ وَلَا عَلْمُ اللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالللّهُ وَالللّهُ وَاللّهُ

تودوڈں میں سے ایک کا فرہوجائے گا اگر یہ کہنے والاسچاہے تودن ہراکا فرادداگر میرجوٹاہے تو بدکا فرادداگر برا دڑسلم کوتہمت مکائے کا تواہمان اس کے دل میں اس طرح گھل کررہ جلسے گاجیے نرک پانییں اور فرایا مجھے یہ معلوم ہواہے کہمومن کا ٹودا سمان وا لول مے لئے اس طرح ممکنہ ہے جیے ذمین والوں کے لئے آسمان کے ستارے چیکتے میں اور یہ بھی فرایا کیمومن المسرکا دوست ہے الشرکے دین ک حدد کرتا ہے اور اس کے لئے کام کرتا ہے اور فدا ہرا فرآ انہیں کڑا اور فعدا کے سواکسی سے نہیں ڈوٹا۔

عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنًا، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عُبْدِبْنِ خَالِدٍ ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ عَلِيٌّ بْنِ عُقْبَةً وَثُلَّهُ

۱- فرمایا الدعبر الله علیداسلام نے کیمسلمان پرسلمان مجائی کا بیعق ہے کہ جساس سے بلے توسسلام کرے اور جب وہ بیمار ہوتوعیاوت کرے اور جب وہ گھرسے دور مہونواس کے سے طاہب نے ہموا ورجب وہ چھینے تواس کے لئے المحدولات کے اور جب بلاتے تو دس کے باس ترتے مرجائے تومشا بعت جذارہ کرہے ۔

ے۔ دادی کہتا ہے کہ فرایا حفرت ا بوعبدا لٹرعلیہ اسلام نے کرموش کا مومن پرخق یہ ہے کہ اس کے سینے بیں اس کا عجبت میں اور اس کے ال پی ہمددی کرے اور اس کے بالہ بجوں میں اس کا جانشین بنے ادر اگراس پرکو کی ظلم کرے تواسس کی عدد کرسے اور اگروہ غائب ہواور سلما نول میں الرغنیرت تقسیم ہوتواس کا حصہ سے اور اگروہ مرجلنے قواس کا قبسر کی فریات کرے اور اس کی خوس کی قبسر کی فریسیان کریے جھٹلائے نہیں، اُف مذکھے۔ ورمذان کے درمیسان محبست نہ رہے گی اور دونوں میں سے ہوئو تی ترکیم کی گرکھ کی اور اگرائے ہمٹ ملکا نواس کے درمیسان اس طرح کھل جائے گا تواس کے درمیسان دل میں ایس کا حدالے کا تواس کے درمیسان اس طرح کھل جائے گا جی تابی ہیں۔

٩ عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبَّدِبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ فَضَالَةَبْنِ أَيَّوْبَ ، عَنْ عَبِسَىبِنِ أَيِهِ مَنْ عُرْدِقَالَ : كُنْتُ عِنْدَأَيِي عَبْدِاللهِ عِلِيدٍ أَنَا وَابْنُ أَيِي يَعْفُودٍ وَعَبْدُاللهِ بِنَ عَبْدِاللهِ عَلِيدٍ أَنَا وَابْنُ أَيِي يَعْفُودٍ وَعَبْدُاللهِ بِنَ عَبْدِاللهِ عَلَيْ أَنَا وَابْنُ أَيِي يَعْفُودٍ وَمَا لَا يَعْفُودٍ وَمَا هُنَ جُعِلْتُ فِذَاكَ ؟ قَالَ : يُحِبُّ الْمَرْ ، يَدَي اللهِ عَنْ وَجَلَّ وَعَنْ يَمَنِ اللهِ ، فَقَدَالَ ابْنُ أَيِي يَعْفُودٍ : وَمَا هُنَ جُعِلْتُ فِذَاكَ ؟ قَالَ : يحُبُّ الْمَرْ ، وَمَا هُنَ جُعِلْتُ فِذَاكَ ؟ قَالَ : يحُبُّ الْمَرْ ،

الْمُسْلِمُ لاَ جَهِ مَا يُحِبُ لِا عَنِ اَهَلِهِ ، وَيَكُرُ وَالْمَرْ وَ الْمُسْلِمُ لاَ جَهِ مَا يَكُرُ وَ لِأَعْدِ وَ وَيَناسِحُهُ الْوَلاية ، فَابَكَرُ وَ لِأَعْدَ إِذَا كَانَ مِنهُ الْوَلاية ، فَبَكَى ابْنُ أَبِي يَعْفُورِ إِذَا كَانَ مِنهُ الْوَلاية ، فَلَيْ الْمَنْ لَا يَعْبُولِهِ إِنْ هُوَحَرِنَ لِحُزْنِهِ إِنْ هُوَحَرِنَ وَإِنْ كُانَ عِنْدَهُ مَا يَنْ الْمَنْ لَكُمْ وَالْمُ لَكُمْ وَالْمُكُلُ اللّهُ عَنْدَهُ مَا يَعْبُولُوا عَقِبْنَا وَأَنْ تَنْتَظِرُ وَاعْ قِبَنَا ، فَمَنْ كَانَ هُكَذًا كُانَ بَيْنَ يَدَي اللهِ عَنْ وَكُلُانُ النَّانَ وَمَنْ فَوَا لَهُ وَالْمُ اللهُ وَالْمُ اللهُ اللهُ عَنْ يَمِي اللهِ فَلَوا أَنْهُمْ مَنْ دُونَهُمْ لَمُ يُسْتَعْبِي وَكُولُوا عَقِبْنَا وَأَنْ تَنْتَظِرُ وَاعْ قِبَنَا اللهُ وَمَنْ كَانَ هُكَذًا كُانَ بَيْنَ يَدَي اللهُ عَنْ وَجَلَّ فَيَسْتَعْبِي وَاللهُ وَاعْقِبْنَا وَأَنْ تَنْتَظِرُ وَاعْ قِبْنَا وَأَنْ تَنْتَظِرُ وَاعْ قِبْنَا وَأَنْ مَنْ كُولُوا لَهُ مَنْ دُونَهُمْ لَمُ يُسْتَعْبِي وَهُ وَمُلَامً اللهُ وَاللهُ وَالْمُ اللهُ عَلَمْ اللهُ عَنْ يَعْبِي اللهِ وَعَنْ مِن اللهُ وَعَنْ مَنْ دُونَهُمْ لَمُ الْمَوْلُولُ وَاللهُ وَاللهُ وَالْمُ اللهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللّهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَلَا اللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ واللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالللللللّهُ وَاللّهُ وَ

١٠ - عَنْهُ ، عَنْ عُنْمَانَ بِنْ عِبِسَى ، عَنْ كُلَّهِ بِنْ عَجْلانَ قَالَ : كُنْتُ عِنْداً بِي عَبْدِاللهِ إليهِ فَدَخَل رَجُلُ فَسَلَّمَ ، فَسَأَلَهُ كَيفُ مَنْ خَلَفْت مِنْ إِخْوانِكَ ، قَالَ: فَأَحْسَنَ الثَّنَاء وَزَكْتَى وَأَطْرَى ، فَقَالَ لَهُ : كَيْفَ مُشَاهَدَة أَغَيْنِا ئِهِمْ عَلَى فَقَرائِهِمْ ؟ فَقَالَ: فَلَيلَة ، قَالَ: وَكَيْفَ مُشَاهَدَة أَغَيْنِائِهِمْ لِفُقَرائِهِمْ ؟ فَقَالَ: فَلَيلَة ، قَالَ: إِنَّكَ لَتَذُكُرُ أَخْلاقا قَلَ مَاهي قَلْهِ أَنْ عَنْدَان ، قَالَ: فَكَيفَ صِلَة أُغَيْنِا ئِهِمْ لَفُقُوا ئِهِمْ فَي ذَاتٍ أَيدِيهِم ؟ فَقَالَ: إِنَّكَ لَتَذُكُرُ أَخْلاقا قَلَ مَاهي فَهِمَنْ عِنْدُنا ، قَالَ: فَقَالَ: فَكَيفُ مَنْ مَنْ عُمْ هُؤُلا إِ أَنَّ عُهُمْ شَيَهَ هُ .

ا محدین عبدلان سے مردی ہے کہیں حفرت ا بوعبدالله عبدالسفام کی خدمت ہیں حافر تھا کہ ایک شخص آیا اور سلام کیا آپ فے فرط کیا اور ان کے اوصاف میں میا تو فرط کیا حال ہے دہاں تمہارے کومن ہوا بینوں کا اس فے بڑی تولیف کی بیعت پر قام رہنے کا ذکر کیا اور ان کے اوصاف میں میا تو کیا سعفرت نے بوچھا اغذیا کا فقرا کے پاس پر سنش احوال کے لئے آ کا کیسا ہے اس نے کہا بہت کم، فرطیا مال واروں کا فقرا دسے مسلم کیسا ہے اس نے کہا تہ دیسے اخلاق کا ذکر فرما رہے ہیں جن کی ہمارے یہاں کہا تہ دیسے اخلاق کا ذکر فرما رہے ہیں جن کی ہمارے یہاں کمی ہے فرطیا بھرتم ان کوسٹ یہ کیوں گھان کرتے ہو۔

١١ - أَبُوعَلِيّ الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ مُعَرِيْنِ سَالِم ، عَنْ أَحْمَدَ بِنِ النَّشِر ' عَنْ أَبِي إِسْمَاعِيلَ قَالَ: قَلْتُ لَا بَيْ مَعْفِفُ الْغَيْقُ عَلَى الْفَقِيرِ ؟ لِأَ بِي جَعْفَوْ الْفَيْلُ : ﴿ وَإِنْ الشَّبِعَةَ عِنْدَنَا كَثَيْر " فَقَالَ : ﴿ وَإِنَّ لَا يَعْفُونُ الْغَيْقُ عَلَى الْفَقِيرِ ؟ وَهَلْ يَنَخُونُ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّ

۱۱- دا وی مجتلسے میں نے ایام محد با قردائیا اسلام سے وض کیا مہم ارسے بہاں مشیعہ بہت ہیں۔ توایا مال وار فقروں سے مہرا فی کا برتا ڈگر تے چی احسان کرنے والے گذاکا دوں سے ودگذر کرتے میں اور ان میں باہمی ہمدر دی سے رہیں نے مجہ نہیں فرایا تو وہ مشیعہ نہیں ، مشیعہ وہ ہے جوابسا ہو۔

١٢ - عَنَّا بَنُ يَحْدَى، عَنْ أَحْمَدَ بْنُ عَنْ عَبْدِينَ عَبِسْي ؛ عَنْ عُتَوبْنِ سِنْانِ ، عَنْ أَعَلَا ، بْنِ فُضَيْلٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى عَنْ عَلَيْهِ مَعْوَلُ: عَظِيْمُواأَصْخَابَكُمُ وَوَقِيْرُ وَهُمْ وَلا يَتَجَهَّمُ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ الْعَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهُ عَلَى اللهِ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى الللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ

ا - اگرافا امام محد با قرطیدالسلام نے اپنے اصحاب کی عظمت کروان کا ونشارت کم دکھوا ود ایک دوموسے سے برکرا بت نہ علی اور لْفقوان مذہب نجاستے بھیدند کرسے اپنے کو بخل سے بچا کہ اور فدا کے سپیے مبلاسے بنو۔

١٣ - أَبُوعَلِيّ الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ عَبْدِيالْجَبْارِ ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ؛ عَنْ عُمَرَ بْنِ أَبَانِ ، عَن سَعِدِبْنِ الْحَسَنِ قَالَ : فَالَ أَبُوجَعْفَرِ عُلِبَالِيّ : أَيَجِبِي، أَحَدُ كُمْ إِلَىٰ أَخِيهِ فَبَدَّخُلُ يَدَهُ فَي كَبِسِهِ فَيَأْخُذَ

حَاجَتُهُ فَلاَيَدُفَعُهُ؟ فَقُلْتُ: مَاأَعْرِفُ ذَٰلِكَ فَبِنا ، فَقَالَ ٱبُوجَعُفَرِ لِللَّهِ : فَلاشَيْءَ إِذَا، قُلْتُ: فَالْلَهُكُ إِذَا ، فَقَالَ : إِنَّ الْقَوْمَ لَمْ يُعْطُوا أَحْلاَمَهُمْ بَعْدُ .

۳۰۔ فربایا حفرت امام محد با قرعلی اسلام نے آیا تمہارے ودمیدان ایسلیے کہ ایک برا درمونمن دوسرے مومن کی جیب میں با تقدندال کراپنی حاجت پوری کرتلہے ا ور وہ اس کومنع نہیں کرتا۔ وا دی کہتلہے۔ پیرسنے کہا ایسا توہم میں کوئی نہیں۔ مشرولجا تو کچھ بھی نہیں۔ پیرنے کہا توہم سب جہنی ہوئے۔ فرایا میری یہ مراد نہیں بلکہ سے ہے کہ ابھی ان شیعوں ہیں اتنی عقل نہیں کہ اراب کھاتھیں

١٤ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِمِم ، عَنِ الْحُسَيْنِ بْنِ الْحَسَنِ ، عَنْ عَنْ عَنْ مُعَلَى بْنِ الْحَسَنِ أَلَا عَبْدَاللهِ عَنْ مُعَلَى بْنِ الْحَسَنِ أَلَا عَبْدَاللهِ عَنْ مَقْ الْمُؤْمِن ، فَقَالَ : سَبْعُونَ حَقَّالاً الْخَيْرِكَ إِلَا بِسَبْعَةٍ فَا لَمُؤْمِن ، فَقَالَ : سَبْعُونَ حَقَّالاً الْخَيْرِكَ إِلَا بِسَبْعَةٍ فَا لَمْ يَعْلَمُ أَنْ اللهِ عَنْ حَقَّ الْمُؤْمِن ، فَقَالَ : لاَتَشْبَعُ وَيَجُوعُ وَلاتَكْنَسَى فَا لَنْ يَعْلِكَ مُشْعِقٌ أَخْشَى أَلَا تَخْتَمِلَ ، فَقَلْتُ : بَلَى إِنْ شَاءَاللهُ ، فَقَالَ : لاَتَشْبَعُ وَيَجُوعُ وَلاتَكْنَسَى وَيَعْرَىٰ ؛ وَتَكُونُ دَلْبِلَهُ وَقَمْبِصَهُ الَّذِي يَلْبَسُهُ وَلِيانَهُ اللّذِي يَنْكَلَمُ بِهِ وَ تُحْتِبُ لَهُ مَاتُحِبُ لِيَقْلِكَ وَيَعْرَىٰ ؛ وَتَكُونُ دَلْبِلَهُ وَقَمْبِصَهُ الَّذِي يَلْبَسُهُ وَلِيانَهُ اللّذِي يَنْكَلَمُ بِهِ وَ تُحْتِبُ لَهُ مَاتُحِبُ لِيَقْلِكَ وَالنَّهُ إِلّا يُلِكُ وَالنَّهُ اللّذِي وَلاَيَنَا وَوَلاَيَنَا بُولاَيَقِ اللهُ عَرْ وَجَلًا .

۱۱۰ دادی کبتلیے میں حفرت امام جعفر مسادتی علیوالسلام سے حق مومن کے متعساق سوال کیا۔ فرمایا برا در مومن کے مسترحق چیں میں ان بیں سے حرت سات بشناؤں گا۔ بیں تم پر چهر بان مہوں اس باشدسے ڈرقا ہوں کہ تم مخمل نذکر سکو ، جی سف کھا چاں اگر المنڈ نے چاہا ۔ فرمایا مرت کھا ؤ اگر برا در مومن کھو کا چو۔ مت بہنوا گروہ نشکا چوء اس کے در ہندا دار بنوا در چوچیز اسپنے نے بہند کر داوں سے کے دانداد بنوا در چوچیز اسپنے نے بہند کر داوں اس کی زبان گویا بنو، اگر تمہاری کنے دہوں سے کہ جبرت تاکہ وہ اس کے لئے ب تربی ہے اور اس گا فرود تی ہوری کہنے کہ داری سے محبت خدا کے سات میں کا دو گے۔

مَدْ اللهِ عَلَى الْمُسْلِمُ أَخُوالْمُسْلِم، لاَ يَظْلِمُهُ وَلا يَخْدَلُهُ وَلا يَخْدُلُهُ وَيَحِقُ عَلَى الْمَسْلِمِ الْمَشْلِم، لاَ يَظْلِمُهُ وَلا يَخْدَلُهُ وَلا يَخْدُلُهُ وَيَحِقُ عَلَى الْمُسْلِمِ الْإَخْيَةُ الْهُ عَبْدَاللهِ عَلَى الْمُسْلِمِ الْمَسْلِمِ الْمَسْلِمِ الْمَسْلِمِ الْمَسْلِمِ الْمُسْلِمِ الْمُسْلِمِ الْمُسْلِمِ الْمُسْلِمِ الْمُسْلِمِ الْمُسْلِمِ الْمُسْلِمِ اللهِ عَنْدُونُوا فَي اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ اللهِ مَعْشَلُ اللهِ اللهِ مَعْشَلُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ

۱۵- فرایاحفرت ابوعبدا لشعلیدالسلام فی مسلمان کامها لک بید چاہیے کداس پرظام نذکرے، اس کورسوان کریے۔ اس کے مال میں خیانت مذکرے اورسلما نوں کوسڑا وارسیے کہ آئیوں میں انتساد رکھیں اور سطف وہریا فی میں تعاون کریں اورا بل حاجت کے ساتھ مدردی کیں اور ایک دوسرے پر بہریان رہیں تاکرتم ویسے ہی بن جاؤے جیسا خدانے عکم دیا ہے ہ کہ بس میں رحم کرنے والے ''اور کا حومن کے سفرس ہونے کی حالت میں ہمدر دی اور فمکساری اس طرح کرناجیدی عبد رسول النڈیس متی ر

١٦ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيِّ ، عَنِ السَّكُونِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ الْأَنْ اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ الْمُسْلِمِ إِذَا أَذَادَ سَفَراً أَنْ يُعْلِمَ إِخْوَانَهُ ، و خَقَ عَلَى إِخْوَانِهِ إِذَا قَدَمَ أَنْ يُعْلِمَ إِخْوَانَهُ ، و خَقَ عَلَى إِخْوَانِهِ إِذَا قَدَمَ أَنْ يَعْلِمَ إِخْوَانَهُ ، و خَقَ عَلَى إِخْوَانِهِ إِذَا قَدِمَ أَنْ يَعْلِمُ أَنْ يَعْلَمُ أَنْ يَعْلَمُ اللهِ عَلَى إِخْوَانِهِ إِذَا قَدَمَ أَنْ يَعْلِمُ أَنْ يَاتُوهُ .

۱۷- فرما یاحفرت ا بوعبد التُدُعبُدائسلام نے کرسولگا لنڈ نے فرمایلہے سلمان کا فرمن ہے کہ جب سفرکا ا را دہ کرے توا بہنے مجا یُکول کوآگا ہ کرسے اوریجا یُروں کا فرمن ہے کہ جب وہ آئے تواس سے مطلع آئین ۔

دوسوچاروال باب تراهم وتعاطف «بابُ التَّراجُهِ وَالتَّعٰاطْفِ» ۲۰۴

١ عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَايِنًا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلَيْهِ خَالِدٍ ، عَنِ الْحَسِن بْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ شُعَيْبٍ الْعَقَرْ قُوفِي قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِ اللهِ تَلْكُمُ يَقُولُ لِأَصْحَابِهِ : اتَّقُوا اللهَ وَكُونُوا إِخْوَةٌ بَرَرَةٌ ، مُتَحَابَ بِنَ الْعَقَرْ اللهَ وَكُونُوا إِخْوَةٌ بَرَرَةٌ ، مُتَحَابَ بِنَ فَي اللهِ ، مُتَواصِلِينَ ، مُتَراحِمِينَ ، تَزَاوَرُوا وَتَلاقُوا وَتَداكَرُوا أَمْرَنا وَأَحْبُوهُ .

ا- دادی کہتا ہیں نے حفرت الوعید اللہ سے سٹاکر انھوں نے اپنے اصحاب سے فرایا ۔ النڈسے ڈروا ورآ پس ہیں نیک محاتی بنوا ور قریترًا فی اللہ دوسرے سے معبت کر وحسسائہ رحم کر واگر دوسرے سے ملاقات کروا ورہمارے حالات کو ایک دوسرے سے بیسان کروا ورہما دے ذکر کو دوست رکھو۔

٢- ثُعِّدُ بْنُ مِحَدِّىٰ عَنْ أَحَدْدَبْنِ مُحَمَّدِ بْنِ عبلسى، عَنْ مُحَمَّدِ بِنِ سِنَانٍ عَنْ كُلَيْ الصَّبْذَاوِيَ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ تَلْقِيلِ اللهُ عَنَّ أَحَدُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَنَّ وَجَلَّ . أَي عَبْدِ اللهِ تَلْقِيلِ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ . وَمَا يَا حَمُوا وَ كُونُوا إِخْوَةٌ بَرَرَةٌ كَمَّا أَمَرَ كُمُ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ . وَجَلَّ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللّهُ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ ا

كەفدائے تم كوھكم دياہے۔

٣ - عَنْهُ ، عَنْ تُمِّلِهِ فِي سِنْانِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ يَحْيَى ٱلكَاهِلِيّ قَالَ: سَمِعْتُ أَباعَبْدِاللهِ عِلْهِ يَقُولُ: تَوَاصَلُوا وَتَبَارٌ وَا وَتَرَاحَمُوا وَتَمَاطَعُوا .

١٠- ين في الوعبد الله عليد السلام المساء مسنا صلة رحم كرو، نيكى كرو ايك دوسر ابررح كرو ا ورا كبس بي بدوى كابرتا وكرور

٤ ـ عَنْهُ ، عَنْ عَلِيٌّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبِي الْمَغْرَا ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ تَطْلِيُّكُ قَالَ : يَحِقُّ عَلَى الْمُسْلِمِينَ الْإِجْنِيهَادُفي التَّوَّاصُل، وَالتَّمَاوُنُ عَلَى التَّعَاطُفِ، وَٱلْمُؤاسَّاةُ لِأَهْلِ الْحَاجَةِ. وَتَعَاطُفُ بَعَضِيهُم عَلَىٰ بَعْضِ حَتْى تَكُونُوا كُمَّا أَمَّرَ كُمُ اللهُ عَزَّ وَ حَلَّ : ﴿ وَحَمَّاهُ بِينَهُمْ مُنَرَا حِمِينَ ، مُغْتَمَيِّنَ لَمَّا غَابَ عَنْكُمْ مِنْ أَمْرِهِمْ عَلَىٰ مَامَضَى عَلَيْهِ مَعَشَّرُ الْا نَشَارِعَلَى عَهْدِ رَسُولِ اللهِ عَلَيْمَا

مهرفرها باحفرت الوعيدالله عليدا مسلام في سلمان برفرض بيره سلة رحم كرناء مهربانى اور ببعددى بين تعاون صاحبان حاجت سے اورآ پس میں ایک دوسرے سے معددی تاکر تم ایے ہی ہوجاؤجیسا اللرین مکم دیا ہے آ پس میں ایک دوسرے سے رحم کا بڑاور کرنے واسے ہیں یہ ہمدددی کرنے واسے ا ودمحالدت سفراس کے عیال سے تمغیاری کرنے والے ہیں عہدِ دسول کی جس طرح انصار کا برتا وُ آبيون تقاوب ايي برتا دُر کھو۔

دوسو بالجوال باب زيارت انوان

(بَابُ زِيارَةِ الْإِخْوانِ) ٢٠٥

١ - عَدْبُونُ يَحْمَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُهِدِبْنِ عَيْسَى ، عَنْ [عَلَيّ] ابْنِ فَضَّالِ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عُقْبَةَ عَنْ أَبِي حَمْزَةً ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لللهِ قَالَ : مَنْ زَارَأَخَاءُللهِ لالِغَيْرِ ۚ الْنِمَاسَ مَوْعِدِاللهِ وَتَنَجُّنَوَ لماعِنْدَاللهِ وَكُتُكُ اللهُ بِهِ سَبْعِينَ أَلْفَ مَلَكِ يُنَادُونَهُ أَلَا طِبْتَ وَظَابَتْ لَكَ الْجَنَّةَ ۗ

ا - فرايا حفرت الوعبدا الله عليدانسلام في ويشخص فوشندوى فداك لئه اوروعده كاب فداك ملاش ك ليكارميني فدا جداجرے اس کے پلنے کے لئے زیارت مومنین کرے توفدان پرستر مزار فرختے معین کرتاہے جوندا دیتے میں اکا مبوء تم

نحاش دېوا ودجنت تم سے پوش رہے۔

٢- عَنْهُ، عَنْ عَلِيَّ بْنِ النَّعُمُانِ، عَنِابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ خَيْنُمَةً قَالَ : دَخَلْتُ عَلَىٰ أَبِي جَعْمَرٍ إليما الرَّحْدُ فَقَالَ : يَاخَيْمَهُ أَبْلِغُ مَنْ تَرَىٰ مِنْ مَوْالْهِنَّا السَّلَامَ وَأَوْسِهِمْ بِتَقَوْى اللهِ الْعَظیم وَ أَنْ يَعُودَ غَيْرَهُمْ عَلَىٰ فَعِيفِهُمْ وَأَنْ يَشْهَدَ حَيْبُهُمْ جَنَازَةَ مَيِّيتِهِمْ وَ أَنْ يَنَلاَفُوا في بيُؤْتِهِمْ فَلَىٰ فَقَدِهِمْ وَقَوِيّهُمْ عَلَىٰ ضَعِيفِهُمْ وَأَنْ يَشْهَدَ حَيْبُهُمْ جَنَازَةَ مَيِّيتِهِمْ وَ أَنْ يَنَلاَفُوا في بيُؤْتِهِمْ فَإِنْ لَيَعْنَهُمْ بَعْضَا حَيَاةً لِأَمْرِنَا ، رَحِمَ اللهُ عَبْداً أَحْيًا أَمْرَنَا ، يَاخَيْنَ فَيْلَاهُ أَوْلَايَنَا أَنَّا لاَنْعُنِي عَنْهُمْ مِنَ اللهِ مَعْلِ وَأَنَجْمُ لَنَ يَنَالُوا وَلاَيَنَنَا إِلاَّ بِالْوَرْعِ وَإِنْ أَشَدَ النَّاسِ حَسْرَةً يَوْمَ الْفِياهَةِ مَنْ وَضَفَ عَدُلاَتُمْ خَالْفَهُ إِلَىٰ غَيْرُهِ .

۷۔ فیٹیم سے مروی ہے کہ میں امام نحد باقر علیہ اسلام کی فدمت میں رخصت ہونے کے ہے آیا، آپ نے فرمایا اے فیٹیمہ ہمارے دوستوں کو ہماراسلام ہم نچا دینا اور اللہ سے فرر سنے کی وصیت کونا اور کہنا کہ الدار فقروں کی عیادت کیا کریں اور قوی ضعیفوں کی اور ان کے جنازہ میں موجو و رہا کریں اور اپنے گھروں میں ایک دوسرے سے طنے رہا کریں، بہ ملنا جلنا احمالاً امراما مت کے لئے زندگی ہے اللہ اس بندہ پردھ کرے جو ہمادے امرکو زندہ رکھے ۔ اے فیٹیم ا ہمارے دوستوں کو بہ پیغام بہنچا دینا کر ہم ان سے دفع نہیں کرتے کسی عذاب کو جواللہ کی طرف سے جو مگر عمل سے لین عرف آ و ار امامت کا فی نہیں جب تک عمل صامح مذہوا ور وہ ہماری ولایت و مجدت کو پر ہمیز گاری کے بغیر نہیں پاسکتے . روز قبیا مت سب سے ذیا دہ جرت میں دہ ہوگا جو عدل کی تعرب کر کے مقال وصرے وقت اس کی مخالفت کرے ۔

٣ - عَلَيُّ بْنُ إِبْرُاهِبُمْ ، عَنْ أَبِهِ، عَنْ حَمَّادِيْنِ عِلْسَى ، عَنْ إِبْرَاهِبَمْ بْنِ عُمَرَ ٱلْيَمَانِيِّ، عَنْ جَالِيرِ عَنْ أَيْرَاهِبَمْ بْنِ عُمَرَ ٱلْيَمَانِيِّ، عَنْ جَالِيرِ عَنْ أَيْ اللهُ عَلَى وَجَلَّ أَهْبَطُ عَنْ أَي جَعْفَرٍ عَلَيْهِ وَجُلَّ يَسْفَاذُنُ عَلَى وَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ الله

۱۰ دسول المدّ صلى الله عليه آله وسلم في فرطياكه في سي جريُ الله في الله الله تعالى في ايك فرسته كو زمين برآمارا وه چلتا كيوتوا يك در برمهني جهال ايك شخص كوا بهوا ككودا في سعد واخله ك اجازت چا بهتاب فرسنت في كها اس ككردا س سے تمہاری کیا حاجت ہے۔ اس نے کہا یہ میرام کمان مجائی ہے۔ بیں خوشنودی کے لئے اس کی زیارت کو اکیا ہوں ۔ فرشنے نے کہا اس میں ہوں ۔ فرشنے نے کہا اس میں چیز کھے لائ ہے اس نے کہا ہاں ۔ فرشنہ نے کہا ۔ بیں اللہ کا پیغام پترے پاس لایا ہوں ۔ وہ بچھ سلام کہتا ہے ا، بر فرمانی ہے ا، بر فرمانی ہے اور سے میں نے کھی ہے اور یہ بھی فرمانی ہے جو مسلمان کو زیارت کرے گا اس نے کہ یا میری فرمانی ہے۔ فرمانی کی دیا ہے۔ فرمانی کی دیا ہے۔ فرمانی کی دریا ہے۔

٤ - عَلِيٌّ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ عَلِيّ النَّهْدِيِّ ، عَنِ الْحُصَيْنِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلْ : إِيثَانَي زُرْتَ وَ مُوَا أَبُكَ عَلَيّ ؛ وَلَسْتُ أَرْضَى لَكَ عَلَى : إِيثَانِي زُرْتَ وَ مُوَا أَبُكَ عَلَيّ ؛ وَلَسْتُ أَرْضَى لَكَ عَلَى الْجَنَّةِ .
 مُوّاباً دوُنَ الْجَنَّةِ .

۸ ۔ فرایا حفرت الوعبدالتّرعلیالسلام نے جس نے خوستنودی خداکے لئے اپنے بھائی کی زیارت کی ، خداکہتا ہے آؤ نے میری ڈیارت کی تیرا تواب میرے اور میں تیرے لئے جنت سے کم ٹواب پرداخی نہوں گا

ه - عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمَدَبْنِ عَبْرٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيرَةً ، عَنْ يَعَقُوْبَ بْنِ شُعَبِ قَالَ : سَمِعْتُ أَبِاعَبْدِاللهِ عَلَيْتُكُمْ يَعُولُ : مَنْ زَارَ أَخَاهُ في جُانِبِ الْمِصْرَا بْنِفَاءَ وَجُواللهِ فَهُوَذَوْرُهُ ؛ وَحَقَّ عَلَى اللهِ أَنْ يُكْرِمَ زَوْرَهُ

۵- را دی کمتنا ہے۔ ڈرایا حفرت الوعدالله علیالسلام فحص فے بعد مسائت کے بعد داخل سفہر یا فاری شہر میں محف فوسٹنودی فداکے لئے سزا وار یہ بعد کروہ اپنے محف فوسٹنودی فداکے لئے سزا وار یہ بعد کروہ اپنے تدائروں کا اکرام کرے۔

٢ - عَنْهُ ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكِم ، عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيسْرَة ، عَنْ جَابِرٍ، عَنْ أَبِي جَمْهُم عِلِيدٍ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللّهِ عَنْ الْحَكِم ، عَنْ سَيْمِهِ قَالَ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ لَهُ : أَنْتَ سَيْمَهِ وَزَائِرِي ، عَلَيْ قِرْاكَ وَقَدْ أُوجَبْتُ لَكَ الْجَنْ مَنْ فَلَ اللّهُ عَنْ وَجَلّ لَهُ : أَنْتَ سَيْمَهِ وَزَائِرِي ، عَلَيْ قِرْاكَ وَقَدْ أُوجَبْتُ لِكَ الْجَنْ مَنْ فَلَ إِنْهُ .

٧- فرایا حقرت امام محد با فرعلیالسلام نے کرسول الشملع نے فرمایا یجس نے اپنے بھائی کی ذیارت کی اس کے گھر چاک تو خدا فرمانا سے تومیرا بہمان اور نما مرکبے تیری ہمانی میرے اور پرسے اور میں نے جذت کوتیرے لئے واجب کیا اس نئے گہ تو اپنے بھائی سے عمدت کرتاہے۔

٧ ـعَنْهُ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَمَّادٍ ، عَنْ أَبِيغُرَّةَ قَالَ : سَمِعْتُ أَباعَبْدِ اللهِ عِيدٍ

يَقَوُلُ: مَنْ (ارَأَخَاهُ فِي اللهِ فِي مَرَضِ أَوْصِحَتَّم ، لاَيَأْنَهِ خِدَاعاُولا اسْتِبْدَالاً ، وَكُلَّى اللهُ بِهِ سَبْعَيْنَ أَلْفُتَ مَلَكِ يُنَادُونَ فِي قَفَاهُ أَنْ ؛ طِبْتَ وَطَابَتْ الْكَالَجَنَّةُ فَأَنَّمُ الْوَاللهِ وَأَنْتُمْ وَ فَدُاللَّ حَمْنِ حَتْمِي يَأْتِي مَلَكِ يُنَادُونَ فِي قَفَاهُ أَنْ : طِبْتَ وَطَابَتْ الْكَالَجَنَّةُ فَأَنَّمُ الْوَاللهِ وَأَرُاللهِ وَأَنْ كَانَ الْمَكَانُ بَعْبِداً؟ قَالَ : نَعَمْ يَايَسِيرُ وَإِنْ كَانَ الْمَكَانُ مَسْيَرَةً مَ فَقَالَ اللهُ عَلَيْ اللهِ مَوْادٌ وَالْمَلا يُكَانَ الْمَكَانُ مَسْيَرَةً سَنَةً ، فَإِنَّ اللهُ جَوَادٌ وَالْمَلا يُكَةً كُنْبُرَةً ، يُشَيِّمُونَهُ خَتْنَى يَرْجِعَ إِلَى مَنْزِلِهِ :

ه دانوعزه سے مروی پید کریں نے الوجہ داللہ سے سناجس نے ٹوشنودی فدا کے لئے اپنے برا درموان کی ذیارت کی مرض ہیں یاصحت ہیں اور مکر دفریب نہ کیا اور بدار نہ جا ہا تو فدا سنر میزاد فرشنے اس کے لئے مقرد کہ لئے ہے کہ اس کے لہوں پشت کہتے ہیں آد خوش دہم اور حیث تھی ہے خوش در ہو اسٹے فکر میں دائیں گئے ہیں آد خوش دہم اور حیث تھی ہے خوش درم ہو فرایا ہاں گرچ اس کا گھرا کیک سال کی مسافٹ پرمہوم اللہ جو اور سے اور اس کے ملاکہ کر کرند ہے ہیں وہ اس کے ہی جے جلتے ہیں جب ہے وہ گھریں واضل ہو۔

۸ رنوایا ابوعبد الشعلیا اسلام خیس نے خوشنودی خدلک نشاہینے برا درمومن کی زیادت کی ۔ وہ دورِ قیادت نورے برودوں میں چلتا ہوا آئے گاا ورجب سراد تی جلال البی کے ساھنے آئے گا تواللڈاس سے کچے گا تی مرحب اورجب مرحبا کچے گا توالٹڑع دوجل ابنی نبشش عنلیم کو اس کے ہے جداری کرسے گا۔

٥- فرما يا امام ميرا قر عليدال الم في كريندة مسلم حب البين كهان كي نريادت كومرف خوشنودي فدا ك كي نكلت

ے اور کوئی ذاتی غرف نہیں رکھتا تواللہ تعالی ستر ہزار فرشتے معین کرتا ہے کہ جب تک دہ اپنے گھروا پس ہواس سے کہتے رہی کر توخوش اور جنت تھے سے خومش -

١٠ - الحُسَيْنُ بْنُ عُمَّرٍ [عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَنَا أَحْمَدَ بْنِ إِسْحَاقَ ، عَنْ بَكُو بْنِ عَنَا بِي
 عَبْدِاللهِ عِلِيدٍ قَالَ : مَازَارَمُسْلِمُ أَخَاءُ الْمُسْلِمَ فِي اللهِ وَللهِ إِلَّا نَاذَاهُ اللهُ عَنَ وَجَلَّ : أَيْتُهَا الزُّ ائِرُ طِبْتَ وَظَابَتْ لَكَ الْجَنَّةُ .
 ظابَتْ لَكَ الْجَنْـةُ .

اا - فرما یا حضرت الدعب دالشعلیات الم نے جوسلمان البنے بھائی کی زیادت کومحف فوسٹنودی خدا کے انکلتا ہے تو الشعز وعب اس کوندا دیتا ہے توفق اور حجمہ سے جنت فوش رہے۔

١١ ـ عُنَّ بَنُ يَحْلَى، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَنْ أَحْمَدَ بَنْ عَنِ ، وَعِدَّ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بَن زِيَادٍ ، جَمِيعاً ، عَن ابْنِ مَحْبُونِ ، عَنْ أَبِي أَيْوَبُ ، عَنْ أَبِي جَمْفُر الللهِ قَالَ : إِنَّ لِللهِ عَنْ وَجَلَّ جَنَّةً لَا يَنْ مَحْبُونِ ، عَنْ أَبِي جَمْفُر الللهِ قَالَ : إِنَّ لِللهِ عَنْ وَجَلَّ جَنَّةً لَا يَنْ مَحْبُونِ ، عَنْ أَبِي جَمْفُر اللهِ قَالَ : إِنَّ لِللهِ عَنْ وَجَلَّ جَنَّةً لَا يَدْخُلُهُمُ إِلاَّ مُلَّالًا وَلَا مُؤْمِنَ فِي اللهِ ، وَرَجُلُ الْأَنْ لَا يَدْخُلُهُمُ إِلَّا مُلْأَقُهُمْ فِي اللهِ ، وَرَجُلُ الْمُنْ أَنْ الْمُؤْمِنَ فِي اللهِ ، وَرَجُلُ الْأَنْ أَنْ الْمُؤْمِنَ فِي اللهِ ، وَرَجُلُ الْأَنْ الْمُؤْمِنَ فِي اللهِ ، وَرَجُلُ الْمُؤْمِنَ فِي اللهِ ، وَرَجُلُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ ، وَرَجُلُ اللهُ اللهِ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ الللهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ الللّهِ اللّهِ اللّهِ الللّهِ الللّهِ اللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ اللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ اللللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ اللّهِ الللّهِ الللللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللّهِ الللللّهِ الللّهِ الللللّهِ الللللّهِ الللللّهِ الللللّهِ اللللّهِ الللللللّهِ اللللّهِ الللللّهِ الللللّهِ الل

اا۔ قرمایا او جعقرعلیالسلام نے کہ اللہ تعال کی ایک جنت الیں ہے کہ اس میں تین ہی قسم کے لوگ واقل مہوں گے ایک وہ جس نے ابنے نفس پرحق کے ساتھ حکم کیا ہوگا وہ سرے وہ جس نے توشنود کی خدا کے بعے ابیٹے ہرا درمومن کی زیارت کی مہو تیسرے وہ جس نے اپنے عمومن مجعائی کومحف ٹوشنود کی خدا کے گئے اپنے اوپر ترجیح دی ہرگ۔

١٢ - عَنَّ بَالْجِعْنِي، عَنْ كَيَّابِنِ الْحُسَيْنِ، عَنْ كَيْبِنِ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ بَزِيعٍ، عَنْ صَالِحِ بْنِ مُقْبَةً عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ مُقَلِقَهُ بِنَ عَبْدَاللهِ بْنِ مُقَلِقَهُ مَنْ الْمُجْعَفِي ، عَنْ أَبِي جَعْمَر بِلِهِ قَالَ: إِنَّ الْمُؤْمِنَ لَبَحْرُجُ إِلَى أَخِيهِ يَزُورُه فَيُوكِلُ اللهُ عَنْ عَنْ عَبْدَاللهُ مَنْ لَهِ مَلَكَا فَيَسَعُ جَنَاحاً فِي الأُرْسِ وَجَنَاحاً فِي السَّمَاء يُظِلَّهُ ، فَإِذَا دَحَلَ إِلَى مَنْ لِهِ نَادَى عَنْ الْمَعْنَلِهِ نَادَى عَنْ اللهِ مَنْ لِهِ نَادَى عَنْ اللهِ مَنْ لِهِ نَادَى عَنْ اللهِ مَنْ لِهِ نَادَى مَنْ لِهِ نَادَى مَنْ لِهِ نَادَى اللهِ مَنْ لِهِ مَلَكَا فَيَسَعُ جَنَاحا فِي اللهِ مَنْ اللهِ مَنْ لِهِ نَادَى اللهِ مَنْ لِهِ نَادَى اللهِ مَنْ لِهِ نَادَى اللهِ مَنْ لِهِ اللهِ مَنْ لِهِ مَلَى اللهِ مَنْ لِهِ اللهِ مَنْ لِهِ اللهِ مَنْ لِهِ اللهُ اللهِ مَنْ لِهِ اللهُ مَنْ لِهِ مَلْكُ أَلْمُ اللهُ مَنْ لِهِ اللهُ مَنْ اللهِ مَنْ لِهِ اللهُ مَنْ لِهِ مَلْكُ اللهُ ال

١٢- فريايا الم محمد با قرمليدا سلام في كرجب بنده مومن اواده كرتلب كرابينه بها أى زيارت كري توخدااس

پر ایک فرشتے کو مقرر کرتاہے وہ اپنا ایک یازوزین پر رکھتاہے اور دوسراآسمان پر اور جب تک وہ اپنے گھر کی طرف و فے اس پر سایہ کئے دہتاہے۔ اللہ تعالیٰ تدا کرتاہے اے میرے بندے! میرے من کی منطبت کرنے والے میرے بنی کے آثار کا آبا کرنے والے تین بزرگ قائم کے خامیرای پہتے توجھے سے سوال کریں تھے دوں گا، توجھ سے دعاکر، میں تبول کردں گا اگر آ چپ دہے گا تومیں ابتداد کروں گا۔ جب وہ اپنے گھری طرف کو شاہرے توفرسفتہ سایہ اپنے پرول در کرتا ہوا پہتے چبات ہے فدائے تعالیٰ اس سے کہتا ہے کہ اے میرے من کی منظمت کرنے والے تیرا اکام مجھ پر لان م ہے میں ہنے اپنی جنت کو تجھ پر واجب کیاا ور لہنے پاندوں کے لئے تیری شفاعت کو قبول کیا۔

١٣ ـ ماالِحُ بْنُ مُعْبَةَ ، عَنْ عُقْبَةَ ، عَنْ أَي عَبْدِاللهِ تَلْتَكُمْ قَالَ : لَزِيْارَةُ ٱلْمُؤْمِنِ فِي اللهِ خَلْيُرٌ مِنْ عَنْقِ عَشَرَدِقَابٍ مُؤْمِنَاتٍ ، وَمَنْ أَعْنَقَ رَقَبَةً مُؤْمِنَةً وَقَلَى كُلُّ عُمْوٍ عُمْواً مِنَ الشَّارِ حَتْنَى أَنَ ٱلفَرَجَ مِنْ عَنْقِ عَمْواً مِنَ الشَّارِ حَتْنَى أَنَ ٱلفَرْجَ مَنْ الْفَرْجَ .

ساار فریا یا حفرت ایوعیدا نشرعیدانسدم نے کرخوشنودی خدا کے لئے کسی مدمن کی زیادت کرتا بہترہے وس غلام آنڈ او محد فسے جوایک مومن خلام آنڈ اوکرے کا تواس کا ایک ایک عضو آن اوکر نے واسے کے ہرعضوکو آتش جہنم سے نجا ت وسے کا پہاں شکہ کرنشرمنگا ہ تک کوبچائے گا۔

١٤ عَالِحُ بُنُ مُعْبُهَ عَنْ مَقُوْانَ الْجَمْرالِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِيهِ قَالَ : أَيَّمَا ثَلاَعَةِ مُؤْمِنِينَ اجْتَمَعُواعِدُدَانِحَ لَهُمْ ، يَا أَشُونُ بَوَائِقَةً وَلا يَخَافُونَ غَوْائلَهُ وَيَرْجُونَ مَاعِنْدَهُ ، إِنْ دَعَوَّااللهَ أَجَابَهُمُ وَإِنْ مَاكِنَهُ اللهُ أَخُلُاهُمْ وَإِنْ مَكَنَوُا ابْتَدَاّهُمْ مَا عَنْدَهُ ، إِنْ دَعُوااللهَ أَجَابَهُمُ وَإِنْ مَكْنَوُا ابْتَدَاّهُمْ مَا عِنْدَهُ وَإِن اسْتَزَادُوا ذَادَهُمْ وَ إِنْ مَكَنَوُا ابْتَدَاّهُمْ مَا عَنْدُوا اللهَ عَلَيْهُ مَا عَنْدُوا اللهَ الْمُعَلَّمُ مَا عَنْدُوا اللهَ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهَ عَلَيْهُ اللهَ عَلَيْهُ اللهَ عَلَيْهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّه

مهار فرایا حفرت اوعبد الذهلداسة مدار الرتين ايد موس اين بهائ كه پاس مع مهول جواس كه بلاك كرف واله جهالان فرايا حفرت او عبد الذهلية مين الدون اورجواس كه بلاك كرف واله جا بلان فتق ول سعيد توت بهول اورجواس كه بلان أمب المحت مهول اورجواس كه باس بهواس كه بلف كه امب المحت مهول آوان تداكر ما وكا ول و حا ول كو قبول كرتا بيد اورجووه ما فكت بي ان كوع ملاكرتا بيد اكر زيا و تى جا بي توزيا وه كرتا اور اكر ما فكف سد كيب رئي تواپن طرف سعد تيا بيد -

٥١ - عَلَيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ ابْنِ أَي عُمَيْرٍ ، عَنْ أَي أَيْوُبَ قَالَ : سَيْعَتُ أَبَاحَمْزَةَ يَقُولُ : سَيْعَتُ الْمَاحُمْزَةُ لِلْلِفَيْرِ ، يَطْلُبُ بِهِ ثَوَابَ اللهِ وَتَنَجُّرَ مَنْ ذَارَ أَخَاهُ أَلْمُؤْمِنَ فَيْ لَالِفَيْرِ ، يَطْلُبُ بِهِ ثَوَابَ اللهِ وَتَنَجُّرَ مَا وَعَدَهُ اللهُ عَزَ وَجَلَّ وَجَلَّ بِهِ سَبْعَهِنَ أَلْفِ مَلَكِ ، مِنْ حَمِنَ يَخْرُجُ مِنْ مَنْ لِلاِ حَتَى يَعُودَ اللهِ عَنْ مَنْ لِلاِ حَتَى يَعُودَ اللهِ عَنْ مَنْ لِلاِ حَتَى يَعُودَ اللهِ عُنْ اللهِ عَنْ مَنْ لِلاِ حَتَى يَعُودَ اللهِ عَنْ مَنْ لِلاِ عَنْ مَنْ لِلاِ حَتَى يَعُودَ اللهِ عَنْ مَنْ لِلاِ عَنْ مَنْ لِلاِ عَنْ مَنْ لِلاِ مَنْ عَنْ لِلاِ مَنْ عَنْ لِلاِ مَنْ عَنْ لِلْهِ عَنْ مَنْ لِلْا عَلَيْ مَنْ مَنْ لِلا عَلَيْهِ مَنْ عَنْ لِلْا عَلَيْهِ مَنْ عَنْ لِلْا عَلَيْهِ مَنْ عَنْ لِلْاللّهُ عَلَيْكُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ مِنْ اللّهُ عَلَيْكُوا اللهِ عَنْ عَنْ اللّهِ عَلَيْهِ مَنْ لَا لَهُ عَنْ مَنْ لَا عَلَيْمُ اللّهُ عَنْ مَنْ لِلْا عَلَيْمُ اللّهُ عَلَيْكُ مِنْ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ مَنْ لَا لَهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ مِنْ مَنْ لِلْالْهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ مِنْ مَنْ لَا عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهِ عَلَيْكُ اللّهِ عَلَيْكُ مِنْ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُ مِنْ لَا عَلَيْكُ مِنْ لَا عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ مِنْ اللّهِ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ مِنْ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَالِهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ الللّهُ عَلْمُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

۱۰۵ ابوایوب نے بیان کیا کہ میں نے ابوجمزہ کوکہتے سنا۔ ہیں نے امام موسیٰ کا ظم ملیالسلام سے شناہے کہ جمہ نے بڑادا مومن کی زیارت بغی*کسی فوض کے محفی فو*شنودی فدا کے لئے کی آوفدا اس پرستر فرشتوں کو معسین کرتاہے کہ جب سے وہ گھرسے نکط اور جب یک وہ گھرواہیں جلستے یہ کہتے رہی خوشش رہوا درجنت تجھسے توشش رہے اس کے لئے جندی میں رہنے کے لئے ایک گھرمخصوص کیا جا آلہے۔

١٦ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِمِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلَقِ ، عَنِ الشَّكُوْنِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ عَلِي قَالَ: فَالَ أَمْبُرُ ٱلْمُؤْمِنِينَ كَلِيَّكُمُ ؛ لِقَاءُ الْإِخُوانِ مَغَنَمْ حَبَيْمٌ وَإِنْ قَلْوُا

، ۱- فوطیا حفرت الوعبدالله علیه اسلام نے کدامیر لمومنین علیه اسلام نے فرایا سے اسپنے مجعالیّوں کی ملاقات اگرجیم تھوڑی دیر کے لئے ہوبہت بڑا اجرد کھتی ہے۔

دوسوچدوال باب

(باب المُضافَحة) ٢٠٧

١ عدّ أَهُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ مِنْ غَيْهِ ، عَنِ أَبْنِ فَضَّالِ، عَنْ ثَعْلَبَةَ مِنْ مَيْمُونٍ عَنْ يَحْيَى ابْنِ زَكْرِيتًا ، عَنْأَي عُبَيْدَة قَالَ : كُنْتُ زَمْبِلَ أَي جَمْفِي عِلَا وَكُنْتُ أَبْدَأُ بِالرَّكُونِ ، ثُمَّ يَرْكُبُ مُوْمَ فَإِذَا اسْتَوَيْنَا سَلَمَ وَسَالَلَ مُسَامَلَة رَجُلِ لَاعَهْدَ لَهُ بِسَاحِيهِ وَصَافَحَ ، قَالَ: وَكُانَ إِذَا نَزَلَ فَرْكُبُ مُومَ فَإِذَا اسْتَوَيْنَا سَلَمَ وَسَالَلَ مُسَامَلَة رَجُلِ لَاعَهْدَ لَهُ بِسَاحِيهِ وَصَافَحَ ، قَالَ: وَكُانَ إِذَا نَزَلَ فَرْلَ فَلَى فَإِذَا اسْتَوَيْنَا سَلَمَ وَسَامَلَ مُسَامَلَة مَنْ لَاعَهْدَلَهُ بِصَاحِيهِ ، فَقُلْتُ : يَا ابْنَ دَسُولِ اللهِ فَإِذَا اسْتَوَيْنَ مَنْكُ مَنْكُ مَنْ لَاعَهْدَلَهُ بِصَاحِيهِ ، فَقُلْتُ : يَا ابْنَ دَسُولِ اللهِ إِنَّ لَنَهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْدُهُ أَنَا مَا يَفْعَلُهُ أَحَدُ مِنْ قِبَلَنَا وَإِنْ فَعَلَ مَنَ لَا عَلَى اللهُ عَنْدُهُ وَلَا اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْدُهُ اللهُ اللهُو

ا ، رادی کمتناهی می امام محد با قرطیدانسلام کا بم کجاده تفا اور سرجگدی بیلے سوار بوتا تفا اور حفرت لعدی جب بم شمیک بوبسی تحق توحفرت سلام کرتے اور اس طرح احوال پُرسی کرتے جیسے اس شخص سے جوع صدسے ندملا بہوا ور کیچرمصا فی

AND LANCOTAR CONTRACTOR STABLES TO STABLES T

کرتے اور پورمعا فی کرتے جیب منزل پراترنے کا وقت آنا تو تھے پہلے اتر تے اور جب ہم ڈمین پر بدیرہ جاتے توسلام کرتے اور اسی طرح احوال پرسی کرتے جیبے مدت کے بعد لحنے والے سے کہ جاتی ہے۔ میٹے کہا یا بن رسولُ اللّٰ دا آپ وہ عمل کررہے ہیں جو ہما کر ختہر والے نہیں کرتے ، ایک بادم تو تو فیریہ تو بار بارہے۔ فرما یک یا تم نہیں جانے کر مصافی کا کیا فائدہ ہے۔ جب مومنین ملنے اور معافی کرتے ہیں تو ان کے گناہ اس طرح چھڑ جلتے ہیں جیسے موسم خوال میں درخت کے بیتے۔ اللّٰم ال دونوں کی برنظر رحمت دیکھت لہے۔ جب تک وہ دونوں ایک درمرسے سے جواموں۔

٢ - عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ فَعَثْ إِلَى ، عَنْ عَلِي بْنِ عُفْبَةَ ، عَنْ أَنِي خَالِدٍ ٱلقَمْ اللهِ ، عَنْ أَنِي جَعْفِر عِلَيْ اللهِ عَنْ أَنْدَ بِهِيا ، فَعَافَحَ أَشَدَ هُمَا حُبَنَ أَلِطا حِبهِ .
 قَالَ: إِنَّ ٱلْمُؤْمِنِينَ إِذَا الْتَقَيَّا وَتَطَافَحُ أَذَخَلَ اللهُ يَدَهُ بَيْنَ أَيْدِ بِهِيا ، فَعَافَحَ أَشَدَ هُمَا حُبَنَ أَلِطا حِبهِ .

۲ رحفرت امام محدبا قرعلیالسلام سے مروی ہے کرجب دومومن طبتے ہیں ا درمعا فی کرتے ہیں آو خدا کا دستِ رحمت ان کے ہاتھوں کے درمیان ہوتا ہے اورمعا فی ان کے درمیان مجست کو بڑھا آباہے۔

٣- ابْنُ فَشَالِ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عُقْبَةً ، عَنْ أَيْتُوبَ ، عَنِ السَّمَيْدَعِ ، عَنْ مَالِكِ بْنِ أَعْبَنَ الْجُهُنِيّ عَنْ أَلْكِ بْنِ أَعْبَنَ الْجُهُنِيّ عَنْ أَلْبُوبُنِيّ عَنْ أَلْكُوبُنِيّ إِذَا ٱلْنَقْيَافَتَطَافَحًا أَذْخَلَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ يَدَهُ بَيْنَأَيْدِ بِمِاوَأَقَبَلَ مَنْ أَلَيْ جَعْفِرٍ يَلِيلِا قَالَ : إِنَّ الْمُؤْمِنِينَ إِذَا أَتَهْلَ اللهُ عَزَّ وَجَلّ بِوَجْهِهِ عَلَيْهُمًا تَحَاتَتُ عَنْهُمَا الذَّانُونِ فَيَ عَلَيْهُمًا تَحَاتَتُ عَنْهُمَا الذَّانُونِ كَمَا يَتَحَاتُ الْوَرَقُ مِنَ الشَّجِرِ.

سورحضرت امام محدیا قرطیدار الم مصدنقول ب کرامیرا لمومنین علیدار المام نے فرطیا جب دوموس طنے بی اور معافم کرتے بی توفداک رحمت کا کا تھان کے کا تھوں کے درمیان ہوتاہے اور معافی سے ان کے درمیان بہت زیادہ محبت بیدا ہوتی ہے اور جب النزان کی طرف متوج ہوتا ہے توان کے گناہ اس طرح کرجاتے ہیں جیسے موسم خزاں میں درخت سے بیتے۔

٤ - عَلِي بَنُ إِبْرَاهِبِمَ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِي عُمَدْرٍ، عَنْ هشام بن سالِم ، عَنْ أَبِي عُبَيْدَةَ الْحَدَّ اه عَنْ أَبِي عُبَيْدَةَ الْحَدَّ اللهُ عَنْ وَجَلَّ عَلَيْهُ لِمَا يَوْجُهِهِ وَتَسَاقَطَتْ عَنْ أَبِي جَعْفِهِ عَلَيْهُ لِمَا يَسَاقَطُ الْوَرْقُ مِنَ الشَّجِرِ .
 عَنْهُمَ الذَّ ثُوْبُ كُمَا يَشَا فَطُ الْوَرْقُ مِنَ الشَّجِرِ .

٧ - حفرت الم محد با قرطيد السلام نے فرايا ہے كرجب دومومن مل كرمعا في كرتے ہي تو الله تعالى ان كى طهرف متوجہ ہوتا ہے اوران كے گذاء اس طرح كرتے ہي جيے درخت سے پتتے -

٥ - عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا، عَنْ سَهْلِ بَنِ زِيَادٍ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ كَالَّهِ بَنِ أَبِي نَصْرٍ، عَنْ صَفُوال ٱلجَمَّالِ عَنْ أَبِي عَنْ أَمَدُ بَنَةِ إِلَى مَكَّةً، فَنَزَلَ عَنْ أَبِي عَبِيدَةً الْحَدُّاء قَالَ : زَامَلُتُ أَبًا جَمْفَرِ إِلَيْلٍ في شِقِ مَحْمِلٍ مِنَ الْمَدينَةِ إِلَى مَكَّةً، فَنَزَلَ

ن زبان المنظمة المنظم

في بَعْضِ الطَّريقِ ، فَلَمَّاقَضَى خَاجَنَهُ وَعَادَ قَالَ : هَاتِ يَدَكَيْااً أَبَاعُبَيْدَةً فَنَاوَلُنَهُ يَدَى فَغَمَزَهُ ا حَتْمَى وَجَدْتُ الْأَدْنَى فِي أَصَّابِهِي ، ثُمَّ قَالَ : يَاأَبَاعُبَيْدَةَ مَامِنْ مُسُلِمٍ لَقِيَ أَخَاهُ الْمُسُلِمَ فَصَافَحَهُ وَ شَبَّكَ وَجَدْتُ الاَّذَى فِي أَصَّابِهِ إِلاَتَنَاثُرَتَ عَنْهُما ذُنُوبُهُما كَمَا يَتَنَاثُرُ الْوَرَقُ مِنَ الشَّجِرِ فِي ٱلْيَوْمِ الشَّاتِي أَصَابِعَهُ فِي أَصَّابِهِ إِلاَتَنَاثُرَتَ عَنْهُما ذُنُوبُهُما كَمَا يَتَنَاثُرُ الْوَرَقُ مِنَ الشَّجِرِ فِي ٱلْيَوْمِ الشَّاتِي

۵-ابوجبیده سے مروی ہے کہیں حفرت امام محد با قرعلیہ اسلام کے ساتھ ایک مجمل میں مدینہ سے مکہ کک سفر کیا حقات ایک محمل میں مدینہ سے مکہ تک سفر کیا حقات ایک میں منزل پر اتھ ہے جب مرد بات سے فارغ ہوئے تومیرے پاس آکر فرمایا۔ اینا ہاتھ لاؤ میں نے ہاتھ اسھایا ۔ حفرت نے اسے انسان دوسرے سلمان سے حفرت نے اسے انسان دوسرے سلمان من من منسان دوسرے سلمان مان کرتا ہے اور اس کی انگیری میں اپنی انگلیال داخل کرتا ہے تواس کے گناہ اس طرح کرتے ہیں جیے فعلی خزال میں دوستے ۔ کستے ہے تواس کے گناہ اس طرح کرتے ہیں جیے فعلی خزال میں دوستے ۔ کستے ہے ۔

٢- عَلَيُ بْنُ إِبْرُاهِم، عَنْ عُلَيْبَنِ عِيشَى، عَنْ يُونسُ، عَنْ يَعَنَى الْحَلَبِي ، عَنْ مَالِكِ الْجُهَيْتِ قَالَ: قَالَ الْمُحَمِّفُو اللهِ الْكُهَمَّةُ اللهُ وَكَمَالاً يَقَيْدُ اللهُ وَمَعْ اللهُ وَكَمَالاً يَقَيْدُ عَلَى صِفَةِ اللهِ فَكَمَالاً يَقَيْدُ عَلَى صِفَةِ اللهِ كَذَاكِ لا يَقَدِيدُ عَلَى صِفَةِ اللهِ كَذَاكِ اللهُ وَمِنْ اللهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ وَمِنْ اللهُ وَاللهُ اللهُ اللهُولِي اللهُ ال

۱۰ قربایا امام ممدیا قرطیدانسلام ندار ما اکستم بمادر سنید به کیاتم نداس پرخورنہیں کیا تم نے کوتا ہی کی ہے ہمارے اور امار اس مردیا قرطیدانسلام نداک صفت بیان کرنے پرتا درنہیں اسی طرح ہمادی صفت بیان کرنے پرتھی قددت نہیں رکھتا اور اسی طرح مومن کی صفت سے بیان کرنے پر بھی قادر نہیں سومن جب مومن سے ملتا ہے اور مصافی کرتا ہے تو ان کی طرف نظر حمد سے مستقد جب تک وہ جدا نہیں ہوتے ہیں ان کی طرف نظر حمد سے بیتر جب تک وہ جدا نہیں ہوتے ہیں جوابیا ہو۔ اس کی صفت بیان کرنے پرکھے تعدت ہوگا۔

٧ ـ عُنَّدُ بْنُ يَحْيَى، عَنْ أَحْمَدَ بِنُ عَبِينِ عَهِسَى، عَنْ عُمَرَ بْنِ عَبْدِ الْعَزِيزِ ، عَنْ عُمَرَ بْنِ عَبْدِ الْعَزِيزِ ، عَنْ عُمَرَ بْنِ عَبْدَ الْعَزِيزِ ، عَنْ عُمَرَ هَا أَمَا عَنْ عُمَرَ اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَاللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى

۱۰ الوجمزد نے کہا کہمی حضرت امام محدد باقر علیدالسلام کے مقسفر کرد ہاتھا جب ہم سواری سے اترے تو حفرت کچھ دور چلے ، پھر میرے ہاں آئے اور میرا ہاتھ اپنے ہاتھ میں لے کر دور سے دبایا۔ میں نے کہا کیا میں آئے اور میرا ہاتھ اپنے ہاتھ میں لے کر دور سے دبایا۔ میں نے کہا کیا میں آپ کے ساتھ محمل میں نہ تھا فر مرایا کیا تم نہمیں جانتے کر جب مومن تھوڑی سی حرکت کر کہ پنے بھائی سے معما فوکر تلبید تو فددان دونوں کو بہ نظر رحمت در کھتا ہے اور کہتا ہے اور کہتا ہے اور کہتا ہے اور کہتا ہے در فت سے بتے۔ جب کے دوجود امیر در در ان کا کوئی گناه با تی نہیں دہتا۔

٨ - عَلَيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ عَنْ هِمْامِ بْنِ مَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 عَالَ: مَأَاتُهُ عَنْ حَدِّ الْمُمَافَحة ، فَقَالَ: رَوْرُنَخْلَةٍ .

۸ - دا دی کمتا ہے۔ میں فے حفرت الوعبد الشر علیہ اسلام سے پوچھاکد استحباب مسافی کمتنی دوری کے بعد ہے فرمایا بقدر ایک درخت و فرماک مثال کے۔

ه - عَنْ مَنْ يَحْنَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبْنِ عَبْلى ، عَنْ كَثَرَبْنِ سِنَانِ ، عَنْ عَمْرِ و بْنِ اللَّه فَرَقِ الْحَنْ أَنِي عَبْلَى ، عَنْ كَثَرَبْنِ سِنَانِ ، عَنْ عَمْرِ و بْنِ اللَّه فَرَقِ الْحَنْ أَبِي عُبْنِينَ إِذَا تَوَادَى أَحَدُهُما عَنْ صَاحِبِهِ بِشَجَرَةٍ ثُمَّ الْتَقْبَا أَنْ يَتَسَافَحًا .
 التَقْبَا أَنْ يَتَسَافَحًا .

۹- فرمایا امام محدیا قرطیدالسلام ندمومتین کوچا چیئ کرجب ایک سرے سے بقدر ایک درخت کے الگ بهول آو مجور دونوں معا فی کریں ۔

٠١. عِدَّةٌ مِنْ أَمْحَايِنَا ، عَنْ أَحْمَد بَنِ عَيْدِ خَالِدٍ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَايِهِ ، عَنْ عَيْدِ بِنِ الْمُنَذَى عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عُيْدِ بِنِ الْمُنَذَى عَنْ أَبِي جَعْمَر عِلِي قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُؤْتِو : إِذَا لَتَى أَبِيهِ ؛ عَنْ عُشْمَالٌ بَنِ ذَيْدٍ ، عَنْ جَبَايِرٍ ، عَنْ أَبِي جَعْمَر عِلِي قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُؤْتِكَة ؛ إِذَا لَتَى أَحَدُ كُمْ أَخَاهُ فَلْيُسُلِمُ عَلَيْهِ وَلَيْمُافِحْهُ ، فَإِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ أَكْرَمَ بِذَٰلِكَ المَلائِكَة فَاسْنَعُوا مُسْتَعَ الْمَلائِكَة .

١٠ فرايا امام محدبا قرطيالسلام نے كدرسولُ الشرنے فرايا جب تم ميں سے كونُ ابنے بھا لُ سے طے تو چلہيئے سلام كرے ا ا ودمعا نى كرے خدانے اس معا فرسے ملاكم كو كرم بنايا ہے ہيں تم بھی مەكرد چر ملاً ككر تے ہيں ۔

١١ - عَنْهُ ، عَنْ تُخْذِبْنِ عَلِيّ ، عَنِ ابْنِ بَقْ الْحِ ، عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيْرَةَ ، عَنْ عَمْرِ وَبْنِ شِهْرٍ، عَنْ جَالِم مَنْ أَبِي جَمْفَرِ مِنْ قَالَ . قَالَ رَسُولُ اللهِ رَالْمُنْظِيّ ؛ إِذَا أَلْتَقَيْتُمْ فَنَلَاقُوا بِالنَّسْلَيمِ وَالنَّصْافُحِ

ا فَا زَمِينَ الْمُعَادِّتُهُ وَمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادُتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعِلِّقُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعِلِّقُولُ الْمُعَادِّتُهِمُ الْمُعَادِّتُهِمُ الْمُعَادِّعُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِينُ الْمُعَادِينُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادِّعُ الْمُعَادِّتُهُمُ الْمُعَادُ الْمُعَادِينُ الْمُعَادِّعُمُ الْمُعِلِّذِالْمُعِلِّعُ الْمُعِلِينَانُ الْمُعَالِمُ الْمُعَادِّعُمُ الْمُعَادِينُ الْمُعَادِتُهُمُ الْمُعَادِينُ الْمُعَادِّعُمُ الْمُعَادِينُ الْمُعَادِينُ الْمُعِلِّعُ الْمُعَادِّعُ الْمُعَادِينُ الْمُعِلِّعُ الْمُعْمِعُمُ الْمُعِلِّعُ الْمُعِلِّعُ الْمُعِلِمُ الْمُعِلِّعُ الْمُعِلْمُ الْمُعِلِمُ الْمُعِلِ

وَإِذَا تَقَرَّ قُنْمُ فَتَفَّرٌ قُوا بِالْإِسْتِفْفَارِ

۱۱ - حفرت امام محد باقرعلیا نسلام نے قربایک رسول الشرنے فربا پہنے جب تم ایک دومرسے طو توسسلام اورمعما فی کر وا ورجد امہونے دقت استخفار۔

١٧ - عَنْهُ ، عَنْ مُوسَى بْنِ الْقاسِم ، عَنْ جَدِّهِ مُعاوِيَةً بْنِ وَهْبٍ أَوْ غَيْرِهِ ، عَنْ رَذِينِ ، عَنْأَ بِي عَنْأَ إِي عَنْ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْمَ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْمَ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْمَ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْمَ اللهِ عَلَى اللهَا عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَ

۱۱ رحفرت الوعبد الله على السلام نے قربا باكرجب معمان غزوات ميں رسول الله كاساتھ جلتے اوراليى جگه سے گزر بوتا جهاں كھنے درخت ہوتے پومحواميں نطقة اورا يك دوسرے كود كيعة تولمعا فحكرتے۔

۱۳- فرمایا ۱ مام محد با قرطیرانسلام نے جب کوئی مصافی کرتاہی اپنے ساتھیسے ۔ بس جوہا تھیں ہاتھ ڈالے دہے اس کا مرتبراس سے زیادہ ہے جومعا فخرختم کرے ران دو نوں کے گنا ہ اس طرح فتم ہوجاتے ہیں کہ محرکوئی گئناہ باتی نہیں وہتا۔

۵٠/۱۸ مونهٔ ق ۱۱۰ استاق بن محارسه مروی به کرین حفرت الوعید الشرطید اسام کی خدمت بن آیا حفرت ندیری ون خفته دیکها مین ندیکها کی خدمت بن آیا و جهست ناداخ کیا جس چیز نیج کوتیر سه بهائیوں سے ناخوش کیا اے اسماق مجے خبر لی به که تو نه دروانه پر دربان بن ایا ہے تاکر وہ نقرار شیعہ کو بھے اس دو کے دیں نے کہا کہ بین نے ایسا اس نے کیا ہے تاکہ ان کا امدور فت میری شیعیت کی شہرت مزبود قرایا توقے فلانت کی مصیبت کا خیال دیکیا کیا بھے یہ معلم نہیں کہ جب دوموس فرکرتے ہیں تو فداکی رحمت ان دونوں پر نازل جوتی ہے اور سومیں سے ننا فرے حقے مجت کے ان دونوں کو فلانت کی مصیبت کا خیال دیکیا ہی تجھید معلم نہیں کہ جب دوموس فرکرتے ہیں تو فداکی رحمت ان دونوں پر نازل جوتی ہے اور حب دہ باتیں کرتے ہی تو ان کے محافظ فرشت کی خوالی دونوں خلاف فرنے نی نازے میں نے میں تو ان کے محافظ فرنے نی نازے میں تو ان کے ماکھا فدا نے بہیں از کول مان نہیں اور دی کھی کہ ان کے باس ایک سی میں نی محمد فرایا ۔ اے اسمات اور دیکھتا ہے۔ فرایا کول کون کون کوسنتا اور دیکھتا ہے۔ میں مورات کوسنتا اور دیکھتا ہے۔

١٥ ـ عَنْهُ ، عَنْ إِسْمَاعِهِلَ بْنِ مِهْرَانِ ، عَنْ أَيْمَنَ بْنِ مُحَرِّنْ ، عَنْ أَبِيعَبْدِاللهِ يَهْلِ قَالَ: مَاصَافَتَ رَسُّولُ اللهِ وَالْمُعْلِدُ رَجُلاَقَطْ فَنَزَعَ يَدَهُ حَشَّى يَكُونَ هُوَالَّذِي يَنْزِعُ يَدَهُ مِنْهُ .

۵۔ فرطیاحفرت ابوعبدالنڈ علیدہ سلام نے کہ دسولؓ النّدجیب مصافحہ کرتے توابیٹنا یا تھکہی نہ ہڑاتے جیب تک دومرا مشخص اپنا پارٹون میٹاتا۔

17 _ عَلِيُّ بِنُ إِبْرَاهِبِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَشَادٍ ، عَنْ دِبْعِيْ ، عَنْ ذُرْارَةَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عَلَيْكُ فَالَ : سَمِعْتُهُ يَقُولُ : إِنَّ اللهَ عَزَّ وَجَلَّ لأيوُصَفُ وَكَيْفَ يُوصَفُ وَقَالَ في كِتَابِهِ : هوَمَاقَدَرُوااللهَ حَقَّ قَالَ : سَمِعْتُهُ يَقُولُ : إِنَّ اللهَ عَزْ وَجَلَّ لأيوُصَفُ وَكَيْفَ يُوصَفُ عَبْدٌ قَدْرِهِ اللهَ يُوصَفُ وَكَيْفَ يُوصَفُ عَبْدٌ اخْتَجَبَ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ بِسَبْعِ وَجَعَلَ طَاعَتَهُ فِي الْأَرْشِ كَطَاعَتِهِ [في السَّمَآء] وَقَالَ: هوَمَا آتَا كُمُ الرَّ سُولُ احْتَجَبَ اللهُ عَنْ وَجَلَّ بِسَبْعِ وَجَعَلَ طَاعَتَهُ فِي الْأَرْشِ كَطَاعَتِهِ وَمِنْ عَصَاهُ فَقَدْ عَصَانِي وَمَا آتَا كُمُ الرَّ سُولُ الْحَبْدُوهُ وَمَا نَهُ كُمْ وَالْمَا عَنْ وَهُو السَّلَا وَاللهُ وَمَنْ عَصَاهُ فَقَدْ عَصَانِي وَمَنْ عَصَاهُ وَالْمُؤْمِنُ لا يُوصَفُ وَإِنَّ اللهُومِ وَمَنْ اللهُ عَنْ وَهُو الشَّكُ وَالْمُؤْمِنُ لا يُوصَفُ وَإِنَّ المُومِينَ اللهُ عَنْ وَهُو الشَّكُ وَالْمُؤْمِنُ لا يُوصَفُ وَإِنَّ الْمُؤْمِنَ لا لاَنُوصَفُ وَإِنَّ الْمُؤْمِنَ لا يُوصَفُ وَإِنَّ الْمُؤْمِنَ اللهُ عَنْ وَهُو الشَّكُ وَالْمُؤْمِنُ لا يُوصَفُ وَإِنَّ الْمُؤْمِنَ لا يَوْصَفُ وَإِنَّ اللهُ الل

۱۶- فرمایا ابوجعفرعلیدانسلام نے کرفداوندعالم کا وصف کاحق بیان نہیں کیا جاسکتا اور کیوں کربیان کیاجا سکتا درآ نحالیک وہ اپنی کتاب میں فرما تاہے بہودیوں نے نہیں تعظیم کی اللہ کی ، جوحق تعظیم کرنے کا ہے بس جو کھی وصف اس کا بیان کیا جائے گا وہ اس سے تغیم تر بوگا اس طرح بنی کا دھ ف بھی بیان نہیں کیا جاسکتا۔ اور کیے بیان کیا جاسکتاہے اس بند ہے کا دھ ف جس کے لئے فدا نے سات آسما فوں کے پر دے اس اور نہیں پر جس کا الماعت مثل اپنی اطاعت کے قواد دی بہدا ورفر مایا بھو۔ رمول جو جمہیں دے وہ ہے نوا در جس سے منع کرسے اس سے دک جاد اور جس نے اس کو الماعت کی اس نے فداکی اطاعت کی اور جس نے اس کی تا فرانی ک اس نے میری نافرانی کی اور اپنے معاملات ان کے مپرد کرد بیٹے اور ہمسادا وصدف بھی بیان میں نہیں آسکتا اور کیے آتے۔ فدانے ہم کو جس سے دور دکھاہے اور رجس میں شک بیا ورمومن کا وصف بھی بیان نہیں کیا جاسکتا کیوں کر جب مومن ، مومن سے معا فوکرتا ہے نوفعا نظر رحمت سے ان کو دیکھتاہے اور ان کے گناہ اس طرح گرجاتے ہیں جیے درختوں کے بیٹے۔

١٧ - عُمَّدُ بَنُ يَحْيَىٰ ، عَنُأُ حَمَدَ بِنِ تَهَوِينِ عَسِم ، عَنْ عَلِيّ بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ فَضَيْلِ بْنِ عَمْانَ عَلَى عَنْ النَّعْمَانِ ، عَنْ فَضَيْلِ بْنِ عَمْانَ عَنْ أَيْ عَلَيْهُ عَلَى عَنْ أَلْمُو عَنْ وَكُو هِمِهِ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ وَعَلَيْهُ عَلَيْهُ عَنْ وَجُوهِ مِهِ عَلَيْهُ عَنْ وَكُو عِيهِ عَلَيْهُ عَلَى عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَ

۱۵ و ما ما دنی آل مخرخ جب دوموس بل کرمها فی کرتے ہیں آوا لنٹر تعالیٰ ان دونوں ک طوت توج کرتا ہے اور ان دولوں سے کنا ہ محو ہوجاتے ہیں جب تک وہ جدا ہوں۔

١٨ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيِّ ، عَنِ السَّكُوْنِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللَّهِ عَالَ قَالَ تَمَانَحُوافَإِنَّهُا تَذَهْبُ بِالسَّحْهِمَةِ .

١٨- قرمايا حفرت الوعب والشرعي السلام ني كرمها فحد كردكروه دل سع صدا ودكين كو دود كرديت ليه-

19- فرما یا حفرت ابوعیدوالله علیالهدام نے کم حذیقہ نے دسول الله سے ملاقات کی تو آپ نے اپنا یا تھ حذیفہ کی طرف بڑھایا انھوں نے اپنا ہا تھ زبر کھایا ۔ حفرت نے فرمایا - اے عذیق میں نے معما نوے لئے اپنا ہا سخ بڑھایا ۔ تم نے اپنے ہا سے کو مجھ کورو کے رکھا - مذیفہ نے کہا یا دسول اللہ ا آپ سے معدا نوکرنے کی دخیت تمام مضاکو ہے دیسکن میں جنب ہوں ہیں نے پسندنہ کیا کہ محالت جنابت میراہاتھ آپ کے ہاتھ کومس کرسے حفرت نے فرایا یتم نہیں جانتے کہ جب دوسلمان ملتے اورمصافی کرتے ہیں توان کے گنا ہ اس طرح گرتے ہیں جیسے ورخت سے بنتے۔

٢- الحُسَيْنُ بنُ عُنَّ ، عَنْ أَحْمَد بْنِ إِسْحَاقَ ، عَنْ بَكْرِ بْنِ عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَثْ إِسْحَاقَ أَنْ وَكَذَٰ لِكَ مَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَثْ إِسْحَاقَ بْنَ عَثْ إِسْحَاقَ بْنَ عَثْ إِسْحَاقَ بْنَ عَثْ إِسْحَاقَ بْنَ عَثْ إِسْحَاقَ بَا لَهُ عَنْ إِسْحَاقَ بْنَ عُثْ إِلَيْهُ لِللَّهُ لِللَّهُ لِللَّهُ لِلْ يَقْدُدُ قَدْدَ اللَّهُ عَنْ وَجُوهِهِمْ حَثْمَى مَنْدَاللَّهُ وَمِن ، إِنَّهُ لَيَلْقَى أَخَاهُ فَيَصَافِحُهُ فَيَنْظُر اللهُ إِلَيهُمْ إِلَا وَالذُّ نُونُ تَتَحَاتُ عَنْ وُجُوهِهِمْ حَثْمَى يَعْشَرِ فَا ، كَمَا تَتَحَاتُ عَنْ وُجُوهِهِمْ الشَّدِيدَةُ الرّبِحُ الشَّديدَةُ الْوَرَقَ عَنِ الشَّجَرِ.

۲۰ فرطیاحفرت ابوعبدالشرطیراسلام نے کرفداک قدرت ومرتبہ کا اندازہ کو گنہیں کوسکتا۔ اس طرح نبی کے مرتبہ کا اندازہ کو گنہیں کوسکتا۔ اس طرح نبی کے مرتبہ کا اس طرح موس کے مرتبہ کا کیوں کرجب وہ اپنے بھائی سے ملتب ادرمصافی کر کا اس سے تو الشرب نظر رحمت ان کی طرف ویکھند ہے اور جب تک وہ جدا ہوں گناہ ان سے اس طرح کرتے ہیں جیسے ورخت سے بیتے۔

٢١ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ عُبِينَ عِيشَى ، عَنْ يُونِّسَ ، عَنْ رِفَاعَةَ فَالَ : سَمِفْتُهُ يَقُولُ :
 مُضَافَحَةُ الْمُؤْمِنِ أَفْشَلُ مِنْ مُضَافَحَةِ المَلائكِةِ .

٢١ رحفرن الوعيدا للّه عليا لسلام نه فسنرايا يمومن سعمصا فح كرنا بهنزي يدنسيت ملاً مكر سعمصا فح كرتے سے ۔

دوسوسات وال باب معانقه

٥ (بِنَابُ الْمُعَا نَقَةِ) ٧٠٤

فُيتِحَتْ لَهُ أَبُواْبُ السَّمَا، فَإِذَا الْنَقَيَاوَتَسَافَحَا وَتَعَانَقَا أَقْبَلَاللهُ عَلَيْهِمَا بِوَجْهِهِ ، ثُمَّ بُالهَى بِهِمَا الْمَلائِكَةُ فَيَقُولُ: انظُرُوا إلى عَبْدَيَ تَزَاوَزا وَتَحَابِنَافِي ، حَقُّ عَلَيَّ أَلَّا أُعَذِ بَهُمَا بِالشَّارِ بَعْدَ هَٰذَا الْمَوْقِيبِ فَيَقُولُ: انظُرُوا إلى عَبْدَيَ هَذَا أَلَوْقِيبِ فَإِذَا انْعَدَى شَيْعِهُ الْمَلائِكَةُ عَدَدَ نَفَسِهِ وَخُطاهُ وَكَلامِهِ ، يَحْفَظُونَهُ مِنْ بَلاهِ الدُّ نَباوَبَوْا تَوْالْآخِرَة فَإِنَّا الْعَدَوْدُ لِمَا اللَّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ مُنْ أَلْمَوْدُو لَهُ مِنْ اللهِ اللهُ ا

ارفرایا حفرت امام محربا قراد وجعف ما دن علیها اسلام نے کہ جب کوئی موس این موس کو رکا ہے اس کا حق بیجان کر توالنڈ اس کے ہرتدم پر ایک صند تکھتا ہے اور ایک گئا ہے اور ایک گئا ہے اور ایک درجہ بلند کرتاہے اور جب وہ تو کرتا ہے اور ایک گئا ہے اور ایک گئا ہے اور ایک درجہ بلند کرتاہے اور جب وہ تو ایک درجہ بلند کرتاہے اور جب وہ تو ایک درجہ بلند کرتاہے اور حقیق تو فعدا ان کی طرف متوجہ موتاہے بھر میا بات کرتا ہوا ملا کہ سے کہتاہے ۔ دمکھو تھی اورجب دو فول بسندوں کو جد ایک دوسوے سے ان کی طرف متوجہ موتاہے بھر میں بات کرتا ہوا ملا کہ سے کہتاہے ۔ دمکھو تھی بیا در آپس می مجت کرتے ہیں میری فوشنودی کے لئے میرے کے سزاوا رہے کہ آپش دو ترخ سے عذاب مذوں ، جب وہ موش ملاتات کرکے بلتاہے تو الل کہ بعدد اس کے بیچے چلے ہی اور اس کے کلام کو دنیا ما فوت کی معین توں سے بیاتے جی اس دات یا اگل درات تک اگر وہ ان دورا توں کے درمیان مرج آناہے تواسے سامل سے معان کو دیا جا آپ کی تا اور کا سامی کے اس کے بیچے جی اس دراس کے کلام کو دنیا ما فوت کی معین نامی کا سامی دنیا رہ کہ اور اس کے لئے بھی ندائی کو اتنا ہی جن ذائر کو اتنا ہی جنشان بارت کرنے وا لااس کے حق کو پہنا بنا ہے تواس کے لئے بھی ندائی کا سامی کا اس می تا اور اس کے لئے بھی ندائی کا درات کو اتنا ہی جنشان بارت کرنے وا لااس کے حق کو پہنا بنا ہے تو الدرات کا درات کا درات کو اتنا ہی جنسان بارت کی اس می تا درات کو ایس کا ہے تو اور اس کے ایک ہورائی درات کو اس کا میں میں تا درات کو ایس کا میں میں تا درات کو ایس کا میں میں تا درات کو ایس کا میں میں تا درات کا درات کا درات کا درات کو ایس کا میں میں تا درات کو ایس کو سے کا درات کو ایس کا میں کو ایس کو ایس کو میں کو ایس کو کی کو کی کو کی کو کی کو کو کو کی کو کو کرتا کو کو کو کو کو کو کی کو کرتا کو کو کو کرتا کو کرتا کو کو کو کرتا کو کو کرتا کو کو کرتا کو ک

٢ علي بن إبراهيم ، عن أبيد ، عن صغوان بن يخبى ، عن إخاق بن عثار ، عن أبي عبدالله عثال الموقع بن إبراهيم ، عن أبي عبدالله عن أبي عبدالله على الموقع بن إذا اعتقا عمر الهما الرّحمة ، فإذا المتركما الأير بدان بدلك الأوجدالله ولا يربدان غرضا من أغراض الله نيافهل للهما الرّحمة ، فإذا الشركما الأير بدان بدلك الموقع المسلمة قالت بربدان غرضا من أغراض الله نيافهل للهما أنه المسلمة قال المسلمة قال المسلمة قال المسلمة وقد المسلمة الله عن المسلمة الله المسلمة الله عن المسلمة الله المسلمة الله المسلمة المسل

﴿ وَمَا يَا الِوَعِيدَا لِللَّهُ عَلِيهُ السَّامِ غَدُمُو مَنِينَ جَبِ مِعا لَذَكَر عَيْنِ تُورِهِتِ خدا اللَّ كولازم قرار دینے بی اور خوشتود کی خدا کا ادا وہ کوتے جی اور اغراض دنیا سے کوئی غرض نہیں ہوتی توان سے کہا جا آ بچھے گناہ معاف کرد پئے گئے ابعل کو پھرسے شروع کر دجب وہ ہات چیت کرنے لگتے ہیں تو ملا کھ آپس ہیں کہتے ہیں کہ ان کے ہاں سے ہمنے گناہ معاف کرد پئے گئے ہیں کو مکن ہے کوئی رازی بات ہوا ورفعدا ملا کرہے چھپانا چا ہتا ہو اسحاق کہتا ہے کہ ہیں نے ہماری یا ملا کہ ان کے الفاظ نہیں لکھتے۔ حالانکہ خدا فرا آ کہ ہے جہ بات ہمی کوئی کہتا ہے۔ تواس کے پاس ایک سخت نکہبان د ہتا ہے حفرت نے بیسن کم کہری سانس لی ۔ پھرا تنا دوئے کہ دیش مبادک آ کنو وک سے ترم کی اور فرایا۔ اے اسحاق اللہ تعالی نے ملا کم کو حکم دیا ہے کہری سانس لی ۔ پھرا تنا دوئے کہ دیش مبادک آ کنو وک سے ترم کی اور فرایا۔ اے اسحاق اللہ تاکہ الفاظ مذاکو ہا تا ہے۔ کہر حمنین جب ہمیں ملیں تو بلحاظ ان کی جلالت سنان ان سے الگ رہیں اور اگر ملا کہ الفاظ مذاکو جا تا ہے۔ مسمجھیں توسروخٹی کا جانے والا فعرا تو جا تا ہے ۔

دوسوآ تفوال باب

ه (باب التَقبيل) ۲۰۸

١ - أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِي الْكُونِي ، عَنْ عُبَيْسِ بْنِ هِشَام ، عَنِ الْحُسَنِ بْنِ أَخْمَدَ الْمِنْقَرِي ، عَنْ يُؤْنُسَ بْنِ ظَبْيَانٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِي قَالَ: إِنَّ لَكُمْ لَنَـُورًا لَكُمْ وَنُونَ بِهِ فِي الْحُمَدَ الْمِنْقَرِي ، عَنْ يُؤُنُسَ بْنِ ظَبْيَانٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِي قَالَ: إِنَّ لَكُمْ لَنَـُورًا لَهُ مُؤْنِي اللهُ نَيْا ، حَتَمَى أَنَّ أَحَدَكُمْ إِذَا لَتِي أَخَاهُ قَبَلَهُ فِي مَوْنِيعِ النَّوْرُمِنْ جَبْهَنِهِ ،

ا - فرایا الوعبد الله علیدالسلام نے ہتھارے لئے ایک فور سے جس سے تم دنیا میں ہمجانے جائے ہوجب تم میں سے کوئ اپنے بھائی سے ملے تواس کی بیٹیا نی کو جو مقام فور ہے ہوسد دے۔

٢ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ، عَنْ أَبِيهِ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْسٍ، عَنْ دِفَاعَةَ بْنِ مُوسَى، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ الله

٢ سفوایا ا بوعبدالنّرعلیدانسلام نے که نه پوسه دیا جلنے کسی کے سرکون پاستھ کوسوائے دست دسول با حس کودسول اللّہ نے چایا مودیعتی وصی دسول)

٣- عَلِيٌّ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِأْبِي عُمَيْر ، عَنْ زَيْدِ النَّرْسِيّ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ مَزْيَدِ طاحِبِ السَّابِرِيِّ فال: دَخَلْتُ عَلَىٰ أَبِي عَبْدِ اللهِ عِلِيِّ فَتَنَاوَلْتُ يَدَهُ فَقَبَّ لْنَهُا، فَقَالَ الْمَا إِنَّ الْاتَصَلْحُ إِلَّا لِنَبِيّ أَوْوَصِيّ نَبِيّ

۳- دا دی کہتنا ہے ہیں حضرت ابوعبداللر کے پاس کیا ہیں نے ان کا ہاتھ اٹھا یا اور بوسد دیا۔ فرطیا سوائے نبی یا ومی بنی اورکسی کے لئے درست نہیں ۔

عَنْ يَوْنُسَيْنِ يَعَقُوبَ قَالَ: عَنَ الْحَجْالِ ؛ عَنْ يُونُسَيْنِ يَعَقُوبَ قَالَ: قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللهِ عِلِيدٍ: نَاوِلْنِي يَدَكَ أُ قَبِلُهٰ فَأَعْطَانِهُمْ ، فَقَلْتُ : جُعِلْتُ فِذَاكَ رَأْسَكَ فَفَعَلَ فَقَبَّلْتُهُ قَمُلْتُ : جُعِلْتُ فِذَاكَ رِخِلَبْكَ ، فَقَالَ : أَقَسَمْتُ ، أَقْسَمْتُ ، أَقْسَمْتُ . ثَلاثاً . وَ بَقِيَ شَيْءٌ ، وَ بَقِيَ فَعُيْ مَنْ ، وَ بَقِيَ شَيْءٌ ، وَ بَقِيَ شَيْءٌ ، وَ بَقِيَ شَيْءٌ ، وَ بَقِي شَيْءٍ ، وَ بَقِي شَيْءٌ ، وَ بَقِي شَيْءً ، وَ بَقِي شَلْكَ ، وَ بَقِي شَيْءً ، وَ بَقِي سَاءً ، وَ بَقِي مُ اللَّهَ الْمَاءً ، وَ بَقِي مُ اللَّهَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهُ اللّهِ اللّهُ اللّه اللّه

٧ - دادى كېتىپ ئى نى نى ابوعبدالله على السام سى كهاكدا پنى ئاسى د سبير تاكدى بوسد دى، بىس حفرت نى ما تقوير حايا يى نى كېراسر جى دىن نى اس برىمى بوسى ديا يىن نى كېرا و د بير كيمى د فرايا - توفىت كما أن قىم كھا أن مې تين بار باقى دى ايك چيزياتى دى ايك چيزياتى دې، ايك چيز د بس اسى مى بوسىدىنا چاہيئے -

ه عُمَّدُ مُنْ يَحَيْلُ عَنِ الْمَمْرُ كِنِي بْنِعَلِيّ عَنْعَلِيّ بْنِجَعْمْرٍ ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ عَلَيْكُ قَالَ : مَنْ قَبْلُلُ لِلرَّحِيمِ ذَاقَرْا بَهِ فَلَيْسَ عَلَيْهِ شَيْءٌ ؟ وَقُبْلَةُ الْأَخِ عَلَى الْخَدِّ وَقُبْلَةُ الْإِمَامِ بَيْنَ عَيْسَهِ .

۵ ر فربایا امام موسیٰ کاظم علیدا سلام نے اگر کوئی اپنے نہیں دستند دار کے چیرہ یا باتھ پر لوسد دے توکوئی معفا کُھ نہیں اور بھائی کے دخیا دیا ہے۔ اور بھائی کے دخیا دیا ہے۔

٢- وَعَنْهُ ؛ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ تُعْدِيْنِ خَالْمِ ؛ عَنْ عُنْدِيْنِ سِنَانِ ؛ عَنْ أَبِي الصَّبَّاحِ مَوْلَىٰ آلِسَامِ ؛ عَنْ عُنْدِينِ سِنَانِ ؛ عَنْ أَبِي الصَّبَّاحِ مَوْلَىٰ آلِسَامِ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِياللَّهِ عَالَىٰ اللَّهُ عَلَى الْغَمِ إِلَّالِللَّ وَجَةِ [أ]والولدالصَّغبير .

٩- فرمايا الوعيد الشرعليوا المام في ذوج اور الفل صغيرك و بن بر لوسرويا چا جيه -

د وسو نووال باب

"مَذْكُرة الاتواك ربين وَرنسان المِمرر مت كاباعث من (بابُ تَذَاكُر الإِخُوانِ) ٢٠٩

١ ـ عِذَ أُ مِنْ أَصْحَابِنَا ؛ عَنْ أَحْمَدَ بَنِ كُلِّي بِينَ خَالِدٍ ؛ عَنْ أَبِهِ ، عَنْ فَضَالَةَ بَنِ أَيْلُوبَ، عَنْ عَلِيِّ

ابْنِ أَبِي حَمْزَة قَالَ : سَمِمْتُ أَبَاعَدِ اللهِ إِلَيْهِ مِقُولُ : شَبِعَتُنَا الرُّ حَمْآهُ بَيْنَهُمْ ؛ الَّذَبِنَ إِذَاخَلُواذَكَرُوااللهَ [إِنَّ ذِكْرَنَامِنْ ذِكْرِ اللهِ] إِنَّا إِذَاذُكِنْ نَاذُكِرَ اللهُ وَإِذَاذُكِرَ عَدُو أَنا تُذَكِرَ الشَّيْظانُ .

ا- على بن همزه سعمروى بيدكرين في الوعب والتوعليدان المام سع سنا- بهماد مع بن همزه سعم وي بير وسمرت بر وهم كرف والت بين جب وه خلوت بين بهوته بين توالله كاذكركر ته بين - بهما دا ذكر الله كاذكر بي جب بهما و اذكر كيا جاشے كا تو توالله كا ذكر بهوكا ا ورجب بهمارے وشمن كا ذكر بوكا توشيطان كا ذكر بوگا۔

۲ دو مرسان کا در میمان کنوملیدالسلام نے فرایا۔ ایک دوسرے کی نیارت کروہ تھادی فریارت سے تھادے فلوپ فرندہ میں می موں کے اور مہماری احادیث کا ذکر موکا اور مہماری احادیث ایک کو دوسرے پر مبر بان بنائیں گااگرتم ان سے فیفی حاصل کروگے قوہدایت پاڈ کے اور مجات حاصل کروگے اور اگران کو چھوڑ دو کے تو گراہ مہوجا ڈ کے اور مہلک بہوجا ڈ کے ان احادیث کو لیے دبہو میں متھاری نجات کا ضامن مہوں۔

٣ _ عِدَّ مَّ مِنْ أَسْخَابِنَا ؛ عَنْ سَهْلِ بِن ذِيَادٍ ؛ عَنِ الْوَشَاءِ ؛ عَنْ مَنْصُورِ بِن يُونُسَ، عَنْ عَبَادِ بَنِ كَشَيْرِ قَالَ : قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللهِ إِلِيَّةِ عَنْ سَهْلِ بِن ذِيَادٍ ؛ عَنِ الْوَشَاءِ ؛ عَنْ مَنْصُورِ بِن يُونُسُ ، عَنْ عَبَالِهِ بَهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ مِنْ فَالُوا ؛ قِفُوافَقَدْ أَسَبْنُم خَاجَتَكُمْ سِوَى الكِرَامِ الكَاتِينَ ؛ فَإِذَا مَنْ وَالْفَوْمِ يَذْكُرُونَ عَنَا أَوْ اللهُ عَلَيْهُ فَالُوا ؛ قِفُوافَقَدْ أَسَبْنُم خَاجَتَكُمْ سِوَى الكِرَامِ الكَاتِينَ ؛ فَإِذَا مَنْ وَاعَادُوا مَرْضَاهُمْ وَشَهِدُوا جَنَائِزَهُمْ وَتَعَاهَدُوا غَائِبَهُمْ قَذْلِكَ المَجْلِسُ فَيَعَلَيْهُ مَنْ مَعْهُمْ فَإِذَا فَامُوا عَادُوا مَرْضَاهُمْ وَشَهِدُوا جَنَائِزَهُمْ وَتَعَاهَدُوا غَائِبَهُمْ قَذْلِكَ المَجْلِسُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْ لَا يَشْفَقُ اللهُ عَنْ عَلْهُ اللّهُ الْعَلْمُ وَسُودُ وَاعَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ الْمُعَلِّلُ اللّهُ اللّهُ الْعَلَيْلُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللللهُ اللهُ ا

۳-عبارہ نے کہا۔ میں نے حفرت الوعبد الله علیہ اسلام سے کہا۔ میں گزراایک داستان گزرا ہی مندالات کی مدی کرنے والا کرنے والا) کی طرف سے۔ وہ کہدرہا تھا۔ یہ وہ مجلس ہے جس میں شرکت کرنے والا شقی نہیں ہوتا۔ فرمایا حفرت نے ہہ بات حق سے دور ہے ان کی کول گڑھے میں ہے یعنی با خانہ کرر ہے ہیں (نجاست بھیلار ہے ہیں) اللاکے کچھ فرختے ہیں۔ علاوہ کراماً کا تبین کے جو گھو ہے رہتے ہیں جب وہ ایسے اوگوں کی طرف سے گزرتے ہیں جو ذکر آل محمد کرتے میں تو کہتے ہیں محمر حبا وُرتم نے اپن

النافيس المنظمة المنظم

حرورت کوبالیا-پس ده بیر بیشته به با ورعلم دین میں ان کی لموا فقت کرتے بیں اور جب کولتے میں توان کے بیمیا روں ک عیادت کرستے میں اور ان کے جنا زول بیں سشر کیے مہوتے ہیں اور محافظت کرتے ہیں اور ان سے سا فرد ل کی ہے ہے کہ وہ مجلس جس میں بیٹھنے والاشقی نہیں بہوتا۔

٤ ـ عُنَّا بُنُ يَحْنِى ، عَنْ أَحْمَد بِنَ عَبْنِ عَبْسى، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنِ الْمُسْتَورِدِ النَّحْمَيّ عَسَنْ رَوَاهُ ، عَنْ أَبِي عَبْدَالِهِ لِطَّعَلَى قَالَ : إِنَّ مِنَ الْمَلائِكَةِ اللَّذِينَ فِي الشَّمَاءَ لَيُعْلِمُونَ إِلَى الْوَاحِدِ وَالْإِشْيَنِ وَالْمَالَاثَةِ وَهُمْ يَذَكُرُونَ فَضُلَ الْرُغَةِ قَالَ : فَتَقُولُ ؛ أَمَا تَرَوْنَ إِلَى هُولًا فَي قِلْتِهِ وَكُثَرَة عَلَّهُ هِمْ وَالنَّلَاثَة وَهُمْ يَذَكُرُونَ فَضُلَ الرُغَة قَالَ : فَتَقُولُ الطَّائِقة أَلا خُرَى مِنَ المَلاثِكَة : ذَلِكَ فَضُلُ الله يُؤْتِيهِ مَنْ يَضَالُ الله يُؤْتِيهِ مَنْ يَشَاءُ وَالله دُوالفَضْلِ الْمَطْيِم.

٣٠ فرمایا الدعبدالله علیالسلام نے کربعق ملاکھ جوآسمان پین ہیں آگا ہ ہوتے ہیں ایے ایک دویا تین سے جو ذکر کرتے ہیں قضیلت آل محکہ کا حضرت نے فرمایا ۔ وہ فرشنے کی ہس میں کہتے ہیں کرتم ان لوگوں کو نہیں دیکھتے کہ با دجود اپنی تلت اور دشمنوں کی کڑت کے یہ قفیلت آل محکم کو سیان کرتے ہیں حفرت نے فرایا ملاکہ کا دومراکروں کہتلہ ہے اللہ کا ففل ہے جے چاہتا ہے عفاکر تلہے اور اللہ معا حب ففل منظیم ہے۔

٥ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُمَّا ، عَنِ ابْنِ فَعَثْالِ ، عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ مَشِيرٍ ، عَنْ أَبِي جُعْنَارِ عَنْ أَبِي جُعْنَارِ عَنْ أَبِي جُعْنَارِ ، عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ مَشِيرٍ ، عَنْ أَبِي جُعْنَارِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ أَبِي وَاللهِ إِنَّا للنَّحْلُو وَتَتَحَدَّ ثُونَ وَتَعَوَّلُونَ مَا شِيْئَتُمْ ؟ فَقَلْتُ : إِنْ وَاللهِ إِنَّا للنَّحْلُو وَتَتَحَدَّ ثُونَ وَتَعَوِّلُونَ مَا شَيْئَمْ ، فَقَلْتُ : إِنْ وَاللّهِ إِنَّا لَلْخَلُو وَتَتَحَدُّ ثَوْلَ مَا مِنْ اللهِ وَدِينِ مَلائِكَتِهِ فَأَعِينُوا بِوَرَعِ وَاحْتِهَا دِ .
 ربحكم والربي والله وال

۵-د اوی کهتلهها مام محد با قرطیدالسلام نے مجھ سے فرمایا تم خلوت کرتے ہوا در بات چیت کرتے ہوا درج چاہتے ہو کہتے ہو چی نے کہا ہے نشک ہم خلوت میں بات چیت کرتے ہی اور فعائل آئ کم محد کے متعلق جرچاہتے ہیں بیان کرتے ہی حضرت لے ڈوایا حیرا دل چاہتے کہ ایسے مواقع ہر چیں بھی تحصارے سامتہ ہوتا - خدا کی تسم میں دوست دکھتا ہوں تحصاری توت کوا در تحصاری جانوں کو بے شک تم دیں خدا ہرا و داس کے ملاکم کے دین ہرجو ہس تم اس ک مدد کرو ہر ہزرگا دی اور کوشش سے۔

١ الْحُسَنُ بُنُ عُمِّى ؛ وَ عُقَدَبُنُ يَحْلَى ، جَمِيماً ، عَنْ عَلِي بَنِ عَبَدِينِ سَفَدٍ ، عَنْ عَبَدِينٍ مَنْ عَلَى بَنِ عَبَدِينٍ سَفَدٍ ، عَنْ عَبَدِينٍ مَنْ عَبَدِينٍ مَنْ عَبَدِينٍ مَنْ عَبَدِينٍ مَنْ عَبَدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مِنْ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مِنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينِ مَنْ عَبْدِينِ مِنْ عَبْدِينِ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينٍ مَنْ عَبْدِينِ مِنْ عَبْدِينِ مَنْ عَبْدِينِ مِنْ عَنْ عَبْدِينِ مِنْ عَبْدِينِ مِنْ عَبْدِينِ مِنْ عَبْدِينِ مِنْ عَبْدِينِ مِنْ مِنْ عَنْ عَبْدِينَ مِنْ عَبْدِينِ مِنْ عَبْدِينَ مِنْ مَنْ عَبْدِينِ مِنْ عَلْمِ مِنْ عَبْدِينَ مِنْ مَا عَبْدَمْ عَلْمَ عَبْدَ مِنْ عَبْدَ مِنْ عَلْمِ مِنْ مِنْ عَلْمِ مِنْ مِنْ عَلْمُ مِنْ مِنْ مِنْ عَبْدِينِ مِنْ مَنْ عَبْدَالِهُ مِنْ مِنْ عَلْمِ مِنْ مِنْ عَلَيْكِ مِنْ مِنْ عَبْدَالِهِ مُنْ مُنْ مُنْعِينِ مِنْ مُنْ عَبْدُ مِنْ مِنْ مَنْ عَلْمُ مِنْ مِنْ مِنْ مُنْع

بِخَبْرِ أَشَنُوا وَإِنِ اسْتَعَادُوا مِنْ شَرِّ دَعَوُ اللهِ لِبَصْرِ فَهُ عَنْهُمْ وَإِنْ سَأَلُوا خَاجَةً تَشَفَعُوا إِلَى اللهِ وَ سَأَلُوهُ تَضَاهًا وَمَا اجْتَمَعَ ثَلاَنَهُ مِنَ الْجَادِدِينَ إِلْاحَضَرَهُمْ عَشَرَةً أَضْعافِهِمْ مِنَ الشَّياطِينِ ، فَإِنْ تَكَلَّمُوا تَكُلَّمَ الشَّيَاطِينِ ، فَإِنْ تَكَلَّمُوا تَكُلَّمَ الشَّيَاطِينِ بِنَحْوِ كَلامِهُمْ وَإِذَا ضَعِيكُوا صَعَيكُوا مَعَهُمْ وَ إِذَا نَالُوامِنُ أَوْلِيَاهِ اللهِ نَالُوامِعَهُمْ فَمَنِ الْبُمُلِي الشَّيَاطِينَ بِيمْ فَإِذَا خَاصَوُا فِي ذَلِكَ فَلْيَقُمُ وَلا يَكُنُ شِرْكَ شَيْطَانِ وَلا جَلِيسَهُ، فَإِنَّ عَضَبَ اللهِ عَنْ وَجَلَّ مِنَ الْمُقُومِينَ بِهِمْ فَإِذَا خَاصَوُا فِي ذَلِكَ فَلْيَقُمْ وَلا يَكُنُ شِرْكَ شَيْطُانِ وَلا جَلِيسَهُ، فَإِنَّ عَضَبَ اللهِ عَنْ وَجَلَّ مِنْ الْمُعُومُ لَهُ شَيْءٍ وَلَمْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَيْهِ وَلَي مَا اللهِ عَلَيْهِ وَلَي مَا اللهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ وَلَي مَا اللهِ عَلَيْهُ وَلَي مَا اللهِ عَلَيْهِ وَلَي مَاللهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَي اللّهُ عَلَيْهُ وَلَوْ مَعْلَى اللهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ وَلَي مَا اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَى اللّهُ وَلَا عَلَيْهُ مَا لَهُ عَلَيْهُ وَلَالِكُونُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْحَلَى اللّهُ عَلَيْهُ وَلَيْهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللللللللللللللّهُ

ے۔حفرت امام موسیٰ کا فلم علیال الله نے فرمایا کرٹیبطان اور اس کی ٹولی کے نیٹے سب سے ڈیا وہ تکلیف دہ جیسز برا دوان ایمان کا ن سبیں اللہ ایک دوسر سے سنا ہے۔ فرمایا جب دومومن ایک جا ہوکر اللہ کا ذکر کرتے ہیں اور ہم المبیت کے فضائل ہیان کرتے ہیں تو المیس اپنے چرو کوئری طرع نوج ڈوانڈ ہے اور کپھر در دکی شدت سے اس کا روح چیتی ہے جلاتی اور فریاد کر قدیدے طائکہ اسمان اور جنت کے فائل فرضتے یہ معلوم کر کے اس پر لعنت کرتے ہیں چھرکو کی فرسٹتہ ہے لعنت نہیں دسہتا اور وہ ذکسیل وناکام اور د اندہ بن کردہ جاتا ہے۔

मंग्री है अपने के मार्ग के मार

دوسو دسوال باب مومن کونوش کرنا

(بنائ) ۱۱۰ (بنائ) ۱۱۰ (بنائ) ۱۵ (بنائی ۱۲۰ (بنائی ۱۲۰

١ عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِزِيَادٍ ، وَتُعَرِّبْنِ يَحْيَىٰ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ كُثَّوِبْنِ عِهسَى جَمْعِعاً .
 عَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَخْبُوبِ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ الثَّمَالِيّ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاجَعْفَرِ اللّهِ يَقُولُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ رَالْمُؤْمِنَا عَنْ مَتْ اللهِ مَنْ سَرَّ نِي فَقَدْ سَرَّ اللهَ .
 مَنْ سَرَّ مُؤْمِنًا فَقَدْ سَرَّ نِي وَمَنْ سَرَّ نِي فَقَدْ سَرَّ اللهَ .

د ابوعمزه نے بیان کیا کرا مام محد با قرطی اسلام نے فرما یک رسول الشرنے قرطیا۔ جس نے بندہ مومن کوخوش کیا اس نے مجھ خوش کیا اس نے الشرک خوش کیا۔

٢ _ عَدَّةٌ مِنْ أَضْخَامِنَا ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَبَّرِبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ رَجُلٍ مِنْ أَهْلِ ٱلْكُوْفَةَ يُكَنَّى أَبَا عُتَوٍ ، عَنْ عَمْرِوبْنِ شِمْرٍ ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفَ رِ اللّهِ قَالَ : تَبَشُّمُ النَّ جُلِ فَي وَجْهِ يُكَنَّى أَبَا عُبَّرٍ ، عَنْ عَمْروبْنِ شِمْرٍ ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفَ رِ اللّهِ قَالَ : تَبَشُّمُ النَّ جُلِ فَي وَجْهِ أَخَبِهِ خَسَنَةٌ وَضَرَّفُ ٱلْقَذَى عَنْهُ حَسَنَةٌ وَمُاغِيدَالله بُشَيْءٍ أَحَبَّ إِلَى اللهِ مِنْ إِدْخَالِ السَّرُورِ عَلَى ٱلْمُؤْمِنِ .

۲۔ حفرت ۱۱م محد با قرعلدالسلام نے فرطیاکہ اپنے موس بھائی کو دیکھ کرنبسم کرنا نیسکی ہے اور اس کی آ زندگی کو دودکرنا نیک سے اور خدا کی مجبوب ترین عبادت یہ ہے کہ مومن کوٹوشش کیا جائے۔

٣ - عَنَّ عَبْدِاللهِ إِنْ يَحْدَى ، عَنَّ حَمَدَ بْنِ عَبْسَى ، عَنْ عَبْدِ بْنِ سِنَانٍ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بنِ مُسْكَانَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بنِ مُسْكَانَ ، عَنْ عَبْدِ الْوَصْافِي قَالَ : سَمِفْ أَبَاجَعْفَى عَلَيْكُ يَقُولُ : إِنَّ فَبِمَا نَاجَى اللهُ عَرَّ وَجَلَّ بِهِ عَبْدَهُ مُوسَى الْمَالِ قَالَ : إِنَّ لَي عِبَاداً أَ بِيحُهُمْ جَنَّنِي وَا حَكِدُ هُمْ فَبِهَا قَالَ : يَارَبِ وَمَنْ هُولًا اللّذِينَ عَبْدَهُ مُوسَى المَالِ قَالَ : إِنَّ لَي عباداً أَ بِيحُهُمْ جَنَّنِي وَا حَكِدُ هُمْ فَبِهَا قَالَ : يَارَبِ وَمَنْ هُولًا اللّذِينَ تَبْعِخُهُمْ جَنَّنَكَ وَتُحَكِيمُهُمْ فَبِهَا ؟ قَالَ : مَنْ أَدْخَلَ عَلَى مُؤْمِنِ شُرُوراً ، ثُمَّ قَالَ : إِنَّ مُؤْمِناً كَانَ ثَبِيخُهُمْ جَنَّنَكَ وَتُحَكِيمُهُمْ فَبِهَا ؟ قَالَ : مِنْ أَدْخَلَ عَلَى مُؤْمِنِ شُرُوراً ، ثُمَّ قَالَ : إِنَّ مُؤْمِناً كَانَ فَي مَمْلَكَةً جَبَادٍ فَوَلَعَ بِهِ فَهَرَبُ هِنَهُ إِلَى ذَادِ الشِّرْكِ ، فَنَوْلَ بِرَخْلِ مِنْ أَهْلِ الشِّرْكِ فَأَظَلَهُ وَ أَرْفَقَهُ فَلَ مُعْمَلِكَةً جَبَادٍ فَوَلَعَ بِهِ فَهَرَبُ هِنَهُ إِلَى ذَادِ الشِّرْكِ ، فَنَوْلَ بِرَخْلِ مِنْ أَهْلِ الشِّرِكِ فَأَظَلَهُ وَ أَرْفَقَهُ وَأَضَافَهُ فَلَمَاحَضَرُهُ الْمَوْتُ أَوْحَى اللهُ عَنَّ وَجَلَ إِلَيْهِ وَ عِزَ تِي وَجَلالِي لَوْكَانَ [لَكَ] في جَنَّتِ وَأَضَافَهُ فَلَمَاحَضَرُهُ الْمَوْتُ أَوْحَى اللهُ عَنْ وَجَلا إِلَيْهِ وَ عِزَ تِي وَجَلالِي لَوْكَانَ [لَكَ] في جَنَّا

مَسْكَنُّ لَا شَكَنْتُكَ فَبِهَا وَلَكِذَّ لِمُمْخَرَّ مَهُ عَلَىٰمَنَ مَاتَ بِي مُشْرِكًا وَلَكُنَ يَا نَازُهَ بِدِيهِ وَلَا تُؤْدِيهِ وَيُؤْتَىٰ بِرِزْقَهِ طَرَفَتِي النَّهَارِ ، قُلْتُ : مِنَ الْجَنْدَةِ؟ قَالَ : مِنْ خَيْثُ هَا مَاللَهُ.

. . * فرخسیع در علی مرمهی بی خراد العقول میں اس عدیث کوضعیف مکیعامین منزک پرجودی کا ذکریت وه مجعنی انتہا ہ ہے۔ بعد مورث -

٤ .. عَنْهُ عَنْ بَكْ رِبْنِ طَالِحٍ عَنِ الْمَحْسَنِ بْنِ عَلَيْ عَعَنْ عَيْدِ اللهِ بْنِ إِبْرَاهِهِمْ عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحُسَيْنِ عَلَيْ مَ عَنْ عَلَيْهِمْ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ أَبِي عَلِيّ بْنِ الْحُسَيْنِ عَلَوْاتُ اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ وَجَلّ إِذْ خَالُ الشّرُ وَعِلَى اللهُ وَعَنْ اللهُ عَمَالِ إِلَى اللهِ عَنْ وَجَلّ إِذْ خَالُ الشّرُ وَعِلَى اللهُ وَمَنِينَ .

ا مع مع مع من وتورسول فدا على الشعليه والم وسلم غفرا يأكم فداست تفال ك نزد يكسسب سي زيا وه عمود باعل موس ك على الموس ك المن من الما المن مرود كا داخل كونلي -

و عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِبِم ، عَنْ أَبِيدٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُؤْنٍ ، عَنْ عَبْدِاللَّهِ بْنِ سِنَانٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ عَبْدِي اللَّهُ عَنْ أَبِي الْحَسَنَةُ وَالْبِحُهُ جَنَّتَنِي وَالْحَسَنَةُ وَاللَّهِ وَاللَّهُ اللَّهُ عَلَى عَبْدِي الْمُؤْمِنِ سُرُوراً وَلَوْ بِنَمْرَةِ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى عَبْدِي الْمُؤْمِنِ سُرُوراً وَلَوْ بِنَمْرَةِ وَاللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللّهُ ال

۵ - فرمایا حفرت امام ابوعبد التنزعلیانسلام نے کہ وی ک النزنے واقد علیانسلام کوک میرا ایک مبندہ ایک نیک کو شے کرآئے گاتوس اپنی جنت کواس سے لئے مباح کردول کا - واق وعلیانسلام نے فرمایا - اسے مبرے دب وہ نیکی کیاہے فرمایا موس کے دلین خوشی کا داخل کرنا۔ داؤد نے فرمایا۔ اے میرے دب چشخص تیری معوفت رکھتا ہے اس کے لیے سزا وارہے کہ تجھے سے دینی امید کو قوطع مذکرے ۔

٢ - عِدَّةٌ وِنَ أَصْحَايِنًا ، عَنْ أَحْمَدَ بَنُ كَنْ يَبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبِيدٍ عَنْ خَلَفِ بَنِ حَمَّادٍ ، عَنْ أُمِيهِ عَنْ خَلَفِ بَنِ حَمَّادٍ ، عَنْ أُمِيهِ عَنْ خَلَفِ بَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللَهِ عَلَيْ مُلْوَدِهِ أَخَدُ كُمْ إِذَا أَدْخَلَ عَلَى مُؤْمِنٍ سُرُوراً أَنَّهُ عَلَيْ مِهِ ابْنِ عُمْرَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى رَسُولِ اللهِ تَلْلَفِظُهُ .
 أَذْخَلَهُ فَقَعَدُ مِنْ أَلُولَاللهِ عَلَيْ رَسُولِ اللهِ تَلْلَفِظُهُ .

٧- فرما يا الجاعبد التشرعليدالسلام في جوكوني ولي مومن عين مرود واخل كرتاب وه خصرت اس كه ول عين واخل كرتا ب بكرسمار سه ول مين بلكرسول الشرك ول بين -

٧. عَلِيْ بَنْ إِبْرَاهِبَم ، عَنْ أَبِهِ ، وَعُشَّبُنْ إِسْمَاعِبِلَ ، عَنِ الْفَصْلِيْنِ شَاذَانَ جَمِيعاً، عَنْ ابْنِ أَبِي عَلَيْ بَنْ إِبْرَاهِبَمَ إِنْ عَنْ أَبِي الْجَارُودِ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرِ اللَّهِ قَالَ : سَمِعْتُهُ بِمَوْلُ : أَي عُمْيَنِ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرِ اللَّهِ قَالَ : سَمِعْتُهُ بِمَوْلُ : إِنْ أَحْبَ اللَّهُ عَنْ إِبْرَاهِبَمَ إِنْ عَنْ أَبِي الْجَارُودِ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرِ اللَّهِ قَالَ : سَمِعْتُهُ بِمَوْلُ : إِنْ أَنْ مَنْ إِبْرَاهِبَمَ إِنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَمْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الللَّهُ عَلَّهُو

٥- فرما يار الإجعفوعليال العب أكفراك تزديك سب سعائد بإده مميرب على تلب موسى بين سرود كا وافل كزلسها ود و مديم سال كوسيرك تأبياس كة وقد كا جيكا ناسب -

٨ . عَنْ الله مَعْنَى ، عَنْ أَحْمَد بْن عَهْدِهِ عِلْمَ ، عَنِ الْحَسَن بْن مَحْبُوب ، عَنْ سَدِيْرِ الصَّيْرُ فَيْ قَالَ : قَالَ أَبُوعَ بْدَالله عَلَى الله عَن عَلَى عَلَى الله عَن الله عَنْ الله عَن ال

۵۔ فرمایا اوعبداللہ علیالسلام نے کہ ایک عدمین طویل بیں کہ جیدمومن اپنی قبرسے نظے گا تواس ک ختل یا س کام معودت مجی اس کے سائے نکطے گا ہواس کے آگے آگے چلے گا جب قیدا مت کے ہولسناک ستا فرسا شنے آیش کے آواس کام معوق اس سے کے گا خوت رکر دنجیدہ دنہ ہو میں تجھے توسٹ نجری دیتا جوں خوش اورعزت ویزرگی جواللڈ کی طرف سے ہو گی جب وہ مؤتف حساب ہیں آئے گا توفدااس سے تھوڑا ساحساب ہے گا اورجنت میں دا فلرکا حکم دے گا اوراس کا ہم صورت آ کے ہوگا مومن اس سے کچے گا۔ العُدْتِحد مِرِرحم گرسے کیسا اچھا ٹیکنے والاسے توگمیری قبرسے۔ تو ہمیشہ مجھے سرور دکرا مستوفدا کی فوشن فیری ویٹا دیا ہے۔ یہ توسیّت توکون ہے وہ کچے گا میں وہ فوشی ہوں جس کو ٹوٹے اپنے مومن کھا ٹی کے دل میں ڈا الماتھا خدا ہے اسے مجھے خلق کیا ہے ناکریں تھے بشارت دول ۔

٩ - عُمَّا بُن يُعتلى ، عَن عُمَّا بِن أَحْمَد ، عن السّيناري ، عن عَمَين جُمهُو و قال : كان اليّجاشي وَهُورَجُل مِن الله هاقهن علَيْ يَحْراجا و هُومُؤُمِن يَدِين بِطاعَيْك قَان رَأَيْت أَنْ تَكُنْبُ لِي عَدالِهُ عَلَيْبُ : إِنَّ فَي دَبِوانِ اليّجاشي علَيْ خُراجا و هُومُؤُمِن يَدِين بِطاعَيْك قَان رَأَيْت أَنْ تَكُنْبُ لِي إلَيْهِ كِناباً ، قَال : فَي دَبِوانِ اليّجاشي علَيْ خُراجا و هُومُؤُمِن يَدِين بِطاعَيْك قَان رَأَيْت أَنْ تَكُنْبُ لِي إلَيْهِ كِناباً ، قَال : فَكَنَّ إلَيْهِ الله قَلَم عَلَيْ يَعْد وهُو فِي مَجْلِسِه فَلَمْ اخْر ناوله ألكنات حَبِي سُرّ الْحَاك يَسُر الدَالله أَي عَدَوالله عَلَيْ الله عَلَيْ عَلَيْ عَد وَهُو فِي مَجْلِسِه فَلَمْ اخْرَاجُ عَلَيْ فِي دِيوانِك ، فَقَالَ لهُ : وَكَمْهُو ؟ قَال : عَمْرَة أَلا فَي عَدْراف عَلْ وَقَالَ لهُ : مَا حَاجُنك ؟ قَال : خُراجُ عَلَيْ فِي دِيوانِك ، فَقَالَ لهُ : وَكَمْهُو ؟ قَال : عَمْرَة أَلاف دِرْهِم ، فَدَعا كاينِهُ وَأَمَر أُه بِأَد غُل الله عَنْه ثُمَّ أَخْرَجهُ مِنْه وَأَمْر أَن يُشْتِم الله لِقَالِ الله عَنْه ثُمَّ أَخْرَجهُ مِنْه وَأَمْر أَن يُشْتِم الله لَهُ الله عَنْه ثُمَّ أَخْرَجهُ مِنْه وَأَمْر أَن يُشْتِم الله لِقالِ الله عَنْه ثُمَّ عَلَى الله عَنْه ثُمَّ الْمَل له بِعَد وَالْ لَه عَلْ الله عَلْه الله عَلْه فَالَ الله وَمُولِ الله عَلْمَ الله عَلْه الله عَلْه الله عَلْ الله عَلْه الله عَلْه الله عَلْه الله عَلْه الله عَلْه الله عَلْ الله وَرَسُول الله وَمُولِ الله وَمُولِ الله وَمُولِ الله وَمُولُ الله وَمُولِ الله وَمُولُ الله وَمُولِ الله وَمُولِ الله وَمُولُ الله وَمُولُ الله وَمُولُ الله وَمُولُ الله وَمُولِ الله وَمُولُ الله وَمُولًا الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَالله وَالله وَالله وَالله وَالله وَمُؤْلُ الله وَمُولُ الله وَمُؤْلُ الله وَالله وَالله الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَلَا الله وَمُؤْلُ الله وَلَا الله وَلَا الله وَكُولُ الله وَمُؤْلُ الله وَمُؤْلُ الله وَلَمُ الله وَلَا الله وَالله وَالله وَلَا الله وَلَمُ الله وَلَا الله

مجراس فی مکم دیا سواری و بینے کا اور ایک کنیز اور غلام کا اور کہا کہ برصندون کپڑوں کا بھی ہے جائیں نے بچھے توش کیا؟ اس نے کہا ہے شک بخاشی برابرع طیات میں زیادتی ترا دہا۔ جب دے چکا تواس سے کہا یہ فرش بھی لے جا جس پر میں اس وقت بیرخا تھا۔ جب تو نے میرے مولاکا خطر مجھ ویا تھا اور تیری حزور توں کو لیرا کرنے کو سکھا تھا۔ وہ شنعی سب چیزیں ہے کو عفرت ہو عبار علیا لسلام کے پاس آیا اور کل حال بیان کیا۔ حفرت بہت نوش ہوئے اس نے کہایا بن دسول الند آپ ایسے خوش ہیں گویا اس نے جمبرے ساتھ کیا ہے وہ آپ کے ساتھ کیا ہے فرایا خوا کی متم مرت بیں ہی خوش نہیں الندا وراس کے دسول نوش ہیں۔

١٠ أَبُوعِلَيْ الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ عَبَدِالْجَبُّارِ ، عَنِالْحَسَنِ بَنِ عَلِيّ بْنِ فَصَّالِ ، عَنْ مَسْفُودِ عَنْ عَمَّ وَالْمَوْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ أَعْظَمُ مِنْ ذَٰكِ الْوَحَدِّ ثَمْكُمُ لَكَفَرُّتُمْ إِنَّ الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ أَعْظَمُ مِنْ ذَٰكِ الْوَحَدِ ثَمْكُمُ لَكَفَرُّتُمْ إِنَّ الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِ اللّهُ وَاللّهُ وَلّهُ وَلَمْ اللّهُ وَلَمْ اللّهُ وَلِمُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَمْ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُو

مُمَّدُونُ يَحْنِي ، عَنْ أَحْمَدَنِنِ مُغَلِّم ، عَنِا بْنِ فَضَاٰلٍ مِثْلَهُ .

دافل كيا تفادنيامي إين بهائيول كدولين تأكس تحفي بخارت دول اور وحشت مين تيراغمواريول -

١١ - عَنَّدُانِنُ يَعْدَىٰ ، عَنْ أَخْمَدْنِنُ عَنْ عَلِي بَنِ الْحَكَمِ ، عَنْ مَاللِكِ بْنِ عَطِبَّةَ ،عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لَلْجَائِنُ قَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ يَشْرُونَ اللَّهِ عَلَى اللَّهُ وَمِن اللَّهِ عَلَى اللَّهُ وَمِن اللَّهِ عَنْهُ كُرْبَتَهُ . أَوْتَكُيشُفُ عَنْهُ كُرْبَتَهُ .
 تَظُرُدُ عَنْهُ جُوعَنَهُ ، أَوْتَكُيشُفُ عَنْهُ كُرْبَتَهُ .

اارفرایا الوعیدالنشرعلیدالسلام نے کردمول النشرنے فرایا ہے کہ فداکے نزدیک کو ٹی عمل اس سے زیادہ محبوب نہیں کیمومن کو کھانا مجھوک ہیں دسے کوا ور اس کی تکلیف دور کرکے۔ اس کے دل کوٹوش کیا جائے۔

١٢ - عَلِيْ بْنُ إِبْرَاهِمِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِابْنِ أَبِي عَمَيْرٍ ، عَنِالْحَكَمِبْنِ مِسْكِنِ ، عَنَأَبِي عَبْدِالله عَلَى مُوْمِنِ سُرُوراَ حَلَقَ اللهُ عَنْ وَجَلَّ مِنْ ذَلِكَ السُّرُورِ حَلْقاً فَبَلْقاهُ عِنْدَ مَوْتِهِ عَلَى مُؤْمِنِ سُرُوراَ حَلَقَ اللهُ عَنْ وَجَلَّ مِنْ ذَلِكَ السُّرُورِ حَلْقاً فَبَلْقاهُ عِنْدَ مَوْتِهِ فَيَقُولُ لَهُ مِثْلُ اللهِ وَرِضُوانٍ ، ثُمَّ لايزَالُ مَعَهُ حَتَّى يَدْخُلَهُ قَبْرَهُ [يَلْقَاهُ] فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، ثُمَّ لايزَالُ مَعَهُ عِنْدَ كُلِ هَوْلٍ يُبَشِيْرُهُ فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، ثُمَّ لايزَالُ مَعَهُ عِنْدَ كُلِ هَوْلٍ يُبَشِيْرُهُ وَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، ثُمَّ الايزَالُ مَعَهُ عِنْدَ كُلِ هَوْلٍ يُبَشِيْرُهُ وَيَقُولُ لَهُ مِثْلُ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، فَيَغُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مَثْلُ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مِثْلَ ذَلِكَ ، فَيَقُولُ لَهُ مِنْ فَرَالُذِي أَدْ خَلْنَهُ عَلَى فَلانِ .

۱۲-فرایا حفرت الوحید النه علیانسلام نے کرجوا پیٹھومن بھا کی کوش کرتا ہے توالنداس سرورسے ایک مخلوق ۔ کو پیداکرتاہے وہ عندا لموت اس سے مل کرکہتاہے اے ول خدا کچھے خدا کی کرامت ورضوان کی بشارت ہو تجرم پرداخل ۔ مہونے تک بین کہتا دہتاہے جب تجربیصا بھے گا توایسا ہی کچے گا بچوہر ٹم بھول مقام پربشارت دسے گا اور بہی کچے گا وہ مومن کچے گا اللہ تجھ بررحم کرے ۔ توکون ہے ۔ وہ کہتا ہے میں وہ سرور بھوں جو تو نے فلاں مومن کے دل میں داخل کیا تھا۔

١٣ ـ الْحُسِّينُ بَنُ عَبِّم ، عَنْ أَحْمَد بَنِ إِسْحَاقَ ، عَنْ سُعْدَال َ بِنِ مُسْلِم ، عَنْ عَبْدِاللهِ بِنِ سِسْانِ قَالَ : كَانَ رَجُلُ عِنْدَأْ بِي عَبْدِاللهِ عِلِيهِ فَقَرَ أَهْدِهِ اللَّيْمَةُ: ﴿ وَاللَّذِينَ يُؤْذُونَ الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ بِعَيْهِ قَالَ : كَانَ رَجُلُ عِنْدَاللهِ عِبْدِاللهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ الْعَلَمُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْدُورَةً فَقُلْتُ : جُعِلْتُ فِذَاكَ عَشْرُ حَسَنَاتِ فَقَالَ : إِيْ وَاللَّهُ وَاللَّهُ أَلْفُ حَسَنَةٍ .

۱۰۱۰ یک معنون و امام جعفر صادق علید ارسام کے ہاس آیا اور یہ ہے پراھی جومومنین و مرمنات کو بے وجد اذبیت و بیت م ویتے ہیں اکھوں نے بہتان اور بہت بڑے گئا ہ کو اپنے اوپر سے لیار حفرت نے فرایا جو کسی کو فومش کرے اس کا تو اب کیاہے میں نے کہاوس نیکیاں۔ فرایا بلکر فداک تم ایک لاکھ نیکیاں۔

۱۲۰ فرایا ابوعیداللہ علیالسلام نے جو تلب کومن میں سرور داخل کرے ۔ اس نے رسول کو ٹوش کیا اورجیں نے دسول کو توش کیا اس نے اللہ کو ٹوش کیا اور میں صورت ہے اس کے ایے حس نے کی کورٹے بہنچایا ۔

١٥ ـ عَنْهُ ، عَنْ إِسْنَاحِلَ بْنِ مَنْصُورٍ ، عَنِ الْمُفَضَّلِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ قَالَ : أَنَّمُا مُسْلِم لَقِيَ مُسُلِماً فَسَرَّ مُسَرَّ مُسَرَّ مُسَرَّ مُسَرًّ مُسَرًّ مُسَرًّا مُسَامِ

١٥ فرطيا حفرت الوعبدا للرطيانسلام فيعس فيكى بندة مومن كونوش كيا اسف فداكوفوش كميار

١٦٠ - عَلِيُّ بن إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ هِشَامِبْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبِيهِ أَبْنِ أَبِيهِ أَنْ عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ أَنْ عَنْ أَبِيهِ ، وَمَنْ أَبِيهِ أَنْ عَنْ أَبِيهِ أَنْ عَنْ أَبِيهِ ، وَمَنْ أَبِيهِ ، وَمَنْ أَبِيهِ ، وَمَا أَبِيهِ أَنْ أَبِيهِ أَنْ أَبِيهِ أَنْ أَبِيهِ ، أَنْ أَبِيهِ ، أَنْ أَبِيهِ أَنْ أَبِيهِ ، أَنْ أَبِيهِ ، أَنْ أَبِيهِ ، أَنْ أَبِيهِ ، أَبِيهِ أَبْ أَبِيهِ أَبْ أَبِيهِ ، أَنْ أَبِيهِ ، أَنْ أَبْهِ إِنْ أَبْهِ اللَّهُ عَلَى أَبْهِ اللَّهِ عَلْمَ اللَّهُ عَلَى أَنْ أَبْهِ الللللَّهُ عَلَى أَنْ أَلِيهُ الللَّهُ أَلِيلُهِ الللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَلَى أَنْ أَنْ أَلِيهِ اللللللَّهُ عَلَى أَنْ أَبْهِ اللَّهِ عَلَى أَلْهُ أَلِي اللَّهِ عَلَى أَلْهِ أَنْ أَلِي أَلْهُ أَلِيلُهُ أَلْهُ أَلِي أَلْهُ أَلِيلُهُ أَلْهُ أَلْهِ أَلْهُ أَلِيلُهُ أَلْهُ أَلْهِ أَلْهُ أَلْهِ أَلْهُ أَلِيلُهُ أَلَالِهُ أَلْهُ أَلِيلُهُ أَلْهُ أَلْهُ أَلْهُ أَلْهُ أَلِهُ أَلْهُ أَلِهُ أَلْهُ أَلْهُ أَلْهُ أَلِهُ أَلْهُ أَلِهُ أَلَالِهُ أَلِي أَلْهُ أَلِيلُهُ أَلْهُ أَلِهُ أَلْهُ أَلِيلُولُوا ا

۱۷-فرایا الوعبدالشرعلیالسلام نے خداسکنز دیک بہترین عمل مومن کوخوش کرنا ہے تواہ وہ مجو کے کومسیر کر مے ہو یا تکلیف دور کرکے یا قرضدا داکر کے۔

دوسوگیار بروال باب مومن کی ماجت برلانا (بنابُ) ۲۱۱

١ - عَنْ بَكَادِبْنِ كَوْدَمِ ، عَنْ أَحْمَدُبْنِ عَبْرَبْنِ عَبِسَى ، عَنِ الْحَسْنِبْنِ عَلِيّ ، عَنْ بَكَادِبْنِ كَوْدَمِ ، عَنِ الْمُفَضَّلِ ، عَنْ أَبْهُ الْحَقُ وَ عَنْ اللّهُ عَنْ أَنّهُ الْحَقُ وَ عَنْ الْمُفَضَّلِ ، عَنْ أَنْوُلُ لَكَ وَاعْلَمْ أَنّهُ الْحَقُ وَ عَنِ الْمُفَضَّلِ ، عَنْ أَنْوُلُ لَكَ وَاعْلَمْ أَنّهُ الْحَقُ وَ عَنِ الْمُفَضَّلِ ، عَنْ أَنْوُلُ لَكَ وَاعْلَمْ أَنّهُ الْحَقُ وَ عَنِ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَمْ أَنْوُلُ لَكَ وَاعْلَمْ أَنّهُ الْحَقّ وَ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَمْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَا عَلَا عَلَّهُ اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَا عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا عَلَا عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلْمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلْمُ اللّهُ عَلَا عَلْمُ اللّ

افعلَهُ وَأَخْبِرْبِهِ عِلْيَةَ إِخُوانِكَ، قُلْتُ : جُمِلْتُ فِذَاكَ وَمَا عِلْيَة إِخُوانِي ؟ قَالَ : الرَّاغِبُونَ في قَضَاءِ حَوَائِج إِخُوانِيمْ ، قَالَ : ثُمَّ قَالَ: وَمَنْ قَضَى لِأَ خَبِهِ الْمُؤْمِن حَاجَةٌ قَمَنَى اللهُ عَزَ وَجَلَّ لَهُ يَوْمَ الْقِيامَةِ مَوَائِج إِخُوانِهِمْ ، قَالَ : ثُمَّ قَالَ: وَمَنْ قَضَى لِأَ خَبِهِ الْمُؤْمِن حَاجَةٌ قَمَنَى اللهُ عَزَ وَجَلَّ لَهُ يَوْمَ الْقِيامَةِ مِائَةَ أَلْفِ خَاجَةٍ مِنْ ذُلِكَ أَوَ لُهَا الْجَنَّةُ وَمَنْ ذَلِكَ أَنْ يُدْخِلَ قَرْابَتُهُ وَمَعَادِفَهُ وَإِخُوانَهُ الْجَنَّةَ بَعْدَ مَائَةً الْفَيْ خَوْانِهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ الْجَنَّةُ بَعْدَ أَنْ لَا يَكُونُ وَانِهُ اللهُ اللهُ الْمُقَصِّلُ إِذَاسَالَ الْحَاجَةَ أَخَامِنْ إِخُوانِهِ قَالَ لَهُ اللهُ الْمُعَنِّ لَي إِذَاسَالَ الْحَاجَةَ أَخَامِنْ إِخُوانِهِ قَالَ لَهُ الْمَا تَشْتَهِي أَنْ تَكُونَ مِنْ عِلْيَةِ الْإِخُوانِ .

ا ـ فرایا الجعبداللهٔ علیه اسلام نے ، اسے مفضل جمیں کہتا ہوں اسے سنوا ورجان نوکریری ہے اسے کر وا ورخرو و اس کی اپنے شریف طبیعت بھائیوں کو جمیں نے کہا ۔ یہ کون لوگ ہیں ۔ فرایا جواپتے برا درا ان ایمانی کی عاجتوں کو پورا کرنے کی طرن راغب ہیں ۔ پھر فرایا ۔ جوشنے می اپنے برا درمومن کی ایک حاجت بر لاتا ہے اللہ تعالیٰ روز قیامت اس کی وسی میزار حاجتیں پوری کرتا ہے ان میں آول جنت ہے اور ایک ان میں سے یہ سے کہ اس کے قرابتداروں ، شناساؤں اور بھائیوں کو داخش بندی منزورت جنت کرتا ہے بشر طیکہ وہ وشمنان امام نہوں سفضل کا معول تھا کہ جب اس کے انوان میں سے کوئی اس سے کسی عزورت کے پورا کرنے کا سوال کرتا تو وہ اس سے کہتا کہ کیا تم بسندنہ میں کرتے کہ شریف بھائیوں میں سے ہو۔

٧ - عَنْهُ ، عَنْ غَيْرَ بْنِ إِنْ إِنْ إِنْ إِنْ إِنْ إِنْ أَلَى : حَدَّ ثَني خَالِدُ بْنُ يَزِيدَ ، عَنِ الْمُفَضَّلِ بْنِ عُمْرَ، عَنْ أَبِي - عَبْداللهِ عَلَى اللهُ عَنْ غَلَمَ اللهُ عَلَى اللهَ عَلَى اللهَ عَلَى اللهُ عَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَل

ورفوایا حفرت الجرعبدالشرعلیوار الم نے الله تعالی نے ایک مختلوق ایسی بدراکی ہے جس کو ہمارے شید نے فقراد کی محار ما جت برادی کے لئے نتی کیا ہے تاکہ وہ اس کے تواب میں اسے جنت عطاکر سے بسی اگرتم میں طاقت ہے توان میں سے ہو جا و مجرم سے کہا۔ اللہ ہمارا رب ہے ہم اس کی عبادت کرتے ہیں اور ہم کمی کو اس کا شرک فرار نہیں دیتے۔

٣ ـ عَنْ عُنَّهِ بَنِ ذِيَادٍ ، عَنِ الْحَكَمِ بْنِ أَيْمَنَ . عَنْ صَدَقَةَ الْأَحْدَبِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عُنْ عَنْ عَنْ أَلْفِ رَقَبَةٍ وَخَيْزٌ مِنْ خُمْلانِ أَلْفِ فَرَسِ في سَبِلِ اللهِ . عَنْ أَبِلُ بَنْ إِبْرًاهِهِم ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عُبَدِ بْنِ ذِيَادٍ ، مِنْلَ الحَدِيثَيْنِ .
 عَلْيْ بْنُ إِبْرًاهِهِم ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عُبَدِ بْنِ ذِيَادٍ ، مِنْلَ الحَدِيثَيْنِ .

۳ رفرایا حفرت ابوعبدالندهایداب الدم نے مومن کی حاجت برلانا بہتر ہے مبرا دغلام آزاد کرنے ا در بزار کھوڑوں پرفی سبیل النّدخیرات کاسامان باد کرنے سے ۔ ٤ - عَلِيٌّ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ مُعَدِّبِنِ ذِيَادٍ ، عَنْ صَنْدَلٍ ، عَنْ أَبِي الصَّبْ إِلَى اللَّهِ عَلْ أَبِهِ الْمَرْفِي قَالَ : قَالَ أَبُو عَنْدِاللهِ عَلَيْكُ اللهِ عَنْدَالُهُ عَنْدُ اللهِ عَلَيْدُ اللهِ عَنْدُ اللهِ عَنْدُوا عَنْدُوا عَلَا عَنْدُوا عَلَا عَنْدُ اللهِ عَنْدُوا عَلَالْمُ عَنْدُوا عَلَالْمُ عَلَيْدُ عَنْدُوا عَلَالْمُ عَلَالَةً عَالْمُ عَلَالُهُ عَلَمُ عَلَالُمُ عَلَيْمُ عَلَالْمُ عَلَالُهُ عَالِمُ عَلَالُهُ عَلَالَمُ عَلَالُهُ عَلَالَا عَلَالِمُ عَلَالُ عَلَالَةُ عَلَالَةً عَلَالَةً عَلَالَاللَّهُ عَلَالَا عَلَالَاللّهُ عَلَالَةً عَلَالَاللّهُ عَلَالَاللّهُ عَلَالَاللّهُ عَلَالَةًا عَلَالَةً عَلَالَةً عَلَالَةً عَلَالَاللّهُ عَلَالْمُ عَلَالَاللّهُ عَلَالَاللّهُ عَلَالَمُ عَلَالَاللّهُ عَلَالَمُ عَلَالَمُ ع

م - فرمایا حفرت ابوعبدا لله علیانسلام نے مروبومن کی حاجت کا پوراکرنا اللہ کے نزدیک زیارہ محبوب ہے ہیں ا پسے گئے سے کچن میں سے سرچ میں ایک لاکھ روبیہ را و فدا میں خرچ کے بیول -

و عِنَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بَنُ غَيْرِ بَنِ خَالِمٍ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ هَادُونَ بْنِ الْجَهْمِ، عَنْ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ عَشَارِالصَّيْرَ فِي قَالَ: قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللهِ اللهِ : جُعِلْتُ فِدَاكَ الْمُؤْمِنُ رَحْمَةٌ عَلَى الْمُؤْمِنِ أَتَى اللهِ الْمُؤْمِنُ وَكُنْ ذَاكَ ، قَالَ : أَيْتُمَا مُؤْمِنِ أَتَى أَحْمَا فِي حَاجَةٍ فَإِنْمَا ذَلِكَ رَحْمَةٌ مِنَااللهِ عَالَ : قَالَ : أَيْتُمَا مُؤْمِنِ أَتَى أَخَاهُ فِي حَاجَةٍ فَإِنْمَا ذَلِكَ رَحْمَةٌ مِنَااللهِ عَلَى وَسَبَبَهُاللهُ ، فَإِنْ قَضَى خَاجَتِهُ ، كَانَ قَدْ قَيلَ الرَّحْمَةً بِقَبُولِها، وَإِنْ رَدَّ مُعَنْ خَاجَيهِ وَهُو اللهُ عَنْ خَاجَيهِ وَهُو اللهُ عَنْ خَاجَيهِ وَهُو اللهُ عَنْ خَاجَيهِ وَسَبَبَهُا لَهُ ، وَإِنْ رَدَّ مُعَنْ خَاجَيهِ وَمُو اللهُ عَنْ وَمُ اللهُ عَنْ وَمُ اللهُ عَنْ فَلْهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلْكَ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ الل

۵۔ رادی کہتاہیے میں نے حفرت ابوعبدا لٹرھلیدا کسام سے کہاکہ مومن کے گئے دھت ہے۔ فروایا ہاں بیں نے پوچھا یکھے۔ فرمایا جب کوئی مومن ا چنے ہرا درمومن کے پاس اپنی حاجت لاتا ہے یہ بدالٹری دھمت ہوتی ہے جواس حرورت کواس کی طرف کھینے لاتی ہے اوراس کے لئے سبب نے رنبتی ہے ہیں اگراس نے برا درمومن کی حاجت کو بورا کر دیا تواس کی بدنی قبعل کی جاتی ہے اور اگر جا وجود اس کی خرورت پورا کرنے کی قدرت رکھنے کے در کر دیتا ہے تو وہ ا بینے کے جاتی ہے تو وہ ا بینے ہے خراک اس دھرت کو در کر تا ہے جواس کی طرف کھیئے کہ لائی تھی اور سبب نے بربی تھی اور الٹر ذخیرہ کرتا ہے اس دھرت کا کرئے تیا مت تک اس کی در کرتا ہے جواس کی طرف کھینے کہ لائی تھی اور اس کوا خیتیا رہ کہ وہ رحمت کو چہلہے اپنے لیے کہ کہ بینے ایس کے جاتی کہ درکہ دیں گئے ہے۔ دو قیا مت میں حاکم بنیا وراس کوا خیتیا رہ کو کہ وہ رحمت کو چہلہے اپنے لیے کہ کہ کے جاتے ہے نے کہ کہ جاتے ہے نے کہ کہ کہ بینے ایس کے جاتے ہے تا ہے

ا ہے اسماعیل دوزقیامت وہ حاکم ہوگا اس مصب الله کا رتمھاراکیا خیسال ہے کہ وہ کس پرمرف کرے گا میں نے کہام پر اخیال ہے کہ وہ اپنے اوپر مرف کرے گا اسے اسماعیل گمان نہیں یہ یقین ہے کہ وہ ہرگز اپنے سے دو مذکرے المن المنافقة المنافق

گا اگر کسی کے پاس کوئی بند کا مومن اپنی حاجت لائے اور با رجود فدرت وہ اسے پوران کرے نو خدا اس برایک سانپ کو مسلط کرتا ہے جواس کے باتھ کی انسکی میں کا ٹھا رہے گا قیامت تک پنوا ہ مغفور ہونے والا ہویا معذب -

٢ - عَانَيْ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِأَبِي عُمَيْرِ ، عَنِ الْحَكَمِبْنِ أَيْمَنَ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ تَعْلَلِتِ قَالَ : سَيْفَتْ أَبَاعَبْدِاللهِ عِلَيْ يَقُولُ : مَنْ ظَانَ بِالْبَيْتِ الشّهُوعا كَنَبَاللهُ عَنَّ وَجَلَّ لَهُ سِنَّةَ اللّهِ حَسَنَةِ و مَخاعَنهُ سِتَّةَ اللّهِ سَبِّئَةِ و رَفَع لَهُ سِنَّةَ اللّهِ ورَجَةٍ - قَالَ : وَزَادَ فَهِهِ إِسْحَاقُ بْنُ عَثَارٍ - وَقَضَىٰ لَهُ سِنَّةَ اللّهِ خَاجَةِ ، قَالَ : ثُمَّ قَالَ : وَقَضَاهُ خَاجَةِ الْمُؤْمِنِ أَفْضَلُ مِنْ طَوْافٍ وَطَوْافٍ وَطَوْافٍ وَمَوْافٍ وَمَوْافٍ مَنْ عَنْ مَنْ مَنْ مَنْ عَلَى اللّهِ عَنْ مَنْ مَنْ اللّهِ عَنْ مَنْ مَنْ عَلَى اللّهِ عَنْ مَنْ عَلَى اللّهُ عَنْ عَلَى اللّهُ عَنْ عَلَى اللّهُ عَنْ عَلَى اللّهُ عَنْ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَ

اسحاق بن عمار نے اتنا اضافہ کیاہے کہ چھ ہزار درجے لمندکرتاہے۔ پھرحفرت نے فرایا مومن کی صابحت کا برلا فالمل یے طواف سے طواف مسے دس بارفرایا۔

٥ ر فرایا حفرت الوعبدالشعلیا اسلام فرجب سلمان مسلمان کا حاجت برآدی کرتا ہے توالسُّر تعالیٰ اس سے کہتا ہے تیرا تُواب پیرے اوپر ہے بیں بغیر تجھ جنت دیسے راحتی نہوں گا۔

٨ - عَنْهُ ، عَنْ سُعْدَانِ بَنِ مُسْلِم ، عَنْ إِسْحَاقَ بَنِ عَمَّادٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ يُلْكِيْكُ قَالَ : قَالَ : مَنْ طَافَ بِهِذَا الْبَبْتِ طَوَافاً وَاحِداً كَنْسَاللهُ عَنَّ وَجَلَ لَهُ سِشَةَ اللَّافِ حَسَنَةٍ ﴿ مَعَاعَنَهُ مَنْ قَالَافِ سَيْشَةٍ وَمَعَاعَنَهُ مَنْ قَالَافِ سَيْشَةٍ وَمَعَاعَنَهُ مَنْ قَالَافِ سَيْشَةٍ وَمَعَاعَنَهُ مَنْ أَبْوَابٍ مِنْ أَبْوَابٍ الْجَشَةِ وَرَفَعَ اللهُ لَهُ سِتَّةَ اللَّهِ وَرَجَهِ حَتَّى إِذَا كَانَ عِنْدَالْمُلْتَزَمِ فَتَحَاللهُ لَهُ سَبْعَةَ أَبُوابٍ مِنْ أَبْوَابٍ الْجَشَةِ قَلْتُ لَهُ بَعْدَاللهُ لَهُ مَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللّهُ اللّهُ

۸- فرایا مفرن ابوعد المتذعلیال الم فیجو خاددگیری ایک طواف کرے المتداس کے نام پرچھ ہزارہ۔ نگھتاہے اور چھ ہزارگناہ محوکر تاہے اور چھ ہزار درجے بلند کر تاہے۔ جب وہ ملتزم (جے لان کھتے ہیں شکم کا اس سے ملانامستحب سے) کے پاس جاتا ہے توالٹداس کے لئے سات دروازے جنت کے دروازوں میں سے کھونتاہے ہیں نے کہا طواف کی آتن ہڑی ففیلت بد فرایامی تھاس سے بڑی ففیلت کاعمل بتاؤں مسلمان کا حاجت برلاناا ففل بے طواف سے طواف سے طواف سے طواف سے طواف سے طواف سے مواف سے دس بارفرایا-

٩ - عُمَّابُن يَعَيٰى ، عَن أَحْمَد بَن عَبَى بَن عَبْسى ، عَن ابن مَحْبُوب ، عَنْ إِبْراهِمَ الْحَارِقِيْ فَالَ : سَمِهْ أَبَاعَ بْدِاللهِ عَلَيْكُ مِقُول ! مَن مَشَى في حَاجَةِ أَحْبِهِ الْمُؤْمِن يَطْلُبُ بِذِلِكَ مَاعِنْدَاللهِ حَتَّى فَالَ : سَمِهْ أَبَاعَ بْدِاللهُ عَلَيْكُ مِقُول ! مَن مَشَى في حَاجَةِ أَحْبِهِ الْمُؤْمِن يَطْلُبُ بِذِلِكَ مَاعِنْدَاللهِ حَتَّى تُعْضَى لَهُ كَثَبَ الله عَنْ وَجَلَّ لَه بِذِلِكَ مِثْلَ أَجْرِ حَجَّةٍ وَعُمْرَةٍ مَبْرُورَ تَيْنِ وَصَوْمٍ شَهْرَيْنِ مِن أَشْهُر الْحُرْمِ وَاعْتَكَافِهُما في الْمَسْجِدِ الْحَرامِ ، وَمَنْ مَشَى فَيهِ اللهِ يَنِيَّةٍ وَلَمْ تُقْضَ كَتَبَ الله لَهُ بَذِلِكَ مِثْلَ حَجَّة مَنْرُورَةٍ ، فَارْغَبُوا في الْحَرْمِ ، وَمَنْ مَشَى فَيهِ اللهِ يَنِيَّةٍ وَلَمْ تُقْضَ كَتَبَ الله لَهُ بَذِلِكَ مِثْلَ حَجَّة مَنْرُورَةٍ ، فَارْغَبُوا في الْحَرْمِ .

9- راوی کہتا ہے میں نے حفرت الوعد اللہ سے سنا کہ جشخص اپنے برا درمومن کی حاجت براری کے لیے خدا سے ماہیر اجر مہو کر چلے اور اسے پورا کرے تو اللہ اس کے لئے لکھتا ہے تواب کے وغرہ کا چی مقبول مہوں اور تواب ایسے دومہینول کے روزہ کا جوجرمت والے چار ماہ سے مہوں اور اس اعترکاٹ کا تواب مہوا ہے دومہینوں میں مسجد حرام میں کیا جائے اور جو حاجت براری کے لئے تکلے کمر پورا ذکر سکے تواس کے لئے تواب ایک سی مقبول کا لکھتا ہے ہیس تم اس امر خرکی طرف رغبت کرو۔

١٠ عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ عُنَيْنِ ا وُرَمَةً ، عَنِ الْحَسِن بْنِ عَلِيّ بْنِ أَبِي حَمْزَةً ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلِيْ : تَنَافَسُوا فِي الْمَعْرُوفِ لِإِخْوانِكُمُ وَكُونُوا مِنْ أَهْلِهِ ، فَإِنَّ لِلْجَنَّةِ بْاباً يُقَالُ لَهُ : الْمَعْرُوفُ لَا يَدَخُلُهُ إِلاَمْنِ اصْطَنَعَ الْمَعْرُوفَ فِي الْحَيْاةِ وَكُونُوا مِنْ أَهْلِهِ ، فَإِنَّ لِلْجَنَّةِ بْاباً يُقَالُ لَهُ : الْمَعْرُوفُ لَا يَدَخُلُهُ إِلاَمْنِ اصْطَنَعَ الْمَعْرُوفَ فِي الْحَيْاةِ اللهُ نَيْا ، فَإِنَّ الْمَبْدَ لَيَمْشِي فِي حَاجَةِ أَخِيدِ الْمُؤْمِن فَيُو كِلَّ لُللهُ عَنْ وَجَلّ بِهِ مَلْكَيْنِ : واحِداً عَنْ يَمْهِنِهِ وَ الْحَرَّ عَنْ شِمَالِهِ ، يَسْتَفْقِر ان لَهُ رَبَّهُ وَيَدْعُوانِ بِقَصَاءِ خَاجَةِهِ ، ثُمَّ قَالَ : وَاللهِ لَرَسُولُ اللهِ رَالَوْلُ اللهِ رَالَهُ وَاللهِ وَالْمَالِهِ وَاللّهِ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهِ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهِ وَاللّهِ وَاللّهُ وَاللّهِ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهِ وَاللّهُ وَاللللّهُ وَاللّهُ وَاللللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالل

۱-۱ بوبھیرنے دوایت کی ہے کہ فرمایا الجعبد النڈ علیہ السلام نے اپنے بھا یہوں سے نیک ک طوت را عنب ہوا ور اس کے اہل سے بن جاؤ بہ شک حرمت کا ایک در وازہ ہے جس کا نام معودت ہے اس میں داخل نہ ہو مگروہ جو زندگانی کرنیا میں نیک کرے جوشنے عمدا پنے برا دربوس کی حاجت برادی کے لئے تکانا ہے خدا اسس پر دوفرشتوں کو معین کرتاہے ایک کو دوائیں جانب اور دوسرے کو بائیں جانب جو اس کے لئے استغفاد کرتے ہیں اور وعاکرتے ہیں امس کی حاجت کے پورا ہونے کے لئے پھر حفرت نے فرمایا۔ رسول غدا نوش ہوتے ہیں عومن کی حاجت برلانے سے جبکہ صاحب حاجت کی وہ حاجت پوری ہوجائے ۔ الله عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنا ، عَنْ أَخْمَدَ بْنُ خَيْدِ بْنِ خَالِدٍ ، غَنْ أَبِيهِ ، عَنْ خَلَفِ بْنِ حَمَّادٍ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ خَلَفِ بْنِ حَمَّادٍ ، عَنْ أَسْحَايِهِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَى اللهِ قَالَ : وَاللهِ لَأَنْ أَخْجَ حَجَّةٌ أَحَبُ إِلَيَّ مِنْ أَنْ الْعَنِقَ رَقَبَةً وَرَقَبَةً إِدَرَقَبَةً إِدَرَقَبَةً إِدَرَقَبَةً وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَلَا لَهُ مَا اللّهَ مَنْ الْمُسْلِمِينَ أَلْهَا وَمَنْلَهَا وَلَوْمَالُهُمْ وَمُنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمَنْلَهَا وَمِنْلَهَا وَلَا لَهُ السَالِعَالَهُ وَمُنْلَهَا وَلَا اللّهَ وَلَا لَهُ السَلَهُ وَلَا اللّهُ وَلَا لَهُ السَلَهُ السَلَهُ وَلَا اللّهُ اللّهَ اللّهَا اللّهَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

ااسعفرت امام محد باقرعلیہ اِسلام نے فرمایا۔ ایک جے میرے نزدیک محبوب نزیے اس سے کہ آز ادکروں ایک غلام ایک غلام اور ایک فلام میرساں تک کہ بنہیں کی تعداد ترکئ میر معرب بات یہ مہوب بات یہ مہوک کہ میں مسلما نوں کے کمی فائدان کی اس طرح مدد کروں کہ ان کی بھوک کوروکوں کہ یہ نہدیدہ ہے میرے نزدیک ایک جے سے ایک جے سے ایک جے سے یہاں تک کہ یہ تعداد دس گئی ہوئین تمیس اور بھریہ برطرہ کرمسترکئی ہوئین دوم تراد ایک سور

١٢ - عَلَيُّ بَنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ أُبِي عَلِيّ صَاحِبِ الشَّعبِر ، عَنْ نُتَّ وَ ابْنِ قَيْسٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفِر اللّهِ فَالَ : أُوْحَى اللهُ عَنَّ وَجَلَّ إِلَىٰ مُوسَى اللّهِ أَنَ مِنْ عِبَادِي مَنْ يَنَفَرَّ بُ ابْنِ قَيْسٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفِر اللّهِ فَالَ : أُوْحَى اللهُ عَرَّ وَجَلَّ إِلَىٰ مُوسَى اللّهِ أَنَ مِنْ عِبَادِي مَنْ يَنَفَرَ بُ إِلَىٰ مَوْسَى اللّهُ الْحَسَنَةُ ؟ قَالَ يَمْشِي مَعَ أَخِيهِ إِلَيْ اللّهِ اللّهُ وَمِن فِي قَضًا وَ طَجَنِهِ ، قَضِيتُ أَوْلَمُ تَقْضَ

۱۱ فرمایا حفرت الوجعفر ملیدا سلام نے کر اللہ نے نوسی کی ودی کی کومیرا ایک بندہ مقرب بنے کا میرے ایک حستہ کی وجہ سنے میں اسے وجہ سنے میں اس جنت میں حاکم بننا کو لگا رحفرت موسی نے بچھا اسے میرے بروردگاروہ کون سی نیک ہے فرمایا اس بندے کی نیکی جو مبند دُمومن کی حاجت برلانے کے لیے کلت ہے چلہے وہ حاجت اس سے پوری مہویا مذہو۔

٧٣ - الحُسَيْنُ بَنُ ثُمَّيَ ، عَنْ مُعَلَى بْنِ ثُمَّيه ، عَنْ أَخْهُ ، عَنْ أَخْهُ الْمُؤْمُن فِي حَاجَةٍ فَإِنَّمَاهِيَ رَحْمُهُ مِنَ اللهِ بَنِ جَعْفَسِر قَالَ : سَمِيْتُ أَبَا الْحَسَن تُلْبَيْنُ يَقُولُ ؛ مَنْ أَنَاهُ أَخُوهُ الْمُؤْمُن فِي حَاجَةٍ فَإِنَّمَاهِيَ رَحْمُهُ مِنَ اللهِ بَالَكُ وَمُومُولُ بِوَلا يَقِالُ اللهِ ، فَإِنْ قَبِلَ ذَلِكَ فَقَدْ وَصَلَهُ بِولا يَبَنْ وَهُومُولُ بِولا يَقِاللهِ وَ إِنْ رَدَّهُ عَنْ خَاجَتِهِ وَهُو يَقْدِرُ عَلَى قَطْءُ اللهِ عَلَيْهِ شُجَاعاً مِنْ نَارِينَهُمُهُ فَي فَبْرِهِ إِلَى يَوْمِ الْقِيامَةِ ، مَعْفُوراً لَهُ أَوْمُقَدَّ بأَ وَهُو يَقَدْرُ عَلَى قَطْء اللهُ عَلَيْهِ شُجَاعاً مِنْ نَارِينَهُمُهُ فَي فَبْرِهِ إِلَى يَوْمِ الْقِيامَةِ ، مَعْفُوراً لَهُ أَوْمُقَدَّ بأَ فَانَ مُذَدّ وَاللّهُ كَانَ أَمْوَ خَالًا .

١١٠ فرمايا امام موسى كافطي عليدا لسلام نے كجس كے باس برا درمومن اپنى حاجت مے كرائے توبيدا للدك اس پر رحمت

جےجوا سے کینے کراس کے پاس لائے ہے۔ اگراس نے حاجت پوری کردی تو وہ ہماری ولایت کو بہنے گیا اور اس سے ولایت خدا حاصل ہوگئی اور اگر با وجود قدرت رکھنے کے اس کی حاجت پوری ندکی توخد اس پر آگ کا ایک سانپ مسلط کرو سے کا جو فہرس ووز تیاست بک اس کو کا شتار ہے گا چاہے وہ قیاست میں خفور مہو یا معذّب بیس اگر طالب حاجت معذور رکھے تب بھی دو کرنے والا خواب حال ہیں رہے گا ہ

١٤ - عَنَّ مَالِح بَن عَنْ عَيْنِ الْحُسَيْنِ، عَنْ عَيْنِ إِسْمَاعِلَ بْنِ بَرِيعٍ ، عَنْ مَالِح بْنِ عُقْبَةَ عَنْ عَبْدِاللهِ بْنُ عَيَّالُهُ مُعْفِي ، عَنْ أَبِي جَعْفِ إِلِهِ قَالَ : إِنَّ الْمُؤْمِنَ لَتَرِدُ عَلَيْهِ الْحَاجَةُ لِأَحْبِهِ فَلاَتَكُونُ عِنْدَهُ فَيَهَنْمُ بِهَا قَلْبُهُ ، فَيُدْخِلُهُ اللهُ تَبَارَكُ وَتَعَالَىٰ بِهَمِيِّهِ الْجَنَّةَ .

مہ ۔ فرایا ا مام محدیا قرطیرانسلام نے جب سی مومن کے ساھنے اس کا مومن بھائی اپنی ما جست پیش کھے اوراس کو پوراکرنے پرفٹ درمذ بچوا ور اس کا دل اس پر رخیدہ بچو تو النّد تعالیٰ اس کے رنج کی وجسے اس کوجنت میں د اخل کرے گا

دوسو باربهوال باب مومن کی جن برآری میں سعی کرنا ه(باب) ۲۱۲

\$(الشَّفِي في حاجَّةِ الْمُؤْمِنِ)*

ار فربایا ابوعبدالشعلیال است این مومن بھائی کی حاجت برآدی کے ہے جانا ہے اجرد کھتاہیے کہ فعرائی نمیکیاں اکھناہیے اور دس گناہ محوکرتا ہے اور دس درجے بلند کرتا ہے اور میرا گمان ہے کہ حفرت نے یہ بھی فرمایا کہ بیدا جر بما بر ہے دس غلام آزاد کرنے کے اورافضل ہے مسبحدا لحزام میں ایک ماہ اعت کاف کرنے سے ۔

A TANGE TO THE TANGE OF A TANGE O

٢ - عَنْدُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُمَّدِ ، عَنْ مُعَمَّرِ بْنِ خَلْدٍ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَا الْحَسَنِ تَلْقَالُهُ يَقُولُ إِنَّ اللهِ عِبَادًا فِي الْأَرْضِ يَسْعَوْنَ فِي حَوَائِجِ النَّاسِ ، هُمُ الْآمِنُونَ يَوْمَ الْقِيامَةِ ، وَمَنْ أَدْخَلَ عَلَى مُؤْمِنِ سُرُوراً فَرَّ حَاللهُ قَلْبُهُ يَوْمَ الْقِيامَةِ .
 فَرَ حَاللهُ قَلْبُهُ يَوْمَ الْقِيامَةِ

۲- دادی کهتا بیدی سفه امام موئی کاظم علیدالسلام سے سناکددد سے زمین پر النڈ کے کچھ بندے ہیں جو لوگوں کی حاب مت برآ ری بیں سعی کرتے ہیں وہ روز قیامت بے نون جوں سے اور جو بندہ مومن کو ٹوش کر سے کا النددوز قیامت اس کا دل وشق کرسے گا۔

٣- عَنْهُ ، عَنْ أَخْمَد ؛ عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ رَجُلٍ ، عَنْ أَبِي عُبِينَـدَةَ الْحَدَّا ، قَالَ : قَالَ أَبُوجَعْفَرِ إِلِيْلِ : مَنْ مَشَىٰ في خاجَةِ أَخْبِهِ الْمُسْلِمِ أَظَلَّهُ اللهُ بِخَمْسَةٍ وَ سَبْعِبِنَ أَلْفِ مَلَكِ وَلَمْ يَرْفَعْ لَهُ بِهَادَرَجَةً ، فَإِذَا فَرَغَ مِنْ خَاجَتِهِ كَتَبَاللهُ عَنْهُ بِهَاسَيِّنَةً وَ يَرْفَعُ لَهُ بِهَادَرَجَةً ، فَإِذَا فَرَغَ مِنْ خَاجَتِهِ كَتَبَاللهُ عَزْ وَجَلًا لَهُ بِهَا أَخْرَ خَاجَ وَمُعْتَمِر .

۳- مندمایا حفرت امام البرجعف علیالسلام نے جشخص اپنے مومن مجائی کی ماجت برآدی کے بیٹے کیکے گا تواللڈ کے حکم سے پچہتر مبزاد ملا مکر مامی البیاد ورایک گذاہ حکم سے پچہتر مبزاد ملا مکر اس پرسایہ نگن ہوتے ہیں اور جو قدم اس کی حاجت برلا تا ہے تواللہ تعالی اس کو گا وعموما نواب اس کا محوم جو تلبید اور جب وہ اس کی حاجت برلا تا ہے تواللہ تعالی اس کو گا وعموما نواب عطا فراتا ہے۔

٤- عَنْهُ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ مُحَهِّى، عَنْ عُمِّرِبْنِ سِنَانِ ، عَنْ هَارُونَبْنِ خَارِجَةَ ، عَنْ رَجُلِ هِنْ أَهْسِلِ حُلُوانِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيْهِ قَالَ : لَأَنْ أَمْشِيَ في حَاجَةِ أَجْلِي مُسْلَمٍ أَحَبُ إِلَيَّ مِنْ أَنْ اُعْتِقَ أَلْفَ نَسَمَةٍ وَأَحْمِلَ في سَبِيلِ اللهِ عَلَى أَلْفِ فَرَسٍ مُسَرَّجَةٍ مُلْجَمَةٍ

م - فرایا او عبد و تشرعلی اسلام نے برا درسلم کی حاوت روائ کے معمد راجانا میرے سے زیادہ مبوب سے مہزار علام آنا دکرنے اور نی سبی الله و کول کیلے مہزارزین کصا در سکام والے گھوڑوں پرسوار کرنے سے ۔

٥ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ إِبْرَاهِهِمَ بَنِ عُمَرَ الْيَمَانِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ اللهُ عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيْ قَالَ : مَامِنْ مُؤْمِن يَمْشِي لِآ خَبِهِ الْمُؤْمِنِ فِي خَاجَةٍ إِلَّا كَتَبَ اللهُ عَنْ وَجَلَّ لَهُ بِكُلِّ خُطُومٍ حَسَنَةً ، وَحَطَ عَنْهُ بِهَاسَتِئَةً ، وَرَفَعَلَهُ بِها درَجَةً ، وَ زيدَ بعَدْ ذَلِكَ عَشْرُ حَسَنَاتٍ وَ شُغِيْعَ فَي عَشْرِ خَاجَاتٍ .

۵ ر فرایا ۱ ہوجہ دا لنڈ علیائسلام نے چرمومن ا پہنے برا در نومن کی حاجت برآ دی کے لئے شکلت کہتے خوا ہر قدم پراس کے نام دیک نیک نکھتا ہے اور ایک گذاہ اس کا محوکر تلہے اور ایک درجر بلزد کر تلہے ۔ اور اس کے بعد فرما یا دس نیکیہاں نکھتا ہے اور دس حاجتیں لیزدی کرتا ہے ۔

۔ فرمایا حفرت الوعبدا لنڈعلیوا سلام نے پیسی کرے اپنے براور مومن کی حاجت برآدی بیں توا لنڈ تعب لی اس کے بیٹے مبرار نیکیاں لکمقنا ہے اور بخشتنا ہے اس کے دشتہ دادوں ، پڑوسیوں ، مجھائیوں اورجان پیجان دالوں اور ان لوگوں کو جواس سک سیا تھ نیک کریں اور ناصبی کے سوااس نیکی کو اجازت ہوگا کہ وہ اس کوٹینم سے نکال ہے ۔

٧- عَنْهُ، عَنْ أَبِيهِ، عَنْ خَلَفِ بْنِ حَمَّادٍ، عَنْ إِسْخَاقَ بْنِ عَشَارٍ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهُ اللهُ عَلَى يَدَيْهِ قَضَاءَ هَا كَتَبَاللهُ عَنْ إِلَيْ قَالَ : مَنْ سَعْى في خَاجَةِ أَخِيهِ الْمُسْلِمِ فَاجْتَهَدَ فَبِهَا فَأَجْرَى اللهُ عَلَى يَدَيْهِ قَضَاءَ هَا كَتَبَاللهُ عَنَّ وَجَلَ لَهُ مَرْيُنِ في المَسْجِد الْحَرَامِ وَصِيَامَهِمَا وَإِنِ اجْتَهَدَفِهَا وَلَمْ يُجْرِ اللهُ قَضَاءَ هَا عَنْ وَجَلَ لَهُ حَجَّةً وَ عُمْرَةً .

ے۔ فرایا حفرت ابوہد الدُعیدالسلام نے کہ ہوکون کمی برا درسلم کی حاجت برا دی کے نے کوشش کرے اور خواس کے باتھ سے وہ مزورت پوری کرادے توخوااس کے نام ُ اعمال میں جج دعمرہ اور دوجینے کے اعتمالات کا پومسجدا کوام میں کیا گیا ہو اوروہ دوماہ روزے رکھے مہوں۔ ٹواب عطافر ما آنہے اور اگر با وجود کوشش کے دہ حاجت براری زکرسکے تب مجھ بچ دعمرہ کا نُواب اس کومل جلے گا۔

٨ _ عُمَّا بُنُ يَحْمَى؛ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ أُغَيَّهِ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ ؛ عَنْ جَمْ بِلِ بْنِ دَرّ الْجِ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ: كَفَى بِالْمَرْ ، اعْتِمَاداً عَلَىٰ أَحْبِيهِ أَنْ يُنْزِلَ بِهِ خَاجَتَهُ .

٨ - فرما با حفرت البوعيد الشرعليم اسلام في كافى بدادى كوايث بهاى بريد احتماد كدوه اين حاجت اس سے

بیان کرے۔

ه حفوان جمال کمشاہے کومی صادق آل محکم کی فدیت میں حافر تھا کہ ایک شخص اہلِ حکر سے آکر کہنے نگا کہ کہ ایسے شخران اور کرنے بھائی کی حدد کر ہ جس اس کے ساتھ اس کے اور ابنے کھائی کی حدد کر ہ جس اس کے ساتھ کی اور دابنے کھائی کی حدد کر ہ جس اس کے ساتھ کی اور دابنے کھائی کی حدد کر ہ جس اس کے سات طوانوں ہیں نے اس کی خرورت کو بچروا کر دیا ۔ فرایا تیرا ابنے مجائی کی ہے حدد کرنا میرے نزدیک ذیا وہ محبوب ہے سات طوانوں سے خاند کھی کے مجروفر مایا ۔ ایک شخص الم حسن سے کہنے دکھائی کہ ایک خرورت ہیں میری مدد کہنے معارت نے جوتا بہنا اور اس کے ساتھ جیلے جعفرت ام حسین علیا اسلام کی طون سے گؤر درت ہیں میری مدد کہنے معارت نے جوتا بہنا اور اس کے ساتھ جیلے جعفرت امام حسین علیا اسلام کی طون سے گزر سے آپ اس وقت نما زیر طور ب سے تھے آپ نے اس شخص سے کہا۔ تو نے ابن محاجت امام حسین سے کیوں تہ بیان کی اس نے کہا ہیں نے چا ہا تو تھالیکن دربان نے کہا کہ حفرت اعتکات ہیں ہیں قرایا اور حفرت اعا مت کرتے تو ہے ان کے ایک ماہ کے اعتکات سے بہتر ہم زنا ۔

١٠ - عَلِيُّ بنُ إِبْرَاهِيمَ ؛ عَنَ أَبِيدٍ ؛ عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ ؛ عَنْ أَبِي جَمِيلَةَ ، عَنِ إَبْنِ سِلَانِ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِ اللهِ عِلِيّ : قَالَ اللهُ عَنَ وَجَلّ : الْخَلْقُ عِيْالِي، فَأَحَبَتْهُمْ إِلَيّ ٱلطَّفَهُمْ بِهِمْ وَأَسْعًا هُمْ فِي حَوْائِجِهِمْ.

۱۰ فرایا ابوعیدا نشرطیدا سلام نے کرمدیث قدسی میں الشرتعان نے فرایا مخلوق میری عیال بے بہ میرے سے ان میں سب سے ان میں سب سے دیارہ کوشش کرنے والا ہے۔ زیادہ کوشش کرنے والا ہے۔ زیادہ کوشش کرنے والا ہے۔

١١ - عِذَةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَن أَحْمَدَ بَنِ عَالِدٍ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ بَعَضِ أَصْحَابِهِ ، عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي حَنْبَقَةً إِذَالقَينِي قَالَ : كَن رَعْلَتَي حَدَبِنَكَ ، فَا حَدِثُهُ ، فَلْ حَدِثُهُ ، فَلْ حَدِثُهُ ، فَلْ حَدَّبُكَ ، فَا حَدِثُهُ ، فَلْتُ ؛ رُوْيُنَا أَنَّ عَابِدَ بَنِي إِسْرَائِبِلَ كَانَ إِذَا بَلْغَ الْغَايَةَ فِي الْعِبَادَةِ صَارَمَشَاهُ فِي حَوالِمِ النَّاسِ عَانِياً بِمَا يُصْلِحُهُمْ . .

اا۔ الوعارہ نے بیان کیا کہما دبن الومنی فرنے مجھ سے کہا کہ بیان کرورہ بات جو آئمہ سے کسی ہے۔ پیس نے کہا ہم سے بر دوایت کی گئے ہے کہیں ان کہا ہم سے بدوایت کی گئی ہے کہیں اس کرنے اور ہے کہا ہم سے بدوایت کی گئی ہے کہیں اس کرنے اور ان کے معاملات کی اصلاح ہیں شنول دہنے لگا۔ بیں سعی کرنے اور ان کے معاملات کی اصلاح ہیں شنول دہنے لگا۔

دوسوتیر ہموال باب مردمومن کے کرب کوڈو رکرنا

((بَائِبُ)) ۲۱۲۰ ۵(تقریح کرَبِ الْمُؤْمِن)

ا راوی نے کہایں نے حفرت ابوعید اللہ علیا اسلام سے سنا کہ جوشنعی فریا درسی کرتاہیے اپنے برا درمومن کی ۔ اس کے اضعان بودرما ندگی میں اور دور کرتا ہے اس کی مکلیف کو اور مدد کرتا ہے اس کی حاجت کے برا افریس، اللہ تعالیٰ اس کے لئے بہتر چھتیں کھتا ہے ان سے ایک اس دنیا میں دیتا ہے تاکہ امرمعاش میں سہولت بوا در اکہتر ذخیر ا کرتاہے روز تیا مت بین خوت دور کرنے کے لئے۔

٢ ـ عَلِيُّ بَنُ إِبْرَاهِهِم ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيِّ ، عَنِ السَّكُونِيِّ ، عَنْ أَبِي سَبْدِاللهِ عَلَيْكُمُ قَالَ :
 قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْهُ مِنْ أَعَانَ مُؤْمِناً نَفْلُسَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ عَنْهُ ثَلَاثًا وَسَبْعِينَ كُرْبَةً ؛ وَاحِدَةً فَيِ الدُّ نَيَا

وَثِنْتُيَنِّ وَسَبْغِينَ كُرْبَةٌ عِنْدَ كُرْبَتِهِ الْعُظْمَى ؛ قَالَ : حَبْثُ يَتَشَاغَلُ النَّاسُ بِأَنْفُسِهُم .

۲- زیایا الدید الترطیدان در من کردسول الله نے فرایا کم جوکون برادرمون کی اعانت کرے کا المتراس کی ۲۳ معیننوں کو دور کرے کا التراس کی ۱۹ معیننوں کو دور کرے کا ان میں سے ایک اس اور ۲۷ قیاست کی معینت معین میں جب کر وک اپنی این معینتوں میں جنالا بیوں کے۔

" - عَلَيُّ بْنَ إِبْرَاهِبِم، عَنَأْبِهِ، عَنِ ابْنِأْبِي عُمَيْر، عَنْ حُسَيْنِ بْنِ ُنَعَبْم، عَنْ مِسْمَعِ أَبِي سَبُّارٍ عَنْ مُوْمِن كُنْ بَةٌ نَقْلَسَ الله عَنْهُ كُثْرَبَ الآخِرةِ وَخَرَجَ عَنْ مُؤْمِن كُنْ بَةٌ نَقْلَسَ الله عَنْهُ كُثْرَبَ الآخِرةِ وَخَرَجَ مِنْ قَالُهُ الله عَنْهُ كُثْرَبَ الْآخِرةِ وَحُورَ مَنْ سَقَاهُ شَرْبَةً سَقَاهُ الله مِنْ قِمارِ الْجَنَّةِ وَ مَنْ سَقَاهُ شَرْبَةً سَقَاهُ الله مِنْ اللهَ عَنِي الْمَخْتُوم .

سا – را دی مجتابیے پی فرحفرت الوعب داللہ سے سناج کوئی بندہ مومن کی ایک تسکیف کی دورکرے گا اللہ اس کے اضطاب کو روزقیامت دود کرے گا ادروہ اپن قریعے طین اور درجمتِ خدا کا امید و ادبوکو نکلے گا ادرج بھوکہ مہیں کھنا کا دسے گا خدا اس کوجنت کے کچنل کھلائے گا اورجو بہیاس میں با ٹی بلائے گا - انڈیو وجل اس کوبہشت کی شراب خانص سے مسیراب کرے گا

﴿ الْحُسَيْنُ بْنُ كُفِّي ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عُنِّهِ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ الْوَشَاءِ ، عَنِ الرِّ ضَا إِنْ عَلَى الْ
 مَنْ فَرَّ جَ عَنْ مُؤْمِنِ فَرَ جَاللهُ عَنْ قَلْبِهِ يَوْمَ الْقِبَامَةِ .

۳- حفرت امام دخسا علیہ لسلام نے فرایا جوگوئی کسیمون کی تسکیف دور کرے گا اس کا دل فوش کرے گا الله تعالیٰ معز قیامت اس کا دل فوسش کرے گا۔

ه ـ عَنْجَمِيل بْنِ مِتَخَيْى ، عَنْ أَحْمَد بْنِ غَيْر ، عَنِ أَحْمَد بْنِ عَنِ أَحْمَد بْنِ عَنِ أَلْحَمَد بْنِ مَنِ أَكْمَ وَأَنْ مَنْ مَنْ مَنْ مَنْ مَوْمِن كُرْبَةٌ وَ هُوَمُعْشِرٌ اللهُ لَلهُ خَارِيقٍ قَالَ : سَعِفْتُ أَبًا عَبْدِاللهِ عَبْدِاللهِ عَنْدُولُ أَيْشُا هُؤْمِن نَعَسَ عَنْ مُؤْمِن كُرْبَةٌ وَ هُوَمُعْشِرٌ اللهُ لَمُ خَوْدِيقٍ قَالَ : وَمَنْ سَتَرَعَلَى مُؤْمِن عَوْرَةٌ يَخَافُهُا سَتَرَاللهُ عَلَيْهِ سَبَعْبَ يَسَشَرَ اللهُ لَهُ حَوْلَةٍ فَي عَوْدَ أَلُهُ وَمَنْ سَتَرَعَلَى مُؤْمِن عَوْرَةٌ يَخَافُهُا سَتَرَاللهُ عَلَيْهِ سَبَعْبَ عَوْدَةً مِنْ عَوْدَاتِ الدُّنْيَا وَاللّهُ وَرَةٍ ، قَالَ: وَاللهُ فَي عَوْنِ الْمُؤْمِن مَا كَانَ الْمُؤْمِنُ في عَوْنِ أَخِيهِ فَا نَتَفِعُوا بِالْفِظَةِ وَ ادْغَبُوا فَى الْخَيْر

۵- را دی کهتا ہے یں خصفرت الوعید النوعلی السلام سے سٹا جوبند که مومن کی بند کم عومن کی تسکلیف دور کرے گا۔ ودا کا لیک وہ تندرست ہو تو النش تعبالی دنییا واکٹرت میں اس کی حاجتوں کو لیوراکرد ۔ ہے گا ۔ اور فرطایا التوع وجل اس موم كامدد كارب جو ويسرب مومن كالدوكرت تمنع بسبت فائده حاصل كروا ودنيك كى طون دا عنب المو-

دوسو ټورموال باب

مومن كوكهاناكهلانا

ه (باب إطعام المؤمين) ٢١٨٧

١ - مُعَمَّدُ بْنُ يَحْمَىٰى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ مُعَلِينِ عِيسَى ، عَنْ أَبِي يَحْبَى الْوَاسِطِيّ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَايِنَا عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : مَنْ أَشْبَعَ مُؤْمِناً وَجَبَتْ لَهُ الْجَثَةُ وَ مَنْ أَشْبَعَ كَافِر أَكَانَ حَقَا عَلَى اللهِ أَنْ يَمَلا جَوْفَهُ مِنَ الزَّقَوْمِ ، مُؤْمِنا كَانَ أَوْكَافِر أَا
 أَنْ يَمَلا جَوْفَهُ مِنَ الزَّقَوْمِ ، مُؤْمِنا كَانَ أَوْكَافِر أَا

ا- فسترمایا الوهبدالشرعلیدالسلام نے بوکی ہومن کوسیر کرے گا اس پرجنت داجب ہے ادر بوکا فرکوسیر کرے تومزا دارہے خداک کے کہ اس کا بیپٹ زتوم سے پُرکرے ، چلہے کھانا کھلانے والامومن ہویا کا فر-

٧ - عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَبْن نُحْبَر ، عَنْ عُنْمانَ بَنِ عَبْسَى ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِنَا ، عَنَ أَبِي بَصَبِر ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ قَالَ : لَأَنْ الْطُعْمَ رَجُلاهِمَ الْمُسْلِمِينَ أَحَتُ إِلَيَّ مِنْ أَنَّا طُعِمَ الْفُقامِنَ الشَّاسِ ، قُلْتُ: وَمَاالاً فَقُ ، قَالَ : مِائَةُ أَلَفِ أَوْيْزَ بِدُونَ .

٧- مندمایا ابوصد الله علیدار الدمن کر اگریس کھانا دوں ایک شخص کومسلما توں میں سے جوصاحب ایمان ہو تومیرے نے وہ بہتر ہے اہل تا جید لعنی اطراف جوانب کے ان ایک لاکھ یا زیادہ مسلمانوں کے کھانا کھلانے سے جوبٹلا ہم کمان ہو

٣ ـ عَنْدُ، عَنْ أَخْمَدَ ، عَنْ صَفْوَانَ بْنِ يَخْلِى ، عَنْ أَبِي حَمْزَة ، عَنْ أَبِي جَعْفَر عُلَيْكُ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالنَّفِيّةِ . مَنْ أَطْمَمُ ثَلاثُهُ أَنَهُ مَنْ المُسْلَمِينَ أَطْعَمُ اللهُ مِنْ ثَلاثِ جِنَانِ فِي مَلَكُوتِ السَّمَاوَاتِ : الْفَيْدِدَوْشِ وَجَنَّةِ عَدْنٍ ، عَرَسَهَا رَبِّنَا بِيَدِهِ .
 الْفَيْدُدَوْشِ وَجَنَّةٍ عَدْنٍ وَ طَوْبِي [و] شَجَرَةٍ "تَخْرُجُمِنْ جَنَّة عَدْنٍ ، عَرَسَهَا رَبِّنَا بِيدِهِ .

٣ - فرمایا ابوجعف ولیدا سلام نے کدرسول اللہ نے فرمایا جونین مسلمانوں کو کھانا کھلائے تو فدانس کوئین جنتوں سے کھانادے کا اول فردوس دوسرے جنت مدن تیمرے طوبی سے جبنت عدن کا درخت ہے اورجس کوہمارے رب نے

اليف وست فدرت سے بوياہے۔

٤ - عَلَيُّ بنُ إِبْرُاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ؛ عَنْ حَمَّادِ بَنِ عَبِسَى ، عَنْ إِبْرُاهِيمَ بْنِ عُمَرَ الْيَمَانِيّ ، عَنْ أَبِهِ ؛ عَنْ حَمَّادِ بَنِ عَبِسَى ، عَنْ إِبْرُاهِيمَ بْنِ عُمَرَ الْيَمَانِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ عَبْدِ اللهِ عَلَى مُنْ عَنْ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّ

٥ - عَنْهُ، عَنْ أَسِهِ 'عَنْ حَمْنَادِ، عَنْ إِبْرَاهِهِم َ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ' عَنْ عَلِيّ بَنِ الْحَسْنِ الْطَلَّاهُ قَالَ: مَنْ أَلَمْهُمْ مُؤْمِناً مِنْ جُوعٍ أَلْمُعَمُّاللهُ مِنْ ثِمَادِالْجَنَّةِ وَمَنْ سَعَىٰ مُؤْمِناً مِن ظَمَا مِسْقَاهُ اللهُ مِنْ اللَّهِ عَنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ الْمَخْتُومِ .

۵ - فربایا حفرت علی بن الحسین علیدا لسسلام نے چوکو ٹی مجھ کسیس ایک بتدهٔ مومن کو کھا نا وسے خدا اس کوجذت کے پھلوں سے کھانا دسے گا ا ورج پیا سے مومن کوپا ٹی پلائے گا ۔ اللّٰہ اس کوجذت کی سرنمبرشند اب سے مسیراب کرے گا ۔

٣ - عِذَة مِنْ أَشْخَابِنَا ، عَنْ سَهُلِ بِن ذِيَادٍ ، عَنْ جَعْفَر نِنِ عَهَمْ الْأَشْعَرِيّ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بِن مَيْمُونِ الْقَدَّ آجِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلْقِيلًا فَالَ مَنْ أَطْعَمَ مُؤْمِسِنا حَنْى يُشْبِعَهُ لَمْ يَدْدِأَحَدُ مِنْ خَلْقِ اللهِ مَالَهُ مِنَالاً خِر فِي الْآخِرةِ ، لاملَكُ مُعْرَبٌ وَلانبِي مُرْسَلٌ إِلاَاللهُ رَبُّ الْعَالَمِينَ " ثُمَّ قَالَ : مِنْ مُوجِباتِ مِنَالاً خِر فِي الْآخِرةِ ، لاملَكُ مُعْرَبٌ وَلانبِي مُرْسَلٌ إِلاَاللهُ رَبُّ الْعَالَمِينَ " ثُمَّ قَالَ : مِنْ مُوجِباتِ الْمَعْفِرةِ إِلْعَامُ النَّمْ اللهُ فَي يَوْمٍ ذِي مَسْغَبَةٍ لَهُ يَتِهِما الشَّغْبانِ ثُمَ تَلاقُولَ اللهِ عَنَّ وَ جَلَّ : وأَوْ إِطْعَامُ فِي يَوْمٍ ذِي مَسْغَبَةٍ لَهُ يَتِهما ذَا مَنْ مَنْ عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

4- فرما یا حفرت الوعب دا الله جومون کوشکم سیر کھا تا کھ للٹ تواس کے تواب آخرت کو تحلوق میں کوئی تہیں جان سکتا۔ رب العالمين الله کے سوانداس کا علم ملک مقرب کو سیے مذنبی مرسل کو مچون دما یا اسباب مغفرت سے مجھوکے مان کو کھانا کھلانا ہے کہ ربر آیت پڑھی یا کھانا کھلانا ہے کہ دن دشتہ داریتیم کو یا خاکسار محتاج کو۔

٧- عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِيمَ . عَنْأَبِهِ ، عَنْأَبِهِ ، عَن النَّوْفَلِيّ ، عَن الشَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِي اللهِ عَلْ اللهُ عَلَى الْمَاء أَعْظَاهُ اللهُ أَبِيكُمْ تَلْ شَرْبَةً عَنْ رَسُولُ اللهِ عَلَى الْمَاء أَعْظَاهُ اللهُ أَبِيكُمْ تَلْ اللهُ عَنْ رَشُولُ اللهُ عَلَى الْمَاء أَعْلَى اللهُ عَنْ حَسْنَة وَإِنْ سَقَاهُ مِنْ حَبْثُ لا يَقَدِّرُ عَلَى الْمَاء فَكَأْنَهُا أَعْنَقَ عَشَرَدِفَا بِ مِنْ وُلْدِ إِسْمَاعِلَ.

49/10

ے۔ قرباً یا ابر عبد الله علیدالسلام نے کررسوگ اللہ نے فرما یا کرجوبا ٹی بلانے کی قدرت رکھتے ہوئے کی بندہ موس کوبا ٹی بلائے توگویا اس نے اولاداسماعیل علیدالسلام سے دس غلام آزاد کئے۔

٨- عِدَة مَن أَصْخَابِنَا ، عَن أَحْمَدَبِن عَبَيْنِ خَالِد ، عَن عُمْمَانَ بَنِ عِبِسَى ، عَنْ حُسَيْنِينَ نَعَيْم الصَّحْافِ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِ اللهِ عَلَيْكَ أَن تَجُبُ إِخْوا اَكَ يَاحْسَبُن ؛ فَلْتُ ، نَمْم ، قَالَ : تَنفَعُ فَقَرا أَهُمْ قَلْتُ ، نَمْم ، قَالَ : قَالَ أَبُوعَ عَلَيْكَ أَن تَجُبُ إِخْوا اَكَ يَاحُسَبُ الله ، أَمَا وَاللهِ لا تَنفَعُ مِنْهُمْ أَحداً حَشَى تُحِبُ أَن تَدعُوهُم إلى مَنْزِلِك ؟ قُلْتُ نَهُم مَا آكُلُ إلا وَمَعي شِهُمُ الرَّجُلانِ وَالنَّلاثَةُ وَالا قَلُ وَالا كُثرُ فَعَالَ أَعْظَم عِنْ فَصَلْهُمْ عَلَيْكَ أَعْظَم عِنْ فَصَلْك عَلَيْهِم ، فَقَلْت : جُعِلْتُ فِذَاكَ أَعْظَم عَلَيْك أَعْظَم ؟ ! قَالَ : نَعْم إنشَهُمْ إِذَا حَرَجُوا مِنْ مَنْزِلك دَخَلُوا مِعْفِرَ قَلْك وَدَنُوبِ عِبَالِك .
 وَمَعْفِرَةِ عِبَالِك وَإِذَا خَرَجُوا مِنْ مَنْزِلِك خَرَجُوا بِذُنُوبِكَ وَدُنُوبٍ عِبَالِك .

۸۔ فرما یا حدزت ابوعبد الشرعلیا اسلام نے کر اے حسین برنیم دوست دکھتا ہے۔ اپنے بھائیوں کو کی بن نے کہا ہاں۔

قرمایا بیس نفی بیجا مرمنسین نقرار کو کی بن نے کہا اچھا ، فرما یا سزا و ارہ تیرے ہے کہ دوست دکھنا اس کو جوالشرکو دوست

عدا کی منم بین نقر بیک میں نے کہا اچھا ، فرما یا سزا و ارہ تیرے ہے کہ دوست دکھنا اس کو جوالشرکو دوست دکھے ۔ کہا تو اپنے گر

ان کو نہیں بلاتا ۔ بین نے کہا بلاتا ہوں اور جب نک دو تین یا اس سے کم و بیش نہوں کھا نا نہیں کھاتا ، حفرت فرما ان کی فقیلت تیرے اور زیادہ ہے برنب تاس نقرت کے میں ہوتے ہیں ہوتے ہیں تو تیری اور جب تیرے گھرسے دو تیرے گھرس داخل ہوتے ہیں تو تیری اور جب تیرے گھرسے دیا کہ میں میں اور جب تیرے گھرسے دیا تیرے گھرس داخل ہوتے ہیں تو تیری اور تیرے اس کی مغفرت کے ساتھ داخل ہوتے ہیں اور جب تیرے گھرسے دیکھیے ہیں تو تیری عمال کے گناہ ہے کہ نکا ہے کہ دیکھیے ہیں تو تیری عمال کے گناہ ہے کہ نکا ہے کہ نکا ہے کہ دیکھیے ہیں۔

٩ - دا وى كمتاب كرحفرت العطب الله على السلام كما عنه بمار عامهاب كاذكر آيا . مين في كماجب مك

ان بن سے دوئین یا کم بیش ندم ہوں پیں ندون کا کھانا کھا تا ہوں ندرات کا پحفرت نے فوایا کہ ان کی فقیلت تھے ہوئے دیا وہ ہے لینہ تا تیری فقیلت کے ان پر بیس نے کہا یہ کیے ، بین ان کو کھاٹا دول ، مال ان ہوخرچ کروں میرے گھروائے ان کی فلامت کریں کیے سر بھی فقیلت اپنی کی ہو۔ فرایا جب وہ تیرے گھریں وافل ہوتے ہمی توالٹہ کا رزق کیٹر آ کم کیے اور جب جلتے ہی تو ٹیر کا عفرت کا سیامان ہوتا ہے۔

١٠ عَنْهُ ، عَنْ أَبِهِ ، عِنَ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ خَبَرَبْنِ مُقَرِّنِ ، عَنْ غَبَيْدِاللهِ الْوَسَتَ افِي ، عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ بِهِيلِا قَالَ : لَأَنْ الْطِعِمَ رَجُلاً مُسْلِماً أَحَبُ إِلَيْ مِنْ أَنْ الْعَيْقِ اللّهِ اللّهِ . وَكَمْ اللّهُ فَقُ ؟ فَقَالَ : عَشَرُهُ آلافٍ .
 الْا فَقُ ؟ فَقَالَ : عَشَرُهُ آلافٍ .

۱۰- فرما یا صفرت ابوجه فرملیا مسلام نے کہ ایک مردم سلمان کو کھانا دینا میرے نزدیک ایک افق علام آزاد کرنے سے بہتر پیمیس نے ہوچھا افت سے کیا مراد سے فرمایا - وس ہزار -

١١ - عَلِيٌّ بْنُ إِبْرَاهِهِم ، عَنَّ أَبِهِ ، عَنْ حَشَادِ بْنِ عِبِلْى، عَنْدِ بْعِيْ فَالَ : قَالَ أَبْرُ عَبْدِ اللهِ يُؤَلِّ مَنْ أَطْهُمَ أَخَاهُ فِي اللهِ كَانَ لَهُ مِنَ الْأَجْرِ مِنْلُ مَنْ أَطْهُمَ فِتَاماً مِنَ النَّاسِ ، قَلْتُ ، ومَا الْفِينَامُ [مِنَ النَّاسِ] : قَالَ مَا تُعَالَمُ مِنَ النَّاسِ.
 قَالَ: مَا تُعَالَمُ مَنْ أَلْفُهِمِنَ النَّاسِ.

اا۔ فرایا حفرت ابوعبدا لله علیانسادم نے جو فوشنودی خداسکے لئے اپینے بھائی کو کھانا کھلاتلہ ایساہے جیسے لوگوں کے فرا یا دیک لکھ آدمی۔

١٧ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِأَ بِيءُمَيْرٍ، عَنْ هِشَامِ بِنِ الْحَكَمِ، عَنْ سَدِيْرِ الضَّيْرَ فِيَّ قَالَ : قَالَ لِيَّ ابْوُعَبْدَالِلْ اللّهِ اللّهِ : مَامنَعَكَ أَنْ تَعْنِقَ كُلَّ يَوْمُ نِسَمَةً ؟ قُلْتُ : لا يَحْنَمِلُ مَاليِ ذَٰلِكَ ، فَأَنَ تَعْنِقَ كُلَّ يَوْمُ نِسَمَةً ؟ قُلْتُ : لا يَحْنَمِلُ مَاليِ ذَٰلِكَ ، فَأَنَ تَعْنِقَ كُلَّ يَوْمُ نِسَمَةً ؟ قُلْتُ : لا يَحْنَمِلُ مَاليِ ذَٰلِكَ ، فَأَنَ تَعْنِقَ كُلُ تَعْنِقَ كُلُ قَالَ : فِي اللّهُ وَسِرَ قَذْيَشْتَهِي الظّهَامَ . تَطْمِعُ كُلّ يَوْمُ مُسْلِماً ، فَقُلْتُ : مُؤْسِراً أَوْمُعُشِراً ؟ قَالَ : فَقَالَ : إِنَّ الْمُوسِرَ قَذْيَشْتَهِي الظّهَامَ .

۱۶۰ سُدِیدالگَیْکوُنِی نے کہا کرمجے سے امام جعفرمیا دق علدالسلام نے فرایا۔ تجھے کس چزینے دوکا اس سے کہ توہر دونرا پک غلام از ادکرے ، میں نے کہا ہیں اس کا تحمل نہیں ہوسکتا یعنی آئنی دولت میرے پاس نہیں، فرمایا ایک سلمان کو کھاٹا کھال کا کر، میں نے کہا چاہیے مالد ادمہو یاغ ہیں ، فرمایا مالدار بھی کہی ٹواہش طعام رکھتا ہے۔

١٣ عَدَّةٌ مِنْ أَصْحَامِنًا، عَنْ أَجْمَدَ بْنِ عُقَدِبِن خَالِدٍ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ كُوْدِنَ أَي نَصْر، عَنْ صَفُوانَ الْجَمَالِ ، عَنْ أَيي عَبْدِاللهِ عَالَ ؛ أَكُلُمُ أَكُمُ لِلْأَأَخِي الْمُسْلِمُ عِنْدِي أَحَبُ إِلَيَّ مِنْ أَنْ أُعْنِقَ نَفَبَةً

Walland California Cal

۱۳ دوفرت ابوعبد الله عليداسلام سعروى بى كونى مسلمان بهائى اگرمير سياس كھانا كھائے تو وہ مير سے نزديك ايك غلام آزاد كرنے سے بہتر ہے

١٤ - عَنْهُ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ صَفَوْانَ الْجَمَّالِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ ؛ لأَنْ الشَّبِعَ رَجُلاًمِنْ إِخْوَانِي أَحَبُ إِلَيَّ مِنْ أَنْ أَذْخُلَ سُوْقَكُمْ هَذَا فَأَبَثَا عُ مِنْهَا رَأْسًا فَأَ عَنِقُهُ .

۱۲۷- فرمایا ا بوعبد التعطیر اسلام نے کو اگریں اپنے مسلمان بھا ٹیوں ہیں سے ایک بھانی کومیرکر دوں تو وہ میرے نزدیک اس سے زیا دہِ مجبوب ہے کہ تمہادے باز ارمیں جاکر ایک غلام تزیدوں اور آزاد کر دوں۔

١٥ ـ عَنْهُ ، عَنْ عَلِيْ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ عُنْمَانَ ، عَنْ عَبَدِالرَّ حَمْنِ بْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ عُنْمَانَ ، عَنْ عَبْدِاللَّ حَمْنِ بْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبَيْعَ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعَلِّمُ عَلَى اللْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى الْمُعْلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الل

ں ۱۵۔ فرمایا ابوعبد الله علیدالسلام نے اگر می تھارے بازارسے پانچ در میم کا کھانا خرید کرے کچھ سلمانوں کو کھلاو تو وہ میرے لئے ایک نظام آزاد کرنے سے زیادہ لیسندیدہ ہے۔

١٦ ـ عَنْهُ ، عَنِ الْوَشَّاءِ ، عَنْعَلِتِي ابْنِأَبِيِحَمْزَةَ ، عَنَأْبِيِبَصِيرِ ، عَنْأَبِيِعَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ: سُئِلَ عُمَّابُنُ عَلِي صَلَوْاتُاللهِ عَلَيْهُمِا مَا يَعْدِلُ عِنْقَ رَقَبَةٍ ؟ قَالَ : إِظْعَامُ رَجُهِلْمُسْلِمٍ .

۱۹ حفرت دمام محد با قرعلیدالسلام سے پوچھاگیا کرفلام آزاد کرنے کے مسادی و درکسیاہے صندمایا ایک مردم سلمان کو کھانا کھلادینا۔

٧٠ - ُعَمَّرُبُنُ يَخْيَى ، عَنْ عَيْرِبْنِ الْحُسَيْنِ بْنِ أَبِي الْخَطَّابِ ، عَنْ نُعَّدِبْنِ إِسْمَاعِيلَ ، عَنْ صَالِحِ بْنِ عُقْبُهَ ۚ ، عَنْ أَبِي ثِبْلِ قَالَ: قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ يَهِيْلِ : مَا أَرَىٰ شَيْئًا يَعَذِلُ ذِيَاءَةَ الْمُؤْمِنِ إِلَّا إِظْمَامَهُ وَحَقَّ عَلَى اللهِ أَنْ يُعْلِمَ مَنْ أَطْهَمُمُوْمِنَا مِنْ طَعَامِ الْجَنَّةِ

ه دفرها یا ابوعبد النه علیدانسلام نے سوائے مومن کو کھانا کھلانے کے کوئی اور چرز نواب میں نم بارت مومن کے برا بر نہیں ۔ النّد کے بے سزا وار ہے کہ وہ جنت کا کھانا اس شخص کو دے جو کمی مومن کو کھانا کھلائے۔ ۱۸ - فرمایا ۱ بوعب ۱۰ المترعلیدانسدادم نے محسّبارج مومن کو کھانا دینا میرے نزدیک زیادہ محبوب سے اس کی ذیارت کرنے سے اور اس کی ذیارت کرنا ذیا دہ محبوب ہے دس غلام آزاد کرنے سے -

١٩ - طَالِحُبْنُ عُقْبَةَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنُ عَبْدِ وَيَزِيدُ بْنِ عَبْدِ المَلِكِ ، عَنْ أَيِعَبْدِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ أَلَمُ عَلَى مُؤْمِناً مُخْتَاجًا عَالَ اللهِ اللهِ عَنْ أَلَمُ عَنْ أَلَمُ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ أَلَمُ عَلَى اللهِ عَنْ أَلَمُ عَلَى اللهِ عَنْ أَلَمُ عَلَى اللهِ عَلَيْ عَلَيْ عَلْمُ عَلَمُ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَمُ عَلَى اللّهِ عَنْ أَلَمُ عَلَى اللّهُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَلَمُ عَنْ أَلَمُ عَلَيْ عَلَمُ عَلَيْ عَلَيْنِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْ عَلَيْ عَلِي اللّهِ عَلَيْ عَلَيْكُمْ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْكُمْ عَلَيْ عَلَيْكُمْ عَلَمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُوا عَلَا عَلَاكُمُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُو

۱۹ د فرمایا الوعبدالشرطیرالسان نے کرجہ مالدارمومن کو کھلائے توبیدالید جیسے اولادِ اسماعیل سے دس آ دمیوں کو ذئح بہونے سے بچالیدا اور ایک مومن محتاج کو کھانا کھلانا ایسا ہے جیسے اولاد اسماعیل سے سوغلاموں کو ذئح سے بچالیا

٢٠ طالِحُ بْنُ عُقْبَةَ ، عَنْ نَصْرِ بْنِ فَابُوسَ ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ اللهِ قَالَ : لَاطْعَامُ مُؤْمِنِ أَحَبُ إِلَى عِبْدَ عَنْ عَثْمِ وَعَشْرِ وَقَالَ : فَقَالَ : يَا فَشُرُ إِنْ لَمْ تُعْفِعُ وَهُ مَانَ أَوْتَذْلُونَةُ فَيَجِيمُ إِلَىٰ نَاصِبِ فَيَسْأَلُهُ وَالْمَوْتُ خَبْرٌ لَهُمِنْ مَسْأَلَةِ نَاصِبٍ ، يَا نَصْرُ مَنْ أَنْفُو الْمَوْتُ خَبْرٌ لَهُمِنْ مَسْأَلَةُ وَنَاصِبٍ ، يَا نَصْرُ مَنْ أَخْبًا مُؤْمِنًا فَكَأْنَمَا أَخْبَالنَّاسَ جَمْعِها فَإِنْ لَمْ تُعْفِوهُ وَقَدْ أَخْبَاللّهُ وَالْمَوْدَةُ وَإِنْ أَطْعَمْنُمُوهُ وَقَدْ أَخْبَيْنُمُوهُ .

٧٠- فرایا حفرت ابوعبدا لندعلیه اسلام نه ایک مومن کو کھانا کھلانا میرے نزدیک زیادہ محبوب بے دس فلام آذاد کرنے اور دس ج کرنے سے میں نے تعب سے میں نے تعب سے کہا۔ دس غلام آزاد کرنے اور دس ج کرنے سے میں نے تعب سے کہا۔ دس غلام آزاد کرنے اور دس ج کرنے سے مرمائے گا یاکی ناصبی سے جا کرسوال کرنے پرتم اسے مجبود کرو گئے۔ اس سے تواس کا مرجانا بہم تربید ۔ اے نعر جس نے ایک مومن کو ندہ کیا اس نے گئیا سب لوگوں کو زندہ کیا رہ سے آگر تم نے اس کو کھلایا تو گویا اس کے کہا سب لوگوں کو زندہ کیا رہ س اگر تم نے اس کو کھلایا تو گویا اسے مارد الا اور اگر کھانا دیا تو اس کو زندہ کراہیا ۔

الله المساولة المساول

دوسوبیت رسبوال باب مومن کونباس پہنانا

٥ (باب من كسّامُوْمِناً) ٧١٥

ا ِ فرمایا ابوعبدا نشوعلیدانسلام نے جس نے اپنے بھائی کوجا دئے یا گرمی کا بہاس پہنا یا۔ خد ااس کوجنت کا نہاسس پہنا سے گا اور نزع کی سختی کو اس پر آسان کردے گا اور اس کی قبر کوکٹ دہ کردے گا اور جب توسے نکے گا تو ۔ لا ککہ اس سے مل کرجنت کی بشارت دیں سکے جیسا کہ خدا نے فرما یا ہے ۔ ملا ککہ ان سے مل کرکسیس کے ہیں دہ دن ہے جس کا تم سے وحدہ کیا گیا تھا

٣ - عَنْهُ ، عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَنْهِ ، عَنْ بَكْرِ بْنِ صَالِح ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَعْفَرِ ابْنِ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيّ قَالَ ، مَنْ كَسَاأَحَدا مِنْ فَقْرَاء الْمُسْلِمِينَ تُوْبَأُمِنْ عُرْي أَوْأَءَانَهُ بِشَيْء مِضَا يَقُوته مِنْ مَعْيَشَتِهِ ، وَكَثَلَ الله عَنْ وَ جَلَّ بهِ سَبْعَة اللهِ مَلَكِ مِنَ الْمَلائِكَة ، تَسْتَغْفِرُونَ لِكُلِّ ذَنْ عَمِلَهُ إِلَىٰ أَنْ يُنْفَخ فَى الصُّورِ .

۲- فرمایا حفرت ابوعبدالنّد علیدانسادم نے بوکی برہز محتاج مسلمان کو لباس پہنائے اور اس کی دوزی کے متعلق کسی امری مدد کرے توفدا ستر ہزاد فرشتوں کو معین کرتا ہے کہ جواس کے لئے نفخ صور کے وقت تک اس کے ہرا کیے گننا ہ کے لئے استغفار کرتے دہیں۔

٣ ـ عَنْ أَخْمَدُ بِنِ عَنْ أَخْمَدُ بِنِ عَنْ مَ عَنْ صَفُوانَ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَر اللّبِلا قَالَ:
 قَالَ رَسُولُ اللّهِ وَاللّهِ عَنْ كَسْأَحُدا مِنْ فَقُرَاء الْمُسْلِمِينَ ثَوْباَمِنْ عُرْيٍ أَوْأَعَانَهُ بِشَيْءٍ مِمْنَا يَقُونُهُ مِنْ مَعْبِشَتِهِ وَكُلُ اللهُ عَنَ وَ حَلّ بِهِ سَبْعَيْنَ أَلْفَ مَلَكٍ مِن الْمَلائِكَةِ تَسْتَغْفِرُونَ لَكُلّ ذَنْبٍ عَمِلَهُ مِنْ مَعْبِشَتِهِ وَكُلُ اللهُ عَنَ و حَلَ بِهِ سَبْعَيْنَ أَلْفَ مَلَكٍ مِن الْمَلائِكَةِ تَسْتَغْفِرُونَ لَكُلّ ذَنْبٍ عَمِلَهُ

۲۱/۱۰۹۳ انبیاد

إِلَىٰ أَنْ يُنْفَخَ فِي الصُّورِ.

٣- فرما يا الوجعفر على إسلام نے كه دسول الله نے فرما يا كر جوكسى مختاج مسلمان كو بحالت برسط كى بباس بينلے كا یاروزی کے معاملہ میں اس کی مدد کرے گاتو اللہ تعالیٰ ستر ہزار فرشنوں کومعین کرے گاکدوہ اس سے صادر ہوئے والهركت م كل استغفاد كريديهان الكرسودميونكا جائ -

٤ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ حَمَّادِبْنِ عَبِسَى ، عَنْ إِبْرَاهِهِمْ بْنِ عُمْرَ، عَن أَبِي حَمْرَة الثَّمَالِين ، عَنْ عَلِي بْنِ ٱلحُسَيْنِ الْعَلَّاءُ [قَالَ :] مَنْ كَسَامُؤُمِنا كَسَاهُ اللهُ مِن الثِّبابِ الْخُشِر . وَقَالَ فِي حَدِيثٍ آخَرَ: لا يَزَالُ في ضَمَانِ اللهِ مَادَامَ عَلَيْهِ سِلْكٌ .

م ، فرما یا حفرت علی بن الحسین علیدا نسدام نے چوکسی مومن کونباس پہنائے گا اللہ اس کوجنت کا لباکس پہنلے کا اِ ودایک دوسری درست بیں ہے کہ وہ خدا کی حفاظت میں رہے گا جب تک اس ممشاع کے بدن براس لباس کا ایک تاریخی ہمگا

٥ - عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَالِم، بْنِ خَالِد، عَنْ عُمْالَ بْنِ عِبْسي ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ إِلَيْهِ أَنَّهُ كَانَ يَقُولُ: مَنْ كَسَامُؤْمِنا ثَوْباُمِنْ عُرْيٍ كَسَاهُ الله مِن إِسْتَبْرَقِ الْجَنَّةِ وَمَنْ كَسَا مُؤْمِناً تَوْباًمِنْغِنْي لَمْ يَزَلْ فِي سِنْرِ مِنَ اللهِ مَا بَقِيَ مِنَ النَّوْبِ خِرْقَة '.

۵-فرایا ابوعبدال ملیابسلام نے جوکوئی برینگی برکی مومن کولباس پہنائے گا تو خدااس کوبہتے باس پہنلے گا ا ورج بحالت مالدادی پینلے گا وہ الندک پرده پوشی میں رہے گاجب تک اس بیاس کا ایک مکر امھی باتی ہے۔

روسوسولهوال باب مومن بربهرباني كرنا اوراس كيعزت كرنا

(بنات) ۲۱۲

ه (في الْطَافِ الْمُؤْمِنِ وَاكْرْاهِهِ) (مَا يَحْلُى ، عَنْ الْحُسَّنِ بْنِ هَاشِمِ ، عَنْ الْحُسَّنِ بْنِ هَاشِمِ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنُ عَهِمْ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنُ عَهْمَ ، عَنْ أَحْمَدُ بْنُ عَهْمِ ، عَنْ أَحْمَدُ بْنُ عَهْمِ ، عَنْ أَحْمَدُ بْنُ عَهْمُ مَا مِنْ الْحُسَّنِ بْنِ هَاشِمِ ، عَنْ الْحُسَّنِ بْنِ هَاشِمِ ، عَنْ أَحْمَدُ بْنُ عَهْمُ مِنْ عَلَيْ بْنِ الْمُؤْمِ عَنْ شَعْدِانَ بْنِ مُسْلِمٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيدٍ قَالَ : مَنْ أَخَذَ مِنْ وَجْدٍ أَخْدٍهِ إِلْمُؤْمِنِ قَذَاهُ كَنَبَاللهُ عَنَّ وَ جَلَّ لَهُ عَشَرَحَسَنَاتِ ، ومَنْ تَبَسَّمَ في وَجْهِ أَخْبِهِ كَانَتْ لَهُ حَسَّنَةٌ. ا۔ فرمایا حفرت ا پوعب اللّہ نے توابینے مومن کھائی کے چہرہ سے میں وخاشاک دودکرے نواللّہ اس کے ہے کہ دسس نیکسیاں مکھتاہیے ا ورجوبندہ کم مومن کے چہرے پڑنیسم لمائے تواکس کے لئے ایک نیکی مکھتاہے -

٣ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُتَهِ ، عَنْ عُمَرَ بْنِ عَبْدِ الْعَرَبِنِ ، عَنْ جَمبِلِ بْنِ دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِ دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَالَى اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِ دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِ دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِ دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَنْ مِلْ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِ دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَنْ مِلْ اللهِ عَنْ عَلَم اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِ دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَنْ مَلْ اللهِ عَنْ عَلَم اللهِ عَنْ عَلَم اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِي دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِي دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِي دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَنْ جَمبِلِ بْنِي دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَلَم اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِي دَرْ الْج ، عَنْ أَبِي عَلَيْ اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِي دَوْمِ الْهِ عَلَى اللهِ عَنْ جَمبِلِ بْنِي دَوْمِ الْهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلَم اللهِ عَنْ عَلَم اللهِ عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ اللهِ عَنْ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَنْ عَلَم عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَا اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَلَيْ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ عَلَا اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الله

٧ رقوا يا ابرعب الشعليال الم فعج البنيمومن كها لأسير مرجبا كمي الشتعال قيامت تك امس كم سعة خوش آ مديد لكمع تا بنيد.

٣ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَخْمَدَ بَنْ ثُمَّذِ بْنِ عَيْسَى، عَنْ يُونْسَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ
 قَالَ : مَنْ أَتَا أُمُ أَخُوهُ الْمُسْلِمُ فَأَكْرَ مَهُ فَإِنَّمَا أَكْرَ مَاللهُ عَنَ وَجَلَّ .

مع ۔ فرمایا ابوعبد الترعلیہ اسلام نے کی پاس کوئی مومن بھائی آئے اوروہ اس کا اکرام کرے توالتھ اس کا اکرام کرتلہے۔

عَنهُ ، عَنْ أَخْمَدَ بْنِ ثُمَّةٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ نَصْرِ بْنِ إِسْحَاقَ ، عَنِ الْحَارِفِ بْنِ النَّعُمَّانِ عَنْ أَرْقَمُ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ اللَّهُ عَنْ أَمَّتِي عَبْدُ عَنْ أَبِيدَ إِنْ أَنْ فَي اللهِ عَنْ أَمَّتِي عَبْدُ عَنْ أَنْ فَي اللهِ بِشَيْءَ مِنْ لُطُفِ إِلْا أَخْدَمَهُ اللهُ مِنْ خَدَمِ الْجَنَّةِ .

م - دسول الله نے فرمایا جو کوئی میری آمت میں اپنے بھالی پرکسی چیزسے بھی مہر بابی کرے گا تواللہ اس کی فلمت کے لئے جنت کے خادم مفرد کرے گا-

ه _ وَعَنْهُ ، عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عُبَّهِ ، عَنْ مَكْرِ بْنِ صَالِح ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ ، عَنْ عَبْدِالله بْنِ جَعْفُور ا بْن إِبْرُ اهِيمَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَلَيْهِ الرَّحْمَةُ مَا كُانَ فِي ذَٰلِكَ . بِهَا وَفَرَّ جَ عَنْهُ كُرُ بْنَهُ لَمْ يَزَلُ فِي طِلِّ اللهِ اللهِ اللهِ الدَّخْمَةُ مَا كُانَ فِي ذَٰلِكَ .

۵- فرمایا ابوعبدالله علیه اسلام نه که دسول الله نے فرمایا جس نے صرت ایک کلمہ سے اپنے بھائی کو نوازا اور اسس پرمبر با ن کر کے نوش کرسے تواللہ اسے اپنے مہر با ن کے سایہ میں دکھے گا جب تک وہ اس کام میں سگا دہے۔

٦ - عَنْهُ ، عَنْ أَخْمُدَبْنِ مُعَنِّى ، عَنْ عُمَرَ بْنِ عَبْدِ الْعَزِيزِ ، عَنْ جَمِيلٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلِي قَالَ:

سَوعْنَهُ يَقُولُ : إِنَّ مِمَّا خَصَّ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ بِهِ الْمُؤْمِنَ أَنْ يُعَرِّ فَهُ بِنَ إِخْوَانِهِ وَإِنْ قَلَ ، وَلَيْسَالْبِرُ بِالْكِفْرَةِ وَذَٰلِكَ أَنَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ يَقُولُ فِي كِنَابِهِ : • وَيُؤْثِرُ وَنَ عَلَىٰ أَنْفُسِهُمْ وَلَوْكَانَ بِهِمْ خَصَاصَةٌ (أَنْمَ بِالْكِفْرَةِ وَذَٰلِكَ أَنَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ يَذَٰلِكَ أَخْبَاللهُ وَ مَنْ عَزَفَهُ اللهُ عَزَّ وَ جَلَّ بِذَٰلِكَ أَحْبَهُ اللهُ وَمَن عَزَفَهُ اللهُ عَزَ وَ جَلَّ بِذَٰلِكَ أَحْبَهُ اللهُ وَ مَن عَزَفَهُ اللهُ عَزَ وَ جَلَّ بِذَٰلِكَ أَحْبَهُ اللهُ وَمَن عَزَفَهُ اللهُ عَزَ وَ جَلَّ بِذَٰلِكَ أَحْبَهُ اللهُ وَمَن عَزَفَهُ اللهُ عَزَ وَ جَلَّ بِذَٰلِكَ أَحْبَهُ اللهُ وَمَن عَزَفَهُ اللهُ عَزَ وَ جَلَّ بِذَلِكَ أَحْبَهُ اللهُ وَمَن عَرَافِهُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَالَ اللهُ عَلَا عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَالَهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا عَلَا عَلَالُهُ اللهُ عَلَالَهُ عَلَا عَلَا عَلَا اللهُ عَلَالَ عَلَالِكُ عَلَا اللهُ عَلَالَ عَلَا عَلَا اللهُ عَلَالَ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَالَهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا اللهُ عَلَالَهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَاللَّهُ عَلَالَهُ عَلَالَالِكُ عَلَالَهُ عَلَا عَلَا

۱۰ دراوی مجتا ہے میں نے حفرت ا ہوعید اللہ علیہ السام سے سناکرجن یا توںسے اللہ نے محفوص کیا ہے مومنین کو ، ان پس ایک یہ ہے کہ وہ اپنے بھا یکوں مے ساتھ نیسکی کرب اگرچ ونیکی کم ہی کیوں نہ جو ۔ خداا پنی کتاب میں فرما تاہیے وہ تنگارستی کی حالت میں بھی اپنے ٹفنوں ہے دوسروں کو ترجیح ویتے ہیں ہے ہہ ہی حضرمایا ہے جو بھل سے اپنے کو پچانے والے ہیں وہ دوز آخرت فلاح پانے والے ہیں اورجس ہے خدا کل موثنت حاصل کی خداس کو دوست رکھتا ہے ۔ اس کا اجردوز قیامت بے حساب ہے ۔ پچھ ت رمایا اسے جمیل اس حدیث کو لوگوں سے بسیان کروکہ اس سے نیکی کی ط من لوگوں کورغبت مہو گی۔

٧- عَنْ طَالِحِبْنِ عَقْبَهُ ، عَنْ عَيْرِ الْحُسَيْنِ ، عَنْ عَيْرِ إِسْمَاعِبِ لَ . عَنْ طَالِحِبْنِ عَقْبَهُ ، عَنْ الْمُفَصَّلِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : إِنَّ الْمُؤْمِنَ لَيُتْجِفَ أَخَاهُ التَّخْفَة ، فَلْتُ : وَ أَيُّ شَيْءَ التَّخْفَة ، فَلْتَ . وَ أَيُّ شَيْءَ التَّخْفَة ، فَلْتَ . وَ أَيُّ شَيْءَ التَّخْفَة ، فَلْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ

د فرایا حفرت الزعبدالشعلیدالسلام نے کم مومن کوچاہیے کم کھند دے اپنے کھائی کو، دا وی کہما ہے۔
میں نے کہا کہ سخفہ کس جیز کا بہو فرایا فرمش ہواس کے بیپھنے کے لئے، کیدبس پیشت سکانے کے لئے، کھا ناہو لباس
مہر اسلام کیا جائے۔ اس کے بر ہے میں اس کو موقع ہوگا کہ جنت کی طرت کر دن اسٹھا کہ دیکھے اور جنت کو وہ ہوگا
کرمیں نے تیرا طعام سوائے نبی یا وھی نبی ابلا، دنیا پرحرام کیا ۔ جب قیامت کا دن کرئے گا تو مدا جنت کو وہ کرے
گاکہ تلا فی کرمیرے دوستوں کی چند تحفوں سے ۔ بس نسکلیں گے اس سے چند غلام، کنیزیں جن کے سروں پرخوان ہوں
گے جو موتی کی کے دومانوں سے ڈھکے ہوں گے جب وہ لوگ جہنم اور اس کے خوفناک منا ظر کو دیکھیں گے تو ہوش وجو اس

گُهرِچا بِيُ گے اور کھانے سے دک جا بيُن کے اس وقت تخت ِ وَرَش سے ایک منادی ندا کرے گا جِهِمْ حرام ہے اس پر جو طعام جنت ہے تب وہ اوگ اپنے ہا تھ دارھا کر کھا ئیں گئے -

٨- أَنَّا أَبْنُ يَحْيَى، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ تَغَيِّمِ عِلَى عَلَى عَنْ كُلِّي بَنِ عَلِيهِ ، عَنْ كُلِّي بَنِ عَلِيهِ ، عَنْ كُلِي مَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَوِ وَاللهِ عَالَ : يَجِبُ لِلْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ أَنْ يَسْئِرَ عَلَيْهِ سَبْدِينَ كَبَبِرَةً .

٨- فرما يا حفرت محد يا قرعلي السلام ن كمومن ك محبت يه به كداس كي ستروش كانا ه يجعبات-

ه فرما یا ابوعبد التُدعلیدالسلام نے اسے اسحاق احسان کرمیرے دوستوں سے جمال تک ممکن جوجب مومن ، مومن براحسان کرتا ہے یا اس کی مدد کرتا ہے۔ مومن ، مومن براحسان کرتا ہے یا اس کی مدد کرتا ہے۔

روسوستریموال باب خدمت مومن (باب نی خِذمتیه) ۲۱۷

ا _ عُمَّدُ بُنُ يَحْلَى ، عَنْ سَلَمَةَ بْنِ الْخَطَّابِ ، عَنْ إِبْرُاهِيمَ بْنِ كُمَّيَاللَّقَهَيِّ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ الْمُعْتَمِرِ قَالَ : سَمِعْتُ أَمِيرَ الْمُؤْمِنِينَ عَلِيلٍ يَقَوْلُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ طَالِحِ بْنِ أَبِي الْمُعْتَمِرِ قَالَ : سَمِعْتُ أَمِيرَ الْمُؤْمِنِينَ عَلِيلٍ يَقَوْلُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ طَالِحِ بْنِ أَبِيلٍ يَقَوْلُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَنْ طَالِحِ بَنِ أَنْ عُلَا مُسْلِمِ مَنْ مَنْ الْمُسْلِمِ مَنْ إِلْا أَعْطَاهُ اللهُ مِنْلَ عَدَدِهِمْ خُدِ المَّافِي الْجَنَّةُ . وَهُو مُا مِنَ الْمُسْلِمِ مِنْ إِلْا أَعْطَاهُ اللهُ مِنْلَ عَدَدِهِمْ خُدِ المَّافِي الْجَنَّةُ .

ا و حفرت امیرا لمومنین علیا اسلام نے فرایا کردسول النوصل الندُعلیہ وآلہ دسلم نے فرایا ہے کہ جسلمان ، مسلما نوں بیرسے کسی قوم کی خدمت کرے گا تواللہ تعالیٰ بقدران کی لقدماد کے جنست ممیں خدمت گارع طسا فرائے گئا۔ گئا۔

دوسوامفار بروال باب

نصيحث المومن

(باك نصيحة المؤمن) ٢١٨

١ _ عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبِّهِ ، عَنْ عَلِيّ بنِ الْحَكِم ، عَنْ عُمَرَ بْنِ أَبَانِ، عَنْ عَبِسَى ابْنِ أَبِي مَنْفُورٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيَ اللهُ عَلَى الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ أَنْ يُنَاصِحُهُ "!

١- فرمايا حفرت ابدعبدا للرعليدا لسلام ن مومنين يرواجب بدكر ايك دوسير كونفيعت كري -

٢ - عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ مُعَاوِيَةَ بْنِ وَهْبٍ ، عَنْأَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : يَجِبُ لِلْمُؤْمِنِ عَلَى النَّصِيحَةُ لَهُ فِي الْمَشْهَدِ وَالْمَعْبِ .
 عَلَى الْمُؤْمِنِ النَّصِيحَةُ لَهُ فِي الْمَشْهَدِ وَالْمَعْبِ .

٧- فرما یا حفرت ۱ مام محدیا قرطیه اسلام نے کہ موس پرموس کونفیرے تک دا جب ہے یتواہ وہ عافر ہویا غائب (بذرلیع مراسلت)

٣ - ابْنُ مَحْبُوبٍ ، عَنِ ابْنِ رِئَابٍ ، عَنْأَبِي عُبَيْدَةَ الْحَدَّ الِ ، عَنْأَبِي جَعْفِر عَلَيَكُمُ قَالَ : يَجِبُ لِلْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ النَّصِحَةُ .

٣- فرمايا حفرت الوعيد الثرعليه السلام نے مومن پر لمومن کونھير ست کرنا وا جب سے

٤ ـ ابْنُ مَحْبُوْبٍ ، عَنْ عَمْرِوبْنِ شِمْرٍ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفَ مِ إِلِيلِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ
 رَائِئَةِ : لَيَنْصُحُ الرَّ جُلُ مِنْكُمْ أَخَاهُ كَنَصَيحَنِهِ لِنَقْشِهِ .

م- فرمایا رسول الدُملي الدُهليه وآله وسلم في تم مي سع مِرشنخص كوچاليد كه ابين كها أن ك نعيست اس طرح كرے جي ابينے نفس كوكر تلب -

ه - عَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوفَلِيِّ ، عَنِ السَّكُونِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ الللهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهِ عَنْدَاللهِ يَوْمَ الْقِيَامَةِ أَمْشًا هُمْ فِي آرْضِهِ بِالنَّسِيحَةِ لَخَلْقِهِ .

۵ ـ دسول العُرْف فرمایا ـ از دو نے قدرومنزلت عندالعُرد و ثنیامت و شخص سبسے زیادہ ہوگا۔ تو اس کی زمین اس کی مختلوت کوسیسسے زیادہ نعیم کے فی والام دگا۔

٣ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِمٍ ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ الْقَاسِمِ بْنِ عَيْنِ الْمِنْقَرِيِّ ، عَنْ شُفْيَانَ بْنِ عُيَيْنَةَ قَالَ :
 تَمِمْتُ أَبَاعَ بْدِاللَّهِ عُلْبَتْ مُ يَقُولُ ؛ عَلَيْكُمُ بِالنَّصُحْ اللَّهِ فَي خَلْقِهِ فَلَنْ تَلْقَاهُ بِعَمَلِ أَفْضَلَ مِنْهُ

دوسوانيسوال باب لوگوس كيدرميان اصلاح «باب ۲۱۹

٥(الأصلاح بَيْنَ النَّاسِ)٥

ا مَنْ عَنْ حَشَّادِ بَنْ يَحْشَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ نَخْهَ ، عَنْ خَبَرِ بِنَانِ ، عَنْ حَشَّادِ بْنِ أَبِي طَلْحَةَ ، عَنْ حَبيبِ الله خُولِ قَالَ: سَمِعْتُ أَباعَبْدِالله إِنَّا يَقُولُ: صَدَقَةَ يُحِبُّمُ الله الله إِضْلاحُ بَيْنِ الشَّاسِ إِذَا تَفَاسَدُوا وَتَقَارُبُ بَيْنِهِمْ إِذَا تَبَاعَدُوا بَعَدُوا

عَنْهُ ، عَنْ غَيْرِ بْنِ سِنَانِ ، عَنْ حُذَيْفَةِ بْنِ مَنْصُورٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيلٍ ، مِثْلُهُ .

ا- فرمایا الدعبدالله علیالسلام نے وہ نیکی جس کو الله دوست ر کھتلہ الدگوں کے درمیان ملے کرانا ہے جبکرفساد بر پاہرواوران کو ایک دوسرے سے قریب کرنا ہے جبکہ وہ دور ہو چکے بھوں ۔

اوردا ولول غيمى حفرت الوعبدالسرايس بي حديث نقل كى ب

٣ ــ عَنْهُ . عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ هشامِبْنِ سَالِمٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَا قَالَ : لَأَنْ اَصْلَحَبَيْنَ انْشَوْنِ أَحَدُ إِلَيْ مِنْ أَنْ أَتَصَدَ قَ بِدِينَارَيْنِ .
 انْنَيْنِ أَحَدُ إِلَيْ مِنْ أَنْ أَتَصَدَ قَ بِدِينَارَيْنِ .

۲- فرایا الدعب دالمنزعلیدا اسلام نے دوآ دمیوں کے درسیان صلح کرانا میرے نزدیک دو دینا رصد فر دیبین

- Wind

٣ _ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ ثُغَيْهِ ، عَنِ ابْنِ سِنَانِ ، عَنْ مُغَمَّلُ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبُدِ اللهِ عَلَى الْهَ أَيْتَ بَالْهُ عَنْ أَمُنَا وَ عَنْ أَمُنَا وَ عَنْ أَمُنَا وَ عَنْ أَنْ عَنْ أَمُنَا وَعَنْ اللّهِ عَنْ أَمُنَا وَعَنْ فَعَدِهُ اللّهِ عَنْ أَمُنْ اللّهِ عَنْ أَمُنَا وَعَنْ فَعَدِهُ اللّهِ عَنْ أَمُنَا وَعَنْ فَعَدِهُ اللّهِ عَنْ أَمُنْ وَعَنْ فَعَدُوهُ اللّهِ عَنْ أَنْ فَعَدُوهُ اللّهِ عَنْ أَنْ فَعَدُوهُ اللّهِ عَنْ أَنْ فَعَدُوهُ اللّهِ عَنْ أَنْ فَعَدُوهُ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهُ عَنْ أَنْ فَعَلَا اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُوا اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلْمُ عَلَيْكُولُوا اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا اللّهُ عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَنْ عَنْ عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَنْ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْدُ اللّهُ عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلْ عَلَا لَا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَيْكُولُوا عَلَا عَلَا عَلَا لَا عَلَا لَا عَلَيْكُولُوا عَلَا عَلَّا عَلَا عَلَا

۳- فرایا ابری دانشرعلی اسلام نه به ارسه دوستیدن می جسه میگذا دیکه و آرایت الرست فدیر در کراس قفید کو فتم کا دور

٤ - ابْنُ سِنَانِ ، عَنَّ أَبِي حَنْبِهَةَ سَابِقِ الْحَاتِجُ قَالَ : مَنَّ بِنَا الْمُفَضَّلُ وَ أَنَا وَخَنْبَيْ نَتَمَاجَرُ فَي مِبِراثٍ ، فَوَقَتَ عَلَيْنَاسَاعَةً ثُمْ فَاللَّذَا إِلَى الْمَنْزِلِ فَالْتَيْنَاهُ فَأَسْلَحَ بَيْنَا بِأَرْبِعِماتَةِ دِرْهَم فَدَفَهُما مِبراثٍ ، فَوَقَتَ عَلَيْنَاسَاعَةً ثُمْ فَاللَّذَا إِلَى الْمَنْزِلِ فَالْتَيْنَاهُ فَأَسْلَحَ بَيْنَا بِأَرْبَعِماتَةِ دِرْهَم فَدَفَهُما إِلَيْنَامِنْ عَنْدِهِ حَثْمَ إِذَا اسْنَوْثَقَ كُلُّ وَاحِدٍ مِشَامِنْ صَاحِبِهِ ، قَالَ : أَمَّا إِنْهَالْمَيْسَتُ مِنْ مَاللَي وَلَنكِنَ أَبْنَامِنْ مَاللِي وَلَنكِنْ أَبُوعَيْدِاللهِ إِلَيْنَا اللَّهِ مَنْ أَسْحَابِنَا فِي شَيْءٍ أَنْ الْمُلْحَبَيْنَهُمَا وَأَفْتَدِبَهَا مِنْ مَاللَّهِ ، فَهُذَا مِنْ مَاللَّهِ مَنْ أَسْلَحَ بَيْنَهُمَا وَأَفْتَدَبَهَا مِنْ مَاللَّهِ ، فَهُذَا مِنْ مَاللَّهُ عَلْمَ اللَّهِ عَلْمَاللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلْمَالِهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْلًا عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْنَا اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهِ اللَّهُ عَلَيْنَالُواللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّه

مہ۔ دا وی کم تبہدیں ا درمیرا بہنوئی میراٹ پر جھگڑا کر رہے بھے کہ فضل کا اس طرف سے گزرمجوا وہ ہما رست چاس کھم گئے اور کھسا کہ تم لوگ، گھر حلی بچنا نجد ہم لوگ ان کہ ساتھ گھر آئے۔ مفضل نے ہمارے درمیسان مسلح کرا دی اور چار میں درمیم اچنے پاس سے ہم کوڈ سینے جب ہم مطمئن ہو گئے تو اسخوں نے کہا کریے میرامال نہیں ہے بلکہ امام جعفرہا دی علیاسلام خصکم ویا ہے کہ جب ہما رہے اصحاب میں کوئی بھوگڑا ہو تو میں ان کے درمیسان مسلح کرا دوں اور حفرت نے ممال سے فدر ودں ہیں یہ مال چھوٹ ابو عبد اللہ علیہ دسیام کا ہے۔

ه رفریایا ابوعبدا لنزملیاسلام نداصلاح کرنے وال جھوٹانہیں کہلدہ درورغ مصلحت آئمیزہ ا ذرامستی فقنران کھڑ۔

٦ - عَلِيْ ' عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِأَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ إِسْمَاعِهِلْ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَمَّارٍ، عَنْ أَبِي عَمَّارٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهُ عَنْ أَلَا تَعْمَلُوا اللهُ عَنْ ضَةً لِآ يَمَا نِكُمْ أَنْ تَبَرَ وا وَتَشَعَّوُا وَ تَعْمَلُوا اللهُ عَنْ ضَةً لِآ يَمَا نِكُمْ أَنْ تَبَرَ وا وَتَشَعَّوُا وَ تَعْمَلُوا اللهُ عَنْ ضَدْ لِآ يَمَا نِكُمْ أَنْ تَبَرَ وا وَتَشَعَوُا وَ تَعْمَلُوا اللهُ عَنْ إِنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْ يَمِينُ أَلْا أَقْمَلَ .

اخاذ جلدم والمنظم والم والمنظم والمنظم والمنظم والمنظم والمنظم والمنظم والمنظم والمنظم

٧ = عَذَةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدِبْنِ عَبَيْنِ خَالِدٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ مُعَاوِيَةً بِنَ وَهُب أَوْمُعَاهِ يَةَ بَنِ عَمَّادٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيلًا قَالَ : قَالَ : أَبْلِيغُ عَنْتِي كَذَا وَكَذَا - فِي أَشْلِياً أَمَرَبِهِا - قَوْمُعَاهِ يَةَ بَنِ عَمْ إِنَّ الْمُصْلِحَ لَبُسَ بِكُذَاب قَلْتُ ؛ قَالَ : نَعَمْ إِنَّ الْمُصْلِحَ لَبُسَ بِكُذَاب قَلْتُ ؛ قَالَ : نَعَمْ إِنَّ الْمُصْلِحَ لَبُسَ بِكُذَاب إِنَّ مَا قُلْتَ لِي وَغَيْرًا آلَذِي قُلْتَ ؟ قَالَ : نَعَمْ إِنَّ الْمُصْلِحَ لَبُسَ بِكُذَاب إِنَّ مَا فَلْتَ لِي وَغَيْرًا آلَذِي قُلْتَ ؟ قَالَ : نَعَمْ إِنَّ الْمُصْلِحَ لَبُسَ بِكُذَاب إِنَّ الْمُصْلِحَ لَبُسَ بِكِذْب]

ووسوجيسوال باب

۲۲، (بالر)

١٥ (في إخياء المؤمن)

١- عِنْ تُ مِنْ أَصْحَابِنَا ٤ عَنَ أَحْمَدَ بَنِ خَلَدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بَنِ عِبشَى ، عَنْ سَمَاعَةً ، عَنْ أَمِيعَبِدَاللهِ عَلَى عَبْدِ نَفْسِ فَكَأْنَهُمَا فَتَلَاللهُ عَنْ وَجَلَ : همَنْ قَتَلَ نَفْسْ فِعَيْرِ نَفْسِ فَكَأْنَهُما فَتَلَاللهُ اللهُ ال

ا۔ فرایا حفرت ابوعبد اللہ علیہ السلام نے جبکریں نے اس آیت کے متعلق پوچھاجس نے ایک شخص کو بغید می کے قتل کیے بہوئے قتل کیا توایسا ہے گویا سب آدمبوں کو قتل کیا اور جس نے ایک کوزندہ رکھا اس نے کویا سب کوزندہ رکھا۔ سائل نے کہا اس سے مجھے اور بھی مراد ہے فرایا جس نے کسی کو ہدایت سے ضلامت کی اور نہیج پایا اس نے کویا اس کو قتل کیا۔ ٢ - عَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بَنْ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ عُثْمَانَ ، عَنْ فَضَيْلِ بْنِ يَسَارِ قَالَ : قُلْتُ لِأَ بِي جَعْمَةً وَ عَلَى اللّهِ عَنْ وَجَلّ فِي كِتَابِهِ : «وَمَنْ أَحْبِنَا هَا فَكَأْنَمَا أَحْبَا النّّاسَ جَمَعُا » ؟ قَالَ : مِنْ حَرْقٍ أَوْغَرْقٍ ، قُلْتُ : فَمَنْ أَخْرَجُها مِنْ ضَلالٍ إلى هُدى ؟ قَالَ: ذَاكَ تَأْدِ بِلْهَ الْأَعْلَمُ .

عُمَّهُ بِنُ يَحْمِي ، عَنْأُحْمَدَ وَعَبْدِاللهِ أَبْنَيْ تُمَّرِبْنِ عَبِلْسَ ، عَنْ عَلِيْ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبَانِ مِثْلَهُ .

٧- داوى كېتلب امام محد با قرطيدالسال سركها كياتفير به اس آيت كى بجس نے ايك نفس كو ذنده كيا اس نے گوياكل آدميوں كو دنده كيا - فرمايا جس نے كركي علين يا دوينے سے مجايا - بس شے كہا - كيا يدمرا د نہيں ، جس نے گراہی سے برايت ك طرف پہنچايا فرمايا - يہ تا ويل سب سے بچى ہے ۔

٣ - عَنَّ بَنْ يَخْلَى * عَنْ أَخِي خَالِدٍ الْقَصَّاطِ ، عَنْ كَيْدِ خَالِدٍ ، عَنِ النَّبْرِ بِنِ سُورِدٍ ، عَنْ يَخْبَى بَنِ عَبْدِالله عَنْ أَبِي عَبْدِالله عَنْ أَبِي خَالِدٍ الْقَصَّاطِ ، عَنْ حُسْرَانَ قَالَ : قُلْتُ لِأَبِي عَبْدِالله عَنْ أَبِي خَالِدٍ الْقَصَّاطِ ، عَنْ حُسْرَانَ قَالَ : قُلْتُ لِأَبِي عَبْدِالله عَنْ أَدْخُلُ الله رَانَا الله وَ أَنَا الْبَوْمُ عَلَى خَالِ الْخَرْى كُنْتُ أَدْخُلُ الله رَمَّ فَالْمَدَ وَمُاعَلَلُه أَنْ يُخْرِجُهُ مِنْ فَاهَ وَأَنَا الْبَوْمُ لاَ أَعْوَا حَداً ؟ فَقَالَ : وَمَاعَلَلْكَ أَنْ يُخْرِجُهُ مِنْ فَلْمَهِ إِلَى نُورِأَخُو حَداً ؟ فَقَالَ : وَمَاعَلَلْكَ أَنْ يُخْرِجُهُ مِنْ فَلْلَه إِلَى نُورِأَخُو حَداً ؟ فَقَالَ : وَمَاعَلَلْكَ أَنْ يُخْرِجُهُ مِنْ فَلْلَه إِلَى نُورِأَخُو حَداً ؟ فَقَالَ : وَمَاعَلَلْكَ أَنْ يُخْلِق بَنَى الله عَنْ وَالْمَرْأَةَ وَلَا الله وَلَا الله وَ الْمَالِقُومُ لاَ الله وَلَا الله وَلاَعْلَيْكَ إِنْ آ نَسْتَ بَنَا الله وَ مَنْ وَالْمَوْلُ وَالله وَ مَنْ فَوْلِ الله عَرْ وَجَلَ : وَمَا فَلَاكَ إِنَ آ نَسْتَ مِنْ أَنْ تَعْبِدُ إِلَيْهِ الشّي مَنْ فَرْقِ أَوْعَرْ فِي عَنْ قَوْلِ الله عَرْ وَجَلَ : وَمَالَ أَلْهُ عَلَمُ أَنْ الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَا الله وَلا الله وَلا الله وَلا الله وَلا الله وَالله وَالله وَلَا الله وَلا الله وَلَا الله وَلا الله وَلا الله وَلالله وَلَا الله وَلَا الله وَلا الله وَلَا الله وَلا الله وَاللّه وَال

 Tidiounic North Tollie Tollie

دوسواكبسوال باب اینه ابل كودعوت الاالايمان دينا

(بَاكِبُ) ۲۱ م «(فىالدُّعَاء لِلْأَهْلِ إِلَىالَابِفَانِ)»

۱- دا دی کهتلیجیں نے حقرت الوعیدا لشرعلیدالسلام ہے کہا کہ بیرے گود اراد میری بات منفتے ہیں آدمیل کوالت تعقیدان کوام مایا مست کے متعلق بشا دُل فُرایا نروزہ خداا پنی کتاب ہیں فرا تکہے ۔ اپنے نفسوں کوادد اپنے اہل ، حمیال کوجہنم ک احسس آگسے بچا ڈجن کا ایرندھن آ دی ا دربی تربین -

دوسو بالبسوال باب تقته کی میش می خالفول کامری کی دعوت بینے سے بازرہنا

> وباب (باب) ۲۲۲۲ (مارند دُغاءالناس) ه

١- عَلَيْ بَنْ إِبْرَاهِيم، عَنَ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنَ كُلَيْبٍ بْنِ مُعَاهِيَةَ الصَّبْدَاهِ فِي قَالَ : قَالَ لِي أَبُوعَبْدِاللهِ عِبْدِ خَيْرِ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ ' نَكْمَةُ فَشَرَكُهُ أَبُوعَبْدِاللهِ عِبْدِ خَيْرِ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ ' نَكُمَةُ فَشَرَكُهُ وَهُوَ يَجُولُ لِذَلِكَ وَيَطْلَبُهُ ، ثُمَّ قَالَ : لَوْ أَنْكُمْ إِذَا كَلَمْمُ مُالنَّاسَ قُلْمُ * دَهَبْنَاحَيْثُ ذَهَبَ اللهُ وَ اخْتُر نَا مَن اخْتَارَاللهُ ، وَاخْتَارَاللهُ مُ أَنْ مَا أَلَ نَتْبَ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ مَ عَلَيْهِمْ
 مَن اخْتَارَاللهُ ، وَاخْتَارَاللهُ مُنْ أَوَاخْتَرْ فَا ' آلَ نُتَبَ صَلّى اللهُ عَلَيْهِ مَ عَلَيْهِمْ

(34/4)

۱- دا دی کہتا ہے جو سے حفرت ابوعبد الله علیہ اسلام نے قرا یک اپنے کو مخالف لوگوں سے (یعبورت تقیت) بچاؤ ۔ الله تعالیٰ جب سی بندہ سے نیک کا ادا دہ کرتا ہے تواس کے دل میں ایک نوربید اکرتا ہے کھراسے چھوڑ دیتا ہے کہ اس میں عؤر وفسکر کر کے امری آفاش کر سے پھر دنسر ما یا جب تم مخالفول سے گفت گو کر و تو کہوہم اسی طرت جار بھر میں جدعوا لنڈ کیا ہے اور مم نے ہدا ہے کے لئے اس کا انتخاب کیلہے جس کا انتخاب اللہ نے کہا ہے اللہ نے مخرکو انتخاب کیلہے ہم نے ان کے بعدا لِاکم کرکو۔

۲- دا دی بستانی دید سے حفرت الحصید الله علی اسلام نے قربایا است نابت تمیادا مخالف اوگوں سے کیا تعلق تم ال سے الک دیم وامرا است کی فوف ہوگوں کو دیوت خدو حفدا کی تسم اگرتمام المانی اسمان وزمین ایسے بندے کو گراہ کرنا چاہیں جس کو اللہ جرایت کرنا چاہتا ہے قودہ ایسا نہ کرسکیں گئے۔ تم لوگوں سے الگ ہی جواددان اپنے نخا نفول کویے تہ مجمو کہ یہ میرا بھائی سے میرا ابن عمرے میرا پڑوس ہے بے شک جب خداکس کے ساتھ نیک کرنا چاہت تو اس کی دوج کو پاک کر دیتا ہے ہیں جب وہ امرسک کوسٹ لیسے تو اسے بہچان کہ ہے اور فری باس سے انکاد کر تاہے اللہ تعال اس کے دل میں ایسا کا کھرڈ القائے جس سے اس کی خاطر جمع جوجاتی ہے بعنی آئر خدالات کہ بیروی سے دک جا تہ ہے۔

٣ ـ أَبُوْعَلِيّ الْأَشْمَرِيُّ ، عَنْ خَيْرِبْنِ عَبْدِالْجَبْنَانِ ، عَنْ صَفُوانَ بْنِ يَحْنَى ، عَنْ خَيْبِبْنِ مَرْوُانَ عَنِ الْفُضَيْلِ قَالَ : قُلْتُ لا مَيْعَبْدِ اللهِ تَلْجَنْكُ ! تَدْعُوا النَّاسَ إِلَى هَذَا الْأَمْرِ ؟ قَقَالَ: يَا فُضَيْلُ إِنَّ اللهَ إِذَا قَرَادَيِعَبْدٍ خَيْرًا أَمْرَمَلَكَا فَأَخَذَ بِمُنْقِهِ حَنْيَ أَذْخَلَهُ في هَذَا الْأَمْرِطَائِعاً أَوْ كَارِها .

مع دفکیش سے مردی ہے کہ میں نے حفرت الوعب والنّدِ علیہ السام سے پوچھا۔ ہم لوگوں کو امرا مامت ک طرف دعوت دیں ؟ فرطیا اے تعفیل جب النّدُکس بندہ کے ہے نیکی چاہتا ہے تو فرشتہ کو حکم دیتیا ہے کہ اس کی گردن چکوکر امرا مامت کا استرا د کرائے خواہ وہ بخوشی اقراد کرسے یا برکراہت -

٤ - نُتَّدُونُ يَحْيَى. عَنْ أُحْمَدَ بْنِ تُخْيِبْنِ عِيشي، عَزِ ابْنِ فَضَّالِ، عَنْ عَلِي "بْنِ تُعْفَبَةَ ، عَنْ أَبِيهِ قَالَ:

الم مفرایات و المقام النه علیدالسلام نے دین کورہ اسٹ المی کے اختیاد کردندکہ لاگوں کی رہ اسٹ جورہ اٹے اللی کے ای بھٹ بھٹا اوردین کے معاملہ میں لوگا ، سے حقاق اللہ میں بھٹا اوردین کے معاملہ میں لوگا ، سے حقاق اللہ میں بھٹا اوردین کے معاملہ میں لوگا ، سے حقاق اللہ میں بھٹا اوردین کے معاملہ میں لوگا ، سے حقاق اللہ میں بھٹا اور کی بھٹ ہوا ہے ۔ ماروں کے اور کہ اسٹ دھت ہوا ہے ۔ ماروں کی اور اسٹ دھت ہوا ہے ۔ ماروں کی اور اسٹ دھا ہے ہوا ہے ۔ میں فردا تھا ہے معاملہ کی معاملہ کے بھٹا ہے کہ مسود کہ اور اسٹ میں بھٹا ہے کہ میں فردا تھا ہے کہ اور اسٹ میں بھٹا ہے کہ میں فردا تھا ہے کہ اور اسٹ کے بھٹا ہے کہ میں بھٹا ہے ۔ وہ میں فردا تھا ہے ہوا ہے ۔ وہ اسٹ کا میں بھٹا ہے ہوا ہے ۔ وہ اسٹ کا میں بھٹا ہے ہوا ہے ۔ وہ اسٹ کا میں بھٹا ہے ہوا ہے ۔ وہ اسٹ کا میں ہوئے اور اسٹ کے امرون کی دیتا ہے دو اسٹ کا میں ہوئے اور اسٹ کے اسٹ کا میں بھٹا ہے ہوئے اور اسٹ کا میں ہوئے کے دیتا ہے کہ دیتا ہے کہ دیتا ہے دو اسٹ کی طوف ۔ کے امرون میں داخلہ کے لئے اور اسٹ کے اسٹ کے اسٹ کے اور اسٹ کے اور اسٹ کی طاشرا ہے کھٹو اندا کی طوف ۔

٥ - عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنَ أَبِيهِ ، عَنَ عُنْمَانَ بْنِ عَبِسْى ، عَنِ ابْنِ أُ وَيُنَةَ ، عَنَ أَبِيعِ اللهِ إِيهِ عَلَى عُنْمَانَ بْنِ عَبِسْى ، عَنِ ابْنِ أُ وَيَنَةَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ إِيهِ عَلَى اللهُ عَنْ الْحَقِّ فَإِذَا هَنَ يَهِمُ الْبَابُ مِنَ الْحَقِّ قَلْو بُهُمْ وَإِنْ كَانُوا لا يَعْرِ فَوْنَهُ وَخَلَقَ قَوْماً لِغَيْرِ ذَٰلِكَ فَإِذَا هَرَ بِيمُ الْبَابُ مِنَ الْبَابُ مِنَ الْبَاطِلِ أَنْكُرَتُهُ قُلُوبُهُمْ وَإِنْ كَانُوا لا يَعْرِ فَوْنَهُ وَخَلَقَ قَوْماً لِغَيْرِ ذَٰلِكَ فَإِذَا هَرَ بِيمُ الْبَابُ مِنَ الْبَابُ مِنَ الْبَاطِلِ قَيِلَتُهُ قُلُوبُهُمْ وَإِنْ كَانُوا لا يُعْرِ فَوْنَهُ وَ إِذَا هَرَ بِيمُ الْبَابُ مِنَ الْبَاطِلِ قَيِلَتُهُ قُلُوبُهُمْ وَإِنْ كَانُوا لا يُعْرِ فَوْنَهُ وَ إِذَا هَرَ بِيمُ الْبَابُ مِنَ الْبَاطِلِ قَيِلَتُهُ قُلُو بُهُمْ وَإِنْ كَانُوا لا يُعْرِ فَوْنَهُ وَ إِذَا هَرَ بِيمُ الْبَابُ مِنَ الْبَاطِلِ قَيِلَتُهُ قُلُو بُهُمْ وَإِنْ كَانُوا لا يُعْرِ فَوْنَهُ وَ إِذَا هَرَ بِيمُ الْبَابُ مِنَ الْبَاطِلِ قَيِلَتُهُ قُلُوبُهُمْ وَإِنْ كَانُوا لا يُعْرِفُونَهُ وَ إِذَاهَ مَنَ يَعِمُ الْبَابُ مِنَ الْبَاعِلِ قَيِلَتُهُ قُلُوبُهُمْ وَ إِنْ كَانُوا لا يُعْرِفُونَهُ وَ إِذَا هَرَا مُنَ وَاللَّهُ مِنَالِقًا لِلْ اللَّهِ مُنَا لَا لَهُ مَا لَهُ مَا لَا لَا يَعْمُ وَلَهُ مِنْ الْمُوا لاَيْسُونُونَهُ لا يَشُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُولُ قَلِولُهُ الْمَالِ اللَّهُ فَاللَّهُ مِنْ الْمُولُ الْمُ اللَّهُ مِنْ الْمُؤْلِ لا يَشْرُعُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُولُوا لاَيْسُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُولُولُهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُولُولُوا لَوْلَهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُؤْلِقُولُولُواللَّهُ اللَّهُ اللّهُ الْمُؤْلِقُولُولُوا لاَيْسُوا لِعُولُوا لَهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ الللْمُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللْمُ الللْ الللّهُ اللللْعُلُولُ الللّهُ اللّهُ الللْمُ اللّهُ اللللْمُ الل

۵ - فرمایا الوعبدا الله علم السلام نے کہ خدا نے ایک قوم کوئی کے لئے بید اکیا ہے ہیں جب وہ امری کے کمی در واڈہ کی طوندے گزرتے ہیں آوان کے دل اس کوقیول کرلیتے ہیں اگرچہ وہ اس کی عکمت نہ جلنتے ہوں اور ایک قوم ان کے علاوہ ہدیدا کی ہے۔ جب وہ کمی امریا طل کی طوف سے گزرتے ہیں قوان کے دل اس کوقیول کرلیتے ہیں ماگرچہ اس کی عکمت نرجائے ہوں ۔

٢٠. عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهُم ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عَمَيْدٍ ، عَنْ عَبْدِالْحَمِيدِ بْنِ أَبِي الْعَلاء ، عَنْأَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ وَكُلُمُ أَنْ اللهُ عَنْ أَبُولُهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَنْكُمُ وَ إِذَا أَزَادَ بِعَبْدٍ سُوءَ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ لَكُنَّهُ مَا أَنْ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللهُ الل

1 104

فَأَظْلَمَلَهٰا سَمْعَهُ وَقَلْبَهُ ، "ثُمَّ تَلاهْدِهِ الْآيةَ: «فَمَنْ يُرِدِاللهُ أَنْ يَهْدِيَهُ يَشْرَ خِصَدْرُ الْإِسْالَامِ وَمَنْ يُرِدُأَنَّ يُعْبِلَهُ يَجْعَلْ صَدْرَهُ صَيِّقاً حَرَجاً كَأَنَّهُا يَصَاَّمَنَهُ فِي الشَّهْآءِ»

۱- قرابی جدرت ابرعب دالله علیات الله علیات است کرجب خداکی بنده سے نیکی کاعمل چاہتا ہے تواس کے قلب میں ایک نقطت فرانی بدیا کردنیا ہے جس سے اس کے کان اور دل دوشن ہوجاتے ہیں پہال تک کروہ تماکیا بی جوامرا ماست ہے اس کے حاصل کرنے میں دہ سب سے زیادہ موسی ہوجا آلمہ نے خدا جب کسی کے نئے برائی کا ادادہ کرتا ہے تواس کے دل میں ایک مسیاء نقط ہیدا کردنیا ہے جس سے اس کے کان اور دل قاریک ہوجاتے ہیں ۔ پھریہ آیت پڑھی۔ جب خدا ادادہ کرتا ہے کسی کہ ہدایت کرے قواس کے سینے کو اسرائیم کے لئے کٹ وہ کرونیا ہے اور جس کو گراہی میں جھوڑ تا چا ہتا ہے اس کے سینہ کو ایسا تنگ بنا دنیا ہے گویا اساتا اس کے لئے اسمان پرچر مصفے کے برابر دشواد ہوجا تا ہے۔

اس هدیت ا درآیت سے بطاہراییا معلیم بہتا بیٹے کہ انسان ایمان و کفرم بجددہ خدا جس کو بہت کوچا ہتا ہے مولمن بنآ آ ہے جے چا ہتا ہے کا فرو لیکن ایسا نہیں بلکراس کی مورت ہے ہے کر بہت خص اپنی نعدگی میں جو عمل کرنے والا ہوتا ہے وہ سب تمل سے پہلے علم المبی میں ہوتاہے ہیں جس کا عمل نیک دس کے علم میں بہتا ہے اور قبول بی کی صلاحیت اس میں باتا ہے اس برا بنی توفیقات نافل کرتا ہے جس کو ایسا نہیں یا آ اس کو کمراہی میں مجھوڑ ویتا ہے اور قبق ونیا الٹ کا تفضل ہے سسی کاحق نہیں کیوں کہ توفیق وتفضل کسی کام کا اجز نہیں بہتا اور علم المبی کام پرکسی کو مجبود نہیں کرتا ۔

٧ ـ عَنْهُ أَ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ خَيْرِيْنِ حُمْرَانَ ، عَنْ خَيْرِبْنِ مَسْلِم، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 الله قَالَ : إِنَّ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ إِذَا أَزَادَ يَعِنْدِ حَيْرُ أَنكَتَ فِي قَلْبِهِ أَنكَتَةً بِيضًا ، وَفَتَحَ مَسَامِعَ قَلْبِهِ وَوَ كُلُل بِهِ مَلكاً يُسُدِّدُ ذَهُ وَإِذَا أَزَادَ بِعَبْدِهُ وَ أَنكَتَ فَي قَلْبِهِ زَكْنَةٌ سَوْدًا ، وَسَدَّ مَسَامِعَ قَلْبِهِ وَوَ كَذَل بِهِ شَيْطًا نا يُضِلَّهُ .

ے۔ فرمایا حقرت ا بوعبد النّد نلیدا کسام نے جب النّد کسی سے تبکی چا ہتا ہے تواس کے دل میں ایک سفید نقط پیدا کر و تبتا ہے اور اس کے دل کے سفنے والے سوراخ کھول دیتا ہے اور اس پر ایک فرخت ترمیس کرنا ہے تاکہ ہوائی سے اسے دوک ہے اور جب کی بندہ سے کوئ ہوائی کوروکنا نہیں چا ہتا تواس کے قلب میں ایک سیاہ نکتہ پیدا کردیتا ہے اور اس مے قلب کے حسامات بند کر دیتا ہے اور ایک سفیلان کواس ہمسلط کر دیتا ہے کہ وہ اسے گراہ کرتا دہے۔

جب کوئی شخص با وجودنیک و برجاننے کے اورا حکام الہٰی سے باخر ہونے کے ابنی برکردا می اور میں اس کے اورا حکام الہٰی سے باز نہیں آتا تو اللہٰ تعالیٰ کی توفیق اور جمت اس سے دور بہوجاتی ہے اور اس کو اس کے حال پر چھوڑ دیتے ہے اور اس مورت میں شیطان اس پر مسلط بہوجا تہ ہے۔

CHEHENER CHENER CHENER CONTROL CONTROL

النافيسة المنطقة والمنطقة المنطقة المنطقة والمنطقة والمنط

د وسوتیسوال باب خدا ابنادین اُسے عطا کرتاہے جدوست رکھتاہے

(باب) ۲۲۳

هِ ﴿ أَنَّ اللَّهُ إِنَّمَا يِغُطِي الدِّينَ مَنْ يُحِبُّهُ ﴾ ٢

١ - عَنَ بَعْنِي ، عَنْ أَحْمَد بْنِ عَنْ أَحْمَد بْنِ عَنْ مَعْنِ ابْنِ فَضَّالِ ، عَنِ ابْنِ بكيرِ ، عَنْ حَمْزَةَ ابْنِ حَمْرانَ ؛ عَنْ عُمَر بْنِ حَنْظَلَةَ فَالَ : قَالَ لَي أَبُوعَبْدِ اللهِ عَلِيلا : يَاأَ بَاالصَّخْدِ إِنَّ اللهَ يُعْطَي اللهُ نَيا ابْنِ حُمْرانَ ؛ عَنْ عُمَر بْنِ حَنْظَلَةَ فَالَ : قَالَ لِي أَبُوعَبْدِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى دبني وَ دبنِ آبائي مَنْ يَحُمُونَ وَ مَنْ خَلْقِهِ ، أَنْمُ وَاللهِ عَلَى دبني وَ دبنِ آبائي مَنْ يَحْدُ وَ أَنْ كَانَ هُولاً عَلَى دبني وَ دبنِ آبائي إبراهيم وَإِسْمَاعِيلَ ، لاأعني عَلِيّ بْنَ الْحُسَيْنِ وَلا يُعْلَى بَنْ عَلِيّ وَإِنْ كَانَ هُولاً عَلَى دبني هؤلا .

ا- دا دى كېتاب مجھ سے حفرت الوعبد الله عليه السال م فى قربايا - الدوخوالله دنيا كى تعمت دوست اور دشمن دونوں كو دنيا ہے ليكن ہمارے امراما مت و امارت كوتوانهى كوعطا كرتا ہے جواس كے برگزيدہ بندے ہي تم دالله ميرے اورميرے آبا براہيم واسماعيل كے وين برسم ييں نے ابار سے مرا د حقرت على بن الحديث اور محد ب على كونه بيں ليا- مالانكه ده مجى انهى كے دين برس -

حفرت کا مطلب یہ ہے کہ دین اسلام جی میں ٹنی شویک بادی تعالی ہے مشترک ہے تما ا کو سمع : " ا بنیا دمیں آدم سے کر خاتم الانہیاد تک ادبان انہیادیں اس کے متعلق کو لُ اختلات نہیں ، اختلاث ہے توفروع دین میں ، اس ایں شیعہ امامیہ کا سلک جدا گار ہے اور اس کو افتیاد کرنے کی توفیق النشا ہے برگزیرہ بندوں کو دیتا ہے۔

٢ ـ الْحُسَيْنُ بْنُ عُنَّهُ ، عَنْ مُعَلَى بْنِ عُنَّهِ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ الْوَشْنَاء ، عَنْ عَاصِم بْنِ حُمَيْد عَنْ مَالِك بْنِ أَعْيَى الْحُهْنِيّ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاجَعْفَر عِلِيلٍا يَقُولُ : يَامَا لِكَ إِنَّ اللهَ يَعْطِي الذَّ نَيَا مَنْ يَحُتُ عَنْ مَالِك بِن أَعْيَى اللهَ يَعْطِي الذَّ نَيَا مَنْ يَحُتُ .
 وَيُبغُضُ، وَلا يُعْطَي دِينَهُ إِلْأَمَنْ يَحُتُ .

٧- امام محد باً قرعلیہ السلام نے فرمایا ۔ اے ما لک السُّدونیا کی فعتیں تودوست دِّنَمن سب کو دیتا ہے لیکن اپنا دین حرف اس کو دیتا ہے جے دوست رکھتا ہے ۔

استان ماسم المنظم المن

٣ ـ عَنْهُ ، عَنْ مُمَلَّى ، عَنِ الْوَشَّاء ، عَنْ عَبْدِالْكَر بِمِ بْنِ عَمْرِ وَالْخَنْعَمِيّ ، عَنْ عُمْرَ بْنِ حَنْظَلَة ، وَ
 عَنْ حَمْزَة بْنِ حُمْزَانَ ، عَنْ حُمْزُانَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ إِنْ إِلَيْهِ قَالَ : إِنَّ هٰذِوالدُّ نَيْا يَمُطْهِ بَاللهُ الْبَرَ وَالْفَاجِرَ وَلَا يُمُطْهِ الْأَيمُانَ إلْاصَفَوْ تَهُمِنْ خَلْقِه .
 وَلا يَمُطْهِ الْإِيمَانَ إلْاصَفَوْ تَهُمِنْ خَلْقِه .

سى فرمایا در مام محد با قرعلیدار سلام نے کراس دنیا کی نیمتیں توخدا مرنیک وبدکو دیتا ہے دسیکن ایمان اپنے بگذیرہ بندوں ہی کو دیتا ہے ۔

٤ - عُنَّا بُن يَحْمَى ، عَنْ أَحْمَدَ بِن عَنْ الحَمَدَ بِن عَنْ عَلِيّ بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ أَبِي سُلَيْمَانَ ، عَنْ أَبِي سُلَيْمَانَ مَيْنَ مَنْ مِنْ اللَّهُ عَنْ عَلِيّ بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ أَبِعَضَ ، وَإِنَّ الأَبِمَانَ لا يُعْطِينُهِ قَالَ أَبُوعَبْدِ اللهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ أَخَبُ هُ .

٧٧ منومایا حفرت ابوعیدا لنزعایرانسلام نے دنیا کانعتیں تو خدام ردوست دشمن کو دیتلہے لیکن ایسان تو اسی کو دیتا ہے جے وہ دوست رکھتلہے۔

دوسوجوببسوان باب سلامتی دین

((باك سَلامَة الذّين)٢٢١٠

١ - عُرْبُن ُ يَحْمَىٰ ، عَنْ أَحْمَدَ بْن ُ عَنْ عَلِيّ بْنِ النّعْمَان ، عَنْ أَيتُوبَ بْنِ الْحُرِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللّهِ عَنْ أَيْ يَحْمَدُ بْنَ كُونُ وَجَلّ : «فَوَقَاهُ اللهُ سَنِيْنَاتِ مَامَكُرُ وَا ، فَقَالَ: أَمَا لَقَدْ بَسَطُوا عَلَيْه وِفَتَلُوهُ عَبْدُ وَقَالُونُ أَيْدَرُونَ مِاوَفَاهُ ؟ وَقَاءُ أَنْ يَشْنِؤُهُ فَي دِينِهِ .
 وَلكَيْنُ أَتَدْرُونَ مِاوَفَاهُ ؟ وَقَاءُ أَنْ يَشْنِؤُهُ فَي دِينِهِ .

ا فرمایا حذی ا بوعبدالشعلیدالسلام نے جب کرسوال کیا گیا حفرت سے اس آیت کے بادے میں ،النشر نے بہا این مومن آل فرعون کو فرعون میں کے مکرسے کہ استوں نے مملد کیا اس پراور قسل کر دیا ۔ لیکن تم جانتے ہو کہ خدا نے کیے اس کی حفاظت کی خدا نے اسے دین سے گراہ مونے سے ہجالیا -

٣ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِمَ ' عَنْ يُحْدَبْنِ عِيسَى بْنِ عُبَيْدِ ، عَنْ أَبِي جَمِيلَةَ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ اللَّيْكُ

كَانَ فِي وَصِيَّةِ آمْبِرِ الْمُؤْمِنِينَ عُلِيَّكُمُ لِأَصْخَابِهِ ﴿ اعْلَمُوا أَنَّ الْقُرْآنَ هُدَى اللَّيْلِ وَالنَّهَارِ وَ نُورُ اللَّيْلِ الْمُثَلِمِ عَلَى مَا كَانَ مِنْ جَهْدٍ وَفَاقَةٍ ، فَإِذَا حَضَرَتْ بَلِيَّةٌ فَاجْعَلُوا أَمُوالكُمْ دُونَ أَنفُسِكُمْ ، وَإِذَا نَزْلَتْ نَاذِلَةٌ فَاجْعَلُوا أَمُوالكُمْ دُونَ وَيَنكُمُ ؛ وَأَعْلَمُواأَنَّ الْهَالِكَ مَنْ هَلَكَ دَبُنهُ وَالْحَريبُ مَنْ حُرِبَ نَزْلَتْ نَاذِلَةٌ فَاجْعَلُوا أَنفُسَكُمُ دُونَ دِينِكُمُ ؛ وَأَعْلَمُواأَنَّ الْهَالِكَ مَنْ هَلَكَ دَبُنهُ وَالْحَريبُ مَنْ حُرِبَ دِينَكُمُ ! وَأَعْلَمُواأَنَّ الْهَالِكَ مَنْ هَلَكَ دَبُنهُ وَالْحَريبُ مَنْ حُرِبَ دِينَا لَهُ إِلَا إِنَّهُ لَا فَقَرَ بَعَدَ الْجَنَّةِ ، أَلَا وَإِنَّهُ لا غِنى بَعْدَالنَّارِ ، لاَيْفَكُ أَسِيْرُهُا وَلايُبُرَّءُ ضَرَبُرُهُا

۲- فرمایا حفرت ابوعبدالشرعلیالسلام نے کدامپرالوسنین نے اپنے اصحاب کو وصیت کی بھی کو آگا ہ مہو کہ دستران میرا یہ بہت در اور درات میں اور نورہے فعلالت کی تاریخی میں جب کہ تنگدستی اور واقت میں ہوئی بلاآ کے واسے مال کے ذریعے پہنے نفسوں سے دور کرون کر دین کھوکر، آگاہ مہو کہ بلاک مہوا وہ جس کا دین بلاک مہوا اور نہا ہی ہے اس کے لئے جس کا دین تباہ مہوا، آگاہ مہوجنت کے بعد تنگدستی تہیں اور دوزخ کے بعد مالدادی نہیں ، دوزخ کا قیسدی آذا د تہیں ہوتا اور اس کی تعلیف سے دہائی تہیں ملتی۔

٣ . عَلِيْ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَمَّادِبْنِ عَبِلَى ، عَنْ رِبْعِيْ بْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ فُضَيْلِ بْنِ يَسَادِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَر عَلَيْ ، عَنْ أَلْمَالُ ذَبِنَةُ لِللَّهِ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّالِمُلَّالِمُ اللَّهُ الللللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ

سوفرها یا حفرت امام محد ما قرطیدا سلام نے دین کی سلامتی اور مدن کی صحت مال سے بہتر ہے اور مال ونیاک زینت سے بشرط یک دس سے بشرط یک دس سے بشرط یک دس سے نسکی حاصل کی جائے۔

تقيل قريبى المام محدبا قرطيدالسلام سيبى مديث نقل كىب-

٤ _ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَلَيْبِن خَالِمٍ ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ يُونُسَ بْنِ يَعْقُوبَ عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ قَالَ ؛ كَانَ رَجُلُ يَدْخُلُ عَلَىٰ أَبِي عَبْدِاللهِ يَلِيلٍ مِنْ أَصْحَابِهِ فَعَبَرَزَمَا نَالايحَنَّجُ فَدَخَلَ عَنْ بَعْضُ أَصْحَابِهِ فَعَبَرَزَمَا نَالايحَنَّجُ فَدَخَلَ عَلَيْهِ بِمَثْنُ مَعْارِفِهِ ، فَقَالَ لَهُ : فُلانٌ مَافَعَلَ ؟ قَالَ: فَجَعَلَ يُضَجِّعُ الْكَلامَ يَظُنُّ أَنَّهُ أَنَّما يعني الْمَيْسَرَة وَالدُّنْيَا ، فَقَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلِيلٍ كَيْفُ دِينُهُ ؟ فَقَالَ : كَمَا تُحِبُّ ، فَقَالَ : هُوَ اللهِ الْغِنىٰ .

ام - ایک شخص اصحاب امام جعفوصا دق علیدالسلام میں سے سرسال آیا کرتا تھا ایک مدن تک وہ وہ کے لئے مند آگا۔ ایک بارجب اس کا ایک سشنا سا آیا۔ آپٹے نے اس سے حال ہو چھا۔ اس نے شکستد دلی کے ساتھ کلام کیا کہ اس کی مالی حالت کم ورب فرایا اس کے دین کا کیا حال ہے اس نے کہا جو آپ کومبو سب وہی ہے خدا کی متم وہ عنی ہے۔

ات ن بليم المساول الم

دوسو مجیسیوال باب تقیته

((باب التَقِيَّةِ)) ۲۲۵

١ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِيعُمَيْدٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِم وَغُيْرِهِ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 ١ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْدٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِم وَغُيْرِهِ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 ١ عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِم وَغُيْرِهِ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبْدِهِ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِم وَغُيْرِهِ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 ١ عَنْ هِ شَامِ بْنِ سَالِم وَعُيْرِهِ ، عَنْ أَبِي اللّهِ عَنْ أَبِي اللّهِ عَنْ وَالسَّيِعَةُ اللّهِ عَنْ هِ السَّيِعَةُ اللّهِ عَنْ وَالسَّيِعَةُ اللّهِ عَنْ هِ مَنْ مَنْ اللّهِ عَنْ وَاللّهِ عَنْ وَالسَّيِعَةُ اللّهُ وَعَلَى النَّقِيقَةُ وَالسَّيِعَةُ اللّهُ اللّهِ عَنْ وَاللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ وَاللّهِ عَنْ وَاللّهِ عَنْ وَاللّهِ عَلَى اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللللللللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللللللللللللللللل

ا- آیاان نوگوں کو کرم ااجر دیا جائے گا مبرکرنے کی بنداد پرحفرت ابوعبدالتنزعلیالسلام نے فرایا رهبرسے مراد بینے لقیہ برصیر وا در ایک آیت کے متعلق دفع کرنے ہیں برائ کونسیکی سے ، فرایا صندسے مراد ہے تقیدا ورسیٹر (بدی) سے مراد ہے افشاد داذ کرنا۔

٢ - ابْنُ أَبِي عُمْيَنِ ، عَنْ هِ هَامِ بْنِ سَالِم ، عَنْ أَبِي عُمْرَ الْأَعْبَمَ مِيّ قَالَ : قَالَ لِي أَبُو عَبْدِ اللهِ عَمْرَ الْأَعْبَمَ مِيّ قَالَ : قَالَ لِي أَبُو عَبْدِ اللهِ عَمْرَ إِنَّ تِسْعَةً أَعْشَارِ الدّبِنِ فِي النَّقِينَةَ وَلا دِينَ لِمَنْ لا تَقِينَةَ لَهُ وَالتّقِينَةُ فَي كُلِ شَيْءً إِلا فِي النَّبِذِ وَالْمَسْحِ عَلَى الْخُعَنَّيْنُ .
 في النّبهذِ وَالْمَسْحِ عَلَى الْخُعَنَّيْنُ .

۲- فرمایا الوعبدالشرعلیہ اسلام نے کہ تقیریس نوتے حصد دین ہے جو وقت ضرورت تقید شکرے اس کا دین نہیں اور تقید ہرشے میں ہے رسوائے نبیند (بحوکی شراب) اور ہوزوں پرس ہے ۔ " فقید نبیندا ورموزوں پرسسے کا استثنا داس لئے کیا ہے کوئا لفین ان چیزوں پرمعبور نہیں کرتے

٣ عِذَ أَهُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبَّدِبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عُنْمَانَ بْنِ عَبِسَى ، عَنْ سَمَاعَةَ ، عَن أَبِي بَصِيرٍ قَالَ : فَالَ أَبُو عَبْدِاللهِ إليه التَّقِيَّة أَمِنْ دَبِنِ اللهِ ، فَلْتُ : مِنْ دَبِنِ اللهِ ؟ قَالَ : إِيْ وَاللهِ أَبِي وَاللهِ عَنْ لَمَانِ أَنْوُ اللهِ عَالَ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ عَلْ اللهِ عَنْ عَلْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ الللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَالِ عَلْمَا عَلَا الللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَا الللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهِ عَلَا اللهُ عَلَا اللهِ عَلَا اللله

مِن دَبِنِ الْعَبِّرُ الْعَبِينِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ اللهِ

لويرج ١٦ لمذا بلاتقيدان كوترك كرع-

٣- فرايا حفرت الدعبد الشعطد السلام في تقية التركادين بيد مي في كماكيا الشركادين بيد فراي فداك قسم الشركا دين بيدوسف في كما تفات الدوالوتم چور بهور حالا كم فعاك تتم ده چور نديتها درا برا بيم ف مما تفاكم بي بيما رجون حالانكم فداك تتم وه بيما د نه تقد-

٤ - عُقَدُبُن يَخْيَى، عَن أَحْمَدَبْن عَبْسِ عِبْسَى، عَنْ عُبَرِيْنِ خَالِدٍ؛ وَالْحُسَيْنِ بِن سَعبِدٍ جَمِيعاً عَنِ النَّضْرِبْنِ سُويْدٍ، عَنْ يَخْبَى بْنِ عِمْران الْحَلَيِيّ، عَنْ حُسَيْنِ بْنِ أَبِي الْعَلاء، عَنْ حَبَبِ بْنِ بشرِقالَ: عَن النَّفْرِ بْنِ شُويْدٍ، عَنْ حَبِيبِ بْنِ بشرِقالَ: قَالَ أَبُوعَبْدِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى الْحَبِبُ قَالَ أَبُوعَبْدِ اللهِ عَنْ النَّقِيمَة ، يَاحَبِبُ إِنَّ النَّاسَ أَنَّما إِنَّ النَّاسَ أَنَّما عَنْ لَهُ تَقِيمَةٌ وَضَعَهُ اللهُ ، يَاحَبِبُ إِنَّ النَّاسَ أَنَّما هِمْ فَي هُدْنَةٍ فَلَوْقَدْ كَانَ ذَلِكَ كَانَ هٰذَا .

مه و فرایا حفرت الرحمد الشعید السام نے میں نے اپنے والدِ ماجد سے سناکر دو کے زمین برمیرے نزویک تقید صفر نیادہ میں بوتھیں کے اللہ میں ہے است میں بوتھیں کو بلند مرتب میں اس کو بلند مرتب دے گا است میں بہت کو بلند مرتب دے گا میں اس کو بہت کو ہے گا است اس نماز میں مخالفین سکون و فراغت میں بیں باس جب فہور حفرت جحت ہوگا تو اس وقت تقید ترک مجو گا۔

۵۔ فرمایا حفرت الوعبد الله علیا سلام نے اپنے دین کو تخالفوں سے بچاؤ اور تقید کے ذریعہ سے آسے چپاؤ ہور تقید کے ذریعہ سے آسے چپاؤ ہوں کے لئے ایمان نہیں ، تم مخالفوں کے درمیان ایسے ہوجیے برندوں میں شہد کہ کھی اگر وہ جان لیس کر شہد کی کمھیوں کے پیٹ میں کیا چرنے تو وہ البتداس کو کھا جائیں اور اگر تمہارے مخالفین جان لیں کر تمھارے اندرہم المل بیت کی مجمعت سے تو تم کو اپنی زبانوں سے کھا جائیں یعن تمہاری مذمت کریں اور پوشیدہ علانیہ تم کو گالیاں دیں خداان لوگوں برحم کرے جو ہماری ولایت کا دم مجرتے ہیں۔

٣ - عَلِيُّ بِنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ حَمَّانٍ ، عَنْ أَخِبَرَهُ ، عَنْ أَبِي عَبْواللهِ وَ اللهِ عِيْعِ فِي قَوْلِ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ : وَوَلا تَسْنَوِي الْحَسَنَةُ وَلَا السَّيِّنَةُ ، قَالَ الْحَسَنَةُ : التَّقِيَّةُ ، وَالسَّيِّنَةُ الْإِذَاعَةُ وَقَوْلُهُ عَزَّ وَجَلَّ : وَإِذْفَعْ بِالنَّتِيهِيَ أَحْسَنُ السَّيِّنَة ، قَالَ : النَّتِيهِيَ أَخْسَنُ النَّقِيَّةُ ، وَفَإِذَا الَّذِي بَيْنَكَ وَبَيْنَةً عَذَاوَةً كَأَنَّهُ وَلِيْ حَمِيمٍ .

۷۰ فرایا حفرت ا بوعبد الشعلیا اسلام نے ،س آیت کے متعلق ، تیکی اور بدی پر ابرنہیں کرنیکی سے مراد تقیہ ہے۔ اور بران سے مراد زبان وجوب تعقیدیں اپنے عقائد کا ظاہر کرنا ہے اور اس آیت کے متعلق بران کا دفعیہ کھے طریقہ سے کرو فرایا وہ اچھاط لیقہ تقیہ ہے اس طرح کم جس سے تم کو عدادت ہے اس سے اپنے کوخانص دوست تلاہر کرد۔

ے۔فرمایا حفرت ابوعبدالمندعلیدالسلام نے اسے ابوعمرواکر میں تجھرسے ایک بات بیان کروں یا ایک فتوی دوں۔ مجھرتم دوبارہ مجھ سے وہی سوال کروا ورمیں پہلے کے فلات جواب دول تو تم کس پر عمل کرد کے بیں نے کہا نی بات پر اور دومری کو بچوڑدوں گا، فرمایا تم نے تعقید کہا - والمنڈ چا ہتا ہے کہ اس کی عبادت پوشیدہ طور پر کی جائے۔ فداکی تسم اِ اکرتم نے ایساکیا تومیرے اور تمہارے دونوں کے ہے بہتر ہوگا اور المنڈ نے امروین میں تمہارے اور ہمارے لئے تعقید چا ہاہے۔

٨ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَنِي مَنِ الْحَمَّنِ بْنِ عَلِي ، عَنْ دُرُسْتَ الْوَاسِطِي قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عِلْمَ دُواللّهُ مَا يَلُهُ أَخْدَ وَيَشَدُّ وَنَ الزَّنَا نِيرَ فَأَعْظَاهُمْ اللهُ أَخْرَهُمْ مَرَّ تَيْنَ .
 الله عَنْ أَخْرَهُمْ مَرَّ تَيْنَ .

۸. قرمایا حفرت الهومیدالشوملیدالسلام نے نہیں پہنچاکی کا تقیدا صحاب کہف کے تقیدکو کہ وہ توم کی عیدول میں حافر ہوتے تھا ورا زروئے تقیدز نافر باند عقے تھے ہیں اللہ نے ان کو دوبارہ اجرعطا فرمایا -

ه _ عَنْهُ ، عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عُمَّدٍ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيْ بْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ حَمَّادِ بْنِ وَافِدِ اللَّحَامِ اللَّعَامِ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ اللَّهِ عَنْهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهِ عَنْهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللِمُلْمُ الللْمُولُولُولُولُولُ

Designation of the second of t

لَقِينَي أَمْسِ في مَوْضِعٍ كَذَا وَكَذَا فَقَالَ : عَلَيْكَ السَّلامُ بِالْبَاعَبْدِ اللهِ ، مَا أَحْسَنَ وَلاأَجْمَلَ .

هددادی بهتاہے میں داستہ میں حفرت الوعبدالله علیدائسلام سے ملا میں نے حفرت کی طونسے مذکھیرلیا اور آگے بڑھ گیا ۔ اس کے بعد آپ کی فدمت میں آیا اور کہا میں آپ پر ف دا الہوں میں آپ سے ملا نفا اور میں نے کمامت سے مصلمت منہ مجھے لیا تفا آنا کہ آپ کو کوئی اذبیت نہنچے ۔ حفرت نے فرایا ۔ اللہ تم برجم کیسے ۔ نیکن ایک شخص فلاں مقام پرمجھے ملا ورجب کرمخالفوں کامجمع تقا اس نے کہا ۔ علیک اسلام یا اباعبد اللہ اس فے انجھانہ کیا ۔

مطلب یہ ہے کہ اس نے اسلام برعلیک کومقدم کیا ادربجائے میرے نام کے کنیت کا ذکر کسیا اور فوضیع : " ان دونوں با توں سے خصوص تعظیم کا اظہار کیا بخا لفوں کی موجود کی میں اسے ایسائرنا چلہیئے تھا بلک تقیہ سے کام لیبنا چلہیئے تھا۔

١٠ عَلِيُّ بِنُ إِبْرَاهِمِ، عَنْ هَارُوْنَ بَنِ مُسْلِم ، عَنْ مَسْعَتَةَ بْن صَدَقَةٌ قَالَ: قَبِلَ لِأَ بِي عَنْدِاللهِ عَلَى عَبْدِاللهِ اللهِ عَلَى مِنْبِرَ الْكُوْفَةِ: أَيْبُمَ النّاسُ إِنَّكُمْ سَتُدْعُوْنَ إِلَى سَبْعِي فَسُبُونِي ، فَقَالَ: مَاأَ كُثَرَ مَا يُكَثِّمُ النَّاسُ عَلَىٰ سَبْعِي فَسُبُونِي ، فَقَالَ: مَاأَ كُثَرَ مَا يُكَذِّبُ النَّاسُ عَلَىٰ عَبْبِي فَسُبُونِي ، فَقَالَ: مَاأَ كُثَرَ مَا يُكَذِّبُ النَّاسُ عَلَىٰ عَلَى عَبْدِي فَقَالَ: مِا أَكْثَرَ مَا يُكَذِّبُ النَّاسُ عَلَىٰ عَلَى عَبْدِ وَلَا مَنْ عَلَى الْبَرَاءَةِ مِنْ اللهِ مَا يَعْدَى وَلَا يَهْ وَمُا اللهِ اللهِ عَمْلُونِي اللهِ مَا يُعْدِينِ عَلَيْهِ وَمَا اللهُ إِلْمَامَ عَلَيْهِ عَمْارُ بُنُ يَاسِرِ حَيْثُ أَكْرَهُ هُ أَهُلُ مَكَ وَقَلْبُهُ مُطْمِئْنَ وَاللّهُ مُنْ مَنْ اللهِ يَعْلَى لَهُ السَّائِلُ : أَنَا يَنْ اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ مُنْ اللهِ مِنْ اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ وَجَلَّ فَهِ وَ إِلْأَمَنُ اللهُ عَمْ وَجَلَّ عُذَلِكَ وَأَمْرُكُ وَاللّهُ مُنْ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ ا

۱۰ دحفرت ابوعبدالله علیال سام سے کہا گیاکہ لوگ یہ بیان کرتے ہیں کہ علیدالسلام نے منبرکو فرپر کہا ۔ لوگو اعتقریب
تم سے کہا جائے گاکہ بچھے گالی دور تو تم مجھے گائی دے دیٹا اور اگر مجھ سے برا ت ظاہر کرنے کو کہیں تو نذکرنا ۔ حفرت نے نشر ہایا
لوگوں نے حفرت علی پر کسیا جھوٹ بولا ہے بچھ فرمایا ۔ حفرت نے تو یہ فرمایا تھا کہ تم سے بچھ گائی دینے کو کہا جلئے تو تم مجھے گائی ہے
دینا اور اگر مجھ سے براکت کو کہا جلئے ۔ تو میں دین محد پر برس بہ نہیں فرمایا کہ تم مجھ سے اظہار براکت فرکونا ۔ دسائل دین محد بر بھونے سے
سمجھا کہ براکت نزکون چاہیے بہذا اس نے یہ کہا) پوچھا کیا براکت کہ مقابلہ میں قسل ہوئے کو ترجیح دی جائے ۔ حفرت نے فرمایا برہ
تکلیف اس پر نہیں اور نہ اس کے لیے جا گزیے بلکر اس کو دہی کہ ناچا ہیے جوعمار بن باسر نے کیا جب کہ اہل جمکہ نے انتقیل مجبول
کیا دکا کہ کو کہنے پر ب حالا انکا دل ایمان کی طوت سے مطائن تھا خدانے ہے آیت نازل کی ۔ مگر وہ جوم بود کیا جلے اور اس کا دل

قبول كرايا ا در تمين حكم ديا بد كراكر دوباره كلي كفركي برعبوركري توكه دينا-

١١ _ عُمْدُ بُنُ يَحْدَى ، عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَنْ عَلْى بَنِ الْحَكَمِ ، عَنْ هِفَامِ الْكِندِيِ قَالَ : سَمِفْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عَلَيْقَ مَنْ فَلَدَ السَّوْهِ يَمْيَتُرُ وَالدَّهُ بِمَمَلِهِ لَمُ الْعَبْدِاللهِ عَلَيْقَ مُنْ اللهُ عَنْدُوا الدَّوْمِ مَنْ اللهُ عَنْدُوا الدَّوْمِ مَنْ اللهُ عَنْدُوا اللهُ اللهُ عَنْدُوا اللهُ عَنْدُوا اللهُ اللهُ عَنْدُوا اللهُ اللهُ عَنْدُوا اللهُ عَنْدُوا اللهُ اللهُ اللهُ عَنْدُوا اللهُ ا

۱۱- یں خصفرت ا بوجد الشرطیرات الم سے سنارتم ایے عمل سے پجوجی پر وک ہمیں عیب سکا یک ۔ بڑا بیٹا اپنے عمل بکر سے اپنے باپ کوعیب سکا ما ہے۔ تم ایے بنوک جو آپ کے ہے باعث زینت ہوند کہ باعث شم ہو ۔ قبیلہ والوں سے اگرج دہ مذہباً مخالف ہوں ان کے مریفوں ک عیادت کروان کے جنازوں میں موجد درہوا ورکسی امرئیک میں ان کو مبقت شکرنے دوکیوں کم آس کے لئے ان سے زیادہ بہتر ہو رضوا کی قسم ضاکوسب سے زیادہ مجوب عبادت و صبے جو اوشیدہ ہولین بعودت تھیں۔

١٢- عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عُبْدٍ ، عَنْ مُعَمَّرِ بْنِ خَلْدٍ قَالَ : سَأَلْتُ أَبَاالْحَسِن عَلَيْكُم عَنِ القِينَامِ لِلُولاةِ ، فَقَالَ: قَالَ أَبُوجَمْقَرٍ بِإِلِا : التَّقِينَةُ مِنْ دِبني قدينِ آبَائي وَلا إِبنَانَ لِمَنْ لا تَقِينَةَ لَهُ .

۱۲دفرایا حفرت امام محد با قرطیدالسلام نے تقیہ میرادین ہے اور میرے آباد اجماد کا دین ہے جس کے معے تقیہ نہیں اس کے اعدادین نہیں ۔

١٣ _ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ رِبْييٍّ ، عَنْ رُزَارَةَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ ﷺ قَالَ : التَّقِيَّةُ فِي كُلِ ضَرُورَةٍ وَصَاحِبُهاأَعْلَمُ بِهَاحِينَ تَنْزِلُ بِهِ .

۱۳ د زبایا ۱۱ممر با ترطیرال الام نے تقد بر فرورت میں بے (فتوی قضا اعمال جوارح دغیرہ) اور صاحب نیا دہ جانے والا بے اس فرورت ہے۔

١٤ ـ عَلِيُّ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ مَعْبُوبٍ ، عَنْ جَمِيلِ بْن طَالِحٍ ، عَنْ عَنْ عَيْدُ ابْنِ مَوْفَانَ ، عَنْأَبِي عَبْدِاللهِ عِنْ قَالَ : [كَانَ]أَبِي عِنْهِ يَقُولُ: وَأَيُّ شَيْءٍ أَقَرُ لِمَيْنِي مِنَ التَّقِيثَةِ ؛ إِنَّ التَّقِيثَةَ جُـنَّةُ الْمُؤْمِنِ.

۱۲ - فرایا حفرت ابوعبدا الله طیدانسلام نے بیرے پر در در گوار فراتے تھے میری آنھ کو تھیہ سے زیادہ محتذ کی بہنچانے دا ل کو ن کچر نہیں، بے شک تقید مومن کے ایم سیرہے۔

الله الله عَنْ مَمْ الله الله الله عَنْ أَبِهِ مَ عَنْ أَبِهِ مَ عَنْ أَبِهِ مَنْ عَبْرِ اللهِ عَنْ مُمْ اللهِ اللهِ عَنْ مُمْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ مُمْ اللهِ اللهُ اللهُ

۱۵- فرایا ابوعبدالله ملیدالسلام نے کس چیز نے میشم علیدالرحم کو تفقیہ سے منع کیا تھا فدای تسم وہ اس آبیت کوجائنے تھے مگر دہ ہومجبود کیا گیا ہو مگر اس کا دل ایمان کی طون سے مطائن ہو جمار اور ان کے اصحاب کے بارے میں تا ذل ہوں کہے۔

١٦ ـ أَبُوعَلِي الْأَشْمَرِيُ ، عَنْ تُعْدِين عَبْدِالْجَبْارِه عَنْ صَفْوٰانَ ، عَنْ شُمَيْدٍ الْحَدْ ادِ ، عَنْ عُشْدِيلٍ الْحَدْ ادِ ، عَنْ عُشْدِيلٍ الْحَدْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَنْ اللهُ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَلَا عَلَى اللهُ عَنْ عَلَا عَلَى اللهُ عَلَا عَلَى اللهُ عَنْ عَلَا عَلَا اللهُ عَلَا عَلَا عَلَى اللهُ عَنْ عَلَا عَلَى اللهُ عَلَا عَلْمُ عَلَا ع

١١- فربايا حفرت امام محد با قرطيدا اسلام نے تقيد فدا اور رسول في اس ك ركھا ہے تاكم مومن كا خون نه بهر اور اگر فون بهنے است دوكان تقيد سے كن نه بهر تقيد جائز نهيں .

١٧ ـ عَنْ بُكْيْرٍ ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَنِ أَخْمَدَبْنِ عَنِ ابْنِ فَضَالِ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ عَنْوَبَيْنِ مُسْلِم ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِهِ قَالَ : كُلَّمَا تَقَارَبَ هٰذَا الْأَمْرُ كَانَ أَشَدَّ لِلتَّقِيَّةِ .

١ ارفرايا حفرت الوعيد الله عليوالسلام في جب المهور حفرت جمت كا دوّت قربيب بهو توتقيد ا در زيا رم سخي سع بونا بيكم

١٨ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ ابْنِأْبِي عُمَيْرٍ ، عَنِ ابْنِ أُدَيْنَةَ ، عَنْإِسْمَاعِهِلَ الْجُمْفِيِّ وَمَمْمَرِ بْنِ يَخْبَى بْنِ سَامٍ وُخْذَائِنْ مُسْلِم وُزْرَارَةَ قَالُوا : سَمِفْنَا أَبَاجَمْفَهِ عَلَيْكُمْ يَقُولُ : التَّقِيتَةُ فِي كُلِّ شَيْءٍ يَضْطَرُ إِلَيْهِ إِبْنَ آدَمَ فَقَدْأُ حَلَّهُ اللهُ لَهُ .
 شَيْءٍ يَضْطَرُ إِلَيْهِ إِبْنَ آدَمَ فَقَدْأُ حَلَّهُ اللهُ لَهُ .

۱۸- فرایا الم محد با قرطیا اسلام نے تقید ہراس شے میں ہے معاملیں انسان مفسطر موال اللہ نے یہ اس کے لئے مطال کیا ہے -

١٩ - عَلِيَّ بْنُ إِبْرُاهِبِمَ، عَنْ تَمْيَيْنِ عِيسٰى ، عَنْ يُونْسَ ، عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ حَرِيزٍ، عَنْ أَبِيعِ قَالَ : قَالَ : النَّقِيئَةُ تُرْسُ اللهِ بَيْنَةُ وَبَيْنَ خَلْقِهِ .

١٥- قرما يا الوعبدا للرعليدامسلام نے تقية ميرب، الله اور اس ك ممنلوق كے ورميان -

. ٢ ـ الْحُسَيْنُ بْنُ عُنِّهِ، عَنْ مُعلِّى بْنِ عُنْهُ عَنْ كُنِّينِ جُمْهُودٍ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ حَمْزَةَ ، عَنِ الْحَسْينِ

ابْنِ الْمُخْتَارِ ، عَنْأَبِي بَصِيرِ قَالَ : قَالَ أَبُوجَمْفَرِ إِلَيْلِا : خَالِطُوْهُمْ بِالْبَرِّ الِنِيَّةِ وَخَالِفُوهُمْ بِالْجَوَّا الِنِيَّةِ إِلَىٰ الْبَرِّ الِنِيَّةِ وَخَالِفُوهُمْ بِالْجَوَّا الِنِيَّةِ إِلَىٰ الْبَرِّ الِنِيَّةِ وَخَالِفُوهُمْ بِالْجَوَّا الْبَيَّةِ إِلَىٰ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ

. ٧- فرناياحفرت الوجعفرطييات المام تريخالفين سع بشلام ميل ملت ركھوا در ما طن ميں مخالفت ركھوجب كم مكومت بازىج وطفال مور-

٢١ عَنْ عَبْداللهِ بَنْ يَعْنِى ، عَنْ أَحْمَد بْنِ عُهْد بْنِ عَبْسَى ، عَنْ ذَكْرِيّاً الْمُؤْمِن ، عَنْ عَبْداللهِ بْنِ أَسْدِ عَنْ عَبْداللهِ بْنِ أَمْد عَنْ عَبْداللهِ بْنِ أَهْدِ اللهُ وَاللهِ عَنْ عَبْداللهِ بْنَ أَهْد اللهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ وَاللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ال

۱۷- دادی کمتا ہے میں نے حفرت ا مام محد باقرعلیہ اسلام سے کہاکد کو فرے دوسٹیع بنی امید کے ہاتھوں گرفسان ہوئے ان سے کہا گیا تم امیرا لمومٹین پر تبرآ کرو، ان میں سے ایک نے کیا دوسرے نے انکاد کر دیا جس نے تبراکیا تھا اسے چھوڈ دیا دوس کوفٹسل کردیا گیا حفرت نے فرایا ۔ جس نے تبراکیا وہ علم دین کا عالم تھا اورجس نے تبرآ ندکیا اس نے جنت کی طرف جانے میں جلدی ک

٣٢ ـ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِبَمَ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ أَبِي عُمَيْرِ ، عَنْ جَمَبِلِ بْنِصَالِحِقَالَ : قَالَأَبُوعَبْدِاللهِ

۲۲ _ تفسرشوں کے انجامے ڈرو۔

٣٧ ـ أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيَّ، عَنْ نَتَهِ بِنِ عَبْدِ الْجَبْارِ، عَنْ تَقَوِينِ إِسْمَاعِيلَ، عَنْ عَلِي بَنِ الْفُعْمَانِ عَنِ الْبُوعِينِ إِسْمَاعِيلَ، عَنْ عَلِي بَنِ الْفُعْمَانِ عَنِ الْبُوعِينَ أَبِي يَقُولُ: التَّقِيتَةُ تُرْسُ الْمُؤْمِن وَالنَّقِيتَةُ تُرُسُ الْمُؤْمِن وَالنَّقِيتَةُ حَرْزُ الْمُؤْمِن ، وَلَا إِنِمَانَ لَمِنْ لَا تَقِيتَةً لَهُ إِنَّ الْمَبْدَ لَيقَعُ إِلَيْهِ الْحَدِيثُ مِنْ حَدِيثِنَا فَيَدَينُ اللهُ عَنْ وَجَلَ بِهِ فِيمَا بَيْنَهُ وَبَيْنَهُ وَقَلَ لَهُ عِنْ أَفِي الذُّ نُنِاوَ نَوْدا فِي الْآخِرَةِ وَإِنَّ الْمَبْدَ لَيقَعُ إِلَيْهِ الْحَدِيثُ مِنْ حَدِيثِنَا فَيْدَيْهُمُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ وَجَلَّ ذَلِكَ النُّودَ مِنهُ .

٢٧ - دا دى كېتلىپىمى خىفرت الوعبدالترهلىداسلام سے سناكدتقىدمومن كى سپرى اور تىقىدمومن كے كھے

وزید جس کے لئے تقینہیں اس کے لئے ایمان نہیں جو ہماری مدیث کوسنے اور اس کی اشاعت مذکرے تواس کے لئے ا رہایین دلت ہوگی اور اللہ اس کے دل سے فور نکال ہے گا۔

دوسوچیبیسوال باب را زکوجیپانا

(بنابُ الكِشانِ) ۲۲۲

١ - عَنَّ مَانُ يَخْبَى ، عَنَ أَخْمَدَ بَنُ عَبَّ ، عَنِ ابْنِ مَخْبُوبِ ، عَنْ مَالِكِ بْنِ عَطِيقَةً ، عَنْ أَبِي حَمْزَةً
 ١٠٠ عَلِي بْنِ الْحُسَيْنِ الْنِظْاءُ قَالَ ، وَدِدْتُ وَاللهِ أَنْي افْتَدَيْتُ خَصْلَتَيْنِ فِي الشّبِعَةِ لِنَا بِبَعْضِ لَحْمِ سَاعِدِي:
 ١١ لَذَقَ قَ وَقِلَةَ الْكِتْمَانِ .

ا۔ قربایا حفرتِ علی بن الحمین فی والندیں دوست رکھتا ہوں کہ اپنے شیعوں سے ان دودمساتوں کے دور کرنے ان کا کا گوشت فدیر دے دوں ایک تندیزاجی دوسرے بات کا کم تجھانا۔

٧ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَد بْنِ كُمِّهِ ، عَنْ كُمِّد بْنِ سِنَانِ ، عَنْ عَمْناد بْنِ مَرْوَانَ ، عَنْ أَبسي أَسامَةَ ذيدٍ الشَّحَامِ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْد اللهِ يَهْلِع : أُمِرَ النَّاسُ بِخَصْلَتَيْنِ فَضَيَّمُوهُمَا فَصَارُوا مِنْهُمَا عَلَىٰ غَيْرِشَيْء : السَّبْر وَالْكِنْمَانِ .
 الشَّبْر وَالْكِنْمَانِ .

۲- فرایا الوعبدا لله علیه اسلام نے اسے سیمان تم اس دین پر مہرک جس نے چھپایا ۔ خدا نے اسے عوت دی اور جس نے ظاہر کیا اللہ نے اسے دمیں کیا ۔

٣ - عَلِيُّ بَنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ أَبِي عُمَيْرِ ، عَنْ يُونسُ بْنِ عَمَّادٍ ، عَنْ سُلَيْمُانَ بْنِ اللهُ عَلَى دِينِ مَنْ كَتَمَهُ أَعَلَّ مُاللهُ وَمَنْ أَذَاعَهُ أَذَلَّهُ اللهُ .

سر فرایا حفرت ا بوهبدالله علیرا سلام نے لوگوں کو دوخصلتوں کا حکم دبا گیا ہے - لوگوں نے این دونوں کوضائع مدیا اور کچھ نہایا ۔ ایک ان میں صبر ہے دوسرے دازکا چھیانا ۔

ع ـ عُدْبُنُ يَحْنَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبْ ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عَبْدِ اللهِبْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ رَجُلٍ ، عَن

أَبِي جَفْفَم عِلِيْ قَالَ: دَخَلْنَاعَلَيْهِ جَمَاعة ، فَقُلْنَا: يَا ابْنَ رَسُولِ اللهِ إِنَّا نُرِيدُ الْعِرَاقَ فَأَوْصِنَا ، فَقَالَ أَبُوجَعُفَرِ عَلَيْكُمْ ؛ لِيُقَوِّ شَدِيدُكُمْ ضَعبِهَكُمْ وَلْيَعُدْ غَنِيتُكُمْ عَلَىٰ فَقَبِرِكُمْ وَلاَ تَبُشُوا سِرَّ نَا وَلا تُدنِيعُوا أَمَرَ نَا ، وَإِذَا جَاءً كُمْ عَنَا حَديثُ فَوَجَدْتُمْ عَلَيْهِ شَاهِدا أَوْشَاهِدَيْنِ مِنْ كَتَابِ اللهِ فَخُذُوا بِهِ وَ إِلاَ فَقِفُوا عَذَهُ ، ثُمَّ رُدُّوهُ إِلَيْنَا حَتَى يَسْتَبَهِنَ لَكُمْ وَاعْلَمُوا أَنَّ الْمُنْتَظِرَ لِهٰذَا الْأَمْرِ لَهُ مِثْلُ أَجْرِ الشَّائِمِ القَالِيمِ وَعَنْ مِنْ مُنَا فَخَرَجَ مَمَهُ فَقَتَلَ عَدُو أَنَاكُانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِعِشْرِينَ شَهِداً وَمَنْ قَنَلَ مَعَ قَائِمِنَاكَانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِ عِشْرِينَ شَهِداً وَمَنْ قَنَلَ مَعَ قَائِمِنَاكَانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِ عِشْرِينَ شَهِداً وَمَنْ قَنَلَ مَعَ قَائِمِنَاكَانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِ عِشْرِينَ شَهِداً وَمَنْ قَنَلَ مَعَ قَائِمِنَاكَانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِ عِشْرِينَ شَهِداً وَمَنْ قَنَلَ مَعَ قَائِمِنَاكَانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِ عَشْرِينَ شَهِداً وَمَنْ قَنَلَ مَعَ قَائِمِنَاكَانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِ عِشْرِينَ شَهِداً وَمَنْ قَنَلَ مَعَ قَائِمِنَاكَانَ لَهُ مِنْلُ أَجْرِ عَشْرِينَ شَهِداً وَعَشْرِينَ شَهِداً .

مم - را وی مجتاب کریم چند آدی ادام محدیا قرطیرال ام کی فدست پی آسفا دروض کیا ہم کو فرجا رہے ہیں کچھ نفیس میں مراف فرمان نے فرایا ہو علم دین میں توی ہیں ان کو چاہیے کہ جوعلم میں کم دور ہیں ان کو تقویت بہنچا ہیں اور مالدا دفقروں کی عیادت کریں اور مہارے داز لوگوں پر ظاہر در کریں جب ہماری مدین سنو اور اس پر ایک یا دو کو اہ قرآن سے پالو تو اسے بیان کروتا کرمی احف مالوش دمیں - ورنداسے دو کے دمیو اور ہمارے پاس مجھ جوتا کرہم وہ منوا ہر جہا کر دیں اور آگاہ ہواس امر کے منتظر کے لئے ایک قائم اللیل دوزہ وارکا آجس ہے جو ہمادے قائم کو پالے اور اس کے ساتھ خود مے کرے اور ہمارے دیشمن کو قبل کو یا ہے اور مراب اور ہمارے دیشمن کو قبل کو اس کا اجراب میں مشہید کا ہے اور جو ہما دے قائم کے ساتھ رہ کر قبل ہو جائے تواس کا اجراب ارہے کہیں مشہید دی کے۔

ان زماد المحالي المحالي المحالي المحالي المحالي المحالي المحالية ا

٢ = عَنْهُ ، عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنِ الرّ بْبِعِ بْنِ عَنْهِ الْمُسَلِّي ، عَنْ عَبْدَاللهِ بنِ لَكُمْ اللهِ بنِ الْحَكَمِ ، عَنِ الرّ بَبِعِ بْنِ عَنْهِ اللهِ اللهِ بنِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْهُ الللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ الللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ الللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ الللّهُ عَلَيْهُ الللللهُ عَنْهُ اللللهُ عَنْهُ الللهُ عَنْهُ الللهُ عَنْهُ اللللهُ عَنْهُ عَنْهُ اللللهُ عَنْهُ الللهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ اللللهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَلَيْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهُ عَلَمُ عَلَا اللّهُ عَنْهُ عَلَمُ عَلَمُ عَنْهُ عَنْهُ عَلَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْ عَلَا اللّهُ عَلَاللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَاللّهُ عَلَيْهُ الللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَالِكُولُولُولُولُولُولُولِهُ الللّهُ عَلَاللّهُ عَلَاللّهُ عَلَاللّهُ عَلَاللّهُ عَلَاللّهُ عَلَّا عَلَاللّهُ عَلَا عَلَا عَلَاللّهُ عَلَا عَلَاللّهُ عَل

۲- فرایا الوعبد الله علیا مسلام نے کہما وا معاملہ مہیشہ پوشیدگی کے متقد دہاہے لیکن اہل کروفریب نے شیعیت کولیا توکل کوچوں میں اور کا وُں کا وُں اعلان کردیا۔ ولدکسان سے مراد بعض نے اولادِ مخت ارعلیا لوحمہ لیہ ہے جنھوں نے شیعیت کا بیا بڑک وہل اعلان کیا۔

٧ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَيْنِ عَنِ ابْنِمَحْبُوبِ ، عَنْ جَمِيلِ بْن طالِحٍ ، عَنْأَبِي عُبَيْدَةَ الْحَذَّاهِ قالَ : سَمِعْتُ أَبَاجَعْفَر عِلِيلِ يَقَوُلُ : وَاللهِ إِنَّ أَحَبَّ أَصْحَابِي إِلَيْ أَوْرَعُهُمْ وَأَفْقَهُمُ وَأَكْتُمُهُمْ لِحَدِيثِنَا وَإِنَّ أَسُوأَهُمْ عِنْدِي خَالاً وَأَمْقَتَهُمْ لَلّذِي إِذَاسَمِعَ الْحَدِيثَ يُنْسَبُ إِلَيْنَا وَيُرُونَ عَنَا فَلَمْ يَقْبَلْهُ إِشْمَالَاً ﴾ مِنْهُ و خَجَدَهُ وَكَفَرَ مَنْ دَانَ بِهِ وَهُوَلايدَرْيِ لَعَلَّ الْحَدِيثَ مِنْ عِنْدِنَا خَرَجَ وَإِلَيْنَاٱسْنِدَ ،فَيَكُونُ ﴾ بِذَلِكَ خَارِجًا عَنْ وَلاَيْتِنَا .

ے۔ یں خصفرت امام محدما قرطیہ اسلام سے سناکر میرے اصحاب میں سبسے زیادہ محبوب میرے نزدیک دہ ہے جو زیادہ میری نزدیک سب سے نریادہ بھیلئے داللہے (آگا کہ وہ ہمارے در بچہ آزار نہ ہوں) اور میرے نزدیک سب سے زیادہ بدھال اور سبسے نریادہ دُمن دہ ہے جو ہماری هریش سنے اور ہماری طری نریک سب سے نریادہ بھال اور اسکار کرے اور جواس کے پاس مہو وہ ہمان الکارک مال نکہ وہ نہیں جا قاکم یہ عدیث ہماری ہی ہواود اس کی صندہم ہی سے ہوایا شخص ہماری دلایت سے فارج ہے۔

٨ عِدَةٌ مِن أَصْحَابِنا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلَيْ بَا مَعْ أَجْمَدَ بْنِ عَلِيهِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ يَعْيَى ، عَنْ حَرِيزٍ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ خُنَيْسِ قَالَ : قَالَأَ بُوعَبْدِ اللهِ عليه : يَا مُعَلَّى اكْتُمْ أَمْرَ نَا وَلا تُدْعَهُ ، فَإِنَّهُ مَن كَثَمَ أَمْرَ نَا وَلَمْ يُدْعُهُ أَعَرَ مُاللهُ بِهِ فِي الدُّ نَيْا وَجَعَلَهُ نُورا بَيْنَ عَيْنَيْهِ فِي الآخِرَة ، يَعُودُهُ إِلَى الْجَنَّة بيا مُعَلَّىٰ مَنْ أَذَا عَ أَمْرَ نَا وَلَمْ يَكُنُمُهُ أَذَلَ اللهُ بِهِ فِي الدُّ نَيْا وَنَزَ عَالتُورَمِن بَيْنِ عَيْنَيْهِ فِي الآخِرَة وَ جَعَلَهُ مُعْلَى إِنَّ اللهِ عَنْ وَيَهِ وَيَالَدُ نَيْا وَنَزَ عَالتُورَمِن بَيْنِ عَيْنَيْهِ فِي الآخِرَة وَ جَعَلَهُ عَلَى إِنَّ اللهُ مَعْلَى إِنَّ اللهُ عَلَى إِنَّ الْمُعَلَى إِنَّ اللهُ عَلَى إِنَّ الْمُعَلَى إِنَّ الْمُعَلَى إِنَّ الْمُعَلَى إِنَّ اللهُ وَلَا يَتَعِيثُ لَهُ مُ يَكُمُ اللهُ اللهُ عَلَى إِنَّ اللهُ عَلَى إِنَّ اللهُ عَلَى إِنَّ اللهُ عَلَى إِنَّ الْمُعَلَى إِنَّ اللهُ وَيَعَ أَنْ يُعْبَدُ فِي الْتِيرَ كَمَا يُحِبُ أَنْ يُعْبَدَ فِي الْمُعَلَى إِنَّ الْمُعْلَى إِنَّ الْمُعْلَى إِنَّ الْمُعْلَى إِنَّ الْمُعَلَى إِنَ الْمُعْلَى إِنَّ الْمُعْلَى إِنْ اللهُ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنَّ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنَّ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى اللهُ الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى إِنَّ اللهُ الْمُعْلَى إِنْ اللْمُ الْمُعْلَى إِنْ اللْمُعْلَى الْمُعْلَى إِنْ الْمُعْلَى الْمُعْلَى إِنْ اللْمُ اللْمُ اللهُ الْمُعْلَى إِنْ اللْمُ اللهُ اللهُ الْمُعْلَى اللهُ الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللّهُ اللهُ الْمُعْلَى اللهُ اللْمُ ا

۸- فرایا او عبدالدهدار الدهدار الده است خدار معنی بهارے امرکو چیپا دّ اور الا برز کرد بو بهادے امرکو چیپ اُنے کا اور ظا برز کرد بو بهادے امرکو چیپ اُنے کا اور ظا برز کرے گا قو اللہ اس کو دنیا میں عوت دھے گا اور آخرت میں اس کا دوفول آ نکھوں کے درمیان ایک فورم و گا ہو است جنت کی طوف ہے جائے گا اور اسے معلیٰ جو بہارے امرکو ظا بر کرے گا چیپائے گا نہیں توفدا اسے دنیا میں دونول کا کھوں کے بیچ سے فور کو کیپنے ہے گا اور تاریکی اسے کھینے کر دوزخ کی طرف نے جلتے گا اے معلیٰ آلفیہ میرا اور تاریکی اسے کھینے کر دوزخ کی طرف نے جلتے گا اے معلیٰ آلفیہ میرا اور میرے آباد کا دین ہیں اس کے دے دین نہیں اس کے دے دین نہیں اس کے دوست دکھتا ہے جیسا بھارے حق کا انکاد کرنے والا۔

٩ ـ عُنَّدُ بْنُ يَحْيَى ، عَنْ أَخْمَدَ بْنُ غَيْدٍ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ ، عَنْ مَرْ وَانَ بْنِ مُسْلِم، عَنْ عَمَّادٍ قَالَ : قَالَ : فَالَ لِي أَبُوعَ بْدَالَةِ عَلِيّ : أُخْبَرَتَ بِمَا أَخْبَرُ تَكَ بِهِ أَحَداً ؛ قُلْتُ : لا إِلْا سُلَيْمَانَ بْنَ خَالِدٍ ، قَالَ : أُخْسَنْتَ أَمَا أَمْ مَمْتَ قَوْلَ الشَّاعِر : أُخْبِرتَ بِمَا أَخْبَرُ تَكَ بِهِ أَحَداً ؛ قُلْتُ : لا إِلْا سُلِيمَانَ بْنِ خَالِدٍ ، قَالَ : أُخْسَنْتَ أَمَا أَمْمَمْتَ قَوْلَ الشَّاعِر :

فَ لَا يَمَدُونَ سِرَ يُو َ سِرُّ كَ ثَالِناً ٥ أَلَا كُلُّ سِرٍّ جَاوَزَ أَنْنَيْنِ شَائِعٌ

۹ فروایا ا بوعبدا دندُ علیرانسلام نے کیا ہیں نے وخرجھ سے میان کی تھی تو اس لئے کرکس سے کہددینا - ہیں نے کہا سیمان بن خالد کے سواکس سے نہیں کہا - فروایا سٹیبک کیا تونے شاعرکا یہ تول توسن امہوگا۔

میرا اورتیرا مجددد سے نیسرے تک ناجائے ، معاد ہوجو مجدد درسے گزرا وہ سائل مہنیا

زندگ جس کوالشدن دبدر کی بیدرید نسجه ناکه مکومت بمیشد کا لمول کے باتھیں رہے گ) یہ مکومت ایک مل تم ایک مین تا کہ ایک میں تا ہم ایک میں تا کہ میں تا ہم ایک میں تا ہم ایک میں تا ہم ایک میں تا ہم تا ہ

المَ الْحُسَيْنُ بِنَ ثُمَّةٍ ، عَن مُعَلَّى بِنِ ثَهَّهِ ، عَن الْحَسَنِ بَنِ عَلِي الْوَشَّاء ، عَن عُمَسَر بَنِ أَبَانِ عَن أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْكُ فَالَ: سَمِعْتُهُ يَقُولُ: قَالَ رَسُّولُ اللهُ وَالْفِيَّةِ: طَوْبِلَي لِعَبْدِ الْوَهُمَّةِ ، عَرَفَهُ اللهُ وَلَمْ يَعْرُفُهُ النَّاسُ ، ا وُلْئِكَ مَصَابِهِ أَلَهُدى وَيَنَابِهِ عَالَمْ لِم يَنْجَلِي عَنْهُمْ كُلِّ فِتْنَةٍ مُظْلِمَةٍ ، لَيْسُوا اللهُ وَلَمْ يَنْجَلِي عَنْهُمْ كُلِّ فِتْنَةٍ مُظْلِمَةٍ ، لَيْسُوا اللهُ وَلَمْ اللهُ وَلَا الْجُفَاةِ الْمُرَائِينَ .

۱۱- فرمایا ابوعبد الد ملیدامسلام نے کررمول الد نے فرمایا کم فوشنجی مواس گمنام بندہ کے نفرجے الله بهجابات ہے اور لوگ اسے نہیں بہجانتے رضاموشی سے کاردین انجام دیٹلہے ایر لوگ بدایت کیچراغ اور علم دین کے سرحینے ہیں۔ فلداان کے ذریعے سے نشنوں کی تارکی کو دورکر کمہے نہ وہ واز کو ظاہر کرنے واسٹن جیس ہیں اور نہا کمالن خود نما۔

اد زمایا حفرت الوجد الله علیه السلام نے کہ امیر المومنین علیدالسلام نے فرایا ۔ نوسٹنجری ہواس غیرشہود کھنام بندہ کے ہے جواس کی ہرواہ نہیں کرتا کہ لوگوں کو پہچلے نے ، لوگ اسے نہیں پہچلنے ۔ الله اس کو پہچنو آنا ہے واپنی مرفی کے سے ایسے لوگ ہمایت کے چراخ ہیں ان سے فتند کی ہرتا دکی میں روشنی بھیل جاتی ہے اور رحمت النی کے وروازے کھل جاتے ہیں تہوہ راز فامش کرنے والے چنن خور میں اور نہ جا ہلان تو وتما اور حفرت نے فرطا اچی بات کہوتم اس کی وجہ سے بہج ہے جا وکہ اور عمل خیر رواور اس کے اہل میں سے بنواور جلد باز چفل خور نہ میں سے نیک لوگ وہ ہیں جب ان کو دیکھ جا جائے تو الله یاد آ تلہے ادر تم میں بدترین لوگ چفلیاں کھانے والے دوستوں میں تفرق ڈالنے والے اور تلامش کنیولے عیبوں ہیں سے عیب۔

١٣ - عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَد بْنِ خَبِّهِ ، عَنْ عُثْمُ النَّابِنِ عِيسَى ، عَمَّنْ أَخْبَرَهُ قَالَ : قَالَ

أَبُوْعَبْدِاللهِ اللهِ : كُفَاوًا أَلْسِنَتَكُمُ وَالْزَمُوالبِيُوتَكُمْ ، فَإِنَّهُ لَا يُصَبِّكُمُ أَمْرٌ تُخَصَّوُنَ بِهِ أَبَداً وَلاَ تَزَالُ الرَّيْدِيَّةُ لَكُمْ وَقَادْ أَبْداً .

۱۳ د فرایا حفرت الموعید السلام نے اپنی ذبانوں کو نقیۃ کی صورت ہیں دوکو اور اپنے گھرول میں جب چاپ عبیر اللہ اللہ اللہ منا لفوں پرخسروج مذکر و تاکوتم دواکی معیب شدسے محفوظ دم ہو فرقری آل می کا ورزید بے فرقم کے لوگ جو جها دبالسیف کے معتنقد میں تمہار سے لئے معیب معید اللہ فوالے بن جائم کے یہ معیب تن ذید ہوں ہی کے لیے چھوڑو۔

١٤ عَنْهُ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عَبِسْى ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ صَلُواتُ اللهِ عَلَيْسهِ قَالَ : إِنْ كَانَ فِي يَدِكَ هَذِهِ شَيْ، فَإِنِ اسْتَطَمْتَ أَنْ لا تَعْلَمَ هٰذِهِ فَافْعَلْ ؛ فَالَ : وَكَانَ عِنْدَهُ إِنْسَانٌ فَتَذَا كَرُوا الإِذَاعَة ، فَقَالَ: احْفَظْ لِسَانَكَ تُمَرِّ ، وَلا تُمكِنُ النَّاسَ مِنْ قِنادِ رَقَبَيْكَ فَنَذِل أَ.

۱۹۰ دامام دسنی کافل علیدا سلام نے فرمایا . اگر تیرے ایک ہا تھ میں کو آن شے ہو تود دسرے ہا تھ کو فرن ہوا ہے دسیل دجوب کا استخدم علیدا سلام نے فرمایا . اگر تیرے ایک ہا تھ میں کو آن شکر نے کے متعلق لوگ گفت گو کر رہے تھے حفرت نے اس سے فرمایا تو اپنی زبان کو روک عزت ماصل جو گل اور اپنے پران لوگوں کو قدرت مددے جو تیری کردن میں دستی با ندھیں اور تو فرمایا تو اپنی زبان کو روک عزت ماصل جو گل اور اپنے پران لوگوں کو قدرت مددے جو تیری کردن میں دستی با ندھیں اور تو فرمایا تو اپنی دبان ہو۔

١٥ - مُخَدَّبُنُ يَحْنِي ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ مُخْدِبْنِ عَبْسَى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكِم ، عَنْ خَالِدِبْنِ نَجِيحٍ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيدٍ قَالَ : إِنَّ أَمْرَ نَامَسُنُورُ مُقَنَّعٌ بِالْمِبِثَاقِ فَمَنْ هَنْكَ عَلَيْنَا أَذَلَهُ اللهُ .

۵- وبایا ا بوعب داللهٔ علیراسلام نے ہمارا معا ملہ پوشنید صبیعے بعبدا اپنی جو المہودت اثم آ ل حجر کیک کا ہرشہوگا بس جس نے ہمادی پر دہ دری کی خدااس کو ڈنسیل کرسے گا۔

١٦ - الحُسَيْنُ بِنُ عَبْدٍ ، وَتُحَدِّبُنُ يَحْنِى ، جَمِيه أَ ، عَنْ عَلِيْ بَنْ عَبْرِبْنِ سَعْدٍ ، عَنْ عَلِيْ بَنْ عَبْرِبْنِ مُسْلِمٍ عَنْ عُجْرَبْنِ أَبَانِ ، عَنْ عِسَى بْنِ أَبِي مَنْصُورِ قَالَ: عَنْ عُمْرَ بْنِ أَبَانِ ، عَنْ عِسَى بْنِ أَبِي مَنْصُورِ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاعِبْدِالِةُ بِهِ عَنْ عَبْسَى بْنِ أَلِمَ مَنْ عُرِفًا لَهُ وَعَنْ عُمْرَ بْنِ أَبَانِ ، عَنْ عَبِسَى بْنِ أَبِي مَنْصُورِ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِالِةً بِهِ يَقُولُ : نَقَسُ الْمَهْمُومِ لَذَا الْمُغَنَّمِ لِطُلْمِنَا تَسْبِحُ وَهَمُعْلَا مُرْنَا عِبَادَةً وَكِنْمَانُهُ لِمِي مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ ، قَالَ لِي تَعْدُ بُنُ سَعِيدٍ : اكْتُبْ هٰذَا بِالذَّهِبِ ، فَمَا كَنَبْتُ شَبْئَاأً حُسَنَ مِنْهُ . ليرِز اللَّهِ جَهَادٌ في سَبِيلِ اللهِ ، قَالَ لِي تَحَدُّ بُنُ سَعِيدٍ : اكْتُبْ هٰذَا بِالذَّهِبِ ، فَمَا كَنَبْتُ شَبْئَاأً حُسَنَ مِنْهُ .

۱۱۔ را وی کہتلہے میں نے حضرت الوعبد اللہ علیدالسلام سے سنا کہ جو سانس نکا تباہے ہمار سے تعلق نسکر کرنے میں طہورتا مُم آل محمد کے متعلق اورخم ناک مہوتا ہے ہماری مظلومیت پرتواس کا بدعمل برمنزلرنسیسے اورہمارے

معاملہ میں رنجیدہ ہوناعبادت ہے اور ہمارے رازکوجیپانا جہاد فی سبیل الشہبے - مجھ سے فروایا اے محد من صعید اس کوسونے کے بانی سے تکھوئی نے اس سے بہترکوئی چیزندنکھی -

دوسوستابیسوال باب مومن اوراسس کی علامات وصفات (باب) ۲۲۷

۵(الْمُؤْمِن وَعَلاماتِهِ وَصِفاتِهِ)۵

ا مُعَدَّبُنُ جَمْفَر ، عَنْ عَبَدِينَ إِسْمَاعِيلَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ إِن ذَاهِرٍ ، عَنِ ٱلحَسَنِ بْن يَحْدَى ، عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ إِن ذَاهِر ، عَنِ ٱلحَسَنِ بْن يَحْدَى ، عَنْ أَبِي قَتْادَةَ الْحَرِّ انِيّ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بَنْ يُونُسّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَبْدِاللهِ عَلْمَ اللهَ عَلَّا لَهُ هَمَّامٌ لَا مُحْتَبِداً مِ إِلَىٰ أَمِيرِ الْمُؤْمِنِينَ عِلْهِ وَهُو يَخْطُبُ ، فَقَالَ: يَاأُمَيرِ الْمُؤْمِنِينَ عِلْمَ لَنَا مَا مُحْتَبِداً مِ إِلَىٰ أَمِيرِ الْمُؤْمِنِينَ عِلْمَ اللهُ وَمُو يَخْطُبُ ، فَقَالَ: يَاأُمَيرِ الْمُؤْمِنِينَ عِلْمَ لَنَا مَا مَنْ اللهُ إِلَيْهِ ؟ فَقَالَ :

يًا هَمَّامُ الْمُؤْمِنُ هُوَالْكَيْتُ الْفَطِنُ، بِشْرُهُ في وَجْبِهِ، وَحُزْنُهُ في قَلْبِهِ، أَوْسَعُ شَيْء صَدْداً وَأَذَلَّ شَيْءٍ نَفَسًا ، زَاجِرٌ عَنْ كُلِ قَانِ ، خَاضُ على كُلِ حَسِن ، لاَحَقُودٌ وَلا حَسُودٌ ، وَلاَوَثْنَابُ ، وَلاَمْتُنَابُ ، يَكُرُهُ الرِّفْعَةَ وَيَشْنَأْ السَّمْعَةَ، ظُوبِلُ الْفَيْم ، بَعبُدالْهُم كَثَبُر الصَّمْتِ وَلاَسَبَّابٌ ، وَلاَمْتُنَابٌ ، يَكُرُهُ الرِّفْعَة وَيَشْنَأْ السَّمْعَة ، ظُوبِلُ الْفَيْم ، بَعبُدالْهُم كَثَبُر الصَّمْتِ وَقُودٌ ، وَكُورٌ مَبُورٌ ، صَبُورٌ ، مَعْمُومٌ بِفِكِرْهِ ، مَشْرُ ورَّبِفَقْرِهِ ، مَهْلُ الْحَلَيقَة ؛ لَيْتِنُ الْعَريكَة ، رَصَبِنُ الْوَفْعَ : قَلِيلُ الْأَذَى ؛ لامُتَأْفَلُ وَلامُتَهَرَّتُكُ .

رات ن بادم المنظم المنظ

يَنْكِنِي الْطَمَعُ قَلْبَهُ ، وَلا يَمْوِنُ اللَّهْبُ خُكْمَهُ * وَلا يَطْلِكُ الْجَاهِلُ غِلْمَهُ ، قَوْ الْ ؛ عَمَالٌ ، غالِمُ حَاذِمٌ ، لَا بِفَحَامِ وَلَا بِطَيْنَاشِ ، وَصُولٌ في غَيْرِعُنْفِ ، بَذُولٌ في غَيْرِسَرْفِ ، لَا بِخَنْالِ وَلَا بِغَدْ إر ، وَلَا يَقْتَقَى أَثَرًا ، وَلا يَحبِفُ بَشَرًا ، رَفبِقٌ بالْخُلْقِ ، سَاعِ فيألاَ رْضِ ، عَوْنٌ لِلضَّعبِفِ غَوْثٌ لْلِمَلْمُوفِ ، أَل مُ يَهْ أِنْ مَنْ أَوَلَا يَكُشِفُ سِرّ أَ ، كَنْهُ الْبَلْوَى . قَلْبِلُ الشَّكُوْي ، إِنْ رَأَىٰ خَبْراً ذَكَرَهُ ، وَ إِنْ عَالَيْنَ شَوْ السَّرَهُ ، يَسْنُو العَيْبَ ، وَيَخْفَظُ الْغَيْبَ، وَيَقُبِلُ الْعَثْرَةَ وَيَغْفِرُ الزَّلَةَ . لايطَّلِكُ عَلَى نصْح فَيَذَرَهُ، وَلا إ يَدَعُ جِنْحَ حَيْفٍ فَيُصْلِحَهُ ، أَمَيْنَ ، رَصَيْنَ، تَقَيُّ ، نَقِيٌّ ، زَكِيٌّ ، رَضِيٌّ ، يَقْبَلُ الْعَذَرَ وَيُجْمِلُ الذِكْرَ وَيُحْسِنُ بِالنَّاسِالظَّنَّ ، وَيَشَّهِمُ عَلَى الْعَبْبِ نَفْسَهُ ، يُحِبُّ فِياللَّهِ بِفِقْهِ وَغِلْمٍ، وَيَقْطُعُ فِياللهِ بِحَرْمٍ وَعَرْمٍ لْايَخْرُقْ بِهِ فَرَحْ ، وَلاَيَطْبِشُ بِهِ مَرَحْ ، مُذَكِّرُ للْعَالِمِ ؛ مُعَلِّمٌ للْجَاهِل ، لاَيْتَوَقَّمْ لَهُ بَائِقَةُ ، وَلا يُخَافُ لَهُ غَائِلَةٌ ۚ، كُلُّ سَعْيِ أَخْلَصُ عِنْدَهُ مِنْ سَعْبِهِ ، وَكُلُّ نَفْسٍ أَصْلَحُ عِنْدَهُ مِنْ نَفَشَيْهِ ، عَالِمٌ بِعَنْبِهِ شَاغِلٌ بِغَمِّيهِ ، لا يَثِقُ بِغَيْرِرَبِيهِ ، غَريب وَحبِد جَربُد [حَزين] ، يُحِبُ في اللهِ وَيُجاهِدُ في اللهِ لِيُسْبَعَ رضاهُ وَلا يَنْتَقِمُ لِنَفْسِهِ بِنَفْسِهِ وَلا يُوْالي في سَخَطِ رَبِّيهِ ، مُجالِسٌ لا هَلِالْفَقْرِ ، مُصادِقٌ لا هَلِ الصِّدْقِ مُؤَازِرُ لِأَ هٰلِ الْحَقِّ . عَوْنُ لِلْقَرِيبِ ، أَبُ لِلْبَنِّيمِ ، بَعْلٌ لِلْأَرْمَلَةِ ، حَفِيٌّ بِأَهْلِ الْمَسْكَنَةِ ، مَرْجُو لَكُلُلْ كَرَبِهَةِ ، مَأْمُولُ لِكُلِّ شِدَّةِ ، هَمَثْاشْ ، بَشَاشْ ، لايِعَبْاس وَلايِجَشَاس ، صَلبِب ، كَعْلَام ، بَشَام دَقيقُ النَّظُرِ عَظيمُ الْحَدْرِ [الايجْهَلُ وَإِنْ جُهِلَ عَلَيْهِ يَحْلُمُ]الايبْخَلُ وَإِنْ بُخِلَ عَلَيْهِ صَّبَرَ ، عَقلَ فَاسْتَحْلِي وَقَنَعَ فَاسْتَغَنَىٰ ، حَيَاؤُهُ يَعَلُو شَهْوَتُهُ . وَوُدَّهُ يَعْلُوحَسَدُهُ ، وَعَقْوُهُ بِمَنْلُوحِيْقَدُهُ ، لاينَظِقُ بِغَيْرِ صَوْابِ وَلاَ يَلْنِسُ إِلاَّ الْإِقْنِمِادَ ، مَشْيُهُ النَّوَاضُع ، خَاضِعٌ لِرَبِّه بِطاعَنِهِ ، رَامِن عَنْهُ في كُلّ حَالاتِهِ ، نِيتَّتُهُ خَالِصَة ،أَعْمَالُهُ لَيْسَ فَبِهَاغِشٌ وَلَاخَدِيعَةٌ، نَظَرُهُ عِبْرَةٌ ، سُكُوتُهُ فِيكْرَةٌ ، وَكَلَامُهُ حِكْمَةٌ ، مُناسِحاً مُتَبَاذِلًا مُتَوَاخِياً ، نَاصِحُ في اليِّيرَ وَالْعَلانِيَةِ ، لايهَجُرُ أَخَاهُ ، وَلا يَفْنَابُهُ ، وَلايمَكُرُبِهِ ، وَلا يَأْتُفُ عَلَىٰ مَا فَاتَهُ ، وَلاَ يَحْزُنُ عَلَىٰ مَا أَضَابَهُ ، وَلا يَرْجُو مَالا يَجُوزُلَهُ الرَّ خِاءُ، وَلا يَفْشَلُ في الشِّدَّ قِ ، وَلا يَبْعُلُرُ في الرَّ خَاءِ يَمْرُ جُالْحِلْمَ بِالْعِلِمِ ، وَالْعَقْلَ بِالصَّبْرِ ؛ تَرَاهُ بَعَبِداً كَسَّلْهُ ، ذائِما نشاطه ، قريباً أَمَّلُهُ قَلْهِلا ذَلَلْهُ . مُتَوَقِيماً لِأَجلِهِ ، خَاشِعاً قَلْبُهُ ، ذَا كِرا رَبَّهُ ، قَانِعَة نَفْسُهُ ، مَنْفِيتاً جَهْلُهُ ، سَهْلاً أَمْرُهُ حَرِيناً لِذَنْبِهِ ، مَيْنَةً شَهْوَتُهُ، كَظُوما غَيْظُهُ ، طافِياً خُلْقُهُ ، آمِنا مِنْهُ جَارُهُ، ضَعيِها كِبْرُهُ ، قايعاً بالدي قُدِّ زَلَهُ ، مَنبِنا صَبْرُهُ ، مُحْكَمًا أَمْرُهُ ، كَثيرا ذِكْرُهُ ، يُخَالِطُ النَّاسَ لِيَعْلَمَ ، وَيَصَمُّتُ لِيسَلَّمَ ، وَيَسْأَلُ لِيَفْهَمَ ، وَيَنتَجِزُ لِيَغْنَمَ ۚ الْمِنْشِتْ لِلْخَبِرِ لِيَفْجُرَبِهِ ، وَالْآيَتَكَلَّمُ لِيَتَجَبّرَ بهِ عَلَىٰمَنْ سِواهْ ؛ نَعْسُهُ مِنْهُ

في عَنَا، وَالنَّاسُ مِنْهُ في رَاحَةٍ ؛ أَتَعْبَ نَفْسُهُ لَآخِرَ تِهِ فَأَرَاحَ النَّاسَ مِنْ نَفْسِهِ ؛ إِنْ بَعِيَ عَلَيْهِ صَبَرَحَنْنَى يَكُونَ اللهُ الَّذِي يَنْتَصُر لَهُ ؛ بعْدُهُ مِمَّنَ تَبَاعَد مِنْهُ بَعْضٌ وَنَزَاهَةٌ ، وَدُنُو هُ مِمَّنْ دَنَاهِنْهُ لَيْ وَ رَحْمُهُ لَبَسَ تَبَاعُدُهُ تَكَبِّرًا وَلاعَظَمَةً ؛ وَلاَدْ نُو هُ حَديمَةٌ وَلا خَلابَةٌ ؛ بَلْ يَقَنْدَي بِمَنْ كَانَ قَبْلَهُ مِنْ أَهْلِ الْخَيْرِ فَهُو إِمَامُ لِمَنْ بَعَدَهُ مِنْ أَهْلِ الْبِيرِ .

قَالَ: فَصَاحَ هَمَّامُ صَيِّحَةً ؛ ثُمَّ وَقَعَ مَفْشِيًّا عَلَيْهِ ؛ فَقَالَ أَمْبُر الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْهُ ؛ أَمَاوَاللهِ لَقَدْ كُنْتُ أَخَافُهَا عَلَيْهِ وَقَالَ: فَعَالَ أَمْبُر الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْهِ الْمُؤْمِنِينَ كُنْتُ أَخَافُها عَلَيْهِ وَقَالَ: هَكَذَا تَصْنَعُ الْمَوْعِظَةُ الْبَالِغَةُ بِأَهْلِها؛ فَقَالَ لَهُ قَائِلٌ: فَمَا بِاللَّكَ بِالْمَوْمِنِينَ كُنْتُ أَخَافُها عَلَى لِمَا اللَّهُ مِنْ الْمُؤْمِنِينَ فَقَالَ: إِنَّ لِكُلِ آجَلاً لا بَعَدُوهُ وَسَبِها لا يُجَاوِزُهُ ؛ فَمَهْ لا لا تَعَدْ فَإِنَّمُ انْفَتَ عَلَى لِمَا يَكُ شَيْطُانٌ .

ا قربایا حفرت الوعید و الشه علیه اسلام نے کرجب امیرا لمونین فدجد سناد ہے تھے کہ ایک شخص جوعا برو زا ہر دمجہ تد تھا کھڑے ہوکر کھنے لیگا ۔ اے امیرا لمومنین ؛ آپ مومن کا وصف اس طرح بیان کریں گویا ہم اس کو دیکھ دہے ہیں فرما یا اے ہمام مومن قریرک و درا نا ہوتا ہے ۔ چہرہ بشاش، ول حزن آگیں ،کٹ دہ سیندا زروئے نفس دلیل ہرفانی شے کو حقیر سمجھنے والا۔

وحده کا پیکا اور عبد کا پورا جو آسید ہوگوں پر جہریان ان تک بہتینے والا ، برو باد ، گم نامی پیس بسرکرنے والا و فعنول بات کم کرنے والا ، اور ا پہنے سے کم پرسخی نہ کرنے والا ، اور ا پہنے سے کم پرسخی نہ کرنے والا ، عمر کم تعلیٰ چر برخوروت کر جہری رو الا ، ماری کرنے والا ، ماری کہ متعلیٰ چر برخوروت کر جہری کرتا ، دین کا ناح موتا ہے ، مومنوں سے وقع خرد کرنے والا ، سلمان کو پہنا ہ دینے وا لا ، ملمان کو پہنا ہوگئی ا ورطع اس کے دل کو رخی نہیں کرتی ا ورنہو ولعب اس کو حکمت سے با تہمیں دکھی ، جا ہا سیما کے علم سے وا قد نہیں ہوتا ۔ ویں حق کی تاری ہوئی اور بھو ولعب اس کو حکمت سے با تہمیں دکھی ، جا ہا سیما کے علم سے وا قد نہیں ہوتا ۔ ویں حق کی تاری ہوئی اور بھوئے ان سے تعلق رکھنے والا ، الم علم والا علم اسران سے پہنا کہ کہ نہیں کرتا ، مند نو نہیں ہوتا ، ویں حق کی تاری کا وربیروی نہیں کرتا کمی اسی چیزی حس سے کسی کا عجمب نظائم ہو۔ اور دیکی بیٹر پر طام کرتا ہوئی اور نہیں کرتا کمی اسی چیزی حس سے کسی کا عجمب نظائم ہو۔ اور دیکی بیٹر پر طام کرتا ہو اور دیکی ہیں گئا ہم کہ دیکا وردوں کا حمد دیکا رہے اور دیک ہیں ہوتا ، وی پر بربان ہوتا ہو اور دین پر لوگوں کے بیٹ سی کرتا کمی اسی چیزی حس سے کہ کا حمد دیکا اور دیکی ہو جی کہ کہ دوروں کا حمد دیکا اور کرتا ہے اور اگر کہ یک حکم معمائب کا سامنا ذیا وہ برتا ہوئی اور کرتا ہے اور دیک کا وردوں کا حمد کو اس کو چھپا تا ہے ہوئی بھی بات پر اطلاح پائی ہوئی اس سے داخی جی اور کیا اس سے داخی جی اور کرتا ہے اور دیک اس سے داخی جی بات پر اطلاح پائی اور کو کہ اس سے داخی جی بی دی خوالاد دل کے مذر جول کرتا ہے اور دوسن عنوان سے ذکر کرتا ہے اور دائس و موان سے داروں شدید و بانت دارہے پر بہزگار ہے باخل کے سامت والی کی تاری والے کے شوق پر اپنے نفس پر الزام کا کا کہ ہے۔ کہ کورٹ ایک معلوم کرنے کے شوق پر اپنے نفس پر الزام کا کا کہ ہے۔

اوراین دیند اری اورطم کی بناد پرکی کوتریتد الی الله و دست رکه تا جا ور قطع تعلق کرتا ہے۔ برائے فدااس سے جوبری کا ادادہ رکھتے ہو توشی اسے بے عقل نہیں بتاتی اور در داوت رسانی سے تندم ناجی پر مائن کرتی ہے عالم کو آخرت کی باد دلائے والا ہے جا بالی کو تعلیم دینے والا ہے ۔ اس سے کی معیبت کے نازل کرنے کی امید نہیں کی جاتی اور در کمی حادث کا فوف کیا جا آئے ہے ۔ را مو فدا میں وہ اپنی ہر کوشش کو وہ اپنی سعی سے زیادہ خا بھی جا نتاہے اور سم بتنا ہے کہ برفض اس سے زیادہ منا بھی جا تا ہے ۔ را مو فدا میں وہ اپنی ہر کوشش کو وہ اپنی سعی سے زیادہ خا بھی جا تا ہے وہ فدا کے سواکسی چربی ہے دیارہ صلاحیت رکھتا ہے کہ برفض اس سے دیارہ منا ان ہو اور در سے میں افراد زندگی بسرکر تاہے وہ تنہائی پسند ہے نبات قرت کے لئے گوروں دہتا ہے ۔ وہ فران سے کوشنودی فدا ہو جا بنے نفس کے لئے گوروں دہتا ہے ۔ وہ انتقام نہیں لیتا بلکاس انتقام کو فدا پر چھوڑتا ہے اور دوست رکھتا ہے اور دوست گو توشن فدا ہو ۔ ایل فقر کی محبت میں پیچھتا ہے اور دوست گو لوگوں سے مدول امیدی کا باپ ہے ۔ بیوا اول کا مدکا دہے اور معیبت میں لوگوں کو اس سے مدد کی امیدی کا باپ ہے ۔ بیوا اول کا مدکا دہے اور معیبت میں لوگوں کو اس سے مدد کی امیدی کا آپ ہے اور دوست می خوشن دے دوست دو وہ ترشن دو نہیں ، وہ نہیں ۔ امر دین میں سے کم خود کا جینے والا ہے وہ ترشن دو نہیں ، وہ نہیں ۔ امر دین میں سے کم خود کا جینے والا ہے دو اور سے دوست دوست دوست دوست دیں ہو نہیں ۔ امر دین میں سے کم خود کا جینے والا ہے دہ ترشن کو نہیں ۔ امر دین میں سے کم خود کا جینے والا

تبسم کرنے والا ، دقیق النظر ، احتیاطسے کام کرنے والا ، بخل پندنہیں ، اگر اس کاحق دینے ہیں ہوکہ بخل کریں تو عبر کرائیے بُری با تو ں کو جان کر ان کے بجالا لے سے جیا کر تاہیے ۔ فناعت کی وجہ سے غنی ہے اس کی حیب اس کی خواسش پر فا لیب 1 تی اور اس کی محبت حد مے جذبہ کو پیدا نہیں ہونے دیتی ۔

اس کی نجشش اس کے کینڈ ہیر فالب آتی ہے سوائے میری بات نے نہیں بولنا ا وراس کا باس میبا نہ دوی ہے اس کی اسکو افرائے ہو اپنی اطاعت میں اپنے رب کے ساھنے افہاد عجر و نیا ذکرنے والا ہے اور ہر حالت ہیں اس ہ وافی دہشاہے اسس کی نیت فالس ہوتی ہے اس کے حل کا اسس کی نیت فالس ہوتی ہے اس کے حل کا سکون ن کرآخرت ہیں ہے ۔ وہ نصیحت کرنے والا ہے ۔ خرب کرنے والا ہے برا دری کا قام کرنے والا ہے ظاہر و با طن ہر حالت میں نصیحت کرنے والا ہے مراز دری کا قام کرنے والا ہے مرکز تا ہے اور جو چرز میں نصیحت کرنے والا ہے مرکز تا ہے اور جو چرز میں نصیحت کرنے والا ہے مرکز تا ہے اور جو چرز اور جو جرز اور کی کا قام کرنے والا ہے مرکز تا ہے اور جو چرز اور جو جرز اور کی کا قام کرنے والا ہوئی امید نہیں کرتا ہے اور جو جرز اور جو جرز اور خوالا ہوئی امید نہیں کرتا ہے اور جو جرز اور خوالا ہوئی امید نہیں کرتا ہے اور جو جرز اور تا تا نہیں ، حتم کے ساتھ علم کو لئے مہتا ہے اور حوالا ہوگا اس کے دور میوگا، ہمیشہ توش رہنے والا ہوگا اس کے ذور ہوگا، ہمیشہ توش رہنے والا ہوگا اس کے نفش میں نفش مردہ ہوگی بہا تہ دور میوگا اس کے دل میں خشوع ہوگا ، اپنے زب کی کا خوالے والا ہوگا اس کے نفش میں تا عدت ہوگی بہا اس کے ذور میں خشوع ہوگا ، اپنے زب کو کا خوالے والا ہوگا اس کا امر آخرت آسان ہوگا اپنے کنا ہوں کے تصور سے رہنج یہ و الا ہوگا اس کا امر آخرت آسان ہوگا ، پہنے زب کا کہ مدیدہ و الا ہوگا اس کا امر آخرت آسان ہوگا اپنے کنا ہوں کے تصور سے رہنج یہ و میں مردہ ہوگی عقد کا پینے والا ہوگا اس کا امر آخرت آسان ہوگا اپنے کنا ہوں کے تصور سے رہنج یہ و میں مردہ ہوگی عقد کا پینے والا ہوگا اس کا امر آخرت آسان ہوگا اپنے کہ ہوں کے تصور سے رہن میں ہوگا ۔

یسن کریمام نے چیخ ماری اورمردہ ہوکر کر پڑا۔ دمیر، لمومنین نے فرما یا خدا کی قسم اس کے متعلق اسی بانٹ کا مجھے خوت تھا اور فرما یا کرموٹرموعظ کا اہل لوگوں پرایسا ہی اٹر ہوتلہے یکی کہنے والے نے کہا۔ سے امیرا لمومنین آپٹے نے برکیا کہا۔ فرابا برشخع که وت کا ایک وقت بهت جون گهنّنا ہے نہ برص ناہے اور ہر ایک کے لئے مرفے کا ایک مبعب بہوتلہے میم رجاگتا خان بات نزکر رہے شک شیطان نے تیرے ا فدر پھیونک ماددی ہے جو ترمی زبان پر بر لفظ آئے ۔

۱- فرمایا ابوعبدا نشد علیرانسلام نے کرمومن میں 4 کے خصلیت ہوتی چاہیٹی جب ذک مضطرب ہوں آورہ صاحب وقدار المجام م ہو، مرصیبتوں میں مبرکرنے والا ہو، نعمتوں میں شکر کرنے والا ہو، جورزی اللانے دیا سے اس پرت نع ہو، دشمنوں پرمی ظلم نہ مذکرے اپنا باردشمنوں پرن ڈائے ، بدن اس کا تعب میں ہوا ورلوگ اس سے داحت میں ہوں علم مومن کا دوست ہے اور علم اس کا وزیرہے اور عبراس کے نشکر کا امیر ہے اور ہر باتی اس کا مجائی ہے اور فرمی اس کا باہ ہ

٣ ـ أَبُوعِلِي الْأَشْعَرِيْ ؛ عَنْ عَيْبِ الْجَبَّارِ؛ عَنِ ابْنِ فَضَّالِ ؛ عَنْ مَنْفُورِ بْنِ يُونُسُ عَنْ أَبِي حَمْزَة ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحُسَيْنِ عَلَيْهِمَا السَّلامُ قَالَ: الْمُؤْمِنُ يَصَمْتُ لِيسَلْمَ ؛ وَيَنْظِقُ لِبَغْنَمَ ؛ لا يحدّ ثُ أَمَانَتَهُ الْأَصْدِقَة وَلاَ يَعْنَى اللهُ عَنَا اللهُ عَنَا اللهُ وَلاَ يَعْمَلُ شَيْئًا مِنَ الْخَبِرِ دِياةً وَلاَ يَتَرُ كُهُ حَلِيه إِن لا يَعْمَلُ شَيْئًا مِنَ اللهَ عَلْمَوْنَ ؛ لا يعْمَلُ شَيْئًا مِنْ اللهَ وَيَخَافُ إِحْماء مِاعَمِلَهُ . خَافَ مِمْا يَقُولُونَ وَيَسْتَغْفِرُ اللهَ لِمَالا يَعْلَمُونَ ؛ لا يَغُرُ أَهُ قَوْلُ مَن جَهِلَهُ وَيَخَافُ إِحْماء مِاعَمِلَهُ .

۳- اور قربایا علی بن المحسین علیهما السلام نے مومن خاموشش رہتا ہے تاکہ نوگوں کے اعرّا خدات سے پجاد ہے اور اور الساسے ناکہ نوگوں کے اعراض سے اپنی گواہی المولائے ہوں انھیں بیان نہیں کرتا اور دور رہنے دانوں سے اپنی گواہی نہیں اور دیا ہے کوئ عمل خیرنہیں کرتا اور دخر شرم سے اسے چھوڑ تاہے اگر نوگ تعریف کرتے ہم تو اپنے میں غرور میدا ہونے سے فرزنا ہے اور جوعیب اس کے لوگ نہیں جانتے اس کے فیٹے اللہ سے استغفار کرتا ہے اور نہیں مغرور ہموتا ان لوگوں کی تعریف سے جواس کے حالے سے اپنے اعمال کے۔ تعریف سے جواس کے حال سے اور خوث کرتا ہے شار کھتے جانے سے اپنے اعمال کے۔

٤ ـ عِذْةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُقْدِبْنِ خَالِدٍ ؛ عَنْ بَعْضِ مَنْ رَوْاهُ ؛ رَفَعَهُ إِلَىٰ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ عَنْ بَعْضِ مَنْ رَوْاهُ ؛ رَفَعَهُ إِلَىٰ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ عَنْ بَعْضِ مَنْ رَوْاهُ ؛ رَفَعَهُ إِلَىٰ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : الْمُؤْمِنُ لَهُ قُوَةٌ قُو مَهُ فَي إِنْ اللهُ وَي عَلَمْ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَىٰ اللهُ عَلَمْ عَلَىٰ عَلَمْ عَلَىٰ عَلَمْ عَلَمْ عَلَىٰ عَلَمْ عَلَيْكُ اللهُ عَلَمْ عَلَيْكُ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَيْمَ عَلَىٰ عَلَيْمِ عَلَيْلِ عَلَىٰ عَلَمْ عَلَى عَلَمْ عَلَيْعَمْ عَلَيْ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَمْ عَلَيْمُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَمْ عَلَيْكُ عَلَمْ عَلَيْكُ عَلَمْ عَلَيْكُ عَلَمْ عَلَيْكُ عَلَى عَلَمْ عَلَيْكُ عَلَمْ عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُمْ عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَى عَلَيْكُمْ عَلَى عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُ عَلَيْكُمْ عَلَيْكُمْ عَلَيْ

في فَاقَة ، وَعَفُوْ فَي قُدْرَة ، وَطَاعَةُ لَيْ فَي نَصَيحَة ، وَانْتِهَا ، فَي شَهْوَة ، وَ وَرَعٌ فَي رَغْبَة ، وَحِرْضٌ فَي حِهَادِ وَصَلاةٌ فَي شُغْلٍ ، وَصَبْرٌ فَي شِدَّة ، وَفَي الْهَرْ اهِرْ وَقُورٌ ؛ وَفِي الْمَكَارِهِ صَبُورٌ ؛ وَفِي الرَّخَاء شَكُورٌ ؛ وَلا يَشْهُ وَلا يَشْهُ وَلا يَشْهُ الرَّخَاء شَكُورٌ ؛ وَلا يَشْهُ وَلا يَشْهُ اللَّهُ عَلَمُ وَلا يَشْهُ اللَّهُ عَلَى الرَّخَاء وَلا يَشْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهُ وَلا يَشْهُ الْمَظْلُومُ وَيَرْحُمُ الْمِسْكِينَ وَلا يَشْهُ الْمَظْلُومُ وَيَرْحُمُ الْمِسْكِينَ وَلا يَشْهُ أَوْ الْمَظْلُومُ وَيَرْحُمُ الْمِسْكِينَ وَلا يَعْفَحُهُ وَلا يَعْفَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ

د فیبت کرتا ہے ترکم راور د قطع رحم کرتا ہے اور ست ہے د ترش دوہے اور نسخت دل اور دا دھم اوھم اور اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ کھانے پر اور د شرم کا ہ اس پر فالب آتی ہے (ذانا نہیں کرتا)
اور لوگوں پرحد نہیں کرتا۔ نادان اسے عیب دگاتے ہیں وہ کسی کو عیب نہیں دگاتا ، وہ فعنول خرجی نہیں کرتا ، مظلوم کی عدد
کرتا ہے دیمکین پر رحم کرتا ہے اس کا نفس تکلیف ہیں دہتا ہے گر لوگ اس سے داحت ہیں دہتے ہیں، وہ عزت دنیا کی طرت
دافی نہیں ہوتا اور داس کی ذلت سے گھرا آلہ وگول کو اس کی فسکر ہے کہ وہ کا دہلے دنیا کی طرف متوج ہیں اور اس
کور فسکر ہے کہ وہ کا رہائے دنیا ہیں مشغول کیوں ہے اس کے ملم میں کوتا ہی نہاؤ گے اور اس کی دائے ہیں ستی ندد کھو
کے اس کا دین منابع مذہو کا دیا ہے دنیا ہی مشغول کیوں ہے اس سے مشورہ کرے گا ہوا ہے کا اور جو اس کی ماد کرے گا
سعادت ماصل کرے گا اور احتراز کرتا ہے فیش و دخنا ہے۔

٥ - عَنْهُ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِنَا رَفَعَهُ ، عَنْ أَحَدِهِمَا الْبَيْلاَءُ قَالَ: مَرَّ أَمَيْرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْنَكُمُ ، مِخْلِسٍ مِنْ قَرْيَشٍ ، فَإِذَاهُوَ بِيَعْنِ بِيَابُهُمْ ، صَافِيْةَ أَلْوَانُهُمْ ، كَثَيْرُضِحْكُهُمْ ، يُصْبِرُونَ بِأَصَابِعِهِمْ إلى مَنْ يَمُرُ نِيمٍ ، فَإِذَاهُو بِيمِ إلى مَنْ يَمُرُ نِيمٍ ، ثُمَّ مَرَ بِمَجْلِسِ لِلأَوْسِ وَالْخَرْرَجِ فَإِذَا قَوْمُ بِلْيَتَمِنْهُمُ الْأَبْدَانُ ، وَدَفَتَ مِنْهُمُ الرِ قَالَ وَاضْفَرَ تُ مِنْهُمُ اللّهِ وَاضْفَرَ تُ مِنْهُمُ اللّهِ وَاضْفَرَ لَي عَلَيْ عَلَيْكُمُ مِنْ ذَلِكَ وَ دَخَلَ عَلَى رَسُولِ اللهِ وَتَعْمَدُ مَنْهُ مِنْهُ اللّهِ وَاللّهُ وَلّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَمْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ مُنْهُ مُنْهُ وَلَالّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَلّهُ وَلّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَلَاللّهُ وَلَا لَاللّهُ وَلَا لَمْ اللّهُ وَلَا لَا لَكُلّامِ مَا فَا اللّهُ وَلَا لَا لَكُلّامُ اللّهُ اللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَلَالْمُولِلْمُ اللّهُ اللّهُ وَلَاللّهُ وَلَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ وَخَلَّا عَلَى اللّهُ اللّهِ وَاللّهُ وَلَا لَهُ اللّهُ اللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُولِ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللللّهُ اللللللّهُ الللللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللللّهُ اللللللللللللللللللللللللل

ات نبات المنظمة المنظم

فَقَالَ: بِأَبِي أَنْتَ وَا مَنْ إِنْ مِرَدْتُ بِمَجْلِسِ لِآلِ فَلانٍ - ثُمْ وَصَغَهُمْ - وَمَرَدْتُ بِمَجْلِسِ لِلأَوْسِ وَالْخَزْرَجِ فَقَالَ: بِعَمْدُونَ وَفَعْنُونَ وَ فَأَخْبِرْنِي يَارَسُولَ الله بِصِفَةِ الْمُسُومِنِ وَ فَلَكَسَ رَسُولُ الله وَقَعْمُمْ - ثُمَّ فَالَ : عِشْرُونَ خَصْلَةٌ فِي الْمُؤْمِنِ فَإِنْ لَمْ تَكُنْ فَيهِ لَمْ يَكُمُسُلُ إِيمَانُهُ ، إِنَّ مِنْ وَالْمُسْرِعُونَ إِلَى الرِّكُاةِ ، وَالْمُطْعِمُونَ الْمِسْكَبِنَ ، أَخْلِقِ الْمُؤْمِنِ يَاعَلِي النَّكُونَ الْمُسْكِبَنَ ، وَالْمُسْرِونَ الصَّلاةَ ، وَالْمُسْلِمُ وَالْمُسْكِبَنَ الْمُعْمِونَ الْمِسْكَبِنَ ، الْمُطْمِسُ وَنَأَطْمَادُهُمْ ، الْمُشَرِّرُونَ عَلَىٰ أَوْسُاطِهُمْ ، الَّذِينَ إِنْ حَدَّ ثُوالُمْ يَكُذِبُوا الْمُاسِحُونَ رَأْسَ الْمِنْمِ ، الْمُطَهِّرُ وَنَ أَطْمَادُهُمْ ، الْمُشَرِّرُونَ عَلَىٰ أَوْسُاطِهُمْ ، الَّذِينَ إِنْ حَدَّ ثُوالُمْ يَكُذِبُوا الْمُاسِحُونَ رَأْسَ الْمِنْمِ ، الْمُطَهِّرُ وَنَ أَطْمَادُهُمْ ، الْمُشَرِّرُونَ عَلَىٰ أَوْسُاطِهُمْ ، الَّذِينَ إِنْ حَدَّ ثُوالُمْ يَكُذِبُوا الْمُاسِحُونَ رَأْسَ الْمَنْ إِللَّهُ إِلَى الْمُعْرِقُ الْمُونَ اللّهُ الْمُونَ الْمُعْمِلُونَ الْمُعْرِقُ الْمُونَ اللّهُ إِلَىٰ اللهُ وَعَلْمُ اللهُ وَعَلْمُ اللهُ وَإِلْمُ اللّهُ وَإِنْ اللّهُ وَإِلَا اللّهُ وَإِلْمَ اللّهُ وَإِلَا اللّهُ وَإِلْمَ الللهُ وَإِلْمُ اللّهُ وَالْمُ اللّهُ وَإِلْمُ الللهُ وَعَلَىٰ اللّهُ وَعِلْمُ اللّهُ وَاللّهُ وَإِلَىٰ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْمُ اللّهُ وَاللّهُ الللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللللّهُ وَاللّهُ اللللّهُ وَاللّهُ اللللّهُ وَاللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللللّهُ وَاللّهُ الللللّهُ وَاللّهُ اللللّهُ وَاللّهُ

۵- فربا حضرت الوجد الله عليه السلام نے کرجناب البرالمومئين عليه السلام قريش كرمبسه كى طوف سے گزرے جومات مستقدے سفيد كپرلے بہنے ہوئے تھے بہت ذيا وہ بنس رہے تھے اور جوان كى طوف گزرت كا تھا انگليوں سے اس كى طوف اثنا وہ كرتے تھے رہے حفرت اوس وخزرج كے جلس كى طوف سے گزرے وہاں الله وكؤل كو ديكھا جن كے بعرن كم زور تھے اور كروني بي اور ديكھ كر برا تعب ہوا اور حفرت رسول خداسے دونوں كروبوں كا اور دنگر بيلے تھے جہا يت مجروا نكساوسے بوقے تھے رحفرت كوب ديكھ كر برا تعب ہوا اور حفرت نے سرجھ كا ليا ہے سراتھا كونوا كا مهان كرك بوچھا ، به سب مومنين بي بي يارسول الله المعمن كريف سيان كيمينے وحفرت نے سرجھ كا ليا ہے سراتھا كونوا كا مهان كا مل نہيں ۔ اسے على المومنين كے افلاق میں سے یہ مومن كا مين خصلتي بي اگر الن ميں سے ايک بھي ما مهان كو اور كا كا ايمان كا مل نہيں ۔ اسے على المومنين كے افلاق میں سے یہ والے بي ستر بوشى كے بين آوان كونوا اوا كرفيات اور خيس مسكون كو كھا نا دسينے والے بي ميتم تواس كے خلاق نہيں والے بي ستر بوشى كے بين آوان كونوا اور المول كا ايمان كا مل نہيں والے بي مورت كونوا كونوا كونوا اور المول كونوا كو

حَمِلْيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِأَبِي عُمَيْرٍ ، عَنِ الْفاسِم بْنِ عُرْقَةَ ، عَنْ أَبِي العَبْنَاسِ فَلْ اللّهِ عَنْ أَبِي العَبْنَاسِ فَلْ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ ثَنْهُ عَنْ اللّهِ ثَنْهُ عَنْ اللّهِ ثَنْهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْهِ عَلَيْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولِ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَا عَلَيْكُولُ عِلْمُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَى عَلَيْكُولُ عَلْمُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْلُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلْمُ عَلَيْكُولُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَّا عَلَيْكُولُ عَلَيْ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَّا عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَّا عَلَيْكُولُولُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُو

- 3

٧- فرمايا الوهيد الله عليه السلام في ونيكي يع توش مو اوريدى كوبر اجات ده موس به -

٧ - أَنَّهُ أَبْنُ يَعْنِيْ ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ أَنَّهِ بْنِ عَبِسَى ، عَنْ أَغَدِبْنِ الْحَدِنِ [زاعلانِ ، عَنْ أَبِي إَسْخَافِي الْخُرَالَانِيْ عَنْ عَمْرِ وَبْنِ جُمَيْعِ الْعَبْدِيِّ، عَنْ أَبِي عَنْداللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ أَيلُونَ اللهُ ال

٥- فرایا حفرت ابوعدا لله علیانسلام فهمارس شید پریده دنگ باریک اندام اورخود را فی در که والعین جب رات ان کو گیرلستی سے توره اس کا استقبال مون سے کر تعیین -

۸- فرما عاصفرت ابوعبدالطرعليدالسلام في بمارے شيدها حب مرابت صاحب تقوی ، صاحب فيرد ايمان اورصاحب فنغ و تلفر بموسته بي -

ه - تُقَدَّبُونُ يَحْنِى ، عَنْ أَحْمَدَنِن عَبْسَى ، عَنْ عَنْ عَنْ مِنْ السَّمَاعِبَلَ ، عَنْ مَنْ فُورِبُرُ رُجّ ، عَنْ مَنْ فَلَ يَعْنِي يَحْنِي لِهِ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَنْ يَعْنَ بَطْنُهُ وَفَرْجُهُ، وَاشْتَدَّ مَنْ عَنْ بَطْنُهُ وَفَرْجُهُ، وَاشْتَدَّ حِبَادُهُ ، وَعَلِمْ أَهُ أَوْلَانَ أَنْ وَلَيْكَ مَا وَلَيْكَ شَيْعَةً جَعْنَهِ ، وَخَافَ عِقَابَهُ ، فَإِذَارَأَيْتَ أُولَيْكَ فَا وَلَيْكَ شَيْعَةً جَعْنَهِ .

ورنایا ابومبدا لله علیالسلام نے کولیت فطرت انسان سے جو اپنے آپ کوشیع کہتلہے رشیع علی وہ بہے جس کاشکم ومشرم گاہ ترام سے محفوظ بہوا وراس کا جہا دِنفس سخت ہو، وہ جوعمل کرے نوشتودی خدا کے لئے کرے اور اس سے فواب بانے کی احیدیں کرے اور اس کے عذا بسے ڈرے ، جب تم ایسے لوگ کا کودیکھو توسیم لوکہی شیدہ عفرہیں

١٠ عِدَّةَ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ رِيَادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِرثْنَابٍ؛ عَنِ ابْنِ أَبِي يَعْفُونٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ عَلَى مَا أَنْ شَهْعَةً عَلِيّ كَانُوا خَمْصَ ٱلبُّعْلُونِ `` ذُكُلَ الشَّفَاءِ ، أَهْلَ دَأْفَةٍ أَبِي يَعْفُونٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ إِللَّهُ مَا أَنْ شَهُ عَلَيْهِ بِالْوَرَ عِوَالْإِجْتِهَادٍ.
 مَعْلِمٍ وَجُلْمٍ يُعْرَفُونَ بِالرُّهْبَانِيَةً فَأَعْبِنُوا عَلَى مَا أَنْتُمْ عَلَيْهِ بِالْوَرَ عِوَالْإِجْتِهَادٍ.

فست المستوبها في المدون الدوكروا بنى برميز كادى اور مستوبها في المدون المدون المدون المدون المدون المدون المدوكروا بنى برميز كادى اورسعى وكوشش سعد

١٠ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ عَنْ تُغَيِّبِينِ عِهِلَى، عَنْ يُونُسَ، عَنْ صَفُوانَ الجَ تَالِ، قَالَ: قَالَ أَبُوعَبُدِاللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَل اللهُ عَلَى الل

اا۔ فرایا ابوعبدالنڈ علیہ السلام نے مومن وہ سے کرجب خضبتاک ہوتواس کا عقد اس کوحن سے خادج نہ کر دسے اور جب راحنی ہوتو یہ رضاحت دی اسے باطل میں واخل نہ کردسے اورجی کے لینے پر قدرت رکھتا ہوٹو اپینے صعدسے ڈیا دہ ندلے

١٢ - عُنَّ أَبْنُ يَحْدَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنُ عَيْدِ بْنِ عَبْسى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنِ ابْنِ مُسَكَانَ ، عَنْ شَلْمُ اللهُ عَنْ الْمُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَبِي جَعْفَر عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَبِي جَعْفَر عَلِي اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَبِي جَعْفَر عَلِي اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمَ اللهُ عَلْمَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمَ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ

ادفرایا الوجعفرعلیدالسوم نے کر اسے میمان کیا توجا نتائے کہ مسلمان کون ہے بین نے کہا میں آپ پرف داہوں آپ ہم ہر عانتے ہیں فرمایا صلمان وہ ہے جس کی زبان اور ہاسمہ سعصلمان سالم دہیں۔ پھوفرمایا کیا توجا نتاہے کہ مومن کون ہے ہیں نے کہا۔ آپ ہی ہم جانتے ہیں فرمایا مومن وہ ہے جومسلمان کے جان وہ ان کا امین جوا ورمسلمان پرحرام ہے کیمسلمان پرطلم کرے ویا اسے ذلین کرے یا چھوک کراہے اپنے پاس سے ہٹائے۔

١٣ ـ 'عَدَّابُنُ يَخْيَى، عَنْ أَحْمَدَ بِن مُتَّهِ ؛ عَنِ الْحَسَن بْنِ مَحْبُوبِ ؛ عَنْ أَبِي أَيْتُوبَ ؛ عَنْ أَبِي غُبِيَدَةَ عَنْ أَبِي جَنْفَو لِهِ إِنْهِ قَالَ : إِنْتَمَا الْمُؤْمِنُ الَّذِي إِذَا رَضِيَ لَمْ يُدُخِلُهُ رِضَاهُ فِي إِنْمٍ وَلا باطِل ؛ وَإِذَا سَحِطَ لَمْ يُحْرِجُهُ سَخَطُهُ مِنْ قَوْلِ الْحَقِيّ ؛ وَ الَّذِي إِذَا قَيدَ لَمْ تُخْرِجُهُ قَدُدَتُهُ ۚ إِلَى النَّعَدَ ي إِلَى مَا لَيْسَ لَهُ بِحَتّى لَمْ يُحْرِجُهُ مَدْدَتُهُ ۗ إِلَى النَّعَدَ ي إِلَى مَا لَيْسَ لَهُ بِحَتّى

۱۳ رفرما یا الوعیدا لندملیدالسلام نے مومن دہ ہے کرجب سے داخی ہوتو بدا مراسے گذاہ یا باطل کی طرف مذہبے اسے اور وہ ا پہنے اور وہ ا پہنے اور وہ ا پہنے حقد بہوتو تو ان من ملے ہے اور وہ ا پہنے حتی سے زیادہ نے لئے ۔

۱۲۷ را بو بختری نے ۱۱م سے زنام نہیں بتابا) روا یت کید کرمومن فرنا برواد اورزم طبیعت بموتلہے۔ جیے اوش کرحب مس کن کی میں تکیل ڈال دی جات ہے تو مطبع موجا آبے اور اگر کمی پھر میہ خایا جا لکہت تو بدیرہ جاتا ہے۔

١٥ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ؛ عَنْ أَبِيهِ ؛ عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ الشَّكُوْنِيّ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْتُكُمُّ قَالَ: ثَلاثَةً * مِنْ عَلامَاتِ ٱلمُؤْمِنِ : ٱلعِلْمُ بِاللهِ ؛ وَمَنْ يُحِبُّ، وَمَنْ يَكُرَهُ .

۱۵ فرایا الرمبدالله علیالسلام قدومن کیتن علامتین بی اوّل معوفت بادی تعال دوسرے برجا ناک خدا کے دوست رکھتلہے (۱م برحق) اورکے دشمن (۱مام مفل)

١٦ ـ قَالِهُذَا الْإِسْنَادِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ بِهِ اللهِ اللهُ فَعِنْ كَمَثِل شَجَرَةٍ لاينَخَاتُ وَرَقُهَا فِي عَنَاءٍ وَلاَصَيْفٍ ؛ قَالُوا : يَارَسُولَ اللهِ وَمَاهِيَ؟ قَالَ :النَّخْلَةُ .

۱۶- فروایا حفرت دسول فلالے مومن کا مثنال اس درفعت کی ہیں جس کے پیشرنہ جا دُدن میں کھنے ہیں برگری ہیں ، لوگوں نے پوچھا وہ کو ان سا درفعت ہیں ۔ قرایا کھی ر

١٧ ـ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا، عَرْ، سَهْلِ بَن زِيادٍ ؛ عَن عُقْدِ بَنِ أُودَمَةَ : عَنْ أَبِي إِبْرَاهِ بِمَالاً عُجَمِيّ
 عَنْ بَعَشِ أَصْحَابِنَا ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى قَالَ : المُؤْمِنُ حَلَيْم لا يَجْهَلُ ، وَإِنْ جُهِلَ عَلَيْهِ يَحَلُمُ وَلا يَظْلِمُ وَإِنْ خُبِلَ عَلَيْهِ صَبَرَ .
 يَظْلِمُ وَإِنْ ظُلِمَ غَفَوَ ؛ وَلا يَبْخَلُ وَإِنْ بُخِل عَلَيْهِ صَبَرَ .

۱۱ ر زمایا ۱۱م بعفر صادق علیه اسلام ندمومن ملیم بوتلید. جا بلون کاس عمل نهیں کرتا اور اس میرسامق برا ا برتا و کیا جائے توملم سے کام ایسلید اور کسی برطام نہیں کرتا اور اس برکون ظلم کرتا ہد تومعا ن کر دیتا ہید و دیخل نہیں کرتا ، اور اگر اس سے بن کا برتا و کیا جائے تومیرسے کام میتا ہے۔

١٨ ـ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْأَحُمَدَ بْنُ عَلَيْهِ خَالِدٍ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ مُنْذِر بْنِ خَلْدِ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ مُنْذِر بْنِ خَلْدِ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ مُنْذِر بْنِ خَلْدِ بْنِ عَنْ أَلْهُ وَمَ مَنْ ظَابَ مَا سُبُهُ ، وَحَسُنَتْ خَلْبِقَنْهُ ، وَ مَخَتَتْ سَرِبَرّتُهُ ؛ وَ أَنَهْ قَ الْفَصْلُ مِنْ مَالِهِ ، وَ أَمْسَكَ الْفَصْلَ مِنْ كَلَامِهِ ، فَوَ كَفَى النَّاسَ مَنْ فَسْهِ . فَرَا أَنْفُقُ الْفَصْلُ مِنْ نَفْسِهِ .

٨١ ـ فرمايا ابوعد الله عليدالسلام فيمومن وه يعجس كابيشه باكر بواس كى عادتين الجي بول اس كى طبيعت

صحت مندمیو، ابینے ال کاخرورت سے ریادہ حصر را م خدا امی قریع کرسے اور زیادہ کلام کرنے سے زبان کودو کے اور لوگ اس کے مشہر سے محقوظ دمیں اور اپنے نفس اور لوگوں کے درمیان انعات کرسے۔

١٩ - أَبُوعَلِي الْأَشْفَرِيُّ ، عَنْ أَبَا بِنِ عَبْدِالْجَبْارِ ، عَنِ الْحَسَنِبْنِ عَلِي ، عَنْ أَبِي كَهْمَس، عَنْ سُلَيْهُانَ بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عَلَيْكُمُ قَالَ : قَالَ رَسُولُ الله وَ الْمُوعِينِ : أَلاا نَبِسُنُكُم بِالْمُوعِينِ ؟ مَنِ الْمُنْمَلَةُ الْمُؤْمِنُونَ عَلَى أَنْفُسِهِم وَ أَمُوْ الْهِم ، أَلَا أُنَبِسُنُكُم بِالْمُسْلِم ؟ مَنْ سَلِمَ الْمُسْلِمُونَ مِنْ لِسَانِهِ وَ يَدِهِ الْمُؤْمِنُ عَلَى أَنْفُسِهِم وَ أَمُوْ الْهُمْ اللهِ مَا فَرْ اللهُ وَالمُؤْمِنُ حَرْامٌ عَلَى الْمُؤْمِنِ أَنْ يَظْلِمه أَوْيَخَذُلَه أَوْ يَعْنَا لِهُ أَوْمَنَ أَنْ يَظُلِمه أَوْيَخَذُلَه أَوْ يَعْنَا لِهُ أَوْرَدُومَ لَهُ وَمُنْ سَلِم الْمُومِنِ أَنْ يَظْلِمه أَوْيَخَذُلَه أَوْ

۱۹۔ قربا باحشرت امام محد باقرعلیہ اسلام نے کہ دسول اللہ نے فرایا ۔ کیا میں بتا ڈس کہ مومن کون ہوتا ہے وہ سینے سی کوموشین اپنے نفسوں اور ما اوں کا ابین بٹ ایش کیا ہیں بتا دس کہ مسلمان کون ہے وہ ہے جس کے ہاتھ اور ذبان سے مسلمان سا امریس اور مہا چروہ ہے جو برائیوں کو چھوڑے ، محوات کوٹرک کرے ہومن پر حوام ہے کہ وہ کسی مومن پرظام کرے یا اسے ڈیس کرسے یا اسس کی فلیت کرے یا لیکا یک اپنے سامنے سے اُسے ہٹائے۔

٢٠ - عُنَّهُ بْنُ يَحْبَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ تُخَيْبِ عَهْسَى ، عَنْ عَهْدِيْنِ سِنَانِ ، عَنْ مُفَضَّلِ بْنِ عْمَلَ عَنْ أَنْهَ بَنْ يَحْبَى ، عَنْ خَهَدِيْنِ عَهْدَ عَهْدِ عَنْ عَهْدِ عَهْدِ عَنْ عَهْدِ عَنْ عَهْدِ عَنْ عَهْدِ عَهْدِ عَنْ عَمْدَ عَنْ خَلْمَاءُ ، الْعُلَمَاءُ ، الْقُلْمَاءُ ، اللّهُ بُلْ عَنْ وَاللّهُ هُبَانِينَةٌ عَلَى وُجُوهِ عَنْ اللّهُ عَلَى وَجُوهِ عَنْ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَمْدَ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَمْدَ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَمْدَ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَمْدَ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَمْدَ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَمْدَ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَلَى وَحُوهِ عَنْ عَلَى وَمُحْدَد عَلَى وَعَلَيْ وَاللّهُ عَلَى وَعَلَيْ وَاللّهُ عَلَيْهِ عَلَى وَعَلَمْ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَمُعْلَمْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَيْهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى وَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَاللّهُ عَلَى وَلَا عَلَا عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا عَلَى اللّهُ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلْمَ عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا عَلَا

، ۱۹۰ فرہایا حضرت امام محد با قرطیدالسلام نے علی کے شیعہ علماریس اوروہ علمارین کے کمٹرت ریاضت سے ہونٹ خشک ہیں وہ بھانے جا تھے ہونٹ خشک ہیں وہ بہچانے جاتے ہیں۔ خشک ہیں وہ بہچانے جاتے ہیں اپنی دیا خشک ہیں۔

٧٠ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَامِنًا، عَنْ أَحْمَدَ بَنْ تَجَدِيْنِ خَالِد ، عَنِ الْحَسَنِ بِنِ مَحْبُوب ، عَنْ عَبْدِاللهِ بِنِسِنَانِ عَنْ مَعْرُوفِ بِنِ حَرَّ بُودَ ، عَنْ أَبِي جَعْمَر عليه قَال : صَلَىٰ أَمَيْر الْمُؤْمِنِينَ عليه بِالنَّاسِ الصَّبْحَ بِالْعِراقِ عَنْ مَعْرُوفِ بِنِ حَرَّ بُودَ ، عَنْ أَبُولُهُمْ مِنْ خَوْفِ اللهِ ، ثُمَّ قَالَ : أَمَا وَاللهِ لَقَدْ عَهِدْتُ أَنُوا ما عَلَى عَهْدِ فَلَمَا انْصَرَفَ وَعَظَهُمْ فَبَكَىٰ وَأَبْكُمُ لَكُمْ مِنْ خَوْفِ اللهِ ، ثُمَّ قَالَ : أَمَا وَاللهِ لَقَدْ عَهِدْتُ أَنُوا ما عَلَى عَهْدِ خَلِيلِي رَسُولِ اللهِ رَافِي اللهِ وَإِنَّهُمْ لَيَصِيحُونَ وَيُمْدُونَ ثُمْمُ مَا عَنْهُ وَنْ مَنْ خَوْفِ اللهِ مَنْ خَوْفِ اللهِ مَنْ خَوْفِ اللهِ مَنْ خَوْفِ اللهِ مَنْ عَنْ اللهِ مَنْ عَنْ اللهِ اللهِ مَنْ عَنْ اللهِ مَنْ عَنْ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِلْ اللهِ ال

۱۱- فرایا حضرت امام محمدیا قرملیدالسلام نے کنماذصبح امیرا لمومنین نے لاکوں کے ساتھ عواق میں بڑھی جب وہاں استعالی اور فوت اور دوسروں کو بھی رلایا۔ پھرفرما یا بیس نے اپنے مبیب حفرت استعالی اور فوت کے اور دوسروں کو بھی رلایا۔ پھرفرما یا بیس نے اپنے مبیب حفرت استعالی خدا کے ذما مذمین دیے تھے ، پریشاں حال گرد آلود جہرے ، گرست استکم اس مال میں دہنے تھے ، پریشاں حال گرد آلود جہرے ، گرست شکم ان کی بیشا نیوں برزا نو کی طرح کھیٹے ، را توں کو سجدوں اور قیام میں گزار نے والے اور اپنے قدموں اور بیشا نیوں سے عبادت کرے دا خدا کہ دیا ہے ۔ میں نے ان کو دیکھا کہ اس مالت میں بھی دہ فدا سے خاکف و ترسیاں تھے ۔ حالت میں بھی دہ فدا سے خاکف و ترسیاں تھے ۔

٢٧ عَنْهُ ، عَنِ السِّندِيِّ بِنِ أَغْدِهِ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ المَّلْتِ ، عَنْ أَبِي حَمْرَةَ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحُسَيْنِ مَعْلاً أَوْلَا اللهُ عَلَى المَّالَةِ وَمُلْمُ وَاللهُ عَنْ المَّالَةُ وَمُلْمُ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْدِ وَمُلْمُ وَ اللهِ لَقَدْ أَذِرَ كُتُ أَقُواها يَبِيتُونَ لِرَبِيْهُم شُخَداً وَقِياما يُخالِفُونَ بَقْبَلَ عَلَى اللهُ عَنْدَهُمْ مُادِوًا كَمَا يَمْبُدالشَّجُر ، كَأَنَّما المَّوْمُ اللهُ عِنْدَهُمْ مَادِوًا كَمَا يَمْبُدالشَّجُر ، كَأَنَّما المَّوْمُ اللهُ عَنْدَهُمْ مَادِوًا كَمَا يَمْبُدالشَّجُر ، كَأَنَما المَّوَمُ اللهُ عَنْدَهُمْ مَادِوًا كَمَا يَمْبُدالشَّجُر ، كَأَنَّما المَّوَا عَالَى اللهُ عَلَيْهِ .

۱۷۷- فرایا حفرت علی بن آصین «لیدانسندم نے امیرالمومنین نے نما ذھیج پڑھی ا ورسوری کے ایک تیزہ بلند سم نے تک دہم یک دہمی چینے دیے مجرایت ارخ لوگوں کا طرت کر کے فرما یا۔ والٹوس نے ایسے لوگوں کو دیکھا جرسجد، ا ورقیام میں را جی گذارتے متے ا ودان کے سجدے قعود سے زیارہ ہوتے تھے اور دو زرخ کی آگ کی مجڑ کے کاشور گویا ان کے کان میں آ تا تھا اور جب النڈ کا ذکران کے سامنے ہو فواس طرح چلتے جیسے تندم ہوا میں ورخت ، وہ اس طرح خاکفا ندز ندگی بسر کرتے تھے جیسے غانل لوگ ہسر کرتے ہیں ایام ذین العابدین فرانے ہیں کہ اس کے بعد تادم مرگ کمی نے حقرت کو جنتے نہ دیکھا۔

٢٣ - عَلِيٌّ بْنُ إِبْرَاهِهِم ، عَنْ صَالِحِيْنِ السِّنديُّ ، عَنْ جَعْفَرِبْنِ بَشِيرٍ ، عَنْ مُعَصَّرِلِبْنِ عُمَّرَ فَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ إِلِيهِ : إِذَا أَدَتُ أَنْ تَعَيِّفَ أَصَّحَابِي فَا نَظُرُ إِلَى مَنِ الشَّنَدَ وَرَّعُهُ وَخَافَ خَالِقَهُ وَرَّجَا قَالَ : قَالَ أَبُولُو اللّهُ عَلَيْهُ وَلَمُ اللّهُ عَلَيْهُ وَلَا أَصْحَابِي .
 ثَوَابَهُ ، وَإِذَارَأَيْتَ هُؤُلُا فَلُؤُلْ أَصْحَابِي .

۱۹۷۰ فرمایا صفرت الوعبدالمندعلیدالسلام نه اگرتم میرے اصحاب کوجاننا چا میوتوایٹ خص کود مکبھوجس کی پرمیز گاری سخت میروا ودلینے خداسے ڈرنا میوا ور اس کے تواب کی امیدر کھتا ہوجب ایسے لاگ س جائیں توسیجے لوہبی میرے اصحاب ہیں۔

عَبْدِاللهِ مَنْ عَمْرِ وَبْنِ الْأَشَعْتِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ مِنْ أَخْمَدُ بْنِ كُلَّهِ بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عَمْرِ وَبْنِ الْحَسَنِ بْنِ شَمَّوُن ، عَنْ عَمْرِ وَبْنِ الْمِقْدَامِ ، عَنْ عَمْرِ وَبْنِ أَبِي الْمِقْدَامِ ، عَنْ أَبِيهِ

رث زبدم المنظم ا

عَنْ أَبِي جَعْفَتِر اللهِ قَالَ: قَالَأُمبُرُ المُؤْمِنِينَ اللهِ : شَبِعَتْنَا ٱلمُتَبَاذِلُوُنَ فِي وَلاَيَتِنَا ، الْمُتَحَابَّوْنَ فِي مَوَدَّ يَنَا ، الْمُتَزَاوِرُونَ فِي إِخْيَاء أَمْرِ نَا ءَ اللَّذِينَ إِنْ غَضِبُوالمَّ يَظْلِمُوا، وَإِنْ رَصُوالمَ يُسْرِفُوا ، برَ كَثُهُ عَلَىٰ مَنْ جَاوَرُوا ، سِلْمٌ لِمَنْ خَالطُوا .

مہد فرمایا حضرت امام محد با قرطیدا سلام نے کہ فربایا امیرا لومنین نے ہمار سے شیعہ ایک دوسرے پرخرج کرتے ہیں ہماری ولایت کے بعد اید دوسرے پرخرج کرتے ہیں ہماری ولایت کے بعد اور ایس محبت کرتے ہماری مجبت کے لئے ہوں ہمارے سے لمتے ہیں ہمارے امرکوزندہ رکھنے کے لئے ہو وہ لوگ ھیں کر جب غفر آکے قالم نہیں کرتے اگر الفی ہوں توضول خرجی نہیں کرتے برکت ہیں اپنے پڑوسیوں کے لئے اور سلامتی ہیں اپنے ملائے والوں کے لئے اور سلامتی ہیں اپنے والوں کے لئے اور سلامتی ہیں اپنے دالوں کے لئے اور سلامتی ہیں اپنے والوں کے لئے والوں کے والوں کے اور اس کے والوں کے و

بذَّ الْقَائِلْيَ كَانَلايَدُخُلُ في مِراله ، وَلايشارك في دَعُوى وَلا يُدْلِي بِخْجَه حَنْمَى يَرَى قَاضِيًا وَكَانَ لا يَغَفُلُ عَنْ إِخْوَانِهِ وَلا يَخُفُ نَفَسَهُ بِشَيْءِدُونَهُم ، كَانَ ضَعَبِفا مُسْتَضَعَفا فَإِذَا جَاءَالْجِدُ كَانَ لَيْنَاعَادِيًا ، كَانَ لا يَغْفَلُ عَنْ إِخْوَانِهِ وَلا يَخُفُلُ مَالاَيقُولُ ، كَانَ لا يَعْفَلُ مَا يَقُولُ وَيَقَعَلُ مَالاَيقُولُ ، كَانَ لا يَتَعَلَ مَالاَيقُولُ ، كَانَ لا يَتَرَفُّ أَهْرَانِ لا يَعَدْي أَيْهُمُا أَفْضَلُ نظر إلى أقر برما إلى الهَوْي فَخَالَقَه ، كَانَ لا يَشَكُو وَجَعا إلا عَنْدَ مَن يَرْجُوعِنْدَهُ البَعْنَ مَن يَرْجُوعِنْدَهُ البَعْنَ مَن يَرْجُوعِنْدَهُ الْبَعْنَ مَن يَرْجُوعِنْدَهُ النَّهِ بَعْنَ مَن يَرْجُوعِنْدَهُ النَّصِيحَة ، كَانَ لا يَتَبَرَّ مُ وَلا ينسَحَمَّ طُولُ وَلا يَشَكَى وَلا يَشَكَى وَلا يَشَعَلُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ يَرْجُوعِنْدَهُ النَّهِ اللهُ فَالْعَنْ الْعَدُق ، فَعَلَيْكُمْ بِمِنْلِ هَذِهِ الْا خُلْقِ الْكَوْ يَمَة ، إِنْ أَطَقَنْمُوهُ الْ فَالْمَانُ عَنْ مُن تَرْ فِي الْعَدُق ، وَلا يَشَعَلَى وَلا يَشَعَلُ هَا كُلُو اللهُ اللهُ فَي اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ وَاللّهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ ا

۲۱-۱۱ م حن علیاسلام نے اپنے طبیعی بیان فرایا - لوگرایس تم کواپنے دیے بھائی ک خردیتا ہوں چرمیری نظر میں سب سے زیادہ صاحب علیت ہے اور وہ ، وہ پہنچس کی نظر میں دنیا حقر ہو اور وہ فلک شخر سے آزاد ہو کہیں وہ اس سب سے زیادہ صاحب ہونی اور وہ ، وہ پہنچس کی نظر میں دنیا حقر ہو اور وہ فلک شخر میں آزاد ہو کہیں ہوا ہو کہ خواہش نہیں کرتا ہوں کہ کہ نسرے (زنا نہیں کرتا سے بھی انگ رہتا ہے ہوئی در ہم ہما اور میں اور وہ نہا ہا تھ کہا اور میں اور وہ نہا ہا تھ اور میں بنا آبا ور دہ جہالت کے فلر سے بھی آزادر ہما ہے اور در میں اپنا ہا تھ نہیں بڑھا آ۔ نگرا حتم اور کی فوہش نہیں کرتا اور مذبی بات پر خلق میں اور اور در میں تعلق کرتا ہے ۔

اوراس کا پرکازیاده زماند سکوت می گزرتا پداورجب گفتگوکرتا پیدتو فائین پرغالب آنک پده که که کرکے بیس شان نہیں ہوتا اور جب گفتگوکرتا پیدتو کا این بحث کو گردیں تا طع سے بہان تک می برانب فیصل کو تا ہے اور نہیں مشریک ہوتا ہے اور نہوں سے علیمدہ ہو کہ اپنے نفس کے لئے کو ٹی شے خاص نہیں ہوتا اور لوگوں سے علیمدہ ہو کہ اپنے نفس کے لئے کو ٹی شے خاص نہیں کوتا۔ وہ ضعیف و کمز ور نظر آنا ہے لیکن جب اور کریا ہی کوشنس کا وقت آنکہ ہے توجلہ شکار کرتے والا نیر نظر آنا ہے وہ کہ کہ کہ حاست نہیں کرتا ایسے حال ہیں جب کہ دوسرے کے لئے غذر برج و وہ جو کہتا ہے اسے کرتا ہی اور کرتا ہے وہ جے زبان سے نہیں کہ اور جب پیش آتے ہیں ایے دوامر کہ وہ نہیں جا نشا کر ان میں انفل کون ہے تو یہ و کیمتا ہے کہ ان میں کون امرخو امیش ولی سے نیاں کرتا ہی کہ دواس کو دور کردے گا اور نہیں کمشورہ کرتا ایسے خص سے جس سے نبیس کرتا اور انسقام نہیں کرتا ۔ اور خضف ہیں برتا ہے دواس کو دور کردے گا اور نہیں کمشا اور نواس شرکا اور نہیں کرتا اور نواس شرکا اور نہیں کرتا اور نواس شرکا اور نہیں کرتا اور نواس شرک کا ایسے خص سے نبیس کرتا اور نواس کو دور کردے گا اور نہیں کرتا اور نواس شرکا افراز نہیں کرتا اور انسقام نہیں لیتا اور خافل نہیں ہوتا ہے کہ ایسے اعلی نہیں کرتا اور نواس کی دور کردے کا ایسے اور نواس کی دور کردے کا ایسے اور نہیں ہوتا ہوت کی کا ایسے کرانے کی طاقت مذہر تو مقور کے سے سہی نیک کا کم کرنا زیادہ کے چھوڑ دیے سے بہتر ہے اور نہیں ہے مدواور توت گرالڈ کے صافحہ

٧٧ - عَلِيُّ بِنُ إِبْرَاهِمِمَ ، عَنْ غُيَّرِبْنِ عِيسَى ، عَنْ عُرْوَشَ ، عَنْ عَهْرَمِ ، وَ بَعْضُ أَصْحَابِنَا ، عَنْ عُلِيْنِ عَلِيّ ، عَنْ عُرْوَمِنْ عَلِيّ ، عَنْ عُرْوَمِنْ عَلِيّ الْأَشْعَرِيّ ، عَن الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ الْكُوفِيّ ، عَنِ الْعَبْدِاللهِ عَنْ الْحَبْدِاللهِ عَلَى الْأَشْعَرِيُّ ، عَن الْحَسَنِ عَلِي الْكُوفِيّ ، عَنِ الْمَعْلِيْنِ عَلَيْ الْكُوفِيّ ، عَنْ الْمَعْلِيْنِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ مَهْرَمُ الْأَسْدِيّ قَالَ : قَالَ الْمُوعِبْداللهِ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ

ہے اس اختلان نہیں ہوتا۔ اگرچہ وہ محتلف شہروں میں آبا دنہوں بچوسندہ یا رسول اللہ نے فوایا ہے۔ ہیں علم کاشہر ہوں اور وہ کا حدوازہ ہیں بھوٹا ہے وہ جو گمان کر تلہے کروہ شہر ہیں وافل ہواہے بغیرو روازہ کے اور بھوٹا ہے وہ جو میری محبت کا پیچا حوے دارہے اور علی سے کیفن رکھتا ہے۔

٢٨ ــ عِدَّةٌ مِن أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحمَدَنِينُ عَبَيْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عَبِسَى ، عَنْ سَمَاعَةَ ابْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلْمَاللهُ عَلْمَ يَظْلِمُهُمْ وَحَدَّ ثَهُمْ فَلَمْ يَكْذِبْهُمْ وَحَدَّ ثَهُمْ فَلَمْ يَكْذِبْهُمْ وَحَدَّ ثَهُمْ فَلَمْ يَكْذِبْهُمْ وَوَحَدَدُهُمْ وَحَدَّ ثَهُمْ فَلَمْ يَكْذِبْهُمْ وَوَعَدَهُمُ فَلَمْ يُخْلِفُهُمْ وَأَدَّ تُهُمْ فَلَمْ يَكْذِبْهُمْ وَوَعَدَهُمُ فَلَمْ يُخْلِفُهُمْ كَانَ مِعَنَ حُرِّ مَتْ غَيْبَتُهُ وَكَمْلَتْ مُرُوّرَتُهُ وَظَهْرِ عَدْلُهُ وَوَجَبَتْ ٱلْخُرْ بَهُ .

۳۸۔ فرمایا حفرت الوعبدالله علیہ السلام نے جوکوئی لوگوں پرحاکم ہوچاہیے کدان پرخام نزکرے اورجب بات کرسے آلد جھوٹ را لولے اور وعدہ کرے تولیسے لوراکرے ایسے شخص کی غیبت کوناحرام ہے اور اس سے مروت کرنالازم، ایسے شخص سے عدالت کا اظهار میونا ہے اور اس کی افوت واجب ہوتی ہے۔

۲۹- ترایاعبداللّذبن حن نے / روایت کیمیری والدہ فاطمہ بنت الحسین بن علیلیہا علیہا سلام نے کہ رسول اللّذصلعم نے فرایا تین خصلتیں جس میں بہول کی اس کا ایمان کا مل بہوگا ا تل جب وہ کس سے راضی مہو تورضا مندی اسے باطل امری طرف ند ہے جلئے اور حب غضین کس ہو توغقہ اس کو اس امرحق سے نہ ہٹا د ہے۔ تبیر سے جب تدرت رکھتا مہو توا پہنے لئے وہ مذہے جو اس کا حق نہیں ۔

٣٠ – عَنْهُ عَنْ أَبِهِ عَنْ عَبْ عَبْ عَبْ عَبْ عَبْ عَالَةً إِنْ الْقَامِيمِ ، عَنْ أَبِي بَصَبِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَا قَالَ : فَالَ أَمْبِرُ الْمُؤْمِنِينَ كَالْكَ إِنَّ لِأَهْلِ اللهَ بِن عَلاماتِ يُعْرَ فَوْنَ بِها : صِدْقَ الْحَدبثِ وَ أَذَاءَالاً مْانَةً وَ فَامٌ بِالْمَهْدِوصِلْةَ الْمُؤَاتَاةِ لِلنِسَاءِ وَقَلْقَ الْمُزَاقَبَةِ لِلْنِسَاءِ وَقَلْقَ الْمُؤَاتَاةِ لِلنِسَاءِ وَقَلْقَ الْمُؤَاتَاةِ لِلنِسَاءِ وَقَلْقَ الْمُؤَاتَاةِ لِلنِسَاءِ وَقَلْقَ الْمُؤَاتَاةِ لِلنِسَاءِ وَبَدْلَ الْمَهْرُونِ وَحُسْنَ الْخُلْقِ وَسَعَةَ الْخُلْقِ وَ اتِبْبَاعَ الْعِلْمِ وَ مَايُعَيِّ بُنِ إِلَى اللهِ عَنْ وَجَلَّ ذُلْفَى ، طُولِي الْمَوْمِينَ إِلَّاقَ فِي الْجَنِّيَةِ أَصْلُمُ الْفِي ذَاذِ النِّبِيّ عَيْنَ عَلَى مَنْ مُؤْمِنِ إِلَّاوَفِي لَهُ مَا وَحَسْنَ مَنْ مُؤْمِنِ إِلَّاوَفِي الْمَاتِ عَلَيْكَ وَ النِّبَاعَ الْعَلِمُ وَ مَايُعَيِّ وَلِيكُ وَاللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَيْهُ عَلَى اللهِ اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمُؤْمِنِ الْعَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ

ذَارِهِ غُضُنٌ مِنْهَا، لا يَخْطُرُ عَلَىٰ قَلْبِهِ شَهْوَةُ شَيْءٍ إِلْأَنَّاهُ بِهِ ذَلِكَ وَلُوْأَنَّ رَاكِباً مُجِدَ أَ سَارَفي ظِلَّهَا مِاكَة عام ماخَرَج مِنْهُ وَلَوْطَارَمِنْ أَسَفَلِهَا غُرُاكٌ مَا بَلَغَ أَعُلاها حَتَّى يَسْقُطَ هِرَما أَلاقَهي هٰذَا فَارْغَبُوا إِنَّ الْهُوْمِنَ مِنْ نَفَسْهِ فِي شُغْلِ، وَالنَّاسُ مِنْهُ فِي رَاحَةٍ ، إِذَاجَنَ عَلَيْهِ اللَّيْلُ افْتَرَشَ وَجُهَهُ وَسَجَدَ لِللهِ عَزَّ وَ جَلَّ بِمَكَارِم بَدَنِهِ يُنَاحِي الَّذِي خَلَقَهُ فِي وَكَاكِ رَقَبَتِهِ ، أَلا فَهَكَذَا كُونُوا .

۔ ۳ رفرایا اپوعیدالنڈ علیہ اسلام نے کہ امیرا لمومنین طیدالسلام نے فرایا ۔ اہل دین کے لئے کچے علامتیں ہی جن سے دہ پہچانے جاتے ہیں بات میں سچائی امانت کا داکر نا ، وعدہ کا وضا کمرنا ، صلا درم کمرنا ، کمرووں پررحم کمرنا ، عود توں کے پاس کمرمینا اور ایک مدیث میں عور توں کی ا ماعت مذکر تا ، لوگوں پر احسان کرنا ، حشن جھٹی بھی تا ، افلاتی وسعت دکھلانا ، علم کی بیروی کرنا ! ور وہ طراحتی افتار کرنا جس سے خداسے نز دیکی بوء ان کے لئے سائیہ طوال اور انجی بازگشت ہے ، طوبی ایک مدیث کی بیروی کرنا ! ور وہ طراحی بازگشت ہے ، طوبی ایک منتے کی درخت ہے جنت ہیں جس کی جڑمی مصلے نے کھریں ہے اور میرمون نے کھریں اس کی ایک شاخ ہے ، جس کے دل میں کمی نشنے کی خواہش ہوں کے مساحہ کا درا گرکہ ا

آگا ہ ہویے وہ سیجس کی طرت تم رغبت کر و، مومن ا پنے کام میں معروف ر بٹنا بیدا در لوگ اس سے داحت ممیں ر پتے ہیں جب دات کی تا رکی چھا تی ہے تو وہ ا پنے چہرے کو فرش بذا ہے وزین پر رخسارہ رکھنا سے اور اپنے پاک حقمہ بوت دساتوں اعضائے مبحدہ اسم رہ کرتا ہے ا ور ا پنے ہرور دگارسے دعا کرتا ہے کہ تاریخ نم اسے بچلے۔ یہ ہے ایمان میس تم ا ہیے ہی ہوجا دُ۔

٣٠ عَنْهُ ، عَنْ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ سَبْفِ بْنِ عَمِيدَرَةَ ، عَنْ شُلَيْمَانَ بْنِ عَمْرِو النَّخَمِيّ قَالَ : وَحَدَّ تَنِي ٱلحُسَيْنُ بْنُ سَيْفٍ ، عَنْ أَخِيهِ عَلِي ، عَنْ شُلَيْمَانَ ، عَمَّنْ ذَكَرَهُ عَنْ أَبِي جَعْفَر عِلِهِ قَالَ : وَحَدَّ تَنِي ٱلحُسَيْنُ اللَّهِ عَنْ جَيَادِ الْعِبَادِ فَقَالَ : اللّذِينَ إِذَا أَحْسَنُو ااسْتَبْشَرُ وا وَإِذَا أَسَاؤُوا اسْتَغَفَّرَ وُا وَإِذَا أَعْفِهُ وَاعْفِرُوا وَإِذَا أَعْفِيهُ وَاعْفِرُوا وَإِذَا أَعْفِيهُ وَاعْفَرُ وَا . ا

۱۳ رفرایا ۱ م محریا ترطیه السام نے کررسول اللہ سے بہترین وگوں کے متعلق سوال کیا کیا فرمایا جب وہ نیکی کرتے ہیں ہیں توٹوشش ہوتے ہیں اور جب گناہ کرتے ہیں تواستعفاد کرتے ہیں اور جب ان کوکوئی کچھ دیتا ہے توشکر ہر ا واکرتے ہیں اور جب کسی مصیبت میں مبتلا ہوتے ہیں تومبر کرتے ہیں جب کسی پرغفتہ ہوتے ہیں تواپنی مجتشش سے اس کا گناہ جھیاتے ہیں ۔

٣٢ ـ وَ بِإِسْنَادِهِ ؛ عَنْ أَبِي جَمْفَرِ اللَّهِ قَالَ : قَالَ النَّبِيُّ وَاللَّهُمْ ؛ إِنَّ خِيَارَكُمْ ا وُلُو النَّهُمْ ؛ قَالَ النَّبِيُّ وَاللَّهُمْ ؛ فَالَّ : هُمْ أُ وَلُو الأَخْلاقِ الْحَسَنَةِ وَالاَّخْلامِ الرَّزِيْنَةِ، وَصَلَةً الْأَرْخَامِ قَبِلَ : يَارَسُولَ اللَّهِ وَمَنْ الْوَلُو النَّهْمَى ؛ فَالَّ : هُمْ أُ وَلُو الأَخْلاقِ الْحَسَنَةِ وَالاَّ خَلامِ الرَّزِيْنَةِ، وَصَلَةً الْأَرْخَامِ

ب ن وبدم المنظم المنظم

وَالْبِرَّرَةُ بِالْأُمِيْهَاتِ وَالْآبَاءِ وَالْمُتَعَاهِدِينَ الْلُفَقَرَاءِ وَالْجِيرَانِ وَالْبَتَامَٰى وَ يُطْعِمُونَ الطَّعَامَ وَيُفَشُّونَ الشَّعَامَ وَيُفَشُّونَ الشَّعَامَ وَيُفَشُّونَ الشَّعَامَ وَيُفَشُّونَ الشَّعَامَ وَيُفَشُّونَ .

۱۳۷ فرایا حفرت الوجعفر علیوال اوم نے کر دسول الله نے فرایا تم میں سب سے بہترا لوالنبی کون بیں اوگوں نے پوچھا جا دسول الله الوالنبی کون بیں فرایا صاحبان اخلاق حسندا ور پخترعقول والے ادرمسائد رحم کرنے والے اور ما وُل اور با پوں سے نیکی کرنے والے اور فقواد کی فیر فیر لیلینے والے اور میسالوں اور میتیوں کی مدد کرنے والے ، وہ کھانا کھلاتے ہیں اور دنیا بیل سلام مچھیلاتے ہیں اور نماز پڑھتے ہیں جبکہ لوگ فافل پڑے سوتے ہیں ۔

٣٣ - عَنْهُ ؛ عَنِ الْهَيْمَ النّهَدْيِّ ، عَنْ عَبْدِ الْعَزِيزِ بْنِ عُمَرَ ؛ عَنْ بَعْضِ أَصَّحَامِهِ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ عِمْرَانَ الْحَلَّبِيّ قَالَ : قُلْتُ لِأَ بِيعَبْدِ اللّهِ عَلْقَالَ : أَيُّ الْخِصَالِ بِالْمَوْءَ أَجْمَلُ ؟ فَقَالَ : وَقَالٌ بِالْمَهَابَةِ وَسَمَا حُ وَلَا مُكَافَأَةً ، وَنَشَاعُلُ بِغَيْرِ مَنَا عِ الذُّنْيَا .

۳۳ رکسی نے امام جعفرصا دی علیدانسلام سے پوچھا۔ کون سی خصلت آدمی کی زیادہ اچھی ہے فرمایا وہ وقا رجوبنجر ہیئٹ کے ہو وہ سخاوت جوبرلہ کی طلب کے بغیرمہوا وروہ شنخلہ جومتاع دنیاسے تنعلق نہ ہو۔

٣٤ ـ 'غَدَّرُ بْنُ يَحْيَى' عَنْ أَحْمَدَبْنِ كُنَّهِ بْنِ عَبِسَى، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ أَبِي وَلَادٍ الْحَسَاطِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ تَلْآئِلِهِ تَلْقِلْهُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ تَلْقَالُ : إِنَّ الْمَعْرِفَةَ بِكَمَا لِدِبْنِ الْمُسْلِمِ تَرْ كُهُ الْكَلاَمِ فَيْمَا لِا يَعْشِهِ وَقِلَّةً مِرْ اللهِ ؛ رَحْلِمَهُ وَصَبْرُهُ وَحُسُنُ خُلْقِهِ .

مع ہو۔ فرمایا ابوعبدالشرعلیدا سلام نے علی بن الحسین علیداسلام فرمایا کرتے تھے کرمسلمان کے کمال دین کا بہم اننا اول سے کر وہ غیر شعلقہ المورمیں کلام ترک کرے اور لوگوں سے بہت کم حیکر اکرے علم وصبر وحسن خلق سے کام نے۔

٣٥ عَلِيْ بَنُ إِبْرَاهِبِمَ، عَنْ عَبْنِي عَبْسَى، عَنْ يُونَسُ، عَنْ عُبَّرِبُنِ عَرَفَةَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَا عَلَا اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى الله

۳۵ ۔ فرمایا حضرت الوعبد الله علیا مسلام نے کہ رسول اللہ نے فرمایا کیا میں بتا وں کہ تم میں مجھسے زیادہ مشابرکون سے لوگوں نے کہا ضرور یارسول اللہ ، فرمایا جوتم میں ازرمے فکن اچھامپوا وربناہ دینے کے لئے سب سے زیادہ نرم ہو اور اپنے قرابتداروں کے سامق سب سے زیادہ نیک کرنے والا ہوا درا پنے مجائیوں میں سب سے زیادہ نیکی کرنے والا ہو دسنی معاملہ میں ادرامری میں تکالیف پرسب سے زیادہ مبر کرنے والا اور عند کا سب سے زیادہ چینے والا اور قعمود کا سب سے زیادہ نخشنے والا اور اپنے نفس کے متعلق سب سے زیادہ انھا ن کرنے والا نواہ حالت رضا ہویا عضب ۔

٣٦ عُنَّ بْنُ يَحَنِّى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنُ عَنْ إَحْمَدَ بْنُ عَبَّوْ ، عَنْ اللِّ بْنِ عَطِيَّةً ، عَنْ أَجْمَدَ عَنْ عَلَى عَنْ عَلَى عَلَى عَنْ عَلَى عَلَى عَنْ عَلَى عَ

۳۹ - نوایا حفرت علی بن الحسین علیدا سلام نے مومن کے اخلاق سے بقورا بنی تنگدستی کے داہ میں توپ کو نا اور بلحاظ وسعت مال ، دولت مندی میں توپ کونا اور لوگوں کے درمیان ا نعمات کونا اورسلام میں ابتداء کونا-

٣٧ - عَزَابْن بْكَيْرْ، عَنْ أَحْمَدَبْن مُعَرِّبْنِ عِبْسى ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنِ ابْن بْكَيْرْ، عَنْ زُراْرَةً، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ يَهِي فَالَ: الْمُؤْمِن أَصْلَبُ مِنَ الْجَبَلِ، الْجَبْلِ، الْمُؤْمِنْ الْمُوْمِنْ أَصْلِهِ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ أَصْلَالُهُ الْمُؤْمِنِ الْرَادِيْمَالِهُ الْمُؤْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمِنْ الْمُؤْمِنْ الْمُؤْ

٣٥- ابوجعفر عليا سلام نے قربايا عمومن بهاؤسے فرياده سخت بوتا ہے۔ بها لا آو اپنے اجزار کے لوٹنے مجھو شفسے کم مو جاتا ہے ليكن مومن كے دين سے كوئى شے كم نہيں بوق ۔

٣٨ ــ عَلِيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ صَالِحِ بْنِ السِّنديِّ ، عَنْ جَعْفَرِ بْنِ بَشْهِرٍ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَمَّارٍ كُمُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيْدٍ فَالَ : الْمُؤْمِنُ حَسَنُ الْمَعُونَةِ ، خَفَيْفُ الْمَؤْوَنَةِ ، خَيِتَدُ التَّذَّبْهِرِ لِمَعْبِشَنِهِ ، لايُلْسَعُ مِنْ جُخْرِ مَنَ نَيْنِ

٣٨ - فرايا حفرت ا بوعبد الدُّ عليا لسلام نے مومن لوگوں كى مدد انجى طرح كرتا ہے اس كاخرے ملكا جوتلہ عمق الم محصول ميں اس كى تدمير انجى بوتى ہے اور وہ ايك سوراق سے دومرتبرنہيں دُسا جاتا - يصفح بيطے تجرب سے فائدہ امھا تاہے ۔ إ

اخانيا المناف ال

نَمِيتِهِ فَمُدَّارًا قَالْنَاسِ فَإِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ أَمَرَ نَمِيَّهُ وَالشَّيْءِ بِمِدَّارًا قِالنَّاسِ فَقَالَ: ﴿ خُذِالْعَغُووَ أَمُرُ بِالْغُرْفِ، وَأَمَّنَا الشُّنَةَ هُمِنْ وَلِيتِهِ فَالصَّبْرُ فِي الْبَأْسَاءِ وَالضَّرَّ اء .

۳۹ردا دی کہتاہے ہیں نے امام رف اعلیا اسلام سے سناکر مومن ابنی تین خصلتوں کے نہوگا ایک سنت رب سے ایک سنت برب سے ایک سنت بی ہے ایک سنت برب کے ایک سنت بی ہے ایک سنت بی ہے کہ اس کے بھید کو چھپایا جائے۔ الترنغائی فرما تہہے وہ عالم النب بہت اس کے بھید سے کوئی واقع نہیں سوائے اس کے جس کو دہ دسولوں ہیں سے اس کام کے لئے جُن ہے۔ اور سنت بنی ہے ہے کہ لوگوں سے بخاتی بینے مار فرما تا ہے یعقو سے کام لوا درنیک کا حکم دواور سنت ول برہے کرمعیبت اور سنتی میں مدرکرو۔

دوسوالهائيسوال باب فلت عدد موس

ه (باک)ه ه (في قِلَّة عَدَدِ الْمُؤْمِنِينَ)

١ - عُمَّدُ بُن ُ يَحْيَى ، عَنْ أَخْمَ دَبُن عَمَّد بِن عَيْسى، عَنْ عُمَّرِ بِن سِنَانِ ، عَنْ أَعَنْيَمَ الْأَ عَشٰى قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَ بْدِاللهِ يَقُولُ : المُؤْمِنَةُ أَعَنُ مِنَ المُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ أَعَنَّ مِنَ الْكِبْرِ بِتِ الْأَخْمَر ، فَمَنْ رَأَىٰ مِن كُمُ الْكِبْرِ بِتَ الْأَخْمَر ؛ .
 رَأَىٰ مِن كُمُ الْكِبْرِيتَ الْأَخْمَر ؛ .

ا۔ فربایا صادق آلِ فیر فے مومد کمیاب ہے بدنسبت مومن کے اور مومن کیاب ہے یا قوت مسرق سے بیس تم میں کون بیجی نے یا قوت مسرخ دیکھا۔

٢ _عِدَّةٌ مِنْ أَصَحَابِنَا، عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيادٍ، عَنِ ابْنِ أَبِي نَجَّرُ انَ، عَنْ مُنَنَى الْحَثَّاطِ اعَنْ كَامِلِ التَّمَّارِ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاجَعْفَرِ عَلَيْكُمُ مُ النَّاسُ كُلَّهُمْ بَهَائِمُ - ثَلَاثاً - إِلْاَقَلِيلٌ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ، وَالْمُؤْمِنُ عَرَيْدٍ - ثَلَاثاً - إِلْاَقَلِيلٌ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ، وَالْمُؤْمِنُ عَرَيْدٍ - ثَلَاثاً - إِلْاَقَلِيلٌ مِنَ الْمُؤْمِنِينَ ، وَالْمُؤْمِنُ عَرَيْدٍ - ثَلَاثاً مَنَّ التِهِ - .

مور قرمایا ۱ مام محد با قرطیداندارم نے تمام اوک چو بائے ہیں ذہین بار فرمایا) گرموشین جوبہت کم ہیں اور مومن کم جا با جاتا ہے رتین بار فرمایا) الله المعلم المعالم ال

٣ ـ عَلِيُّ بِنِ إِبْرَاهِيمَ، عَنْأَبِيهِ ، عَنْأَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنِ ابْنِ رِئَابِ قَالَ : سَعِعْت أَبَا عَبْدِاللهَ عَلَيْكُنْ يَقُولُلاً بِي بَصِيرٍ : أَمَّاوَاللهِ لَوْأَنتِي أَجِدْ مِنْكُمْ ثَلاثَةَ مُؤْمِنِينَ يَكْنَمُونَ حَديثي مَا اسْتُحْلَلْتُ أَنْ أَكْتُمَهُمْ حَديثاً .

۳۔ فرمایا ابوعبدالشرعلیہ لسلام فیاست ابوبھیرضراک تسم اگرمین تمہمی تین شیعدامامیہ پالیتنا - جوازما و تقیدیجا دی بات کوبھیں خُدرا ذرکھتے تومیرے ہے اپنی اِت کوان سے چہا نا جا نزنہ ہوتا -

٤ ـ ثَنَّهُ مِنْ الْحَسَنِ وَ عَلِي مِن عَنَّرِينِ بِنَدَارَ ، عَنْ إِبْرَاهِمِ بِنِ إِسْحَاقَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بِنَ الْعُعُودُ الْأَنْصَارِيّ ، عَنْ سَدِيْرِ الصَّبْرِ فِي قَالَ : دَخَلْتُ عَلَىٰ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكَ فَقَلْتُلَهُ : وَاللهِ مَا يَسَعُكَ الْعُعُودُ الْأَنْصَارِكَ وَاللهِ وَالل

م سدير عبر قانچة بي دين صادق آل مي كردت بن حافر بواا درع فن كفاك قدم اب آپ ك ك كفري بيرة ارشا درست نهين حفرت في في الكون سين في اكب كه دوستون ادران مار ك كثرت كى وجهد والله الكون سين الكون ال

ات زبند، و المحالية و

موانفت کراہ ہے بیسن کرمں اُر آیا اور خجر بہموا رہوا اور حفرت عماد پر مواد ہوئے ہم دونوں چل جب و قت نماز آیا۔ توفرایا اترونما ذا داکریں اس کے بعد فرایا ۔ یہ زمین شور ہے بہاں تماز جائز نہیں ہے ۔ ہم پھر چلے بہاں تک کر ایک سرسبز وٹ ر دنگ کے خطر پر کہنچے ایک لڑکے کو بکریاں چراتے دیکھا - فرایا ۔ اے سدیرا کر میرے شید بقدران بھریوں کے ہوتے توہی خوج کڑا ہم دہاں اترے اور تمازیڑھی ۔ اس کے بعد میں نے ان بھریوں کوشاد کہا توان کی تقداد سترہ تھی ۔

٥ - عَنَّ عَمَّارِ بَنِ مَرُوْانَ ، عَنَ أَخْمَدَ بِنُ عَيْدِ بِنِ عَبِسَى ، عَنْ عَيْدِ بِنِ سِنَانِ ، عَنْ عَمَّادِ بِنِ مَرُوْانَ ، عَنَ سَمَاعَةً بَنِ مِهْرَانَ فَالَ : قَالَلِي عَبْدُ صَالِحٌ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ : يَاسَمَاعَةُ أَمِنُوا عَلَى فُرُشِهِمْ وَ أَخَافُونِي سَمَاعَةً بَنِ مِهْرَانَ فَالَ : قَالَلِي عَبْدُ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ : يَاسَمَاعَةُ أَمِنُوا عَلَى فُرُشِهِمْ وَ أَخَافُونِي أَمَّاوَ اللهِ أَعْدَى كَانَ مَعَهُ غَيْرُهُ لَا ضَافَهُ اللهُ عَزَ وَ جَلَّ إِلَيْهِ حَيْثُ يَقُولُ : ﴿ إِنَّ إِبْرَاهِهِمَ كَانَا مُمَّةً قَانِتا لِللهِ حَنِيفًا وَلَمْ يَكُ مِنَ الْمُؤْمِنَ لَقَلْهِلُ وَإِنَّ أَمْلَ اللهُ وَمَا اللهُ اللهُ وَاللهِ وَاللهِ عَنْهُ اللهُ وَمِن لَقَلْهِلُ وَإِنَّ أَهْلَ اللهُ وَمَا اللهُ اللهُ وَمِن اللهُ وَمِن لَقَلْهِ فَعَالَ اللهُ وَمِن الْمُؤْمِن لَقَلْهِ فَا اللهُ وَمِن إِلَيْهِمُمَا فَي صَدْولِ اللهُ وَاللهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهِمُمَا فَي صَدُولِهُ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهِمُمَا فَي صَدْدُ وَ اللهُ اللهُ وَمِن إِلَى ذَٰلِكَ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهِمُ مَا فَي صَدْولُوا اللهُ اللهُ وَيَشَرُ بِحُونَ إِلَى ذَٰلِكَ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهِ مَا اللهُ وَيَعْلَ إِلَى اللهُ اللهُ وَيُعْلَى اللهُ اللهُ وَاللهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهِ مَا اللهُ عَلَى اللهُ وَيَعْلَ اللهُ وَيَعْلَى اللهُ وَاللهُ وَيَعْلَى اللهُ اللهُ وَيَعْلَى اللهُ وَلَالُهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهِ مَا اللهُ وَلِهُ وَاللهُ وَيَعْلَى اللهُ وَلَا اللهُ وَلِهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهُ وَلَا اللهُ وَلِلْهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَيْهِ وَاللّهُ وَيَعْلَى اللهُ وَلَا اللهُ وَلَالَهُ وَيَعْلَى اللهُ وَلَا اللهُ وَلَوْمِ اللهُ وَلِلْ اللهُ وَلِلْهُ وَيَسْكُنُونَ إِلَهُ وَلِهُ وَلِهُ وَلَا اللهُ وَلِهُ وَاللّهُ وَلِهُ وَلَا اللهُ وَلِلْهُ وَلِلْهُ وَلَا اللهُ وَلِلْهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَوْمُ اللهُ وَلِلْهُ وَلَا اللهُ وَلَوْمُ اللهُ وَلَوْمُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ وَلِلْهُ وَلَا اللهُ وَلِهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلِهُ وَا اللهُ وَلَا اللهُ وَلِهُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ وَالْمُوالِقُولُولُولُولُولُولُول

۵ - نوایا امام موئ کاظم علیدانسدام نے اسسماعہ لوگ اپنے فرشوں پر آدام سے رہے اور مجھے نوف بہر اسس میں ڈلا والنشرایک و قت دنیا میں ایسا تھا کہ اللہ کاعبادت گذار مرف ایک ہی تھا اگر کوئی دوسرا اور بہوتا تو اس کے سستھ اس کا بھی وکر کرتا رجیسا کہ فرما تھے اور نرے کھرے بندکا اس کا بھی وکر کرتا رجیسا کہ فرما تہ ہے جشک ابر اہم ایسی است سے جوالنڈ کی طرف رجون کرنے والے تھے اور نرے کھرے بندکی تھے۔ وہ مشرکوں میں سے دیتھے بہر میں جس طرح النشر نے جا ہا ہے زمان گزراء بھرالند نے مانوس کیا ان کو اسماعیل واسماق سے اور وہ بندی میں اور آبل کے فریا وہ میں جانے ہوایدا کیوں ہے میں نے کہا نہیں۔ فرا با رہاف اور آبل کے فریا اور آبرام سے ہو گئے۔

٢ عِذَةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بَنِ ذِيادٍ ، عَنْ عَنْ عَيْرِ بَنِ الْحَرَمَةَ ، عَنِ النَّضِ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ أَي خَالِدِ الْقَمَّاطِ ، عَنْ حُمْرانَ بِنِ أَعْبَنَ قَالَ: قُلْتُ لاَ بِي جَعْمَو البَيْلِ : جُعِلْتُ فِذَاكَ مَا أَقَلْنَا لَوَ اجْتَمَعْنَا عَلَى الْمُهَاجِرُ وَنَ وَالْا نَصَارُ ذَهَبُوا إلا . وَأَشَارَ عَلَى الْمُهَاجِرُ وَنَ وَالْا نَصَارُ ذَهَبُوا إلا . وَأَشَارَ بَيْدِهِ . ثَلاثَةٌ قَالَ حُمْرانُ : فَقُلْتُ : جُعِلْتُ فِذَاكَ مَا حَالٌ عَمَّارٍ ؟ قَالَ: رَحَمَ اللهُ عَمَّاراً أَبَا الْبَقْظَانِ بِيدِهِ . ثَلاثَةٌ قَالَ حُمْرانُ : فَقُلْتُ : جُعِلْتُ فِذَاكَ مَا حَالٌ عَمَّارٍ ؟ قَالَ: رَحَمَ اللهُ عَمَّاراً أَبَا الْبَقْظَانِ بَايَعَ وَقُتِلَ شَهِدًا ، فَقُلْتُ فِي نَقْسَي : مَاشَيُ * أَفَضَلُ مِنَ الشَّهَادَةِ فَنَظَرَ إِلَيَّ فَقَالَ : لَمَلَكُ تَرَى أَنَّهُ مِنْ الشَّالُ اللَّالِاثَةُ إِلَيَ قَقَالَ : لَمَلَكُ تَرَى أَنَّهُ مِنْ الشَّالُ اللَّالِاثَةِ مَا أَنْ أَلْنَاكُ مَنْ الشَّالُ اللَّالِ اللَّهُ الْمَالَةُ مَا أَنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَلَى اللَّهُ اللَّهُ

ا فا فيد المنظمة المنظ

۱۰ دیں فیصفرت امام محدیا قرطیرال الم سے کہا میمادی جماعت کس قدر تعیل ہے کا گردستر نوان پرایک بمری کھانے بیسے کی آرسے تمام نہ کرسکیں رفرطیا میں تم کواس سے زیادہ جمیب بات بتاؤں ۔ آنحفرت کے بعد مہاجرین وانصاد ایسانسے مجھڑتے اور پیر نمین انگلیوں سے اشارہ کیا ۔ جمران کہتاہے ۔ ہیں نے کہا عماد کا کیا حال دیا ، قرطیا ۔ الشان پردھم کرے ان کی کنیت ابوالیق خلان ہے انحوں نے امیرالمومنین کی بیعت کی اور جنگ صفین میں شہید ہوئے ۔ میں نے اپنے دل میں کہا شہادت سے افضل کوئ شے نہیں ۔ حفرت امام نے قرطیا کی انتھارافیال ہے ہے کہ وومشل تین کے تقریب میں دورہے ہوات بہت وورہے ہیات ہے وہ انفیل تھے۔

٧ ـ الْحُسَيْنُ بنُ عُنَهُم، عَنْ مُعَلَى بنِ عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ عَلِيّ بنِ جَفْفِر أَلَم الْحُسَيْنُ اللهِ عَنْ عَلَيْهِ السَّلامُ يَقَــُولُ : ليَسَ كُلُ مَنْ قَالَ بِوَلاَيَنِنَا مُؤْمِناً وَلَكِنْ جُمِعْلُوا إِلَى السَّالِمُ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِي اللهِ الل

ے ۔ فرایا امام موسیٰ کا کم علیہ السلام نے ہروٹ خعی جو ہمادی ولایت کا عرف پیے مومن نہیں بلکہ وہ مومینن سے انوس ہے

دوسوانتيسوال باب

راضى بوناجشش برايمان ساور برشه برصبراس كابعد

(باب) ۲۲۹

ه (الرِّضَابِمَوْهِبَةِ الْأَبِهَانِ وَالصَّبْرِعَلَى كُلِّكَتْنَ ۗ بَعْلَهُ ﴾ ٢

ا يَعَدُّةٌ مِنْأَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَنَى الْمُعَدِّبِنُ عَنَى ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ فُضَيْلِ بْنِ مِنَا مِنْ أَبْكَيْرٍ ، عَنْ فُضَيْلِ بْنِ مِنَا مِنْ مَعْنَ عَبْدِالْوَاحِدِ مِنْ الْمُخْتَارِ الْا تَضَادِي قَالَ: قَالَ أَبُوحَعْفَر عَلَيْتُكُم : يَاعَبْدَالْوَاحِدِ مَا يَضُرُّ دَجُلاً لِيسَادٍ ، عَنْ عَبْدِالْوَاحِدِ مَا يَضُرُّ دَجُلاً لِيسَادٍ ، عَنْ عَبْدِالْوَاحِدِ مِنْ اللهُ عَلَى دَأْسِ حَبْلِ لِيسَادٍ ، عَنْ عَلَى ذَا الرَّ أَي لَم مَا قَالَ النَّاسُ لَهُ وَلَوْقَالُوا : مَجْنُونُ ، وَمَا يَصُرُّ مُ وَلَوْكَانَ عَلَى دَأْسِ حَبْلِ لِيسَادٍ ، عَنْ عَلَى ذَا الرَّ أَي مَ مَا قَالَ النَّاسُ لَهُ وَلَوْقَالُوا : مَجْنُونُ ، وَمَا يَصُرُّ مُ وَلَوْكَانَ عَلَى دَأْسِ حَبْلِ يَعْدُاللّهُ حَتْمً يَجَبِينُهُ الْمَوْتُ .

ا - فرایا ۱ مام محدیا قرطیها سلام نے اے مبدالوا عداگرانان صاحب رائے ہے تولوگوں کا کمنا اگرچہ وہ مجنوں کہیں کو ل کہیں کو لی نقصان نہیں دیتا اور ایسے ہی نقصان نہیں دیتا - لوگوں کا کمنا اگروہ بہار پر برتے دم یک عبادت فراکسے ۔

٣ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ . عَنْ عَبَى بَنِ عَبِسَى، عَنْ يُونْسَ، عَنِ ابْنِ مُسَكَانَ ، عَنْ مُعَلَى بُنِ خَنْسِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللَّهِ عَلِيلٍ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ بَلِيلِيلِهِ ؛ قَالَ اللهُ عَنَالَكَ وَ تَعَالَى الْوَلَمْ يَكُنْ فِي الْأَرْضَ إِلَّا مُؤْمِنَ وَاحِدٌ لِإِسْتَعَنِينَ بِدِ عَنْ جَمِيعِ خَلْقي وَ لَجَعَلْتُ لَهُ مِنْ إِيمَانِهِ أَنْسَالْا يَحْتَاجُ إِلَى أُحَدِ .

۷۔ فرای حفرت ابوعبدالنزعلیہ السلام نے کہ دیول النزنے کہ دیول النزنے فرطیا النزتعانی فرما تلہے کہ اگرہ سے نہیں پر ایک سے سواکوئی دوسرا کوئن رہے ہی تہیں تو وہ پی اتمام صلی سے ہے جہ واکروے گا اور پی اس کے ایمان سے اسس رکھوں گا اور مجھکس اور کی اختیاج شربہے گ۔

٣ _ عَنْ أَخَمُدُ بِنَ يَعَلَى ، عَنْ أَخَمَدُ بِنَ عَبِلَى ، عَنْ أَخَمَدَ بْنِ عَبِلَى ، عَنِ الْحُسَيْنِ بْن مُوسَى ، عَنْ فُضَيْلِ بْنِ يَسَارٍ، عَنْ أَبِي جَعْفَر إلها قَالَ : هَا يُبْالِي مَنْ عَرَّ فَاللهُ هَذَا الأَمْرَأَنْ يَكُونَ عَلَى قَلَةً جَبَلِ يَأْكُلُ مِنْ نَبَاتِ الأَرْضِ حَشَى أَيْنِيَهُ الْمَوْتُ

٣ د فرايا ۱۱م محديا قرطيدا اسالهم نه كرنيين پرواد كرنا ده شنع جرائل تعالی كل موفت ما علی بوك ده جلب مرت دم تك بها و كل چران پروجه اود گھاكس بات كھاكر ليركرے -

٤ - عَلِيُّ بِنُ إِبِرُاهِبِمَ ، عَنُ تُقَوِيْنِ عِيشَى ؛ عَنْ يُونْسَ، عَنْ كُلْبَيْ بْنِ مُعَادِيَةً ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهُ لِلْمُؤْمِنِ أَنْ يَسْتُؤْجِشَ إِلٰى أَخْبِهِ فَمَنْ دُونَهُ ، الْمُؤْمِنُ عَنْ بُرْ في دِينِهِ .
 اللَّيْكُ فَالَ: سَمِعْنُهُ يَقُولُ: هَا يَنْبُعَنِي لَلْمُؤْمِنِ أَنْ يَسْتُؤْجِشَ إِلَىٰ أَخْبِهِ فَمَنْ دُونَهُ ، الْمُؤْمِنُ عَنْ بُرْ في دِينِهِ .

مهر فرما یا حفرت ا بوعبد النُّر علیدانسلام نے موم*ن کے لئے س*زا دار نہیں کروہ پزودمومن سے افروسے حقارت دور کا اختیار کرے کیو^بکی بہوسکتاہے کہ وہ لیست درجہ والا مومن دین میں اس سے زیادہ عزیز ہے۔

٥ ـ عَنْهُ ؛ عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَنْ مَنْ عَنْ مَنْ عَنْ عَنْ خَالِهِ ، عَنْ فَضَالَةَ بْنِ أَيْتُوبَ ، عَنْ عُمْرَ بْنِ أَبَانٍ وَ سَيْفِ بْنِ عَهْرِرَةً ؛ عَنْ فَضَيْلِ بْنِ يَسَارِقَالَ : دَخَلْتُ عَلَىٰ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ فَضَالاً فِي مَرْضَةِ مَرِضَهٰ الْمُ يَبْقَ مِنْهُ الْاَرْأَشُهُ فَقَالَ بِافْضَيْلُ إِنَّنِ كَشِراً مَا أَقُولُ : مَا عَلَىٰ رَجُلٍ عَرَ فَهُ اللهُ هذَا الْأَ مُر لَوْكَانَ فِي رَأْسِ جَبِلِ خَتْمَى يَاتِيهُ الْمَوْتُ ، يَافْضَيْلُ بْنَ يَسَارِ إِنَّ النَّاسُ أَخَذُوا يَمِنا وشِمَالاً وَ إِنَّ وَشَبْعَتَنا هُدبنا الشِرائِ الْمُسْتَقَبْمَ ، يَافْضَيْلُ بْنَ يَسَارِ إِنَّ الْمُؤْمِن لَوْأَصْبَحَ لَهُ مَا يَنَ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِكَانَ ذٰلِكَ خَيْر أَلَهُ وَلُو الْمُعْرِبِكُ اللهُ وَيَعْلَ بِالْمُؤْمِن إِلَّا مَاهُو خَيْر أَلَهُ وَلُو اللهُ لَا يَعْفَلُ بِالْمُؤْمِن إِلَّا مَاهُو خَيْر أَلَهُ وَلُو الشَّكَى عَلَى اللهُ وَمِن اللهُ مُنْ اللهُ وَلَوْ اللهُ وَيَعْلَ بِالْمُؤْمِن إِلَّا مَاهُو خَيْر لَهُ أَلَا اللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ وَاللهُ اللهُ وَاللهُ وَيَعْلَ بِالْمُؤْمِن إِلَّا مَاهُو خَيْرُلَهُ اللهُ فَضَيْلُ بْنَ يَسَارِ لُو عَدَلْ اللهُ اللهُ وَاللهُ عَنْ وَجَلَ جَنَاحَ بَعُوضَةِ مَاسَقَىٰ عَدُو أَوْ اللهُ عَلْ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَرَقُهُ مَنْ اللهُ ا

ان زبان المنظم ا

اَبْنَ يَسَادٍ إِنَّهُ مَنْ كَانَ هَمَّهُ هَمَّا وَاحِداً كَفَاهُ اللهُ هَمَّهُ، وَ مَنْ كَانَ هَمَّهُ في كُلِّ وَادِلَمْ يُبَالِ اللهُ بِأَيِّ وَادِهَلَكَ.

و ففیل بن بیارے مروی ہے کہ بن ایام جعفر مداد قاعلیا اسلام کا قددت بن ما فربوا جبکہ وہ حفرت بی اسے اور تہا بیت نیف د تا توان مہو گئے متع حفرت نے فرایا اے نفیل ایمن اکڑے وہ تنہا بہا گئی ہوں کہ کیا شے نقصان دے کہ تہا ہوں کہ کیا شے نقصان دے کہ تہا ہوں کہ کیا شے نقصان دے کہ تہا ہوں کہ کیا شے مدانے ہمادی امرا ما مت کی معوفت کوا تک ہے اگرچہ وہ تنہا بہا گئی ہوئی پرمرتے دم کہ رہے اسے ففیل لوگوں نے امری کو ادبیرا د دہم اور ہمارے نبید و بھراہت پائے ہوئے ہی افیضیل اگر مومن وہ سب با ہے ہوم شرق و مغرب بن ہے توصیب جھلے تا انہیں ہوگا اور وہ خدا کا اور اکا مث کہ اور اکر اس کے اعمضا و قبلے ہوئی میں بہرگا اور وہ خدا کا تو اس کے لئے اسی بی بہتری ہوگا اور اگر اس کے اعمضا و قبلے ہوئی وہ میں بہرگا ہوگا اور انہاں کہ ادا وہ کی وقعت پُریکس کے برا برمیوتی تو خدا کا دشمن اس سے ایک بسالہ پانی کا بھی نہ پاسکتا ۔ اے نفیل اجموال اللہ بروا ایس کے اور ان کہ ان کا بھی نہ پاسکتا ہوگو اللہ بروا اللہ بروا ایس کے اور ان کہ تا ہے اور انگرا داوہ ہر چہنے میں بالاک ہوا۔

٣ - عُنَّابُن يَحْبَى، عَنْ أَحْمَدَبِن عَبَّ ، عَنْ عَبَرِين سِنَانٍ ، عَنْ أَبْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ مَنْمُورِالصَّيْقَلِ وَالْمُعَلَّى بَنِ خُنَيْسٍ قَالاً سَمِعْنَا أَبَاعَبْدِاللهِ عَلَيْ يَقُولُ : قَالَ رَسُولُ الله وَالشَّعْتَةِ : فَالَ اللهُ عَنَّ وَجَلًّ وَالْمُعَلَّى بَنِ خُنَيْسٍ قَالاً سَمِعْنَا أَبَاعَبْدِاللهِ عِلَيْ يَقُولُ : قَالَ رَسُولُ الله وَالشَّعَةِ : فَالَ اللهُ عَنَّ وَجَلًّ مَا تَرَدَّ دَتُ فَي شَيْءٍ أَنَا فَاعِلُهُ كَثَرَدُّ دَي في مَوْتِ عَبْدِي الْمُؤْمِنِ ، إِنَّنِي لَاحِبُ لِقَاءَهُ وَ يَكُرُهُ الْمُؤْتَ مَا تَبْ وَلَوْلَمْ يَكُنُ فِي الدُّ نَبْا إِلْآوا حِدُ وَن فَأَصْرِ فَهُ عَنْهُ ، وَإِنَّهُ لَيَدْعُونِي فَا حَبِيبُهُ وَإِنَّهُ لَيَسْأَلْنِي فَا عَطْبِهِ ، وَلَوْلَمْ يَكُنُ فِي الدُّ نَبْا إِلْآوا حِدُ وَن فَأَصْرِ فَهُ عَنْهُ ، وَإِنَّهُ لَيَدْعُونِي فَا حَبِيبُهُ وَإِنَّهُ لَيَسْأَلْنِي فَا عَطْبِهِ ، وَلَوْلَمْ يَكُنُ فِي الدُّ نَبْا إِلْآوا حِدُ وَن قَامِيهُ مَنْ إِيمانِهِ النَّالَا يَسْتَوْحِسُ إِلَى أَحَدِ. عَنْ جَمِيعِ خُلْقي وَلَجَعَلْتُ لَهُ مِنْ إِيمانِهِ النَسْلَالِيَسْتَوْحِسُ إِلَى أَحَدِ.

ا میم ندام جعفه ما دن علیدال الم سے شنا کرد ایا رسول الله فی کرونده یا فدائے مو وجل نے فرایا ۔

ال دوریت شدس ایس نے تردد نہیں کیا جس کا بیں خالق ہوں ۔ سوائے اپنے مومن بندہ کی موٹ کے ہیں اس سے ملن ا پاہتا ہوں بینے عمل کا ثواب دین ا دور وہ موت کونا پسند کر تاہے ۔ بہس میں اسے ہٹا دنیا ہوں جب وہ جھے پیکا رتا ہسے تو ایم اسے جواب دیتا ہوں ا درجب سوال کرتا ہے توعطا کرتا ہوں اگر دنیا ہی میرے مومن بندوں ہیں سے مرف ایک مومن ار م جلے تو میں بے پر وا ہوں کا اپنی تمام مختلوق سے ا در اس کے ایمان کی بنا دیراس سے انسس رکھوں کا اور وہ کسی کی طون محتاج نہ ہوگا ۔

ACHTAICHTAICHTAICHTAIRTACHTAIRTACHTAI

POPULATION CONTROL OF THE PERSON PROPERTY PROPER

روسونيسوال باب مومن كالمومن كيساته آرام بإنا

(بنات) ۱۲۳۰

ه (في سُكُونِ المُؤْمِنِ إِلَى الْمُؤْمِنِ) الدين المُؤْمِن (الدين المُؤْمِن الدين المُؤْمِن الدين المُؤْمِن الدين

ا عَلِيْ بَنُ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ عَدْ عَدْ بَنِ عِيسَى بْنِ عَبِيدٍ ، عَنْ يُونشَ ، عَمَّنْ ذَكَرَهُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 عَلِينَ قَالَ : إِنَّ ٱلْمُؤْمِنَ لَيَسْكُنُ إِلَى ٱلْمُؤْمِنِ ، كَمَا يَسْكُنُ الظَّمْأَانُ إِلَى ٱلْمَاءَ الْبَارِدِ .

ا- قروایا الوعدد الشعلیالسلام نے کر مومن ، مومن سے اس طرح تسکین با تلہے میں پیاسا کھنڈے یا نے۔

دوسواکیشوال باب اس کابیان ک^{یمومن} کی وجہسے الٹرکیا دفنع کرتاہے

(بَالْ) السَّامِ (بَالُهُ) عَلَيْهُ اللَّهُ فِيلَامُؤُمِنِ) عَلَيْهُ فِيلَامُؤُمِنِ عَلَيْهُ فِيلًا مُؤْمِنِ

١ - عَدَّرُبُنُ يَحْمَى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَسَنِ النَّيْمِيّ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ وَذَارَةَ ، عَنْ عَلِي بْنِ الْعُصَيْلِ عَنْ أَلَى اللهُ لَبَدْ فَعُ بِالْمُؤْمِنِ الْوَاحِدِ عَنِ الْقَرْيَةِ الْقَلْاءَ .
 عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَر يَقِيلُ قَالَ : إِنَّ اللهُ لَبَدْ فَعُ بِالْمُؤْمِنِ الْوَاحِدِ عَنِ الْقَرْيَةِ الْقَلْاءَ .

ا - فوالی ا مام جعفوصا دق علیدا لسلام نے النز تعالیٰ حرث ایک مومن کی برکت سے دس می مشہر یا وشد ہے وہا کو دور کر تاسیعے۔

٣ - عُنَّ أَبُنُ يَحْمَى ، عَنَّ أَحْمَد بْنِ عَبْد ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ عَبْد اللهِ بْنِ سِنانٍ ، عَنْ أَبِي حَمْزَة عَنْ أَبِي حَمْزَة عَنْ أَبِي حَمْزَة عَنْ أَبْهِ وَعَبْها سَبْقة مِنَ الْمُؤْمِنِينَ .
 عَنْ أَبِي جَمْفَر اللّه عَلَى اللّه عَنْ اللّه عَذْ ابْ وَفَهْها سَبْقة مِنَ الْمُؤْمِنِينَ .

٧- فوايا حفرت المام ممر با قرعلي السلام نے كرجس قريمي سات مومن بهول وہ بستى عذاب سے محفوظ دم تى ہے -

على بن إبراهم، عَنْ أبهه ، عَنْ أبهه ، عَنْ أبه ، عَنْ أبي عُمَيْر ، عَنْ غَيْر واحد ، عَنْ أبي عَبْدالله إلى فال قل الله في المكذاب إذا نَزَل بِقَوْم يُصيبُ المُؤْمِنهِنَ ؟ قال : نَقَمْ وَلَكِنْ يَخْلْشُونَ بَمْدَهُ .

۳- فرما یا ا بوعبد الشرهلیمانسلام فی جبکر حفرت به بهاگیاس عذاب که متعلق جرکی قوم پرنازل بهوادر امس میس مومنین مجی آجافے میں فرمایا بال میکن وہ بعدیں اس سے خلامی بالیستیں -

روسوچیسوال باب مومن کی دوشیں

(بنائ) ٢٣٢ ١٥(في آنَّ الْمُؤْمِنَ صِنْفُانِ)

الم عَنْ نَصْبِوا أَي عَنْ مَا أَخْمَدُ بَنِ عَنْ أَخْمَدُ بَنِ عَنْ مُعْتَوِينَ سِنَانٍ ، عَنْ نَصْبِوا أِي الْحَدْمِ الْخَفْعَينِ ، عَنْ عَنْ أَعْرَالُهِ وَوَفَى سِمْرِطِهِ وَذَلِكَ قَوْلُ اللهِ عَنَّ وَجَلَّ ، هَذِ خَلِيلَ عَلَيْهِ وَفَيْ مِنْ مُؤْمِنُانِ فَهُ وَيْنَ مِنْ مَنْ يَعْمَدُوا الله عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِل

ا۔ فرایا ابوجید اللہ علیہ السام نے مومن دومتم کے ہوتے ہیں ایک وہ جوجید خدا میں صادق ہے اور اس کا شہر طول کو آ ابر اکر تا ہے۔ جیسا کو خدا فرا تا ہے دہ ایک ہیں جمھوں نے اللہ سے جوجہ دکیا تھا اس کو بورا کیا۔ ہمی وہ لوگ ہیں جن کون ونیا کے خوش ہیں نہ اکنوٹ کے اور ان کو شفاعت کی خرورت نہ ہوگا ور دوسرا کے خوش ہیں نہ اکنوٹ کے اور ان کو شفاعت کی خراجہ کہ میں جیسے طاعون وغیرہ اور اور ایک افران کا خوف بھی ہیں جیسے طاعون وغیرہ اور اور ایک افران کا خوف بھی ہیں جیسے طاعون وغیرہ اور اور ایک افران کا خوف بھی ہیں جیسے طاعون وغیرہ اور اور ایک افران کا خوف بھی ہیں جیسے طاعون وغیرہ اور اور ایک افران کا خوف بھی ہیں اس کی خفاعت کی جائے گا گروہ شفاعت نہ کرسکے گا۔

فَذَٰلِكَ كَخَامَةِ الزَّ زَعِ كَبْفَمَا كَفَئَنَهُ الرّ بِحَانَكَفَأُوذَٰلِكَ مِشَنْ تَصْبِبُهُ أَهْوَالُالَة مْيَا وَٱلآخِرَة وَيَشْفَعُ لَهُوَهُو عَلَىٰ خَيْرٍ.

م ، فرط يا حفرت الوجد الشرعليدالسلام خصوص دوطرے كم بي ايك وه جوالندے عهد كى سيارى شرطيس لي دى كرے ا درنبیوں ، معدلیقوں ، مشہید دں اور صائحین کے ساتھ ہوگا اور یہ اس کے چھے دنین ہوں کے پرشفاعت کرے گا اسس ك نشفاعت نه كى جائے كى اس كے نشا حوال دنيا ہے شا توت، دوسرا مومن وصب يم كے تدم كونغرش ہے وہ اس نيے بوت ك طرع بعض كو بواكا تجون كا بحداد المعالم بعداد رائفا لم بعداس ك نير ونيا ك فون بحديد اور أخ ت كم بعلى واس ك شقاعت كجلت كادر وه نيكى يربركا-

٣- عِذَهُ مِنْ أَصْحَالِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ غُبِّهِ بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ إِسْمَاعِلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ يُونُسَ بْنِ إِيمَقُوْبَ ، عَنْ أَبِي مَرْيَمَ الْأَنْصَارِينَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرِ عِلِي قَالَ : قَامَ رَجُلٌ والْبَصْرَة إِلَى أَمْرِ الْمُؤْمِنِينَ ا عَلِيْ فَقَالَ : يَاأَمْمِرَ ٱلمُؤْمِنِينَ أَخْبِرُ نَا عَيْ أَلاخُوْانِ ، فَقَالَ: الْإِخْوَانُ سِنْفَانِ : إِخْوَانُ الثِّقَةِ وَإِخْوَانُ ﴿ ٱلمُكَاشَرَةِ . فَأَمَّنَا إِخُوانُ الثِّقَةِ فَهُمُ ٱلكُفُّ وَالْجَنَّاحُ وَالْأَهْلُ وَالْعَالُ ، فَإِذَا كُنْتَ مِنْ أَخَبِكَ عَلَى حَدِّ اللِّقَةِ فَابْذِلْلَهُ مَالَكُ وَبَدَنْكَ، وَصَافِ مَنْ صَافَاءُ وغَادِ مَنْ عَاذَاهُ ،وَاكْتُمْ سِرَّ هُ وَعَبْبُهُ وَأَظْهُرْ مِنْهُ الْحُسْنَ ؛ وَاعْلَمْأَيُّهُمَا السَّائِلُ أَنَّهُمْ أَفَلُ مِنَ الْكِبْرِيتِ الْأَحْمَى ، وَأَمَنَّا إِخْوَان المُكَاشَرَةِ فَإِنَّكَ تُصيبُ لَنَّا تَكَ مِنْهُمْ ، فَلا تَقْطَعْنَ ذَٰلِكَ مِنْهُمْ وَلا تَطْلَبْنَ مَاوَزاهَ ذَٰلِكَ مِنْ صَميرِهِمْ ، وَأَبْذِلْ لَهُمْ مَا بَذَلُوا لَك مِنْ طَلَاقَةِ ٱلوَجْدِ وَحَلَاوَةِ اللَِّّسَانِ .

سد فرمایا ا مام محدیا قرهلیدا نسان مے کدلیعرہ میں ایک شخص امیرالموشین سے کہتے تھے انحان ہمائیوں ہے تعلق بتلتير- فرايا بها أن دوتم كربي ايك معادب الخباد اور دوسرے شكفترو، طليق اللسان، جو بھا أن تقربين بر لوك لا تق ا در با زو ، كنيد ا ور مال إن ا ورجب نم كوكون تقريحا أن ل جلت تواس ك اينامال اورايف بدن كواس ك ضدمت مي لگا و اورجواس کا دوست ہے تم مجی اس کے دوست ہو اورجودتین ہے اس کے دشمن رہوا وراس کے مجعید کو جھیا دراس سے چیب کو تحقی رکھی اور اچھا ٹی فل ہر کو و- اسے سوال کرنے والے لیسے لوگ مسرے گندھک (جس سے کسیر فیتی ہے) زیادہ ٹایا ب این ایکن چرب زبان ، سنسور لوگ ، ان سے طفین مرکولنت محسوس مو گاان سے مجمی قداع تعلق مذکرو اور جوان کے ولین ہے اس كم علاده اوركي وطلب يروا ورس طرح خنده بيشان ا ورشيري كفارك ساته ده تهد ملة إي - تم بم ان

Tid Court of the transfer of the test of the tide of the tide of the tide of the test of the tide of tide of the tide of tide of the tide of tide

دوسوندنیسوال باب مومن سے خداکاعہد مصائب پرصبر کرنے میں

وزان)،

٥ (مَا آخَدُهُ اللهُ عَلَى الْمُؤْمِنِ مِنَ الصَّبِرِ عَلَى مَا يَلْحَقُهُ فَهِمَا ابْتُلِي بِهِ ٥٠

١- عُمَّا مِنْ يَعْفِلَى ، عَن أَخْمَدَ بْنِ أُعَلِينِ عَهِلَى ، عَنْ عَلِي بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ ذَاؤُدَ بْنِ قَرْقَدٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْ مَنْ اللَّهُ عَلَى اللهُ عَدْفِي عَلَى أَنْ لاتُصَدَّقَ مَقَالَتُهُ وَلا يَنْتَعِفُ مِنْ عَدُفِي وَمَا مِنْ مُؤْمِن مَلْجَمٌ ،
 مِنْ مُؤْمِن يَشْفِي نَفْسَهُ إِلاَّ بِغَضِهِ حَتِهَا لِأَنَّ كُلَّ مُؤْمِن مُلْجَمٌ ،

ا۔ فرمایا صادتی آلِ فم گرنے الشرنے بسندہ موٹن سے مبرکاع بدییا ہے اس پرکر ابلِ باطل اس سے کھام کی تھدیل شکھ سے اور اس کے دشیمن سے انتقام ندلیں گے اور جو نوٹن ہے وہ بچارہ دشمنوں کے ہروپ گینڈ سے سوا بوکرمرسے گا کیونکرونیوی معامل ش کے شعلق بندہ مومن کی زبان بندر مہتی ہے۔

٧- عِدَّةٌ مِن أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بِنِ ذِيَادٍ ؛ وَعُمَّرُ بُنُ يَحَيٰى ، عَنْ أَحْمَدَ بِنِ عُبَّهِ ، جَمِيعاً ، عَنْ ابْنِ مَخْبُوبِ ، عَنْ أَمْحَمْزَةَ النَّمَالِيِّ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهُ عَلِي قَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمَثَلِيْ: إِنَّ اللهُ أَخَذَ مَبِثَاقَ الْمُوْمِنِ عَلَى بَلايا أَدْبَعِ أَيْسَرُ هَاعَلَيْهِ مُؤْمِنٌ يَقُولُ بِقَوْلِهِ يَحْسُدُهُ ، أَوْمُنْافِقٌ يَفَعُوأُ أَثَرَهُ ، أَوَشَيْطَالُ يَنْ مَعْدِي إِنَّ لَهُ أَلْمُوْمِنِ بَعَدَ هٰذا .

۲- فرمایا حفرت الوع بدا النه علیہ اسالام نے قدا نے عہد لیا ہے عومن سے چار بلاڈں پرعبر کرنے کا۔ ایک ہے کہ عومن اس سے صدکرے ۔ دومرے منا فق بنطا ہم اس کی ہیروی کرے اور بہا طن اس کی عیب بوٹی کرئے جمیسرے مشیطان اس کی بھگلنے میں ملکار ہے ۔ چونتھ کا قراس سے جنگ کرے ویہ یہ چاروشمن بیھے پلے موں آومچھر موکن اس کے بعد کہاں ملے گا۔

THE WILLIAM TO A THE PARTY OF T

يُؤُذِبِهِ ؛ وَلَوْأَنَّ مُؤْمِناً عَلَىٰ فَلَمْ جَبَلِ لَبَعَثَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ إِلَيْهِ شَيْطًاناً يُؤُذِبِهِ وَ يَجْمَلُ اللهُ لَهُ مِنْ إِبِمَانِهِ أُ نَسَّالاً يَسْتَوْجِشُ مَعَهُ إِلَىٰ أَحَدٍ .

۳- فرمایا امام جعفرها دق طیداسلام نے خلاص نہیں سے مون کوتین باتوں ہیں سے ایک سے یا پینوں معید تیں اس کے ہے۔

جمع ہو جائیں یا بعض بھوں پہلے یہ کرچشخص اس کے ساتھ گھریں رہتا ہودہ اس پردر واند بتد کرے اور اس کو ستا ہے۔

دوسرے پڑوسی ستائے ، تیسرے جب دہ عزودیا ت پوری کرنے کو نکلے قوراہ ہیں لوک سنتا ہیں اگرمون پہاڑ کی چوٹی پری جا کریٹے گا تو اللہ تھا گا اور اللہ کومن کے ایمان سے انس گا تو اللہ تعانی اس کے امتحان کے لئے دہاں بھی ایک شبیطان کو بیجے گا جو اسے ستائے گا اور اللہ کومن کے ایمان سے انس رکھتاہے اور اس کی وحشت دور کرنے کے لئے دومرے کی فرورت باتی نہیں رکھتا۔

﴾ عِدَّةَ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْأَحْمَدَ بْنُ مَّكِ بْنِ أَبِي نَصْرٍ ، عَنْ دَاوُدَ بْنِ سِرْحَانَ فَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ بِهِيلِ يَقُولُ : أَرْبَعُ لا يَخْلُومُهُنَ ٱلْمُؤْمِنُ أَوْوَاحِدَةٌ مِنْهُنَ ، مُؤْمِن يحَسُنُهُ وَلَا : شَمِعْتُ مَنْهُنَ مَهُوا اللهِ عَلَيْهِ ، وَمُنَافِقٌ يَقَفُوأُ أَثَرَهُ ، أَوْعَدُو يُجَاهِدُهُ ، أَوْشَيْطَانُ يَغُويِهِ .

۱۷- فرمایا او عبدالشه علیدانسال نے مومن چار با آول سے فالی نہیں یا کم ایک توہوی گا . مومن سے حد کرسے یہ سبسے برس کا ایراس کرہیروی کرسے باکشترن اس سے دائے یا شیطان نے بہکائے۔

ه ـ مُخَدَّ بَنُ يَحْلَى ؛ عَنَ أَحْمَدَ بَنِ عَلَى مَ عِلى ، عَنِ ابْنِ سَنَانٍ ، عَنْ عَمَّادِ بْنِ مَرْفَانَ ، عَنْ سَنَاعَةً بْنِ مِبْرَانَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : إِنَّ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ جَعَلَ وَلِيَّةً فِي اللهُ تَنَاعَرَ صَالِمَدُوّ. هـ مَنْ اللهُ عَنْ مَعْدَاللهُ عَلَيْكُمُ قَالَ : إِنَّ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ جَعَلَ وَلِيَّةً فِي اللهُ تَنَاعَرَ صَالْمِدُونِ اللهُ عَنْ وَمَا اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ

٢. عَدَّةٌ مِنْ أَصَّحٰ إِنَا ، عَنَ أَحْمَد بَن كَا إِنْ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عِسَى، عَنْ عَلَيْ اللهَ عَلَانَ عَلَا اللهَ عَنْدَ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهَ اللهِ عَنْدَ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهَ اللهِ عَلَى اللهَ اللهِ عَلَى اللهَ اللهِ عَلَى اللهَ عَنْ اللهِ عَلَى اللهَ عَلَى اللهَ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ

۲-دا دی کمتنا ہے ہیں الوعبدالشعلیالسلام کے پاس تھا کہ ایک شخص نے اپنی خرودت کوبیان کیا- فرمایا صبر کر الشروزی میں وسعت دے کا رپور کھیے خاموش رہنے کے بعداس سے فرمایا کوفد کے قیدخانہ کا کیا حال ہے اس نے کہا بہت

٧- عَنْهُ، عَنْ عُبِّرِبْنِ عَلِيّ ، عَنْ إِبْرَاهِبِمَ الْحَذَّ ا، ، عَنْ عُبِّرِبْنِ صَغبِرٍ ، عَنْ جَدِّهِ شُعَيْبٍ قَالَ : سَمَيْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عِبِيدٍ يَقُولُ: الدُّ نَيَاسِجُنُ الْمُؤْمِنِ فَأَيُّ سِجْنِ جَاءَ مِنْهُ خَيْرٌ .

>- فرابا حفرت الوعبدا للزعلي السلم في دنيا مومن كه لط قبد فانه بي بين قيد خان مي آدام كمال -

٨ - عَنْ دَادُدَيْنِ أَعْمَدَبْنِ عَبْنِ عَبْنِي عَبْنِي عَبْنِي عَبْنِي عَبْنِي عَنْ دَادُدَيْنِ أَبِي يَزِيدَ ، عَنْ أَعْرِيبَ عَبْنِي عَبْدِاللهِ عَنْ دَادُدَيْنِ أَبِي يَزِيدَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلْقِ قَالَ : الْمُؤْمِنُ مُكَفَّدٌ .

وَفَي رَوْايَةٍ الْخُرَىٰ : وَذَٰلِكَ أَنَّ مَعْرُونَهُ يَصَعْدُ إِلَى اللهِ فَلاَيْنَشُرُ فِي النَّاسِ وَالْكَافِرُ مَشْكُورٌ ".

۸۔ فرولیا الدعیدالشرعلیا اسلام نے کرمومن کے ہے بہت سی تعمیں ہیں جن کے دک منتوجی اورایک روایت میں ہے الکی کرمومن کی نیکیاں فداک طرن بلند ہوتی ہیں اور لوگوں میں نہیں کھیلیس البتہ کا فرجو لوگوں کو دیتا ہے اس کا شکریہ اوا کیا جبا تکہے۔

٩ عليَّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنِ أَبِي عَمْيْرٍ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ ، مَنْ أَبِي مَبْدِاللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ ، مَنْ أَبِي مَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي مَبْدِاللهِ عَنْ أَنْ يُعْوِيهِ يُرِيدُأَنْ يُعْلِهُ ، وَكَافِر أَيفَتَالُهُ ، وَ اللهِ أَيفَتَالُهُ ، وَكَافِر أَيفَتَالُهُ ، وَهُمُ عَلَيْهِ ، وَمُنَافِعاً يَتَتَبَتّعُ عَثَرَاتِهِ .

۹ قرایا اوعبدا لله علیالسلام نے کی تومن ایسا نہیں جے چارچیزوں کاسامنامذ میور شدهان بهرکا کر گراه کرنا چاہتا سے کا فرویب دیتا ہے اورمومن حسد کرتا ہے اورسب سے زیا وہ بیچیزاس کے مطاحت ہے اورمنا فق اس کی لغوشوں کی ہیروی کرتا ہے۔

٠١- عِذَهُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بَنِ زِيَادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَمْرِ وَبِنِ شِمْرٍ ، عَنْ الْمُوالِينِ مِنْ الثَّيَاطِينِ مَنَّ الْمُوالِينِ مِنْ الثَّيَاطِينِ مَنَّ الْمُوالِينِ مِنْ الثَّيَاطِينِ مَنَّ الْمُوالِينِ مِنْ الثَّياطِينِ مَنَّ اللَّهُ عَلَىٰ جَبِرَ انِهِ مِنْ الثَّيَاطِينِ مَنَّ الْمُؤْمِنُ خَلَيْ عَلَىٰ جَبِرَ انِهِ مِنْ الثَّيَاطِينِ مَنَّ اللَّهُ عَلَىٰ جَبِرَ انِهِ مِنْ الثَّيْ الْمُنْ اللَّهُ اللَّيْ اللَّهِ مِنْ الثَّيْ اللَّهِ مِنْ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّ

رث فيدم والمحالية المحالية المحالية المحالية والمحالية و

۱۰ رفرها ام محد با ترعلیا لسلام نے جب کوئی مومن مرحابات ہے قوربید اودمفرجیے براے قبائل کی تعدا دشیا طین) وہاں جمع موجاتے بہن اوران کو با توں میں نگا لیتے ہیں (ناکر نہ ٹرکت جنازہ سے محروم دہمی) ۔

١١ - سَهُلُبْنُ ذِيَادٍ ، عَن يَحْيَى بْنِ أَلْمُبَارَكِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَبَلَةَ ، عَنْ إِسْخَاقَ بْنِ عَمْ الدِيكَ مَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَبَلَةَ ، عَنْ إِسْخَاقَ بْنِ عَمْ اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ قَالَ : مَا كَانَ وَلا يَكُونُ وَلَيْسَ بِكَا يُنِ مُؤْمِنٌ إِلْأُولَهُ جَارِيُونَ فِي اللهِ قَالَ : مَا كَانَ وَلا يَكُونُ وَلَيْسَ بِكَا يُنِ مُؤْمِنٌ إِلْأُولَهُ جَارِيُونَ فِي اللهِ قَالَ : مَا كَانَ وَلا يَكُونُ وَلَيْسَ بِكَا يُنِ مُؤْمِنٌ إِلْأُولَهُ جَارِيوً البَحْرِ لاَ بُتَعَثَى اللهُ لَهُ مَنْ يُؤْذِيهِ .

اا - فوایا ابوعد الدعلیاسلام نے مزایدا تھانہ ہے نہوگا کہ مومن کاکوئی سندنے والا نہور اگرسمندر سے جسندا کر میں سے کسی جذیرے میں بھی مومن ہوگا تیا للٹراس کے پاس کسی ایسے کہنے اورے گاجواس کوسترائے -

١٧ _ عَنْ أَبِي يَعْيِلَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبِسلى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكِمِ ، عَنْ أَبِي أَيَّوْبَ ، عَنْ إِلَى الْحَاقَ بِنْ عَمْ اللّهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى ؛ مَا كَانَ فَهِمُا مَضَى وَلاَ فَهِمَا بَقِي وَلاَ فَهِمَا أَنْتُمْ فَهِهِ مُؤْمِنْ إِلاَّ وَلَهُ جَارِ اللّهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى ؛ مَا كَانَ فَهِمُا مَضَى وَلاَ فَهِمَا بَقِي وَلاَ فَهِمَا أَنْتُمْ فَهِهِ مُؤْمِنْ إِلاَّ وَلَهُ جَارٍ اللّهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللّهِ عَنْ أَبَعْ عَنْ أَبِي اللّهِ اللّهِ عَنْ أَبِي اللّهِ عَنْ أَنْ عَلَى اللّهِ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الل

۱۱- فرما با حفرت ابوعبدا لشرعليالسلام نے كوئ زمان بھى ہومافى ، حال بام تنقبل خرود مومن كے لئے كوئى الياستخص موجود بوكا جواسے ستدئے ر

١٣ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ مُعَاوِيَةَ بْنِ عَمَّارٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِيْعِ قَالَ : سَمِعْتُهُ يَقَوُلُ : مَا كَانَ وَلا يَكُونُ إِلَىٰ أَنْ تَقَوْمَ السَّاعَةُ مُؤْمِنٌ إِلْاَوَلَهُ جَارٌ يُؤُذِيهِ .

المرداد ما المرابي و المرجع مع ما وق عليواسلام في المست كم بردادين ايسا موكاكم مومن كه الله المردى مستلف والا موكار

روسوچونتيسوال باب شدت ابت لائے مومن «باب»

ه (شِدِّةِ ابْتِلاهِ ٱلْمُؤْمِنِ) ٥٠

﴿ عَلَيْ بِنُ إِبْرَاهِمِ * عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبْنِأَ بِي عُمَّيْدٍ ، عَنْ هِضَامِ بْنِ طَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِالله

عِن قَالَ : إِنَّ أَشَدَ النَّاسِ بَلَاهُ الْأَنْفِياآهُ ثُمُّ الَّذِينَ يَلُوْنَهُمْ ، ثُمَّ الْأَمْثَلُ فَالأَمْثُلُ المُسَالُ عَلَا مَثُلُ اللَّهُ اللَّهُ مَثُلُ اللَّهُ اللَّهُ مَثُلُ اللَّهُ اللَّهُ مَثُلُ اللَّهُ اللَّهُ مَثَلُ اللَّهُ اللَّالِمُ اللَّا اللَّالَّ

۱- فرایا بوعبد: تشرطیرانسدم نے لوکوں میں سب سے دیا دوسخت اسمان انبیاد کلیے اس سے بعد جوان سے فرمیہ ہوں ا یعنی اوصیا نے انبیاد کا سے اس سے بعد دہ مومنین جوانفسل ہوں لیستی جس کا مرتب ایمان میں ذیا وہ ہوگا اس ففر اس کی انتسلا سخت ہوگی ۔

۷- داوی کهتابی کرحفرت امام جرفوسا دق علیدانسلام کے سامنے بلاکا اور جس چیز سے مومن کو کھومی کیا گیاہے اس کا ذکر گیا گیا۔ حفرت نے فرایا ۔ رسول اللہ سے بسروال کیا گیا تھا کہ دنیا ہیں سب سے دیا وہ سخت امتحان کس کا جو تاہیے حفرت نے فرایا ۔ انہیا دکھرا وصیا در پھرمومنین اور علی کے بعد مومنین بقدرا پنے ایمان اور حن عمل موض امتحان میں آئیں گئے جس کا امتحان اور عمل میسے جو گا آئنی ہی اس کا معیست سخت جو گا اور جس کا ایمان بلکا اور کمز ور بہو گا آئنی ہی اسس کا معیست کے بہوگا۔ کم ہوگا۔

٣ _ عَنْ مَعْدُونَ مَعْدُونَ مَعْدُونَ مَعْدُونَ مَعْدُونَ مَعْدُونَ مِنْ عَلَيْمُ الْأَخْدِ اللهُ عَنْ عَظْدِم زَيْدِ الشَّحَامِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عِلْيَا قَالَ : إِنَّ عَظَيَمُ الْأَخْدِ الْمَعَ عَظِيمِ الْلَهُ وَمَا أَحَبَ اللهُ قُومًا إِلاَّا ابْتَالْاهُمْ .

۳۔فرمایا حفرت الوعبدالشرعلیہ السلام نے جتنی معیدیث زیادہ ہوگی آشا ہی اجرزیادہ ہوگا خداجن لوگوں کودوست رکھناہے ان کومعیدیت پر هفرور مبتلاکرتا ہے۔

٤ - عَلِي بْنُ إِبْرُاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ؛ وَعَدَّبْنُ إِسْمَاعِبِلَ ؛ عَنِ الْفَصْلِبْنِ شَاذَانَ ، جَميعاً ، عَنْ حَمَٰ ادِبْنِ عَسِىٰ ، عَنْ رِبْعِيّ بْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ فُضَيْلِبْنِ يَسَارٍ، عَنْ أَبِي جَعْفَر إِلِيهِ قَالَ : أَشَدُّ النَّاسِ بَلا اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَر إِلَيْهِ قَالَ : أَشَدُّ النَّاسِ بَلا اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَر إِلَيْهِ قَالَ : أَشَدُّ النَّاسِ بَلا اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَر إِلَيْهِ قَالَ : أَشَدُّ النَّاسِ بَلا اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَر إِلَيْهِ قَالَ : أَشَدُّ النَّاسِ بَلا اللهِ اللهُ اللهِ الله

٧- فرايا حفرت ١١م محمد با قرعليد الدام في لوكول من سب سد نيا ده معيست انبيا ريدا قى سع مجواد مسادم بجر

درج بدرجب لومنسين ير-

٥ - عِذَةٌ مِنْأَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنِ ابْنِ رِثَابٍ ، عَنْأَبِي بَصِيرِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ فَالَ : إِنَّ لِللهِ عَزَ وَجَلَّ عِبْاداً فِي الْأَرْضِ مِنْ خَالِسِ عِبْادِهِ مَا يُنْزِلُ مِنَ السَّمَا وَيَحْفَقُهُ عَنْ أَبِي عَبْدِهِ مَا يُنْزِلُ مِنَ السَّمَا وَيَحْفَقُهُ إِلَى عَبْدِهِمْ وَلا بَلِيَّةٌ إِلاَّ صَرَّفَهُا إِلَيْهِمْ .
 إِلَى الْأَرْضِ إِلاَّ صَرَفَهُمْ إِلَى غَيْرِهِمْ وَلا بَلِيَّةٌ إِلَّا صَرَّفَهُا إِلَيْهِمْ .

۵-فرایا ابوعبدالله علیدانسلام نے فداکے کچوفانس بندے دوئے زمین پرجی جب آسمان سے کو کُ تحفر دمین پر نازل ہوتا ہے تواس کو مومنین سے ہٹا کرد دسروں کی طرت لوٹا دیا جا آئے ہے اور جب بلانا زل جوتی ہے تواس کا کُسّے مومنین کا لوت کر دیا جا تاہے دیراس لئے ہوتا ہے کرمومنین کے مراتب ہیں اضافہ ہوا در ان کے مراتب بڑھانے کا سبب پیدا ہو۔)

٢ ... عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبَدِينِ خَالِدٍ ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عُبَيْدٍ ، عَن أَحْمَدَبْنِ عُبَدْ ، عَن أَحْمَدَبْنِ عُبَدْ اللهِ عَنْ أَحْمَدَ مِن عُبَدْ اللهِ عَنْ أَحْمَدُ مَن عُبَدْ اللهِ عَلَيْ اللهَ عَنْ أَحْمَدُ مَن عُبَدًا فَقَدُ مُ الْبَلَامُ عَنْ أَوْ اللهَ إِذَا أَحَبَ عَبْداً غَشَّهُ بِالْبَلَامُ عَنْ أَوْ إِنَّ اللهَ إِذَا أَحَبَ عَبْداً غَشَّهُ بِالْبَلَامُ عَنْ أَوْ إِنَّ اللهَ إِذَا أَحَبَ عَبْداً غَشَّهُ بِالْبَلَامُ عَنْ أَوْ إِنَّ اللهَ إِذَا أَحَبَ عَبْداً غَشَّهُ بِالْبَلَامُ عَنْ أَوْ إِنَّ اللهَ إِذَا أَحْمَدُ مِن عُنِيلًا عَنْ أَلِيلًا أَنْ أَنْ أَنْ أَنْ أَلُوا لَا عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ إِذَا أَحْمَدُ مِنْ أَنْ اللهَ إِذَا أَحْمَدُ مِنْ أَنْ عُلَالًا عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللّهِ اللهِ الل

۱ - فرطیا الوعب دالنتر علیا اسلام نے جب کہ ان کے پاس سدیر بسیطے تھے جب الندکسی کو دوست رکھتا ہے تو اسے کسی مصیبت میں غناک بنا ویتا ہے اسے سدیرہم ا درتم اسی حالت میں میسے وشام کرتے ہیں -

٧ - عَنْ أَبْهُ يَحْيَى ، عَنْ أَخْمَدُ بْنُ عَنِيْ عَبْسَى ، عَنْ عَيْرِ بِنَانِ ، عَنِ الْوَلْهِدِ بْنِ عَلامٍ ، عَنْ حَشَادٍ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ عَلَمْ اللّهِ عَلَمْ اللّهِ عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ عَالَ : إِنَّ اللهَ تَبَارَكَ وَ تَعَالَى إِذَا أَحَبَ عَبْدَاعَتُهُ بِالْبَلامِ عَنْ أَلَى اللّهِ عَنْ أَلِيلًا عَنْ أَوْدَ وَتَعَالَى اللّهِ شَجَا مَ فَإِذَا وَتَعَلَى ذَلِكَ لَقَادِدُ وَتَجَدّ بِاللّهِ شَجَا ، فَإِذَا دَعَاهُ فَالَ : لَبَنْ عَبْدَي لَئِنْ عَجَدَلْتُ لَكَ مَاسَأَلْتَ إِنّي عَلَى ذَلِكَ لَقَادِدُ وَلَئَن ادّ خَرْتُ لَكَ فَمَا ادّ خَرْتُ لَكَ فَهُو خَيْرٌ لَكَ .

٨ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ زَيْدِ الزَّرِّ الْهِ ، عَنْأَبِي عَبْدِاللَّهِ عَلَى الْبَالَا ، فَاذَالُحْتِ اللهُ عَبْداً ابْتَلَاهُ بِمَظْبِمِ الْبَلا، فَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ عَظْبِمُ الْجَزْآ، ، فَإِذَا أَحَبَ اللهُ عَبْداً ابْتَلاهُ بِمَظْبِمِ الْبَلا،

فَمَنْ رَضِيَ فَلَهُ عِنْدَاللَّهِ الرِّضَا وَمَنْ سَخِطَا لَبَلاَّمَ فَلَهُ عِنْدَاللَّهِ السَّخَط.

۸۔ فرایا الوجد الشرعلیات لام نے کر فرایا رسول الشرنے سبسے بڑی معیبت کابدائیمی بڑا ہی ہوتاہے جباللہ میں بندے کو محی بندے کو دوست رکھتاہے توسخت بلایں بہتلاکر کہ ہے ہیں جواس پرراضی ہوگیا تو خدا بھی اس سے رانی ہوتاہے اور جو تا خش جوا خدا بھی اس سے تا داخل دیہتا ہے۔

٩ عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ نُحْبَهِ ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ ذَكَرَيْنَا بْنِ الْحُرْ ، عَنْ جاير بْنِ يَزْبِدُ
 عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ بِهِ إِنَّالًا : إِنَّمَا يُبْتَلَيَ الْمُؤْمِنُ فِي الدُّ نَبَا عَلَىٰ فَدْرِد بِنِهِ أَوْقَالَ : عَلَىٰ حَسَبِ دبِنِهِ .

٩-فرمايا ١١م محمد با قرعليدانسلام نه دنيا مي مومن بقدرا فيه دين كم مبتلاكيا جا تسبيد اور ايت مي سبعد حسب دين -

١٠ عَنْ أَعْجَابِهُا ، عَنْ أَحْرَدَبْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ ، عَنْ تُعَدِّبْنِ الْمُشَتَّى الْمُشَتَّى الْحَشْرَمِيّ ، عَنْ عَنْ أَعْدِبْنِ الْمُشَلِيمْ الْمُؤْمِنُ بِمَنْزِلَةِ كَعَنَّةِ اللهِ عَنْ أَعْدِبْنِ مُسْلِم الْمَبْدِيّ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ: إِنَّامَا الْمُؤْمِنُ بِمَنْزِلَةِ كَعَنَّةِ الْمَبْزَانِ ، كُلَمَا ذَيْدَ في إِيمَا نِهِ ذَيْدَ في اللهَ عَنْ اللهُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ عَاللهُ عَلَا اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْمَا عَلَيْهِ عَلَقَا عَلَمْ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ

-۱- فرایا حفرت امام ابومبدالشرطبالسام نے مومن مثل ترازو کے بیّہ کے ب رجننا ایمان زیادہ ہوتاہے اتنی میں معینبت زبادہ ہوتی ہے۔

١١ ــ عَلِيُّ بِنُ إِبْرَاهِمِمَ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ أَبِنِ أَبِي عُمَيْرٍ، عَنْ أَبِي أَيَّتُوبَ ، عَنْ عَيَبْنِ مُسْلِمِ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ يَقُولُ : المُؤْمِنُ لايمَضَى عَلَيْهِ أَرْبَعَوْنَ لَيْلَةً إِلاَّعَرَضَ لَهُ أَمَرٌ يَحَرُّنُهُ ، يُـذَكَّرُ يهِ.

۱۱۔ فرمایا ۱ مام جعفوصا دق علیہ اسسلام نے کرمومن پرچالیس دن نہیں گزرتے کہ اس کو کوئی ایسا امرعارض ہوتا سیسے جواس کومحزوں بنا دیتلہے۔ اور اس کی باومیں رہتاہے ر

الشان جليم المنظمة الم

۱۱-۱۱ وی کہتا ہے میں فی حفرت امام جدنے صداد تی علیدانسدام سے کہا کہ مغیرہ کہتا ہے کہومن جذام اور برحق فی وہ اس میں مبتلانہیں ہوتا۔ فر مایا وہ غافل ہے صاحب یاسین (عبیب النجار) کے حال سے جومون تھا (سورفیس میں اس کا ذکر ہے) پھرامام نے اپنی انگلیوں کو موڑ کر تبلایا کہ اس طرح اس کی ارحق انگلیاں رہ کئی تھیں بجرفر مایا گویا میں در بچھ راہموں اس کی آدی انگلیوں کو جو جزام سے گرگئ تھیں روہ اس انطاکیہ کے پاس آئے ان کو عذا ب المی سے ڈر ایا۔ دومرے روز کی جومیح کو انعیں سجم انے گئے تو انھوں نے قس کر دیا ربیر فرمایا۔ مومن ہر بلا میں مبتلا ہم تا ہے اور مرطرے کی موت مراہے گریے کہ ترک تقیہ سے وہ اپنے آپ کو ہلاک نہیں کرتا۔

١٣ _ عِذَةٌ مِن أَصْحَايِنَا ، عَن أَحْمَدَ بِن أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَن أَبِهِ ، عَنْ إِبْرَاهِهِمَ بِن عَمْمِ اللهُ مُعَرِيّ عَنْ عُبَيْدِ بِنِ رُزْارَةَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ يَقَوُلُ : إِنَّ الْمُؤْمِنَ مِنَ اللهِ عَنَّ وَجَلَّ لَبَأْ فَضَلِ مَكَانٍ مَكَانَا لَهُ وَهُوَ يَحْمَدُ اللهُ عَلَى ذَٰكِ مُ مَنْ يَنْزِعُ نَفْسَهُ عُضُواً عُضُواً مِنْ جَسَدِهِ وَهُوَ يَحْمَدُ اللهَ عَلَى ذَٰكِ .

۱۳ فرایا حفرت الوعبد الشعلیدالسلام نے مومن الله کی طرف سے مرا تبدین فضیلت رکھتلہے۔ بینین مرتب فرایا ۔ فعدا اس کوبلایں مبتد کا کہ کہاں جب ایک ایک عضوے تکلی ہے تو وہ اس پراللہ کی حمد کرتا ہے۔

١٤ - عُنَّابُن يَخْلَى ؛ عَنْ أَخْمَدْبْنِ عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكْمِ ، عَنْ فُضْيْلِ بْنِ عُنْمَانَ
 عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِي قَالَ : إِنَّ فِي الْجَنَّةِ مَنْزِلَة لا يَبْلُغُهُا عَبْدٌ إِلاَ بِالْإِبْلَام في جَسَدِه .

۱۲۰ قرایا الومیدا لشه طیال الام نے کرجنت میں ایک امنزلت بیے جے انسان نہیں پانا جب یک اسس کا جم مبتلا ہے معیست نا بھو۔

١٥ - عِدَّةٌ مِنْأَصْحَابِنا ، عَنْأَحْهَدْبْنِ عَلَيْنِ خَالِدٍ ، عَنْأَبِدٍ ؛ عَنْ إِبْرَاهِهِمَبْنِ عَلَيْلاً شُقرِينَ عَنْ أَبِي يَعْفُورٍ قَالَ : شَكَوْتُ إِلَىٰ أَبِي عَبْدَاللهِ يَعِلا مَا ٱلقَيْمِنَ الْأَوْجاعِ عَنْ عَبْدَاللهِ بَنِ عَبْدَاللهِ لَوْ يَعْلَمُ الْمُؤْمِنُ مَالَهُ مِنَ الْأَجْدِ فِي الْمَصَائِبِ لَتَمَنَّىٰ أَنَّهُ مِنَ الْأَجْدِ فِي الْمَصَائِبِ لَتَمَنَّىٰ أَنَّهُ عَنْ بِالْمَعْادِ بِينِ .
 قُرِ مَن بِالْمَعْادِبِينِ .

ارا بی یعفور خصف اما جعفوسادتی علیالسلام ہے ہینے اس در دوغم کی شرکایت کی جوستقل طور پر دیتے ہیں۔ کی افرایا اے عبداللہ اکر مومن یہ جان ہے کہ مصائب ہیں اس کے لئے کیا کیا اجر ہیں تو خرور وہ اس کی تمنا کرے کہ تعنیج ہوں سے اس کی کا بدن کاٹ ڈوالا جلائے۔

الشانيان المحالمة الم

١٦ . عَنْ يَوْنُسُ بِيَعْنِي ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَنْ عَنْ أَخْبَهُ ، عَنْ عَنْ غَنْ اللّهِ اللّهِ عَنْ يُونُسَ بْنِ رِبَاطٍ قَالَ : سَمِعْتُ أَبًا عَبْدِاللّهِ عَلَيْكَ إِنَّ أَهْلَ الْحَقِ لَمْ يَزَالُوا مُنْذُ كَانُوا في شِدَّةٍ ، أَمَّا إِنَّ ذَٰلِكَ إِلَىٰمُدَّةٍ قَالِمَةٍ وَعَالِمَةٍ وَعَالِمَةٍ طَويلَةٍ .

۱۹- دا وی کمتلہے میں نے حفرت الوعبد الشرعلیہ السلام سے سناکہ الماحق بمیشر سختی میں رہتے ہیں بیسنحتی کم عن رہتی ہے۔ ایسکن عافیت ان کی طویل ہوتی ہے۔

١٧ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ ، عَنِ الْحُسَيْنِ بْنِ الْمُخْتَارِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ عَنْ أَبِيهِ عَنْ أَبِي جَفْقِرِ عِلِيلِ قَالَ : إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ لَيَتَمَا هَذُالْمُؤْمِنَ بِالْبَلاهِ كَمَا يَنْعَاهَدُ الرَّ جُلُ مَنْ عَنْ أُبِي جَفْقِرِ عِلِيلٍ قَالَ : إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ لَيَتَمَا هَدُ الْمُؤْمِنَ بِالْبَلاهِ كَمَا يَنْعَاهَدُ الرَّ جُلُ أَهْدَ بِالْهَدِينَةِ مِنَ الْفَيْبَةِ وَيَحْمِيهِ اللَّهُ نَبْا كَمَا يَحْمِي الظَّبِبُ الْمَربِينَ .

ارفرایا امام محدیا قرعلیرانسلام نے کرانٹرتعال موس سے بلاکامعالمرہ اسی طرح کرتا ہے جیسے کوئی شخص اسپنے اہلے ہو بحالت فیبت بدیہ چیمینے کا معالم ہ کرتا ہے اورانٹرموس کو دنیاسے اسی طرح ہجانا چا ہتا ہے جیسے طبیب اسپنے دلفن کو ہرس سے ڈ کی جرایت کرتا ہے۔

١٨ عَلِيْ ،عَنْ أَبِهِ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ الْمُغيرَةِ ، عَنْ عَبْرِينِ يَحْيَى الْحَنْمَوِي ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ اللهُ الْمُغيرَةِ ، عَنْ عَبْرِاللهُ الْمُؤْمِنِ مِنْ هَنَاهِ اللهُ أَلْمُؤْمِنَ مِنْ هَنَاهِ اللهُ أَلْمُؤْمِنَ مِنْ هَنَاهِ اللهُ أَلْمُؤْمِنَ مِنْ هَنَاهِ اللهُ أَلْمُؤْمِنَ مِنْ هَنَاهِ اللهُ أَلَاثُهُ الْمَنْهُ الْمَنْهُ مِنَالِمَالُ مَنْ هَنَاهِ اللهُ الله

۱۸ میں ف ابوعبد الشرعلیالسلام سے سناکرا للرتعانی بندہ مومن کو ذبیوی تسکلیف سے الن دیتانہیں بک اس کو بچا کہ بے دنیایں کورباطنی ا در ہخت ک برختی سے ۔

١٩ _ عَلِيُّ بِنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِيهُ عَنْ حُسَيْنِ بْنِ نَعَيْمِ الشَّحْ افِ، عَنْ ذَرِيحِ المُحَادِيقِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لَلْقِيْلُ قَالَ : كَانَ عَلِيَّ بْنُ الْحُسَيْنُ الْفِظْاءُ يَقُولُ : إِنَّي لَأَكْرَ وُلِلزَّ جُلِ الْمُحَادِيقِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لَلْجَالِمُ قَلْ اللهُ عَلَى عَنْ الْمُحَادِيقِ ، عَنْ أَبِي اللهُ نَيْا فَلايصُيْبُهُ شَيْءٌ مِنَ الْمَصَائِبِ .

١٩ ـ فوايا الم جعفر صادق عليه السلام في كم على بن الحسين عليها السلام فواق تقد كريس كمى كه الم يسندنها ي كرتاكه وه دنيا مين عافيت سارجه اورمعائب ساكو في في اس مك ندييني -

٢٠ _ عِدَّ أَهْ مِنْ أَمْخُ ابِنَا، عَنْ أَخْمُدَ بْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ نُوحِ بْنِ شُعَبِ ، عَنْ أَبِي داؤدَ الْمُسْتَرِقِ

رَفَهُ فَالَ: قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عِنْهِ اللهِ عَلَيْهِ وَعَيَاللَّهِ وَالْمَعْمَ اللَّهِ عَلَيْهِ وَلَمْ تَسْفُطُ وَلَمْ تَسْفُعُ عَلَيْهِ وَلَمْ تَسْفُطُ وَلَمْ تَسْفُعُ عَلَيْهِ وَلَمْ عَنْهُ وَلَمْ تَسْفُقُ عَلَيْهِ وَلَمْ تَسْفُقُ عَلَيْهِ وَلَمْ اللَّهِ وَلَمْ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَيْهِ وَلَهُ اللَّهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَهُ اللَّهُ وَلَهُ وَلَهُ اللَّهُ وَلَهُ وَلَا اللَّهُ وَلَهُ وَلَمْ اللّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللّهُ وَلَهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَهُ اللّهُ وَلَهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَا الللَّهُ وَلَا الللللَّهُ وَلَا اللللَّهُ وَلَا الللَّهُ وَلَا اللللَّهُ وَلَا الللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلَا اللَّهُ وَلِي اللللَّهُ وَلَا اللللَّهُ وَلَا اللللَّهُ اللَّهُ وَلَمْ الللللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللللَّهُ اللَّهُ وَلَا اللللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَلَمْ اللَّهُ وَلَمْ اللللَّهُ اللَّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

٢١ ـ عَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ عُنْمَانَ ، عَنْ عَبْدِالرَّ حْمْنِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللّهِ عَبْدِاللّهِ عَبْدِاللّهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللّهِ عَلْمَ اللّهِ عَلَى عَنْ أَبِي عَبْدِاللّهِ عَلْمَ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّ

سے کوئ سرو کارنہیں یعن وہ کوئی موسی نہیں۔

٧١- فرمايا الوعبدالله عليه السنوم في كريون النثر في فرما يا جوري مال ادر بدن مي كون فقعمان نهين بيهيا - النوكا امس عند كونى سروكا دنهين -

٢٢ - عَنْ عُمْمَانَ النَّوْالِهِ عَمْنَ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ عُنْهِ ، عَنْ عُمْمَانَ النَّوْالِهِ عَمْنَى ذَكَرَهُ عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ عُمْمَانَ النَّوْالِهِ عَمْنَى ذَكَرَهُ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى اللَّهُ عَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى عَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى عَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى عَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى عَمْلِهِ وَعَلَى عَمْلُهُ وَلِي اللَّهُ عَلَى عَمْلُهُ وَلَهُ عَمْلُهُ وَلَهُ عَلَى عَمْلُهُ وَلِي عَلَيْهُ وَعَلَى عَلَى عَمْلُهُ وَلِهُ عَلَى عَمْلُهُ وَلَهُ عَمْلُهُ وَلَهُ عَلَى عَلَامُ عَلَى عَمْلُهُ وَلَهُ وَلَهُ وَلِمُ عَلَى عَلَى عَمْلُهُ وَلَهُ عَلَى عَلَى عَمْلُهُ وَلَهُ عَلَى عَلَى عَمْلُهُ وَلَهُ عَلَى عَمْلُهُ وَلَهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَمْ عَلَى عَلَى عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَى عَلَمْ عَلَهُ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ

۲۷۔ فرمایا الج عبد الشرعلیوالسلام نے کہ اللاقال بہتلاکرتکہے ہرمومن کوہر بلامیں خبلا کر تاہے ہرافردہ کہ معیدست ہمیں ایکن سلب عقل میں جہتلائی ہمیں جائے کہ الدوار اولاد واہل اور ہرشے ہے الجیس کو مسلط کیا ہی کہ تقل پر مسلمان کیا اور یہ اس ہے کہ توجید الہی پر شام رہی اور لوگوں کو اس کا دوس دیتے رہیں -

٣٣ _ 'خَذُ بْنُ يَحْيَى ، عَنُ أَحْمَدَبْنُ عَيْبِن عِيسَى ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عُفْبَةَ ،عَنُ مُلِيّانَ بِنْ عُفْبَةَ ،عَنُ مُلِيّانَ بِنْ عُفْبَةَ ،عَنُ مُلِيّانَ بِنْ عُلْبَالُمْ الْمُؤْمِنُ لِلْمَبْدِ مَشْرِلَةٌ عِنْدَاللهِ فَمَا يَنَالُهُمْ الْمُؤْمِنُ اللّهُ اللّ

خَمْلَتَيْنِ إِمَّا بِنَهَابٍ مَالِهِ ، أَوْبِبَلِيُّةٍ فيجَسَدِهِ .

۲۳ - فرا ۱۱ ابوعِدا للزمليالسلام نے عندا للزبندہ کی ايک منزلت بيرجس کودہ نہيں يا بار مگر دوخصلتوں ميں سے ايک سے يا تو ما فئ لقعان سے ياچسا نی تمليع سنے ۔

٢٤ . عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ فَعَثَّالِ ، عَنْ مُنَتَّى الْحَثَّاطِ 'عَنْ أَبِي السَّامَةَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ مُنَتَّى الْحَثَّاطِ 'عَنْ أَبِي السَّامَةَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ مُنَتَّى الْحَثَّاطِ 'عَنْ أَبِي السَّامَةَ ، عَنْ إِلَيْ اللَّهُ عَلَيْهِ لِعَسَابُ وَ رَبِّنَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللْمُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُلِلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللِّهُ اللللْمُ اللَّهُ الللْمُلْمُ اللَّهُ اللِّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ ال

٧٧٠ فرایاسفرت الجرعبد الشرطیرالسلام نے کرفدائے عدیث قدس میں فرایا اگر میرسے بندتہ مومن کا دل اس سے المدویکس شہرت آؤس کا فریک مربر لوہے کا ایسا عدایہ باندھٹا جس سے اس کے سرس کہی درد نہیں تا (بعنی کا فرک بیر دا حدث آخرشنام بیس اس کے نے باعث عذاب ہوڈ ٹی مگرچ نکربندہ مومن اس سے اس حال کو دیکھ کرمنم میں ہم آبا لمذاہیں ایسا تہیں کرتا) ۔

٢٥ - عَلِيُّ بَنُ إِبْرَاهِمِمَ عَنْ أَيِهِ ، عَنِ أَبِياً مِي مُعَيْرِ ، عَنْ خَسَقِ بَنِ عُنْهَانَ ؛ عَنْ عَبْدَاللهُ بْنَ مُسَانَ ، عَنْ أَلْمُوْمِن كَمَثَلِ خَامَةٍ مُسَانَ ، عَنْ أَلْمُوْمِن كَمَثَلِ خَامَةٍ مُسَانَ ، عَنْ أَبِي بَصِيدٍ ، عَنْ أَلِهُ وَيَعْلِ عَلَى اللهُ اللهُ وَلَا اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ وَعَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ وَالا مَرَاهُنُ ، و مَثَلُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ وَالا مَرَاهُنُ ، و مَثَلُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ وَالا مَرَاهُنُ ، و مَثَلُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْهُ اللهُ ا

عهد قرایاصفرت الجرمیدان شمایدارسام نی که دس ان انشدند فرایا کوموس که شال نشته بودے که چیرجی بوا پیم کمیسی ادبر چی ادریسی آدبر بیمان آنی به ادراسی طرح مومن کومفسط رب به اشترای - ورد الدام دامش اور منافق کی مشال لوسیعے کی چرمی کسی ہے۔ آگا کہ ک کُ شفارے وکست نہیں دیتی - لیتنے برایت اس کو منا فرقشت سے باز شہیں رکھنی تا اینکہ مورت اس کر بوری طرح تو ڈکرر کی ت

٢٠ - عَنْيُ بِنُ إِبْرَاهِمِمُ ، عَنْ هَارُونَ بِنِ مُسْلِم ، عَنْ مَسْعَدَة بَنِ صَدَقَة ، عَنْ أَبِي عَبْدِالله عليه الله عَنْلَ مَالِ لَا يَرُ كَثَى ، مَلْعُونَ كُلُّ حَسَدِ لاَ يُرَكَى عَلَمُونَ كُلُّ مَالِ لاَ يَرُ كَثَى ، مَلْعُونَ كُلُّ حَسَدِ لاَ يُرَكَى كُلُ مَالِ لاَ يَرُ كَثَى ، مَلْعُونَ كُلُّ حَسَدِ لاَ يُرَكَى كُلُ مَالِ لاَ يَرُ كُنُى الله لاَ يَكُونُ كُلُ مَالِ لاَ يَرُ كُنُ مَالِ لاَ يَرُ كُنُ مَا الله فَقَدْ عَنَ فَنَاهَا فَمَا ذَكَا أَلْمَالِ فَقَدْ عَنَ فَنَاهَا فَمَا ذَكَا أَلْمُ كُنْ عَلَى الله فَمَا لَا عُمِن مَا عَنْهِ لَهُ وَيُمُونُونَ وَمُعْلَقُولِ ؟ قَالُوا الله الله وَلَا الله وَالله عَنْهُ مَا الله وَيُمْلُ الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَى الله وَلَا الله وَلَى الله وَلَا الله وَلَالُولُ الله وَلَى الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَا الله وَلَى الله وَلَا الله وَلَى الله وَلَا الله وَلَا

مقصدیہ ہے کو ابتلاسے ان ان کو تری مسلامیتوں کا استحان ہوتا ہے میسری آنداکش ہوتی کو فرق کی اندائش ہوتی کو فرق ا کو فرق نے اس بے اس بے تسلوب میں رقت اور نری پیدا ہوتی ہے اس بے مراتب ہیں اضافر ہوتا ہے اس انے اللہ تعالیٰ تعویرے تقویرے وقعے اس کا استحان بیتنا رہتا ہے تعدی کم سے کم چالیس دن میں ایک بار۔

٢٧ ـ أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَسَنُ عَبْدِالْجَبْنَارِ؛ عَنِ ابْنِ فَضْالٍ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ قَالَ : مَالْتُ أَبًا عَبْدِاللهِ إِلَيْهِ أَيْمُنْلَيَ الْمُؤْمِنُ وَالْجُذَامِ وَالْبَرَصِ وَ أَشْبًاهِ هَذَا ؟ قَالَ : فَقَالَ : وَ هَلْ كُنِبَ الْمُؤْمِن .
 ألبَلا إلا عَلَى المُؤْمِن .

علاحفرت الوميدا للدهليالسلام سے إدھاكياكيا مون جذام ويرص مي مبتلا بوتليد مشروايا استا توسيم كى دي .

حَدْدِاللهِ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِبِم ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ ابْنِأَبِي عُمَنْدٍ ، عَمَّنْ رَوْاهُ ، عَن الحَلْبِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى أَلْهُ الْجَنَّةَ بِمَا فَبِهَا أَعْطَاهُ ذَلِكَ مِنْ غَيْرِ أَنْ يَنْتَقِصَ مِنْ مُلْكِهِ شَيْئًا وَإِنَّ الْكَافِرَ لَيَهُونُ عَلَى اللهِ حَنْى لَوْسَأَلَهُ اللهُ نَبَايِمًا فَبِهَا أَعْطَاهُ ذَلِكَ مِنْ غَيْرًأَنْ يَنْتَقِصَ مِنْ مُلْكِهِ شَيْئًا وَإِنَّ اللهُ لَيَتَهَاهَدُ عَبْدَهُ الْمُؤْمِنَ بِالبَّاء كَمَا يَنْعَاهَدُ الْعَائِبُ أَهْلَهُ بِالظُّرَفِ فَيْرًانْ يَنْتَقِصَ مِنْ مُلْكِهِ شَيْئًا وَإِنَّ اللهَ لَيَتَهَاهَدُ عَبْدَهُ الْمُؤْمِنَ بِالبَّاء كَمَا يَنْعَاهَدُ الْعَائِبُ أَهْلَهُ بِالظُّرَفِ وَإِنَّ اللهُ لَيَحْمِي الطَّبِبُ الْمُرْبِضَ .

المراد و المراد الترعلية المراد المراد المراد المرد و المرد و

CHANGE CONTROLL OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PARTY

٢٩ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ أَبِنِ مَحْبُونٍ ، عَنْ سَمَاعَةَ ، عَنْأَبِهِ عَبْدِاللهِ إِلَيْ قَالَ : إِنَّ فِي كِنَابِ عَلِي بَلْ مَنْ أَنَ أَشَدَ النَّاسِ بَلاءُ النَّبِيثُونَ ، مُنْ الْوَصِيتُونَ، مُمَّ الْا مَنْ أَنْ أَشَدُ النَّاسِ بَلاءُ النَّبِيثُونَ ، مُمَّ الْوَصِيتُونَ، مُمَّ الْا مَنْ أَنْ اللهُ عَنْ يَبْتُلَي الْمُؤْمِنُ عَلَى اللهِ الْحَسَنَةِ ، فَمَنْ صَحَّ دَبُنهُ وَحَسُنَ عَمَلُهُ الشَدَّدَ بَلاؤُهُ ، وَذَٰلِكَ أَنَ اللهُ عَنْ وَجَلَ لَمْ يَجْعَلِ الدُّ نَيْا ثَوْ ابالْهُؤْمِنِ وَلا عُقُوبَةً لِكَافِرٍ ، وَمَنْ سَخُفَ دَبِنْهُ وَضَعُفَ عَمَلُهُ قُلَ بَلاؤُهُ ، وَإِنْ البَيْوِ مِنَ المَعْدِ إِلَى قَرادِ الْأَرْضِ .
البلاء أَسْرَعُ إِلَى المُؤْمِنِ التَّقِيْ مِنَ الْمَعْدِ إِلَى قَرادِ الْأَرْضِ .

٣٠ عُمْرُ بُنُ يَخْبَى، عَنْ أَحْمَد بَنِ عَبْدَاللهِ عَلْمَيْنِ عِبْسَى، عَنْ عَلِيّ بْنِ ٱلْحَكَمِ ، عَنْ هَاللّٰكِ بَنِ عَطِيّةً ، عَنْ يُونُسُ بَنِ عَمْلِ قَالَ : قُلْتُ لا بِي عَبْدَاللهِ عَلَيْنِكُمْ : إِنَّ هَذَا اللّٰذِي عَهْرَ بِوَجْبِي يَزْعُمُ السَّاسَ أَنَ اللهُ لَمْ يَمْنَى بِهِ عَبْدًا لَهُ فَهِهِ حَاجَةٌ ، قَالَ : فَقَالَ لِي : لقَدْكُانَ مُؤْمِنُ آلِ فَرْعَوْنَ مُكَنَّعَ ٱلا صَابِعِ فَكَانَ يَقُولُ هَكَذَا . وَيَمْدُ بُدَيْهِ _ وَيَمْوُلُ : فِياقَوْمِ اسْمِعُوا الْمُرْسَلِينَ ، ثُمَّ قَالَ لِي: إِذَا كَانَ النَّلْكُ ٱلا حَبْرَةِ مِنَاللّلِلْ فِيأَوْ لَهِ فَنُوضً وَقُمْ إلى صَلابَكَ النّي تُعْلَيْ إلا حُمْنُ بَارَحْمِ يَاسَاهِ عَلَا يَعْلَى الْمُدْلِقِ اللّٰهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

۳۰ ۔ یونس بن حمادرا دی سے مریس نے امام جعفر صادق علیدالسلام سے کہا ہرے چرسد پر چربیس کے داغ ہیں وکٹ مگسات کرتے ہیں کو النزلقا کی اینے اس عبد مومن کوجس سے دینی فوٹن وابستہ ہو، ایسے امراض میں بنتران نہیں کڑا ۔ فرما یاموس آل فرعون حبیب منجارکی آنگلیاں جغام میں گڑی تھیں وہ ایسی ہی بایش کڑتا تھا کہ دونوں ہا تھا کھا کہتا تھا۔ لوگرا عیدی کے بیجے ہوئے دسولوں

کی پیروی کردر میچرسندا یا جب و دتبائی دات گزدجائے تواس سے ابتدا ئی صفیعی وضوکو وا وداس نماذ کے ہے محرے ہوجا وُ جو پڑھا کرتے ہوجب بہلی و درکعتوں کے سبحدہ آخریں جاڈ توسیوہ ہیں کہو۔ اسے علی دعیتم اور دکئن ودجم ڈاٹ ، اسے وعالی کے سینے والے اور اسٹرنیکیوں کے عطا کرنے والے رحمت نازل کر گڑد آل کڑڈ پر، اور مجھے دنیا دآخرت کی بہتری عطا کرتو ہی اس کا اہل ہے اور میری وس نکلیف کودور کر اوراس تکلیف کا نام ہے۔ اور کہو۔ اس نے چھے پریشان ورتجہدہ کردیا ہے اور وقت دعا الحلات و زاری کر۔ دادی کہتا ہے۔ ہیں نے برجمل کیا۔ جب کو فرہنج آتوں پری سب ڈکلیف داد دہو چکشی۔

دوسوينشيوال باب

فقرار المسلمين (باب) هسر ه (فضل فقراء العُسلمان)ه

٢- عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ شَعْدَانَ قَالَ: قَالَ أَبُوعَيْدِالله عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ شَعْدَانَ قَالَ: قَالَ أَبُوعَيْدِالله عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ شَعْدَانَ قَالَ: قَالَ أَبُوعَيْدِالله عَنْدَالله .
 الْمَصَائِبُ مِنْحٌ مِنَ اللهِ وَالْفَقْرُ مَخْزُونٌ عِنْدَالله .

٧- نوطا حضرت الوعيد الترعليه إصلام في معالب عطيت فدائي اور فقرى عند الشرخ ان كي بي عب كا ايك دن

ا جرعنطيم لمے گا۔

٣- وَعَنْهُ رَفَعَهُ ، عَنْ أَمِي عَبْدِاللهِ غُلِيَكُمُ قَالَ : قَالَ رَسُّولُ اللهِ بِللْخِلَةِ: يَاعَلِيُ إِنَّ اللهَ جَمَلَ أَنْمَقَرَ أَمَانَةً عِنْدَ خَلْقِهِ ، قَمَنْ سَتَرَهُ أَعْطَاهُ اللهُ مِثْلَ أَجْرِ الشَّائِمِ الْقَائِمِ وَمَنْ أَفْشَاهُ إِلَى مَنْ يَقْيُرْعَلَى فَشَاهِ خَاجَتِهِ فَلَمْ يَفَعْلُ فَقَلْهُ بِهِ أَلْمَالُهُ مِ مُا قَنْلَهُ مِسْمِهِ وَلارُمْجِ وَلاَئِنَّهُ فَتَلَهُ بِهِا نَكَىٰ مِنْ قَلْهِ .

۳ فرمایادسول الله نے اسے علی افدانے تقرکو اپنے بندوں کہ پاس امانت رکھ اپنے جد اسے بھیا تا د ہا اللہ اسسس کر قائم اللیل وصائم کا اجرع طافر اسے گا اورص نے اس پرجرحاجت بر لانے وا لاسے اپنی منزورت ظاہر کروی اور اس نے ہوری نہی قواس نے اس ممتنا مے کوفتر کرویا مگر کواد یا نیزہ سے نہیں بلکر اس بھڑسے جس نے اس کے قلاب کر قداً دیا۔

عَنْ تَمْ عَنْ تَمْ يَنْ عَلِي، عَنْ دَاوُدَ الْحَدَّ إلى عَنْ تَمْ يَنْ مَنْ عَنْ جَدِّ هِ شَمَنْ . عَنْ مُفَسَّلِ قَالَ عَالَ أَبُو عَبْدِ اللهِ عَنْ عَنْ عَلَمْ الذَّادَ الْعَبْدُ إِنْهَا مَا أَذْدَادَ ضَيْمًا في مَمْ شَيْهِ .

۱۳ رفرا با حفرت ایومیدانند دلیرانسلام خیص قفرکی بشده کا ایسان زیاده موتکبیت اسی تشدد امسرکی دوزی تنگسیم قبهیت

٥ - وَبِإِسْنَادِوقَالَ: قَالَ أَبُوعَبْدِاللهُ عِلِي الْوَلاَ إِلْحَاجُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَى اللهِ طَلَبِ الرَّزْقِ الْمُقَلَّمُ وَنَ الْمُؤْمِنِينَ عَلَى اللهِ طَلْبِ الرَّزْقِ الْمُقَلَّمُ وَنَ الْمُؤْمِنِينَ عَلَى اللهِ اللهِ اللهُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَى اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ

۵ - فرایا حضرت ا پومیدالشرملیدانسدام نے اگرطلب رزق پس مومنین فداست الحاج وزادی شکری تو وہ ان کو ۱ ور زیاوہ تنگیستی ک طریب ہے جائے (تاکران کے مراتب آخرت ہی زیا دتی ہو)

مَنْهُ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ ، رَقْعُهُ ، قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهُ إِلَا : مَا عَطِيَ عَبْدُ مِنَ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ عَنْهُ إِلَّا اخْتِبَاراً .
 اغْتِبَاراً وَمَارُونِيَ عَنْهُ إِلَّا اخْتِبَاراً .

۱۔ فرایا ابوعبدالشرعلیہ السام نے نہیں دیا گیا بندے کوال دنیاسے مگراسے عیب ناک کرنے کے نے اور نہیں کم کیا گیا گراسے عیب سے بچانے کے لئے۔

٧ ـ عَنْهُ ،عَنْ نُوْحِ بِنْ شُعَبْبٍ وَأَبِي إِسْخَاقَ الْخَشَافِ ، عَنْ رَجُلٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللَّهِ تُطْلِكُمْ قَالَ:
 ﴿ لَيْسَ لِمُصَافِ شَهِقَتِنَا فَي دَوْلَةِ الْبَاطِيل إِلَّالْقَوْتُ ، شَرِ قُوا إِنْ يَتْنُتُمْ أَوْغَرْ بُوالنَّ تُرْذَقُوا إِلَّالْقُونَ .

ات زيام و على المعالم المعالم

ے رفوایا امام جعفرصا دن علیالسلام نے دولت دحکومت باطل میں ہمارے خالعی شیعوں کے لئے موٹ توت لاین تا ہے چلہ مشترق میں ہوں یا مغرب میں ان کا رزق وہی توت لاہوت ہوگا۔

٨ - عُمَّدُ بْنُ يَعْنَى، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَنْ عَنْ بَعْنِ مَنْ أَخَمَدَ بْنِ عَنْ عَنْ بَالْحَسَنِ الْأَشْعَرِيّ ، عَنْ بَعْنِ مَشَائِجِهِ ، عَنْ إِذْرَبِسَ بْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلَيْ فَالَ : قَالَ النِّبِي عِبْدِاللهِ عَنْ الْحَاجَةُ أَمَا نَهُ اللهِ عِنْدَ خَلْقِهِ إِذْرَبِسَ بْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلَى قَالَ : قَالَ النَّبِي عَلَى اللّهِ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلْمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَا الللّهُ عَلَا اللّهُ عَلَا اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ

۸-فرایا ابوعد الشرطیدالسام نے کو رسول الشرنے فرایا اے علی اماجت فداک امانت اس کی مختلوق کے اس جس نے اس مجمعی ایا ، فدا اس نماز گزار دن کا تواب علی کردیا جس نے اس جس نے اس جھی یا ، فدا اس نماز گزار دن کا تواب علی کردیا جس کے اور جس نے این ملائد میں ماجت بوری دی جو تواس نے گویا دس کو تشرکیا تیلوار دستان و تیرسے نہیں بلکہ اس کردیا ۔ سے محدث اس کا دل نکڑے کردیا ۔

و فرایا او مید الله طیراسیلم نے کہ فدائے تعالیٰ فقراد مومنین سے روز قیامت بطور عذر فحاہی کے فرائے گا تم ہے ہوئے کا قبم ہے پینوت وجلالی ہیں نے تعییں دنیا ہیں اس ہے محت کی نہیں کیا تخاکر تم ہیرے نزد کی دلیل سخصاب تم دیمیوئے کمتے ہیں تجہارے ساتھ کیا کرتا جوں جی نے تہیں دار دنیا ہی کھانا دیا تھاں کا ہاتھ پڑوا وہ جنت ہیں داخل کردا کے نعمی ان ہیں گائے دیا ہے کہ کا فیات والوں نے رفیات کا دنیا کہ طاف کھلے اچھا کھلے اچھا کھلے اچھا کھلے اچھا کھلے اچھا کھی دیے اور نے اس بہنا اچھے کھانے ایک کوئی وہ دنیا ہوں ہو اہل دنیا کو دیا تھا جب سے دنیا فتائم ہو کی اور ختم ہوئی ستر گئا ذیا ہو۔ The state of the s

١٠ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بِن زِيَادٍ ، عَنْ إِبْرَاهِهِمَ بْنِ عُقْبَةَ ، عَنْ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ سَهْلٍ وَ اللهِ عَنْ إِبْرَاهُهُم بَنِي عُقْبَةً ، عَنْ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ سَهْلٍ وَ إِلَى أَيْ عَبْدِاللهِ عَلِيلًا قَالَ : مَا كَانَ مِنْ وُلْدِا آدَمَ مُؤْمِنُ إِلَا فَعَبِراً وَلا كَافِرٌ إِلَا عَنْهِ إِلَى أَيْ عَبْدِاللهِ عَلْمَالُ : وَرَبَّنَالا تَجْعَلْنَا فِينَنَةٌ لِللّذِينَ كَفَرُوا ، فَصَيْتَرَاللهُ في لَمُؤلَّا ، أَمْوالاً وَخَاجَةً .
 هُؤلَّا , أَمْوالاً وَخَاجَةٌ وَفي لَهُؤلَّا , أَمْوالاً وَخَاجَة .

ارزوایا ا بوعبدالندُ علیدالسده منه اولادِ آدم می مومن فقریه اور کافرخن بهال تک کرابرا بیم کازاراً گیا و انفول نه کها پروردگاد اسم کوکا قرون کے مقابل آزاکش میں ندوال ، پس الشرخه ان کوجی مالدار بنایا اور حاجت مند اوران کوجی مالدارا ورحاجت مندر

١١ ـ عد من من أصحابنا ، عن أحمد بن غَلَدِ بن عن عن عنمان بن عبسى ، عَسَنْ دَكَرَ ، عَنْ عَنْمان بن عبسى ، عَسَنْ دَكَرَ ، عَنْ أَبِي عَبْدَالله عِلَمَ الله عَنْ أَبِي عَبْدَالله عَنْ أَبِي عَبْدَالله عَنْ أَلَى الله عَنْ أَبِي عَبْدَالله عَنْ أَلَى الله عَنْ أَلَى الله عَنْ الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ

اد فرہ اِحفرت الم جعفوصاد تی علیوا سلام نے ایک العار تزواحشنام کا اہلی ہے ہوئے دس کّ اللّہ ہے ہا آ ہا او آپ کے ہدئو میں شیخ گیا۔ ہوئے ہوئے اللّہ ہے ہوئے اللّه نے درس کُ اللّه نے فرایا کے ہدئو میں شیخ گیا۔ ہمرنے اپنے وامن سمیٹ نئے رسولٌ اللّه نے فرایا کی ہے ہے ڈوم واکر تیری امیری است مل جلٹے گئے ہے ڈوم واکر تیری امیری است مل جلٹے گئے ہے فرایا ہے کہ اور ہواکہ تیری امیری است مل جلٹے گئے ہے فرایا ہے کہ اور ہوائی گئے اس نے کہا تہمیں فرایا ہے تو نے ایسا کی دی عفرت نے اس فیرے اور ہی کہا تھے ہے جو مجھے ہا جا ہے اور ہری کوا بھار اب ہیں نے اپنی فصف دو لت اس کو دی عفرت نے اس فیقرے آوا یا ہے تھے تبدی ہے اس نے کہا تاکہ یہ مال مجھ بھی ایسا ہے مغود دو نہ ناوے جیسا تھے ہنا ویل ہے۔

تبول ہے اس نے کہا نہیں داس امیر نے بی چھاکیوں اس نے کہا تاکہ یہ مال مجھ بھی ایسا ہے مغود دو نہ ناوے جیسا تھے ہنا ویل ہے۔

١٢ - عَلِيُّ بنُ إِبْرَاهِمِم ، عَنْ عَلِي بْنِ عُمْدٍ الْقَاسَانِيّ ، عَنْ الْقَاسِمِبْنِ عُمْدٍ ، عَنْ سُلَيْمَانَ بْنِ الْوَدَ الْمِنْقَرِيّ ، عَنْ حَفْصِ بْنِ غِلِياتٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لِلْقِلْكُمْ قَالَ: في مُنَاجَاةِ مُوسَى لِلْقَالَةُ اللهُ الله

THE THE TENENT OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

۱۲ سفر ما یا الوجد دانشر علیال سلام نه کدند و نه موسی سع وقت مناجات که اسدموسی فیقری تمهاری طرد آئے کو کهر مرجبا پهمالوية صالحین کا درجیب مالداری آئے توکه دیرگناه ست بر جلد عذاب لانے وائلیت د

١٣ - عَلِيْ بْنُ إِبْرَاهِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنَ النَّوْفلِيّ ، عَنِ الشَّكُونِيّ ، عَنَ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ فَالَ .
 قَالَ النَّبِيّ بِالثَّخِيرُ : طَوْبَى لِلْسَاكَمِنَ بِالشَّبْرِ وَهُمُ النَّذِينَ يَرَوْنَ مَلَكُونَ الشَّنَاواتِ وَالْأَرْضِ .

۱۰۰ فرايا الجريدا المشرطيان مان بـ فروسوگرا المشرخة وليا بنشاه شاجوان مداكين كدان جربريت كام اينتان الربي ۵۶ ولك بيري جد لمكون منوان ۵ داده ركودكين بير-

١٤ - قَوْمِ شَارِهِ قَالَ قَالَ النَّبِي وَلَهُ عَلَى اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللَّالِي اللَّهُ اللّ

٣٠٠ م**يولُ النُّدَ غَدَلِ إِ** المستارُون عَمَاكِينَ مَا بِنَهُ تَقْسُون كُو بِكُدِن الْمُاوَدِولَ سِيَدِيْقَ الْخُرِيَّةِ وَاللَّهُ ثَمِّيَا ذَنْقَى مِ ا مَا لاَقُواجِعِعَا ثَوْمُتُ كَا الْمُرْمَ لَحَالِدَارِكِيا وَثَمْ كُولُواجِ وَ **لِحَاكَا** .

۱۵ یعفرت ۱۵ محمد ناقع اسلام نے فرایا جب قیاست کادن جوگا اور غدا ایک مناوی کیمکم دے آوا ژوسے کہ سال ایمی فغراؤیسن کرمیست مولاں کی گردشی انٹیس کی خدا ہے گا استریزے بندوا وہ جواب دیں گے۔ اے بھارے بردد گار ایم حاضرچیں ۔ خدا فرائے کا میں نے تم کوفیر تہدیں بنا یا بختا کویں تہدیں والی مجتنا تھا بلکریس نے تمہادا انتخاب آٹ کے دن کے لئے کیا تھا۔ اب پیچا فرائ کھیروں کویس جس نے تم کی کہ اس نے تجھسے کہ اب اس کا بدار دواسس علی کراتھیں جستای جا

١٠ - عُمَّدُ بِنُ يَعْدِيلَ ، عَنْ أَخْدَبْنِ عَهْرِينَ عَبِسَى ، عَنْ إِبْرَاهِ عِمَّا أَعَدَدْ اللهِ ، عَنْ أَعَلَوْبَنِ عَبِسَى ، عَنْ إِبْرَاهِ عِمَّا أَعَدَدْ اللهِ ، عَنْ أَعَلَوْبَنِ عَبِسَى ، عَنْ إِبْرَاهِ عِمَّا أَعْدَدُ اللهِ عَنْ مُفَتَدَّ اللهُ عَنْ مُفَتَدَّ اللهِ عَنْ مُفَتَدَّ اللهِ عَنْ مُفَتَدِّ اللهِ اللهُ ال

۱۱ رفرایا مفرت ابودیدالنگرعلیالسلام نے اگریہ شیع دخماسے رزق طلب کرنے بادے میں انحاح وزادی نزکرتے توالبتهم ان کولوجودہ حالت سے ابسی حالت کی طرث بہل دیتے جواس سے زیادہ ننگ ہوتی ۔

٧٧ - أَبُوْعَلِي ٱلْاَ شَمَرِيُّ ، عَنْ تَقَابَى عَبْدِالْجَبْثَارِ، عَنِ ابْنَ فَصَّالِ، مَنْ تَقَدِبْنِ الْحُسَيْنِ بْنِ كَشْهِرِ الْخَرَالُونِ ، أَمَا تَذْخُلُ الشُّوْقَ ؛ أَمَا تَرَى الْفَا كِنَهَ ثُبَائُح ؛ وَالشِّيْ الْخَرَالُونَ ؛ أَمَا تَذْخُلُ الشُّوْقَ ؛ أَمَا تَرَى الْفَا كِنَهَ ثُبَائُح ؛ وَالشِّيْ وَمُنا تَشْتَهِ وِ ؟ فَقُلْتُ : بَلَى فَقَالَ : أَمَا إِنَّ لَكَ بِكُلِّ لَمَا تَرَاهُ فَالاتَقَدِدُ عَلَى شِرَائِهِ حَسَنَةً .

عدر دادی کمتل معض ابع بدالله علیالسلام نے مجھ سے فرمایا۔ کیاتم بازار نہیں جانے کیا تم دباں مدد کھوسے کھوے کھو طرح کے پھل اور تہادی فوارض کے مطابق جیزی یک رہی دیں میں نے کہا ایسا ہی ہے فرمایا جرجیزی تم دکیھوا ورخ پورنسکو اگر اس سے جودی ایک آئیل جوگا۔

٨٨ - أُمَّذَبُنُ يَخْلَى ، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَبْسَى، عَنْ أَخْمَدَبْنِ عَبْسَى، عَنْ عَلِيْ بِنَانِ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عَنْالَ ، عَنْ مَلَى مَفْ مَمْ مَنْ مَنْ اللهُ عَمْرِ ، عَنْ أَلَي عَبْدِهِ الْمُؤْمِنِ الْمُخْوجِ في مَفْضَلِ بْنِ عُمَر ، عَنْ أَلِي عَبْدِهِ الْمُؤْمِنِ الْمُخْوجِ في اللهُ نَيَا كَمْ اللهُ عَنْ إلى عَبْدِهِ الْمُؤْمِنِ الْمُخْوجِ في اللهُ نَيَا عَنْ قَوْانِ كَانَ اللهُ نَيَا كَمْ اللهُ نَيَا عَنْ قَوْانِ كَانَ اللهُ عَلَى اللهُ نَيَا عَنْ قَوْانِ كَانَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ عَلَى اللهُ عَلَى الل

۱۶ - قرایا او عبد الله علیالسلام ند کرانشرتما لله پیندوس بنده سے جودنیا بیر متناع دیا ہواس طرح معذرت فواہی کر تاہید بینے بھائی ہے معذرت کوائی ہے قرما کا ہے تم ہے اپنے و مائل کی میں نے تیری عام قدرت کی دجے ایک جندی ہمائی ہے بھائی ہے تھا کی جن کے دنیا می متناجی کے بعدے تھے کیا عوض ویا ہے ہی وہ ہروگا ہے دنیا کی متناجی کے بدلے تھے کیا عوض ویا ہے ہی وہ ہروگا ہو تھے کا جن تھے کیا عوض ویا ہے ہی وہ ہروگا ہو تھے دنیا کی متناجی کے دنیا کی متناجی کا اس متناجی بدلے ذیا دوریکے دنیا کی متناجی کے دنیا کی متناز کی دوران کی متناز کے دنیا کی متناز کی متناز کی دوران کی متناز کی دوران کی دوران کی متناز کی دوران کے دوران کی دور

١٩٠ . عَلَيْ بْنُ إِيْرَاهِهِمْ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَيِ عُمَيْدٍ ، عَنْ هِ هَمْ مِنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبِهِ اللهَ عَنْدِاللهَ عَنْ عَلْمُ اللهِ عَنْ أَبِهُ اللهِ عَنْ أَبِهِ أَلَهِ عَنْ أَبِهِ أَلَهُمْ اللّهِ عَنْ أَيْمُ الْمَعْلَمُ وَاللّهُ عَنْ أَنْهُمْ اللّهُ عَنْ أَنْهُمُ أَنْ اللّهِ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَنْ وَجَلّ : صَدَةُوا ادْخُلُوا الْحَنْةَ . فَيَقُولُونَ : مَا أَعْطَيْتُمُونَا هَبُواللهُ عَنْ وَجَلّ : صَدَةُوا ادْخُلُوا الْحَنْةَ . فَيَقُولُونَ : مَا أَعْطَيْتُمُونَا هَبُواللهُ عَنْ وَجَلّ : صَدَةُوا ادْخُلُوا الْحَنْةَ .

١٩- قراياحطرت الوعد الشعليد السلام في كرجب قيامت كا دن بردكا تولكون ك كردني المعين كل وه دروا زه

جنت پرآئیں گاوراس پردستک دیں گان سے پوچھا جائے گاتم کون ہو۔ وہ کہیں گئیم فقرادیں ،ان سے کہاجائے گا حساب کے الم اللہ اللہ جلود وہ کئیں ہمیں کچے دیاہی ناکیا تھا کہ صاب دیں فعدلے گا بہتے ہیں اٹھیں جنت ہیں ماخل کرور

٢٠ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنا ، عَنْ أَحْمَدُ بْنِ عُمَّدِ بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عبسى ، عَنْ مُبَارَكِ غُلامٍ شُعَيْب قَالَ : سَمِعْتُ أَبِا الْحَسَنِ مُوسَى عِلِي يَقُولُ : إِنَّ اللهَ عَزَ وَجَلَ يَقَوُلُ : إِنَّ اللهَ عَزَ وَجَلَ يَقَوُلُ : إِنَّ اللهَ عَنْ الْغَنِيَ شُعَيْب قَالَ : سَمِعْتُ أَبَا الْحَسَنِ مُوسَى عِلِي يَقُولُ : إِنَّ اللهَ عَزَ وَجَلَ يَقَوُلُ : إِنَّ اللهَ عَنْ الْغَنِي اللهَ عَنْ الْفَقْرَاء وَلَوْلاَ الْفَقْرَاء وَلَوْلاَ الْفَقِرَاء لَوْلاَ الْفَقِرَاء لَوْلاَ الْفَقْرَاء أَلُولاً الْفَقِرَاء لَهُ إِللهُ عَنْيَا مُ الْحَنَّة .
 لَمْ يَسَتَوْجِب الْا غَنْيَا مُ الْجَنَّة .

۲۰ دیس نے دوسی کا فلم علیدان کام سے سنا کر قدائے وجل فراند پیر نے کسی کوفنی اس سے نہیں بنایا کہ اس کا کو لُ احل مجھ پر تھا اور زکسی کواس لئے فقر نبایا کہ سے دہمل کرنا چاہتا تھا میں نے نقرار کی وجہ سے اغنیاد کی آزمانشش کی اگر نقرار نہ ہوتے تو افغیا جنت کے مستق زم وقے -

٣١- عَلِيُّ بِنُ إِبْرَاهِمِمَ ، عَنْ تُحَدِينِ عَبِسَى ، عَنْ يُونشَّ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَبِسَى ، عَنْ إِسْحَاقَ، اللهِ عَمَّارٍ وَالْمُعَضَّلِ بْنِ عُمَرَ قَالاً : قَالَ أَبَوُ عَبْدِاللهِ عَبْدِ مَيَّاسِبُرُ شَبِقَيْنَا ٱمْنَاقُنَا عَلَى مَحَاوَبِجِمْم ، وَالْمُعَضَّلُ بْنِ عُمَرَ قَالاً : قَالَ أَبَوُ عَبْدِاللهِ عَبْدِ مَيَّاسِبُرُ شَبِقَيْنَا ٱمْنَاقُنَا عَلَى مَحَاوَبِجِمْم ، وَالْحَفَظُونُا فَبِهُم يَحْفَظُ كُمُّ اللهُ .

۲۷ قر ایا حفرت اوعبد النوعلیوال الم نے کرفرا یا امیرا لمومنین علیوال الم نے فیقی مومن کے ہے اس سے ذیادہ ڈینت و بینے وال ہے جتنی کیا ہے گھوڑے کے چرائے کی بو تی ہے بیسے جس طرح کہام گھوڑے کو ادھرا دھر تعلما ترکت سے دو کم کے ای طرح اللہ چانتھ کو بری خواہشات سے دو کمتی ہے۔

٧٣ عِدَّةَ أُونْ أَصْحَابِنًا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيَادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَدْاللهِ بْنِ غَالِب ، عَنْ أَبْدِ ، عَنْ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَدْاللهِ عَنْ وَجَلّ : هُوَلُولْأَنْ أَبْدِ ، عَنْ سَهْدِ بْنِ الْمُسَتِّبِ قَالَ : سَأَلْتُ عَلِيّ بْنَ الْمُسَيْنِ الْمُسَانِي عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ وَجَلّ : هُوَلُولْأَنْ

يَكُونَ النَّاسُ الْمَنَّةَ وَاحِدَةً، قَالَ: عَنَى بِذِلِكَ أَشَّةَ تُعْبَرُ إِلْهِ فَيْ أَنْ يَكُونُوا عَلَى دِبِنِ وَاجِدٍ كُفَّاراً كُلُّهُمْ

ولجَمَلْنَالِمَنْ يَكُفُرُ بِالرَّحْمٰنِ لِيُنُوتِهِمْ مُقَمُّا وِنْ فِيفَةٍ وَلَوْفَمَلَ اللهُ ذَٰلِكَ بِأَمَّةٍ عَبِرَ المَنْ المُومِنُونَ وَغَمَّهُمْ ذَٰلِكَ وَلَمْيُنَا كِحُوهُمْ وَلَمْيُؤَارِ تُؤَهُّمْ .

۱۷۴ روا دی کبتا ہے ہیں فیطل بن الحسین طیرانسان میں آیٹ کے متعلق سوال کیا۔ اگرایسا نہ ہوتا کو سب اوگ ایک ہی سے بوجائیں گے (زفرت) فرمایاس سے مراویے امت مخدی جود مولگ کے بعدا یک دین پر پوتے ہوئے الم بھٹ کا انسکا دکر نے سے سب کا فرم کے اگر خداچا ہتا تو اپنے مشکروں اور کا فروں کے گھروں کولاتمام جت کے بیٹے) چاندی کا بنا ویٹا۔ سیکن احت محمدی کے لمظ اگرابسا کرتا تو ایمان ولادنجیده میوتداوران کویه گمان برتا کدید کا فرود منصرها مندی کی علیمنت به امدید کرکا فر دوست مندى كفرورس مدمومنون كولاكادية مذيقة اوردميرات اناس تسام متى -

دوسوجهتيسوال باب

٥(باب) ٢٣٩

١ - عُذَّابُنُ يَحْنِي، عَنْأَخْمَدَبْنِ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ اللَّهِ عَنْ أَعْلَى عَالَى : حَدَّ ثني بَكُرُ الْأَرْقَطُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِنْ الْوَعَنْ شَعَيْنِ ، عَنْ أَبِي عَيْدِاللهِ عِنْ أَنْهُ وَخَلَ مَلَيْهِ وَاحِدُ فَقَالَ: أَصْلَحَكَ اللهُ إِنِّي رَجُلُ مُنقَطِعٌ إِلَبُّكُمْ بِمَوَدَّ تِي وَقَدْأُصَّا بَنْنِي خَاجَةٌ شَدَيدُةٌ وَ فَدْ تَقَرَّ بْتُ بِذِلِكَ إِلَى أَهْلِ بَيْنِي وَقَوْمَيٰ فَلَمْ يَزِدْنِي بِذَٰلِكَ مِنْهُمْ إِلَّا بُعْداً، قَالَ : فَمَا آثَاكَ اللَّهُ خَبْرٌ مِمْا أُخِذَهِنْكَ فَال : جُمِلْتُ فِدَاكَ ا دِعُ اللَّهَ لِي أَنْ يُغْنِينَي عَنْ خَلْقِهِ ، قَالَ : إِنَّ اللَّهَ قَسَّمَ رِزْقَ مَنْ شَآءَ عَلَى يَدَيْ مَنْ شَآءَ عَلَى يَدَيْ مَنْ شَآءَ عَلَى يَدَيْ مَنْ شَآءَ وَلَكِنْ سَلِاللَّهُ أَنْ يُفْنِيُكُ عَنِ الْحَاجَةِ الَّذِي تَضْطَرُّ لَا إِلَىٰ لِثَامِ خَلْقِهِ.

١- الرعد الله ملي السلام كرياس ا بكشنوس أيا اور كيف لكا الله آب ك حفاظت كرس يي ويمنهم بول جس في اين مجت كوبرطرف سيقطع كركرآب كمعوث توجركه يع ايك بارسخت خرورت بيش أنى يبرسف بين فاغوان اورقوم كاسليط بيش كرك هردما بى گرده وك تهد دوري ديد رفهايو كه فعدائ تجه ديلې وه اس سه بهتر به جو تجه سه لياكيت مسن كاين آب برندا مول مير على فدا عددا فراسية كر بها بن محنادق بدنيا زكردد فرايا فدا فدرت كفيم كيا بيداس طرح كجس كم بالتصصيص كو جا بليد والليد بلك بدد ماكرك خدا وقت خرورت كمينون عيالان والد

۷۔ فرمایا حفرت ابوعبدالشرعلیات مام نے فقری شخت موت ہے۔ بیں نے کہا کیا اس سے آپ کا مراد دیا دورہم کا نہ مونا ہے۔ فرمایا نہیں بلکہ دہ محتسا بی ہے دین می سے۔

دوسوسینتیسوال باب قلبانسانی کے دکان ہیں جن میں میونکت بے فرشتہ اور شیطان

البائي)) ١٣٤٤

» (أَنَّ لَلْقَلْبِ أُذُنَيْنِ يَنْفُثُونِهِمَا الْمَلْكُ وَالشَّيْطَانُ) «

ا عَلِيُّ بْنُ إِبْزَاهِبِمَ، عَنْأَبِهِ عَنِ ابْنَأْبِي عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْأَبِي عَبْدالَةُ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ عَمْدُ وَعَلَى الْأَخْرَى شَيْطَانُ مُفَيِّن ، هَذَا يَأْمُرُهُ وَ مَامِنْ قَلْ إِلْآوَلَهُ الْأَخْرَى مَيْطَانُ مُفَيِّن ، هَذَا يَأْمُرُهُ وَ هَذَا يَرْجُرُهُ عَنْها ، وَهُوَقُولُ اللهِ عَنْ وَجَلَّ : هَمِن اليّمِينِ هَذَا يَرْجُرُهُ عَنْها ، وَهُوَقُولُ اللهِ عَنْ وَجَلَّ : هَمِن اليّمِينِ وَعَنِ السّمِينِ وَالمَلكُ يَرْجُرُهُ عَنْها ، وَهُوَقُولُ اللهِ عَنْ وَجَلَّ : هَمِن اليّمِينِ وَعَنِ السّمِينِ السّمِينِ السّمِينِ السّمِينِ السّمِينِ السّمِينَ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّ

د فربایا حضرت ابوعبدالشرط السام فرم ول که ددکان موقعی ایک مین بدایت کرنے والافر شد بات که تاہے کا درد وسرے میں تلف پر دار شیطان برحکم دیتا ہے اور وہ شخ کرتا ہے بشیطان گناموں کا حکم دیتا ہے اور فرشتہ اس کو کر دکتا ہے اور فربایا ہے مورک قت میں دام می طون اور بایش طرن ایک شیطان بین تاہی ہے جو کچھ وہ کہت ہے ایک سخت نگر بان کا دخوا اس کے ہاں موتا ہے ۔

٢ - الحُسَيْنُ بْنُ عَبْرٍ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ إِسْحَاقَ ، عَنْ سعدانَ ؛ عَنْ أَي بَصِيرٍ ، عَنْ أَي عَبْدِافِي عَبْدِافِي عَنْ الْعَبْدُ بِذَبْبِ قَالَ لَهُ رَوْحُ الْإِبْمَانِ : لَا تَقْمَلُ ؛ وَقَالَ لَهُ الشَّيْطَانُ : الْمُتَقَمَّلُ ؛ وَقَالَ لَهُ الشَّيْطَانُ : الْمُتَقَمَّلُ ؛ وَقَالَ لَهُ الشَّيْطَانُ : الْمُتَقَمَّلُ ، وَإِذَا كَانَ عَلَىٰ بَطْنِهَا نَزَ عَيْنَهُ رَوْحَ الْإِيمَانِ .

٧ حقرت ابوعب د الله عليه السلام نه فرمايا - دل كه دوكان موته بيجب بنعه ككناه كا اداده كرتابيع تو دوح إيما

كبتى بعدت كرا ودستيطان كمتلها ورجب معاطرزا بإدناب يتودون ايمان اس سعالك بموجاتي بعد

٣- عُنَّا أَبْنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَجْسَى ، عَنْ عَلِي بَنِ الْحَكِم ، عَنْ سَيْفِ بَنِ عَمِيْرَةَ عَنْ أَبِانِ بَنِ عَبِيلَةٍ اللّهِ الْمُثَلِّمِ اللّهِ الْمُثَلِّمِ اللّهِ الْمُثَلِّمِ اللّهِ الْمُثَلِّمِ اللّهِ الْمُثَلِّمِ الْمُثَلِّمِ الْمُثَلِّمِ اللّهِ الْمُثَلِّمِ اللّهِ الْمُثَلِّمِ اللّهِ الْمُثَلِّمِ اللّهَ الْمُثَلِّمِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهَ اللّهَ عَلَيْهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهِ اللّهَ اللّهِ اللّهِ اللّهَ اللّهُ الل

۳۔ فرمایا حفرت الم مجعفرصا دق علیدالسیام نے کہ ہر ٹومن کے دل مکے اندر دوکان ہوتے مہیں ایک ہیں مشیطان اپنے وسوسے کی بچونک مارتلہے اور دوسرے میں فرسنتہ، خدا بندکہ لمومن کی مرد فرشتہ سے کہ تلہے جیسا کہ فرما ناہیے اور معرد کی ان کی اپنی دوے سے۔

دوسوار تنیسوال باب دہ رفع جس سے دمن کی تابید کی جاتی ہے

(بالبُ) ٢٣٨ (بابُ) ٥(الرُّوحِ النَّذِي أَيِّدَ بِهِ إِلْمُؤْمِنُ) ٥

ا الْحُسَنُ بْنُ عَبَّهُ وَ عَمَّابُنُ يَحْبَى ، جَمِيعاً ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عَبَّهِ بِنِ سَعْدٍ ، عَنْ عَلَيْ بِنِ مُسَلِم ، عَنْ أَبِي سَلْمَة ، عَنْ عَلَيْ بِنِ سَعْدِ بْنِ عَزْ وَانَ ، عَنْ ابْنِ أَبِي نَجْرَانَ ، عَنْ أَبِي بَنِ سِنَانٍ ، عَنْ أَبِي خَدِيجة فَالَ الله تَبَارُكَ وَتَعَالَىٰ أَيتَدَالُهُ وْمِنَ بِرُوجٍ مِنْهُ تَحْسُرُهُ فَالَ الله تَبَارُكَ وَتَعَالَىٰ أَيتَدَالُهُ وْمِنَ بِرُوجٍ مِنْهُ تَحْسُرُهُ فَالَ الله تَبَارُكَ وَتَعَالَىٰ أَيتَدَالُهُ وْمِنَ بِرُوجٍ مِنْهُ تَحْسُرُهُ فِي كُلِ وَقَتٍ يُذُنِبُ فِيهِ ويَعَدَّدَي ، فَهِي مَعْهُ تَهْتُونُ فِي كُلِّ وَقَتٍ يُذُنِبُ فِيهِ ويَعَدَّدَي ، فَهِي مَعْهُ تَهْتُونُ فِي كُلِ وَقَتٍ يُذُنِبُ فِيهِ ويَعَدَّدَي ، فَهِي مَعْهُ تَهْتُونُ مُسَلِم مُرَاءِ مُنْ وَقَتٍ يُذُنِبُ فِيهِ ويَعَدِّي مَعْهُ تَهْتُونُ مُنْ مُعْلَىٰ مُعْرَدُوا عِبْادَالله نِعْمَهُ بِإِصْلاحِكُمُ أَنْفُلْكُمُ تَزَدُادُوا مُرَاعِقُولُ اللهُ عَنْهُ إِنْ اللهُ تَعْمَهُ بِإِصْلاحِكُمُ أَنْفُلْكُمُ تَزَدُادُوا يَقِيمُهُ بِإِصْلاحِكُمُ أَنْفُلْكُمُ تَزَدُادُوا يَقْمِنُ وَتُوا نَعْيَعُ فِي النَّرِي عِنْدَ إِسَاءَتِهِ وَتَعْمِلُهُ أَوْهُمَ بِشِرِ فَارْتَدَعَ عَنْهُ ، مُمَّ قَالَ : نَحْنُ مُعْمَلِهُ أَوْهُمَ بِشِرِ فَارْتَدَعَ عَنْهُ ، مُمَّ قَالَ : نَحْنُ مُعْمِلُهُ أَوْهُمَ بِشِرِ فَارْتَدَعَ عَنْهُ ، مُمَّ قَالَ : نَحْنُ فَتَعْلَمُ الرَّوحَ بِالطَّاعَةِ فِي وَالْفَهُ وَالْمُونَ لَهُ .

١- دادى كمتناج بي امام موسى كا فلم علي السلام كى خدمت مين آيا حفرت في فرايا الله تعال مددكر تابي ابني ايك فرع

سے جوہومن کے پاس اس وقت آنہ ہے جبکہ وہ بیکی کرتا اور پر مہر گاری افتیاد کرنا ہے اور آگرگناہ کرتا ہے یا عدسے بجٹ اور کا ہے توفائب میں جب اقدید اور کا اور پر مہر گاری افتیاد کرنا ہے اور گناہ کے وقت نعین کی تہدیں جلی جسانی کرتا ہے توفائب میں جسان کے بیان وقت نعین کی تہدیں جلی جسانی ہے جس سے بس اے انڈکے بندوا پینے نفسوں کی اصلاح سے لئے آلما دہ در مہر تاکہ تہما دا تھے بین زیادہ بھوا ور تم نفع ماصل کرواس جنت کا جو نفیس اور تیمی ہے فدا رحم کرے اور اس برعمل کرکے ۔

میں دوے سے النڈکی ا طاعت کا قعد دکر کے اور اس برعمل کرکے ۔

دوسوأنتاليسوال باب دنوب

(بَابُ الذُنوُب) ٢٣٩

١ - عُمَّابُن يُحَيٰى ، عَنْ أَحْمَد بْنِ عُمَّد بْنِ عَبْسَى ، عَنْ مُعَّد بْنِ سِنَانِ ، عَنْ طَاْحَة بْنِ زَيْدٍ ، عَنْ أَجَي بْنِ سِنَانِ ، عَنْ طَاحَة بْنِ زَيْدٍ ، عَنْ أَبَي عَبْدالله عِلْمِ قَالَ : كَانَ أَبِي عِلِيهِ يَقُولُ : مَامِنْ شَيْءٍ أَفْسَدَ لِلْقَلْبِ مِنْ خَطَيِئَةٍ ، إِنَّ ٱلْقَلْبَ لَيُوافِعُ أَنْ عَلْمِتُ لَلْقَلْبِ مِنْ خَطَيئَةٍ ، إِنَّ ٱلْقَلْبَ لَيُوافِعُ الْخَطْيئَةَ فَمَا تَزَالُ بِفِ حَتَىٰ يَقُلِبَ عَلَيْدِ فَيَصُيِّرَ أَعْلاهُ أَشْفَلَهُ .

ا۔ قربایا ابوعبد الله علیدالسلام نیمرے پدربزرگوار نے فربایا کشناه سے زیادہ کوئیجیز قلب انسانی کوفاسد نہیں کرتی جب کوئی دل گناه کرتا ہے اور اسے بلٹ کرد کھ دیتا ہے در بھروہ گنا ہ کمیرہ کرنے دلگاہ کرتا ہے دیا ہے در بھروہ گنا ہ کمیرہ کرنے گفتہ ہے)

٢ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلَيْ بِإِنْ خَالِدٍ ، عَنْ عُنْمُ النَّبِنِ عَبِسَى ، عَنْ عَبْدِاللهِ بَنْ عَلَيْ بْنِ مَسْكَانَ ، عَمَّنْ ذَكَرَهُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلْقَالِلهِ عَنَّ وَجَلَّ : وَفَمَا أَصْبَرَهُمْ عَلَى النَّارِ ، فَقَالَ : مَا أَصْبَرَهُمْ عَلَى فَعْلَ النَّارِ ، فَقَالَ : مَا أَصْبَرَهُمْ عَلَى فَعْلِ مَا يَعْلَمُونَ أَنَّهُ يُصَيِّدُهُمْ إِلَى النَّارِ .

٧- فرمايا الجوعبرالله عليه السلام نے اس آيت محمتعلق دسورة بقره) دا تھوں نے حق کوهي وُركم ، كتناصبر دكھايا دوزرخ بين جا نے كير لئے يہ نوگول نے اس كامطلب بوچھا تو فرما يكس فارهبركيا اس نعل پرجس محمتعلق وہ نہيں جانتے كہ بدان كودورخ كى طهرت ر د اُرگا

٣ عَنْهُ ' عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّصْرِبْنِ سُوَيْدٍ ، عَنْ هِشَامِبْنِ سَالِمٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَ اللهِ عَالَ اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَالَ اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَالَ اللهِ عَنْهُ اللهُ عَنْ أَنْهِ عَنْهُ اللَّهُ عَنْ اللّهُ عَنْهُ اللّهِ عَنْهُ الللهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ الللهِ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ الللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَنْهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَّا عَلَا عَلَّا عَلَا عَلَّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلّهُ عَلَيْهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّهُ عَلَّه

إِنَّهُ لَيْسَ مِنْ عِرْقِ يُضْرَبُ وَلاَنَكُبَةٍ وَلاَصُداعِ وَلا مَرْضِ إِلاَيِذَنْ ؛ وَ ذَٰلِكَ قَوْلُ اللهِ عَزْ وَ حَلَّ فِي كِنَابِهِ : وَهَا أَصَالَهُ مَنْ مُصَبِّبةٍ فَيِما كَسَبَتْ أَيَدْبِكُمْ وَيَعْفُو عَنْ كَثْبِي الْآلَ : ثُمَّ قَالَ : وَمَا يَمْفُواللهُ أَكْتُرُمِينًا يُؤَاخِذُبُهِ .

سور فرمایا ا بوعدا الله علیدا سنام نے جب کول دیگر بدن مجوز کمتی ہے استی بیش آتی ہے یا دردسر موتا ہے یا بیماری المحق بہو آل ہے تو دو کمی گناه کا کفارہ ہوتا ہے فدافر ما تا ہے جدمیدت تم پرنا تل ہوتی ہے وہ تہارے ہی کر تو توں ہے آتی ہے اور الله تمہارے آیادہ گناه معان کر دنیا ہے مجوحفرت نے قربایا جینے گناه فدامعان کرتا ہے وہ اس سے کہیں نیادہ ہوتے ہیں جن کے متعلق وہ موافذہ کرتا ہے۔

٤ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِهِمَ 'عَنَأْبَهِهِ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ حَرِيزٍ ، عَنَ أَلْفُضْيْلِ بْنِ يَسَارٍ ، عَنْأَ بِي جَعْفَهِ
 النه عَنْ أَلْهُ عَنْهُ أَكْثَرُ .

» ـ فرما یا حفرت ابرعبد الله علیه اسلام نے بنده پرج معیب سمی آن ہداس کے گناه کے باعث آقی ہے اور التر تعلی لی ا بہت سے گناه معان کر دیتیا ہے۔

ه عَلَيْ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيْ ، عَنِ النَّوْفَلِيْ ، عَنِ السَّكُونِيْ ، عَنْ أَبِي عَبْدِالله الله قَالَ : كَانَ أَمْبِوُ الْمُؤْمِنِينَ لِلْآَبِيلُ فَعُولُ: لاَتُبْدِبَنَ عَنْ وَاضِحَةٍ ، وَقَدْعَمِلْتَ الْأَعْمَالَ الْعَاضِحَة ، وَلاَ يَأْمَنِ الْبَيْاتَ مَنْ عَمِلَ الشَّبِعُاتِ

۵۔ فرمایا حفرت الجوبد الترعلیدات المام نے کہ امیرا لمومنین علیدات اللم نے فرمایا بہنی میں انگے دانت ظاہر شکر نے چاہیتی اس شخص کو چو بڑے اعمال کر آسے اور بڑسے اعمال کے موافذہ سے کوئی بے نوٹ نہیں رہ سکتا۔

حَمْهُ ، عَنْ أَجِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْر ، عَنْ إِبْرَاهِهِمْ بْنِ عَبْدِ الْحَمِيدِ ، عَنْ أَبِي أَ سَامَةً ، عَنْ أَبِي عَبْدِ الْحَمِيدِ ، عَنْ أَبِي أَ سَامَةً ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ أَبِي اللَّهْ عَنْ أَبِي أَ سَامَةً ، وَمَا عَبْدَ اللهِ عَنْ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ أَلَهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى الْمَعْاصِي .
 سَطَوْ اتُ اللَّهُ ؟ قَالَ : الْأَخْذُ عَلَى الْمَعْاصِي .

۹ . قرایا الوعدوالدُّر علیدال الم فی المدُّرست بناه ما نگواس کاسخت گیریست رات اوردن رواوی نے بچھ اسخت گیری سے کیام و درجه فرایا الله که معاصی پرگرفت -

THE THE CHILD CAN THE CASE OF THE CONTROL OF THE CASE OF THE CASE

٧ عِذْةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بِنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَلْبِهِ ، عَنْ سُلَيْمَانَ الْجَعْفري عَنْ عَبْدِاللهِ

ر کواس نے مجعہ: داخ کیا ادرمحدردی کاستن ہوا۔

قَالَ : ۗ ثُمَّ قَالَ أَبُوجَعْهِر لِللَّهِ فَاعْتَبِرُوا لِما أُولِي الْأَبْضَارِ .

١٦٠ أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ مُعْدِيْنِ عَبْدِ الجَبْنَادِ ، عَنِ ابْنِ فَسَنَّالِ ، عَنِ ابْنِ بُكَدِّي، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيلِ فَالَ : إِنَّ الرَّحُلُ يُذْنِبُ الذَّ نَبَ فَيَحْرَمُ صَلاَةَ اللَّذِلِ وَ إِنَّ الْعَمَلَ الشَيْتِي. أَشْرَعُ في ماجيهِ مِنَ الشِكَيْنِ في اللَّحْمِ .

۱۹۰ فرمایا حفرت ابوعیدا لعدُّ علی اسلام نے بوشنعس مُناه کرتلہے تودہ تونین الہی سلب مونے کی بنا دہرِنما ڈ شب سے محروم مہوما تلہے اورعمل ہرانسان کے دل میں اس سے ذیا وہ تیز اِٹرکرٹا ہے جنشا ایک چاتو آسا نیسے گوشت کے اندر واضل مہوجا تلہے۔

١٧ عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ فَعَنْ إِلَ عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ عَالَ : مَنْ مَمّ يَحَ قَعْ لَل يَعْمَلُها

فَا يَنَهُ رُبْتَمَا عَمِلَ المَبْدُ السَّيِّنَةَ فَيَرَاهُ الرَّ ثُ تَبَارَكَ وَ تَمَالَىٰ فَيَمَوُّلُ : وَ عِزَّ تِي وَجَلالِي لاَأَغِفُرُلَكَ بَعْدَ ذَاكِ أَبَداً .

۱۷- فرمایا حفرت امام جعفوصا دن علیدلسلام نے چشخص کن وکرنے کا ادا دہ کرسے اسے چاہیے کھل میں مثر لائے بسا او قات بندہ کی عمل بدکو خفیف سمجھ کر بچا لآ کہ ہے۔ خدا اسے دیکھ کرفر با نا ہیں، پینے عوت وحلال کی قسم کھا کر کہشنا اس کے بعد شجھ ہرگز نذ بخشول کا -

٨٧ ــ الْحُسَيْنُ بْنُ كُنِّهِ، عَنْ مُخْيَبْنِ أَحْمَد النَّهْدِيِّ ، عَنْ عَمْرِ وْبْنِ مُغْمَانَ، عَنْ رَجُلٍ ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ عِلِيْ قَالَ : حَقُّ عَلَى اللهِ أَنْ لايُعضَى في ذارٍ إِلَّا أَضْحًا هَا لِلشَّمْسِ حَتْثَى تُطَهِّرَهُا .

۱۸ حفرت المم موسی کاظم دلیدالسدام نے فرمایا جس گھرس گناه موتوفدان کوییشی کرتا ہے سورج پرتاکم وہ پاک کرے اس کو بالدن کے اسے دیرال کردسے اور اس کوگزیندہ جا نوروں سے بعردے -

١٩ . عِدَّ مَ يُن أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بَنِ ذِياْدٍ ، عَنْ عَبِّدِ الْحَسَنِ بَنِ شَعْتُون . عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنْ مَبْدِ اللهِ عَنْ أَنْ عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَنِي عَبْدِ اللهِ عَلَى قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ا

۱۹ رفروا باستفرت ابوعبد الشّرطيد السلام نے كردسولُ الشّرف فرا يا به كرلك بنده يتملر ديگرگذا بول كه مرف ايك كان ه ك بردن دخول بنت معدست بهره ياب مول گاه كان ه ك بردن دخول بنت سع سورين كك دوك يا جلد يُكان ه اين از واج كام و بخون برا بره ياب مول گا بعدرت كما رسيد كار

۲۰ فرایا حفرت ابوجعفر علیال الم نے کہ ہرمون کے طابی ایک سفید نقط ہوتا ہے جب وہ محماہ کرتاہے تواس میں ایک سیاہ نقط بدا ہوتا ہے اگر تو برکر میتا ہے تو برسیا ہی برطرت ہو جاتی ہے اور اگر کنا ہ پر باتی رہتاہے ۔ تو برسیا ہی ٣١ عِدَّةٌ مِنْ أَضْحَالًا ، عَنْسَهْلِ بُنِ زِيَادٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ أَنْبَاطٍ ، عَنْ أَي الْحَسُنِ الرّ شَا يَعِينَ قَالَ : فَالَ أُمهُرُ الْمُؤْمِنِينَ يَعِيدٍ : لاتُبْذِينَ عَنْ وَاضِحَةٍ وَقَدْ عَمِلْتَ الْأَعْمَالَ الْفَاضِحَةَ ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيَاتَ وَقَدْ عَمِلْتَ الْأَعْمَالَ الْفَاضِحَةَ ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيَاتَ وَقَدْ عَمِلْتَ الْأَعْمَالَ الْفَاضِحَة ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيَاتَ وَقَدْ عَمِلْتَ اللَّهِ عَمَالَ الْفَاضِحَة ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيَاتَ وَقَدْ عَمِلْتَ اللَّهِ عَمَالَ الْفَاضِحَة ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيْاتَ وَقَدْ عَمِلْتَ اللَّهِ عَمَالَ الْفَاضِحَة ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيْلَةِ مَا لَا أَمْنَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ عَلَى إِلَيْهِ اللَّهِ اللَّهُ وَقَدْ عَمِلْتَ اللَّهُ عَمَالَ الْفَاضِحَة ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيْدِيلَ عَلَيْ اللَّهُ عَمَالَ الْفَاضِحَة ، وَلاَتَأْمَنِ الْبَيْلِق عَلَى اللّهُ عَلَيْكُولُونِ إِلَيْكُولُونَ مِنْ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْكُولُ إِلَيْ اللّهُ عَلَى اللّهُ إِلَيْكُولُ إِلَيْكُولُ إِلّهُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَيْنَ اللّهُ عَلَيْتُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى الللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ اللللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّ

۱۷ پرحفرت امام دضاعلیا نسطام سے مروی ہے کہ امیرا لومٹین علیدا نسلام نے ذیا با۔ سیسے میں اپنے وائٹ کا ہر ڈکر د جبکرتم مجرسے عمل کرچکے ہوا ود آ دام سے مست دس اگرتم گناہ کرمیجے مہر۔

٧٢ ـ عَنْ عَلِي بْنِ مَنْزِيَارَ ، عَنْ الْمُحَرِيُّ ، عَنِ الْمُحَسِّنِ بْنِ إِمْخَاقَ ، عَنْ عَلِي بْنِ مَنْزِيَارَ ، عَنْ حَمْدِينَ عِسْمَ ، عَنْ أَبِي عَشْرِوالْمَدَائِنِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِنْهِ فَالَ : سَيْمَتُهُ يَعُوْلُ : كَانَ أَبِي يُهِ خَمْدِينَ عِسْمَ ، عَنْ أَبِي عَشْرِوالْمُدَائِنِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِنْهُ فَالَ : سَيْمَتُهُ يَعُولُ : كَانَ أَبِي عِنْهِ يَعْمُولُ : إِنَّ اللهُ قَشْمَ قَشَاهُ حَنْما أَلْأَيْبُهُمْ عَلَى الْعَنْدِي بِمِمْمَةِ فَيْسَلُبُهُمْ إِيثَاءُ حَشْم يُحْدِيثَ الْمَبْدُ ذَنْبًا يَشْعُ فَي بُدُلُكَ النَّنْمَة .

٧٧ د فرط حفرت الجرعبد النوا السطام ف كرمير به درت كوار فرط يكر فدان يا يعاد كرديا بيد كرفند البيث عبد كوج نعمت وتباجه وه سلب كرف ك أين بي بال جب بزده يدكون كناه مسرد در بهوتا بير قوامس ك عذاب كا دمستن بوتا بير والبير

٣٧ - عَلَيُّ بِنُ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ جَمبِلِيْنِ صَالِحٍ ، عَنْ حَمبِلِيْنِ صَالِحٍ ، عَنْ سَدِيْرٍ قَالَ ؛ سَأَلَ رَجُلُ أَبَاعَبُدِاللهُ ظَلْتَكُمُ عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ وَلَى اللهِ عَنْ وَلَى اللهِ عَنْ وَلَى اللهِ عَنْ وَلَى اللهِ عَنْ وَأَنْهُ اللهِ عَنْ وَأَنْهَا لَهُ عَنْ وَأَنْهُ اللهُ عَنْ وَأَنْهَا لَهُ عَنْ وَأَنْهَا لَهُ عَنْ وَأَنْهَا لَهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ وَأَنْهَا لَهُ عَلَيْهُ وَمَ كُانَتُ لَهُمْ وَلَى مُتَصِلَةً يَنْظُرُ بَعْضَهُمْ إلى بَعْضِ وَأَنْهَا لَهُ عَلِيهِ وَإِنَّ اللهُ لا يُعْيَشُو فَكُو اللهُ عَنْ وَجَلَ وَعَيْشَرُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِمْ مَنْ عَافِيقِ اللهِ فَنْ اللهُ عَلَيْهُ مِنْ عِنْ عَلَيْهُمْ وَفَيْلُ وَاللهُ عَنْ وَجَلَ وَعَيْشَرُ وَاللهُ اللهُ عَلَيْهِمْ مَنْ عَافِيقِ اللهِ فَنْ عَنْ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ مِنْ عِنْ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَنْ وَاللهُ عَلَيْهُمْ وَأَنْ وَاللهُ عَلَيْهُمْ وَأَدْهُمَ وَأَدْهُمَ وَأَنْهُ وَلَا عَلَيْهِمْ مَنْ عَلَيْهُ وَاللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ وَاللهُ عَنْ مِنْ عِنْ مِنْ عِنْ عَلَيْهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَنْ عَنْ عَلَيْهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَلْمُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَنْ عِنْ عِنْ عِنْ عِنْ عِنْ عِنْ عِنْ عَلَيْهِ وَاللهُ عَنْ عَنْ عَلَا عَلَا عَلَيْهُ وَا عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ وَلَهُ عَنْ عَلَا عَلَاهُ وَاللّهُ عَلْمُ الْعِلْ وَاللّهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ عَنْ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ الْمُعْلِقُ وَلَا عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ الْمُعْمَالِهُ اللهُ الْمُعْلِمُ اللهُ اللهُ اللهُ الْمُعْلِمُ اللهُ اللهُ الْمُعَلِمُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ا

٧٧- ايك شمع في حضرت الم م جعفر صادق عليدال الم سه اس آيت كم متعلق سوال كيا وسورة ما راسبا والول في

۱۹۷۰ ما وی کختله ماجره نی مفرحت الوهیدالنگرهلیانسیل مهتدمستاکونندارییمی کونع شدوی بداست ای دفرند تک م حلب تهی کمشاجیب بخک این نشرکی اید باکن و ترکیا جریج این ساریا کلمستنی میور

رم - مُعْمَعْنُ يَخْنَى ، عَنْ أَحْمَد بَنْ عَنَى ، وَعَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِمْ ، عَنْ أَبِهِ ، حَمِساً عَرَابِن مَخُوبِ عَنِ الْهِيْمَ بِنِ وَاقَدِ الْجَزَرِي وَالْ اللهَ عَرْ وَجَلَ بَعْنَ اللهُ عَرْ وَجَلَ الله عَرْ وَجَلَ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُو

۲۵ سفریایا ابوعبدالنٹرعلیدالسلام نے کہ دلائٹرتعافی نے اپنے انہسپارس عصابک بی گرجیجا اس آیم کی طرن ادر دہ کی ک ممالینی قدیمسے کہد دوکوئی مستی اور کوئی جمع آدمیوں کا ایسا نہیں کہن کومیری اطاعت کی بنا رپرڈوشی کی نصیب بہوق مجوا دداس سے بعد دہ اس چیزسے جو مجھ حجہوب سے پلسٹ کراس چیزی طرف آ کے مہوں جو ٹچھے پسند نہیں تو پیم س بٹ کی می ان کی وہ حالت جوامفیں پہندتھی اس حالت سے بدل دی جے وہ پہندتہیں کرنے تھے اور کول بہتی اور خاندان البانہیں گرائی گرائی ہے جے میری معصیت میں نقعان نہ بہنچا ہو رسیکن جب وہ اس عمل سے ہٹ کراس عمل کی طرف آگئے جو مجھے محبوب ہے تو گرائی میں نے بھی ان کی نہی حالت اچی حالت سے بدل دی اور اس نی سے کہارتم بان سے کہ دو کرمیزادھم بہرے خصر پربدق ت کرتا ہے۔ گرائی میری دھت سے مالیس نہ ہو کی گناہ کا نجش و بنامیرے نظے کوئی ٹری بات نہیں اور میرے خصے محسر نہ اوار بن کر کچھے ا بنا تھی اور میرے خصے محسر نہ اوار بن کر کچھے ا بنا تھی ۔ کر بنا قدا و دمیرے اولیا و کی تو ہین نہ کرور میراغ خشر اید اب کھیری تلوق اس کے مقابلہ کا تاب نہیں لاسکتی ۔

٣٦ . عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ الْمَاشِمِيُّ ، عَنْ جَدِهِ أُنَّقِيبُنِ الْحَسَنِ بْنِ عَبَيْدِاللهِ ، عَنْ سُلَيْمَانَ الْجَعْفَرِيُّ، عَنِ الرِّسْا اللهِ فَالَ:أَوْحَى اللهُ عَنَّ وَجَلَّ إِلَىٰ نَبِيْ مِنَ الْأَ نَبِيْنَا ۚ : إِذَا الْطِعْفُ رَضِيتُ وَجَلَّ إِلَىٰ نَبِيْ مِنَ الْأَ نَبِينَا ۚ : إِذَا الْطِعْفُ رَضِيتُ وَإِذَا رَضِيتُ اللهِ فَالَ:أَوْحَى اللهُ عَنْ اللهُ وَلَهُ مَنْ اللهُ وَلَيْ مَنَ الْمُورَى . اللهُ مَنْ اللهُ مَنْ اللهُ مِنَ الْمُورَى .

۲۷۔ قربایا حفرت امام رضا علیدالسلام نے کوفد آنے اپنے تبدیوں میں ہے کسی ایک بنی کو دی کا کم جب میری اطانت کی عبائی سے تومیں راضی ہوتا میں راضی ہوتا ہوں برکت نازل کرتا بلوں اور میرسے برکت نازل کرتا ہوں اور میرانین کرتا ہوں کرتا ہوں کہ تا ہوں کہ میں کہتا ہوں اور میرانین کرتا ہوں اور میرانین کرتا ہوں اور میرانین کرتا ہوں کرتا ہوں کہ میرانین کرتا ہوں اور میرانین کرتا ہوں اور میرانین کرتا ہوں اور میرانین کرتا ہوں کر

٧٧ - عُمَّا بُن يَحْمِلُ ؛ عَنْ عَلِيْ بْنِ أَلْتَمَنِ بْنِ عَلَيْ ، عَسَنُ عَبِي بْنِ الْوَلِهِ مِنْ الْوَلِهِ وَمَنْ الْوَلَهِ وَمَنْ الْوَلَهِ وَمَا أَوْلَتُهُ إِنَّ أَحَدَ كُمُ لَيَكُنُرُ بِهِ الْمَعْوَفُ مِنَ الشَّلْطَانِ وَمَا ذُلِكَ إِلَّا مَعْوَبُ مِنَ الشَّلْطَانِ وَمَا ذُلِكَ إِلَّا مَعْوَبُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ تَلْقَلُ وَأَنْهُ } وَلا تَمَادَوُا فَهِا .

٧٠ - فرمایا صادق آل محرّے تم میں سے کسی کویا دستاہ کا فوٹ زیادہ چوتلہے بہ سبب گنا دے ہے۔ کوگٹا چوں سے بچاڈ اور اگرصیا در چوتواس کو بار بارز کرو۔

٢٨ - عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنْ عَنْهَا بَنِ عَبِلْمَ ، عَنْ يُونَسُّ ، رَفَعَهُ قَالَ : قَالَ أَمْهِرُ ٱلْمُؤْمِنِينَ عَبِهِمَ الْمُؤْمِنِينَ عَبِهِمَ اللّهُ وَمَنْ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنْ عَنْهَا بَنِي عَنْهِمَ ، وَلا خَسَوْفَ أَشَدُ هِنَ الْمَوْتِ ، وَكَمَى بِمَاسَلَفَ تَشَكَّمُوا ؛ وَكَمَى بِمَاسَلَفَ تَشَكَّمُوا ؛ وَكَمَى بِمَاسَلَفَ تَشَكَّمُوا ؛ وَكَمَى بِمَاسَلَفَ تَشَكَّمُوا ؛ وَكَمَى بِالْمَوْتِ وَاعِظاً
 كَفَى بِالْمُوْتِ وَاعِظاً

مَوْلَى لِأَ بِي الْحَسَنِ مُولْمِي عَلِيَكُمْ قَالَ: سَمِعْتُ الرِّ شَا عَلِيَّ يَقُولُ كُلَّمَا أَخْدَتُ الْعِبَادُ مِنَ الْفُا وَبِ

۱۹۹ فرایا ۱ مام دهشا علیدالسلام نے بندے اب اگذاہ کرتے ہی جے پہلے نہیں کیا دینے پاعت در دین ، توالنگران پر ایسی بانا تال کرتا ہے جے وہ پہلے سے تہیں جانتے ، وابیعے کمی ظالم کوان پرمسلم طاکر تاسیے)

﴿ - عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنَّ أَبِيدٍ ، عَنِ ابْنِ مَعْبُوبٍ ، عَنْ عَبْثادِبْنِ شُهَيْثٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 الْخَيْثُةُ قَالَ : يَقُولُ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ : إِذَاعِصَانِي مَنْ عَرَفَنِي شُلِّمَتُ عَنْيْدٍ مَنْ لا يَسْرُفُنِي .

۲۰ فرمایا دمام جعفرصادن علیدانسادم نے کر عدیث تدین میں اللہ تعالیٰ فرما نکسیے جو کوئی میری مونت رکھتے ہوئے ہی گنا مکر تلب ترمیں اس پر ایک دلیے شخص کوسلف کرتا ہوں جوجہ ہی معونت نہیں رکھنا ۔

إن عَدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنا، عَنْ مَهْلِ بْنِ بْبالْدِ، عَنْ عَلِيّ بْنِ أَسْباطٍ، عَنِ ابْنِ عَرَّ فَقَاعَنْ أَبِي الْمُحَسَنِ
 عَلَيْكُمْ قَالَ: إِنَّ لِللهِ عَزَّ وَ حَلَّ فِي كُلِّ يَوْمُ وَلَئِللَّهِ مُنَادِيا ثُنادي : مَهْلاً مَهْلاً مِهَادَاللهِ عَنْ مَعْالِمِي اللهِ ، وَسَنِيةٌ وُ مَنْ عَمْ وَشَيْوُ وَلَئِللَّةٍ مُنَادِيا ثَبَادَيُ الْعَذَابُ مَهْلاً مِهَادَاللهِ عَنْ مَعْالِمِي اللهِ ، وَسَنِيةٌ وُ مَنْ عَمْ وَشَيْوُ وَلَئِللَّةٍ مُنَادِيا ثَبَادَهُ الْعَذَابُ مَهْلًا مِهْلًا مِهْادَاللهِ عَنْ مَعْالِمِهِ اللهِ ،
 قَلُولا بْهَارُهُ مُن تَشَعْرَ وَسَنِيةٌ وُ مَنْ عَمْ وَشَيْوَ فِي وَلَيْلَةٍ مُنْ اللّهِ عَلَيْكُمُ الْعَذَابُ مَنْهَا وَ مَنْ عَلَيْ عَلَيْكُمُ الْعَذَابُ مَنْهَا وَهِ مَنْهَا وَمِعْ مَنْ اللّهِ عَلَيْكُمُ الْعَذَابُ مِنْهِ مَنْهِ وَمُنْ فِي مَنْهُ وَمُؤْمِن فِي مَنْهُ اللّهُ مِنْهُ لَهُ مِنْهُ وَمُنْهُ وَمِنْهُ وَمُ وَلَيْلِهُ وَلَهُ لَهُ وَمُؤْمِنَ مِنْ مَنْهُ وَمُؤْمِنُ وَلَهُ مِنْهُ وَمُؤْمِنُهُ وَمُؤْمِنَ مِنْ مَنْهُ وَمُؤْمِنَ وَمُنْهُ وَمُ اللّهُ مِنْهُ مِنْهُ إِلّهُ مِنْ عَلَيْكُمُ اللّهِ مِنْ مَنْهُ وَمُؤْمِنَ وَمُؤْمِنَ مِنْ مُنْهُ وَمُؤْمِنَ وَمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ وَمُنْ اللّهِ مِنْ وَلَهُ لَهُ مُنْهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهِ مِنْ اللّهُ عَلَيْلُولُهُ اللّهِ مِنْ مَنْ اللّهُ عَلَيْكُولُونُ اللّهُ وَلَهُ مُنْ مُنْ اللّهُ مِنْ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ عَلَيْكُولُهُ اللّهُ عَلَيْكُولُونُ مُنْ اللّهُ عَلَيْكُولُونُ اللّهُ عَلْمُنْ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُولُونُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ عَلَيْكُمُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهِ عَلَيْكُونُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ عَلَيْكُولُونُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُونُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ ا

۱۳۰ فرایاحفرت دام دخاعلیا اسلام نے اگر خدا فرا کہ بے دوریٹ قدی میں کر ہوں اور دان کر ایک مناوی نداکرتا ہے۔ اسے اللّٰہ تک بندو گنا صد با زر ہو اگر نتہ ہوتے چرفے والے اور و و دوریتے ہے اور تحق بیڈھ کوا لیڈٹ تھر پر ہا اذا ب نازل کرتا ہی تمہمیں بیس کرر کے ویڈا۔

دوسو عاليسوال اب

ورناى الكراني) والمرا

عَنْ أَمِي عَبْدَالَةٍ مَنْ أَصْحَايِنا ، عَنْ أَحُمَدَ بَيْنِ أَعْمَى عَنِ أَبِي فَعْثَالِ ، عَنْ أَبِي جَمِيلَةَ ، مَنِ الْعَلَيْنِ عَنْ أَبِي عَبْدَالَةٍ مِنْ أَمْدِ عَنْ أَمْدِ عَنْ أَبِي عَبْدَالَةٍ مِنْ أَمْدِ عَنْ أَبِي عَبْدَالَةٍ مِنْ أَمْدِ عَنْ أَبِي عَبْدَالَةٍ مِنْ أَلَى عَنْ أَبِي عَبْدَالِهِ مَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ وَجَلّ : وإِنْ تَجْتَنِبُوا كَلِبَائِرُ مَا تُنْهُونَ عَنْهُ مُنْكُمْ مَدْخَلًا كُمْ مُدْخَلًا كَرَبِها ، قَالَ : الكَبَائِرُ: النّي أَوْجَبَ اللهُ عَزْ وَجَلّ عَلَيْهَا النّار .

ا و فرها عداد ق آل محد طبیدانسال نے اس آنت کے متعلق اگر تم ان بڑے گنا بلوں سے بچوگین سے تہیں منع کیا گیا ہے۔ قواللّٰد تم ارے کچھا گنا ہوں کا کفارہ بناوے گا اور تم کوجت کے بہترین مفام ہی جگہ دے گا امام نے فرما بلہے گنا مال مجمد سے مراووہ گذا وہ بہ جن کے میوالٹ پر نا دجم آب و اجب کیا ہے۔

٧ . عَنْهُ ، عَنِه ابْنِ مَحْبُونِ قَالَ : كَثْبُ مَه بِعَضُ أَمَّخَابِنَا إِلَىٰ أَبِي الْحَسَنِ كَلْمُكُلُّ بَسْأَلُهُ عَنِ الْمَائِلِي مَعْبُونِ قَالَ : كَثْبُ مَه بِعَضُ أَمْخَابِنَا إِلَىٰ أَبِي الْحَسَنِ عَلَيْهِ الشَّارَ كَفَتْرَ عَنْهُ سَيِغَانِهِ إِذَا كَانَ مُؤْمِنًا وَالشَّيْعُ الْمُوجِنَانَ : قَنْلُ النَّقْسِ الْحَرَامِ وَعُقُوقُ الْوَالِدَيْنِ وَأَكْلُ اللهِ بَا وَ التَّعَرُّ بُ بَعْدَ كَانَ مُؤْمِنَا أَنْ وَالشَّيْعُ الْمُوجِنَانَ : قَنْلُ النَّقْسِ الْحَرَامِ وَعُقُوقُ الْوَالِدَيْنِ وَأَكْلُ اللهِ بَا وَ التَّعَرُّ بُ بَعْدَ الْهَائِمَ وَعَلَمُ اللَّهِ عَنْهِ وَاللَّهُ مِنَ اللهِ عَنْهُ اللَّهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

۷-۱ مام دها علیا سلام سے کچھوکوگل نے تکھ کہ پچھاکدگٹ ابان کبیریختے میں اور کسیاکیا ہیں آپ نے ہوا ہیں تکھا کہ جن گٹا ہوں پراللّہ نے جہزمیں ڈانے کا وعدہ کہاہے اوران سے بچھتے مِن کھنے گٹا ہموں کرمعان کرنے کا وعدہ کیاہے بنے ولکہ وہ مومن ہوا ورجہ زمیں جلنے کا مدہ سائٹ امرہ اس جی بہتر تعظامی کوشش کرنا ، والدین کی نافرانی میود کھا نا اور پچرمت مے بعد مجھرا ویرنشون بن جانا (کربشز فرات الدہے) اور ڈن عفید فرم تھے نہ تاکیکا نا اور مال پیتم کھا نا اور ابنیکے ہے ہواکہ جا تا۔

سَمَ عَلَيْ مَنْ إِمْرَاهِهِمَ عَنْ مُخْرَفِي عَيِشَى، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بِنِ مُسْكَانَ ، عَنْ مُخْرَفِينِ عَيِشْ مُسْكَانَ ، عَنْ مُخْرَفِينِ مُسْكَانَ ، عَنْ مُخْرَفِينِ مُسْلِم ، عَنْ أَلِي عَبْدِاللهِ عُلِيَّتُ مُانَ ، سَمِعْهُ يَقَوْلُ : الكَبْائِلُ سَبْعُ ، قَالُ المُؤْمِن مُتَعَمِّداً وَقَلْفُ مُسْلِم ، عَنْ أَلِيعِ عَبْدِاللهِ عُلِيَّةً مَانَ ، سَمِعْهُ يَقَوْلُ : الكَبْائِلُ سَبْعُ ، قَالُوهُ مِنْ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْ

سرفرایا بوعبدالشرعلیا لسیام نگایان کیروسات بی تلداکسی مومن کونسل کمنا ، زن عفت دارتهرت ذنالگانا نشکرسے بحاگا، بیجرت کے بعد لیپشعرتھام پروابس بانا ، کانم سے مال بیتیم کھانا ،حردت آنابت بوجانے کے بعد سود کھانا اور مبروہ گناہ جس بورورخ واجب بود

﴾ - يُونْشُ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِالِن قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ ۚ يُظِلِّ يَقُولُ : إِنَّ مِنَ ٱلكَابِرِعُقُونَ الْوَالِدَيْنِ ، وَٱلْدِائِشَ مِنْ رَدِّجِ اللهِ ، رَالاَّمْنَ لِمَكْرِ اللهِ . رَقَنْدُدِي ٓ (أَنَّ) أَكْبَرَ ٱلكَبَائِرِ الشِرْكُ بِاللهِ .

 و َ يُونسُ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ نَعُمَّانَ اللَّ ازِيِّ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللَّهِ لِإِيْلِ يَقَوُلُ : مَنْزَنَىٰ خَرَجَ مِنَ الْأَيْمَانِ ، وَ مَنْ أَفَطَرَ يَوْمًا مِنْ شَهْرِ رَمَضَانَ مُتَمَّيْداً خَرَجَ مِنَ الْإِيمَانِ ، وَ مَنْ أَفَطَرَ يَوْمًا مِنْ شَهْرِ رَمَضَانَ مُتَمَيِّداً خَرَجَ مِنَ الْإِيمَانِ .

ه مذرایا حضرت ام جعفرصادتی علید اسلام نے جس نے زناکیا وہ ایمان سے خادج ہوا اور جس نے شراب بی وہ ایمان سے خارج ہوا اور جس نے تعدداً کسی دن ماہ میں گاہیں دوزہ نے رکھا وہ بھی ایمان سے خارج ہوا

٣- عَنْهُ ، عَنْ عُقْدِبِنِ عَبْدِهِ قَالَ : قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللهِ عَلِيْلِ : لأيزَ بْنِي الزَّ انِي وَهُومُؤْمِنْ؟ قَالَ : لأَ إِذَا كَانَ عَلَى بَعْلِنْهَا شُلِبَ الْأَبِمَانُ مِنْهُ فَإِذَا قَامَ رُدَّ إِلَيْهِ فَإِذَا غَادَسُلِبَ قُلْتُ : فَإِنَّهُ يُرُبِدُأَنْ يَعَوُدَ ؟ لأَ إِذَا كَانَ عَلَى بَعْلِنَهَا شُلِبَ الْإِبْمَانُ مِنْهُ فَإِذَا قَامَ رُدَّ إِلَيْهِ أَبَداً .
 فَقَالَ : مَاأَ كُنْزَمَنْ يُرِيدُ أَنْ يَعُودَ فَلايعَوْدُ إِلَيْهِ أَبَداً .

۱- بیمسف حقرت الوعبد الشرطیوالسلام سے لوجیار ڈنا نہیں کرتا کوئی ڈائی درآ نحائیکہ وہ مومن ہو فرمایا ۔ نہیں اگروہ عورت کے بلغ کی الروہ کی الروہ اور بھی کرتا۔ سلب ہوجائے گا اگر میں اور شنے کا ادا دہ کرے توفرا یا اکثر ابسا ہوتا ہے کہ وہ اعادہ نہیں کرتا۔

٧- يُونُسُ، عَنْ إِخْاقَ بْنِ عَمْتْ إِهِ عَنْ أَبِي عَبْدِالِلَهُ يَلِيلٍ فِي قَوْلِ اللهِ عَزَ وَجَلَّ : «اللَّذِينَ يَجْنَيْبُونَ كَبَائِرَ الْإِثْمُ وَالْفَوَاحِشَ إِلَّا اللَّمَ» قَالَ : أَلْفَوَاحِشُ الرِّ نَى وَالْسِيرَ قَةُ ! وَاللَّمَ : الرِّجُلُّ يَجْنَيْبُونَ كَبَائِرَ الْإِيْمَ وَالْمَهُ : الرَّجُلُّ يَلِمَ إِللَّهُ مِنْهُ . قُلْتُ : بَيْنَ الصَّلَالِ وَالْكَفُيرَ مَنْزِلَةٌ ؟ فَقَالَ: مَا أَكْثَرَعُو كَالَا يِمَانِ .

۵ فرایا ادعبد الشه علیانسلام نے اس آیت کے مشہق میر لوگ بڑے گئا ہوں، برکا دیوں اور بے حیائی کی باتوں سے بھتے ہیں اکر اس میں فوات سے مراد زنا اور مرقر ہے اور لمم سے مراد وہ شخص کو گنا ہ پر طلامت کی جلد کا اور مجبودہ توب کر کے دہ میں بنا کہ ایک کا مرتب سے درمیان ہم کو گ درجہ ہے۔ فرایا ایکان کی بہت سی رسیاں ہی جن سے ترک کر کے وہ مومن رہتا ہے۔

٨- عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ عَبْدِالرَّحْمْنِ بْنِ الْحَجْمَاجِ ، عَنْ عَبْدِالرَّحْمْنِ بْنِ الْحَجْمَاجِ ، عَنْ عَبْدِالرَّ حَمْنِ بْنِ الْحَجْمَالِةِ ، فَمْالَ : هُنَّ فِي كِنَابٍ عَلِي بِهِ سَبْعٌ : الْكُمْرُ ابْنِ ذَرُارَةَ نَالَ : هُنَّ اللّهُ عَنْ الْكَبْائِرِ ، فَقَالَ : هُنَّ الْمَكْمُ وَالْمَالُمَةُ وَالْمَالُمَ وَالْمُؤْلِلُهُ وَاللّهِ وَاللّهُ ولِلللللّهُ وَاللّهُ وَاللّ

ٱلكَبَائِرِ؟ فَقَالَ: أَيُّ شَيْءٍ أَوَ لَهَا قُلْتُ لَكَ؟ قَالَ: قُلْتُ: الْكُفْرُ، قَالَ: فَإِنَّ تَارِكَ الصَّلَاوَكَافِرُ . يَمْنِي مِنْ غَيْرِ عِلَّةٍ .

الرَّحْسُنِ الْأَسْمِ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ مِنْ اَحْمَدَ مِنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ مِنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَلَمْ اللهِ عَلَيْهِ قَالَ : قَالَ أَمْمُ الْمُؤْمِنِ مَلْوَاتُ اللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ وَاللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ ال

ورَوْاهُ ابْنُ فَضَالٍ ، عَنِ ابْنِي مُسْكَانَ .

۵ د ژوایا حفرت الوعیدا الله علیه اسلام نے کہ امیرالومنین علیدال الم منے تولیا کہ بندہ کے اوپر جالیہ، فرختے بطوی پر

جو تے ہیں جبت کک کہ وہ چاہیں گناہ کہ پرہ فرکہ ہے۔ جب وہ چالیس گناہ کم پرہ کرتاہے تو یہ سپری اس سے بعلے جاتی ہی اس

وقت خداان فرختوں کو وی کرتاہے کرمیرے بندے کو اپنے ہوں سے چھپائے رہولیس ملا کہ اس کو ڈھانپ لیے ہیں بھسر

وفا جب وہ کمی گزائی کو ترکہ ہی ٹہیں کرتا اور اپنے بڑے فعل کی عدت کرنے لکھنا سے تو ملا کہ کہتے ہی اے پر وردگار اس بیرے

بند سے نے کوئی گناہ کرنے سے نہیں چھوٹا اور ہم کو اس کی عدا عمال سے حیا آتی ہے فعل تب ان کو وی کرتا ہے کہ اپنے بازواس

پرسے ہٹا اور جب وہ ایسا کرتے ہی تو اس بندے ہیں ہم المبدت کا بغض بیدا ہوجا کہ ہے اور جب ایسا ہوتا ہے تو زمین و

اسمان ہیں اس کے گنا ہوں کا پر وہ چاک ہم جا آت ہے اور ملا کہ کہتے ہی پر وردگا دا یہ تیرا بندہ اس حالت میں ہے کہ

اس کاکوئی گذاه پوشیده نزر با فرادی کرنام ای کراس بنده سه میری کوئ ماجت بوتی تومی تهیں میم ندویتا که این بادودُن کواس سے سٹالور

۔ ارفرطیا ابوعبد النشرهلیہ انسام نے گنا ہائی کبیرہ ہیں ہے ، رحمتِ قداسے نا المبید ہونا ، دا حت الہید سے مایوسس مہونا عداب قدت ہونا ، بے گنا ہ کا تعلق والدین کی نافوائی ، ظلم سے مال بیشیم کھانا، سود کھانا اس کے حرمت ظاہر ہونے کے بعد بھی باجہ میں بن جانا ، زن عفت ما ہر ہوئی ہے تا دکا ا، نشکر سے بھاک جانا ، حضرت ہے کہی تے سوال کیا ۔ کہا ٹرکا ارتباب کرنے والواگر اس مالت ہیں مرجلے تو کیا وہ ایمان سے خدارے ہوجائے گا اور اس بروہی عذاب ہو گا کہ اس نے یفعل علال کیلہے تو وہ اسلام سے خارج ہوجائے گا اور اس کے لیے سیات سے خداب ہوگا اور اگر اس کا معرف ہوگا کہ اس نے یفعل علال کیلہے تو وہ اسلام سے خارج ہو جائے گا اور اس کے لیے معلل نہ تھا تو اس کا عذاب ہوگا اور اگر اس کا معرف ہوگا کہ اس نے گنا و کہیرہ کیا ہے اور فعل جرا کا مرکب ہولا مگر وہ ایمان سے خارج ہوجائے گا ۔ اسلام سے خارج ہوگا ۔ اسلام سے خارج ہوگا ۔ اسلام سے خارج ہوگا ۔

١١ _ عُنَّابُنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَنِ ابْنِ فَنَثَالٍ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ قَالَ : قُلْتُ لِأَي جَمْفَرِ اللهِ فِي قَوْلِ رَسُولِ اللهِ بَالْمُعِيَّةِ : إِذَاذَنَى الرَّ خُلُ فَارَقَهُ رُوحُ الْإَيمَانِ ؟ قَالَ: هُوَقُولُهُ: وَأَيْنَهُمُّ بِرُوجٍ مِنْهُ وَاللهِ اللهِ اللهِ عَلَى يُفَارِقُهُ .

اا۔ بین نے امام محدیا قرص السلام سے سوال کیا ۔ دسول النزے اس نول کے خلاق، جب کوئی زناکر تاہد تو دوح ایکا اس سے جدا ہوجاتی ہے فرمایا قول ، دی کے شعلق ہے ا ور اس منے ان کا مدد کی اپنی دوج سے بہی دوح اس سے جدا ہوجاتی ہے ١٦ . عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِمِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ رِبْعِي ؛ عَنِ الْغُمَنْيلِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ رِبْعِي ؛ عَنِ الْغُمَنْيلِ ، عَنْ أَبِهِ عَبْدِاللهِ عَنْ حَمَّادٍ ، عَنْ رِبْعِي ؛ عَنِ الْغُمَنْيلِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِهِ عَلَى مَلْدُامَ عَلَى مَلْدُامَ عَلَى مَلْدُامَ عَلَى مَلْدُامَ عَلَى مَلْدُا اللهِ عَادَالاً بِمَانُ قَالَ : قُلْتُ (لَهُ) : أَرَأَيْتَ إِنْ هُمَ ؟ فَالَ: لا - أَرَأَيْتَ إِنْ حَمَّ أَنْ يَسْرِقَ أَتُمْظَعُ يَدُهُ ؟.

۱۱ فرایا بوعبدانشد علیه اسسادم خدب که مردعورت یک کم پرسیدگا دور ایمان است دورد سے گا- ما ۱۷ جب وه بقرز تا الگ نیوجائ کا دروح ایمان عود کرآئے گا میں نے کہا اگروہ قصد زنا رکھنا مہو تب بھی دوج ایمان جدا موجک گار فرایا ۔ نہیں ، کیا آر نہیں جاننا کہ سرفہ کا ارادہ رکھنے والے کا ہائے قبطع نہیں کیا جاتا –

۱۹۳۰ ر دادی کهشه مین حذرت ا برعبدالترعلیه اسلام کی خدمت میں حافرتھا کم عمد بن عبده نے سوال کیا۔ ذنا کوسے والا کیا اصلی درشتاہے ۔ فرط نہیں ۔ جب وہ عورت کے شکم پر دہے گا ایمان سے دور درہے گا بال اگر با (دہے گا (توب کے بعد) اسس کا ایمان اوٹ اُسے گا اس نے بچھا ۔ اگر بو زنا کی طوٹ کیرلوٹنے کا ادادہ کرے ۔ فرمایا اکٹرایسا ہوتاہے کہ لوٹنے کا ادادہ کرتاہے گرزیمیں لوٹ ارملاب یہ ہے کھرف ادادہ پرسلیب ایمان در بوگا۔)

١٤ الحُسَيْنُ بْنُ عَهَم، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَنْ الْوَشَاء، عَنْ أَبَانٍ، عَنْ أَبِي بَصِير، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ اللهَ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ الْوَصْاء، عَنْ أَبَانٍ، عَنْ أَبِي بَصِير، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهَ عَنْ اللهَ اللهَ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ اللهَ عَنْ اللهَ اللهَ عَنْ اللهَ الله

هَدَ أَبَانٌ، عَنَّ زِيَادٍ الكُنَّاسِي قَالَ: فَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ لَلْكَلُّى : وَالَّذِي إِذَا دَعَاهُ أَبُوهُ لَمَنَ أَبَالُهُ وَالْنَتِي إِذَا أَخَابَهُ انْنُهُ يَضَرِّئِهُ. रिक्षा दिन विकास स्थापित है। विकास स्थापित स्य

۱۵۔ فرایا ابوجدا لنڈیلیزاسلام نے یہ گانا ہان کمیرہ سے پی کہ باب پیٹے سے پھر طلب کرے اوروہ اسے مزوے اور اپنے کپ کو گرلکے اور بیر بھی کرجب بیٹا باپ کی خواجش بودی کرے تو باپ اسے مارے اور اس کی طاقت سے زیادہ ما تکے

١٦ عِذَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلَيْهِ مَ وَأَلَيْهِ ، رَفَعَهُ، عَنْ عُيِّدِ بْنِ دَاوُدَ الْعَنَوِيْ
عَنِ الْأَصْبَغِ بْنِ نُبَاتَةً قَالَ : جَآةً رَجُلُ إلى أُميرِ الْمُؤْمِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ فَقَالَ : يَاأَمْيِرَ الْمُؤْمِنِينَ إِنَّ نَالْمُؤْمِنِينَ إِنَّ الْمُؤْمِنِينَ إِنَّ الْمُؤْمِنِينَ إِنَّ الْمُؤْمِنِينَ وَلَا يَشْرَبُ الْخَمْرَ وَهُومُؤْمِنٌ وَلا يَشْرَبُ الْخَمْرَ وَهُومُؤْمِنٌ وَلا يَشْرَبُ الْخَمْرَ وَهُومُؤُمِنٌ وَلا يَشْرَبُ الْخَمْرَ وَهُومُؤُمِنٌ وَلا يَأْكُلُ اللهَ اللهَ عَلَيْهِ عَنْهُ اللهَ عَ الْحَرَامَ وَهُومُؤُمِنٌ ؟ فَقَدْ ثَقُلَ عَلَيْ هَذَا وَحَرِجَ مِنْهُ صَدْرِي حَبِنَ الرّبَا وَهُومُؤُمِنٌ وَلا يَشْرَبُ الْخَمْرَ وَهُومُؤُمِنٌ وَالْمَالِقُومُ وَلَا اللهُ عَلَيْهِ وَلَا يَشْرَبُ اللهِ اللهُ عَلَيْهِ وَلَا اللهُ وَالرَبُهُ وَقَدْحَرَجَ مِنْهُ اللهِ اللهُ عَلَيْهِ وَالرَّهُ وَقَدْ حَرَجَ مِنْهُ وَقَدْ حَرَبَحِ مِنَا لَهُ اللهُ عَلَيْهِ وَالرَّهُ وَقَدْحَرَجَ مِنْ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهُ وَقَدْ وَيُوارِئُنِي وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَاللهُ وَمُعْوَلُولُ اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ وَاللهُ وَلَا اللهُ وَاللهُ وَقَدْ وَلَوْلُولُولُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

خَلْقَالَةُ عَنْ وَجَلَّ النَّاسَ عَلَى ثَلَاثِ طَبَقَاتِ وَأَنْزَلَهُمْ ثَلَاثَ مَنْاذِلَ وَ ذَلِكَ قَوْلُ اللهِ عَنْ وَجَلَّ فَي الْكِتَابِ : مَأْسُخَابُ الْمَيْمَنَةِ وَأَصْحَابُ الْمَشْأَمَةِ وَالشّابِقُونَ ، فَأَمّٰ مَاذَكَرَمِنْ أَمْرِ السّابِقِينَ فَانَّهُمْ فَي الْكِتَابِ : مَأْسُخُوبُ الْمَيْمَنَةِ وَأَسْخَابُ الْمَشْآمَةِ وَالشّابِقُونَ ، فَأَمْ مُلْ مَاذَكَرَمِنْ أَمْرِ اللّهُ وَي وَرُوجِ الْفُونَ وَعَيْرُهُرْ سَلَيْ وَبِها عَلَيهُوا اللهُ فَي اللّهُ وَلَمْ يَشْوَ كُوابِهِ شَيْئًا وَ يروع الْقُونَ وَجَاهَدُوا عَنْوَ هُمْ وَعَالَجُوا مَعْاهَمُمْ وَ يروج اللّهُ وَوَجَالَتُهُ وَالْمَعْلَى وَيَهُو وَجَالَاللهُ وَلَمْ يَشْو كُوابِهِ شَيْئًا وَ يروع الْقُونَ وَجَاهَدُوا عَنْوَ هُمْ وَعَالْجُوا مَعْاهَمُمْ وَ يروج اللّهُ وَوَجَالِكُوا اللهُ وَي وَجَاللّهُ وَي وَرُوج الْلَهُ وَي وَرُوج الْبَعْنِ وَبِها عَلَي وَالْمُوا وَدَرَجُوا بِرُوج اللّهُ وَالْمَعْلَى وَي الْمَعْلَى وَي اللّهُ عَنْ وَي وَجَالَ اللهُ وَي وَالْمُوا وَمَوج اللّهُ وَي وَالْمَعْلَى وَالْمُوا وَمَنْ وَاللّهُ وَي وَجَالَ اللهُ وَي وَاللّهُ وَلَى اللّهُ وَاللّهُ وَلَمْ وَالْمُ وَاللّهُ وَلَا اللهُ وَلَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَمَا لَوْ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَى اللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَي اللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

نُمْ ذَكَرَ أَصْحَابَ الْمَيْمَنَةِ وَهُمُ الْمُؤْمِنُونَ حَقَّا بِأَعْبَانِهِمْ ، جَعَلَ اللهُ فَبِهِمْ أَرْبَهَةَ أَرْوَاجِ ، روُجِ الْإِمِانِ وَروُجِ التَّوَقِ وَرَوُجِ الْبَدِنِ، فَلا يَزَالُ الْعَبْدُ يَسْتَكُمِلُ هَذِهِ الْأَرْوَاحَ الْأَرْبَهَةَ حَتَى الْإِمِانِ وَروُجِ التَّهُ وَ وَرُوجِ الشَّهُوةِ وَرَوُجِ الْبَدِنِ، فَلا يَزَالُ الْعَبْدِ الْخَالَاتِ ؟ فَقَالَ : أَمَّنَا أُولا مُنْ فَهُو كَمَا تَأْنِي عَلَيْهِ خَالاتُ ، فَقَالَ : أَمَّنَا وَلا مُنْ فَهُو كَمَا قَالَ اللهُ عَزَ و جَل : ووَمُنكم مَنْ يُرَدَ إِلَى أَرْدَلِ الْعُمْدِ لِكَيْلا يَعْلَمَ بَعْدَ عِلْمِ شَيْئًا فَهُذَا يَنْتَقِعُ مَنْ مُنْ اللهُ عِنْ اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ الْمُؤْمِنِ اللهِ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الللهُ اللهُ ال

THE THE PROPERTY OF THE PROPER

النافيدم المحالية الم

قَامَا أَمَّا الْمَهُا أَمَّاكُمُ الْمَهُا الْمَهُا الْمَهُودُ وَالنَّمَارِي يَقُولُ اللهُ عَزَّ و جَلَّ : وَالْذَبِنَ آتَينَاهُمُ الْكِتَابَ يَعْرِ فَوْنَ أَبْنَامُهُمْ يَعْرِ فَوْنَ عَمَّا وَالْوَلَايَةَ فِي النَّوْرُقَةَ وَالْإِنْجِيلِ كَمَايَعْرِ فَوْنَ أَبْنَامُهُمْ فَي مَنْ وَوْنَهُ كَمَا يَعْرِ فَوْنَ أَبْنَامُهُمْ فَي مَنْ وَوْنَ أَنْ الْمَالُمُ وَاللهُ عَلَيْ وَالْمَا وَالْمَالُولُ إِلَيْهِمْ وَإِنْ فَرَيقًا مِنْهُمْ لَيكُنُمُونَ الْحَقَّ وَهُمْ يَعْلَمُونَ وَالْحَقِّ مِنْ رَبِيكَ (أَنْتَكَ الرَّسُولُ إِلَيْهِمْ) فَلاتَكُونَنَّ مِنَ الْمُمْتَرِينَ وَلَمَا جَحَدُوا مَاعِرَ فَوْ الْبَتَلا هُمُ [الله] بِذَلِكَ فَسَلَبَهُمْ رُوحَ الْإِيمَانِ وَ أَسْكَنَ أَبْدَانَهُمْ ثَلَاكُمُ مَنْ اللهُ الله

۱۹۱ اصبغ بن نبان سے مردی ہے کہ ایک شخص امیر المونین علیدا مسلام کے پاس آیا اور کھنے لگا ابعض لوگول کا سیگال او یہ ہے کہ ایک بندہ زنانہیں کہ تا اور وہ مومن ہے جدی نہیں گرتا اور وہ مومن ہے نشراب نہیں بیتا اور وہ مومن ہے سود نہیں گھاتا اور وہ مومن ہے نا کہ برشخص میری طرح نماز کی پڑھتا ہے اور میری طرح دین تق کی دعوت بھی دنیا ہے اور میرے اور اس کے دردییان منا کوت اور میراث بھی درست ہے لیکن بہی شخص تھے ڈا ساگناہ کرنے برایمان سے فارج بوجا تہ ہے ۔ خصرت نے ذرایا میں نے رسول اللہ میں سیاسی اور اس برونین یہ آیت ہے واہی طرف والے اور با میں طرف والے سبقت کرنے والے دروز تیامت بہوں کئی وہ سابقین جن کا ذکر ہے انہیا و مرسلین اور فیرمرسلین ہوتی اسلامی ان میں با پڑے مرسلین وغیر سابی نہیں اسروز قدس ، وقع ایمان ، روح قدت ، دورہ شہوت العدود ع بدن ، دوح قدی کے لئے اللہ مرسلین وغیر سابین مبعوث ہوتے اور اس کا وجہ سے ان کو علم اشیاء حاصل ہوئی اور دورم ایمان سے انحوں نے اللہ کا عبادت کی اور کئی کواس کا شرکی قرار رہ دیا اور روح تو تو میں میں نے جہاد کیا اپنے وہنمنوں سے اور اپنی معاش حاصل کا اور النان مِلْمُ المُنْ الْمُنْ الْمِنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمِنْ الْمُنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمُنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ الْمِنْ ال

روح مشهوت سے لذت طعام حاصل کی ا وربطرانی حائل عورتول سے نکل کیا اور دوح جل سے چلے بچرہے ، بسی بیعندا نظر معنوا بي اوران كى فروگذائشتول سے درگذركى كئے ہے۔خدانے فرايا بھنے ان بن بعض كيين پرفنيدلت دى اوج ہے الترنے كلام كيا اور بعض کے درجات بلندکے اورعیسی بن مریم کوم یجزات دیے اور دوح القدی سے ان کا تابید کی اور ایک گردہ کے لئے کہا میم نے اس کایداین وس سے ک فرافرانا ہے کراس نے ان کو کرم کیا اور دوسروں پران کو ففیلت دی ، یہ وہ گرمع ہے جو عندالله مغفورسے اورص کی فرد گذارشنوں سے درگذرکی جاتی ہے اس کے بعد فدانے واسٹی طوت وا اوں کا ذکرکیا ہے۔ ہی اظ اینی دا آول کے سیم مومن ہوں گے ان میں فدانے چا ردومیں قرار دی ہیں دوح ایمان ، دوح قوت ، دوح مشہوت ا در دوم بدل ، عبد خداان چارول کی تکمیل میں دستلہے جب یک حالات ندبدلیں۔ اس شخص نے کہا حالات بد لنے کی کیاصورت ہوتی فرايابها معودت ميستعلق فدافرانا بص بعض اپنى عرك بيت ترحمه تك بنيجة بن تأكروه جلنف ك بعدسب كيم يجول جايي اس عرس تمام روون كونقصان بني جانا ہے بيكن با وجود اس كى كاده دين فداس فارى نيس مرد اكيونكريد كمرورى فداك وا معدى بدن برق بعجود والعرك واس كوك باللبع فياده بوط عابد كرن توده تماركا وقت جا تنليداور درات ادودان ا میں سنت نمازوں کا ، زجماعت میں ہوگوں کے ساخوکھڑا ہو سکتا ہے۔ نرتقعان دفرح ایمان ہے لیکن اس سے اس کونقعات نهير بنيجتا اوربعن كان بين دوح قوت كمزور يطبحاتى بيعص وه وشمن سيجهاد نهبس كرسكتا اوركسب معاش سعقناهم دم تلب يعفى كادى من منهوت كمزورير مانى يعص مدومين مدين وريت كاطون توج نهيس كالد كور بريد فرورت ركھنلە مون دور بلن اس بىر كام كرتى ہے جس سے وہ چلتا بھڑنا ہے بہاں تك كرموت كا فرختہ اس تك بہني جا تلہے يہ حالات انسان کے لئے بہتر و تھیں کیونکہ کر درباں الترک طرف سے دی ہوئی ہوتی ہیں. لیکن ایسے مالات میں بیٹن کا تھیں کہ انسان کے بدن لين قوت بھي ميوتى ہے اور عالم شباب بھي ليكن اليي مالت بين بھي وہ گنا وكا ادا وہ كرتا ہے جب كركز دتا ہے تواس كے ايمان من نقصان يبدا بوجاتا بعادروه اس عقاسة بوجاتا بعاورجبتك توبرنيس كرتا ايمان اس كاطرن نيس اوثنا جب لوب ار السياق الله اس ك توريقبول كراليد اكروه عود كرتلي تو الله تعالى اس نارج من مي داخل كرتلي رسيد بالمي طوف والع لوك توده بهود ونفسارئ ہیں جیسا کہ فدا قرما ناسب دہ نوک جن کوہم نے کتاب قدا دی وہ دسول کواسی طرح بہجائے ہیں جیسے اپنی اوالا كوليعة تحددسول التدعل التدعل وساركوا وران كاولايت كاذكر توريت والجيل ميسهد وماست يرفيه كرحفرت كالمعرنساس طرح حاصل کئے ہوئے ہی جیسے اپنے گھوں ہیں بہنی اولا دلک مچوان بیںسے ایک گروہ نے خی ات کوچھپالیا۔ حالانکروہ جلنتے تھے ک رب كى طرف سے أنخفرت كوان كى طرف رسول شاكر يعيم إكباب يميس تم انكار كرنے والے ندبنو و جب انفول في معوفت كے بعد مى انکارکردیا توخدلفان کواپیے عذاب پی شیله کرد یا ۱ ورروح ایمان کوان سے سلب کر لیا ۱ دران کے ا بمان میں ثین رومیں کھیں روح توت ، دوح مشهويت اوروم برن ا در ان كونبت دى چوباؤل سے اورون رمايا : ده چوباؤل كور بي . كيول كر ج بائردح قوت ع برنج المفلة بن ادردوح سنبوت عراقين اوردوع بن عبلة كورة بن جب سأن نے امرالونین علیاسلم سے برواب سناتو کھندلگا اے امرالونین آپنے با دن فلامیرے مرده قلب کونندہ کریا

المَّا عَنْ عُلْمُ إِبْراهِم ، عَنْ عُلَمْ بِن عِيشَى، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ دَاوُدَ قَالَ : سَأَلْتُأَبَاعَبْدِاللهِ عَلَى عَنْ عُونُسَ ، عَنْ عُلَمْ إِبْراهِم ، عَنْ عُلَمْ بَنْ عَبْسَى، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ دَاوُدَ قَالَ : هُوَمِنْلُ قَوْلِ اللهِ عَنَّ عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ وَجَلَ] : وَوَلا تَمَتَّمُوا الْخَدِبِتَ مِنْهُ تُنْفِقُونَ ، ثُمَّ قَالَ : غَيْرَ هٰذَا أَبْيَنُ مِنْهُ ، ذَلِكَ قَوْلُ اللهِ عَزَ وَجَلَ] : وَوَلا تَمَتَّمُوا الْخَدِبِتَ مِنْهُ هُوَالَّذِي فَارَقَهُ .
 وَأَيْتَدَمُمُ مُ يِرُوجٍ مِنْهُ هُوَالَّذِي فَارَقَهُ .

۱۰ وا و و د نیمه ایس نے حفرت الموعب ما الشرعلی السائی سے شناء تول دسول الٹرکے منعلق کرجب کون مروز ناکم تلہے ا تواس سے درجی ایمان سسلب بوجاتی ہے حفرت نے فوا آن نحفرت کا اس آیت ک خس ہے پیضے جمع کرنے کے وقت خراب از سے برتھیں کہ شختوں کو دینے ہیں اپنے فوموں میں شامل کرنے کا قصد نذکرو۔ اود اس سے زیادہ واضح آیت ہے ہے یہ خواسف اپنی ا اروح سے ان کی طری ۔ بس مہی روح ہے جواس سے جواج وجاتی ہے ۔

١٨ ـ يُونسُ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ سُلَيْمَانَ بْنِ خَالِدِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِالِلهِ يَهِ فَالَ : وإِنَّ اللهُ لَا بَغْفِرُ أَنْ يُشْرَكَ بِهِ وَيَغْفِرُ مَادُونَ ذَلِكَ لِمَنْ يَشَاءُ الْكَبَائِرَ فَمَا سَوَاهَا، قَالَ: تُقَدُّ : دَخَلَتِ الْكَبَائِرُ فَمَا سُوَاهَا، قَالَ: تُقَمْ .

۱۸ د فرایا ابو عدد النزعلید السدام نے فدا شرک کاگناه نہیں بخشا اور اس کے سواجوکناه ہوگا اسد جد جاہے گا بخش دے گارادی کہتلہ میں نے پوچھاکیا اس استنتنا میں کہا گروا خلام یا لیجنے کیا ترکو نجش دسے گا۔ فرایا۔ ہاں۔

١٩ ـ يُونُسُ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَمَّارِقَالَ ، قُلْتُ لِأَ بِيِعَبْدِاللهِ ﷺ ؛ الْكَبَائِرُ فَبِهَا اسْتِثْنَاءُ أَنْ يَغْفِرَ لِمِّنْ يِشَاءُ ؟ قَالَ : نَعْمُ

١٩ مين في حفرت الوعب والدعلية المام عديدي الكالمان كبيره مين عد كان كشاه بعى فداجه جاسع كالمجنس ريكا - فرمايا إلى م

٠٠٠ فرايا الوجد الله طيراك الم في اس آيت كم تنعلق ، جه حكمت دى كن اسخير كمتررى كن اس معمراد عامام ك

ان وبليم المنظم المنظم

معرفت اور ان گنا بان كبيره سے اجتناب بحس كرتے پر اللّٰد نے دوزح كو واجب كياہے۔

٢١ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِمِمَ ، عَنَّأْبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ ُغَيْرِ بْنِ حَكِيْمٍ قَالَ : قُلْتُ لِأَبِي الْحَسَنِ تَلْقَلْمُ : الْكَبَائِرِ ، قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَنْ الْإِمَانِ ؟ فَقَالَ : نَعْمُ وَمَادُونَ الْكَبَائِرِ ، قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَمُومَوْمِنْ وَلا يَسْرِقُ الشّادِقُ وَهُومَوْمِنْ .

۲۱ - را دی کہتا ہے ہیں نے حفرت ایام دضا علیوا سیام سے سوال کیا ۔ کیا گئ بان کیرہ ایمان سے حذاری کر دینے ہیں ڈوا بال را ود کرب اڑکے علا وہ دسول اللہ نے فرایا۔ زنا ۔ نہیں کرتا کوئی زنا کرنے والا۔ در آنجا لیسکہ وہ مومن ہوا ور چیدی نہیں ر کرتا چور در آنجا لیکہ وہ کومن ہو۔

٢٢ ـ ابن أبي عُميْدٍ ، عن علي [بن] الزّ يثاتِ ، عن عُبيْدِ بن رُدَارَةَ قَالَ: دَخَلَ ابن قَيْسِ الْمَاصِر وَعَمْرُو بن دَرْ اللهِ عَنْ عَبيْدِ بن رُدَارَةَ قَالَ: دَخَلَ ابن قَيْسِ الْمَاصِر فَقَالَ : إِنَّا لاَنخُورُ جُ أَهْلَ دَعَوْتِنَا وَأَهْلَ مِلْمَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْ اللهُ اللهُل

۷۷- قیس بن تام ا ودهرو بن ذرا درمیراخیال بے کہ ابوضیف مجی الم محدا ترطیب السلام سے پاس کسٹے ، ہن آئیس نے کہدا ہم نہیں خسا درج ہونے دین دسینے والی جماعت مصاور اہلِ ایمان کے گروہ سے درصورت گا ہ کرنے کے۔

الم عليدا لسلام نے فرايا - اسے ابنِ تبس دسولُ اللّٰہ تو بدفر لمتے بي كرجوكولٌ مومن ہے وہ نہ زناكر تلب اور نہ چورى كرتا ہے ليے اور نہ چورى كرتا ہے ليے اس تھی جداہ جا ہوا ختيا دكرو ۔

٢٣ ـ عَلَيْ مَنُ إِبْرَاهِهِم ، عَنْ عُهْرِينِ عَهِلَى ، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بَنِ يَنْانِ فَالَ : سَأَلْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عَلَيْتُكُمْ عَنِ الرَّحْدِ مَنَ الْكَبْرَة مِنَ الْكَبْرَة مِنَ الْكَبْائِرِ فَيَمُوتُ ، هَلْ يُخْرِجُهُ ذٰلِكَ مِنَ الْإَسْلام ؟ وَإِنْ عُلِنَ عَذَابُهُ كَمَدُ إِنْ الْمُشْرِ كَبِئَ أَمْلَهُ مُدَّة وَانْقِطْا عَ وَقَطْالَ عَ فَطَالَ : مَنِ الْاَتْكَبْ كَبْيرَة مِنَ الْكَبَائِدِ فَرَحَم أَنْهُ إِنْ كَانَ مَدْابُهُ أَخْرَجُهُ ذٰلِكَ مِنَ الْإَسْلامِ وَعُدْبَ أَشَدَّ الْمَدَّانِ وَإِنْ كَانَ مُشْتَرِفًا أَنْهُ أَذْنَبَ وَ الْمَاتَ عَلَيْهِ أَخْرَجُهُ مِنَ الْإِسْلامِ وَكُلْنَ عَذَابُهُ أَهْوَنَ مِنْ عَذَابِ اللَّهُ قَلْ .

٢٧- دا دى كِتلىدى نعفرت الم جعفرصادق عليدالسلام يعضغص كمتعلق دريافت كياج كسي كنا وكبيره كا

مرتکب مہوا ہو ا دراسی حانت میں وہ مرتکیا ہو۔ آیا وہ اسسانا سے خارج ہوگا یا نہیں ا وراس پر دہی غراب ہوگا ج مرخرک کے لئے یہ یا کچھ بدت کے بعد منتقبلی ہوجائی گا فرائی اگر وہ مرتکب کمن اہ اس نیاں کے سامتی جو اسپ کروہ نعل طلا کر دہاسے توامسلام سے خاتی ہوجائے گا اوراس کے بعد اس میں مرجائے گا تواہمان مجوجائے گا اوراس کے بعد سخت عذا بہوگا اور اس کی افراد کرنے گا کراس نے گئٹا ہ کیا ہے اوراس حالت میں مرجائے گا تواہمان سے خاص ہوجائے گا مگمامسلام سے خادری نہ ہوگا اور اس بی عذاب بیپل شنوی سے کم ہوگا

٢٤ . عِنَّدُ أُمَّ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ كُلِّهِ بِنِ خَالِدٍ ، عَنْ عَبْدِ الْعَظيمِ بْنِ عَبْدِ اللهِ الْعَسَّمْيّ قَالَ: حَدَّ ثَنِي أَبُوجَعْفَهِ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ قَالَ: مَمْعُتُ أَبِي يَقُولُ: مَمِنْتُ أَبِي مُوسَى بْنِ جُعْفَرِ الظَّالُهُ يَمَوُلُ: دَخَلَءَ مُرُوبْنُ عُبَيْدٍ عَلَىٰ أَبِي عَبْدَاللهِ لِلْكِتِيْنُ فَلَمَنْا لَمَلْمَ وَجَلَسَ تَلاهْدَبُوالْآيَةَ : «الْدَبِنَ يَجْتَنِيُونَ كَبَائِرَ الْإِنْ وَالْفَوَاحِشَ، ثُمُّ أَمْسَكُ فَقَالَ لَهُ أَبُوْعَبَدِاللَّهِ ﴿ عَلَا : مَاأَسْكَنْكَ ؟ قَالَ : أُحِبُ أَنَ أَعْرِفَ ٱلكَبَائِرَمِنْ كِنَابِ اللهِ عَرَّ وَجَلَّ : فَقَالَ : نَعَمْ يَاعَشُرُو أَكْبَرُ ٱلكَبَائِرِ الْإِ شَرَاكُ بِاللهِ ، يَعَوُلُ اللهُ : دوتمَنْ يُشْرِكُ بِاللَّهِ فَقَدْ حَرَّ مَاللَّهُ عَلَيْهِ ٱلْجَنَّـة، و َبَعَـْدُهُ الْإِيَّاسُ مِنْ رَوْجِاللهِ ، لِأَنَّ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ يَقُولُ : وَإِنَّهُ لَا يَيْنَأَنُّ مِنْ رَوْجِ اللَّهِ إِلَّا لَقَوْمُ الْنَافِرُونَ هُ ثُمَّ الْأَمْنُ لِيَكْمِ اللهِ ﴿ لِأَنَّ اللهُ عَزُّ وَ حَجِلٌ يَقُولُ : وَفَلَا يَأْمُنُ مَكْرَالَةِ إِلَّاأَلْقَوْمُ الْخَاسِرُونَ، وَمِنْهَاعَتُونَ الْوَالِدَيْنِ لِأَنَّ اللَّهَ سُبِخَانَهُ حِمَلَ المَاقَى حَبْثَاراَ شَيَّيْهَا وَقَنْلُ النَّعْيِي الَّذِي حَرَّ مَاللَّهُ إِلَّا يَانْحَقَّ لِأَنَّ اللَّهَ عَزَّ وَجَلَّ بِعَوْلُ ؛ وَفَجَزْ اؤُهُ جَهَنَتُمُ خَالِدا فَهِها ... وإلى · آخِرِ ٱلْآيَةِ. وَقَدْفُ الْمُحْصَدَةِ ، لِأَنَّ اللهُ عَرٌّ وَجَلَّ يَقَوُلُ؛ ملينوُافي الدُّ نَباوَ الآخِرَةِ وَلَهُمْ عَذَابٌ عَظَيْمٍ، وَأَكُلُ مَالِ ٱلْيَتِهِمِ لِأَنَّ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ يُقَوُّلُ : ﴿إِنَّمَا يَأْكُلُونَ فِي بُعَلُونِهِمْ نار آوسَيَمْ لَوْنَ سَعِبِر أَمَوَ الْفِرَارُ مِنَالَنَّ حْنِ لِأَنَّ اللَّهَ عَزٌّ وَكَمَلَّ يَقُولُ : ﴿ وَمَنْ يُولِّيمٌ يَوْمَئَذٍ ذُبِّرَهُ إِلْامُنتَحْيّ فألفِينَالِ أَوْ مُنتَحَيِّنزَ أَإِلَىٰ فِئَةَ فَقَدْ بَاءَ بِفَضِّبِ مِنَ اللهِ وَمَأْوَاهُ جَهَنَّمُ وَ بِفْسَ الْمَصِيرِ، وَ أَكُلُ الرِّ بَالِأَنَّ اللهَ عَزَّ وَ جَلَّ يَقُولُ : وَالَّذِينَ يَمْ كُلُونَ الرِّ بِالْايْقَوُمُونَ إِلَّا كَمَا يَقُومُ الَّذِي يَتَخَبَّطُهُ الشَّيْطَانُ مِنَ المُسِّن ، والسِّخْرُ ، لِأنَّ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ يَقُولُ: ﴿ وَلَقَدْ عَلِمُوالَّمَينِ اثْمَتْرَاهُ مَالَّهُ فِي ٱلآخِرةِ مِنْ خَلاقٍ، وَالزِّ نَاءُ لِأَنَّ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ يِقَوُّلُ: ﴿ وَمَنْ يَفَعَّلُ ذَٰلِكَ يَلُقَأَتُنَاماً ۚ يُضَاعَفَ لَهُ ٱلْعَذَابُ يَوْمَ الْفِيَامَةِ وَ يَخْلُدُ فَهِهِ مُهَاناً، وَٱلْيَمَيْنُ الْغَمُوسُ الْفَاجِرَةُ لِآنَ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ يَقَوُلُ: «الَّذِينَ يَشْتَرُونَ بِعَهْدِاللهِ وَ أَيْمَانِهِمْ ثَمَنَا قَلْمِلًا ٱوالَّيْكَ لَاخَلَاقَ لَهُمْ فِي ٱلْآخِرَةِ، وَالْفُلُولُ لِأَنَّ اللَّهَ عَزَّ وَجَلَّ بِفَوْلُ: ووَمَنْ يَفْلُلْ يَأْتِ بِمَاغَلَ يَوْمَ الْقِيامَةِ، ومَنْعُ الزَّكَاةِ الْمَقَرُ وَضَةِ، لِأَنَّ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ يقُولُ: وفَنُكُولَى بِهَاجِبَاهُهُمْ وَجُنُو بُهُمُ وَظُهُورُهُمْ، وشَهَادَةُ الزُّ ور وَكُيْمُانُ الشُّهُ إِذَةِ لِأَنَّ اللهَ عَزَّ وَجَلَّ يَقَوُلُ: ووَمَنُ يَكُنُّمُهُا فَإِنَّهُ ۚ آَيْمُ قَلْبُهُۥ وَشُرُبُ الْخَبِرِلِأَنَّ اللَّهَ

النان بالما المنظمة ال

عَزْ وَجَلَ نَهَىٰ عَنْهَا كَمَانَهَىٰ عَنْ عِبَادَةِ الْأَوْثَانِ، وَتَرْكُ الصَّلَاةِ مُتَعَمِّداً أَوْشَيْئاً مِمَّا فَرَضَاللهُ ، لِأَنَّ رَسُولِ اللهِ وَاللهِ عَنْ عِبَادَةِ الْأَقْفَةُ بَرِى مَ مِنْ ذِمَّةِ اللهِ وَ ذِمَّةِ رَسُولِ اللهِ وَاللهِ عَلَيْهُ اللهُ وَ وَمَّةً وَسُولِ اللهِ وَاللهِ عَلَيْهُ وَ وَمَّا لَهُمُ اللهُ اللهُ عَنْ الْمَهْدِ وَقَطْيِعَةُ الرَّ جِم وَ لِأَنَّ اللهُ عَنْ وَجَلَّ يَقَوُلُ : وَا وَلَيْكَ لَهُمُ اللّهُ مَنْ أَلُهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَمْلُ وَاللهُ اللهُ عَنْ قَالَ وَاللهُ اللهُ مَنْ قَالَ مِنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلْمُ وَاللهُ اللهُ اللّهُ عَنْ قَالَ مِنْ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ

۲۲ برحفرت امام محدثقی علیدانسبلام قے فروایا کرمیں نے اپنے پور بزدگوا رحفرت ا مام دیشیا علیہ اسبلام سے سنا کرمیں نے اپنے باپ حقرت المام موئ كافلم عليد نسلام سعد شاكر غروبن عبيدا كيد روز المام جدفوها وق عليد نسلام كياس آيا ، سلام كيا ا وربيتها اور ب آيت برعى الذين والفواحش الرجيب بركياراس فيهايس جا بمنامون كرأب كتاب فدات بیان درمایس . فرمایا سن لے عروسب سے بڑاگ ، شرک باالشرہ خدائے فرمایا ہے میں نے خدا کا سنر کی قرار دیا - جنت اس برحسدام ہے اس کے بعد رحمتِ فعراسے الی سے جیسا کرفرانلہے کا فروں کے سواکوئی رحمتِ خداسے ما ایس نہیں ہونا ۔ مگر کا فرلوگ ۔ اس کے بعد عذاب فداسه ما يسى ب قرمانا بع فداك عداب ب فون نهس مح والمرضاده باف وسه لوك، اودان كبارس والدين ك نا فرانه به كيون كدفدائ نا فران كوجبار وشقى فرايا بها ورناح تركى كوتش كرناكيون كما لله تعالى فرانسهاس كاجذا مبنها مِي وه بميشرر بيرگا اورزن عفيف ميهمت زنالگانا. خدا فراند جديد لوگول پردنيا وا خرت مي لعنت ب اوران كه ايشافت عذا بسبع ادرمال نتيم كاكهانا - فدا فراته بعد اليدوك ابن بين مين الك موتيب وده عنقرب جبنم كآك ابي كا ورجها د سے ٹوارغدافرما آسبے بوکوئی اس وقت پشت بھیرے گا سوائے کادب نگ سکے لئے جیسے ذرہ وغیرہ کی درستی پاکسی گروہ میں سٹنا مل ہونے کے هے، تودہ غضب خدایں آگیا اس کا تھ کان جہنم ہی ہے اور بُری جگہے ادرسود کھانا۔ خدا فرما تہیں جولوگ سود کھاتے ہی وہ امس طرح كھڑے ہوں كے جيسے كسى شيطان نے چھوكرلڑ كھڑا ديا ہوا درجا دو ہے خدا فرما تلہے كہ انھول نے جان ليا كرا بھوں نے البباسو لیاجس سے کرآخرت میں ان کاکوئی حقد نہیں اور زندہے۔ فدا فراندہے اس گذا ہے کرلے والے کے لئے روز قبیا مت دوگٹ عداب ہے ادروہ اس میں بمیشہ ولت کے ساتھ رہے گا اورنقعان درساں بھوٹی متم کھانا خلاقوانلیے وہ الٹرسے دعدہ خسلانی کرکے اور چوٹی مشیں کھاکر تھوٹراسا فائدہ حاصل کرتے ہیں ان کا آخرے ہیں کو ٹ حقد نہیں اورجے اسٹے سرفہ ال فنیرے ہیں قبل تقییر کا خراقا ہے دسی ال اس کے ساتھ تیامت میں دیا جائے گا اور مفروضہ ذکارہ نے دنیا ۔ خدا فراندہے کر ان کی پیٹیا نیال اور پہلوا ورائٹ بنال س ال د دافى جائي كا اور جونى كوابى دينا اوري كوابى جيانا-

خدا فرما آسہ جواسے چیپائے کا تواس کا دل گمنه گار فرار بائے گا اور شراب کابینیا خدانے اس سے اسی طرح منع کیسا سپیدجس عمرت بست پرستی سے با برتک نما زسے قعمداً با ہراس نشے کے ترک سے جسے النٹرنے فرض کیا ہے اور سول النڈنے فرا با سپیٹ بی نے عمداً نما نرکو ترک کیا الندا ور رسول کی وحد داری سے الگ ہوگیا اور وعدہ کا نوڑ تا قعلع رحم کرنا تقدا فرما آب سے ایسے لوگوں کے لئے معنت ہے اور ٹرامٹھ کا نہیے۔

يرسن كرهروبن عبيد و بال حبني ل كسائف و تا بوا بكلاا و كمت جات ها . بلاك بهوا وه حب ف بنى دلت سع مكم لكايا ا و را كب سه نفل و علم من جَكُرُ البوكيا _

ملام مل على مرحلبى عليه الرحد مراة العقول بي تحرير فرمات بي كركبا تركا لفظ مرف ايك دوس كانبت و في من المرك المنت المرك المنت المرك المركز المرك المرك المركز المرك المرك المركز المر

دوسواكتاليسوال باب

كنابول كوحقير بحينا

۲۴۱ (باب) ۱۵(ائتصفار الذّنب)۵

لا عَلِيٌّ بِنُ إِبْرَاهِهِمْ ، عَنْ أَبِهِ ، وَكُمْ أَبِنُ إِسْمَاعِبِلَ ، عَنِ الْفَضْلِ بْنِ شَاذَانَ ، جَمِيفًا ، عَنِ ابْنِ أَبِي عَنْ إِبْرَاهِهِمْ بَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي الشَّخْامِ قَالَ: قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلَىٰ النَّقُوا أَبِي عُمْدِر ، عَنْ إِبْرَاهِبِمْ بِنْ عَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي النَّامَةَ ذَيْدِالشَّخْامِ قَالَ: الرَّجُلُ يُدْينُ الذَّ نَبَ فَيَقُولُ: المُحَقِّر التَّ عَالَ: الرَّجُلُ يُدْينُ الذَّ نَبَ فَيَقُولُ: طُوبِي لَوْلَمْ يَكُنْ لِي غَيْرُ ذَٰلِكَ .
 طُوبِي لِي لَوْلَمْ يَكُنْ لِي غَيْرُ ذَٰلِكَ .

ار فرایا حفرت ایوعد الله علیدالسلام نے گئا ہوں مے تقریمین سے بچوکیونک وہ بخشان جلسے گا۔ ہیں نے کہا حقریمی ہے ن سے کیلم اوسے فرایا ایک شخص گناہ کرسے اور کہے بہتر ہوا ۔ مہرے لئے کماس کے علاق و دسرانہ ہو ہ

* عِذَةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَنْ عَمْ عُفْمَانَ بْنِ عَبْسَى ، عَنْ سَمَاعَةً قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاالْحَسَنِ اللّهِ يَقُولُ : لاتَسْتَكُثِرُوا كَثَبِرَ ٱلخَبْرِ وَلا تَسْتَقِلُوا قَلْبِلَ الذَّنُوبِ ، فَإِنَّ قَلْبِلَ الذَّنُوبِ ، يَكُونَ كَثَبِراً وَخَافُوا اللهِ فِي السِّرِ "حَتَىٰ تَعُطُو المِنْ أَنْفُسُكُمُ النَّصَةَ .

٧- قرايا ١١م موى كافل عليه السلام فى كرا بن نيكيول كوزياده وسمجعدا وربين گذا جول كوكم شرجا نوسخور وسي گذاه ال كربهت به جاتے بي اور الله سے ڈرو بورٹ يده گذاه كرنے بي مين لوگول كے توث سے توجب كرگماه كرتے جواللہ سے نہيں ڈر تھ

اس معودت ہیں انصاف کھوہیٹوگے۔

٣ أَبُوعَلِي الْأَشْمَرِيُ ، عَنْ كُلِّدِبْنِ عَبْدِالْجَبْنَادِ عَنِ ابْنِ فَصَّالِ وَالْحَجْنَالُ حَمِيماً ، مَنْ مُمْلِئَةً ، عَنْ زِيَادٍ قَالَ الْمُوعَبْدِالله لَلْجَنْكُ ؛ إِنَّ رَسُولَ اللهِ الْمُؤْخِرُ نَزَلَ بِأَرْضِ قَرْعَا ، فَقَالَ إِنَّ مُسَالًا وَالْمُؤْمِنِ قَرْعَا وَاللهِ الْمُؤْمِنِ قَرْعَا وَاللهِ الْمُؤْمِنِ قَرْعَا وَاللهِ الْمُؤْمِنِ قَلْمَالُوا ؛ يَارَسُولَ اللهِ نَحْنُ بِأَرْضٍ قَرْعَا وَ مَا بِهَامِنْ خَطْبٍ قَالَ : فَلْمَانُونَ كُنْ إِنْمَانِ بِاللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

٣ دفرایا الجزیدالله علیداسدام نے کردول الڈکا گذرایک ایس سرزین پرسے مواجود دخستوں سے خانی آپ نے اپنے اصحاب سے فرایا الجزیدال مجرح کرو۔ انھوں نے کہا حضور پہاں درخت نہیں ہیں فرایا جس کوچتی نکڑیاں لمیں ہے آئے وہ لائے اور ایک جرکے کہا ورقتہ رفتہ رفتہ ہوتے ہیں بجرفروایا چھوٹے سے چھوٹے گئا ہ کو بھی تھے رنہ اس کے محدکیوں کہ ہرگئا ہ کا بازپرسس کرنے والا ہے اور وہ مکھنا ہے ہروہ ممل چوبس نے کہا ہے اور ہردہ نشان جوبس نے کھوڑا ہے اور ہم نے ہرفتے کا احسان امام میں میں کردیا ہے۔

دوسوبیالیسوال باب گنابور برامرار

((بالبُ)) ۲۴۲۲ ۱۰(الإصرادِ عَلَى الذَّنْدِ)

ا عِدَّهُ مِنْ أَصْحَامِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبُن عُنَيْبِنِ خَالِدٍ ، عَنْ عَبْداللهِ بِنِ عُنْهِ اللَّهِ عَنْ عَمَادِ بْنِ مَرْوَانَ الْقَنْدِي ، عَنْ عَبْداللهِ بِنِ عَبْداللهِ عَنْ أَبِي عَبْداللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَبْداللهِ عَنْ عَبْداللهِ عَنْ أَبِي عَبْداللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَبْداللهِ عَنْ عَبْداللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ عَلَا اللهِ عَلَا

ا رفرها يا حفرت الوعيدالشرعليدا سلام ف الرهيوني سيحيوسط كمنّاه كوان ان باد باركة جلدة توخيونا نهيس ومهمّا الد

المنابعة الم

الرفدات قررك فرات مدي أناه مواف مروالكيد

اَدَ أَيُوعَلَى الْأَنْكَوْرَيُّ ، عَنْ تُقَرِّينِ الله ؛ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ النَّمْشِ، عَنْ عَمْرِ وَبْنِ شِمْ ، عَنْ خَابِرٍ عَنْ أَنِهِ مَنْفَقِ عِلَيْهِ فَى تَوْلِ اللهِ عَرْ أُوجَلَّ : وَلَمْ يُسُورُ وَا عَلَى مَا فَعَلُوا وَهُمْ يَعْلَمُونَ ، قَالَ : الإِسْرَارُ مُولَّنَ يُشَبِ اللهُ ثَبَ أَنَا إِسْدَعَيْرُ اللهُ وَلا يَحْدَدْ مُ نَعْسَهُ بِتَوْبَةٍ فَذَٰلِكَ الإِسْرَارُ.

به فرفیا سفرت بیده بایداری منه است قبل فداک متعلق اضطلاف ای بها هراد نمیا درا مخالی که ده به فرفیا سفرت بیشته به به فرفیا این برنزللسفه ای کا به فرفیا این فرفیا این کا م کرست اور فداست مستغفار نز کرست اور آوی کا ذکریمی زبان پرنزللسفه ای کا به دار اربیت -

الْ عَلَيُّ مِنْ إِنَّ الْهِمِ عَنْ أَبِهِمِ عَنْ إِنِي أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ مَنْصُورِ بْنِ يؤْنُسَ ، عَنْ أَبِي بَسِيرٍ عَنْ مَنْصُورِ بْنِ يؤْنُسَ ، عَنْ أَبِي بَسِيرٍ عَلَى أَبِا عَلَى مُنْ مُعَاسِمِهِ . وَنُ مَعْاسِمِهِ . وَنُ مَعَاسِمِهِ . وَنُ مَعْاسِمِهِ . وَنُ مَعَاسِمِهِ . وَنُ مَعْسُمُ اللَّهُ مِنْ مَعْلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مَنْ مَعْلَى اللَّهِ مِنْ مَعْلَى اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مِنْ مَعْلَى اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ مِنْ إِنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ مِنْ إِنْ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مِنْ إِنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مِنْ اللَّهُ الل

۴ الديمية وي بدكن فرق الديدالله على المعلى السام بعد مناد فدالهذا طاعت من كوفي في استخفيه

دوسونينتاليسوال باب المراركان المركة أصول اور اركان

(بنابُ) ۱۹۸۲ (بنابُ) ۵(في اُصُولِ الْتُكُفِّرِ وَآدُ عَلَانِهِ)

الْنُحَسِّرُ بَنِّ مِنَ أَخْمَدُ بِي إِسْحَاقَ، عَنْ بَكِرْ بَنِ عَنْ أَبِي بَسِيرِ فَالَ: فَالَمَا بُوعَبْدِافِي عَنْ بَكِرْ بَنِ عَنْ أَبِي بَسِيرِ فَالَ: فَالْمَا بُوعَبْدِافِي عَنْ الْمُسَوِّ فَالْكُورُ مِنْ أَنِّ الْمَ عَلَى الْمُعَلِّمِ مِنَ الْمُحْدِدِ اللهُ عَنْ الْمُعَلِّمُ الْمُعَلِّمُ اللهُ وَالْمَسَدُ ، فَأَمَّ الْمِحْرُمُ فَإِنَّ الْمَ عَلِي السَّجُودِ الآمَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ ال

١ - فرمايا الذيبه إن المطابرانسلام في احول كفرتين بي رحرص ، مكركونا ا ودحد كرنا احرص بي تومقي في نشيممنوه سي ا

آدم کو کھلنے پرآ ما دہ کر دیا رحا لا کرخوائے اس سے دوکا تھا اوٹ کمٹر ہی تو تھا جس نے ابلیس کوسجدہ آدم سے دوکا تھا ا ور حسد ہی تو تھا جس نے قابیل فرزند کا وم کواپنے بھائی باہیل '' تی برکا دہ کیا ۔

لا عَلِيُ إِنْ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنَّ أَبْهِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِينِ ، عَنِ الشَّكُونِينِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَىٰ أَلْ ؛
 قَالَ النَّبِينُ وَالشَّخَطُ وَالْفَسَنُ .
 قَالَ النَّبِينُ وَالشَّخَطُ وَالْفَسَنُ .

۷- قربایا حفرت الدعبدالترطیادسلام نے کہ دسول الشرنے قرابا - ارکان کفرجا رہیں۔ مثل دنیا کی طوف رغست اور نام برق سے ناواض جونا اور آٹم صلالت کی محبست ہیں ان پر عند کرنا ر

۳ - فرمایا حضرت الدیمدالنڈعلیہ السلام نے کورسولگالنٹرنے فرمایا - خداکی سب سے مپیلے نا فرما نی کرتے والی چھ چیزی ہی دنیاک مجست ، ریاست کی مجست ، کھانے کی مجست ، صونے کی مجست ، دراحت کی مجست ، اورعورت کی مجست ۔

٤٠ - عُدَّهُنُ يَحْيى ، عَن أَحْمَدَبْنِ عَبِي ، عَن عَنْ عَلَى إِنْ سِنَانِ ، عَنْ طَلْحَةَ بْنِ زَيْدٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ
 عَلْمَتُكُمْ أَنَ رَجُلاً مِنْ خَنْعَم جَاءً إِلَى النَّبِيقِ وَالْمُتَاكِرُ فَقَالَ: أَيُّ اللهُ عَمَالِ أَبْغَضُ إِلَى اللهِ عَنَّ وَجَلَّ ؟ فَقَالَ:

WALEA CALCACO A CALCACO A

النَّذِلُ اللَّهُ اللَّهُ عَالَ : ثُمَّ مَاذًا ؟ قالَ : فَعَلَمِعَهُ السَّر حِمِ قَالَ : ثُمُمَّ مَاذًا ؟ قالَ : الأَمْرُ بِالْمُنْكُسِرِ وَالنَّمِيُّ مَن النَّمْرُوفِ

الم من المرابات رن الوعد و المدال المدال المدال المركز ال

ه عَلَيْ بَنُ إِبْرُ اهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ أَبِيهِ ، عَنِ الْبَيْلِ عَمَيْرٍ ، عَنْ حَسَنِيْنِ عَطِينَةَ ، عَنْ يَزيدِ الصَّائِغِ تَأْلَى ، وَإِنْ وَعَدَ أَخْلَفَ ، وَاللّهُ مِنْ أَنْ وَعِلْ وَعَدَ أَخْلَفَ ، وَإِنْ وَعَدَ أَخْلُفَ ، وَأَنْ وَعَدَ أَخْلُقَ ، وَأَنْ وَعَدَ أَنْ الْعَنْ وَعَدَ اللّهُ عَلَيْ وَلَهُ اللّهُ مُنْ وَلَا وَعَلَا وَعَلَا وَاللّهُ وَلَوْلَ اللّهُ مُنْ وَلَوْلُولُ مِنَ اللّهُ وَلَا وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَوْلُولُ وَلَا اللّهُ وَلَوْلُولُ وَلَوْلُولُ وَلَوْلُولُ وَلَوْلُولُ وَلَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا لَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا لَا اللّهُ وَالّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَالْمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَالْ

۵-دادی کیت دیدی سفطرت الوعیدالله علیاسادم به به بها که ایک شخص شید توب مین جب کهتاب جوشادر ودده کرتاب تولیرانیس کراادراین بنایا جا آب توخیا نت کرتاب اس کا درج کیا به فرایا یی کفرک اول منزلت به ایسا شخص کا فرنیس بے۔

١- عَلِي مَنْ إِبْرَاهِهِمَ ، عَنْ أَبِهِهِ ، عَنْ أَبِهِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ السَّلَامُ قَالَ : فَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ عَلَيْهِ السَّلَامُ اللهُ فَيْ وَقَسُوهُ الْقَلْبِ وَهِذَ وَالْحِرْمِ فَي طَلَبِ اللهُ فَيْ وَقَسُوهُ الْقَلْبِ وَهِذَ وَالْحِرْمِ فَي طَلَبِ اللهُ فَيْ وَقَسُوهُ الْقَلْبِ وَهِذَ وَالْحِرْمِ فَي طَلَبِ اللهُ فَيْ وَالْإِصْرَادُ عَلَى اللّهُ فَي .

در فرایا حفرت الم عبد الشطید اسلام نکردس الت**نشندوایا شقادت کی نشانیال بیمی آنکسی اختک بهذا بین شدونا ،** دل کا سخت به ونا و طلب دنیا کی انتها کی توص اودگناه پراحرار-

٧ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَلِيٍّ بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَنْ ذَاوْدَبْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ عَنْ أَبِي جَنْفَهِ بَنَ إِبْرَاهِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَلِيٍّ بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَنْ ذَاوْدَبْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ أَبِي عَنْفَالَ : اللَّا خَيْرُ كُمْ بِشِرَادِ كُمْ ؟ قَالُوا : عَنْفَالَ : اللَّا خَيْرُ كُمْ بِشِرَادِ كُمْ ؟ قَالُوا : بَلْنَ فَالَ : الذَّبِي يَمْنَعُ دِفْدَهُ وَيَضْرِبُ عَبْدَهُ وَيَشْرَقُ دُوحَدَهُ ، فَعَلَنْوُا أَنَّ اللهَ لَمْ يَخْلُقْ خَلْقًا هُومَتِي مِنْ هُذَا .
خَلْقًا هُومَتِي مِنْ هُذَا .

ثَمَّ قَالَ : أَلَا اُخْبِرُ كُمُ مِنَ هُوَشَرٌ مِنْ ذَلِكَ ؟ فَالُوا : بَلَىٰ فِارَسُولَ اللهِ ، قَالَ : الذي لأيرُجْى خَيْرُ ﴾ وَلاَيُوْمَنْ شَرْءٌ فَظَنَّوْا أَنَّ اللهَ لَمْ يَخَلُقْ خَلْقاً هُوَشَرٌ مِنْ هٰذا .

CHENCHE CHENCH

ثُمَّ قَالَ: أَلَاا خُيرُ كُمُّ مِنْ هُوَهُنَّ مِنْ ذَلِكَ ؟ قَالُوا: بَلَى يَارَسُولَ اللهِ، فَالَ الْمُنْفَي أَلُمُّالُ اللَّمُّالُ اللَّمُّالُ اللَّمُ اللَّمُ اللَّمُ اللَّمُ اللَّمُ اللَّمُّالُ اللَّمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّمُ اللَّمُ اللَّهُ اللْ

ے۔ فرا احفرت الوجد للمع طیرانسلام نے کواکی معذوسول اللّٰ فرائیا ہیں تہیں ہٹا ڈل کوتر ہیں برترین انسان کلن جولول نے کہا ۔ خرود یا دسول اللّٰ فرایا ہے شہرہ بہی ہوتا در دے ، ایٹ فالم کومارے اور تنہا کھائے، لوگ خسم جا کر خدا نے اس سے بد ترین انسان بدید اہی نہیں کیا ۔ مجون رایا کیا میں اس سے بھی بدت آ دی کو بٹاؤں لوگول نے کہا حفرور فرایا وہ فمش گفتا داور نعن کرنے والا کرجب ہومن کا اس میرسائٹ ڈکر کی ایوارٹ کوٹ اور جب اس کا ڈکر لوگول کے سائٹ موقودہ اس پرنعن کمیں ۔

٨- عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيادٍ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانٍ ، عَنْ أَمْ عَبْدِاللهِ عَلَى وَزَعْمَ أَنَّهُ أَيْ عَبْدِاللهِ عَلَى وَزَعْمَ أَنَّهُ مَسْدِاللهِ عِلَيْهِ عَلَى وَزَعْمَ أَنَّهُ مَسْدِاللهِ عِلَيْهِ عَلَى وَزَعْمَ أَنَّهُ مَسْلِمٌ : مَنْ إِذَا اثْنَيْنَ خَانَ وَإِذَا حَدَّتَ كَذَبَ وَإِذَا وَعَدَ أَخْلَفَ ، إِنَّ اللهَ عَنَّ وَ يَحِلَ فَالَ في كِتَابِهِ ؛ هَا لَهُ لَا يُحْبُ وَفَالَ: وأَنْ أَضَتَنَا لهُ مَلْهُ إِنْ كُنْ مِنَ الْكَاذِبِينَ ، وَقَالَ: وأَنْ أَضَتَنَا لهُ مَلْهُ إِنْ كُنْ مِنَ الْكَاذِبِينَ ، وَقَالَ عَنْ وَعَلَى اللهِ عَنْ وَعَلَى إِنْ عَلَى مِنَ الْكَاذِبِينَ ، وَقَالَ عَلَى اللهِ عَلَى مَنْ الْكَاذِبِينَ ، وَقَالَ عَنْ وَالَدَ وَأَنْ أَلْمُ عَلَى إِنْ كُنْ مِنَ الْكَاذِبِينَ ، وَقَالِ عَنْ وَجَلَى اللهِ عَلَى مَنْ الْكَاذِبِينَ ، وَقَالَ عَنْ وَالْوَعْدِ وَكُنْ وَمُولاً نَبِينًا ،

٩- عَلَيْ بْنُ إِبْرَاحِهِمْ ، عَنْ عَلَيْنِ عِيشَى ، عَنْ يَوْنَشَ ، عَنْ بَعْنِ أَصْحَابِهِ ، عَنْ أَيْ عَنْ الله عَنْ أَيْنَالُهُ عَلَى الله عَنْ أَيْنِ عَنْ يَوْنَشَ ، عَنْ بَعْنِ أَصْحَابِهِ ، عَنْ أَيْنِ عَبْنِ الله عَنْ أَيْنَ عَنْ أَيْنَا أَنْ عَلَى الله عَنْ أَيْنَا أَنْ عَنْ أَيْنَا أَنْ عَنْ أَنْ أَنْ الله عَنْ أَلْهُ عَنْ يُتَعَلَى .
الْفَاحِينُ الْمَامَوْنِ مِنْ كُلِ هَمْ يُتَعَلَى .
يُرْجِل ، غَيْرُ الْمَامُونِ مِنْ كُلِ هَمْ يُتَعَلَى .

ه رفرایا حفرت الدهبدا تعطیا اسلام نے کورمول الله نے فوایا کیا میں تہیں بتا وَل کرمجھ سے از دیدے شیاست سب سے زیادہ دورکون ہے لوگوں نے کہا حرود یا رسول الله فورایا ، گلیا را ، ہے جیا ، برزبان ، تغییل ، اثر اکر چلنے والا (یا حید یا زاگریے نفذ ممثال ہے) کینہ توز ، وشک کرنے والا ، قس القلب ، برنیک سے دور ، سروہ شریص سے بجنا جا پہٹ

اس سے بے خوت ہو کرنیکی ک امیدر کھنے والار

ا على بن اسباط في اس دوايت كوسلمان دخى العُرْصَ المُعُرَّدَ بَكَ جَوَّرَبِ بِعَمَّمَت سَقَّ بِهِنِهَا كَرِسِيان كَيا كُوبِ اللَّهُ عَلَى المُعَرِّدَ بَلِهِ الْمُعَدِّقُ وَمِن المُعْرَّدَ بَلِهِ اللَّهِ اللَّهُ الللْمُلْمُلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ الللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ

اد فرما یا حفرت ابومبدالله علیات الام نے کردسول الله نے فرمایاتین با آوں کا ذکر کرنے والا لمعون ہے اول جواس سابہ دار جگھیں پاخانہ کرے بہاں سافر آرام کرتے ہی دوسرے بان کے مشترک گھا شدے لوگوں کو بانی پینے سے دو کے ہ تیسرے عام گذگا ہما پرلوگوں کو چلنے سے دوکے ۔

١١٠ ترجم وبى بيرج موسيف سابق مين كزراس

١٣ - عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، وَعَلِيْ بْنُ إِبْرَاهِبِمَ ، عَنْ أَبِيهِ جَمِيعاً، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ، عَنِ ابْنِ رِيَّابٍ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ خَايِر بْنِ عَبْدِاللهِ قَالَ: قَالَ: قَالَ سُولُ اللهُ أَلَا الْحَبُورُ كُمْ مَحْبُوبٍ، عَنِ ابْنِ رِيَّالٍ، عَنْ أَبِي حَمْزَةً ، عَنْ خَايِر بْنِ عَبْدِاللهِ قَالَ: قَالَ دَسُولُ اللهُ أَلَا الْحَبُر كُمْ

Lairen Att Carte Cant. Ser. Carte Cont.

بِشِرَادِ رِجَالِكُمُ ، قُلْنَا : بَلَيْهِ بِارْسُولَ اللهِ ، فَقَالَ: إِنَّ مِنْ شِرَادِ دِجَالِكُمُ الْبَهَاتَ الْجَرِي َ الْفَضَّاقَ الْاَكِلَ وَخُدَهُ ، وَالْمَالِعَ يَفْدُهُ، وَالشَّارِبَ عَبْدَهُ ، وَالْمُلْجِي َ عِبَالَهُ إِلَىٰ غَيْنِ .

ا مار جابرانصادی سے مردی ہے کردسول انٹر نے فوایا کیا میں تہیں بتا دُن کرتہا دستردوں میں برترین کون ہے۔ ہم نے کہا۔ خروریا رسول انٹر۔ فرمایا برترین تم میسے وہ ہے جولوگوں پر بہتان تریادہ باندسے ، گنا ہوں پرجری ہو، بلدمیسا بدگو، اکیلاکھلنے والا ہور بدنی نجشش سے لوگوں کویا ذرکھ، اپنے غلام کو ادسے اور اپنیدی ان کا بار شیر پر ڈوالے۔

١٤ - عَلَيُّ بِنُ إِبْرًاهُمْم ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ ابْنِأَ بِي عُمَيْرٍ ، عَنْ مَبْسِر ، مَنْأَبِهِ ، عَنْ أَبِي حَعْمَر اللهِ وَالتَّالِكُ اللهِ قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالتَّالِلُهُ وَالتَّالِكُ لَهُ عَنْ مَجْالِ ، اللَّ اللهُ في كِنَالِ اللهِ وَالتَّالِكُ لِي عَنْ مَجْالِ ، اللَّ اللهُ في كِنَالِ اللهِ وَالتَّالِكُ لِي اللهُ ال

مها۔ فرمایا حفرت امام محد با قرعلہ السلام نے کدرمول اللّہ نے فرمایا ۔ باپنے شخصول بریس بھی منت ہے ادائی اُسٹان انب بیا دک بھی ، پہلاکمآب خدا میں بڑھانے والا ، دومرے میری سنت کو ترک کرنے والا ، تیمریت قشا و تشدد اہلی کو جھٹندانے والا ، چرہتے میری عوش کے کولینے اوپر حلال کرنے والا ، بانچوال مالی فینمت میں بیٹمس نکائے تعرف کرنے والا۔

دوسوچوالیسوال باب

(باب الرياء) ۲۲۲۲

مَ عَنْ خَفْقِر بْنِ كُنْ الْأَشْعَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بِنْ ذِيَادٍ ، عَنْ جَفْقِر بْنِ عَنْ الْأَشْعَرِيّ ، عَنِ ابْنِ الْقَدَّاجِ عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ بِهِ أَنَّهُ قَالَ لِعَبْ دِبْنِ كَنْبِرِ الْبَصْرِيْ فِي الْمَسْجِيد : وَيْلَكَ لِاعْبَادُ إِيثاكَ وَالرِّيَا ، فَإِنّهُ مَنْ عَبِلَ لِفَيْرِ اللهِ وَكَلّهُ اللهُ وَإِلَى مَنْ عَبِلَ لَهُ .

ا - فرايا الوعد الله عليال المام فعبا دين كثير بهرى خسبور من المتعباط والمريم الميان كرياب كورياب كالمين كم بوش الله ك و شنودى كم علامه كى دوسره ك في كيا جا آله إس كا اجراس كرسيد و كرتاب عبى ك ليف و كيا كيا بهر ع - مُعَلَّى بن يَعَنَى ، عَنْ أَحْمَدَ بن مُعَلِّد بن عبسى ، عَنِ ابْنِ فَنْ الله ، مَنْ عَلَيْهَ مَ عَنْ أَبِيهِ فال: سَمِعْتُ أَباعَ نِدالله عِيد يقول: اجْمَلُوا أَمْرَ كُمْ هذا الله وَلا تَحْمَلُه الله الله الله الله المثالث المنافقة المنافقة والمنافقة والمنافقة المنافقة المنافقة والمنافقة والمنا

مَا كَانَ لِلنَّاسِ فَلَا يَصْمَدُ إِلَى اللَّهِ

المرفره المحقرة الم جعف ما وق عليه السلام في والمرتبك كروده الترك الدُل ك فوش كرف إ و كل ف كرف المسلف على المستاخ المرف المرف

۳- فرمایا بوجد الشعلیالسلام فیهریا شرک ب جوکام بندول کے لئے کیا جاتا ہے اس کا تُواب دینا بندول سے متعلق ہوتا ہے اور جوالنٹر کے لئے کیا جاتا ہے اس کا اجوالله دیتا ہے۔

۳ ۔ قربا یاحفرت ابوعبدالشرطیدالسلام نے اس قول فداکے متعلق یو جوکوئی اپنے رب سے بلنے کی امیدر کھتا ہے اس کوچاہئے کوئن نیک کرے اور اپنے دب کی عبادت میں کمی کو شرکی نہنائے کہ جوکوئی ٹواب کے لئے کام کرتا ہے اور تقرب فدا کو ملمی فوانہیں رکھتا ۔ بلکہ ان لوگوں کی موفی کا طالب ہوکر چاہت لیسے کو لگ اس کے علی کاچرچاسنیں ۔ تو یہ وہ شنعی ہے جواپنے دب کی عبادت میں دوستہ کوشد کیے بنانا ہے۔ پھر قربایا جرکوئی پوشیدہ نیک کرتا ہے کہ عومہ نہیں گذرے کا کہ النزاس عمل کا نیک بلہ دے گا اور جر بری کوچھپا کوکرے گا کہ عوصہ لعد خدا اس سے ہے برار فل ہرکر دے گا۔

و عَلِيُ بْنُ إِبْرَاهِبَمَ، عَنْ عُنَى بِيسَى بْنِ عَبَيْدٍ ، عَنْ عُبَيْدٍ ، عَنْ عُبَيْدٍ عَنْ عُبَيْدٍ عَنْ عَلَى اللهِ عَالَ اللهَ اللهُ ا

۵ حفرت ا مام رضا عليه السلام ف محد بن ع فدس فرمايا -جوعل كروسه ديا وفرسيب بركيول كرج كام غرفداك ليخ

بوگا توالنداس کواس مے سپرد کردے کا جس کے لئے وہ کیا گیاہے وائے ہو تجہ پر پیشندس کوٹی کا کرناہے اللہ اس کا ویسا می بدلہ دیتاہے اگرا جھا کام ہے تواجھا بدلہ دے کا اور اگر براہے تو بڑا۔

٧ - عَنَّ بُنُ يَحْنَى ، عَنْ أَحْمَـدَبْنِ عَنَّ مَنْ عَلَى بُنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عُمَـرَبْنِ يَزِيدَ قَالَ : إِنْبِي لَا تَعَشَىٰ مَعَ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى الْمُدُوهِ الْآيةَ وَبَلِ الْإِنْسَانُ عَلَى نَفْسِهِ بَصِيرَ ١٥٥ وَلَوْ القَّى مَعَاذِيرَ ٥٥ لَا تَعَشَىٰ مَعَ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنَّ وَجَلَ بِخِلافِ مَا يَعْلَمُ اللهُ تَعَالَى ، إِنَّ رَسُولَ اللهِ عَلَى أَبَاحَهُم مَا يَصْنَعُ الْإِنْسَانُ أَنْ يَتَقَرَّ بَ إِلَى اللهِ عَزَ وَجَلَ بِخِلافِ مَا يَعْلَمُ اللهُ تَعَالَى ، إِنَّ رَسُولَ اللهِ وَاللهِ عَلَى يَقُولُ : مَنْ أَسَرَ سَرِيرَةً رَدْ الْهُ اللهُ رَدْا، هَا إِنْ خَيْرَ أَفَحَيْرُ وَإِنْ شَرَ أَفَشَرُ .

۲-عرابن زیرسے دوی ہے کہ میں نے حفرت الجعبداللہ علیہ السلام کے ساتھ کھانا کھایا۔ حفرت نے برآ بیت ثلاوت کی ، انسان پنے نفس سے نودوا تف ہے اگرچہ وہ کیے ہی عذر کرے۔ اے الوصف می نملات اس چیز کے جعلم المہی سیے انسان اللہ کا نقرب کیے حال کرے گا دس کی انسان اللہ کا نقرب کیے حال کرے گا دس کی انسان اللہ کا نقرب کیے حال کرے گا دس کی انسان کرھیا تا ہے۔ اللہ کا نقرب کے اللہ کا در حمت میں کرمھا نبیتا ہے۔ بھروہ لوگوں پرنول ہر ہوتی ہے گواچی صودت میں بھری ہے تو ترکری صودت میں ۔

٧ - عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْأَبَيهِ ، عَنِالنَّوْفَلِيّ ، عَنِالسَّكُونِيّ ، عَنْأُبِي عَبْدِاللهِ عَلَق فَالَ : فَآلَ النَّبِيْ وَالْمَاكُونِيّ ، عَنْأُبِي عَبْدِاللهِ عَلَى الْمَالَّهُ عَنَّ وَجَلَّ : اجْمَلُوهَا النَّبِيْ وَالْمُؤْمِّ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ : اجْمَلُوهَا فَي مِنْ اللهُ عَنَّ وَلَّ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ : اجْمَلُوهَا فَي مِنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَّ : اجْمَلُوهَا فَي مِنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ وَجَلَّ : اجْمَلُوهَا فَي مِنْ اللهُ عَنْ وَجَلَّ : الْجَمَلُوهَا فَي مِنْ إِنَّهُ لَيْسَ إِينَا يَ أَرَادَيِهَا .

ے۔ فرمایا حفرت الجعبد الشرعلیہ السرام نے کردسول الشرنے فرمایا جب فرشتہ کمی بندسے کا عمل ہے کوش سے وہ فوش ہو اوپرجا تکہ بے لیں جب وہ اس کی نیکیاں ہے کرمقام کردوقبول میں جا تا ہے توخدا فرما تا ہے اسے ہمین (دوزرخ کا آخری لمبقہ) میں ڈال دو کیوں کہ اس عمل سے اس نے میرے سوا میرسے غیر کوفٹش کرنے کا اوا وہ کیا تھا۔

٨ - وَبِاشِنَادِهِ قَالَ : قَالَ أَمِيرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْهِ : ثَلاثُ عَلاماتٍ لِلْمُرَائِي: يَنْشَطُ إِذَارَأَى النَّاسَ
 وَيَكُسَلُ إِذَا كَانَ وَحْدَهُ ، وَيُحِبُ أَنْ يُحْمَدَ فِيجْمِيعِ الْمُؤرِهِ .

۸- فرمایا حفرت امیرا لمومنین علیه لسلام نے خودنما لُکتین موقعے ہیں اقل سے کہ اپنے عمل پرخوش مہوجب لوک دکھیں ادر اپنے عمل میں سسست پڑجائے ۔جب ننہا ہم اور یہ کہ پ ندکرسے اس بات کوکرتمام المودیس اس کی تعریف ہمور

٩ ـ عِذَة مُنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلَيْ بِنِ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عِيسَى، عَنْ عَلِي بْنِسَالِم عَالَ عُشْرَالُهُ عَنْ عَلَيْ بْنِسَالِم عَالَ اللهُ عَنْ وَجَلّ : أَنَا خَيْرُ شَرِبِكٍ مَنْ أَشَرَكَ مَمِي غَيْرِي فِي عَمَلِ عَالَ اللهُ عَنْ وَجَلّ : أَنَا خَيْرُ شَرِبِكٍ مَنْ أَشَرَكَ مَمِي غَيْرِي فِي عَمَلِ

عَمِلَهُ لَمُ أَقْبَلُهُ إِلَّامًا كَانَ لِي خَالِصاً .

۹- راوی که تلبیدیں حفرت اوعبدالله علیال الم سے سناکر الله تعالی دهدیث قدی پیس فرما تلب انسان اپنے عمل میں میرے سواجس کو فرک کرتا ہے میں ان ترام شرکا دسے بہتر ہوں میں اس کے عمل کو قبول نذکروں کا جب یک وہ فاقعی میرے لئے ندم ہو

١٠ عَلِيْ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ دَاوُدَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : مَنْ أَظُهْرَ لِلنَّاسِ مَا يُحِبُّ اللهُ وَبُارَزَاللهُ يِمَا كَرِهَهُ لَقِيَ اللهُ وَهُومَاقِتُ لَهُ .

۱۰ رفره یا حفرت ابوعبد النُّرْعلیالسلام نے کر جوشت عمی ادگون پر اس عمل کوظا مرکز المسین جسے النّد دوست رکھتا ہے اور النّر پرخلوت میں ظام کرتا ہے وہ چیزجے وہ دوست نہیں رکھتا توروز قیامت وہ النّد کے سلھنے اس طرح حافر ہوگا کہ النّد اس سے ناخوش بڑگا۔

اَلْحُسَيْنُ بُنُ عَبَّهِ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَبَّهِ عَنْ كَالْمَ عَنْ عَلَى بَنِ عَنْ عَنْ الْفُضَيلِ عَنْ فَضَالَةً ؛ عَنْ مُعَاوِيَةَ ،عَنِ الْفُضَيلِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْكُ وَمُنَالَةً .

اا- فرایاحفرت ابوعد الشرعلیاسلام فی تم میں سے ایک خص کی کوظ امراند ہے اور مبری کوچھپا آبا ہے کیا وہ اپنے لف س ک طف دجوع کرے یہ پتر نہیں چلانا کرا یسانہیں ہے جیسا وہ سمجھ دہا ہے مغدا فر ما تکہے انسان اپنے نفس سے خردار ہے جب نیت صحیح محرق ہے توظامری مالت قوی موق ہے ۔

١٧ عِذَةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ، عَنْ عَلِي بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ بَشِيرِ، عَنْ أَبِيدِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيدٍ قَالَ : مَنْ أَزَادَاللهَ عَزَ وَجَلَ بِالْقَلِيلِ مِنْ عَمَلِهِ أَظْهَرَ اللهُ لَهُ أَكْثَرَمِمْ أَزَادَاللهُ ، وَ مَنْ أَزَادَالنَّاسَ بِالْكَثْبِرِ مِنْ عَمَلِهِ فِي تَعَبِ مِنْ بَدَنِهِ وَ سَهَرِمِنْ آيلِهِ أَبَى اللهُ عَزَّ وَ جَلَ إِلاَّ أَنْ يُعَلِّلهُ فِي عَنْ مَنْ سَمِعَهُ .

اد فرمايا الدعيد الترعليواسلام في جوكون آيف عمل قليل سع خدا كورامى كرنا جا بتلب خدا اس كولوكول كي نظود الين زيان

النانجيمة والمنظمة ول

ظاہر کرتا ہے اور جواپنے عمل کولوگوں کے ساھنے ڈیادہ ظاہر کرناچا جانے اور اپنے بدن کی تسکان اور شب بیداری بیان کرتکہ ہے خدا اس کولوگوں کی نظر میں کم ظاہر بھوتے دتیا ہے ۔

١٣ - عَلِي بْنُ إِبْرُاهِيمَ ، عَنْ طَالِحِ بْنِ السِّنْدِيّ ، عَنْ جَعْفَرِ بْنِ بَشِيرِ ، عَنْ عَلِي بْنِ أَبِي حَمْزَةَ عَنْ أَبِي مَمْزَةً عَنْ أَبِي بَصِيرِ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبُواللهِ عَلَيْكُ : هَامِنْ عَبْدٍ يُسِرُّ خَيْرًا إِلاَّلَمَ تَذَهَبِ الْأَيْنَامُ حَتَىٰ يُظْهِرَ اللهُ لَهُ مَرْدًا . لَهُ خَيْرًا وَهَامُونَ عَبْدٍ يُسِرُّ شَرِّ أَ إِلَالَمَ تَذَهْبِ اللهُ يَنْامُ حَتَىٰ يُظْهِرَ اللهُ لَهُ شَرِّ أَ .

۱۰۰ فرمایا حفرت الوعدد النّزعلیدانسلام نے جوکوئی عمل نیک کرتاہے۔ کچھون نہیں گزرتے کہ النّزاس کل فیرکواس کے منٹے فلام کر دیتاہے اور جعمل بدکرتاہے۔خدا چندر وزیعداس کے عمل کہ کو فلام کرکر دیتاہیے۔

١٤ عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلَيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِي قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالنَّفِيّ اللهِ عَلَى النَّاسِ زَمَانُ تَخْبُثُ فِيهِ سَرَائِرُهُمْ وَ تَحْسُنُ فِيهِ عَلانِسَهُمْ 'طَمَعًا فَيْ الدُّنْيَا ، لايرُبِدُونَ بِهِ مَاعِنْدَرَيْتِهِمْ ، يَكُونُ دِينُهُمْ رِيَا ، لايحَالِطُهُمْ خَوْفٌ ، يَعَمْتُهُمُ اللهُ بِعِقَابٍ ، فَيَادُ مُنْهُمُ اللهُ بِعِقَابٍ ، فَيَدْعُونَهُ دُعَا ، الْعَرَيقِ فَلا يَسْتَجِبُ لَهُمْ .

۱۳۰۷ نوایا حفرت الدعبد التعطیرال المسرف کرسول النزنے قراباعن قریب ایک نما نداب آنے والا پیمکہ لوگوں کی مجری بیش نیتس پرشنیدہ بہوں کی اوران کے ظاہری اعمال جو برطمع دنیا ہموں سے لوگوں پرظا ہر مہوں کے جن سے ان کا مقصد لقرب ایزدی مذہر کا بلکدان کی ید دینداری دکھا وا مہو کی عذاب الہٰ کا خوف ان کے دلول میں شہوگا اس و ذیت وہ خداکو لیں طرح یکا رہی سے جیسے ڈوبنے والا یکا رتا تھا۔

١٥ - عَنْ عُمَرَ بْنُ يَحْلَى ، عَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عُمَرَ بْنِ يَدَ قَالَ : إِنْبِي لَا تَعَشَّىٰ مَعَ أَبِيَ عَبْدِاللهِ عِلْمِ إِذْ تَلَاهَٰذِهِ الْآيَةَ : وَبَلِ الْإِنْسَانُ عَلَىٰ نَفْسِهِ بَصِيرَةً وَلَوْ أَلَقْىٰ مَعَاذِيرَ أَهُ يَا لَا تَعَشَّىٰ مَعَ أَبِيَ عَبْدِاللهِ عِلْمَ اللهِ وَاللهِ اللهِ اللهُ اللهِ الل

۱۵۔ عرد بن برید نے بسیان کیا میں نے دائ کا کھا نا حفرت ابوعبد اللہ کے ساتھ کھا یا حفرت نے یہ آیت کلاوت ک ۔ انسان اپنے نفس سے خوب واقف ہے چلہ کھنے ہی عذر کرے پیرفرمایا اے الوصف جرکیجہ اس کے عمل کے متعلق خواجا نسا ہے انسان اس کے خلات لوگوں سے بیان کرتا ہے ۔ رسول اللہ نے فرایا جوابنی نیت کوچھپا آ ہے خدااس بر بروہ ڈالسا ہے کسکی اگروه تیک ہے تو نیک فاہر جوکررستی ہے در اگر برہے توبد۔

١٦ - عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ عَلِي بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَنْ بَعْضِ أَصَّحَابِهِ ، عَنْ أَبِي جَعْنَى لِيَادٍ ، عَنْ عَلِي بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَنْ بَعْضِ أَصَّحَابِهِ ، عَنْ أَبِي جَعْنَى لِيَهِ أَنَّهُ قَالَ : الْإِبْقَاءُ عَلَى الْعَمَلِ ؟ قَالَ : يَعِلَى الْعَمَلِ ؟ قَالَ : يَعِلَى اللَّهُ عَلَى الْعَمَلِ ؟ قَالَ : يَعِلَى الرَّبْقَاءُ عَلَى الْعَمَلِ ؟ قَالَ : يَعِلَى الرَّ جُلُ بِصِلَةٍ وَيُنْفِقُ نَعْفَةُ لِللهِ وَحْدَهُ لاشَرِبِكَ لَهُ فَكُنْتِبَلَهُ سِرّ أَثُمَّ يُذَكِّرُهَا فَنَمْحَى فَتُكْتَبُ لَهُ رِيَاةً . لَهُ عَلَانِيَةً ، ثُمَّ يُذَكِّرُهَا فَتُمْحَى وَتُكْتَبُ لَهُ رِيَاةً .

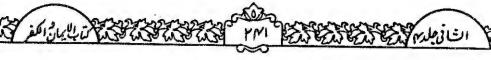
۱۶۰ فرایا حفرت ۱۱م محد با قرطیرانسلام نے کر عمل خرریا آفی دینا عمل سے ندیادہ شکل بینے کسی نے کہا عمل پر باقی دہنے سے کیا مراد ہے فرایا ایک صلائر دھم کرتا ہے یار اوفد امیں صرف توشنودی فدا کے لئے توج کرتلہے اس کے نام نیکی تھی جاتی ہے کیھروہ لوگوں سے اس کا ذکر کرتا ہے بس دفر الہی سے پوشیدہ نیک کرنے کو ظاہری نیک لکھا جا آب ہے جب وہ مجربوگوں سے اس کا ذکر کرتا ہے تو اس ظاہری نیک کو بھی محوکر کے دیا کاری لکھ دیا جا آلہے۔

١٧ - عِنَّةَ مِنْ أَسَخَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ جَعْفَرِ بْنِ عَبَّالًا أَنْ مَرِي ، عَنِ ابْنِ الْقَدْ اج ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ : اخْشَوْ الله خَشْيَةً لَيْسَتْ بِتَعْدَبِ ، وَ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ : اخْشَوْ الله خَشْيَةً لَيْسَتْ بِتَعْدَبِ ، وَ اعْمَلُواللهِ فِي عَبْرِدِيَا، وَلاسْمُعَة ، فَإِنَّهُ مَنْ عَمِلَ لِفَيْرِاللهِ وَكَلَهُ اللهُ إِلَى عَمَلِهِ .

۱۰ وت وایاحفرت ابرجد النوعیدالسن مرا میرا لمونین نے فرایا والد سے ڈرو، بغیرسز اکے خون کے اور بلے دیا اور خود نما ٹی کے عمل کرد کیونکہ جو کوئی غیر فدا کہ لئے کوئی عمل کرتاہے تو فدا اس کو اس کے عمل کی سپرد کر دیتاہے۔ لیسنے اس کا عمل بے جزار ہتا ہے ۔

١٨ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنْ إِبْنِ أَبِي عُمَيْر ، عَنْ جَمِيلِ بْنِ دَرَّاجٍ ، عَنْ ذُراْدَةَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَى إِبْلِ قَالَ : سَأَلْنُهُ عَنِ الرِّ جُلِيَهُمَلُ الشَّيْءَ مِنَ الْخَيْرِ فَيَرَاهُ إِنْسَانُ فَيُسِرُّ هُ ذَٰلِكَ ؟ فَقَالَ : لاَبَانَ مَامِنْ أَحَدِ إِلاَّ وَهُوَيُحِبُ أَنْ يَظُهَرَ لَهُ فِي النَّاسِ الْخَيْرُ ، إِذَا لَهْ يَكُنْ صَنّعَ ذَٰلِكَ لِذَٰلِكَ .

۱۸۔ فشرمایا حفرت ۱ مام محدیا قرطیدا سلام نے جب ان سے پرچھاگیا اس شخص کے باسے میں جو کوئی عمل خرکرے اوراس کوکوئی دیکھے تو وہ بخش ہو کر اس کا کوئی مغدا گھ نہیں کہ ہانسان کی فعات ہے کہ جب دہ نیک کر کماہے تو یہ بھی جا ساسے کہ لوگوں پر اس کا انہار ہونسیکن نٹروایہ ہے کریہ خیال مانظر کھ کروہ نیک نہ گئی ہو کیوں کہ اسس صورت میں رہا ہوگی خالصاً النّھ کے لئے شاریہے گ ۔



دوسوپينتاليسوال باب

طلب ریاست

((بالب)) ۱۳۸۵ ۱۵ عَلَبِ الرِّفَاسَةِ)

١- عُمَّرُبُنُ يَحْنَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبَيْنِ عِيسَى ، عَنْ مُعَمَّرَ بْنِ خَلادٍ ، عَنْ أَنِي الحَسَنِ عَلِا أَنَّهُ وَكُرَرَجُلاً فَقَالَ : مَا ذِعْبَانِ ضَارِيَانِ فِي غَنَمْقَدْ تَقَرَّ قَ رِعَاقُهَا بِأَضَّرَ فِي دَكَرَرَجُلاً فَقَالَ : مَا ذِعْبَانِ ضَارِيَانِ فِي غَنَمْقَدْ تَقَرَّ قَ رِعَاقُهَا بِأَضَّرَ فِي دَكَرَرَجُلاً فَقَالَ : مَا ذِعْبَانِ ضَارِيَانِ فِي غَنَمْقَدْ تَقَرَّ قَ رِعَاقُهَا بِأَضَّرَ فِي دَيْنِ الْمُسْلِمِ مِنَ الرِّئَاسَةِ .

اروغرت امام رصنا علیدانسلام نے فرایا کومسلما آوں کے دین بر موسس یاست اس سے زیادہ ٹونناک ومفریع حبّنی دو تشکاری مجیر لوں کی موجودگ اس مکریوں کے کلر سے لئے جوابیٹ بجر دارہے سے انگ مہوگیا ہو۔

٢ ـ عَنْهُ ؟ عَنْ أَحَمْدَ ، عَنْ سَمِيدِبْنِ جَنَاجٍ ، عَنْ أَجَيهِ أَبِي عَامِدٍ ، عَنْ رَجُلٍ ، عَنْ أَبِي مَبْدِاللهِ عِنْ قَالَ : مَنْ طَلَبَ الرَّئَاسَةَ مَلَكَ .

٧- حفرت الدهيد الشعلي السلام ففر فاياجس فيعوس رياست وحكومت كى ود يالك ميوكيار

٣- عِدَّةُ مِنْأَمَّخَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عُقَوبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبْدِاللهِبْنِ ٱلْمُغِيرَةِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ ٱلْمُغِيرَةِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ أَلْمُغِيرَةً ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ مُسْكَانَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْداللهِ لَلْكَانُ بُعُولُ ، إِينَّا كُمْ وَ هُوُلَا وَالرُّوْسَانَ الَّذِينَ يَتَرَأُ سُونَ فَوَاللهِ مَا خَفَقَتِ النِّمَالُ خَلْفَ رَجُلِ إِلْاَهِلَكَ وَ أَهْلَكَ .

۱۰ و منرها یا امام جعقرصا و ق علیدالسلام نے کراپیت آپ کوان دسیوں سے بچا و جو ایک دوسرے پرسبقت مے مانا جائے میں۔ والٹڑجوان کے بیچے چلا وہ خود کھی پلاک بوا اور دوسروں کو کھی اس نے بلاک کیا۔

٤ - عَنْهُ ، عَنْ عُرِينٍ إِسْمَاعِيلَ بْنِ بَرْبِعِ وَ غَيْرِهِ رَفَعُوهُ قَالَ : قَالَ أَبُو عَبْدِاللهِ عَلَيْ مَلْعُونُ مَنْ تَرَأً سَ ، مَلْعُونُ مَنْ مَنْ مَنْ مَنْ حَدَّثَ بِهَا نَفْسَهُ .

مهد مفرت الم جعفر ما دن علیدا بسلام فرمایا طون به ده تردندی می است با طله که یشعون سبت وه جس نے اس کا امراده کیا سعل ملی ن بیت ده تیس نے این نفس سے اس کی بات جیت که -

ه - عَمَّا أَنْ يَعْنِي اللّهَ عَنْ أَخْمَدَ مِن عَمَّا أَنْ عَنِي عِنْ الْحَسْنِ الْمَا أَنْ اللّهُ عَنْ الْمَعْدَ عَنْ الْمَعْدَ عَنْ الْمُعْدَ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهِ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ

هسقرمایا حفرت ابوع بدالته علیدا سیام نے اپنے کرریاست سعیجا کی اور اوگوں کے بھے چلئے سے بجاؤ داوی کہ تاہت میں نے کہار دیاست باطل کو توہی نے بھی ایا دیکی ہوگوں کے بھی نہیلات کیا مراد چھے ہیں۔ کے سواہمارے پاس چارہ کا دہرے کا دہرے کا اور اگر کو سرے کو اپنا کیول کو کسید معاش کے لیے خاذرت کرنا فرودی ہے ٹوابا ہوئے نئے ان کہ ایسا نہیں۔ مطلب یہ ہے کہ فرایا جھٹ کے سوارت کو رمیش معین مذکر وروز اس کی بریات کی تعدیل کرتا پر شدہ کا اسطرہ تمہاد سے انتخابات اور گاری کو دیا تھا کہ اور اگر تو کہ ویز صائم یا طل کے قول کی تعدیل تھے ایسے کو بھائے۔

٧- عَلَيْ بُنُ إِبْرَاهِمِم ، عَنْ عَلِينِ عِيسَى، عَنْ يُونْسَ ، عَنْ أَبِي الرَّبِهِ الشَّامِقِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ يَهِ قَالَ: قَالَ لِي قَرْبُحَاكُ مِنْ أَبُولُ اللَّهُ وَلَا تَكُنْ دَبُّهُ وَلا تَأْكُنْ مِنَا النَّاسَ فَيَعْقِرَ لَا اللَّهُ وَلا تَأْكُنُ دِبُّهُ وَلا تَأْكُنُ مِنَا النَّاسَ فَيَعْقِرَ لَا اللَّهُ وَلا تَأْكُنُ دَبُّهُ وَلا تَأْكُنُ مِنْ اللَّهُ وَلا تَأْكُ وَ إِنْ كُنْتَ فَيْنَا لَا مَمْ اللَّهِ وَإِنْ كُنْتَ صَادِقًا صَدْ قُنْالَدُ وَ إِنْ كُنْتَ كَاذِبًا كَذَا بِنَاكُ .

۱۔ فریا عفرت ام محدیا فرطیر السلام فی دیے دستے ہو تھے پر باست کوطلب ندکر اورظالم لوگوں کے پہنچے ندمیل اور بہمارے ڈریعے سے لوگوں کا ال مذہبا اور بہمارے بارسے ہی وہ بایش بیان ندکر جوہم نہنے لئے نوونہیں کہتے لیعنی بمارے اوم ما خدمی ظور نرکی دوز قیامت تھے فدا کے ساچھ کھڑا ہو ناہے میں اگر تو بچاہے توہم تیری تصدیق کریں گے اور اگر توجو ٹا سے توہم تیری تکذیب کریں تے۔

٧ عِيدًة مِنْ أَسَّحٰا بِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيادٍ، عَنْ مَنْمُودِ بْنِ ٱلْعَبَّاسِ ، عَنِ ابْنِ مَيْنَاجِ ، عَنْ أَبِيدِ
 عَالَ : سَمِمْتُ أَبَاعَبُدِ اللهِ لِلْتَقِينَ اللهِ عَنْ أَذَا لَوْ ثَاسَةً هَاكَ .

ى دفوايا صاوت المحرطيدالسلام تيجى في رياست باطل كا ازا دد كيا وه طلك بعوا-

٨ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عَلَيْنِ عِيسْى ، عَنْ يُونْسَ ، عَنِ الْعَلَاءِ ، عَنْ عَيَانِ مُسْلِم قَالَ :
 مَسِيْتُ أَبْاعَبْدَاللهِ عَلَيْكُمْ يَقُولُ : أَتَرَىٰ لَاأُعَرْفُ خِلَادَكُمْ مِنْ شِرَادِكُمْ ؟ بَلَىٰ وَاللهِ وَإِنَّ شِرَادَكُمْ مَنْ أَخَبَ أَنْ يُؤْطَأً عَيْبُهُ ، إِنَّهُ لَابُدُ مِنْ كَذَ ابِ أَوْعَاجِزِ الرَّ أَيْ

۸۔ وتر مایا امام جعقرمسا دن علیا سلام نے کہا تم سے بھتے ہو کہ میں تمہا دے ٹیک وبد میں تمیز نہیں کرتا۔ فعدا کی تسمیس جانت ا چوں تحصارے نیک وبدوہ ہمیں جوچلے تیمیں کہ لاگ ان کے پیچے جلیس یعنی خوا پانِ دیاست ہیں۔ عفرور ہے کہ ایسا تضخص اسپنے ہیرو کل سے مجھوٹ ہوسے کا یا مجموعا جز الراثے ہے (دوسروں کے کہتے پرچلے گا۔)

دوسوچیالیسوال پاپ اعمال آخرت سیار دنیای گھاٹ میں ہونا

ه (بنائ) ۲۲۲۹ ه (الحيثاق الذُّنَّا بالدِّين)»

١ - عُدُّ بُنُ يَعْنِي ، عَنْ أَحَمَدَ بُنِ كُنَّ ، عَنْ كُلَّ بْنِ سِنْانَ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ جَابِرٍ ، عَنْ يُونُسَ ابْنِ طَنْبِيانَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِ اللهِ عَنْ يَعْوَلُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُؤْمِنُ اللهَ عَزَ وَ جَلَ يَغُولُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُؤْمِنُ اللهَ عَزَ وَ جَلَ يَغُولُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمَؤْمِنُ اللهَ عَنْ وَ جَلَ يَغُولُ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهَ عَنْ اللهُ وَاللهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ ولَا الللللهُ وَاللّهُ وَاللّهُولُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّه

ادرادی کبتا ہے میں نے حفرت امام جعفرصادق علیاں ہے سے سنا کررسول الذنے فرایا کہ عدیثے تدسی میں انٹرتعالی فی خوا فرایا جولاک دین بے چیا سے دنیا کمانا چاہتے ہیں ان کے لئے ہلاکت ہوا وران نے ہے ہمی جواہیے لوگوں کوفتل کرتے ہیں جو دوسروں کوانصاف کرنے کی ہرایت کرتے ہیں اوران لوگوں کے لئے بھی جن میں رہ کرمومن تبقیہ کرے کیا لوگ مجھے دھو کہ دیتے ہیں۔ جھے کوا پنی جمارت دکھاتے ہیں میں نے قسم کھائی ہے کہ ان کو وسخت ہذاب دول گا کہ اہلِ عقل جران ہوجائیں ۔ idi, juli or and a series and a series and in the series and in th

دوسوسینتالیسوال باب اس کے باسے میں جو عدل کی تعربین کرے اور سلاف ہو

ه (باب) ه هم م ه (مَنْ وَصَفَ عَدْلاَوَعَمِلَ بِغَيْرِهِ) ه

١ عَلِي مُن إِبْراهِمَ ، عَن أَبَهِ ، عَن أَبَهِ ، عَن ابْن إَبِي عُمَيْر ، عَن يُوسُفَ الْبَن افِ ، عَن مُمَلَّى بْنِ خَنْسِ عَنْ أَبِي عَبْد اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْد اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْد اللهِ عَلَى إِنْ أَنْ أَنْ أَعَلَ إِنْ أَمَدُ النَّاسِ حَسْرَةُ يَوْمَ الْقِيَامَةِ مَنْ وَصَفَ عَدْلا ثُمُ عَمِلَ بِفَيْرِهِ .

ارفرا یا حفرت ا بوعبدا لندعلیالسلام نے دوز قیبامت سیدیدزیادہ عربت میں وہ شخص بوگا ہوا تعدات کی توبیب

٣ ـ عُلَّانَ يَحْمَى ، عَنْ أَحَمْدَ بَنْ عُجَرَبْنِ عِيسَى ، مَنْ عَجَرِبْنِ بِنَانِ ، عَنْ قَنْسِةَ الْأَعْشَىٰ ، عَنْ أَمَّدِ عَنْ أَبِي
 عَبْدِاللهِ عَلَى أَنْهُ قَالَ : إِنَّ [مِنْ]أَشَدْ النَّاسِ عَنَا بَا يَوْمَ الْقِلَامَةِ مَنْ وَصَفَ عَدُلاً وَعَدِلَ بِغَيْرِهِ .

۲- فرایاحفرت ایوعدوالطوطیرانسلام فی دو ترقباست سید پیست باده عذاب میں وہ بنوگا بی الفعات کی تعربیت اور عمل اس کے فلات کرے ۔

٣- عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَدْرٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِمٍ ؛ عَنِ ابْنِ أَبِي يَعْفُورٍ ، عَنْ أَبْنَ إِبْنَ مِنْ أَعْظَمِ النَّاسِ حَسْرَةً يَوْمَ الْقِيامَةِ مَنْ وَصَفَ عَدْ لاَثُمُ خَالَفَهُ إِلَىٰ غَيْرٍ .
 عَنْ أَبِي عَبْدَاتِهِ عِلِي غَالَ : إِنَّ مِنْ أَعْظَمِ النَّاسِ حَسْرَةً يَوْمَ الْقِيامَةِ مَنْ وَصَفَ عَدْ لاَثُمُ خَالَفَهُ إِلَىٰ غَيْرٍ .

﴾ عَنْ مَهْذِيالاً ، عَنْ عَبْدِاللهِ مِنْ الْحُسَيْنِ بِنِ إِسْخَاقَ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ مَهْزِيَالَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِيَعْيِيْ ، عَنِ الْخَاوُدُنَ ، عَنْ مَسْكَانَ، عَنْ أَبَي بَعْبِدِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ وَجَلَّ : فَكُنْبُكِبُو افِيهَا هُمْ وَالْفَاوُدُنَ ، فَاللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ

٧- فرايا حفرت ما دق الرام ورف اس آيت كم متعلق ان باطل معيودون اور ان كيبروول كوا وند مع منهم

ين دال دور فرمايا اسدا بوبعيري وه لوك بين جوعدل كا تعريف كرت بي اورجب دوسراكرتاب تواس كامخالفت كرتيب

٥- عُمَّا مُن يَحْمَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنَ عَقِيبِ عِيسَى ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عَطِيبَةً
 عَنْ خَيْنَمَةَ فَالَ : فَالَ لِي أَبُوْجَعْمَرٍ ﷺ أَبْلِغُ شِيمَتْنَاأَتَهُ لَنْ يُنْالَ مَاعِنْدَاللهِ إِلَّا بِمَمَلٍ وَأَبْلِغُ شِيمَتْنَاأَلَنَّ مَاعِنْدَاللهِ إِلَّا مِمَلٍ وَأَبْلِغُ شِيمَتَنَاأَلَنَّ مَاعِنْدَاللهِ إِلَى غَيْرٍهِ .
 أَعْظَمَ النَّاسِ حَسْرَةُ يَوْمَ الْقِيامَةِ مَنْ وَصَفَ عَدْلاً ثُمُ يُخَالِفُهُ إِلَىٰ غَيْرٍهِ .

۵- فرابا حفرت الوعبد التُّم عليانسلام نے ہمارے ضیعوں کریے بنجام پہنچا دو کہ کوئی التُّر سے اجرت پائے گا بغیر مل کے اور یہ کروز فیامت سبسے زیادہ حسرت اسے ہوگئ عیس نے عدل کی تولیف کی اور جب دو سرے نے عمل کیا تواس کی مخالفت کی۔

دوسوار تالبسوال باب لوگوں سے جبگڑا پختی اور لوگوت عداوت

(بَأْنِبُ) ١٩٨٨ ٥(الْمِرَ آيْوَ الْعُصُومَةِ وَمُعَادُاةِ الرِّجَالِ) ٥

١ - عَلِي مَنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ هَادُونَ بْنَ مُسْلِم ، عَنْ مَسْتَمَة بَنِي صَدَقَة ، عَنُ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِي قَالَ : قَالَ أَمِيرُ ٱللهُ عِنْ اللهِ عَلَى الْإَخْوَانِ قَالَ أَمِيرُ ٱللهُ عَلَى الْإِخْوَانِ اللهُ عَلَى الْإِخْوَانِ اللهُ عَلَى الْإِخْوَانِ عَلَى الْإِخْوَانِ عَلَى الْإِخْوَانِ عَلَى الْإِخْوَانِ عَلَى الْإِخْوَانِ عَلَى الْإِخْوَانِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللْحَالِمِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى الللهِ عَلَى

ارا دیرا اومنین علیرانسال مے فرایا - اپنے کوجگڑے اورخصومت سے بچا ؤ یہ ووٹوں بھائیوں کے حق میں بچاری تلوب اورنفاق کو پسیرا کرنے والے ہیں -

٢- وَبِاسْنَادِهِ فَالَ : قَالَ التَّبِي تَلِيهِ عَلَى : ثَلاثُ مَنْ لِقِيَ اللهُ عَزَّ وَجَلَ بِهِنَ دَخُلَ الْجَنَّةَ مِنْ أَيْ بَابِ شَآءً : مَنْ حَسُنَ خُلْقُهُ ، وَخَشِيَ اللهُ فِي الْمَعْدِ وَالْمَحْضَرِ ، وَتَرَكَ الْمِرآءَ وَإِنْ كِانَ مُحِقّاً .

۲- حعزت دسول فعرائے فرمایا تین چیزوں کے ساتھ جوکوئی الٹرسے ملے گا وہ جنت کے جس درواڈے سے چلہے گا داخل مہر مبلے گا اوّل جس کا خسلق انجھا ہو، دوسرے جولوگوں کی موجودگی اور عدم موجودگ دونوں حالتوں میں خداسے ڈرسے

تىسرى الرفيري يرم يوجى أركون سے كھاكم انكرے -

٣ ـ وَبِائِنَادِهِ قَالَ : مَنْ نَصَبَالله عَرَضا للْخُمُومَاتِ أَوْصَكَ أَنَ بُكُثِرَ الْإِنْتِقَالَ

۱۰ برسندسابن رسول انتدف فرایا جوشنی هیکشود این خدای جوئی شم کها تابت بهت ملداس کا بهم کهل جآنیت ۱ود. وه ابنی فتم سے خلات اطبار کردیتا ہے۔

٤ - عَلَى بَنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ صَالِحِ بْنِ الشِّنْديِّ ، عَنْ جَمْنَو بْنِ بَهْدٍ ، عَنْ عَمْادِ بْنِ مَرْفَانَ عَالَ الْمَوْعَبْدِاللهِ عُلْجَالِكُ ؛ لأَدْمَادِ يَنَ حَلِيماً وَلاسَفِيها ، فَإِنَّ الْحَلِيمَ يَقْلَمِكَ والسَّفِيمَ يُؤْذِيكَ .

مه. فرابا حضرت البوع دائلًه عليه السلام نے زملیم ہے جبگوا کرون بیو قدنسے بعلیم تم کونفرت کی نسکا صعبے دیکھے گا الا احق تم کوسٹل نے پرتیاد م وجائے گا۔

و عَلِيْ ، عَنْ أَبَهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَطِيلَةً ، عَنْ عُمَرَ بْنِ يَزِيدَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيرٍ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ رَبِهِ عَنِي اللهِ عَلَمْ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى شَخْنَاهَ الرِّجَالِ وَعَدَادُ ثَهُمْ

۵ - فرمایا ۱ بوجد وانڈ علیہ اسلام نے کریمول النّز نے فرمایا جسب بھی جرش میرست پاس آئے تھی سے کہا۔ اسٹامگر لیٹ کوپکا ڈ لوگوں سک بغض اص ڈنمنی ہیں۔

الله عِدْةُ مِنْ أَصَّعَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبُنِ نَحَوْ، عَنْ عَلِي بَنِ الْحَكَمِ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ الْحَسَنِ الْكِنْدِيّ مَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ تَلْقِينًا قَالَ: قَالَ جَبْرَ بُهِلُ عَلِي لِلنَّتِي وَالْهَجْنَةُ : إِبْنَاكَ وَمُلاحاة الرِّ خَالِ .

٧ رؤبا باحقرت الرعبدالشُّعليالسنام في كروول الشُّريع جرُّيل في كما الشُّف كو لوُّل كاخصوصت سع بجاوَّر

وَعَنْهُ ، عَنْ عُنْمَانَ بْنِ عَسَى ' عَنْ عَبْدِ الرَّ حَمْنِ بْنِ سَيَابَةَ ' عَنْ أَبِي عَبْدِ اللَّهِ اللِّلا قَالَ: إِيثًا كُمْ
 وَالْدُهَارُ وَ قَالَا لِهِ إِنْ الْمُعَوْرَةُ اللَّهُ عُورَةً .

ے۔ فرطا حضرت الوحیر التُوعلی اسلام نے کہ اچنے کو ٹٹر آنگیز گفتنگوسے بچاڈ کہ وہ باعث گنه نگاری اور بی مشید ہ عیڈ کوظام کرانے کا سبب بشل بیے۔ ٨٠ عُمَّا أَبْنُ يَحْمِنَ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُقِينَ عِيسَى، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ عَنْسَةَ الْعَامِدِ ، عَنْ أَعَي عَنْ اللّهَ عَلَى اللّهُ عَلَى

٨- فرا إحفرت العبدالله تليالسلام نه ابنه وخصومت يها وكراس حقلها تفكر بوتله نفساق ا وركست پيدام ولله -

هـ عَلِيٌّ بِنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي غُمَيْرٍ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَطِيَّةَ ، عَنْ غُمَرَ بْنِ يَن يَدَ عَنْ أَبَي عَمْدِ بِهِ عَنْ الْمَوْلَ اللهِ عَنْ أَبَينِي إِلَّاقَالَ : فَالْ رَسُولُ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ عَنْ أَبَينِي إِلَّاقَالَ : فَا فَهُمْ اللّهِ عَنْ أَبَينِي إِلَّاقَالَ : فَا فَهُمْ اللّهِ عَلَيْكِ : مَا كَادَ جَبْرَ لَيلُ لِيلِهِ فَالْ يَلْهُمْ اللّهِ فَالْ : فَالْ رَسُولُ اللهِ وَاللّهِ مَا كَادَ جَبْرَ لَيلُ لِللّهِ فَالْ عَلَيْهِ إِلَّاقَالَ : فَا فَهُمْ اللّهِ اللّهِ عَلَيْهِ إِلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ إِلّهُ قَالَ : فَا فَهُمْ اللّهِ عَلَيْهِ إِلّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ ال

٩ ـ فرما یا حفرت الزعید الشرعلی اسلام نے کر دیول الشرنے فرا یا کیم رشن جب میرے پاس تسنے توکیسا داسے محمد اسینے کو بچا ڈ لوگوں کی محمد مت اور عداوت سے ۔

٨٠ عَنْ مَعْدِاللهِ مَنْ مَعْدِى ، عَنْ أَحَدْدَ فَن مُعْمِين عِيسى ، عَنْ عَقْدَ فِي مِنْ اللهُ مَن عَبْدِاللهُ مَن عَبْدِاللهُ مَن عَبْدِاللهُ مَن عَبْدِاللهُ مَن عَبْدِاللهُ مَن عَبْدِاللهِ عَلَى مَنْ عَبْدِاللهُ مَن عَبْدِاللهِ عَلَى مَعْدَ عَالَ مَعْدُ اللهُ مَنْ عَبْدِاللهِ عَلَى مَعْدَ عَلَى اللهُ عَلَى مَعْدُ اللهُ عَلَى مَعْدَ عَلَى اللهُ عَلَى مَعْدَ عَلَى اللهُ عَلَى مَعْدَ عَلَى اللهُ عَلَى مَعْدَ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى مَعْدَ عَلَى اللهُ عَلَى الللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى الل

۱۰ فرایا حدرت ایوعیدالله علیال اوم ندسول الله نفرطی بسید برش بهرید باس آن تو تیجه نصیعت که اورآنوی بات به جوق متی کدا چند کولاگون که حصومت سے بجا وُ (شرز گیزیات نه کچینے) کیونکداس سے پوشٹ یدہ عیب ظاہر ہوئے ہی ادرعوت جاتی دم بی سے ۔

١١ عَلِيُّ بْنِ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، وَنَقَدَبُنْ إِسْمَاعِيلَ ، عَنِ ٱلْفَضْلِ بْنِ شَاذَانَ ، حَمِيعاً ،عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرِ ، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ عَبْدِالْحَمِيدِ ، عَنِ أَلْوَلِيدِ بْنِ صَبِيحٍ قَالَ : مَمِعْتُ أَبَاعَبُدِ اللهِ يَفُولُ : فَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّهِ عَلَيْكِ : مَاعَبِدَ إِلَيْ حَبْرَ بِيلُ عُلْبَتِكُمْ فِي مَنْيِءِ مَاعَدِدَ إِلَيْ فِي مُعَادَاةِ الرِّ خَالِ .

ادین فی حفرت الوجد الترعلی اسلام سعرت کردس لی الترف قرایا کرچرش بنے سب سے بڑا جدمجھ سے لوگل سے الجہاد عد اورت کے الحاد عد الحاد عد الحاد عد الحاد عد الحاد عد الحاد عد الحاد عد

١٧ - عِدَّةُ مِنْ أُمَّحُايِنَا، عَنْ أَحَمْدَبَنِ أَبِيَعَبْدِاللهِ، عَنْ بَعْضِ أَصَّحَايِهِ. رَفَعَهُ، قَالَ: قَالَ أَبُوَعَبْدِاللهِ عَنْ بَعْضِ أَصَّحَايِهِ. رَفَعَهُ، قَالَ: قَالَ أَبُوَعَبْدِاللهِ عَنْ رَرَعَ الْعَدَاوَةَ حَمَّدَ خَابَدَرَ.

١/ فرايا العبدالله على السلام فحس فعدادت كولويا اس فعداوت كوكالم-

دوسو أنجاسوال باب غضب

ه (بابُ ألغَضَبِ) ٢٢٩

عَلِيٌ بْنُ إِبْرَاهِيم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ التَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَا قَالَ رَسُولَ اللهِ بِهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَا قَالَ رَسُولَ اللهِ عَلَيْ بَنْ الْعَسَلَ .
 رَسُولُ اللهِ اللهِ عَلَى بَنْ الْعَصْلُ عُنْسِدُ الْإِيمَانَ كَمَا يُفْسِدُ ٱلْخَلُ الْعَسَلَ .

ارحغرت دسول الطرمل الشعليرواك وسلم ف فرايا كفقة ابمان كواس طرح خراب كرديتا بعيمي سركيشم دكور

٢ - أَبُوعَلِي الْأَثْمَرِي ، عَنْ تَقِيبِن عَبْدِ الجَبْنِ ، عَنِ الْبَنِ فَسْنَال ، عَنْ عَلَيْ بْنِ عَقْبَة ، عَنْ أَبِيد ، عَنْ مَيْسِر قَالَ : ذُكِرَ الْفَعْبُ عِنْدَ أَبِي جَعْفِر عَلِي فَعَالَ : إِنَّ الرَّ جُلَ لَيَعْمَبُ فَعَايَرْضَى أَبِداً حَتَى يَدْخُلَ النَّار ، فَأَيْشُار جُلِ غَضِبَ عَلَى قَوْمٍ وَهُوَ قَايْمٌ فَلَيْجُلِسْ مِنْ فَوْرِهِ ذَلِكَ ، فَإِنَّهُ مَيْلَهُ بُعْنَهُ وَجُنُ الثَّيْطَانِ ، وَأَيْشَارَ جُلِ غَضِبَ عَلَى ذِي رَحِم فَلْيَدُنْ مِنْهُ فَلْيَمْسُهُ ، فَإِنَّ الرَّحِم إِذَاهُ شَتْ سَكَنَتْ . وَجُنُ الثَّيْطَانِ ، وَأَيْشَارَ جُلِ غَضِبَ عَلَى ذِي رَحِم فَلْيَدُنْ مِنْهُ فَلْيَمْسُهُ ، فَإِنَّ الرَّحِم إِذَاهُ شَتْ سَكَنَتْ .

ادحفرت امام محدیا قرطبیال ای کسلت فعد کا ذکرکیا گیا۔ فرطیا جوشندی فعد ذیارہ کرتکہ وہ اس کا عادی جوجہ آنا ہے بچریات بات پر فعد کر کے وہ اپنے کوشنی جہنم بنا چھوٹر تکہیے جس کسی کولوگل پر فیقد آئے تواس کوچا ہیے کہ اگر کھڑا ہو توہیکی جائے۔ ایسا کرنے سے دسوسر شیطانی اس سے دور بچوجائے کا اور جس کواپنے قرابت دار پر فیصرائے تواس کوچا ہیئے کہ اس سے ہاستھ ملائے کیونک وب درشتہ دار کا جم درشترد ارسے ملتکہ ہے تو فیصر ساکن جوجا تاہیں۔

٣ عَلَيُ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ نَعَرَبْنِ عِيسَى ، عَنْ يُونُسَ، عَنْ دَاوُدَبْنِ فَرْ قَدٍ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاقِهِ عَلَيْكُ : اَلْفَصَّبُ مِفْتَاحُ كُلِّ شَرِ .

١٠ قرايا حفرت الوعيدا للرعليداك م في عصر برا ل كالمجلب-

٤ _عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَلَيْهِ فَالِدٍ ؛ عَنْ أَبَهِ ، عَنِ النَّصْرِيْنِ سُوَيْدٍ ، عَنِ اللهِ عَنْ أَبَهِ ، عَنِ النَّصْرِيْنِ سُوَيْدٍ ، عَنِ اللهِ عَنْ أَبَهِ مَا أَنَى مَنْ أَبِي عَلَيْكُمْ اللهِ عَلَيْكُمْ أَبَى عَلَيْكُمْ اللهِ عَنْ أَبَي عَلَيْكُمْ اللهِ عَنْ أَبَي عَلَيْكُمْ اللهِ اللهِ عَلَيْكُمْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْكُمْ اللهِ اللهِل

بَدَوِي ﴿ فَقَالَ : إِنِي أَسْكُنُ الْبَادِيَةَ فَعَلِّمْنِي جَواهِ عَالْكَلامِ ، فَقَالَ : آمُرُكَ أَنْ لا تَفْسَب ، فَأَعَادَ عَلَيْهِ الْأَعْرَابِيُّ الْمَسْأَلَةَ ثَلاَثَ مَرْ التِ حَنَى رَجَعَ الرَّ جُلُ إِلَى تَفْسِهِ فَقَالَ: لاَأَسَّأَلُ عَنْ شَيْءٍ بَعْدَ هٰذَا ، الأَعْرَابِيُ المَسْأَلَةَ ثَلاثَ مَرْ التِ حَنَى رَجَعَ الرَّ جُلُ إِلَى تَفْسِهِ فَقَالَ: لاَأَسَّأَلُ عَنْ شَيْءٍ بَعْدَ هٰذَا ، مَا أَمَرَ نِي رَسُولُ اللهِ بَهِ الْخَيْدِ . قَالَ : وَكَانَ أَبِي يَقُولُ: أَيُّ شَيْءٍ أَشَدُ مِن الْفَضَبِ إِنَّ الرَّ جُلَ مَا أَمَدُ فَيَقُدُلُ النَّقُ سَ الْبَيْحَرَ مَاللهُ وَيَقُدِفُ الْمُحْسَنَة .

٣ - فرمایا ابوعبد الشرعلیه اسلام نے کرمیں نے اپنے باب سے سنا کر رسول الشرکے پاس ایک بروع ب آیا اور کھنے لگا ہیں
ایک مرصی انتین ہوں۔ مجھے ابی نفیدت کیجئے جو بہت ہی نصیعتوں پر حادی ہو بیس تجھے حکم دتیا ہوں کے غدر نہ کرنا ، اعرائی نے اپنا یہ
سوال تین بار دہ بڑایا حفرت نے وہی جواب دیا - اب اعرائی نے اپنے دل میں فورکیا اور کھنے دکا اس کے بعداب میں دسول اللہ سے
کوئی سوال نہ کردں کا کیونکہ حفرت نے مجھے المرسکے کا حکم دیا ہے اور امام علیا اسلام نے فرمایا بھیرے بدر بزرگوار نے فرمایل ہے غفرت نے باردہ ترک کوئی جزئہ ہیں جوغفہ در مہوتا ہے وہ ایسے خص کوئس کر دیتا ہے جس کا فمس کرنا حرام ہوا وردہ زب حفیف برتیمت لگا آلہے

ه - عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ عَنَّ الْأَشْقَرِيّ ، عَنْ عَبْدِ الْأَعْلَىٰ قَالَ : قُلْتُ لِأَبِي عَبْدِاللهِ بِهِ : عَلِّمْنِي عِظَةُ أَتَّعَظُ بِهَا، فَقَالَ : إِنَّ رَسُولَ اللهِ رَائِئَةٍ أَتَاهُ رَجُلٌ فَقَالَ لَهُ : يَادَسُولَ اللهِ عَلِّمْنِي عَظَةً أَتَّعَظُ بِهَا ، فَقَالَ لَهُ : انْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ ، ثُمَّ أَعَادَ إِلَيْهِ فَقَالَ لَهُ : انْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ . عَمَّ أَعَادَ إِلَيْهِ فَقَالَ لَهُ : انْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ ، ثُمَّ أَعَادَ إِلَيْهِ فَقَالَ لَهُ : انْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ . ثَمَّ أَعَادَ إِلَيْهِ فَقَالَ لَهُ : انْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ . ثَمَّ أَعَادَ إِلَيْهِ فَقَالَ لَهُ : انْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ . ثَمَّ أَعَادَ إِلَيْهِ فَقَالَ لَهُ : الْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ . ثَمَّ أَعَادَ إِلَيْهِ فَقَالَ لَهُ : الْطَلِقْ وَلا تَغْضَبْ .

۵-دادی کهتابیدین نے حفرت عبدالله علیال الله سدمها محفے کی نصیحت فرایتے ناکهیں اس پرکاربند موں فرایا جا ادر غصد ندکر، داوی نے بھروہی سوال کیا حفرت نے تین بادمچر میں جواب فرایا جا اور غصد مذکر۔

٢ - عَنْهُ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمْيرَةَ ، عَشَّنْ سَمِعَ أَبَاعَبْدِاللهِ عَمْلَ يَقُولُ :
 مَنْ كَفَّ غَضَبَهُ سَنَرَ اللهُ عَوْرَتَهُ .

ے۔ فستر مایا ۱ مام محمد با قرطبیالسلام نے کم قودیت میں ہے کم خوانے وقت منا جات موکی سے کہا۔ اے مہنی لینے غفتہ کودوکو

اس شخع سعص بالشيف م كوقدرت دى ب تاكمين تهد سے اپناغ صدروكول-

٨ ـ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَايِنًا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ عَبْرِ أَن عَبْدِ أَلْحَمِيدِ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ عَمْر فِ ،
 عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانٍ قَالَ : قَالَ أَبَوْعَبْدِاللهِ عَلِيمٍ : أُوَحْى اللهُ عَنْ وَ جَلَّ إِلَى بَمْضِ أَنْبِنَائِهِ : يَا ابْنَ آدَمَ اللهُ عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانٍ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلِيمٍ : أُوحْى اللهُ عَنْ وَ وَجَلَّ إِلَى بَمْضِ أَنْبِنَائِهِ : يَا ابْنَ آدَمَ اللهُ عَنْ عَنْ مَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ الله

۸- فرمایاحفرت الجوعبد الشرعلیه اسلام نے که خوانے کمی بی پروشی کی ۱۰ سے ابن آدم توابیغ خصر کے دوت مجھے یا د کر میں نے پینے غصر کے دوفت جھے یا در کھوں گا اور نیری یا دمحون کروں گا اور میرے انتقام برراضی ہوکیوں کرمیرا انتقام تیرے انتقام سے بہتر ہوگا ۔

٩ ــ أَبُوعَلَى الْأَشْعَرِينَ ، عَنْ نَحْدَبْنِ عَبْدِالْجَبْادِ ، عَنِ ابْنِ فَضْالِ ، عَنْ عَلِي بْنِ عُقْبَةَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بَهْ مَنْ اللهِ عَنْ اللهِ مِثْلَهُ ، وَ زَادَ فِيدِ وَإِذَا مُظَلِمْتَ بِمَظْلَمَةٍ فَارْضَ بِالنَّيْطَادِي لَكَ فَانَ اللَّهِ اللَّهَ مَنْ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ اللَّهُ عَنْ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ الللَّهُ اللَّلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّا الللَّهُ اللَّهُ

۹ د حغرت الدعد الدُّعليات للم ن مجى ايسائى فرايا سهد آندا ورزياده به جب تيريدا دير كو في ظلم مو تومير انتقام پر داخى موجاكيون كرميرا انتقام تير، و انتقام سه مبترم وگا-

۱۰ دادی که تلب میں نے حفرت الوعبد الله علیہ السلام نے سنا کہ توریت میں لکھلہے اے ابن آدم غفتہ کے وقت تو مجھے ا یادر کہ جس اپنے غفر کے وقت تھے یا در کھوں کا اورجب غضروا لوں کو لغل انداز کروں کا توتیر سے ساتھا ہے اندکوں کا جب تھے پرظام کی جائے تومیرے انتقام ہر دافتی ہوجا کیوں کم میرا انتقام برنیت تیرے انتقام کے زیادہ بہتر ہوگا۔

المَ الْحُسَيْنُ اللهُ عَنْ مُعَلَى اللهِ عَنْ مُعَلَى اللهِ عَنْ مُعَلَى اللهِ عَنْ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الل

قَالَ دَجُلُ لِلنِّيْ عَلَاقِطُهُ : يَارَسُولَ اللهِ عَلَمْنِي . قَالَ : اذْهَبْ وَلاَ تَعْضَبْ ، فَقَالَ الرّ جُلُ : قَدِا كُتَفَيْتُ بِذَاكَ ، فَمَضَى إِلَىٰ أَهْلِهِ فَإِذَا بَيْنَ قَوْمِهِ حَرْبٌ قَدْقَامُواصُفُوفًا وَلَيسُوا الشِلاَح ، فَلَمْ اَدْأَى ذَلِكَ لِيسَ بِذَاكَ ، فَمَضَى إِلَىٰ أَهْلِهِ فَإِذَا بَيْنَ قَوْمِهِ حَرْبٌ قَدْقَامُواصُفُوفًا وَلَيسُوا الشِلاَح ، فَمَ خَامَادَا فَي ذَلِكَ لِيسَ بِلاَحَهُ ثُمُ قَامَ مَعَهُمْ ، ثُمْ ذَكَرَ قَوْلَ رَسُولِ اللهِ عَلَيْنَ فَي وَلا تَعْضَبُ ، فَرَمَى السِلاح ، ثُمَّ جَآءَ يَمْهِ إِلَى الْقَوْمِ النَّذِينَ هُمْ عَدُو أُ قَوْمِهِ ، فَقَالَ : يَاهُولَآهِ مَا كَانَتْ لَكُمْ مِنْ جَراحَةِ أَوْقَتْلِ أُوضَرْبِ لَيْسَ فِيهِ الْقَوْمِ النَّذِينَ هُمْ عَدُو أُ قَوْمِهِ ، فَقَالَ : يَاهُولَآهِ مَا كَانَتْ لَكُمْ مِنْ جَراحَةِ أَوْقَتْلِ أُوضَرْبِ لَيْسَ فِيهِ أَلْقَوْمُ النَّذِينَ هُمْ عَدُو أُ وَهُمِهِ ، فَقَالَ : يَاهُولَآهِ مَا كَانَ فَهُولَكُمْ ، نَحْنُ أَوْلَى بِذِلِكَ مِنْكُمْ ، قَالَ : فَمَا كَانَ فَهُولَكُمْ ، نَحْنُ أَوْلَى بِذِلِكَ مِنْكُمْ ، قَالَ : فَالَ الْقَوْمُ : فَمَا كَانَ فَهُولَكُمْ ، نَحْنُ أَوْلَى بِذِلْكَ مِنْكُمْ ، قَالَ : فَاصْطَلَحَ الْقَوْمُ وَذَهَا الْغَضَدُ .

الدفرایا الجوید الشرطیداسد الم نے کہ ایک تحصر مول المترسے کہنے لگا مجھے کھے تعدیم دیجے فرایا جا کہ اوقعد مذکرہ اسس نے کہا میرے ہے آپ کارے حکم کا فی ہے اس کے بعد وہ ابیغے گھر حلیا گیا۔ وہاں معلیم ہوا کراس کی قیم آمادہ جنگ ہے صف بندی ہو چکی ہے۔ اور ان کے ساتھ لڑنے ہے امادہ ہوا ہوں نے ہوتھ اربوں ہے سے اس کے بیاری ہوتھ اور ان کے ساتھ لڑنے ہے ای اور ان کے ساتھ لڑنے ہے ای اور ان کے ساتھ لڑنے ہے اور ان کے بیاس آیا جن سے تشمی میں اور ان سے کہا۔ وگوا کر تم میں سے کی کوزخم لگا ہے یا کو ان تسل ہوا ہے یا چوٹ کھا تی ہے جن کا اس اثر بنہ ہو آو میں اپنے مال سے دیت دینے کہ نے تی اور ان سے کہا۔ وگوا کر تم میں میری قوم سے اس کا تعلق بنہ ہوگا ہیں خود یہ وعدہ و حدا کردن گا انھوں نے کہا ہوتم کہد رہے ہو تہ ہوتا کہ دن گا ہوئی اور خصر و و و میروگا ۔

١٢ ــ عِدَّة مَنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، وَعَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ، عَنْ أَبِيهِ ، جَهِيعاً ، عَنِ ابْنِ مَعْنَ ابْنِ دِيَّابِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ عِلَيْ قَالَ: إِنَّ هٰذَا الْفَضَّ جَمْرَةُ مِنَ الشَّمْالِيّ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ عِلَيْ قَالَ: إِنَّ هٰذَا الْفَضَّ جَمْرَةُ مِنَ الشَّمْالِيّ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ عِلَيْ قَالَ: إِنَّ هٰذَا الْفَضَّ بَحَمْرَةُ وَ دَحَلَ مِنَ الشَّيْطَانِ تُوقَدُ فِي قَلْبِ ابْنِ آدَمَ وَإِنَّ أَحَدَكُمْ إِذَا غَضِاحُمْرَ تُ عَيْنَاهُ وَانْتَفَخَتْ أَوْدَاجُهُ وَ دَحَلَ الشَّيْطَانِ فَي فَلْ اللهِ مَنْ قَالَ اللهِ مِنْ قَالَ اللهِ مِنْ قَالَ اللهِ مِنْ قَالَ اللهُ عَنْ اللهُ عِنْ اللهُ عِنْ اللهُ عِنْ اللهُ عِنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ الله

۱۲- فرمایا حفرت امام محدیا قرطیدالسلام نے کریرع تقد وغضب ایک مشیطانی شرادہ ہے جو آدمی کے قلب ایں آگ بچوکا دیّرا جب تم میں سے کوئن غقر ہوتا ہے تواس کی آنکھیں مشورخ ہوجاتی ہیں اور گردن کی دگیں بھول جاتی ہیں اور شیطانی وسوسے انسان کے اندر داخل ہوجاتے ہیں ہیں جو تم میں ان شیطانی وسوسوں سے ڈد تاہے اس کو چاہیئے کرڈیں گیر ہوجائے لیسنے اگر کھڑا ہے تو بلیٹھ جلئے اور بلیٹھا ہے تولیدے جلئے اس مورت میں وسواس شیطانی اس سے دور ہوجائیں گئے۔

١٣ _ عِدَّةٌ مِنْأَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنَ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ بَعْضِ أَصَحَابِهِ ، رَفَعَهُ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَنْ بَعْضِ أَصَحَابِهِ ، رَفَعَهُ قَالَ : عَنْ لَمْ يَمْلِكُ غَضَبَهُ لَمْ يَمْلِكُ عَقْلَهُ . أَبُوعَبْدِاللهِ ﷺ : اَلْفَضَبُ مُمْحَقَةُ لِقَلْبُ الحَكِيمِ ، وَقَالَ : مَنْ لَمْ يَمْلِكُ غَضَبَهُ لَمْ يَمْلِكُ عَقْلَهُ .

١٤ - اَلْحُسَيْنُ بُنُ عَبَدٍ ، عَنْ مُعَلَى بْنِ عَبَدٍ ؛ عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِي ، عَنْ عَاصِم بْنِ حُمَيْدٍ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عُلِيَ عَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَلَى اللهُ عَنْ أَعْرُ اضِ النَّاسِ أَقَالَ اللهُ تَعْسَهُ يَوْمَ الْقِيامَةِ وَمَنْ كَفَ غَضْبَهُ عَنِ النَّاسِ كَفَ اللهُ تَبَارَكَ وَتَعَالَى عَنْهُ مَذَابَ يَوْمِ الْقِيامَةِ .

۱۹۰ و صند ما با حفرت ا بوجعفر علي السلام نے کردمول الله نے فرما با جوشنع می لوگوں کی ناعوس کی حفاظت مز کو ف سے اپنے نفس کونہ میں روکتا رفز اقتالات اس کے عیوب شار کراگا اور جولوگوں سے اپنے عقد کو دو کے رہے تاہیے فعد اروز قیامت اس پرعذاب نہیں کرے گا۔

١٥ عِدَّةُ مِنْ أُصَّحَابِنَا، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ؛ عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ، عَنْ أَبِي حَمْزَةً، عَنْ أَبِي جَمْفَرِ اللهِ عَالَ اللهُ عَنْهُ عَذَابَ يَوْمِ الْقِيَامَةِ .

۱۵- فرمایا حفرت امام محد با قرعلیا لسلام نے جواپنے غصہ وغضب کو لوگوں سے دوکتا ہے دوز قیامت اللہ تعسا لئا اس برعذاب نہیں کرتا -

دوسونچاسوال باب حسد

(بنابُ ألحَسَدِ) ۲۵۰

ا يُغَدَّدُ بُنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحَمْدَ بَنِ عَنْ إِنَّ الْنِ مَحْبُوبِ ، عَنِ الْمَلْاءِ بْنِ رَدْبِن ، عَنْ كَلَّهُ بْنِ مُسْلِم عَلَى أَلَّهُ بَالْمِ مَعْبُوبِ ، عَنِ الْمَاكَ كُمَا عَنْ أَلَّهُ مُسْلِم عَنْ أَلَا لَهُ اللَّهُ مَا أَيْ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا أَيْ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَنْ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ مَا اللَّهُ مُنْ اللَّهُ اللَّا لَا اللَّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ ال

۱- فرمایا حفرت ۱ مام مح پر با قرعلیا نسسلام نے بوگندا ہ کرجلدی میں (بینکاراند طور پر) مہوجا آباسیت النواس کونجش ویت پیدا ورحد ایمان کو اس المرے کھا کرخاک کردیّا ہے جیسے آگ سوکی نکوئی کوجلاکر اکھ بنا دیتی ہے۔ PARTER ESTERIOR POR PERFECT CAPICIO

٢ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَحَدْ مَنْ عُلَمْ ، عَنْ عُقَرِبْنِ خَالِد ؛ وَالْحُسَيْنُ بْنُ سَمِيدٍ ، مَنِ النَّفْرِ بْنِ سُوَيْدٍ ،
 عَنِ الْقَاسِمْ بْنِ سُلَيْمَانَ ، عَنْ جَرْ اج الْمَدَائِنِيّ ، عَنْ أَبِي مَبْدِاللهِ عَلَيْ قَالَ : إِنَّ الْحَسَدَ يَأْ كُلُ الأَيْمَانَ
 كَمَا تَأْكُلُ النَّادُ الْحَطَبَ .

٧ ـ فرایا حفرت ا بوعبد الشرعلیدان ایم خصد ایمان کو اسی طرح کھاتا ہے جیسے آگ لکڑی کور

۳- داوی کهتا بیدیس نے حفرت ابوعبد اللّاعلیالسلام سے شناکد اللّا سے ڈدو اور ایک دوسرے پیصد نکرہ میں علیالسلام ک شریعت میں شہروں کی سیرکرتا مقا ایک بادوہ سیرکے لئے چلے توان کے اصحاب میں سے ایک کوتاہ قدر ان کے سی علیالسلام کرنے دھے تا ہوں کے سی علیالسلام دریائے کا دریائی کا میں ان کے ساتھ دہا کرتا تھا۔ جب حفرت عیلی علیالسلام دریائے کا دریائی کے جب فرد ای نامی میں اندائی ہے ہوں لیقین کے ساتھ دہا کہ اس کے دل میں غور نے جگر با گورے ہی بورے لیقین کے ساتھ الله اس کے دل میں غودر نے جگر با گورے ہی نوری کے میں کے حفرت علی علیالسلام سے جا ملا۔ اب اس کے دل میں غودر نے جگر با گوری کے میں میں جو جا کا دریائی پر چلتے ہیں میں بھی جلتا ہوں ۔ ہذا ان کو جھ پر کہا فیصیلت ، بدخیال کے سی وہ با تی میں ہیں جھے لگا دہ صورت علی کہ اس نے دل ایک ہی میں ہیں جا ہوں اس کو عزد میرے اندر داغل ہوا رحفرت میں علیالسلام نے ذوا یا۔ تو نے ایک میں میں جو باری خدا ہوں اس کو غود میرے اور اس کے دارا در ایک دومرے پر حدد کرو۔

ان کا تواہل نہیں ۔ اس کے خدا جھ سے ناخوش مہوا۔ اب تواللہ سے ڈروا در ایک دومرے پر حدد کرو۔

ان کور ہی مرتب دے دیا۔ امام علیالسلام نے ذوا یا اللہ سے ڈروا ور ایک دومرے پر حدد کرو۔

ان کور ہی مرتب دے دیا۔ امام علیالسلام نے ذوا یا اللہ سے ڈروا ور ایک دومرے پر حدد کرو۔

٤ - عَلِي بن إبراهِيم ، عَن أَبِيهِ ، عَن النَّوْفَلِي ، عَن السَّكُونِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ بَهْ إِنْ عَلَيْكُ أَن يَكُونَ كُفُراً وَكَادَ الْحَسَدُ أَن يَغْلِبَ الْقَدَر .

۷۰ فرما یا حفرت ابوعبد النتر علیه اسان م نے رسول الله نے فرمایا . قریب ہے کرفتھری کفر پرجائے رجواحتی بیج خدا اور بندوں دونوں کاطف پر) اور قریب ہے کرحمد قضا وفندر کو توی کرسے بعنی محسود کی فعمت زیا دہ ہمو۔

عَلِي بُنُ إِبْرَاهِيمَ، عَنْ عَيْ بَنْ إِبْرَاهِيمَ، عَنْ عُونَى عَنْ عَنْ مُعَاوِيَةً بْنَ وَهْبِ قَالَ: قَالَ أَبُوعَبُدِاللهِ
 عَلْي بُنُ إِبْرَاهِيمَ، عَنْ عَوْنَ عَيْسَى ، عَنْ يُونْسَ، عَنْ مُعَاوِيَةً بْنَ وَهْبِ قَالَ: قَالَ أَبُوعَبُدِاللهِ
 عَلِي بَا أَخَدُ اللهُ بَيْنِ الْحَسَدُ وَالْعُجْبُ وَالْفَحْرُ.

٥- فرايا حفرت الوعيد؛ لله عليه لسلام نے دين كے لئے آنت حسد بتے غرور ہے ا ورفخر يہے -

﴿ عَنْ ذَا دُدَالِرَّ قِبِّي ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ بَاللهُ عَنْ وَ اللهُ عَنْ وَاحْدَاللَّ عِنْ أَنْ عَمْرَانَ اللهُ عَنْ أَلَا تَحْسِدُنَّ النَّاسَ عَلَىٰ مَا آتَيْنَهُمْ مِنْ فَضْلِي وَلا تَمُدَّ نَ جَلَّ لِمُوسَى بْنِ عِمْرَانَ اللهُ عَمْرَانَ لا تَحْسِدُنَّ النَّاسَ عَلَىٰ مَا آتَيْنَهُمْ مِنْ فَضْلِي وَلا تَمُدَّ نَ عَمْرانَ اللهُ عَمْرَانَ اللهُ عَمْرانَ اللهُ عَمْرانَ اللهُ عَمْرانَ اللهُ عَمْرانَ اللهُ عَمْرانَ اللهُ عَلَيْ عَلَيْكُ إلى ذَلِكَ وَلا تَشْعُولُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْكُ مِنْ اللهُ عَلَيْكُ مِنْ اللهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ عَلِكُ عَلَيْكُ عَلْ

۳- فرمایا حفرت ابوعبدالله علیه السلام نے کررسول اللہ نے فرما یا کہ خدا نے حف رت ہوسیٰ علیہ اسسام سے کہا ہے۔ قرند نوعمران میں سنے ا چنے ففسل سعے جو کچھ لوگوں کو دیا ہے اس پرحسد مذکر واس کی طرت اپنی ٹسکا ہیں مذا اٹھا وُا ور اچنے نفس کو تعلیف میں مذرّا ہوء کیوں کرحا سد میسری نعمت پرغفر کرنے وا لاہے اور دو کھنے ما لاہے اس تقیم کوجو میں نے اپنے بندوں میں کہے ایسا خنص مذمجھ سے سے اور دئیں اس سے ۔

٧ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنِ القَاسِمِ بْنِ عَبْرَ ، عَنِ الْمِنْقَرِ تِي ، عَنْ فُضَيْلِ بْنِ عِيَاضٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ ا

4 - وشرهایا حفسرت ۱ مام جعف مسادق علیال لام نے مومن غبطہ کرتا ہے بحد نہیں کرتا ا ورمنسا نق حد کرتا ہے غبط نہیں کرتا (غبطریہ ہے کہ دوسرے کی نعمت دیکھ کرفلاسے دعا کرے کے جس طرح اسے دی ہے مجھے بی وے اور حدیہ ہے کہ دوسرے کی نعمت کا ذوال چلہے ۔) النانيس المناف المنافظة المناف

دوسواكباون وال باب

(بَانُ الْعَصَيَةِ) ٢٥١

١ - عَنَّ بْنُ يَحْنِى ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ عُلْدَبْنِ عِيسَى ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمْ ، عَنْ ذَا وُدَبْنِ النَّعْمَانِ ،
 عَنْ مَنْصُورِبْنِ خَارِمٍ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ المِيلِ فَالَ: مَنْ تَعَصَّبَ أَوْتُ عُصِّبَ لَهُ فَقَدٌ خَلَعَ رِبْقَةَ الْأَيْمَانِ مِنْ عُنْقُهِ.

۱- فرایا حفرت الوعبد الشرعلیدات الم فیص فی تعصب (بعجاط فدادی) یاس کی وجرسے تعصب کیا گیا آنوایکا کی رستی اس کی گردن سے شکل گئ

۲- زجر اور گزرا-

٣ - عَلِيَّ بْنُ إِبْرَاهِمَ ' عَنْ أَبَهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُ قَالَ : قَالَ رَسُولَ اللهِ رَائِكِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ رَائِكُ عَنْ كَانَ فِي قَلْبِهِ حَبَّةٌ مِنْ خَرْدَلٍ مِنْ عَصَبِيّةٍ بَعَثَهُ اللهُ يَوْمَ ٱلْقِيَامَةِ مَعَ أَعْرَابِ نَاجَاهِلِيّةٍ .
 أَعْرَابِ نَاجَاهِلِيّةً .

٣- فرا یا حفرت ابوعبدا لله علیه السلام فی کرد کول الله ف فرا پلید کندس شخص که دل میں ایک را ل کے دار کے برابر جما تعصب بہوگا خدا اسے جامِل عملول کے ساتھ محشور کرسے گا۔

مه - فرمایا حفرت ا بوعبدالشدعلیالسلام نے بوسی کی بیجا طرفدادی کرے سے برطانا چا متاہے تواللہ اس طرفداری کی سرائیں جہتم رسیدکر تاہے -

اف نجلت المسكة ا

٥ ـ عِدَّةَ مِنْ أَصَحَابِنا عَنْ أَحَمَدَبْنِ عَلَيْبِنِ خَالِدِ ، عَنْ أَحَمَدَبْنِ عَلَيْهِمَا السَّلَامُ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ عَامِرِ بْنِ السَّمْطِ ، عَنْ حَبِيبِ بْنِ أَبِي ثَابِتٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحُسَيْنِ عَلَيْهِمَا السَّلامُ قَالَ: لَمْ يَدْخُلِ الْجَنَّةَ حَمِيَّةً غَيْرَ حَمِيَّةِ حَمْزَةِ بْنِ عَبْدِالْمُطَّلِبِ _ وَذَلِكَ جَينَ أَسُلَمَ _ غَضَباً لِلنَّبِي وَالْمُطَّلِبِ _ وَذَلِكَ جَينَ أَسُلَمَ _ غَضَباً لِلنَّبِي وَالْمُطَّلِفِ فِي حَدِيثِ السَّلَامُ اللَّبِي وَالْمُطَّلِفِ .

۵ - نوایا حفرت علی بن الحدین علیها اسلام نے کر تعصب نے کسی کودا خلیجنت نہیں کیا مگراس طرف دادی نے جس کا ظہور حمزہ بن عبدالمطلب سے عمایت بنی میں ہواجبکہ حمزہ نے اسسلام قبول کیا اور بیرطرفدا ری اس دقت عمل میں آئی جب مسجدالحوام میں آن محفرت پر کا فردی نے دقت ِ نماز آب پرا وجھڑی بھینے کتھی۔

٢ ـ عَنْهُ، عَنْ أَبِهِ عَنْ فَضْالَة ،عَنْ دَاوُدَبْنِ فَرْقَدٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ أَلَهُ أَلَهُ كَانُوا يَخْسَبُونَ أَنَ إِبْلِيسَ مِنْهُمْ وَكَانَ فِي عِلْمِ اللهِ أَتَّهُ لَيْسَ مِنْهُمْ ، فَاسْتَخْرَجَمَا فِي نَفْسِهِ بِالْحَمِيَّةِ وَالْفَضَبِ يَخْسَبُونَ أَنَ إِبْلِيسَ مِنْهُمْ وَكَانَ فِي عِلْمِ اللهِ أَتَّهُ لَيْسَ مِنْهُمْ ، فَاسْتَخْرَجَمَا فِي نَفْسِهِ بِالْحَمِيَّةِ وَالْفَضَبِ فَقَالَ : وخَلَقَتْنَي مِنْ نَادِوَ خَلَقْتُهُ مِنْ طِينٍ » .

۳- فرایا حفرت اوجد النزعلیالسلام نے کو کما کم کمان کرتے تھے کو البیس ان میں سے ہے اور علم الہی میں تھا کو ان میں ہے آئیس ہے لیں جونا فران رُب اور اپنے نفس کی بیجا طرفد ارماکا جذب اس کے اندر تھا وہ اس نے ظاہر کردیا ہے کہ کر کم تونے مجھ آگ۔ آج سے بدید اکیا ہے اور آدم کو می سے۔

عَنْ عَبْدِ الرَّرْ الِيهُ أَبْرُ إِبْرُ الْهِيمَ ، عَنْ أَبَيْهِ ، وَعَلِي بَنْ عُنْ الْفَاسَانِيُّ ، عَنِ الْقَاسِمِبْنِ عَنْ مُعْمَرٍ ، عَنِ الْمِنْفَرِي قَالَ : سُئِلَ عَلِي بُنُ الْحُسَيْنِ عَلِيَّ الْمَصَيِّةِ ، فَقَالَ : مُقَالَ : سُئِلَ عَلِي بُنُ الْحُسَيْنِ عَلِيَّ الْمَصَيِّةِ ، فَقَالَ : اللهَ عَنْ الْمُصَيِّةِ أَنْ الْحُسَيْنِ عَلَيْهُ اللهُ عَنِ الْمَصَيِّةِ ، فَقَالَ : اللهَ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ الل

ے۔ نہری سے مردی ہے کرحفرت علی بن الحسین علیہا انسام سے عصبیت کے متعلق سوال کیا گیا۔ آپ نے فرایا عصبیت یہ ہے کہ اس سے صا حب عصبیت گنہ کار قرار پائے بایں طور کہ اپنی قوم کے نثر مرتزین آدی کو دوسری قوم کے نبک لوگوں میں شمار مرے اپنی قوم کے کمی شخص کو دوست رکھنا عصبیت نہیں۔ بلکہ ا ذراح تعصیب اپنی قوم کے کسی ظالم کی مدد کرنا تعصیب ہے۔

دوسوباوان وال باب

,کجب

(بنابُ الْكِبْرِ) ۲۵۲

١ عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عَبْرِينِ عِيسَى ، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ أَبَانٍ ، عَنْ حكيم قال : سَأَلْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ تَتَلِيقًا عَنْ أَدَنْى الْإلْحَادِ ، فَقَالَ : إِنَّ الْكِبْرَ أَدْنَاهُ .

١- حكيم المدى ب كرمي الوحيدا للذعليالسلام سايوجهاكم سه كم الماد كم متعلق - فراياس كالبت درجة كمرسه -

٢ ـ عُمَّدُ بُنُ يَخْيَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَيْنِ عِيسَى ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ، عَنِ الْحُسَيْنِ بْنِ أَيَى الْعَلَاهِ
عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَىٰ قَالَ : سَمِعْتُهُ يَقُولُ: الْكِبْرُ قَدْ يَكُونُ فِي شِرَ الِالنَّاسِ مِنْ كُلِّ جِنْسٍ ، وَالْكِبْرُ وَدُاللهُ وَالْمَالَا ، إِنَّ رَسُولَ اللهِ وَالْمَعْفِ مُلُوقِ وَذَا اللهِ عَنْ اللهِ عَلَىٰ وَمَنْ نَازَعَ اللهُ عَرَّ وَجَلَّ رِذَا أَهُ لَمْ يَرْدُهُ اللهُ إِلاَّسَفَالاً ، إِنَّ رَسُولَ اللهِ وَالْمَعْفِ مُلُوقِ وَاللهِ فَقَالَتْ : إِنَّ الطَّرَبِقَ لَمُعْرَضُ المَدبِنَةِ وَسَوْدًا اللهِ وَاللهِ عَلَىٰ اللهِ وَاللهِ عَنْ طريق رَسُولَ اللهِ فَقَالَتْ : إِنَّ الطَّرَبِقَ لَمُعْرَضُ فَهَمْ اللهِ وَاللهِ عَلَىٰ اللهِ وَاللهِ عَنْ طريق رَسُولُ اللهِ فَقَالَتْ : إِنَّ الطَّرَبِقَ لَمُعْرَضُ فَهَمْ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ عَلَىٰ وَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَلَىٰ وَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَلَىٰ اللهِ وَاللهُ عَلَىٰ وَسُولُ اللهِ وَاللهُ وَاللهِ عَلَىٰ اللهُ وَاللّهُ وَلَا وَسُولُ اللهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَالل

۷- رادی کہتاہے کہ میں نے عفرت ابوع بدا للہ علیہ السام سے سنا کہ تکرّید آ دھیوں میں ہرطرے کا ہوتاہے اور کمیرّ دوائے ابئی ہے اس بارے میں چے فداسے نزاع کرے گا غذا اس کوہتی میں ڈال دسے گا دسول اللہ مدینہ ہے ایک ماسند سے گزور ہے تھے ایک جبٹی حورت داستے میں گوہ اٹھا دہی تھی اس سے کہا کہ دسول اللہ کے داستے سے ہدے جا- اس نے کہا داستہ کشاوہ ہے ایک شخص نے چاہا کہ اسے داستہ سے ہٹا دسے جفرت نے فرایا - اسے چھوڑ دویہ کررپندہے دیعنی اگر جرا ہٹا ڈکے تو یہ نا مزا الفاظ استعمال کرے گی ۔)

٣ عِدَّة مَّمِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ مُثْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنِ أَلْعَلاهِ بْنِ أَلْفَضَيْلِ عَنْ أَمِّدَاللهِ ، وَالْكِبْرُ إِذَادُهُ ، فَمَنْ تَنَاوَلَ شَيْئًا مِنْ أَلْفَضَيْدًا مَنْ أَلَى الْمِنْ رِدْا وَاللهِ ، وَالْكِبْرُ إِذَادُهُ ، فَمَنْ تَنَاوَلَ شَيْئًا مِنْ أَكَبَدُ أَلَى اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ ال

٣- فوا ياحضرت الوعب والتوليدالسام ف كرفوايا الم محديا قرطيدالسلام فعزت التذك رواسها وركبرالمس ك

يكا ازارب يس جوكوني اس ك الفران بس سكن جيز كا دعوى كريكا فداس كواوند عدمنهم بن وافل كروس كار

٤- أَبَوْعَلِنِي الْأَشْمَرِ فَيْ ، عَنْ أَهْلَ بَنْ عَبْدِ الْمَجْتَارِ، عَنْ ابْنِ فَعَثَالِهِ، عَنْ تَعْلَمْ مَنْ مُعْمَر بْنِ عُمَرَ
 ابْنِ عَظَامٍ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرٍ بِهِ فَالَ : ٱلْكِبْرُ رَدَا اللهِ وَالْمُشَكَّةِ تُرْيُنَاذِعُ اللهِ رِدَا مَهُ .

م - فرما يا حفرت الوجعة مليدا مسلام في مرالله ك دولها ورمتكر ورغود ابيضاس بارستين خداست نزاع كرتاب

ه . عِذَ مَ مِنْ الْمَحْدَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَ مِنْ عَلَيْمِن خَالِدِ ، عَنْ عَلَيْ مَ عَنْ أَبَي جَمِيلَةَ ، عَنْ لَيْنِ الْمُرَادِي، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَي جَمِيلَةَ ، عَنْ لَيْنَ الْمُرَادِي، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيدِ : قَالَ: أَلْكِبْرُ رِذَا فَاللهِ فَمَنْ مَازَعَ اللهَ شَيْعًا مِنْ ذَٰلِكَ أَكَبَهُ اللهُ فِي النَّادِ . لَيْنَ الْمُرادِي، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيدِ : قَالَ: أَلْكِبْرُ رِذَا فَاللهِ فَمَنْ مَازَعَ اللهُ مَيْعًا مِنْ ذَٰلِكَ أَكَبَهُ اللهُ فِي النَّادِ .

۵- قرایا حفرت الوعبد الشعلیانسان نے کیرانشکی دواہے کہوجیں نے اس بیں اللہ سے نزاع کیا خداسس کوہ بنم بیں ڈال دسے کا۔

به قرمایا حفرات ا پُرجع غروا پُرهیدا اِنَدُّ صَلِیها السّلام شَدَ کرمیت میں نہیں واض ہوگا وہ شخص جس سک دن ہیں ایک قدم برا برکھن کیٹر فاوگا۔

٧ . عَلِي بَنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عَلَيْ بِنِ عِيشَ ، عَنْ عَنْ بُوسْ ، عَنْ أَيَ أَيتُوبَ، عَنْ تَعَيْنِ مُسْلِمٍ ، عَنْ الْحَدِيمِ اللّهَ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهَ اللّهُ اللّهَ اللّهُ اللّهُ عَنْ الْحَدُمُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ

ے رامام محدیا قربا امام جعفرمیا دق ملیہا اسلام میں سے کسی نے کہا جندے ہیں وہ شخص داخل نہ عوکاجس کے دل ہیں ایکٹائی کے وا زکے برابر سمی تکیز اپڑکا دا دی کہتاہے ہیں نے برسن کرا نا للٹھ واٹا انیہ داجھوں کھا ٹراڈیا پرکیوں کھا میں نے کہا آپ سیوسن کر فرایا۔ ایسا نہیں ہے جیسا تیرانچال ہے ہما دی مرآزگا (شکار امامت سے رکہ وہ گویا اشکار دیوبریت ہے۔

٨ . أَبُوعَلَى الْأَشْعَرَيُّ ، عَنْ عُرَبْنِ عَبْدِالْجَبْنَادِ ، عَنِ ابْنِ فَصَاٰلِ ، عَنْ عَلِي بْنِ عُقْبَةً ؛ عَنْ أَيَّوْبَ بْنِ الْحُدِّ ، عَنْ عَبْدِالْأَعْلَى ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيْ قَالَ: الْكَبْرُ أَنْ تَعَيْمَ النَّاسَ وَتَشْفُهُ الْحَقَّى .
 أَيَّوْبَ بْنِ الْحُدِّ ، عَنْ عَبْدِالْأَعْلَى ، عَنْ أُبِي عَبْدِاللهِ عَلِيْ قَالَ: الْكَبْرُ أَنْ تَعَيْمَ النَّاسَ وَتَشْفُهُ الْحَقَى .

٨ - فسنرايا حفرت الوعبد الترعليداسال في سبس برز كرييب كراوكون كوحقر سمجه اورحق بان كوب وقوفى سونبت ك

۹- فرمایا ابرعب دانشد علیالسلام نے کردسول الشرنے فرما یارسیدسے بڑا نکبر سیخمص انخلق اورسفرالحق میں نے کہا اس سے کیا مراویے - امام نے فرمایا حق بات کچے ، مذہبیجاننا ، اہل حق پرطعن کرنا ، جس نے ایسا کیا اس نے خدا سے جھکڑا کیا اس کی روا کے بارے میں -

١٠ - عَلَى بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنِ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى ابْنِ اللهِ عَنَ وَجَلَ شِدَةَ وَحَرٍ وَ وَسَأَلَهُ أَنْ قَالَ : إِنّ فِي جَهَدْمَ لَوَادِياً لِلْمُتَكَيِّرِينَ يُقَالُ لَهُ : سَقَرُ ؛ شَكَا إِلَى اللهِ عَنَ وَجَلَ شِدَةَ وَحَرٍ و وَسَأَلَهُ أَنْ قَالَ : إِنَّ فِي جَهَدْمَ لَوَادِياً لِلْمُتَكَيِّرِينَ يُقَالُ لَهُ : سَقَرُ ؛ شَكَا إِلَى اللهِ عَنَ وَجَلَ شِدَة وَ حَرٍ و وَسَأَلَهُ أَنْ يَنْدَفْ مَن فَنَعْشَ فَأَحْرَقَ جَهِدْمَ .

- ارفرایا ابری دانشر علیه اسلام بندکرجهتم میں ایک وادی بعد مشکیروز ریک لفتی بی کا نام سفویت الندست اس ندا بنی حراد کویران کرسک سائش این کی اجازت چاہی ۱۲ جاذرت طبغ پراس نے سائش لی قویم نم میں آگ بھڑک دستی -

١١ _ عَنْ دَاوُدَبْنُ يَحْيَى، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَيْسَى، عَنْ عَيْدَبْنِ سِنَانِ ، عَنْ دَاوُدَبْنِ فَرْقَدِ ا عَنْ أَخْمِدِ قَالَ : مَعْنَ الْمُدَانِّ فِي عَنْ دَاوُدَبُنِ فَرْقَدِ ا عَنْ أَكْمَدُونَ فِي سُورِ الذَّرِّ ؛ يَتُوطَّأَهُمْ أَخْمُ اللَّهُ حَمَدُونَ فِي سُورِ الذَّرِّ ؛ يَتُوطَّأُهُمْ النَّاسُ حَتَىٰ يَغْرَ خَاللَهُ مِنَ الْعِسَابِ .

اد حفرت ابوجد التعملدالسلام ف فرايا نشكير ولا قيدامت جيو ميول كا صورت بين بنادية مائين سك وك حساسيت فارغ بون كال الكويرول يع كيلين كار من المساسية على الكويرول يع كيلين كار

١٧ _ عِدَّةَ وَنْ أَصَحَامِنَا عَنْ أَحَمَدَ بَنِ عَلَيْهِ فِي خَالِدٍ ، عَنْ غَيْرِ وَاحِدٍ ، عَنْ عَلَى بَنِ أَصَّبَاطٍ ؛ عَنْ عَدَدِ وَمَعْدَ وَاحِدٍ ، عَنْ عَلَى بَنِ أَصَّبَاطٍ ؛ عَنْ عَدَدَ وَمَعْدَ وَاحِدٍ ، عَنْ عَلَى أَلَّهُ وَعَلَى أَعْلَمُ عَمْدُ وَاحِدٍ ، عَنْ عَلَى أَلَّهُ وَعَلَى أَعْلَمُ عَمْدَ وَمَعْدُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ عَلَى المُعْلَى المُعْلِى المُعْلَى المُعْلَى المُعْلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى الل

ا وراد كون كواحق يجدا جائد روا وى في لي جها سقائم تكيلب فرايا من سيج الت اختيار كونا اوراس كما بل برطعن كزا-

١٣ _ عَنْهُ ؛ عَنْ يَعْقُوبَ بْنِ يَرْبِدَ ، عَنْ عَدَبْنِ يَرْبِدَ ، عَنْ عَدَبْنِ يَرْبِدَ ، عَنْ أَبِيهِ قَالَ: قُلْتُ لِأَى عَبْدِاللهِ

عَلَيْهِ : إِنَّنِي آكِلُ الطَّعْامَ الطَّيِّبَ وَأَشُمُ الرِّبِحَ الطَّيِّبَةَ وَأَرْ كَبُ الثَّالِّ قَالْفارِهَةَ وَيَنْبَعْنِي الْفُلْأُمُ فَتَرَىٰ فَي هَٰذَا شَيْئاً مِنَ النَّجَبُ وَلَا أَفْمَلُهُ ؟ فَأَطْرَقَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلَيْ ثُمَّ قَالَ : إِنَّمَا الْجَبُ أَرْالُمَلَعُونُ مَنْ غَمَصَ فِي هٰذَا شَيْئاً مِنَ النَّجَبُ وَالْفَمْسُ لَا أَدَرَى مَاهُو؟ ؛ قَالَ: مَنْ حَقَرَ النَّاسَ وَجَهِلَ الْحَقِ ، قَالَ عَمْرُ : فَقُلْتُ : أَمْنَا الْحَقّ فَلَا أَجْهَلُهُ وَالْفَمْسُ لَا أَدَرَى مَاهُو؟ ؛ قَالَ: مَنْ حَقَرَ النَّاسَ وَجَهِلَ الْحَقِ مَا يَعْمُ فَذَلِكَ الْجَبُّالُ .

۱۳ عربن پزیدسے دوایت ہے کیں نے حفرت اوجد الشرطیدالسلام ہے کہاریں اچھا کھانا کھانا ہوں انھی خومشبو سونگی تا ہوں ا چھے کھوڑے پرسواد چوتا ہوں فلام مرے پیچے چلتا ہے کیا اس میں کوئی بات کبرکی ہے کہیں سے ترک کردول حفرت نے سرجھ کا لیا رمجو فرایا ۔ جباد ملعون وہ ہے جو لوگوں کو بیجو قون سمجھے اور حق سے اشکاد کرسے ۔ دا وی نے کہا میں بی سے انکاز نہیں کرتا ۔ لیکن میں نہیں جات کا تھی کیدیے فرایا جو لوگوں کو تقریبانے اوران کے ساتھ تکرکا برتا و کرے یہ ہے جباد۔

١٤ - عُنَّا بَنُ حَمْفَرِ؛ عَنْ عُقِيْنِ عَبْدِالْحَميدِ؛ عَنْ عَاصِم بْنِ حُدَيْدٍ؛ عَنْ آبِي حَمْزَةَ ؛ عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ؛ عَنْ أَبِي حَمْزَةٍ ؛ عَنْ أَبِي حَمْزَةٍ ؛ عَنْ أَبِي حَمْنَةٍ وَلَا يَنْ عَلَيْ إِلَيْهِمْ قَالَ دَسُولُ اللهِ وَالْمَئِيَّةِ وَلَا يُمْكُلُ مُهُمُ اللهُ وَلا يَنْظُرُ إِلَيْهِمْ يَوْمَ اللهَاعَةِ وَلا يُرَكّ كَبِيمْ وَلَا يَنْظُرُ إِلَيْهِمْ يَوْمَ اللهَاعَةِ وَلا يُرْكَ كَبِيمْ وَكَالُهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ الله عَلَيْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَلَيْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَلَا الله عَنْ عَلَا الله عَنْ الله عَنْ الله عَنْ الله عَلَا عَلَا عَلَمْ عَلَمْ عَلَا الله عَنْ الله عَنْ الله عَلَا الله عَلَا عَلْمُ عَلَا عَلَا عَلَا الله عَلَا ع

۱۸۱۰ فرط الوجعفر فلیدالسلام نے کررسول اللہ نے فرطایا تین شخص ایسے ہیں جن سے روز قیامت مذتر الله کلام کرسے گا اور نزون کی طرف دیکھے گا اور زان کوصالحین میں شمار کرے گا اور ان کے لئے سخت عذاب ہوگا اقل بوڑھا زنا کار ، دوسرے ظالم بادشناہ ، تیسرے نقیر شکرتہ

١٥ .. عِدَّةَ أُمِنْ أَصَّحَابِنَا ؛ عَنْ أَحْمَدَبِنِ عُلَّهِ ؛ عَنْ مَرْوَكِ بِنْ عُبِيسْدٍ ، عَمَّنْ حَدَّ قَهُ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ يَهِلِ قَالَ : إِنَّ يُوسُفَ عَلَيْهِ السَّلَامُ لَمَاقَدِ مَ عَلَيْهِ الشَّيْخُ يَعْقُونُ كَالْمَكُ وَخَلَهُ عِزْ ٱلْمُلْكِ ؛ فَلَمْ يَنْوِلُهُ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ الشَّلُاءُ لَمَا اللهُ وَاحْدَلُ فَخَرَجَ مِنْهَا نُورُ سَاطِعٌ ؛ فَسَارَ فِي جَوِ يَنْوِلُ اللهُ عَلَيْهِ السَّمَا إِنَّ فَقَالَ : يُاجَبِّرَ بُيلُ مَاهُذَا النُّورُ الَّذِي خَرَجَ مِنْ رَاحَتِي ، فَقَالَ : نُوعَتِ النَّبُوقَ أُمِن عَقِيكَ عَنُوبَ فَالَ : نُوعَتِ النَّبُوقَ أُمِن عَقِيكَ عَنُوبَ أَنْ مِنْ عَقِيكَ نَبِي مَا اللهُ الله

١٥ رفرايا حفرت الوعبدا للمعليدا سلم فكريوسف عليدا سلام كهاس مب اليقوب مليراسلام آئ توعزت الوكيت

کا نماظ کرتے ہوئے دہ تخت سے زاکڑے جرٹسل نازل ہوئے اور کہا ۔ اسے پوسف اپنی ہتھیلی کھونی کھولی توایک نوراس سے پہلا جس سے افتی آسمان دوشن ہوگیا ۔ پوسف نے پوچھا اسے جرش نے نورمیری پتھیلی سے کیسا خارج ہوا۔ فوایا نبوت کمہاری نسل سے محل گئی کیوں کہ تم لیعقوب کی تعظیم کے ہے تخت سے نہیں اُ ترے اب تمہاری نسل میں کوئ بی نہ ہوگا۔

ملام مجلسی علیدار حمراة العقول شرع اصول کا فی می تحریر فراتے بین کر صفرت بیسف علیدالسلام کوشع اسم کا خوش سے متحاکیونک ابنیا ملیم السلام کی خوات میں مقدر این باقد سے مدا تر قا افرا قر کم تریا ہے با یہ موسی مقابلة تواعد کی دوسے چذک بادشاه کا کسی کے ہے متحت کی خوات مقدر این باقد سے دورہ ہے۔ بلکم عمر کے شابلة تواعد کی دوسے چذک بادشاه کا کسی کے ہے متحت سے اقر قاعوام الناس کی نظریں باعث والد تو فین تحال بالد الله خال تواعد کو محتوظ کے بھے ہوئے ایسا کی افرائد کا بسی کے نظری المحتوظ کے بھے ہوئے ایسا کیا تھا جس سے مقدورا صول ہوسیا ست کو برقرار رکھنا تھا کرچ نکہ باب ک تعظیم ایک نی کے کئے اس سے تربادہ ایم تھی اور ملکی مصلحت اس سے کم درجہ پرتھی لہذا پنعل ترک اول میں تھا اور چوٹ کر انہیا ہے ہوئے اول پر مجم مواخذہ ہوجا آئے ہے لہذا قدرت نے نبوت کا سلسلان کی اول دمین خم کر دوا انہیا ہے سے دیا تھا مال کوفد ایمی بہتر جا تفاہد حس طرح کے لئے کسا کہ ان کو بیدا ہی فلیفت الائر کو میں انہا ہے اول کو ان کو بیدا ہی فلیفت الائر میں تھا۔ بورے کے لئے کسا گیا تھا۔

۱۱ حفرت ۱۱ م جعفرصا وی علیاسلام نے فرا یا ہر نبدہ کے مکرسی ایک نجام ہوتی ہے جس کو فرشتہ پکڑے رسپتا ہے جب وہ کرکر تاہے توفرٹ تہ کہتاہے کیا تونے اللّٰدی وضع اختیار کی ہے جوکوئی اپنے کوبڑا ہم حتاہے وہ لوگوں کی نظر میں چھوٹا قرار پاتا ہے اور جومتواضع ہوتاہے اللّٰداس کا مرتبہ بلند کرتاہے مجوکہ تاہے بلند ہوا لللّٰہ مجھے لمبند کرے جوکوئی اپنے کو چھوٹا ہم حقاہے اللّٰہ لوگوں کی نگا ہموں میں اسے بلند کرتاہے۔

١٧ - عُلَّا بْنُ يَحْمِى ؛ عَنْ عَرْبُوا حَمْدَ ؛ عَنْ بَعْضِ أَصَّحَابِهِ ؛ عَنِ النَّهْدِيّ ؛ عَنْ يَزِيدَبْنِ إِلْحَاقَ شَعِرٍ ؛ عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ ٱلمُنْذِدِ ؛ عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ بُكَيْرِ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلَيْكُ ؛ هَامِنْ أَحَدِيَنِيهُ إِلاَّ مِنْ ذِلَّةٍ يَجِذُهَا فِي نَفْسِهِ ؛ وَفِي حَدِيثٍ آخَرَعَنَ أَبِي عَبْدِاللهِ اللَّهِ ؛ فَالَهُمَا مِنْ رَجُلِ تَكَبَّرَ أَوْتَجَبَّرَ إِلَّا لِذِلَّةٍ وَجَدَهَا فِي نَفْسِهِ ؛ وَفِي حَدِيثٍ آخَرَعَنَ أَبِي عَبْدِاللهِ اللَّهِ وَجَدَهَا فِي نَفْسِهِ .

ا - فرما یا صاوتی آل محد طیدار سلام ندکونی آدی تکریم بین کرنا نگراس دارت کی وجرسے جے وہ اپنے نفس میں یا آیا ہے اور ایک ووسری عدیث میں ہے کرانام جعقرصا دق علیہ نسلام نے فرایا کوئی تکبرو جرکرنے وال اگرایب کر تلہے تو (س) کے لئے وہ اپنے تفس میں دان محسوس کرتا ہے۔

دوسور نبوال باب

۲۵۳ (بخفانات)

١ - عَمَّابُنُ يَحْنَى ؛ عَنْ أَحَمْدَنْ عَلَيْ إِنْ عِيسَى ؛ عَنْ عَلِي بِنْ أَشْرَاطِ ؛ مَنْ رَجْلِ مِنْ أَمَعْطَامِنَا
 عِنْ أَهْلِ خُرَاسَانَ مِنْ دُلْدٍ إِبْرَاهِ مَ بْنِ سَيَّادٍ ؛ يَرْ فَهُهُ ؛ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ يَهِي قَالَ : إِنَّ اللهُ عَلَمَ أَنَ اللهُ عَلَمَ أَنَ اللهُ عَلَمَ أَنَ اللهُ عَلَمَ أَنَ اللهُ عَلَم أَنْ اللهُ عَلَى مُؤْمِنُ بِذَنْبٍ أَبْدًا .

ارفرایا امام جعفرهادی منیالسلام نے اللہ جا تبلید کہ وین کا گناہ اس کی خود بسندی سے پہترہا کرا میا شہو تو لوعن گذاہ میں کہیں مبتل منہو۔

٣ - عَنْهُ ؛ عَنْ سَعِيدِبْنِ جَنَاجٍ ؛ عَنْ أَجْبِهِ أَبِي عَامِرٍ؛ عَنْ رَجْلِ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ الملا فَالَ مَنْ دَخَلَهُ الْمُجَّدُ هَلْكَ .

مد قوليا حفرت الوعبد النع تلي ونسلهم في سائد أندية فورنسين واتعل جولٌ ده بلاك بردكيا-

٣ - علي بن إبراهم ؛ عن أبد ؛ عن علي بن أساط ؛ عن أحمد بن عسر الحلال ؛ عن أحمد بن عسر الحلال ؛ عن علي بن سُويْد ؛ عن أبي العسر علي قال : سَأَلْتُهُ عَنِ العَجْبِ اللّذي ينْ عُسِدَالْهُ مَلَ ؛ فَقَالَ : الْمُحْبُ دَرَجَاتُ مِنْها أَنْ بُزَيْنَ لِلْعَبْدِ سُو ۚ عَمَلِهِ فَيَراهُ حَسَناً فَيُعْجِبُهُ وَ يَحْسَبُ أَنَّهُ يُحْسِنَ صُنْعاً وَمِنْها أَنْ يُوْمِنَ الْعَبْدُ بِرَبِيْهِ فَيَمَنْ عَلَى اللهِ عَنْ وَجَلَ وَلَيْ عَلَيْهِ فِيهِ الْمَنْ .

ہ حضرت امام دسیٰ کا فلم علیدالسام سے را دی زغجیت منعلق اچھا جسسے عمل خاسد مہوجا آب بے قربایا عجب کے درجات بیں ایک ان میں سے یہ ہے کہ بندہ اپنے بڑسے عمل کراچھا کے اور مغرود بردکریہ گمان کرے کہ دعا چھا کام کرد ہا ہے۔ ذوصرت یہ کرعباتی کا اپنے دریہ براحیان دیکے حالانکہ تعداکا احسان اس برہے۔

٤ - عَلَى بَنُ إِبْرَاهِيمَ ؛ عَنْ أَبِهِ ؛ عَنِ أَبِهِ ؛ عَنِ أَبِهِ ؛ عَنْ الْمَعْدَ فَيْ عَبْدِ الرَّحْمٰنِ مِنْ الْحَجْنَاجِ ؛ عَنْ أَبِي عَمْدِ ؛ عَنْ عَبْدِ الرَّحْمٰنِ مِنْ الْحَجْنَاجِ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلْدَ أَلْكَ فَيَتَرَاخَى عَنْ حَالِهِ عَبْدِ اللهِ عَلْكَ خَيْدُ لَهُ مِمْنَا ذَخَلَ فِيهِ .
وَيُلُكَ فَلَا ثُنْ يَكُونَ عَلَى خَالِهِ تِلْكَ خَيْدُ لَهُ مِمْنَا ذَخَلَ فِيهِ .

مهد فرها یا حفرت الدعید الشرعلیدالسلام نے ایک شخص گن و کرتا ہے پھراس پر ادم ہوتا ہے پھرکو کُ اور عمل کرتا ہے ا اس پر فوسش مبروتا ہے اور فود مہندی اس سے ظاہر م د آن ہے ہیں اگر وہ اپنے سے پہلے ہی ندا مت والے عال ہے باتی رہنا آواس موجودہ حال سے بہتر موتا ۔

ه ـ نَهْدُ بَنْ يَحْمَى، عَنْ أَحْمَدُ بَنِ عَنَى مَنْ مُنْهِمْنِ جَانِ ، عَنْ نَعْمِرَ بَنِ فَرْ دَاشِ ، عَنْ إِسْحَاقَ ابْنِ عَمَثَادِ ، عَنْ أَبَيْ عَلَى اللّهِ عَالِمَ عَالِمَ اللّهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُلّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللللّهُ اللّه

۵- فرایا حفرت الوب النوعلی استان نے کوایک عالم ایک، عامیک باس کا اوراس سے پوچھا آپ کی تماز کاکیا حال ہے اس نے کہا مجھ جیسے کی تماز کا کیا لچھنا میں الذرک عیادت اس اسی عرح کرنا جوں ۔ پوچھا اسکا کا کیا حال ہے اس نے کہا کہ آنسرو کو ہے روتنا جولی عالمرنے کہا چھا دارہنشا الی عادیمی کرتم خواص ڈورتے افعن ہوتا تہاری میکاسے - ودا تحالیک تہم سرور اور خود پہند ہورے تمہاری تحول ہے دی تمہارے کی عمل کواو برنہ جانے دے گ

آ عَنْهُ ـ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ أَنِي ذَاوُدَ ، عَنْ بَعْنِ أَسَحَايِنَا ، عَنْ أَحْدِهِمَا الْمَثَالَةُ عَنَا مَعْنَ أَحْمَدُ بْنِ أَبِي ذَاوُدَ ، عَن بَعْنِ أَسَحَايِنَا ، عَنْ أَحَدِهِمَا الْمُثَالِقُ عَلَى: رَخَلَ رَجُلانِ الْمَسْجِدَ أَحَدُهُمَا عَابِدُ وَالْآخَرُ فَاسِقُ فَخَرَ جَامِنَ الْمَسْجِدِ وَالْعَابِدُ وَالْعَابِدُ وَالْعَابِدُ فَاسِقُ وَذَلِكَ وَتَعْمُونُ فَكُرَةُ فَاسِقٌ وَذَلِكَ أَنْهُ يَدْخُلُ الْعَابِدُ الْمَسْجِدَ هُدِلاً يعِبَادَتِهِ يَدِل بِهَا فَتَكُونُ فِكُرَتُهُ فِي ذَلِكَ وَتَكُونُ فِكُرَةُ فَاسِقٌ وَذَلِكَ وَتَكُونُ فِكُرَةُ الْعَالِمِدُ وَلَيْكَ وَتَعْمُونُ اللهُ عَنْ وَجَلّ مِمَا اسْنَعَ مِنَ الذَّ نَوْبِ .

CARROLANDA CARROLANDA CONTROLANDA CONTROLA

۷- فرمایا حفرت امام جعفرصا دن با امام محدیا قرطیما اسلام نے کہ دوشنعن مسجد میں داخل ہوئے ایک ان میں ما بر تھا اور و دسرا فاست، وہ عبا دکر مے مسجد سے تھا۔ فاستی اپنے ایمان میں سبجا تھا اور ما بدف استی تھا اس طرے کہ جب عالم بسجد میں وہ خبا دت پر مغود رتھا اور اس کی سوچ بچاراسی بارسے میں تھی اور فیاستی اپنے فستی پر نادم تھا اور اس نے ہیے گذا ہوں مے شعلی خداسے استعفاد کہا

٧ عَلِيَّ بْنُ إِبْرُاهِيمَ ، عَنْ عَيْرِبْنِ عِبِسٰى ، عَنْ عَبْدِالرَّحْمْنِبْنِ الْحَجْاجِ قَالَ :
 قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللَّهِ عِلَىٰ : الرَّ جُلْ يَعْمَلُ الْمَمَلَ وَهُوَ خَآئِتُ مُشْغِقُ ثُمُّ يَمْمَلُ شَيْئًا مِنَ الْبِرِ فَيَدْخُلُهُ شِبْهُ الْمُجْبِ بِهِ ؟ فَقَالَ : هُوَ فِي حَالِهِ الْأُولَىٰ وَهُو خَآئِتُ أُحَسَنُ حَالاًمِنْهُ فِي حَالٍ عُجْبِهِ .

۵- دادی مجتلبیمیں نے اہام جعفرصا دق علیہ اسلام ہے کہا - ایک شخص ایک کام کرتا ہے درا نمالیکہ وہ نوف ذدہ ہے مجولیک نیک کام کرتا ہے جس سے اس بی خود بسندی پیرا مجواتی ہے۔ حفرت نے فوایا اس کی بہانوت ک حالت اس خود بہندی سے بہترہے۔

٨. عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عَيَرِبْنِ عِيسِى بْنِ عُبَيدٍ، عَنْ يُؤنسُ، عَنْ يَعْضِ أَصَّخَابِهِ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ بُرْ شُنُ دُوْ أَلُوْانِ ، فَلَمْ عَلَيْهِ قَالَ : قَالَ رَسُول اللهِ وَالْحَالَةِ وَالْحَالَةِ وَقَامَ إِلَى مُوسَى عَلَيْهِ جَالِساً إِذَا قَبْلُ إِبْلِيسُ وَعَلَيْهِ بُرْ شُنُ دُوْ أَلُوْانِ ، فَلَمْ أَدَامِنْ مُوسَى عَلَيْهِ فَقَالَ لَهُ مُوسَى : مَنْ أَنْتَ ؟ فَقَالَ : أَنَا وَنَامَ إِلَى مُوسَى فَسَلَمَ عَلَيْهِ فَقَالَ لَهُ مُوسَى : مَنْ أَنْتَ ؟ فَقَالَ : أَنَا إِبْلِيسُ ، قَالَ : إِنْهِ إِنَّمَا عِبْدِ أَنْهُ إِنْهُ إِنَّالَةٍ مَنْ اللهِ ، قَالَ : إِنْهِ إِنَّمَا لَهُ مُوسَى عَلَيْهِ عَلَيْكَ لِمَكَانِكَ مِنَ اللهِ ، قَالَ : إِنْهِ إِنَّمَا عَلَيْكَ لِمَكَانِكَ مِنَ اللهِ ، قَالَ : فَقَالَ لَهُ مُوسَى عَلَيْهِ وَقَالَ لَهُ مُوسَى : فَقَالَ مَوْسَى : فَقَالَ اللهِ مُؤْمِنَ عَلَيْهِ وَقَالَ لَهُ مُوسَى : فَقَالَ مُوسَى : فَقَالَ اللهِ عَلَيْهِ وَقَالَ لَهُ مُوسَى : فَقَالَ مُوسَى : فَقَالَ لَهُ مُوسَى عَلِيهِ عَلَيْهِ وَالْمَالِكُ مَنْ وَاللهِ مَوْسَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ ا

وَقَالَ: قَالَاللهُ عَنَّ وَ جَلَ لِدَاوُدَ عَلِيلا: يَادَاوُدُ بَشِيْرِ ٱلْمُذْنِبِينَ وَ أَنْدِدِالسِّدْ يَقِينَ قَالَ: كَيْفَ الْبَشِرُ ٱلْمُذْنِبِينَ وَالْمَدْنِبِينَ وَالْمُؤْنِبِينَ وَالْمُذْنِبِينَ وَالْمُؤْنِبِينَ وَالْمُؤْنِبِينَ وَالْمُؤْنِبِينَ أَنْبِي أَقْبِلُ التَّوْبَةَ وَأَعَمُو عَنِالذَّ نَبِ وَأَنْدِدِالسِّدَ بِفِينَ أَلاَ يُعْجِبُوا بِأَعْمَالِهِمْ فَإِنَّهُ لَيْسَعَبْدُ أَنْفِيبُهُ لِلْحِسَابِ إِلاَّهَلَكَ .

۸-فرایا امام جعقوصا دق علیه اسلام نے کورمول الشدنوط با کوموٹی علیم اسلام ایک روز بیسٹے تھے کہ اہلیس کی اوری دنگ بزنگ کی فربی پینے ہوئے آیا اور جنا ب ہوسی کے قریب آکر فوہ انارل ا در ان کوسلام کیا۔ انھوں نے بوجھا توکون ہے اس نے کہا

ान्छं मण्या स्थापन स्थापन

الميس، فرايا توسد الميس فدا تجهيد دورد کھے۔ اس نے کهائي توآپ کوسلام کرنے آيا تھا بسب آپ کی قربت کے جوفداسے آپ کو حاس ب جناب موئی نے کہا يہ فول کسي ہے اس نے کہائيں اس ہے بن آدم کے قدل ب آپ کہ ابتنا ہوں جناب موئی نے کہا وہ گناہ بنا ہے آدی کر تاہے اور تواس پر فالب آ جا تاہے اس نے کہا جب اس کا نفس خود پندم ہوجا تاہے اور وہ نیادہ عمل کر کے گناہ کو حقیر سمجھنے لگتاہے ۔ وا وُدعلیہ اسلام سے فدا نے کہا ۔ اٹ وا وُدگنہ گاروں کو بشارت وسے دوا ورصد لقوں کو فدا اور اسمون نے کہا یہ دونوں مور تن کیے ہوں . فرایا گنہ گاروں سے کہوئی توب کا قبول کرنے والا مجوں اور گنا موں کا وہ بلاک برجائے گا صدیقین کو اس باسے شرا او کہ وہ اپنے اعمال پر مغرور تہوں کیوں کو جس کوئیں دوز حساب کم کو وں کا وہ بلاک برجائے گا

> دوسوچوً نوال باب مجتند دُنیااوراس کی حرص

((باب)) ۲۵ مر ۲۵ مر) هم ۲۵ مر) ه متيالدُنيا والحرص عَلَيْها (م

٨ عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيم، عَنْ أَبَيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْر، عَنْ دُرُسْتَبْنِ أَبِي مَنْسُورٍ، عَنْ رَجُل ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : رَأْسُ كُلِّ خَطِيئَةٍ حُبُ اللهُ نَبْا .
 أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيدٍ ، وَهِشَامٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : رَأْسُ كُلِّ خَطِيئَةٍ حُبُ اللهُ نَبْا .

، رفرایا ۱ م جعفرصا وق علیمالسلام نے میرگنا ہ کی اصل بنیا دیجب دنیاہے

٧ - عَلِيُّ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ إِبْنِ فَضَّالِ ، عَنِ إِبْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ حَمَّادِ بْنِ بَشِيرِ قَالَ: سَيَّعْتُ أَبَاعَبْدِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ ا

٧ . فرا إ حفرت الم جعفرصاد ق علي السلام نه كه دو مجوك مجير لون كا بكرليل كه ايك كله كه آك بيجيد بونا من كا چروا با اس دنياسه جدا بهو كيا بهواس سه زياده نقصان رسال دنيا كل محبت اوردين اسلام مي رياست ك خوابش بيد به عَنْهُ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنْ عُنْمانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ أَبِي أَيَّتُوبَ، عَنْ نُعَيَّدُ بْنِ مُسْلِم، عَنْ أَبِي جَعَفَر المَسَالِحَ عَالَ : مَا ذِنْبَانِ صَارِيَانِ فِي عَنَم لَيْسَ لَهَا ذَا عِي اللهِ وَهَذَا فِي أَوْ لِهَا وَهَذَا فِي آخِرِهَا بِأَسْرَعَ فِيهَا مِنْ حُرِيدِ

الْمَالِ وَالشَّرَفِ فِي دِينِ الْمُؤْمِنِ .

سا۔ فرمایا حفرت امام محمد بافر علیدانسلام نے کہ مالی دنیا کی مجتب اور دین اسلام میں حکورت کی خواہش اس سے زیادہ خطرناک ہے جو اس کلے آگے اس کے آگے اس کے آگے ہوا در ایک شکاری بھیڑیا اس کے آگے ہوا در درسرااس کے تیجے ۔ ہوا ور دوسرااس کے بیجھے ۔

٤- عَنْ عَنْ الْخَرْ الْهِ مَ عَنْ أَحَمْدَ اللهِ عَنْ الْحَيْدِ عِيلَى عَنْ الْحَدِيْرِ يَحْسِى الْخَرْ الْهِ عَنْ عِياتِ الْهِ عَنْ عَيْدِ اللهِ عَنْ الْحَدِيْرِ الْمِنَ آدَمَ فِي كُلِّ شَيْءٍ فَاذَا أَعْيَاهُ جَمْمَ لَهُ عِنْدَ الْمَالِ فَأَخَذَ بَرَفَيَتِهِ . الْمَالِ فَأَخَذَ بَرَفَيَتِهِ .

۲- قرمایا ام معفرصا دق علیاسلام نے کرشیطان اولاد آدم کا رُخ ہرحرام چیزی طرف موڈ د تیاہے ا درجب آدی اے درجب آدی اے درجب آدی اے درجا نا اور کا نادیک لیے تو اس کی کمین گا ہوں ہیں ہیں تھا ہے جہ ہے۔ وہ مجست مال ہیں بہتلام وجدًا نا سے تو اس کی کردن بکڑ لیتا ہے ۔

٥- عَنْهُ ، عَنْ أَخَمَدَ بْنِ كُنِّهِ ، عَنْ عَلِي بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ أَبِي السَّامَةَ زَيْدٍ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَمْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَا اللهُ ا

۵- فرمایا حفرت ا بوعبد النه علیرانسدام نے کہ درمول النه نے دیایا جوشنعی تفدیراللی پرهبرنہیں کرتا تو اس کا نفس مال دنیاک مجست میں بارہ بارہ بہوجا تلب اورجو اپنی آنکھ لنگائے رہتا ہے ان چیزوں کی طرف جولوگوں کے باس سے تواس کا غم زیادہ ہوتا ہے ا در اس کا غفہ فرد نہیں ہوتا ا درجو خداک تعرت عرف کھانے پینے اور لباس ہی میں جا تاہے تو اس کاعمل کوتا ہ ہوجا تا ہے اور عذاب اس سے فریب ہوجا تکہے ۔

٣- عِذْهُ مِنْ أَصْحَابِنَا ؛ عَنْ أَحَمْدَبْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ؛ عَنْ يَعَقُوْبَبْنِ يَزِيدَ ، عَنْ زِيَادِ الْقَنْدِيِ
عَنْ أَبِي وَكِيعٍ ، عَنْ أَبِي إِسْحَاقَ السَّبِيعِيّ ، عَنِ الْحَارِثِ الْأُعُودِ ؛ عَنْ أَمِيرِ الْمُؤْمِنِينَ لِلْإِلْكُانَا وَاللَّذَهُمَ أَهْلَكُمْ مَنْ كَانَ قَبْلَكُمْ وَهُمَا مُمْلِكًا كُمْ .

رَسُولُ اللهِ رَالِهِ عَلَيْ الدّ يِنَارُ وَاللَّذَهُمَ أَهْلَكُمْ مَنْ كَانَ قَبْلَكُمْ وَهُمَا مُمْلِكًا كُمْ .

۷- فرا یا حضرت امیرد امومنین علیه اسسادم نے که دسول اکٹرنے فروا یا که دبیشیار و درہم نے تم سے پیلوں کو کہی ہ^{ائیں}

کیاا ور دہ تہیں بھی ہلاک کرتے والے ہیں۔

٧- عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ نَخْدِبْنِ عِبسى ، عَنْ يَحْيَى بْنِ عُقْبَةَ الْأَزْدِيّ ، عَنْ أَبِيَ عَبْدِاللهِ عَلَى قَالَ : قَالَ أَبُوجُعْفَر عِلِي إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ نَجْدِبِسِ عَلَى الْدَّنْيَا مَثَلُ دَوْدَةِ الْقَرْ ، كُلَّمَ الْذَادَتْ مِنَ الْقَرْ عَلَى قَالَ أَبُوعُبْدِاللهِ عَلَى الْمَا الْذَادَتُ مِنَ الْقَرْ عَلَى نَفْسِهَا لَقَالُ أَبُوعُبْدِاللهِ عِلَى الْمُنْقِقِ مَنْ الْمَيْكُنْ نَفْسِها لَقَالُ كُانَ أَبْعَدَلْهَامِنَ الْخُروجِ حَنْى تَمُوتَ غَمْاً. وَقَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عِلَى الْمَعْدَالِةِ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ الله

، رفرایا ام محدیا ترطیبال اوم نی دنیایس حص که مثال دینم کے کیڑے کی سی ہے کھیں تدرا پنے اوپر نشاجا با ہے اس قدراس سے نکلنا بعید میں جا تھے۔ اور حفرت ابوعبداللہ علیہ اسلام نے فرایا رسب سے دیا وہ غنی وہ ہے جواسیر حص شہوا ورفرایا اور جوچیز نوت ہوگئ لیے جاتی دہی اس کی طرف دل نہ دیکا ہے تا کہ جوچیز ایجی تہمیں آئی ہے اپنی توبیون کراس کے متعلق کھو بیھٹو لیون کا دہموٹ ہے جہرہ جا وہ دُر

٨ - عَلَيْ بُنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، وَ عَلِي بُنُ غَيْدِ ، جَمِيعاً عَنِ الْقَاسِمِ بْنِ عَبْدٍ ، عَنْ سَلَيْمِ اللهِ الْمِيْدِ فَيْ اللهُ عَنْ مَعْمَرِ بْنِ رَاهِدِ ، عَنِ الزَّهْرِي عَيْدِ بَنْ مُسْلِم بْنِ عَبْدِاللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَمْالِ أَفَضَلُ عِنْدَاللهِ ؟ غَالَ: هَامِنْ عَمَلِ بَعْدَ مَعْرِ فَقِاللهِ عَزَّ قَالَ: سُئِلَ عَلَى بُنُ الْحُسَيْنِ عَلِيَةً اللهُ أَيْ الْأَعْمَالِ أَفَضَلُ عِنْ بَهْضِ اللهُ أَيْ الْمَاللهُ أَيْ الْمُعْمَالِ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْدَاللهِ ؟ غَالَ: هَامِنْ عَمَلِ بَعْدَ مَعْرِ فَقِاللهِ عَنْ اللهُ عَلَيْ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْمُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَل

۸ حفرت امام على بن الحسين عليه السلام سے سوال كياكيا كريتي خداكون ساعمل افضل ہد فرمايا النز اور رسول كى معرفت ك بعد افضل عمل دنيا سے بعض د كھنا ہے كيونكه اس كى بہت مى شاخيں بى اور كنا بهوں كى بم بہت سى صورتيں بى

سب بہلم معسیت فداکرے دان چیز کبرہے جس کا اظہار ابلیں سے ہوا جبکہ اس نے سہد کہ آدم سے انکارکیا اور کا فروں میں سے ہو گیا اس کے باس نے ہو گیا اس کے بعد حرص ہے اور دوآدم وجو اکا ترک اول ہے۔ فدا نے ان سے کہا متھا کہ جو چاہو کھا و کرگراس درخت کے پاس نہ جانا ورن اپنے نفس پر طلم کرنے والوں میں سے ہوجا وکے پس انھوں نے اس چیز کو اختیار کیا جس کا ان کو فرورت نہیں کئی پیس فدا نے قیارت کا کے بیٹے اس موص کو ذریت آ دم میں وافل کر دیا اس کے بعد حسد ہے اور دو آدم کے بیٹے (قابیل) کا گئاہ تھا جس نے اپنے بھا ان سے حسر کیا اور اس کو تش کر دیا ۔ ان میں شاخین پھوٹی فور توں کی مجبت ، دنیا کی محبت ، دنیا تھا ہو گئی ہے ہو کہ اور شروت کی محبت ، دنیا تمام خطاوں کا گھرہے ، اور دنیا اور دنیا ملعون ہے ۔ اور دنیا اور دنیا ملعون ہے ۔

ه - وَبِهٰنَا الْإِسْنَادِ ، عَنِ الْمِنْقَرِيّ ، عَنْ حَفْسِ بْنِ غِيَاتٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ: في مُنَاجُاةِ مُوسَى اللهِ : يَامُوسَى إِنَّ الدُّ نَيْا ذَارُ عُقُوبَة ، عَاقَبْتُ فِيهِا آدَمَ عِنْدَ خَطَيْتَهِ وَ جَعَلْتُهَا مُلْعَوْنَة ، مُوسَى اللهِ : يَامُوسَى إِنَّ عِبْادِيَ السَّالِجِينَ ذَهِدُوا فِي الدُّ نَيْا بِقَدْدِ عِلْمِهُ وَ مَلْعُونَ مُا مَنْ أَنْ اللهُ وَمَا مِنْ أَحَدِ عَظْمَهُمُ وَمَا مِنْ أَحَدِ عَظْمَهُمُ الْفَقَرَ تَعَيْنَاهُ فِيهُ وَلَمْ يُحَقِّرُ هَا أَحَدُ إِلاَا نَتَفَعَ إِنْهَا . اللهُ اللهُ

۹- فربایا ۱ ام جعفرصا د تن علیدالسلام نے کرجناب اوسیٰ سے وقت ِ مناجات خدا نے کہا - اسے موسیٰ دنیا عذاب کا تکریخ آدم نے اپنی خطاکا خمیا ڑہ ہمائٹا ۔ میں نے دنیا کو ملتون قرار دیا ہے اور ملتون ہے ہروہ چیز جواس میں ہے حموث وہ نہیں ہو میری خوشنودی کے لئے کی جلئے اسے موسی میرے نیک بندوں نے دنیا سے بقدرا پنے علم کے دنیا کو ترک کیا اور عام دیگری نے دنیا کو ترک کیا اور عام دیگری جہا ہت کے اس کی طرف رفیت کی اور جس نے دنیا کو حقیر سمجھا اس نے فائدہ پایا -

ا عَنْ أَبَي جَمِيلَةً ، عَنْ أَحَمْدَ بْنِ عَنْ أَحَمْدَ بْنِ عَنْ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ أَبِي جَمِيلَةً ، عَنْ عَبَوْالْحَلَيْ ، عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَنْ أَبِي جَمِيلَةً ، عَنْ عَبَوْالْحَلَيْ ، عَنْ أَبَي عَبْدِ فَا أَبِي عَبْدِ فَا أَنْ فَا أَنْ أَنْ اللهِ عَادُ فَا أَنْ عَنْ أَبِي عَبْدِ فَا وَهَذَا فِي آخِرِ هَا عَنْ أَبِي وَهِ إِنْ أَنْ أَنْ اللهُ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهُ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهُ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهُ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللّهِ اللهِ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الله

ار قربایا ا بوعید الله علیال اس فی کرمال ا وراسلام بی ریاست کی مجست اس سے زیا وہ خطرتاک ہے جو کر ایس کی کویٹ ا کریوں کے اس کارکویٹ آئے ۔ من کا چرو اہم اس سے جدا ہوگیا ہوا ورایک بھوکا بھیڑیا اس کے آگے ہوا ور دوسسرا اس کے تیجے۔

١١ - عِدَّةٌ مِنْ أُصَحْابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُلْمِيْنِ خَالِدٍ ، عَنْ مَنْمُورِ بْنِ الْعَبْاسِ، عَنْ سَمِيدِ بْنِ جَنْاج

عَنْ عُثْمَانَ بْنِ سَمِيدٍ ، عَنْ عَبْدِ الْحَمِيدِ بْنِ عَلِيّ الْكُوفِيّ ، عَنْ مُهَاجِرِ الْأَسَدِيّ ، عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَلَيْكُ قَالَ: مَرَّ عِيسَى ابْنُ مَرْيَمَ لِمُنْ عَلَى قَرْيَةٍ قَدْمَاتَأُهُلُهُا وَطَيْرُهَا وَدَوْابُهُا فَقَالَ : أَمَا إِنَّهُمْ لَمْيَمُوتُوا إِلَّا بِسُخْطَةٍ وَلَوْمَا تُوا مُنَفَرِّ فِينَ لَتَدَا فَنُوا ﴿ فَقَالَ الْحَوْارِيُّونَ: يَارُوْحَاللهِ وَكَلِمَتُهُ ! ا دْعُاللهُ أَنْ يُحْيِيَهُمْ لَنَافَيْخْبِرُونَا مَاكَانَتْ أَعْمَالُهُمْ فَنَجْتَنِبَهُا ، فَدَعَاعِيسَى عَلِي رَبُّهُ فَنُودِي مِنَ الْجَوِ أَنَ : نادِهِمْ ، فَقَامَ عِيسَى غَلِيَكُمْ بِاللَّيْلِ عَلَى شَرَفِ مِنَ الْأَرْضِ فَقَالَ: يَاأَهُلَ هَذِهِ الْقَرْيَةِ فَأَجَابَهُ مِنْهُمْ مُجِيبُ: لَبَنْيْكَ يَادُوْحَالَةِ وَكَلِمَتُهُ ، فَقَالَ : وَيُحَكُّمْ مَا كَانَتْ أَعْمَالُكُمْ ؟ قَالَ : عِبَادَةُ الطَّاغُوتِ وَ حُبُّ الدُّ نْيَامَعَ خَوْفٍ قَلِيلٍ وَأُمَلِ بَعِيدٍ وَغَفْلَةٍ فِي لَهْوِوَلَيبٍ ، فَقَالَ : كَيْفَ كَانَ خُبُّكُمْ لِلدُّ نَبّا ؟ قَالَ : كَعُبّ ِ الصّبق لِأُمْيِّهِ، إِذَاأَقَبْلَتْ عَلَيْنَافَرِحْنَا وَسُرِرْنَا وَإِذَاأُذَّبَرَتْ عَنَّا بَكَيْنًا وَحَزِنتًا، قَالَ :كَيْفَكَانَتْ عِبَادَتُكُمْ لِلطَّاغُوتِ؟ قَالَ: الطَّاعَةُ لِأَ هُلِ الْمَعَاصِي، قَالَ : كَيْفَ كَانَ عَافِبَةُ أَمْرِكُمْ ؟ قَالَ : بِنْنَالَيْلَةُ فِيعَافِيَةٍ وَ أَصَّبَحْنَافِيٱلْهَاوِيَةِ ، فَقَالَ : وَ مَا ٱلْهَاوِيَةُ ؟ فَقَالَ : سِجْيَنُ قَالَ : وَمَاسِجْيِنُ ؟ قَالَ : جِبَالٌ مِنْ جَمْرٍ تُوتَدُ عَلَيْنَا إِلَى يَوْمِ الْقِيَامَةِ ، قَالَ : فَمَا قُلْتُمْ وَمَاقِيلَ لَكُمْ ؟ قَالَ : قُلْنَا رُدُّ نَا إِلَى الدُّ نَيَا غَنَزْهَدُ فيها قِيلَ لَنَا كَذَّبُنُمْ ، قَالَ : وَ يُحَكَ كَيْفَلَمْ يُكَلِّمْنِي غَيْرُكَ مِنْ بَيْنِيمْ ؟ قَالَ : يَارُوْحَ اللهِ إِنَّهُمْ مُلْجَمُونَ بِلِجَامِ مِنْ نَارِباً يَدِي مَلائِكَةٍ غِلاظٍ شِدَادٍ وَإِنْهِي كُنْتُ فِيهِمْ وَلَمْأَكُنْ مِنْهُمْ ، فَلَمَا نَزَلَ الْعَذَابُ عَمَّنِي مَعَهُمْ فَأَنَاهُمَلَقٌ بِشَعْرَة عَلَىٰ شَفِيرِ جَهَنَّمَ لاأَدَّرِي الْكَبْكَبِ فِيهٰا أَمْ أَنْجُومِنْها ، فَالْتَفَتَ عِيسَى إلى إلى ٱلْحَوْارِيِّينَ فَقَالَ: يَاأُوْلِيَا مَاللَّهِ أَكُلُ الْخُبْزِ الْيَابِسِ بِالْمِلْجِ الْجَرِيشِ وَالنَّوْمُ عَلَى الْمَزَابِلِ خَبْرُ كَثِيرُ مَعَ عَافِيَةِ الدُّ نَيَاوَالْآخِرَةِ.

فریا تہاری شیطانی عبادت کا کیا حال تھا اس نے کہا ہم نے گہنگاروں کی اطاعت کی تھی فرایا ہو اہمام کیا ہوا۔ اس نے کہا ات
کوہم عاقبت سے بحقے اور ہے کوہہ فررسید ہوئے۔ لوچھا بادیہ کیا ہے اس نے کہا ہوں نے ہا ہوں نے کہا دہ چنگاریو
کے بہا ڈہیں جو قیامت بک ہمارا کے شعطے ہو گئے رہیں گئے۔ فرمایا ہو تھے ہو فرمایا کہا۔ اس نے کہا میں نے کہا یا اللہ ہی دنیا
میں ہی جو دے تاکہ ہم اسے قرک کریں ہم سے کہا گیا۔ تم جو فے ہو فرمایا واٹے ہو تھے پر، تیرے علادہ کی اور نے کلام کیوں ندگیا
اس نے کہا اے درو اللہ ان کے وہنوں ہرآگ کی لگام چڑھی ہوئی ہے جوسخت گرملائکہ کے باتھوں میں دہتی ہے۔ میں ان کے درمیان
تھا لیکن شیطان کا بہاری نہ تھا جب عذاب نا ذل ہو آ قیس بھی اس نے بیٹ میں آگیا کہ ان کے درمیان سے نمل کیوں ندگیا
اب ہم مرک بالوں سے جہنے کے کنارے لیگئے ہوئے ہیں نہیں معلی اس میں گری گئے یا بی جا بیس کے اب حفرت میں نے حوادیوں سے
متوج ہوک فرمایا۔ اے اول سے جہنے کے کنارے لیک ہوئی دوئی برمزہ تمک سے کھا تا اور کوڈے گھر پرسونا بہتر ہے دنیا وا تورت کی عافیت
کے لئے۔

١٢ - عَلِي مَنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ هِضَامِبْنِ سَالِم، عَنْأَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبْدِي عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَنْ أَبِي عَنْ أَبْهِ عَنْ أَبِي عَبْدِ أَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِي إِنْ أَنْ عَلَيْهِ عَلِيهِ عَلَيْهِ عِلْمَ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَا عَنْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَنْ عَلَيْهِ عَنْ أَنْهِ عَنْ أَنْهِ عَنْ أَبِي عَنْ أَنْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلْ

۱۷ - فرمایا ۱۵ م جعفرصا دت علبراب لمام نے کہ اللہ نے جس امرونیا کا وروازہ کھولا ہے اس پراسی طرح حرصکا ورواڈ کھول ویاہیے -

۱۳ - فرمایا حفرت امام جعفر مسا دق علیدانسلام نے کھینی علیدانسلام نے فرمایا تم دنیا کے حصول بی ستی کرتے ہوھالا بھر اس میں رزّ ت بے محنت خدا تہیں ویتا ہے اور آخوت کے لئے عمل نہیں ۔ حالا نکر و بال بےعمل کو کوئ رزّ نہیں ویا جسا آ دائے ہوتم پر ، اے علمائے سُوشم اجر عیاستے ہموا درعمل کو ضائع کرتے جو سرتر میں ہے کہ صاحب کل کاعمل نشہول کیا جائے اور قریب ہے تم دنیا کی تشک سے نکل کر قبر رکی تاریخی میں چلے جا کہ کیا حال پوگاان _{ای}ں علم کا جنفیں آخرت کی طرف جا نا چا جیٹے اوروہ دنیا کی طرف متوج بہب جوچیزان کے لیے محبوب ہے وہ کفع والی چیزمیں تغیر بیدا کرنے والی شہوگ۔

١٤ - عَنْهُ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبَرِينِ عَمْرِهِ فِيمَا أَعْلَمُ - عَنْ أَبِي عَلِي الْحَدَّ أَوِ ، عَنْ حَرِيسِ ، عَنْ زُرَارَةَ ، وَغَيَرِبْنِ مُسْلِمٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِي قُالَ : أَبْعَدُ مَا يَكُونُ الْعَبْدُ مِنَ اللهِ عَنْ وَجَلَ إِذَا لَمْ يَهُمُنُهُ إِلَا بَطْنُهُ وَفَرْجُهُ .

۱۲۰ فرایا حفرت امام جعفر مسادق علیدانسدای نے فداسے دوری ہے اس بندہ کے مطابح ا بینے شکم ومشرد مگا ہ کے سوا ف کرآ فرت کرکا ہی ہم س

١٥ - عُلَّ بُنُ يَحْنَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ إَبْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ وَعَبْدِاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ

ه ۱ - فرایا حفرت ۱۱م جعفرمدادتی علیدالسلام نے پوشنعی فیکر دنیا ہیں جبی دستام رہتا ہے الشرفقر کواس کی آنکھوں کے سلنے کر دیٹا ہے اور اس کے مقدر جب اور اس کے مقدر جب اور اس کے مقدر جب اور جوکو کی فیکر آخرت میں جب دستام کز ارتا ہے فدااس کے قلب کو معلم کن بندا دیتا ہے اور اس کے معاملات میں اس کومسکون عطا کرتا ہے۔ کرتا ہے۔

۱۱- فرا احفرت ا بوعبدالترعليا اسلام في من كا انهاك دنياك طوت زياده بهوتلهد ونيل مع النا كاعم است اثنابي زياده بهوتليد.

١٧ = عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبْهِ ، عَنِ أَبْهِ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ عَبْدِ الْعَزِيزِ الْمَبْدِيّ ، عَنْ إِبْنِ أَبِي يَتَعُورَ فَالَ : سَمِعْتُ أَبْا عَدَاللهِ عِلْهِ يَقَعُولَ : مَنْ تَعَلَّقَ فَلْبُهُ بِاللهُ نَيْا تَعَلَّقَ قَلْبُهُ بِثَلاثِ خِطَالِ : هَمُّ لَا يَعْدُلُ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهُ بِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهُ بِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهِ الل

اردادی کہنا ہے کھی فی حفرت الوعبد الله علیہ اسلام سے سناکر جس کادل دنیا کی طرف منوم ہوتا ہے اس کے لئے تین باتی بیدا ہوت ہی غم اس سے دورنہیں ہوتا اپنی آوزو یا تا نہیں امیداس کی لوری ہو تی نہیں ۔

دوسونچین وال باب طبع

ه (باب الطَّمَع) ٢٥٥

١ عِدُّةُ مِنْ أُمَخَايِنَا، عَنْ أَحَمْدَ بْنِ عَنْ اللهِ عَنْ عَلِيّ بْنِ حَسَّانٍ ، عَمَّنْ حَدَّ ثَهُ، عَنْ أَبِي عَدْ اللهِ عَنْ عَلَيّ بْنِ حَسَّانٍ ، عَمَّنْ حَدَّ ثَهُ، عَنْ أَبِي عَدْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَالَ : مَا أَقْبَحَ بِالْمُؤْمِنِ أَنْ تَكُونَ لَهُ رَغْبَةُ تُذِلُّهُ .

ارمفرت الم معفوصاد تى عليانسلام نے كم ايك مومن كے لئے كس قدر قبيح سے يہ بات كر وہ ايے امر كى طرف راغب برحواسے ذليل كرے -

٢ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَبِيهِ، عَمَّنْ ذَكَرَهُ، بَلَغَيهِ أَبَاجَعْمَرٍ عِلِي قَالَ : بِشَّ الْعَبْدُ عَبْدُ لَهُ طَمَعْ يَقُودُهُ وَبِشْسَ الْمَبْدُ عَبْدُ لَهُ رَغْبَةُ تُذِلِّهُ .

۲۔ فرما یا حفرت علی بن فہمین علیہما السلام نے میں نے پوری نیکی کوجمع دیکھا اس امرمی کر قبطع حرص کی جلنے اس چیزے جولوگوں کے باستھوں میں ہے۔

٣ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ القاسِمِ بْنِ عَلَيْ مَنِ الْمِنْقَرِي ، عَنْ عَبْدِالرَّرَ اقِ ،عَنْ مُمْمَر عَنِ الرَّ مُرِي فَالَ : قَالَ عَلِي بُنُ الْحُسَيْنِ عَلَيْهِ مَا السَّلَامُ: دَأَيْتُ الْخَيْرَ كُلُّهُ قَدْ إَجْنَمَعَ فِي قَطْعِ الطَّمَعِ عَمَّا في أيدي النَّاسِ .

س فرایا حقرت الوجعفر علیدالدام نے سب سے برا دہ بندہ ہے جس کی قائد طبع ہوا در براہے وہ بندہ جس کی رغبت اس چرک طرت ہوجوا سے دہ اس کے سات

٤ ﴿ عُنَّ بُنُ يَحْنِى ، عَنْ قَلِيَبْنِ أَحْمَدَ ، عَنْ بَمْضِ أَمَّحَا بِنَا ، عَنْ عَلِي بْنِ سُلَيْمَانَ بْنِ رَشِيدِ ، عَنْ مُوسَى بْنِ سَلَامٍ ، عَنْ سُعْدَانَ ، عَنْ أُبِي عَبْدِافِتْ عِنْ قَالَ : قُلْتُ لَهُ : [مَا] الَّذَي يُشِتُ الْإِيمَانَ فِي الْعَبْدِ ؟ فَالَ : الطَّمَعُ . قَالَ : الطَّمَعُ . قَالَ : الطَّمَعُ .

ہ۔ را دی کہتا ہے میں نے الم جعفر مبادق علیاں۔ اللم سے بوچھا بندہ میں ایمان کو ثابت رکھنے وال کیا چرہے نزمایا گنا جوںسے پرمیز، میں نے کہا اور ایمان سے مناری کرنے والی کیا چرہے فرایا کھیع -

روسو چھین وال باب خرق

(بالبُالخُرْتِ) ٢٥٩

عِدَّةٌ يُمِنْ أُصَّحَامِنَا ، عَنْ أُحَمِّدَمْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ؛ عَنْ أَبَهِهِ ؛ عَمَّنْ حَدَّثَهُ ، عَنْ عُلِيهِنِ عَبْدِاللهِ ؛ عَنْ أَبَهِهِ ؛ عَمَّنْ حَدَّثُهُ ، عَنْ عُلِيهِنِ قَالَ : مَنْ قُسِمَلَهُ الْخَرِقْ خُجِبَ عَنْه الْإِيمَانُ
 عَبْدِالرَّحْمُنِ بْنِ أَبِي لَيْلَىٰ ، عَنْ أَبِي جَمْعَرِ إِنْ قَالَ : مَنْ قُسِمَلَهُ الْخَرِقْ خُجِبَ عَنْه الْإِيمَانُ

، سرمایا دام محربا قرطیا اسلام نے جس کے افعال میں ناہمواری ہے ایمان اس سے پوشیدہ ہے -

ندفرمایا ۱۱م محدیا قرملیدانسان نے کرفرمایا رسول فدانے اگرنا بہوادی افعال آدی کی شکل میں بیدا کی جاتی تواس سے زیادہ برموت کوئی دومری شکل نہوتی ۔

دوسوستاوان وال باب سورفسق

((باب سُو والخُلق) ٢٥٤

١- عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِّهِ ، عَنِ أَبْنِ أَبِّي عُمَّيْرٍ ، عَنْ عُبْدِاللهِ بْنِ سِنَانٍ ، عَنْ أَبِّي عَبْدِاللهِ

WE WE WE WANTED TO THE WANTE OF THE WANTE OF THE PARTY OF

ولا قَالَ: إِنَّ مُورَ الخُلْقِ لَيُغْمِدُ أَلْغَمَلَ كُمَّا يُغْمِدُ الخَلُّ الْعَسَلَ

ا ـ فرايا حفرت الم مجعفه عادق علي السلام ف كردسول الله ف فرايا - بدخلتي عمل نيك كو اس طرح فراب كرنى المسيد كور

٧ - عَلَيْ بَنُ إِبْرُاهِمِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيهِ قَالَ :
 قَالَ النَّبِي عَنْ اللَّهِ عَنْ أَبِي اللهُ عَنْ وَجَلَ لِما حِبِ الْخُلْقِ السَّبِيءِ وَالتَّوْبَةِ فَبِلَ : وَكَيْفَ ذَاكَ بَارَسُولَ اللهِ ؟
 قَالَ : لِأَنْ أَنْ أَذَا تَابَ مِنْ دَنْدٍ وَقَدَعَ فِي ذَنْبِ أَعْظَمَ مِنْهُ .

٧- فرما با ابوعبد الشرعلية اسلام في كورسول الشرك فرما يا - خداف الكاركيا سيصاحب خلق سورك توبرقبول كرت عدار في ا سيكسي ت كيما ويارسول الشريكيول - فرما ياجب وه ليك كناه كرتا بيدتي توب كرتا بيدي اس سع برسع كناه مين مبتلا بوجانا آ

٣- عِدَّةُ مِنْ أَسَدَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بَنْ عَالِدٍ ؛ عَنْ إِسْاعِيلَ بَي وَمُرَانَ ؛ عَنْ سَيْفِ بْنِ عَي إِسْاعِيلَ بَي وَمُرَانَ ؛ عَنْ سَيْفِ بْنِ عَبِيلَةً عَلَى إِنَّ سُوءَ الْخُلُقِ لَيْغَسِدُ الْأَيْمَانَ كَمَا يُفْسِدُ لَا يَعْسِدُ الْمُعَلِّذِ لَيْعُسِدُ الْأَيْمَانَ كَمَا يُفْسِدُ لَا يَعْسِدُ اللهِ عَنْ أَنِي عَبْدِ اللهِ عَلَى إِنَّ سُوءَ الْخُلُقِ لَيْعُسِدُ الْإِيمَانَ كَمَا يُفْسِدُ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ أَنْهَا عَبْدِ اللهِ عَنْ أَنْهَا عَنْ اللهِ عَنْ أَنْهَا عَلَيْكُ اللهُ اللهِ عَنْ أَنْهَا عَلَيْكُ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ أَنْهَا عَلَيْكُ اللهِ اللهِ عَنْ أَنْهَا عَلَيْكُ اللّهُ اللّهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ أَنْهَا عَلَا اللهُ عَلَيْكُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

٣- فرمايا حفرت الم جعفهادق على السلام خيك بدخلتي إيمان كواس المرح تواب كرف يعجب عرق مركزتهدكو

وَ عَنْهُ اللهِ مَنْ عَمْلُهُ وَ مِنْ السَّاعِيلَ إِنْ مَرْيِعِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ عَمْمَانَ . هَنِ الْحَسْنِ بْنِ مِهْسِرَانَ عَنْ إِنْ عَنْمُ اللهِ عَنْ إِنْ عَنْ اللهِ عَالَ : مَنْ بَاءَ خَلْقَهُ عَذَ بَ نَعْسَهُ .

م و قرایا حقرت ا پرعید دانشرعلید اسلام فیچس کناخلاق فراب چی اس کانفس عذاب پی ہے۔

ه - عِدَّة مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ غَنْرَبْنِ عَبْدِ أَنْحَمِيدِ ؛ عَنْ يَحْيَى بْنِ عَمْ وِ عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنَ عَبْدِ اللهِ بْنَ عَبْدِ اللهِ بْنَ عَلَى اللهِ بْنَ عَلَى اللهِ عَنْ عَمْدِ اللهِ عَنْ عَمْدِ اللهِ عَنْ عَمْدِ اللهُ عَنْ وَ جَلَّ إِلَى بَعْضِ أَنْبِنَا يَهِ : ٱلْخُلُقُ السَّيِسَى مُ عَمْدِ اللهِ عَنْ يَعْفِ أَنْبِنَا يَهِ : ٱلْخُلُقُ السَّيِسَى مُ عَمْدِ الْعَمَلَ كَمَا يَهُ مِدُ الْخَلُ الْعُسَلَ .

۵-دا وی مجتاب کرحفرت الوعب دا لنه علیاله الم فرایاب خلق عمل نیک کواس طرح بنگا دُوتی سے عبید مرکز مشید کو دبیگار وینامید -

دوسوالفاون وال باب

مسقم رجد شتعل برجانا، كابيان دينا اور تندمزاجي ظابركرنا)

(بابُ الشَّقَهِ) ۲۵۸

١ عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَٰ إِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنُ عَلَيْبِنِ خَالِدٍ ، عَنْ شَرِيفِ بْنِ سَابِقِ ، عَنِ الْفَصْلِ بْنِ أَلَيْم ، يَسْتَطِيلُ عَلَىٰ مَنْ (هُوَ) دَوْنَهُ وَيَجْفَئُمُ لَبْيم ، يَسْتَطِيلُ عَلَىٰ مَنْ (هُوَ) دَوْنَهُ وَيَجْفَئُمُ لِبَيْ (هُوَ) فَوْقَهُ .
 لِمَنْ [هُوَ] فَوْقَهُ .

ا فریا حفرت العبدالله علیه السلام فی رسف نادت برسیدی وجرد انسان این سے پر است برخد کے ساجع انسان البیار ما جن کرد کھا تا ہے اور اپنے مرتب سے زیادہ اپنے کود کھا تا ہے اور اپنے سے ایمان البیار ما جن کرد کھا تا ہے اور اپنے سے دیادہ اپنے مرتب سے زیادہ اپنے کود کھا تا ہے اور اپنے سے دیادہ اپنے البیار ما جن کرد کھا تا ہے اور اپنے سے دیادہ اپنے البیار ما جن کرد کھا تا ہے اور اپنے سے دیادہ اپنے اور اپنے مرتب سے ذیادہ اپنے کود کھا تا ہے اور اپنے سے دیادہ اپنے اور اپنے مرتب سے دیادہ اپنے اور اپنے مرتب سے دیادہ اپنے کود کھا تا ہے اور اپنے سے دیادہ اپنے اور اپنے مرتب سے دیادہ اپنے مرتب سے دیادہ اپنے کود کھا تا ہے اور اپنے مرتب سے دیادہ اور اپنے مرتب سے دیادہ اور اپنے مرتب سے دیادہ سے

مِدُ عَنَّا بُنُ يَحْلَى ؛ عَنْ أَحْمَدَ بَنْ غَيْرِ بْنِ عِيسَى ؛ عَنْ بَعَنِي أَمَنْ البِهِ عَنْ أَبِيَ أَلَهُ لَيْ عَنْ الْمَعْلِيمِ عَنْ أَبِهِ اللهِ عَنْ أَلْمَعْلِيمِ عَنْ أَبِهِ اللهِ عَنْ أَلْمَعْلِيمِ عَنْ أَبِهِ اللهِ عَنْ أَلِمَعْلِيمِ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ أَلِمَ عَنْ أَلِمَعْلَمِي عَنْ أَلِمُعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلِمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلِمُعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلِمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلْمِعْلِيمِ عَنْ أَلِمِعْلِيمِ عَنْ أَلِمِعْلِيمِ عَنْ أَلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمِعْلَى إِلَيْهِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلَمِ عَنْ أَلِيمُ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَنْ أَلِيمُ عَنْ أَنْ عَنْ أَنْ عَلَيْ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمِنْ عَلِيمِ عَنْ أَنْ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَنْ أَنِي عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمِنْ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لِيمُ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِلْمُعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمِنْ الْمِعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لَلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لَلْمُعِلِمُ عَلَيْكُمْ لَيْسُوا لِمِنْ عَلَيْكُمْ لَلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لِلْمِعْلِيمِ عَلَيْكُمْ لِلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لِلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لِلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لِلْمُ عَلَيْكُمْ لِلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لِلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لِلْمُعْلِمِ عَلَيْكُمْ لِمُعْلِ

وَقَالَ أَبُوعَبُدِاللهِ كَالِئِكُ : مَنْ كَافَأُ السِّفِيهَ بِالسَّفَهِ فَقَدْ رَضِيَ بِطَأَتُنَى إِلَيْهِ حَيْثُ احْتَذَى مِثَالَهُ

۷- فرمایا صدا وق آل محد علیدالسلام نے مسبکی اور تماقت کی باتیں مذکر دکیوں کر تمہادے آئم یسبک سرا ور احمق مذیقے اور صفرت فی سبی فرمایا جو احمق کو مماقت سے بدلہ دے گا تو دہ رافنی پر ۱۱ س بات پر کدا حمقا نافعل کی بیروی کے

ج عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِمَ ، عَنْ أَبِهِ ؛ عَنِابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ عَبْدِالنَّ حَمُنِيْنِ الْحَجْاجِ ، عَنْ الْمَالَحَ فَمُنِيْنِ الْحَجْاجِ ، عَنْ الْمَالَحَ مُوسَى عُلْقُكُمْ ، وَوَزُّرُهُ وَوِزْدُهَا جِبِهِ عَلَيْهِ مَالُمْ يَتَعَدَّ الْمَطْلُونُ . وَوَزُّدُهَا جِبِهِ عَلَيْهِ مَالُمْ يَتَعَدَّ الْمَطْلُونُ .

۱۰۳ مام موئ کاظم علیالسلام نے ایے دو شخصوں کے بارے میں فرایا جو ایک دوسرے کو گالیسال دے دہے کے لائیں ابتداء کرنے والازیادہ ظلم کرتے والاہے دومرے کے گناہ کابار کھی اسی پر بوگا جب تک کامظامی صدے مذکر دسے ۔

٤- عِدَّة مِنْ أَصَحْابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ صَفْوانَ ، عَنْ عِيسِ بْنِ أَنْتَاسِمِ عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَنْ صَفْوانَ ، عَنْ عِيسِ بْنِ أَنْتَاسِمِ عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَالَ : إِنَّ أَبَغْضَ خَلْقِ اللهِ عَبْدُ أَتَّعَى النَّاسُ لِسَانَهُ .

ان زيد المنظمة المنظم

م د فرایا حفرت امام جعفره ما دی علید السلام نے تعلوق میں سب سے زیا وہ دیمی فعرا وہ ہے جس کی پرزبان سے لوگ ڈریں ۔

دوسوالسطه وال باب بذار (زبان درازی)

ه (باب ألبَذَاه) ٢٥٩

، عُقَدَّ بْنُ يَحْلَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ مُقْرِبْنِ عَيسَى ، عَنِ ابْنِ فَصَّالِ ، عَنْ أَيِي الْمَغْرَاء عَنْ أَيِي بَسِيرِ عَنْ أَبِي عَبْدِافِهِ عَلَيْتُكُ قَالَ : [إِنَّ] مِنْ عَلاَمَاتِ شِرْكِ الشِّيطَانِ الَّذِي لاَيْشَكُ فِيهِ أَنَّ يَكُونَ فَتَعَاشًا ، لا يُبَالِي مَا قَالَ وَلاَمَاقِيلَ فِيهِ .

ار فرما یا صفرت ۱۱م جعفرصدا دق علیدالاسلام نے کہ بے شکت دیک علامت اس کی کرسٹیریلمان اس شخص کے باہیہ کے جماع میں مشر یک تھا یہ ہے کہ وہ بدگوسے اور گفت گڑکے دقت اس پرخورنہیں کرتا کہ کیا کہا اورکس کے بارسے میں کہا۔

۷. فرمایا حفرت ۱ مام جعفر مسادن علیدالسلام نے کرسول الله نے فرمایا - جب تم کمی کود مکیموکر اس بات کی پر واد نہیں کرتا کہ اس نے کیا بہا اور اس کے لئے کیا کہا کہ اوس کے لئے کیا کہا گیا توسمی لاکہ وہ فرنا فرادہ ہے یا و قت جماع مشیطان اس کے باپ کے ساتھ مشر کے جماع مقا

٣ - عِدَّة مَّمِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمَدُبْنِ عَبَيْنِ خَالِدِ ، عَنْ عُصْانَ بْنِ عِيسَى، عَنْ عُمَر بْنِا أَذَيْنَة عَنْ أَبَانِ بْنِ أَبِّي عَيْاشٍ ، عَنْ أَمَيرِ الْمُؤْمِنِينَ عَلِي قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُؤْمِنِينَ عَلِي قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُؤْمِنِينَ عَلِي قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمَعْنَ اللهِ عَنْ أَمْ يَوْنَى ! قَالَ رَسُولُ اللهِ وَلَيْ اللهِ عَنْ أَمْ اللهِ وَلَيْ اللهِ عَنْ أَمْ اللهِ عَنْ أَمْ اللهِ عَنْ أَلَا اللهِ عَنْ الله عَلَا الله عَنْ ا

AND THE PROPERTY OF THE PROPER

فَالَ : وَسَأَلَدَجُلُ فَقَيهِا أَ: هَلْ فِي النَّاسِ مَنْ لايُبَالِي مَا قِيلَ لَهُ ؟ قَالَ : مَنْ تَعَرَّ مَن لِلنَّاسِ يَشْنِمُهُمْ وَهُو يَعْلَمُ أَنَّهُمْ لا يَشْرُكُونَهُ ، فَذَٰ لِكَ الَّذِي لا يُبْالِي مَا قَالَ وَلا مَا قِيلَ فِيهِ .

٤ - عَنْ أَبِي جَمِيلَة ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبِيلَة ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَم ، عَنْ أَبِي جَمِيلَة ، يَرفَعُهُ عَنْ آبِي جَمْعَهِ الْلِيَّةِ اللهُ عَنْ اللهُ يَبْذِينُ الْفَاحِشَ ٱلْمُنْفَعِيْشَ .

م. فرما يا الوجع فر على السلام نه كم التذوشمن جانتا بسيداس كوجون براكية ك برواكرس اورة برا ينت ك -

٥- أبوعلي الأشعري ، عَنْ عَدِينِ سَالِم ، عَنْ أَحْمَد بْنِ النَّمْ ، عَنْ عَمْرِو بْنِ نَعْمَانَ الْجُعْنِيْ فَالَ : كَانَلاً بِي عَبْدِاللهِ عِلَيْ سَدِيقُ لا يَكَادُ يُعَارِقُهُ إِذَاذَهَبَ مَكَاناً فَبَيْنَمَا هُوَيَمْ مِمَهُ فِي الْحَدِّ النَّيْنَ وَمَمَهُ عُلام لَهُ سِنْدِي يَمْسَي خَلْفَهُمَا إِذَا الْنَفَتَ الرَّ جُلْيُرِيدُ عُلامهُ ثَلاثَ مَرْ ابَ فَلَمْ يَرَهُ فَلَمَا نَظَرَ فَمَا اللَّهُ عَلَامٌ مَرْ ابَ فَلَمْ يَرَهُ فَلَمَا نَظَر فَيَالَ اللَّهُ عَلَيْهُ اللَّهُ عَلَيْهِ يَدَهُ فَصَلَتَ بِهَاجَبْهَةَ نَفْسِهُ فَلَمَا نَظَر فَي الرَّ المِن اللهِ يَدَهُ فَصَلَتَ بِهَاجَبْهَةَ نَفْسِهُ فَلَا عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ يَلْهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلْهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ

وَ فِي رِوْالَيْهِ ٱخْرَى: إِنَّ لِكُلِّ ٱمُّةٍ نِكَاحِماً تَخْنَجِزُونَ بِهِ مِنَ ٱلَّذِ نَا .

۵- دادی کہتاہے کرحفرت ام جعفرسا دق علیدانسلام کا ایک دوست تھاجاں کہیں آپ جاتے وہ آپ کے ساتھ جاتا ہے اس کا ایک غلام بندی بیجے آرہا تھا اس

CHENCHE CHENCHE CHENCHE CONTRACTOR CONTRACTO

مشخص نے بین بار مُراکِروکراپنے خلام کودیکھا تو ہوجو دن پایا چر کتی بار دیکھا تو موجو د پایا۔ کہنے لسکا اوز نا زا دے تو کہاں متحا حصرت نے بیسن کر ماستھ پر ما تھ مارا اور دنسوما پاسبھان اللہ تُواس کی ماں کو زنا کی تہمت لسکا تا ہے۔ ہیں تو تھے پرمپز کار جانتا متحا اب پتہ چلاکہ ایسا نہیں ہے اس نے کہا میرے ماں باپ آپ پر دندا ہوں اس کی ماں سندیہ مشرک متی فرایا مجھے کیا معلوم نہیں کر ہرادت کا فعان امسلام میں جائز سمجھا گیاہ ہے جھے دور ہو۔ دا وی کہتلہے تادم مرک بھر حضرت محسامتھ اس کون و مکھا۔ لیک دوایت بیں ہے کہ ہر گردہ کا نسکان زناسے دوکت ہے۔

عَلِيَّ بْنُ إِبْرُاهِيمَ، عَنْ أَبِيهِ، عَنِ إَبْنِ أَبِي عَمَيْرٍ، عَنِ ابْنِ أَ ذَيْنَةَ ، عَنْ ذُرارَة ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ
 عَلَى بْنَالَ رَمُولُ اللهِ يَهْ يَهْ يُؤْمِنُونَ إِنَّ الْفُحْشَ لَوْ كَانَ مِثْالاَلَكَانَ مِثَالَ مَثْوَرٍ .

۱- فرما یا حفرت امام محد با قرعلیدالسلام نے کدیول الشف فرمایا ہے کدیدگون کا اگرمجسمہ بنایا حب آنا تو وہ بدترین صورت کا میوتا ۔

٧ عَنَّهُ بَنُ يَحْيَى عَنْ أَحَمْدَ بَنْ تَخْيِبْنِ عِيسَى عَنِ أَبْنِ مَحْبُوبٍ عَنْ غَمَرَ بْنِ يَزِيدَه عَنْ أَيَ عَبْدِاللهِ
عَلَا قَالَ : كَانَ فِي بَنِي إِشْرَائِيلَ رَجْلُ فَدَعَاللهَّأَنْ يَرُّ زُفَعُ غَلَاها ثَلَاثَ سِنِينَ فَلَمَّارَأَى أَنَ اللهُلا يُجِيبُهُ
قَالَ : يَارَتِ أَبْعَيدُ أَنَامِنْكَ فَلاتَسْمَعُنِي أَمْقَرَبِ أَنْتَ مِنْتِي فَلاتُجِبْنِي قَالَ : فَأَنَاهُ آتِ فِي مَناهِ فَقَالَ:
إِنَّكَ تَنْعُواللهُ عَزَ وَجَلَ مُنْذُ ثَلَاثِ سِنِينَ بِلِسَانِ بَذِي وَقَلْبِ عَاتِ غَيْرِ تَقِي وَنِيتَةٍ غَيْرِ سَادِقَةٍ ، فَاقْلَمْ عَنْ بَدَائِكَ وَلْبَتْقَ اللهَ قَلْمُ أَنْ يَتَنْكَ ، قَالَ : فَفَعَلَ الرَّ جُلُ ذَٰلِكَ ثُمَّ دَعَاللهَ قَوُلِد لَهُ غَلامُ .

-4010262

٩ - عِدَّةَ مِنْ أَسَحَابِنا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِبَادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنِ ابْنِ رِثَابٍ ، عَنْ أَبِي عَبَيْدَةَ
 عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِنْ قَالَ : الْبَدَا، وِنَ الْحَفَاء وَالْجَفَاءُ فِي النَّادِ .

۹ - فرمایا حفرت امام جعفوصا دق علیا نسرام نے خدا کے بندروں میں بدترین بندہ وہ بی جس کی بدگوئی کی وجہ سے اس کی مجانست کروہ قرادیا تی ہے ۔

مُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ أَحَمْدَ مِنْ عَنْ أَحَمْدَ مِنْ عَنْ عَنْ عَنْ اللهُ مِنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ

١٠ قرايا ١١م جعفر صادق عليا اسلام في عدس برصا بدكري اورزيان ك تيزى تفاق به-

١١ - عَنْهُ ؟ عَنْ أَحَمْدَ بَنْ تُعَلِي ، عَنْ عَلِي بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ عَمْرِو بْنِ شِمْرٍ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَمْنَ عَلَمْ وَبْنِ شِمْرٍ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَمْنَ عَلَمْ وَبَالِ عَنْ عَمْرِو بْنِ شِمْرٍ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي جَمْنَ عَلَمْ وَالسَّالِقِلَ الْمُلْحِفَ .
 جَمْمَرِ يَنْ فِي إِنْ إِنْ اللهُ يَبْهُ عِنْ اللهِ عَنْ عَمْدِ وَبْنِ شِمْرٍ مَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي مِنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَمْرِو بْنِ شِمْرٍ ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبِي إِنْ اللهَ يَبْدُونَ اللهِ عَنْ عَمْرِو بْنِي شِمْرٍ ، عَنْ جَابِرٍ ، عَنْ أَبْعَى إِنْ اللهِ عَنْ عَمْرِو بْنِي فِي مِنْ عِنْ عَلَمْ وَالسَّالِقِلَ اللهُ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ عَمْرِو بْنِي فِي اللهِ اللهِ عَنْ عَلَمْ وَاللهِ عَنْ عَلَمْ وَاللهِ عَنْ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ عَلَمْ وَاللهِ عَنْ عَلَمْ وَاللهِ اللهِ عَنْ عَلَمْ وَاللهِ اللهِ عَنْ عَلَمْ وَاللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهِ إِنْ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ عَلَيْمُ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلِي عَلَيْهِ عَل

، وَوَایا حفرت امام محدیا قرعلیا نسسادم نے کررہول انٹر نے وَایا۔ فادا ڈیمن دکھٹلسیے عدسے تجا وڈ کرنے ولیے برگوکوا و راس بہا سائن کو ہو ابغیر ہے ہوئے ہے ہی تہیں ۔

١٢ - عَلِي مِنْ إِبْرَاهِمَ ، عَنْ أَبِيهِ ' عَنِ ابْنِ أَبَي عُمَيْدِ ، عَنِ ابْنِ أَذَيْنَةَ ، عَنْ ذُذَادَةَ ، عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ فَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي عَالِيْنَ أَبِي عَنْ الْفَحْشَ لَوْ كَانَ مُمَثَّلُالِكَانَ مِثَالَ سَوْمٍ ، حَمْدَ بِينَ فَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ اللهِ عَنْ أَبِيكِ لِلمَا يُمَةً ؛ يَاعَا يُشَةً إِنَّ الْفُحْشَ لَوْ كَانَ مُمَثَّلُالِكَانَ مِثَالَ سَوْمٍ ،

۱۶ زیایا حفرت ام ا بوجعفرعلیدادسنام کے کردمول اللہ فرزیا اجناب عائشہ سے ، است ماکشہ مدسے تجسا وزر ارتے والے کا اگر مجسمہ جنایا جا آنا توسیب سے بڑا مجسمہ بھرتا۔

١٣ - ٱلْحُسَيْنُ بُنُ أَعِّبُ ، عَنْ مُعَلَى بْنِ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ اَحْمَدَ بْنِ عَنْ بَعْضِ دِجَالِهِ قَالَ : قَالَ مَنْ فَحَتَى عَلَىٰ أَجْدِهِ ٱلْمُسْلِم نَزَ عَاللهُ مِنْهُ بَرَ كَةَ دِزْقِهِ وَوَكَلَهُ إِلَىٰ نَعْسِهِ وَأَفْسَدَ عُلَيْهِ مَهِيشَتَهُ .

اوار کی این مفرت نے جس نے اپنے مسلمان بھا نکسے برزبانی کی خدااس سے رزق کی دولت اسمفالیت اوارکا کا ماسی کے بیرد کر دیتا ہے اور فنا مدکر دیتا ہے اس براس کی دوزی -

CHANA CHANA

ا فا زماد المستاك والمستاك والم والمستاك والمستاك والمستاك والمستاك والمستاك والمستاك والمستك

١٤ - عَنْهُ ، عَنْ مُعَلَّى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ غَسَّانِ ، عَنْ سَمْاعَة قَالَ : دَخَلْتُ عَلَى أَبِي مَبْدِاقَةِ عِلَا فَقَالَ لِي مُبْتَدِئاً: يَاسِمَاعَةُ مَاهَذَا الَّذِي كَانَ بَيْنَ جَمَّالِكَ ؟ إِيْاكَ أَنْ تَكُونَ فَحَاها أَوْمَخَاباً وَقَالَ بَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَلَيْهِ إِنَّ هَذَا أَوْمَخَاباً ، وَقَالَ : إِنْ كَانَ ظَلَمَكَ لَقَدْ أَرْبَيْتَ عَلَيْهِ إِنَّ هَذَا أَوْمَعَ اللَّهُ عَلَيْهِ إِنَّ هَذَا لَوْ مَا مَنْ فَعَالَ : إِنْ كَانَ ظَلَمَكَ لَقَدْ أَرْبَيْتَ عَلَيْهِ إِنَّ هَذَا لَكُونَ فَعَالَ : إِنْ كَانَ ظَلَمَكَ لَقَدْ أَرْبَيْتَ عَلَيْهِ إِنَّ هَذَا لَيْسَ مِنْ فِعَالِي وَلا آمُرُ بِهِ شِيعَتِي ، اسْتَغُفِرْ دَبَكَ وَلا تَعُدْ ، قُلْتُ : أَسَتَغَفِّرُ اللهُ ؟ وَلا أَعُودُ .

مهدراوی کہتلب کریں ام جعفر صادق علیدالسلام کی خدمت میں حافر ہوا جفرت نے کلام کی ابتداء کر کے فرطان سے سماعہ تیرے اور تیرٹ تربان کے درمیئان بیرمعا لم ہموا اپنے کو برگوئی، زیادہ بلندا واز سے لولئے اور زیادہ طعن کر فی سے تیادہ ہوا یہ ہمارا طرافیہ کا رنہیں نیادہ طعن کر فی سے تیادہ ہوا یہ ہمارا طرافیہ کا رنہیں ادر نیس اپنے شیعوں کو اس کا حکم دیتا ہوں۔ قدا سے استغفاد کرد اور مجوایسا نزکرنا میں فی کہایں تو برکرتا ہوں اور مجوایسا نزکرنا میں فی کہایں تو برکرتا ہوں اور مجوایسا نزکرنا میں فی کہایں تو برکرتا ہوں اور مجوایسا نزکرنا میں فی کھوائیسا دیری کا م

دوسوسامھوال ہاب وہ شخص می میشرسے بچاجائے (باب مَن بُتَعَی شَرْن) ۲۹۰

۱- الوبسير سعروى بي كرحفرت الم جعفرما دق عليه السلام نے فرايا كرحفر و ل كاكر خات و الله الله دوزخا خرخاب عاكش من تفركر ايك شخص نے اذن طلبى كى رسول الله نے فرايا يرقبيله كابر آد كا جناب عاكث الله كا كندر علي كيئن اور مفرت نے اسے بلالیا جب مدا يا تو آپ نے كث وہ دوى كے ساتھ بات جيت كى جب وہ جلاكيا توعائشہ نے كہا يا رسول الله آپ نے اس شخص كے ہے ايسا ايسا فرايا تھا ليكن جب وہ آيا تو آپ نے كث وہ دوى سے بات جيت كى مسترمايا ہے بدترين

ان ل بن المحالية المرا المرا المحالية المحالية المرا المحالية المرا المحالية المرا المحالية المرا المرا المحالية المحالية المرا المحالية المرا المحالية الم

اوی زیان در از برگرے اوران میں سے ہے جس ک برزبانی سے اس کی بنشینی بری معلوم ہوتی ہے۔

٢ ـ عَلِي بُنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ الشَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ يَهِدُونَ قَتُ النَّاسِ عِنْدَاللهِ يَوْمَ الْقِيَامَةِ (النَّابِينَ يُكُرَمُونَ اتِنْقَاهَ شَرِّ هِمْ .

۷۔ فرمایا صادق اَل محدعلیاسلام نے روز قیامت خدا کے نزدیک برترین لوگ وہ ہیں جن ک تعظیم ان کے تقر سے بچینے کے لئے کی جاتی ہے۔

٣ _ عَنْهُ ، عَنْ عَيْرِ بن عِيسَى بْنِ عُبَيْدٍ ، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِسِنَانِ قَالَ : قَالَ أَبَوُ عَبْدِاللهِ اللهِ بْنِسِنَانِ قَالَ : قَالَ أَبَوُ عَبْدِاللهِ عَنْ خَافَ النَّانُ لَلْمَا نَهُ فَهُو فِي النَّارِ .

۳۰- دا دی کہتاہے کہ فرایا حفرت ام جعفرصادتی علبدا سلام نے جس کی بدن اِ نی سے لوگ ڈرتے ہوں اس کی جگر جہنم میں ہے۔

٤ _ عِدَّة مُن أَصْحَابِنَا ؛ عَنْسَهُلِ بْنِذِيَادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنِ ابْنِدِئَابِ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ؛ عَنْ جَابِرِ بْنِ عَبْدِاللهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفَيْظَةُ شَرَّ النَّابِي يَوْمَ الْقِيَامَةِ الَّذِينَ يُكُرَّ مُونَ ايَّقَاءَ شَرِّ هِمْ. عَنْ جَابِدِ بْنِ عَبْدِاللهِ قَالَ دَسُولُ اللهِ وَالْفَيْطَةُ شَرَّ النَّابِي يَوْمَ الْقِيَامَةِ الَّذِينَ يُكُرَّ مُونَ ايَّعَاءَ شَرِيعَ عِمْدً كَعَلَمُ اللهُ عَنْ النَّ عَنْمُ اللهِ عَنْمُ اللهُ عَنْهُ اللهُ الل

لين كين-

روسواکسی اب

١- عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ؛ عَنْ سَهْلِ بَنِذِيادٍ ، عَنْ جَعْفَرِ بَنِ عَبَالًا شَعَرِي ، عَنِ ابْنِ الْقَدَّ اج، عَنْ الْجَعْفَ الشَّرِ عُقُوبَةَ الْبَغْني اللهُ مَنْ اللهُ عَلَيْهُ عَلَى الشَّرِ عُقُوبَةَ الْبَغْني اللهُ عَلَيْهُ عَلَى الشَّرِ عُقُوبَةَ الْبَغْني اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ال

٢ عَلِي مُنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللَّهُ قَالَ : يَقُولُ إِبْلَهِسُ لِجَنُودِهِ : أَلْقُوا بَيْنَهُمُ ٱلْحَسَدَ وَالْبَنْيَ ، فَإِنَّهُمَا يَعْدِلانِ عِنْدَاللهِ الشَّرْكَ .

۲۔ فوایاحفرت ۱ م جعفرصا دق علیہ السلام نے کرشیرطان اپنے لٹکرسے کہ ٹکہے بنی آ دم مے درمیان حسد ۱ ور بغاوت پسیدا کروو کیونکہ یہ ووٹوں النڈے نزد یک مشرک سے برابرہیں ۔

٣ عَلَي مَنْ أَبَهِ ، عَنْ أَبَهِ ، عَنْ حَمْ اد ، عَنْ حَرِيز ، عَنْ مِسْمَع أَبَي سَيْ ادِأَنَ أَباعَ بْدَاشِ عَلِي كَتَبَ إِلَّهُ فِي كِنَابٍ : ا نظْرُأَن لا تُكَلِمَنَ بِكَلِمَةِ بَفِي أَبَدا وَإِنْ أَعْجَبَنْكَ نَفْسُكَ وَعَشِيرَ تُكَ .

۳- دادی کہتلب کے حفرت امام جعفر صادق علیانسلام نے مجھے خطیں لکھاککیمی زبان سے سرکشی کی بات مذکہو۔ اگر چیمها را نفس اور قبیل تھیں تعجب میں ڈائے۔

٤ عَلَيْ " عَنْ أَبِهِ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنِ ابْنِ دِنْابِ وَيَعْفُوبَ السَّرَ اج ، جَبِها ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ لِلْكِلِي قَالَ : قَالَ أَمِيرُ الْمُؤْمِنِينَ لِللهِ : أَيْبُهَا النَّاسُ إِنَّ الْبَغْيَ يَقُودُ أَصَّحَابَهُ إِلَى النَّادِ وَ إِنَّ عَبْدِاللهِ عَلْى اللهِ عَنْاقُ مِنْ اللهُ عَلَيْهَا أَسَدَاكَالُهِ لِي وَكُانَ مَعْدُونَ إِصْبَعا فِي حَرِيبًا فِي جَرِيبٍ وَكُانَ لَهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا أَسَدَاكَالُهِ لِي وَيَنْا اللهُ عَلَيْهِ وَاللهِ اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا أَسَدَاكَالُهِ لِي وَدُنْهِ اللهُ عَلَيْهِ وَاللهِ مُ وَآمَنِهُ اللهُ عَلَيْهَا اللهُ اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهَا اللهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهَا اللهُ عَلَيْهُ اللهُ ا

دوسو باستهوال باب

(بَابُ الْفَخْرِ وَالْكِبْرِ) ٢٩٢

١ ـ الْحَمَّدُ مِنْ بِحَمْى ، عَنْ أَحَمَّدَ مِنْ عَجَدِهِ ، عَنِ أَلَّهُ مِنْ أَنْ وَمُدُولِهِ ، عَنْ وَمُدَ

ان زمین النا النام النا النام النام

سَالِم ، عَنْ أَبَي حَمْزَةَ النَّمَالِي فَالَ : فَالَ عَلِي مُنُ الْحَسَيْنِ عَلَيْهُا أَهُ عَجَباً لِلْمُتَكَبِيرِ الْفَحُورِ ، النَّذِي كُلُنَّ بِالْأَمْسِ نُطْفَةُ ثُمُ مُوَغَداً جَبِفَةً .

ا- فرما يا حفرت على بن محسين عليه المسلام في تتجب اس تنكرا ورفخ كرف واسد بر في كرست كل أيك نطفه تفا الد آينده كل مرد ادبن جلسة كا -

٢ = عَلِيَّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلَتِي · عَنِ السَّكُونِيِّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى الْأَفْنِخَارُ وَ الْعُجْبُ .
 قَالَ رَسُولُ اللهِ بَهِ عِلَيْ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَخَارُ وَ الْعُجْبُ .

٢- قرايا رسول المترن حسب ك الع فخرا ورهمند آفت ب-

٣- أَبُوْعَلِي الْأَشْعَرِيُّ، عَنْ عُنَوْ الْجَبْارِ، عَنْ عُنَوْ الْمَاعِيلَ، عَنْ حَنْانِ، هَنْ عُنْهُ الْمَهِي الْمَاعِيلَ، عَنْ حَنْانِ، هَنْ عُنْهُ الْمَهِي الْمُعْرِي الْأَسْدِي فَال : قُلْتُ لِأَبِي جَعْفَرِ عِلْجٍ : أَنَا عُقْبَةُ بْنُ بَشِيرِ الْأَسْدِيُّ وَأَنَا فِي الْحَسِيرِ الضَّعْمِينَ قُومِي قَال : فَالْ اللهُ عَلَى النَّاسُ يَسَمَّوُنَهُ وَضِيعاً إِذَا كُانَ النَّاسُ يَسَمَّوُنَهُ وَضِيعاً إِذَا كُانَ كَانِ النَّاسُ يَسَمَّونَهُ مَرْبِعاً إِذَا كَانَ كَافِرا ، فَلَيْسَ لِأَحَدِ فَمْلُ عَلَى أَحَدِ إِلَّا بِالنَّقُوى اللهُ اللهُ

سی عقبرابن بشیراسدی نے امام محمد باقرطیدال الم سے کہا یں عقبد بن بشیراسدی جولد بس کما فانسب اپنے قبیل میں عقبہ بن بشیراسدی جول بی محمد باقل مسیم برکیا احسان جتا تا ہے جس مومن کولوگ ڈلیل جائے تھے اللہ فیرس کے دیمان کے مبیب اس کا مرتبہ بلند کیا اور وہ کا فرجس کولوگ شریف بہتے تھے خدا نے اس کے کفریک سبب ڈلیل کیا موائے تقویٰ کے کسی کو کوگ کی کوکری کوفیلت نہیں ۔

٤ ـ عِدَّ تُمِنْ أَمَّخَابِنَا، عَنْ أَحْمَدَبْنُ عَبَيْنِ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ عِيسَى بْنِ الفَّحَاكِ قَالَ : قَالَ أَبُو جَنْفَى عِنْ مُودُ جِيفَةً وَ هُوَفِيمَا بَيْنَ فَالَ : قَالَ أَبُو جَنْفَى عِنْ نُطْفَةٍ ثُمَّ يَمُودُ جِيفَةً وَ هُوَفِيمًا بَيْنَ ذَلِكَ لَا يَشْنَمُهِ . وَإِنتَمَا خُلِقَ مِنْ نُطُفَةٍ ثُمَّ يَمُودُ جِيفَةً وَ هُوَفِيمًا بَيْنَ ذَلِكَ لَا يَشْنَمُهِ .

۵- دادی کہتلہ کو خوت امام محدیا قرطیا اسلام نے نسرما یا کھنڈی مشکر رتبیب ہے وہ نطف توہیدا کیا گیا ، ہے اور مرنے پرمردا رہن جاسے کا اوران ووٹوں حالتوں کے درمیت ان جوامس پرگزرے گی اسے مدہ کیا۔ حائے۔ ه عَلِي ثُنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، مَنْ أَبِي مَبْوافِي اللَّهُ قَالَ : الْمَرْدُولَ اللَّهِ أَنَا فَلَانُ بُنْ فَلانِ حَنتَىٰ عَدَّ يَسْعَةُ ، فَقَالَ لَلْاسُولُ اللَّهِ عَلَيْكُونِ اللَّهِ عَلَيْكُونِ اللَّهِ عَلَيْكُونَ اللَّهُ ال

۵- را وی کہتاہے کرحفرت امام می یا قطید اسلام نے فرطا کر ایک شخص دسول الٹر کے پاس آگر کھنے مگا ابن وشلاں بن قلاں ہوں پہانٹک کر نویشٹوں کے نام گذائے۔ دسول اللہ نے فرط یا توان کا دسواں فی الٹا رہے (وہ خود میں کا وشد ا دراہیے کا فراجدا دبر فخند کر داستا)۔

دَ عَلَي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِي ، عَنِ السَّكُونِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِالَةِ عَلَ فَالَ اللَّهُ وَلَا يَعْ اللَّهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُولُ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ ع

٩ . فرايا رسول الله فحرب لسب كي آفت فخركر تلهد

دوسوزرسٹھ وال باب قسادت قلب

(بابُ ٱلقَسْوَةِ) ٢٦٣

١- عِدَّ تُمُونُ أُصْحَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَ بَنْ عَنْ عَنْ عَمْرِ وَبْنِ عَنْمَانَ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ عِيسٰى رَفَعَهُ ، فَالَ : فِيمَا نَاحِي اللهُ عَنَّ وَجَلّ بِهِ مُوسَى عَلَيْتِكُمُ : يَا مُوسَى لَا تُطَوِّ لَ فِي الدُّ نَيْا أَمَلَكَ فَيَقْسُو قَلْبُكَ وَالْفَاسِي الْقَلْبِ مِنْتِي بَعِبِدُ .
 القلْبِ مِنْتِي بَعِبِدُ .

۱- امام نے فرایا خدا نے موسیٰ علیہ السلام سے کہا ۔ اے موسیٰ دنسیا میں اپنی امیدوں کوطولان ندنبا و دردنہ تھا دا دل مخت بہر جائے گا اورسخت دل آدمی کجھ سے دورہے ۔

٧- عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِهِ عَنْ عَلَيْهِ وَ خَفْسِ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ دبيسٍ عَمَّنْ ذَكَرَهُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ﷺ فَالَّذَ إِذَا خَلَقَ اللهُ الْعَبْدِ فِي أَسْلِ الْخِلْقَةِ كَافِر ٱلمَّيْمَتُ حَتَّى يُحَبِّبُ اللهُ إِلَيْهِ الشَّرَ فَيَقُرُبُ مِنْدُ فَابْنَلاهُ بِالْكِبْرِ وَالْجَبْرِينَةِ فَقَسَاقَلْبُهُ وَسَاءَ خُلْقُهُ وَغَلَظَ وَجُهُهُ وَظَهَرَ فَحُشُهُ وَ قَلَ جَيَادُهُ ان زيد المحالية المحا

وَكَشَفَاللهُ سُنْرَهُ وَرَكِبَ الْمَحَادِمَ فَلَمْ يَنْرِعْ عَنْهَا ، ثُمَّ رَكِبَ مَعَاصِيَاللهِ وَ أَبَغْضَ طَاعَتَهُ وَ وَتَسَ عَلَى النَّاسِ ، لاَيَشْبَعُ مِنَ الخُصُومَاتِ ، فَاسْأَلُوااللهَ الْعَافِيَةَ وَاطْلَبُوهَامِنْهُ .

۷۔ فرایا الجوید الشرطیر استام نے کہ جب فدانے اصل فلقت پین کسی کوکا فربید اکییا ۔ بیس وہ نہیں مرآ النگر الشرخہ کواس کے لئے محبوب بنا دیتا ہے لیس میں است قریب بہوجا آ کمیے بھوفدااس کو عبدالا کر المہے کبروجرابیندی این لہذا اس کا دل سخت بہوجا آ ہے وار ترش روبن جا آ ہے بدگوئی کرنے لگت اسے ۔ اس کی حیا کم بہوجا آئی ہے اور خدا اس کے بھید کھول دیتا ہے وہ محرات بجالا آ ہے وہ ان سے نکل نہیں پانا اور معاصی کا از تکاب کے چلا جا آ ہے اور اللہ کی اطاعت کوشمن رکھنا ہے اور لوگل پرحمل کرنا ہے اور تھیکروں سے میر نہمیں بہونا میس تم الشرسے عافیت کے طالب رہو۔

اس عدید کی اس مریت کے اس جمل سے جب خدانے اصل خلقت پی کسی کو کا فرسد اکیا ایک ہے ظاہر ہوتا اس سے جبرلازم آئے ہے

اس کا جواب یہ ہے کہ خداجے جا بہتا ہے ہوش بیدا کر تا ہے جے جا بہتا ہے کا فر- قواس سے جبرلازم آئے ہے

اس کا جواب یہ ہے کہ یہ ایک جمازی صورت ہے بایں طور کر خدا خلق کے دقت جا تیا تھا کہ فندلان شخص کفراختیا دکر ہے گاپس گویا اس کو کا فربیدا کیا یہ ایک مجازی نبعت ہوئی یا فعلی بہت تھا ہی اندازہ اندازہ اور بعض معنی میں معاصی کا تعلق اس تقدیر سے ہے اس طور کر فدانے بدا عمالی کی وجہ سے اپنی توفیق کو اس سے سلب کرلیا اور اس کے نفس کا تعلق شیطان سے موجانے کی بنا و پر اس فی شرک محبوب رکھا۔ یہ نبیت ایسی ہے جیسی اس آیت بیں حبیب ایک ہے کہ اگریشان کی فرز کے نام و اندازہ الہی اندازہ الہی مقتنی جرنہیں کیو تکہ کو کی فرز کی میں جرکھ کرنے والا ہوتا ہے فدا اسے علم ذاتی مقتنی جرنہیں کیو تکہ کو کی فرز فی زندگی میں جرکھ کرنے والا ہوتا ہے فدا اسے علم ذاتی سے اس وقوع نعل سے پلے جان ایسیا ہے۔

٣ - عَلَيُ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ : فَالَ أَمْبِرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْكُمْ : لَمَّتُانِ : لَمَّةُ مِنَ الشَّيْطُانِ وَلَمَّةٌ مِنَ الْمَلَكِ ، فَلَمَّةُ الْمَلَكِ : الرِّقَّةُ وَالْفَهُمُ وَلَمَّةُ المَّيْطُانِ السَّهُو وَالْقَسُوةُ.

ہرفرمایا امیرا لومنین علیدانسلام نے کو دریافت کرنا دوطرح کا ہے ایک کا تعلق شیطان سے ہے اور دوسر سے کا فوشتہ سے و فرختہ سے معلومات رقت قلب اور فہم کوپیدا کرتا ہے اور شیطان سے لینا فراموشی اور قساوت کوپیدا کرتا ہے۔

19/4

ان زياس لا يحادث المحادث المحا

روسوچونسطه وال باب ظلم (بنبالظلم) ۲۲۲۳

ا۔ فرمایا حفرت امام محدبا قرعلیدالسلام نے ظلم مین طرح کاست ایک دہ جے اللہ بخش دے گا دوسرا وہ جے نہ بخشے گا تیمرا وہ جو اللہ نہ اللہ ہے اپنے کا تیمرا وہ جے اللہ نہ اللہ ہے اپنے نہ من بران معاملات میں جواس کے اور اللہ کے درمیان ہیں اور جس کو بے فیصل کئے نہ تھوڑے گا وہ ظلم ہے بندوں کا بندوں پراس میں انعما نے کرے گا

٧ - عَنْهُ، عَنِ الْحَجْ الِ ، عَنْ غَالِبِ بِن عَنَّ ذَكَرَهُ ، عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَلَيْ فِي قُولِ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ : ﴿ إِنَّ رَبَّكَ لَيَالُمِ رَصَادِه قَالَ : قَنْطَرَةٌ عَلَى الصِّرَ اطِ لَا يَجُوزُ هَاعَبْدُ بِمَظْلَمَةٍ .

۲- فرایا حفرت الوعبدَ الدّعلیالسلام ن اس آیت کے متعلق الدیشک تمعاد اربکین گا هیں ہے که مراطبرایک بل محاج اس کا میں ہے کہ مراطبرایک بل محاج سے کا جس پر کوئی مظلم ہوگا۔

٣ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنْ وَهْبِ بِن عَبْدِ رَبِّهِ وَعُبَيْدِ اللهِ الطَّويلِ
 عَنْ شَيْخِ مِنَ النَّخَعِ قَالَ : قُلْتُ لِأَ بِي جَعْفَرِ اللهِ : إِنْبِي لَمُأْذَلُ وَالِيا هُنْذُ زَمَنِ الحَجْلَ إِلَى يَوْمِي
 هٰذَافَهَلْ لِي مِنْ تَوْبَةِ ؟ قَالَ : فَسَكَتَ ثُمَّ أَعَدْتُ عَلَيْهِ ، فَقَالَ: لاحَتَى تُوَدِّي إِلَى كُلِّ ذِي حَقِّ حَقَّهُ .

۳۰ دا وی کہتلے میں نے الوجعفر علیا اسلام سے کہا میں جاج کے زمانہ سے ہے ہر برمکومت ہوں بس آیا میری تو برق کا حق اوا میری تو برق برق میں ہوگئے موسٹر کی اور میری تو برق کا حق اوا

نہ کردے۔

٤ _ عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ عَبْدِ عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَيْدِ بَيْ عَنْ الْحُسَيْنِ بْنِ سَعِيدٍ ، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ عَبْدِ اللهِ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَنْ وَجَلَ .

م - فرایا ا مام جعفرصادت علیدانسلام نے کہ کوئی منطلمہ (حق الناس) اس سے برتر نہیں کہ ایسے شخص کاحق لیب

٥ - عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا، عَنْ أَحَمَدَ بِنِ أَبِي عَبْدِاللهِ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِهِ بِرَانَ، عَنْ دُرُسْتَ بْنِ أَبِي مَنْمُودٍ عَنْ عَبْسَى بْنِ بَشِيرِ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ الثَّمَالِيّ ، عَنْ أَبِي جَمْفُر ﷺ قَالَ : لَمَّا حَضَرَ عَلِيَّ بْنَ ٱلْحُسَيْنِ الْعَالَةُ الْوَفَاةُ ضَمَّنِي إِلَى صَدْرِهِ فَمَ قَالَ : يَا بُنَيَّ أَ وَصِيكَ بِمِا أَوْسَانِي بِهِ أَبِي ﷺ جِينَ حَضَرَتُهُ الْوَفَاةُ وَبِمَاذَكُمُ أَنَّ أَبَاهُ أَوْمَاهُ بِهِ ، قَالَ : يَا بُنَيَّ إِيثَاكَ وَظُلْمَ مَنْ لَا يَجِدُ عَلَيْكَ فَاصِراً إِلَّاللهُ .

۵۔ فرمایا حضرت امام محمد ما قرطیدا سلام نے کہ جب حضرت علی بن لمسین علیدا سلام ک و فات کا وقت قریب آیا آو مجھے چھاتی سے نگایا اور فرمایا۔ بیٹایس تمہیں وصیت کرتا ہوں جو میرے باب نے اپنی موت کے وقت مجھے کی کتی فرما یا تھا بیٹا اپنے کواس پرظلم کرنے سے بچا کہ جس کا مدکا را للٹر کے سواکو کُ شہو۔

٣ - عَنْهُ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ هَارُونَ بْنِ الْجَهْمِ ، عَنْ حَفْسِ بْنِ عُمَرَ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَا قَالَ : قَالَ أَمَيرُ الْمُؤْمِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ : مَنْ خَافَ الْقِصَاصَ كَتَّ عَنْ ظُلْمِ النَّاسِ .

ا حقرت امام جعفوصا دف عليال المام ف قرباياك قرباياك قرباياسيد المينين عليال الم في وقعما ص من في المساع كا ده لوكور برفط لم نهين كرد كا -

٧ - أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ عَيْرِبُنَ عَبْدِالْجَبْ الرَّ عَنْ صَفْوْانَ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَمَّادٍ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِاللهِ عَلَيْ إِلَّهُ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ ا

ے رفوا یا حفرت مادی آن محدعلیا لسلام نیجوای طرح مبع کرے کہی پرظلم کرنے کی بیت ندر مکھتا بہوتو فعرا اسس

دن ك كل كنا و بخش دے كايشراليكى كوننل ذكيا جو إكسى تيم كا مال حمام طرابقه سعد كها يا جو-

٨ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيم ، عَنْ أَبَهِ ، عَنْ النَّوْفَلِي ؛ عَنِ الشَّكُونِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى أَلَا : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالدَّيْنَ : مَنْ أُسَبَّحَ لا يَهُمْ بِظُلْمِ أُحَدِ غَفَرَ اللهُ مَا اجْتَرَمَ .

۸- رمایا صادق آل می نے کر رسول الله نے فرمایا جس تے اس صورت سے میے کی کرکی برطلم کرنے کا ادادہ مذر کھتا مو- تواللہ اس کے گناه مجش دے گا-

٩ - عَلِي بُنُ إِبْرُاهِيم ، عَنْ أَبَهِ ، عَنِ أَبْنِ أَبِي مُعَيْرٍ ، عَنْ هِفَاعِ بْنِ مَالِمٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ عَنْ هِفَاعِ بْنِ مَالِمٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ قَالَ: مَنْ ظَلَمَ مَظْلَمَةَ ٱ خِذَبِهَا فِي نَفْسِهِ أَوْفِي مَالِهِ أَوَفِي وُلْدِهِ .

۹- فرمایا اوعبدالله علیواسلام نے جوشخص کی کا حق نے کا اس کا برلرایا جلے کا اس کے نفس سے اس کے مال سے اس کے مال سے یا اس کی اولادسے ۔

١٠ - إِبْنَأْبَي عُمَيْرِ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكِ : اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكِ : التَّقُوا الظِّلْمَ فَانَّهُ ظُلْمُانُ يَوْمِ ٱلْقِيامَةِ .

١٠ - فرما يا حفرت الوعبد الشرمليدا سلام نے كدرسول الشف فرما يا ظلم سے بچوكيوں كدوه روز قيامت كى تاديك بيت

١١ - عُدَّبُنُ يَحْبَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبَيْ بِعِيلَى، [عَنْ عَيَّبَنِ عِيلَى] عَنْ مَنْمُودٍ، عَنْ هِفَامِ ابْنِ سَالِم ، عَنْ أَبِيَ عَبْدِ اللهِ عَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفَيْعَةِ : اتَّـ قُواالظَّلْمَ فَارَتُهُ ظُلُمْاتُ يَوْمِ الْقِيامَةِ. ابْنِ سَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفِيَاعِينَ : اتَّـ قُواالظَّلْمَ فَارَتُهُ ظُلُمْاتُ يَوْمِ الْقِيامَةِ. الدَرْجِدِ ادير گردِ حِكليه

١٢ - عَلِي ثُنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنْ إَبْنِ أَيَى عُمَيْرٍ ، عَنْ عُمَرَبْنِ ا دُينَةَ ، عَنْ دُرَارَةَ ، عَنْ أَيَى عُمَيْرٍ ، عَنْ عُمَرَبْنِ ا دُينَةَ ، عَنْ دُرَارَةَ ، عَنْ أَيَى عُمَيْرٍ ، عَنْ عُمَرَبْنِ ا دُينَةَ الظَّلْمُ اللّذِي بَيْنَهُ وَبَيْنَاللهِ فَإِذَا تَابَ عَفَرَ اللهُ لَهُ .

ارفره باحفرت امام محدبا قرعليدا سلام نے جو کوئی افزرا ہ ظلم کسی کا حق ليتناہے اس کابدلراس کے نفس با مال سے ا پیاجا آ ہے اور ظلم جو اس کے اور النز کے درمیسان ہے اگر توب کرنے گاتو خدا بخش دے گا۔

اسْ فْبِدِم وَيَهُ وَيُمْ وَيُمْ

١٣ - عِذَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ عَبِينِ خَالِدٍ ؛ عَنِ ابْنِ أَبِي نَجْرَانَ ، عَنْ عَمَّادِ بْنِ حَكِيم ، عَنْ عَبْدِالا عَلَى مَوْلَى آلِ سَامِقَالَ : قَالَ أَبُوعُبْدِاللهِ عَلِيلٍ مُبْتَدِئاً : مَنْ ظَلَمَ سَلَطَاللهُ عَلَيْهِ مَنْ عَنْ عَبِدِالا عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ اللهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ اللهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ اللهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَيْ عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلْكَ عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَيْ عَلَي عَقِيهِ عَقِيهِ عَقِيهِ اللهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَيْ عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَيْ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَا عَنْهُ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَا عَلَى عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَقِيهِ إِلَّ عَلَى عَقِيهِ إِلَّ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْ عَلَى عَقِيهِ إِلَّ عَلَى عَقِيهِ إِلَّ عَلَى عَقِيهِ إِلَّ عَلَى عَقِيهِ إِلَّ عَلَى عَلَى عَقِيهِ إِلَّا عَلَى عَلَى عَلَيْ عَلَى عَقِيهِ إِلَّهُ عَلَى عَلَيْ عَلَى عَلَيْ عَلَى اللَّهِ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَ اللّهُ عَلَى عَلَى اللّهُ عَلَى عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَ

۱۳ - فرایا حفرت الدعبد الله فی ابتدار ابن طرف سے کرمے جوکوئی کی پرظلم کرے گا توخد ااس پر یا اس کی اولاد پر یا اولاد کی اولاد پرکسی کونسلو کردیگا رادی نے کہا یہ کینے ظلم کرے کوئی اور بدلر لیا جائے اولادسے حضرت نے فوا فوا فوا قوان ہا تھا ہے وصورہ ن اربادران لوگاں کو ڈرنا اور خیال کرنا چاہیئے کو اگردہ لوگ تحود لیٹے بعد انتھ نھے بچے چھوڑ جاتے توان پکس تعدد ترس آتا ہیں ان کو دغریب بچوں پر مختی کرنے میں ڈرنا چاہیئے۔

مراة العقول میں علام تجربی علی الرح تحریف التی بی رساک کوبھیلہ معلی مہوا اس کو میں جا جو اس کو میں جا جو فرد تے مورت کا وقوع مرکومنا فی عدل جان کو حقرات نے اسے جواب دیا کہ اس کا صورت وہی جسے جو فرد اقے سورہ نسا ہمیں بیتیوں کے بارے میں بیان کہ بید داکہ کوکھ بیتیوں پر فلم کر فیسے دُریں) چونکر الله میں میں میں ہے جھے کی قابلیت دخی ہید اور دیس کی اور دیس کی کورت بریان کردی یا بیر کہا جائے کہ صفرت نے ساکل کے استبعاد کو بددیس ان بریان کیا اور دیس کی کورک کیا فرایا اب رافی کا اس بارے میں آو اس کا جواب یہ ہے کفعل الم بالنے لمطف فرا ہو۔ دوسروں پرجیب کدا کم بیتی والے کو دوجیت کوف اس الم کا جواب یہ ہے کفعل الم بریافی ہوجائے بھیے بچون کی بیماری ال بابسک کے اور جب وہ الم کے برلے پرخود کرے تواس الم پررافی ہوجائے بھیے بچون کی بیماری ال بابسک کے اور جب وہ الم کے برلے پرخود کرے تواس الم پررافی ہوجائے بھیے بچون کی بیماری ال بابسک کے اور دیا اور خلام سے بیتی کو اللہ کو اس ترک خلام میں بدلا کرے گا کہ لیا ہے تو کو اللہ کو اس ترک خلام میں بدلا کرے گا کہ لفت الم کوالی میں میں میں کہ ہو جائے والے اسے تو والے سے تو والے سے تو والے سے تو والے کے سے تو والے سے تو تو وہ کرے بال کا اور لادی کا دولا دیے بدلہ دنیا میں لینا اور آن جی موالے الم کو اس کے بال کو اس تو بی کو تو ہی ہو والے اسے بولو کو اس کو میں کہ ہو ہو گا کو دو کہ ایک کہ ہو کا کہ کہ کہ کا اور کا میں بولو کر ہوں کا باحث ہو گا اس مورت ہی ہو خو ف ہوگا دو ان کی اصلاح کا باحث ہو گا اس مورت ہیں جو خوف ہوگا دہ ان کی اصلاح کا باحث ہوگا اس مورت ہیں جو خوف ہوگا دہ ان کی اصلاح کا باحث ہوگا اس مورت ہیں خوفر نے ہوگا دہ ان کی اصلاح کا باحث ہوگا اس مورت ہیں خوفر نے ہوگا دو ان کی اصلاح کا باحث ہوگا اس مورت ہیں خوفر نے ہوگا دو ان کی اصلاح کا باحث ہوگا اس مورت ہیں جو خوف ہوگا دہ ان کی اصلاح کا باحث ہوگا اس مورت ہیں خوفر نے ہوگا دو ان کی اس خواب بھوٹ ہوگا ہوں کی میں خوفر نے ہوگا دو ان کی اس خواب کو تو ہوگا ہوں کی میں خوفر نے ہوگا دو ان کی اصلاح کا باحث ہوگا اس مورت ہیں کی میں خوفر نے ہوگا دو ان کی اس خواب کورٹ ہوگا کی میں خوفر نے ہوگا دو ان کی اس خواب کورٹ ہوگا کی میں خوفر نے ہوگا کی میں خوفر نے ہوگا کی کورٹ ہوگا کی کورٹ کی کو

ملامہ طبا طبائ عرظلۂ العالی نے فرایاہے کر دا دی کے ہے اشکال بدیا ہوا ہے کہ اکثر کی طرف

سداس کا وقوع کیے برگا امام علیل المام نے اس کا جواب آیت سد دیا - اب رہا یہ اعتراض کہ ایک کے نعل میں دومرے کودھ کم فرنا ظلم ہے توب و درمرا شکال ہے اور اس کا جواب یہ ہے کہ امور تکویند مرتبطائی درمرے اسباب سے جواسباہ بن وقیع آ وال سے علاوہ بیں بعیرے مفات والدین اورجہا آن اور درما آن خصوصیات کا کر اور قات اولادی بعلور وراشت با یا جانا وغیرہ و فدائے فرایا ہے جومعی بست جم پر کئے ہو دہ تماری میں بدا کی موثی ہے اورجہا ان تعلق جمع کرے گا تمام آبا وا جداد اولاد کو ایک ہی جسیر دایت کے نیے کیون کا تروا خوالے انہی عا دات کور کھنے والے تھے جو آفل والے تھے -

اد لادسے برے کا بی ون ٹائم وشطلوم دونوں کے لئے صطف الہی ہے ظالم ڈدے کا اس سے کہ اس کے نصاف المہ ہوتی ہے لہذا وہ کراس کے نعل سے اس کی اولاد تک کو صدر پہنچ کا اور اولادسے چونکہ فسطری مجست ہوتی ہے لہذا وہ ظلم سے رکے کا اوار شطلوم کو آشقام کے متعلق تسکّی ہوگ ۔

١٤ عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ إِسْخَاقَ بْنَ عَمْادِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ كَالْكُمُ قَالَ : إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ أُوجَى إِلَى بَبِي مِنْ أَنْبِيالِهِ فِي مَمْلَكَة جَبْارِمِنَ الْجَبْارِينَ أَنِ اثْتِ هٰذَا الْجَبْارِفَعُلُلَهُ : إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَّ الْحَبْارِفَعُلُلَهُ الْمَعْلُلُهُ عَلَى مَعْلِكَ عَلَى مَعْلِكُ عَلَى مَعْلِكُ عَلَى مَعْلِكُ مَا وَ وَاتِحْاذِ الْأَمْوَالِ وَ إِنَّمَا النَّعْمَلُنُكَ لِنَكُثَ عَنْي أَصُواتَ الْمَظْلُومِينَ فَانْ عَلَي مَعْلُكُ عَلَى مَعْلُكُ عَلَى مَعْلِكُ مَا وَ وَاتِحْاذِ الْأَمْوَالِ وَ إِنْ مَا النَّعْمَلُنُكَ لِنَكُثَ عَنْي أَصُواتَ الْمَظْلُومِينَ فَانْهِ وَالْمَعْلُمُ وَإِلَى كُواللهِ وَ إِنْ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ مَنْ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهُ وَإِنْ كُانُوا كُفَارًا .

۱۱۰ فرط یا حفرت البوبدا لله علیا تسلام نے کوالله نے ایک بن سے وایک جابر بادشاء ک حکومت بی کھے فوا یا تم اس جابر کے پاس جا وُ اور کہو کہیں نے بچھے لوگوں کے فون بہائے اور لا کے کا مال غصب کرنے کے لئے حکومت نہیں میں ان پر فلنم کونٹل ایک زند کروں کا جلید وہ کافر ہی تہوں - وی بلک اس لئے وی سیزیم الدین کی فریا دیجہ کے سال مربینے۔ میں ان پر فلنم کونٹل ایک زند کروں کا جلید وہ کافر ہی تہوں -

٥٥- اَلْحُسَيْنُ بِنُ عُبِّهِ، عَنْ مُعلَى بِنِ عَبَّهِ، عَنِ الْحَسَنِ بِنِ عَلِي الْوَشَاءِ، عَنْ عَلِي ابْنِ أَبِي حَمْزَةَ عَنْ أَبَهِ مَبِرِ قُالَ : سَمِعْتُ أَبَا عَبْدِاللهِ لِلْآَيِّ يَعْوَلُ : مَنْ أَكُلَمْالَ أَجْبِهِ ظُلْماً وَلَمْ يَرُدَّهُ ۚ إِلَبْهِ أَكُلَ جَنْوَةُ (لَإِنَ الشَّارِيَوْمَ الْقِيَامَةِ .

۱۵ د ا بوبعیرسے مردی ہے کہیں نے حفرت الوعب دالنزسے سنا جواپنے بھائی کا مال فلم سے کھائے گا اور اسے واپس رز رے گا وہ روز تیامت آگ کی چنگا رہاں کھائے گا ۔

١٦ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ أَحْمَدُ بْنِ عُنَّهِ، عَنْ غَنَّهِ، عَنْ غَنَّهِ بِينِ سِنَانِ، عَنْ طَلْحَة بْنِ زَيْدٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَا تَنْهُ ، وَاللهُ عَلَيْهِ فَلَا تَنْهُمْ . وَالمُعِينُ لَهُ وَاللهُ النِيهِ شَرَكًا أَنْ ، ثَلَا تَنْهُمْ .

١٧ روندما يا حفرت الجوعبد التذعليا لسلام في ظلم كرف والااس كا مدد كارا وراس برراض بويف والاثينول اس طلم بي شركي بي -

١٧ ـ عِدُّةٌ مِنْ أَصَّحْابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنُ عَبَّهِ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ هِشَاعِبْنِ سَالِمِ قَالَ : سَمِقْتُ : أَبْاعَبْدِاللهِ غَلِبَكُمُ يَقُولُ : إِنَّ الْمَبْدَ لَيَكُونُ مَظْلُوماً فَمَا يَزَالُ يَدْعُو حَتَى يَكُونَ ظَالِمًا .

۱۵۔ دا دی کہت ہے میں نے حفرت امام جعفر صادتی علیدائسلام سے سناک ایک بندہ مظلوم ہو کر جب ظالم کے لئے ہم سیت ہدد عاہی کرناد ہتا ہے اور اس میں مدسے تجاوز کرما آ کہے توخود ظالم بن جا آ ہے ۔

١٨ _ عِدَّةٌ مِنْ أَصَحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ كُلَّهِ بِنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ ابْنِ سِنَانٍ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ مَنْ يَظَلِّمُهُ فَانْ ابْنِ سِنَانٍ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ مَنْ يَظَلِّمُهُ فَانْ دَعَالَمْ يُسْنَجَبْ لَهُ وَلَمْ يَأْجِرُهُ اللهُ عَلَى ظُلُامَتِهِ .

۱۸ فرمایاحة رت ۱۱م جعفرمادت علیالسلام فی کرج ظالم کواس کے ظلم کرنے میں معذور مانتا ہے خدااس پر ایک ظالم کو مسلط کرتا ہے لیس اگروہ خدات دعا کرے گا تواس کی دعا قبول ندم و گی اور اس کے مظلم می کوئی اجرند الے گا

19 فرمایا ۱ مام محدبا قرعلی اسلام نے خدا طلم کے وض ظالم کوظالم سے شکرا دیتا ہے جیسا کرفرا تا ہے ہم ایک ظالم کو دوسرے ڈالم برف اور یا فنتر بنا ویتے ہیں -

٢٠ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَا أَلَ ؛ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفَيْظِيّ : مَنْ ظَلَمَ أَحَدًا فَعَاتَهُ فَلْبَسْتَغَفِّرِ اللهِ لَلهُ لَهُ فَإِنْ كَمْ أَرَّةُ لَهُ .

۲۰ ۔ فرمایا ۱۱م جعفرصا دق علیہ لاسلام نے کر رسول اللّذ نے فرمایا ۔ جذا لم سے کسی کا مال ہے اور کچے رد کرنے کے لیٹے اسے نہ بائے آو بیا ہے کہ اسکے لئے است خفار کرے کہ یہ اس کے لئے کہ اس کے لئے است خفار کرے کہ یہ اس کے لئے کہ اس کے لئے کہ است خفار کرے کہ یہ اس کے لئے کہ اس کے لئے کہ است خفار کرے کہ یہ اس کے لئے کہ اس

٢١ _ أَحْمَدُ بْنُ عَيْدَالْكُوفِي، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ الْحُسَيْنِ، عَنْ عَيْنِينٍ خَلْفِ، عَنْ مُوسَى بْنِ إِبْرَاهِيمَ

र्वेषारीराधार विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स्थापित विकास स्थापित

الْمَرْوَذِيْ ، عَنْ أَبِي أَلْحَسَنِ مُوسَى عِلَيْكُمُ قَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّهُ الْمَبْحَ وَهُولا يَهُم بَطِلْمِ أَحَهِ غَفَرَاللهُ لَدُ مَا اجْتَرَمَ .

ود والمام مؤلی کافلم علیدانسدام فی فرایک دسول الله نے فرایا ہے جوہبے کرسے ایسے حال میں کمی پی فلم کا ادادہ شریکت چوتوانٹھاس سے گئنا ہ بخش دسے کا

٢٧ _ عَنْ أَبِي بَصِيرِ قَالَ : دَخَلَ دَجُلانِ عَلَى أَبِي عِيشَى ، عَنْ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَلِي بْنِ أَبِي حَشْرَةَ ، عَنْ أَبِي بَصِيرِ قَالَ : دَخَلَ دَجُلانِ عَلَى أَبِي عَبْدِالله عَلَى أَبَي عَبْدِالله عَلَى أَبِي عَبْدِالله عَلَى أَبَعَ عَلَى أَبَعَ عَلَى أَبَعَ عَلَى أَنْ أَمَا أَنْ عَنْ الطَّلُومَ عَنْ أَلَا الله عَلَى أَنْ عَلَى الطَّلُمُ أَمَا إِنَّ الْمَطْلُومَ يَأْخُذُ مِنْ دِينِ الظَّالِمِ مَنْ عَلَى الطَّلُمِ عَنْ الله عَلَى الطَّلُمِ عَنْ عَلَى الشَّرَ بِالنَّاسِ فَلا يُشْكُرُ الشَّرُ إِذَا فَعِلَ اللهُ وَمُعْلِد عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَاللهُ عَنْ اللهُ وَاللهِ مَنْ الْعَلَى اللهُ وَاللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ وَاللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ الله

٢٣ _عِدَّةُ مِنْ أَمَّخَايِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَمَّنْ ذَكَرَهُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ظَائِمَةُ فَالَ : فَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّجَائِةِ : مَنْ خَافَ الْقِصَاصَ كَفَّ عَنْ ظُلْمِ النَّاسِ .

٢٣- يو قدما ص سے وُرتا ہے اسے جلبیٹے کوفلم سے دک جلے۔

دوسوب شهروال باب خواهشون کی بیردی (باب اتباع الموی) ۲۲۵

١ _ عَدَّبُنُ يَحْنَى ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَلَيْنِ عِيسَى ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ أَبِي عَبَ الْوَامِشِي قَالَ :

سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عِلْمَ يَقُولُ: احْنَدَوا أَهُواءَ كُمْ كَمَا تَحْنَدُونَ أَعْدَاءَ كُمْ فَلَيْسَ شَيْءُ أَعَدَىٰ لِلرَّ خَالِ مِنِ اتْبَاعِ أَهُوْائِيمٌ وَحَمَائِدِ أَلْسَنْتِهِمْ .

نروایا حفرت ام جدفوصادق علیاسلام نے کم اپنی بدخوا امشوں سے اس طرح بچوجیے اپنے دشمنوں سے بچتے ہوگئے تھے انسان کے لئے قوامشوں کی ہیروی اور زبان کا زخم لسگلے سے زیا وہ شمن نہیں ۔

٢ عِنَّةَ مِنْ أَعَخَافِنَا ، عَنْ أَحَمْدَ بَنْ عَيْنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بَنِ الْقَاسِم ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَر إِيهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ ﴿ اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنَّ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَر إِيهِ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ ﴿ اللهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ عَلَى عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ ع

پ فرایا حفرت امام جعفرها و قعلیوالسلام نے کردسول الشرنے فرایا وستم اپنی عزت وجلال کی اور اپنی عنفلت اور کیریائی کی اگر کوئی بنده اپنی خواہش کومیری نواہش برترجیح ویتلیت ویں اس امرکو پراگندہ کردیتا ہوں اور دنیا وی معا طلت میں بھنسا دیتا ہوں اور اس کا دل دنیا کی طرف دیگا دیتا ہوں اور اس کو فرا گندہ کردیتا ہوں اور دنیا وی معا طلت میں بھنسا دیتا ہوں اور اس کا دل دنیا کی طرف دیگا دیتا ہموں اور اس کو فہا سے میتا میں دیتا مگر است کی اور اپنی عنفلت کی اور اپنی فرا میں مرض برا پنی خواہش کو ترجیح دیتا ہے تومیرہ مگا کی میکا نی بلندی کی کواگر کوئی بندہ میری مرض برا پنی خواہش کو ترجیح دیتا ہے تومیرہ مگا کی کی اس کا در ایس کے دنیا ہے میتا ہے دیتا ہے میتا ہے دیتا ہے دنیا ہے و دلیاں ہے دیتا ہے دنیا ہے دہا ہے میتا ہے دنیا ہے دہا ہے میتا ہے دنیا ہے دہا ہے میتا ہے دہا ہے میتا ہے دیتا ہے دہا ہے دہا ہے میتا ہے دہا ہے

٣ - اَلْحُسَيْنُ بُنُ عُقِيهِ ، عَنْ مُعَلَى بْنِ عُقِيهٍ ، عَنِ الْوَشَاءِ ، عَنْ عاصِم بْنِ حُمَيْدٍ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ يَعْدِينُ بَهْ إِنْ مُنْ عَلَى بَنِ عَقِيلٍ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ يَعْدِينُ عَقِيلٍ قَالَ : قَالَ أُمَيرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلِيلٍ : إِنَّمَا أَخَافُ عَلَيْكُمُ اثْنَتَيْنِ اتِّبِنَا عَالَهُ وَى وَ طُولَ الْأَمَلِ أَمَّنَا اتِّبِنَا عُالْهُولَى فَإِنَّهُ يَصُدُّ عَنِ الْحَقِّ وَأُمَّنَا طُولُ الْأُمَلِ فَينْشِي ٱلآخِرة .
 الْأَمَلِ أُمَّنَا اتِّبَا عُالْهُولَى فَإِنَّهُ يَصُدُّ عَنِ الْحَقِّ وَأُمَّنَا طُولُ الْأُمَلِ فَينْشِي ٱلآخِرة .

۳۔ فربایا حفرت دمیرد لمومنین طیرانسلام نے میں دوباقوں سے ٹم کوڈرا تا ہوں ایک خواہش کی ہیروی دوسرے اس آمذوؤں کا بھیلا و، خواہشوں کی ہیروی انسان کوحق سے روک دیتی ہے اور شحام شوں کا زیادہ ہونا آخسر سے مسلادیتا ہے۔ مجلادیتا ہے۔ ٤ - عِدَّةَ مُمِنْ أَصَّحٰ إِنِنَا ؛ عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيْادٍ ، عَنْ أَعْلَى بْنِ الْحَسَنِ بْنِ ضَمْوُن ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ بْنِ عَبْدِ اللهِ أَنْ الْمُوسَقِينَ عَبْدِ اللهِ أَنْ الْمُوسَقِينَ عَبْدِ الرَّحْمُنِ بْنِ الْحَجْ الحِ قَالَ : قَالَ لِي أَبُو الْحَسَنِ عَلَيْتُكُمُ ، اتَّ فِ الْمُرْتَقَى عَبْدِ الرَّ حُمْنِ الْأَسَمِ ، عَنْ عَبْدِ الرَّحْمُنِ بْنِ الْحَجْ الحَ قَالَ : قَالَ لِي أَبُو الْحَسَنِ عَلَيْكُمُ ، اتَّ فِ الْمُرْتَقَى الشَهْلَ إِذَا كَانَ مُنْحَدَدُهُ وَ عَرْ أَ .

قَالَ : وَكَانَ أَبُوعَبْدِاللهِ كَلَيْكُمْ يَقُولُ: لاتَدَعِ النَّفْسَ وَهُواهَا فَاِنَّ هُواهَا إِفِي} رَدَاهَا، وَتَرْكُ النَّمْسِ وَمَا تَهُوى أَذَاهَا؛ فَوَكَفُ النَّفْسِ عَمَا تَهُوى دَوْاؤُها.

مع نفس اور اس کی فوا مشات کودعوت مذد وکیونک خوابشات نفس اک بیردی ایمی بلاکت ہے اورنفس اور اس کی خواہشات ترک کرنے سے نعنس کو تکلیف کی خین ہے نفس کو خواہشات سے ردکھ اس کا علاج ہے۔

دوسوچهیاسطوال باب مرد عزروفریب

(باب) ۲۲۲

«(الْمَكُرِوَالْفَلْدِ وَالْخَدِيَعَةِ) *

١ عَلِي ثُنَ إِبْرَاهِيم ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ هِشَامِبْنِ سَالِمٍ رَفَعَهُ قَالَ : قَالَ أَمْهُو النَّارِ أَنْهُ وَالنَّارِ أَنْهُ أَمْكَرَ النَّاسِ .
 أَمْهِرُ ٱلْمُؤْمِنِينَ ﷺ : لَّوْلِاأَنَ الْمَكْرَ وَالْخَدِيمَةَ فِي النَّارِ لَكُنْتُ أَمْكَرَ النَّاسِ .

ا فرا ياحض امرالمومنين عليدامسلام في الركم وفريب ك مزاج نم زبوتا تومي سب سي زياده مكركزيوالاموا

٢ _ عَلِي ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْقَلِي ، عَنِ التَّوْقَلِي ، عَنِ التَّكُونِي ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَهْ فَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللهُ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلْمُ فَالْ فَاللهُ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ مَا لَلْ مَا لَلْ مَا عَلَى مَا عَلِي مَا مَا عَلَى مُعْلَى مَا عَلَى مَا عَل عَلَى مُعْلَى مُعْلَى مُعْلَى مُعْلَى مُعْلَى مُعْلَى مَا عَلَى مَا عَلَى مَا عَلَى مَا عَلَى مَا عَلَى مَا عَل

٧- فرايا الم جعفه صادق عليه اسلام ني كريول الشرف فراياسي كم عذر كرف والا دوز تميامت ابيف الم كساته

اس طرح آشته کاکداس کی باچھ کی جوگی ا وراس طرح وہ واخل دوزخ ہوگا اور ہروہ جس نے ایام منصوص من النّدکی بیعت تند توڑی ہوگ وہ یصورت مجذوم داخل دوزخ ہوگا۔

٣ - عَنْهُ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ النَّوْفَلْيِّ ، عَنِ السَّكُونِيِّ ، عَنْ أَبِيَعَبْدِاللهِ عَلَيَكُمُ فَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُمُ اللهِ عَنْ أَبِيعَبْدِاللهِ عَلَيْكُمُ فَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ عَلَيْكُمُ اللهُ عَلَيْكُمُ مَا كُرَ مُسْلِماً .

سرفرايا حفرت المجعفوسا دق عليالسلام في كرسول الله ف فرايا يهم من عنويس والملان جوكركرد ر

، ٤ - عُدَّبُنُ يَحْدِي ، عَنْ أَحْمَدَ بِنِ عَلِيهِ عِيسَى ، عَنْ عَلَيْنِ يَحْيَى ، عَنْ طَلْحَةَ بِنِ زَيْدٍ ، عَنْ

أَبِي عَبْدِاللهِ عِلِيْ قَالَ: سَأَلْنَهُ عَنْ قَرْيَتَبْنِ مِنْ أَهْلِ الْحَرْبِ لِكُلِّ وَاحِلَةٍ مِنْهُمَا هَلِكُ عَلَىٰ حِلَةٍ ، اقْتَتَلُوا ثُمَّ اسْطَلَحُوا ،ثُمُّ إِنَّ أَحَدَالْمَلْكِيْنِ غَلَدَيِصا حِبِهِ فَجَاءَ إِلَى الْمُسْلِمِينَ فَسَالَحَهُمْ عَلَى أَنْ يَغْذُو كُمَّهُمْ عِلْكَ ثُمَّ اسْطَلَحُوا ،ثُمُّ إِنَّ أَحَدَالْمَلِكِيْنِ غَلَدَهُما حِبِهِ فَجَاءَ إِلَى الْمُسْلِمِينَ فَسَالَحَهُمْ عَلَى أَنْ يَعْدُوا وَلا يَأْمُرُوا بِالْغَدْرِ وَلا يُقَاتِلُو الْمَعَ اللَّهُ مِنَ الْمُسْلِمِينَ أَنْ يَعْدُوا وَلا يَأْمُرُوا بِالْغَدْرِ وَلا يُقَاتِلُو الْمَعْلِيلُوا اللَّهُ مِنْ عَلَيْهِ اللَّهُ مِنْ عَلَيْهِ اللَّهُ مِنْ عَلَيْهِ وَلا يَجُوذُ عَلَيْهِمْ مَاعًا هَدَ عَلَيْهِ الْكُمْ أَذُ

۳- فرایاحفرت معادق ال محکرت جب سوال کیا کہتے ان دو قربیں کے متعلق بوکا فران حربی کے توس مکم متھے ان میں مستصر کی اور میں سے ان کی اور میں کا در میں ان کی اور میں کا در میں کا در میں کا در میں کا در میں کے دو سرے سے دو فائی کی اور وہ مسلما فوں کے بارشاہ سے جنگ کمریں رحفرت نے وہ مسلما فوں کو عذر در کر فاج ہے اور مذووس کو عذر کا حکم دینا جا ہے عذر کرنے والوں کے ساتھوان کو نوٹا مذہ جاہیے فرایا مسلما فوں کو عذر کرکھا ہے اور مذووس کو عذر کا حکم دینا جا ہے عذر کرنے والوں کے ساتھوان کو نوٹا مذہب بیا ہے اس کے معا برہ پردینا فرودی نہیں۔

٥ ـ عِدَّةُ مِنْ أَصَحْابِنَا عَنْ أَحَمْدَ مَنْ نَعَدِيْنِ خَالِد ،عَنْ تَعَيْبِنِ الْحَسَنِ بْنِ شَمَّوُن ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ الْحَسَنِ بْنِ شَمَّوُن ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ الْحَسَنِ اللهِ بْنِ الْحَسَنِ اللهِ بْنِ الْحَسَنِ اللهِ بْنِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ عَالَ مَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَلَى مَا عَلَى مَسُولُ اللهِ وَاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى مَا عَلَمْ مَا عَلْمُ مَا عَلَمْ مَا عَمْ مَا عَلَمْ مَا عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ مَا عَلَمْ مَا عَمْ عَمْ عَمْ عَلَمْ عَلْمُ عَلَمْ عَلَمُ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ عَلَمْ ع

د رفرایا حفرت الم جعفرصا دق علیدانسلام نے کردسول النٹرنے فرایا ہرعذر کرنے وا لاا پنے المام کے ساتھ دوتر قیامت اس طرح آئے کا کہ اس کا با چھاٹیڑھا میرکا اوراسی حالمت میں وہ واضل جہنم پردگا۔

٢ - عَلِي بَنُ إِبْراهِيمَ، عَنْ أَبَهِ ؛ عَنْ عَلِي بْنِ أَسْباطٍ ، عَنْ عَمِّهِ يَعْقُوبَ بْنِ سَالِم ، عَنْ أَي الْحَسَنِ الْعَبْدِيْ ؛ عَنْ سَعْدِ بْنِ طَرِ بِفِ ؛ عَنِ الْأَصْبَغ بْنِ نُبَاتَةَ قَالَ : قَالَ أُمَيسُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَى ذَاتَ

يَوْمٍ وَهُوَيَخْطُبُ عَلَى الْمِشْرِ بِالْكُوفَةِ: يَا أَيْمَ النَّاسُ لَوْلا كَرْاهِيَةُ الْفَدْرِ كُنْتُ مِنْ أَدَّهُ النَّاسِ اللهِ إِنَّ لِكُلِّ غَدْرَةٍ فَجْرَةً وَلِكُلِّ فَجْرَةٍ كُفْرَةً ؛ أَلاْ وَإِنَّ الْفَدْدَوَالْفَجُورُوَالْخِيانَة فِي النَّادِ .

۲ المبین بن نبان سے مروی ہے کہ امیر المومنین علیدالسلام نے ایک روز منرکو قدیرا پنے خطیری قرایا ، لوگ ! عدر کرنا ناپسندیدہ نہ بہونا نومی سبدسے زیادہ وشمنوں پر المبالانے مالا بہونا آگا ہ بہوکہ برعدر کرنے والسے کے لئے معاص میں بے پر دائی ہے اور یہ بے پر دائی کفرہے اور عذر و بے پر دائی اور خیانت کا تیجن جمنم دسید جونا ہے۔

دوسوسطرسه وال باب كذب

(بابُ الكِلْبِي)

١ - عَنَّا بُن يَحْيَى ، عَنْ أَحَمْدَ بِن عَيْدَ عِيسَى ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ؛ عَنْ إِسْحاقَ بْنِ عَمْادٍ ، عَنْ الْتَكْمَانِ فَالنَّهُمَانِ فَالنَّعْمَانِ فَالنَّكَ مَوْقُوفُ لَامَحَالَةَ وَمَسُؤُولُ ، فَإِنْ تَكُونَ رَأْمَا فَتَكُونَ رَأْمَا فَتَكُونَ رَأْمَا فَتَكُونَ رَأْمَا فَتَكُونَ وَنْبا ، وَلَا تَسْتَأْكُولِ النَّاسَ بِنَا فَتَفْتَقِرَ ، فَإِنَّكَ مَوْقُوفُ لَامَحَالَةَ وَمَسُؤُولُ ، فَإِنْ تَكُونَ رَأْمَا فَتَكُونَ وَإِنْ كَذِبْتَ كَذَ بْنَاك .

ا حفرت امام محد با ترعلیالسلام نے فرایا ابونعان سے بہم پر کوئی جھوٹ نہ بول ورند دین سے خارج ہوجائے گا اور سردادی کے خواست کارنہ ہو درنہ بھیڑیا بن کر لوگوں پوظلم کردگے اور ہماری مداحی بہ غلوکے لوگوں کا مال نہ کھا ڈورنہ محتاج ہوجاؤگے۔ تم روز قیامت بیش خدا کھڑے ہوگے اور تم سے سوال کیا جلٹے گا۔ بیس اگر تم نے ہمارے متعلق برح کہا ہے تھ ہم تعدیق کریں گے اور چھوٹ کھا ہے تو تمہیں جھٹلائیں گئے۔

٢ عد الله عن أَصْحَابِنا ، عَن أَحَمْ مَن أَحَمْ مَن أَحَمْ مَن أَعْفِيْنِ خَالِدٍ ، عَن إِسْمَاعِيلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَن سَيْفِيْنِ عَمِيرَةَ ، عَمَّنْ حَدَّ ثَهُ ، عَنْ أَيَ جَمْفَرِ عَلِي فَالَ : كَانَ عَلِي بْنُ الْحُسَّيْنِ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِمَا يَقُولُ لُولُلهِ عَمِيرَةَ ، عَمَّنْ حَدَّ ثَهُ ، عَنْ أَي جَمْفَرِ عَلِي فَالَ : كَانَ عَلِي بْنُ الْحُسَّيْنِ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِمَا يَقُولُ لُولُلهِ اللهِ عَلَيْهُمَا اللهِ عَلَيْهُمَا يَقُولُ لُولُلهِ عَنْ اللهِ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُمَا اللهُ عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْهُ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ الْمُعَلِي عَلَيْهُمُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَنْ عَلَيْهُمُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ ال

٧- قرایا حفرت ۱۱ م محد با قرطیدا سلام نے کرحفرت علی بن لمبین نے بین اولا دسے کہا ۔ کذب سے پجو خواہ چھوٹا او یا بڑا معقول بات چیت مویا دل مگی کیوں کہ جب آوی چھوٹے جھوٹ کا عادی موجا تاہے توبڑے بڑے جھوٹ بدلنے لگنا اے کیا تمہین علم نہیں کہ رسول اللہ نے فرایا جب کوئ مہیشہ سبح بولتا ہے تواللہ اس کومدلی تک مشاہے اور حب بہیشہ جو اور تاہے توکذاب اکھ تاہے۔

س ـ عَنْهُ ؛ عَنْ عُثْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ عَبَيْبِنِ مُسْلِم ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عَلِي قَالَ : إِنَّ اللهَ عَزَّ وَجَلَّ جَعَلَ لِلشَّرِ ٱقْفَالاً وَ جَعَلَ مَعْاتِيحَ تِلْكَ الْأَقْفَالِ الشَّرَابَ ؛ وَٱلْكِنْبُ شَرُّ مِنَ الشَّرَابِ.

۳۔ فشر مایا حفرت ۱ مام محد با قرطیہ اسلام نے کرخد انے ستر با توں پر تاسے ڈو اسے ہیں ان تا لوں کی کمنیال مشراب کر قرار دیا ہے ۱ ورجھوٹے شراب سے مجی پر ترسیعے۔

عَنْهُ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَمَّنْ ذَكَرَهُ ، عَنْ نَعْدَبْنِ عَبْدِالرَّ حُمْنِ بْنِ أَبِي لَيْلَى ؛ عَنْ أَبَيهِ ، عَنْ أَبِي حَمْنَ أَبِي عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِي حَمْنَ أَبِي اللهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِي حَمْنَ اللهِ عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِي عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ أَبِي

م د زما يا حفرت امام محد با ترعليدا سلام نه كم حجوث ايمان ك خرا بى كاسبب ي-

و - ٱلْحُسَيْنُ بُنْ عُنَّرَ ، عَنْ مُعَلِّى بْنِ عَنْدٍ ، وَعَلِيْ بْنُ عَبَرٍ ، عَنْ صَالِح بْنِ أَبِي حَمَّا دِجَمِيعاً ، عَنِ الْوَشَّاءِ ، غَنْ أَخْمَدَ بْنِ عَائِذٍ ، عَنْ أَبْنِي خَدِيجة ، عَنْ أَبْنِي عَبْدِاللهِ عَلِيدٍ قَالَ : الْكِذْبُ عَلَى اللهِ وَ عَلَىٰ رَسُولِهِ وَاللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ وَ عَلَىٰ رَسُولِهِ وَاللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ وَ عَلَىٰ رَسُولِهِ وَاللّهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى الللهِ عَلَى الللّهِ عَلَى الللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الللهِ عَلَى اللهِ عَلَى ال

٥ ـ فرمايا حفرت الم جعفوما وق عليدا سلام نع كم خلاا ورسول رهبوث إلى اكنا إلى كبيره سعب

﴿ عَنْ أَبْنُ يَحْيَى ! عَنْ أَحْمَدَ بَنْ عَيْنِ الْمَا عَنْ عَلَى بَنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبَانِ الْأَحْمَرِ ، عَنْ أَبَانِ الْأَحْمَرِ ، عَنْ أَبَانِ الْأَحْمَرِ ، عَنْ أَبَي جَمْفَرِ عَلِي فَالَ : إِنَّ أَوَّ لَمَنْ يُكَذِّ بُ الْكَذَّ اَبَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ ، ثُمَّ الْمَلَكُانِ فَنَادِ مَمْهُ ، ثُمَّ هُوَيَعْلَمُ أَنَّهُ كَاذِبُ .

 ٧- عَلِيُّ بْنُالْحَكَمِ، [عَنْأَبْانِ]، عَنْ عُمَرَ بْنِيَزِيدَ قَالَ: سَمِعْتُأَبْاعَبْدِاللهِ عِلْعِ يَعُولُ: إِنَّ الْكَذَابَ يَهُلِكُ بِالنِّبِيْاتِ وَيَهْلِكُ أَتَبْاعُهُ بِالشَّبَهَاتِ.

ے را دی کہتاہے میں فیصفرت ابوعبد اللہ سے سناکر بہت ڈیا وہ ورورع گوظا ہربنظا ہرولائل سے ہلاک ہوتاہے۔ اوراس کے بیروش بہات میں پروکر ہلاک ہوتے ہیں

ر - عُنَّ أَبْنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَيْسَى ، عَنِ ابْنِ أَبِي نَجْرَانَ ، عَنْ مُفَاوِيَةَ بَنِ وَهْبِ قَالَ : سَمْعُتُ أَبْاعَبْدِاللهِ يَهِ يَعُولُ : إِنَّ آيَةَ الْكَذَّابِ بِأَنْ يُخْبِرَكَ خَبَرَ السَّمَاءِ وَالْأَرْسِ وَالْمَشْرِقِ وَالْمَشْرِقِ وَالْمَشْرِقِ فَاذَا سَأَلْتَهُ عَنْ حَرَامِاللهِ وَحَلَالِهِ لَمْ يَكُنْ عِنْدَهُ شَيْءٌ .

۵۰۵ وی کهتابیدیں نے حفرت الوعبد النزعلیالسلام سے سنا چھوٹے کی ایک نشانی توسیسے کہ وہ تجھ سے سمال ا زمین ا ورمشرق ومغرب کی خرب ہیسان کریکا اگر نوح ام وحلال کے متعلق لوچھے کا تواس کے باس کچھ منہوگا۔

ه _ عَلِي مَّنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ مَنْسُوْدِ بْنِ يُونُسَ ، عَنْ أَبِي بَصِيرِ فَالَ صَعْدُ أَبَاعَ مِنْهُ عَنْهُ أَنْ الْكُذُبَةَ لَتُعَطِّرُ الشَّائِمَ ؛ قُلْتُ : وَأَيْنَا لَا يَكُونُ ذَٰلِكَ مِنْهُ ؟ ؛ قَالَ : لَيْسَ حَيْثُ ذَهَبْتَ إِنَّمَا ذَٰلِكَ الْكِذُبُ عَلَى اللهِ وَعَلَى رَسُولِهِ وَعَلَى الْأَيْمَةِ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْهِ وَعَلَيْهِمْ .

۹-اوبھیرے دوں ہے کہ اام جعفوما دق علیا اسلام نے فرایا جھوٹ ہولئے سے دوزہ ٹوٹ جا کہ ہے ہیں نے کہا ہم میں ایسا کون ہے جمہوٹ نہ ہوئے فرایا اس سے مراد خدا ورسون ا در آئم پر چھوٹ بولنا ہے۔

ا عُمَّدُ مِنْ يَحْيَى ، عَنْ أَحَمْدَ مِنْ عَلَيْ مِيسَى ، عَنْ بَمْضِ أَصَّحَابِهِ رَفَّعَهُ إِلَى أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ وَ اللهُ عَلَى اللهِ وَ اللهُ عَلَى اللهِ وَ عَلَى اللهِ وَ عَلَى اللهِ وَ عَلَى اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ ع

۱۰ رایک شخص تے حفرت الزعبد الله علیالسلام سے ایک جولا ہے کا ذکر کمیا کہ وہ ملتون ہے فرا یا وہ المنڈ (ور س کے دسول پرچھوٹ کا تانا بانا بنت کہ ہے۔

١١ - عِدَّ أُ مِنْ أُصَّحْنَا بِنَا ؟ عَنْ أُحَمْتَ دَبْنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ؛ عَنْ أَبَهِ ، عَنِ ٱلفَاسِمِ بْنِ عُرُوَةً ، عَنْ العَالِمِ بْنِ عُرُوَةً ، عَنْ الْعَالِمِ بْنِ عُرُوَةً ، عَنْ الْعَلَمُ الْإِمَانِ عَبْدِ الطَّائِيّ ؛ عَنِ الْأَصْبَغِ بْنِ أَبَالَةً قَالَ ؛ قَالَ أُمِيرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْ ؛ لا يَجِدُ عَبْدُ طَعْمَ الْإِمَانِ حَتَى يَثُرُكَ الْكِنْبُ مَنْ لَهُ وَجِدَ هُ .

۱۱ رامینغ بن نبات سے مروی ہے کہ امیرا لمومنین علیما سلام نے فرایا ۔ بندہ ایمان کامزہ نہیں چکھے گاجب کٹ ل لگی بہویا حقیقت ، برایک صورت بی جوٹ کو ترک مذکرے گا۔

١٢ - عَلِي بَنُ إِبْرَاهِيمَ ؛ عَنْ أَبِهِ ؛ عَنِ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ عَبْدِالرَّ حُمْنِ بْنِ الْحَجْاجِ قَالَ : قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللَّهِ تَلْكِيْكُ : الْكَذَّابُ هُوَالَّذِي يَكْنِبُ فِي الشَّيْءَ ؟ قَالَ : لا ؛ مَامِنْ أَحَدٍ إِلَّا يَكُونُ ذَٰلِكَ مِنْهُ وَلٰكِنَّ الْمَطْبُوعَ عَلَى الْكِنْبِ

۱۲ - فرایا الوعبد الشعلیدات دم نجبکرساً لانے پوتھا کہ کیا ہر جوٹے کے بنے ایمان سے بے نعیبی ہے فرایا نہیں سے اس کے لئے ہے جس نے جوٹے ہوئے ہیں ہے فرایا نہیں سے اس کے لئے ہے جس نے جوٹے ہے ندیدہ فاطر بنالیا ہو۔

١٣ - عِدُّة مِنْ أَصَّحِلِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَلَيْ خَلِدٍ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بَن الْمُفيرَةِ ؛ عَنْ مُعٰاوِيَة بْنِ عَمْارٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : الْمُصْلِحُ لَيْسَ بكَذَا اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : الْمُصْلِحُ لَيْسَ بكَذَا اللهِ عَنْ عَمْارٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : الْمُصْلِحُ لَيْسَ بكذا أَب

۱۳ فرمایا حفرت ا م جعفرصادتی علیدالدم نے کرحفرت میسی علیدالسلام نے فرایاجس کا جھوٹ نیادہ ہوگا اس کی آبر وجباتی رہے۔ گی-

١٤ - عَنْهُ ، عَنْ عَمْرِوبْنِ عُثْمانَ ، عَنْ عَبِّرِبْنِ سَالِم ، رَفَعَهُ فَالَ : قَالَ أَمَيْرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَا : يَنْهُمَ فَالَ : قَالَ أَمَيْرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَا اللهِ عَنْهُ مِنْهُمُ فَالَ : قَالَ أُمَيْرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَا يُعَدِّي يَجِيعَ ، بِالعَيْدُقِ فَلا يُعَدَّ قُ يَنْهُمِي لِلرَّ جُلِ الْمُسْلِمُ أَنْ يَجِيعَ ، بِالعَيْدُقِ فَلا يُعَدَّ قُ

٧٨١ ـ فرا ياحفرت اميرالمومنين عليدا مسلام غمرد مسلمان كوچلهي كروه بهت ذياده ججوث بولغ والصنع برا دران التعلقات ترك كرد سعد كيون كرجب يى بات اس كسائف كق ب تووه تعديق نهيس كرنا -

١٥ - عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ فَضَّالٍ ، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ كَتَّبِالْأَشْعَرِيّ ، عَنْ عُبَيْدِ بْنِ زُرَادَةَ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِ اللهِ تَلْقَطُّ كُنَّ عَنْ عُبَيْدِ بْنِ زُرَادَةَ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِ اللهِ تَلْقَطُ كُنَّ النِّسْفِانَ .

۱۵- داوی کمتا بیدین فی حفرت الوعبدالله علیدالسلام سوسنا کرزیاده تجوث او ان برالله الشرنسیان کو فالب کرد تبلید

١٦ - عُذَّانُ يَحْلَى ، عَنْ أَحَمْدَبَنِ عَلِيْهِ عِيلَى ، عَنْ أَبِي يَحْمَى الْواسِطِيّ ، عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِنَا عَنْ أَبِي عَبْدِاللَّهِ يَطْقِينِ قَالَ : الْكَلامُ ثَلاثُهُ : سِنْقُ وَكِنْبُ وَإِصْلاحُ بَيْنَ النَّاسِ قَالَ : قِيلَ لَهُ : جُعِلْتُ

فِذَاكَ مَا الْإِصْلاَحُ بَيْنِ النَّاسِ؟ قَالَ: تَسْمَعُ مِنَ الرَّ جُلِ كَلاْماً يَبْلُغُهُ فَتَخْبُثُ نَفْسُهُ فَتَلْقاهُ فَتَقُولُ ؛ سَمِقْتُ مِنْ فَلاَنِ قَالَ فِيكَ مِنَ الْخَبْرِكَذَا وَكَذَا ؛ خِلافَ مَاسِمَعْتَ مِنْهُ.

19۔ را وی کہتلہے کر صفرت صا وق آل محکم نے فرایا کہ کلام تین ہیں میسے ، جھوٹ اور لوگوں کے درجیان اصلاح کرنا پوچھا گیا لوگوں کے درمیکان اصلاح کی کیا صورت ہے فرایا جب تمکس سے اسی بات سنوجہ سے وہ ول گرفتہ ہوگیا ہو تو تم اس سے کہور میں نے تو تمہارے ہارہے میں اس اس طرح کلی ٹیے کہتے سناہے جو اس کے با سکل خلاف ہے جو تم نے سستا۔

١٧ - عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِبَم ؛ عَنْ أَبَهِ ، عَنْ أَحَمْدَ بْنِ نُعِّدِ بْنِ أَبِي نَصْرٍ ، عَنْ حَمْلُوبْنِ عُنْمَانَ ، عَنِ الْحَسَنِ الصَّيْقَلِ قَالَ : قَلْتُ لِا بِي عَبْدِاللهِ عَلَمْ اللهِ اللهِ عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ عَلَيْ فِي قَوْلِ يُوسُفَ الْحَسَنِ الصَّيْقَلِ قَالَ : وَاللهِ مَاسَرَ قُوا وَمَا كَذَبَ ، وَقَالَ إِبْرَاهِبُم عَلَيْ : دَبَلْ فَمَلَهُ كَبِرُ مُمْ مَذَا فَاسًا لُومُمْ إِنْ كَانُوا يَنْطِعُونَ » ؟ فَقَالَ : وَاللهِ مَافَمَلُوا وَمَا كَذَبَ ، قَالَ : فَقَالَ : فَقَالَ اللهِ مَافَمَلُوا وَمَا كَذَبَ ، قَالَ : فَقَالَ : فَقَالَ اللهُ فَمَلَهُ كَبِيرُ مُمْ مَذَا فَاسَأَلُومُمْ إِنْ كَانُوا يَنْطِعُونَ » ؟ فَقَالَ : وَاللهِ مَافَمَلُوا وَمَا كَذَبَ ، قَالَ : فَقَالَ : إِنَّ اللهُ أَبُوعَبُواللهِ عَلَيْهُ مِنْ النَّهُ مَا أَنْهُ مُ لَيْفَعَلُونَ ؛ قَالَ : فَقَالَ : إِنَّ اللهُ فَمَالُونَ اللهُ فَعَلَمُ الْعَلَمُ مَا أَنْهُمُ لَا يَعْمَلُونَ ؛ وَقَالَ يَوْسُفُ عَلَيْهُ إِلَا اللهُ السَّعْقَالَ : «بَلْ فَعَلَهُ كَبِيرُ مُمْ مَذَا » إِنَا أَلَهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الله

الم در فرایا اوجو علیا اسلام خوه تر پرسف علی اس تول که متعلق "اے قافلہ وا لوئم جور بہر کرواللہ و و چور تھا در نہ اور سف قے جھوٹ اولا "اور حفرت ابراہیم کے اس تول کے متعلق فرمایا بلکہ ان کے بڑے نے ایسا کیا ہے اگر اولا ہوا دی سے حضرت نے بچھا ہے اسے متعلق تمہاں کیا ہے اولا ہوا دی سے حضرت نے بچھا ہے اسے متعلق تمہاں کیا ہے فرمایا خدا دو با تول کو دوست رکھتا ہے اور دو کو خیال ہے اس نے کہ اس میں جارہ کا دکیا ہے فرمایا خدا دو با تول کو دوست رکھتا ہے اور دو کو دشمن رکھتا ہے مدو کو دو متکبرانہ دفتا دکواس وقت دوست دکھتا ہے جبکہ میدان جنگ میں دو نوں طون سے صف وشمن رکھتا ہے متکبرانہ دفتا دکواس وقت دوست دکھتا ہے جبکہ میدان جنگ میں دو نوں طون سے صف آدائی ہوا در دوست دکھتا ہے متن ہوا نہ دوست دکھتا ہے اس کے علادہ اور دشمن رکھتا ہے متن ہم ان کوش ہرکے آدائی ہوا در دوست دکھتا ہے متن اکر و فرایا تو اور شمن رکھتا ہے متن ہم اور شمن رکھتا ہے متن کا کہ وہ افراد کریں کر بتوں میں یہ طاقت نہیں اور حفرت اوسف علیا سلام تے جو فرمایا تو ہر بھی اسلام حالے دو مال کے ادادہ کی بنار پر تھا ۔

١٨ - عَنْهُ ، عَنْ أَبَهِ ، عَنْ صَفْوانَ ، عَنْ أَبِي مُخَلَّدِالسَّرَ اج ، عَنْ عِيسَىْ بنِ حَسّانِ قَالَ : سَمِقْتُ أَباعَبْداللهِ عَلَيْكُمْ يَقُولُ : كُلُّ كِنْدِيمَسُؤُولُ عَنْهُ صَاحِبُهُ يَوْماً إِلاَّ كِذْباً إِنْ عَيْمَلاَئَةِ : رَجُلُ كَائِدُ سَمِقْتُ أَباعَبْداللهِ عَلَيْكُمْ يَقُولُ : كُلُّ كِنْدِيمَسُؤُولُ عَنْهُ صَاحِبُهُ يَوْماً إِلاَّ كِذْباً إِنْ عَيْمَلاَئَةِ : رَجُلُ كَائِدُ

فِي حَرْبِهِ فَهُوَّ مَوْضُوعٌ عَنْهُ ، أَوَرْجُلُ أَصْلَحَ بَيْنَ أَشْنَنِ يَلْقَى هَذَا بِغَيْرِ مَا يَأْتَمَى بِهِ هَذَا ، يُريدُ بِذَٰلِكَ الْإَصْلاحَ مَا بَيْنَهُمَا ، أُوَرْجُلُ وَعَدَأُهُلَهُ شَيْئًا وَهُولا يُريدُأُن يُنْمَ لَهُمْ.

٨ - فرما يا حفرت الم جعفرصا دق عليه اسلام في مرجوت كم متعلق ايك دن سوال كيا جلت محاكم كرتين تتخصون س ا قل دشمن سے رب میں ازراہ فریب جھوٹ بولنا۔ دوسرے نوگوں میں اصلاح کے لئے جھوٹ بولنا ایکسنے مل کر کھے کہنا اور ا دوسرے سے مل کر کیے۔ تاکدان کے درمیسان مصالحت بہوجلٹے اور تیرے وہ جواپنے اہلسے کی چیز کا وعدہ کرے اور پھراسے بیرا نہ کرسکے ۔ توان کو دل شکتی سے بچانے کے بھے تھوٹ بول دے ۔

١٩ عِدُّةٌ مِنْ أُصَّخَايِنًا ، عَنْ أَحَمَدَ بْنِ عَبِّي خَالِدٍ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْن الْمُغيرَةِ ؛ عَنْ مُعَاوِيَةً بْنِ عَشَارٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : الْمُصْلِحُ لَيْسَ بِكَذَّابٍ .

١٥. فرايا حفرت الوعبدا تشرعليه مسلام ني إصلاح كم اداده سيحبوث بولف والاحبوثانهي مبوّنا-

٢٠ _ عَذَابْنُ يَحْيى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَنْ مَا عَنْ عَلِي بْنِ أَلْحَكُمْ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ يَحْيَى الْكَاهِلَي عَنْ عَلَىٰ إِنْ مَالِكِ ، عَنْ عَبْدِالْأَعْلَىٰ مَوْلَىٰ آلِ سَامٍ قَالَ : حَدَّ ثَنِي أُبَوْعَبُدِاللَّهِ ۖ لِللَّا بِحَدِيثٍ ، فَقُلْتُ لَهُ جُعِيلُتُ فِدَاكَ أَلَيْسَ زَعَمْتَ لِيَ السَّاعَةَ كَذَاوَ كَذَا ؟ فَقَالَ : لا ، فَعَظُمَ ذَلِكَ عَلَيَ ، فَقُلْتُ : بَلَىٰ وَاللَّهِ زْعَمْتَ : فَقَالَ : لأَوَاللَّهِ مَازَعَمْتُهُ ، قَالَ: فَعَظُمَ عَلَىَّ فَقُلْتُ : جُعِلْتُ : فِدَاكَ بَلَىٰوَاللَّهِ قَدْقُلْتَهُ، قَالَ : نَعَمَ قَدْقُلُهُ أَمَاعَلِهُ تَ أَنَّ كُلَّذَعْم فِي الْقُرْ آنِ كِنْبُ.

٢٠ ـ دا دى كېتابىء مجھ سے حفرت دام جعفرصاد فى علىدامسلام نے كچھ بات چيت كى - بيں نے كہا ميں آپ يرفدا مهوں کیا آپ نے میرے متعلق ایسا، بسا گمان ابھی نہیں کیا۔ فرایا۔ نہیں جمیرے ا دیر بہ بات شاق گزری ۔ ہیں نے کہا۔ والٹر ميرا كمان تويبي بين فرايا ايدا نهي بيدجيسا تون كمان كياب ميرساديريد فندانا شاق بوا ميس فركهاس آب برفدا ہوں آب نے یہ فرایا تھا۔ فرایا میں نے فرور کہا تھا۔ لیکن تورینہیں جا تناک قرآن میں گمان دوعوے باطل کذب ہے دلیعنمیرے تول مع وفي علط متبحر لكالار)

٢١ ـ عِذَة مِنْ أُصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيادٍ ، عَنْ عَلِيْ بْنِ أَسْاطٍ ، عَنْ أَبِي إِسْحَاقَ الْخُر اسانِي قَالَ : كَاٰنَ أَمِيرُ الْمُؤْمِنِينَ صَلَواٰتُاللَّهِ عَلَيْهِ يَقُولُ : إِيَّاكُمْ وَٱلْكِلْبَ فَاِنَّ كُلَّ خَائِفِ هـُــارِبُ.

۱۷۔ داوی کہتاہے کے حفرت امیرالمومئین فرایا کرتے سے کراپنے کوچوں سے بچا وکیو کم ہرامیدوارٹواب اہی اچھے افعال کا طلب گادم وتاہے ادر ہروہ جوعذاب سے وُرتاہے انعال بُدسے معاکمة ہے۔

٢٢ ـ أَبَوْعَلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ عُبَرِالَّهِ عَبْدِالْجَبْارِ ، عَنِ الْحَجْاجِ ، عَنْ تَعْلَبُهَ ، عَنْ مَعْمَرِ بْنِ عَمْرو ، عَنْ عَطَاء ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفَظَاء ، لَا كِنْبَ عَلَىٰ مُصْلِح ، ثُمَّ تَلا: وَاللهِ مَاسَرَقُوا وَمَا كَلَنَبَ ، ثُمَّ تَلا: وَبَلْ فَعَلَهُ كَبِيرُهُمْ هٰذَا وَاللهِ مَاسَرَقُوا وَمَا كَلَنَبَ ، ثُمَّ تَلا: وَبَلْ فَعَلَهُ كَبِيرُهُمْ هٰذَا فَاللهُ وَاللهِ مَا فَعَلُوهُ وَمَا كَنْبَ ، ثُمَّ تَلا: وَبَلْ فَعَلَهُ كَبِيرُهُمْ هٰذَا فَاللهُ وَاللهِ مَا فَعَلُوهُ وَمَا كَنْبَ .

۲۷ فرمایا حفرت ابوعبد الله علیدالسلام نے کر رسول الله نے فرمایا ہے اصلات کرنے والاجھوٹا نہیں کہا جا آ رمچر پر آیت پڑھی میں سے قافلہ والوتم چرمہو کی فرمایا واللّذرنہ وہ چور سختے مذیوسف جھوٹ بولے ہے کی میریہ آیت کلادت کی س " بلکہ یہ فعل ان کے بڑے نے کیا ہے اگریہ بولیس قوبی چھولو۔ پھوفرمایا مذبر ہے ست نے بیرکیا سختاندا براہیم چھوٹ بولا۔

دوسوار سخفوال باب دولسانین ددونهان دالا)

(بابُ ذي اللِّسانَيْنِ) ٢٩٨

۱ فرایاحفرت ۱۱م جعفرمادق علیا سام فع مسلمانون دورخ اور دوزبانول سے ملے گاروز قیامت اس کا دوزبانین آگ کی موں گا

٧ ـ عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَ بَنِ عَلَيْهِ خَالِدٍ ، عَنْ عُنْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ أَبَى شَيْبَةَ ، عَنِ النَّهُ هُرِيّ ، عَنْ أَبِي جَعْمَرٍ عَلَيْ قَالَ : بِنْسَ الْعَبْدُ عَبْدُ يَكُونُ ذَاوَجْبَيْنِ وَذَالِسَانَيْنِ ، يُـطُرُ إِيَّا أَخَامُ شَاهِداً وَيَا لِنَا مُعْلَى حَسَدَهُ وَإِنِ ابْنَلِيَ خَذَلَهُ .

رفرایا امام محدباقر علیمالسلام نے سب سے بڑا وہ بندہ ہے جدد کرو اور دوزبان والا ہو جب دوست سے است کے است کے است اسل منے کے قواس کی تعریف کرے اور غائب ہم آلواسے کھاج لے اگر اسے عطاکیا جلنے نوصد کہے ادراگر کی معیبت میں مبتلا مو آل اسے بے مدد کے چھوٹرد ہے۔

٣ - عَلَي بُنُ إِبْراهِيم ، عَنْ أَبِيهِ عَنْ عَلِيّ بْنِ أَسْبَاطٍ ؛ عَنْ عَبْدِالنّ حُمْنِ بْنِ حَمَّادٍ رَفَعَهُ فَالَ: قَالَ اللهُ تَبَارَكَ وَتَمَالَىٰ لِعبسَى ابْنِ مَرْيَم اللهِ ؛ يَاعَيسْ لِيكُنْ لِسَائِكَ فِي الشِّرِ وَٱلْعَلَانِيَةِ لِسَائَاوُ احِداً وَكَذَٰ لِكَ اللّهُ تَبَارَكَ وَتَمَالَىٰ لِعبسَى ابْنِ مَرْيَم اللهِ ؛ يَاعَيسْ لِيكُنْ لِسَائِكَ فِي الشِّرِ وَٱلْعَلَانِيَةِ لِسَانَاوُ احِداً وَلَاسَيْفَانِ وَكَذَٰ لِكَ قَلْكَ وَكَنْ لِكَ الْإَنْ فَلْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ ا

سر فرایا حفرندا مام علیدالسلام نے کوالڈ تعدالانے فرمایا عیسیٰ علیدالسلام سے دے عیسیٰ ظاہر و باطن میں ایک آف زبان ہونی چاہیے اورا ہے ہی تہما دادل ہو ہیں تم کو تمہار سے نفس سے ڈور آنا ہوں اور میں خبر کھنے کے لئے کافی ہوں ایک مند میں دو زبان ایک نیسا مہیں دو تلوادیں اور ایک سینہ ہیں دودل تہمیں ہو سکتے ۔ اسی طرح ا ذبان میں دنسیا و آخرت وو فون کے ادا و سے ۔

> دوسوانهتروال باب بهجرت رکسی سے غقیصے بات کرنا)

> > (بَابُ ٱلْمِجْرَةِ) ٢٢٩

١ ... اَلْحُسَيْنَ بُنْ عُنَّى ، عَنْ جَعْفَو بْنِ عَنْ القاسِم بْنِ الرَّ بِيعِ ، وَعِدَّةٌ مِنْ أَصَحَابِنَا ، عَن أَحْمَدَ بْنِ عُلَوْ بْنِ خَالِدِ ، رَفَعَهُ ، قَالَ فِي وَصِيتَةِ الْمُفَضَّلِ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عِلَيْلا يَقُولُ : لاَيغْتَرَقُ رَجُلانِ عَلَى الْهِجْرَانِ إلاَّا مُتُوجَبَ أَحَدُهُمَا البَرَاءَة وَاللَّفَنَة وَ رُبَّمَا اسْتَحَقَّ ذَلِكَ كِلاهُما ، فَقَالَ لَهُ مُعَيِّبٌ: جَعلِنِي اللهُ فِذَاكَ هَذَا الظَّالِمُ فَمَا بَاللَّالَمَ ظُلُومٍ ؟ قَالَ: لا نَهُ لاَيدْعُوا خَاهُ إلى صِلَتِهِ وَلا يَتَفَامَسُ لَهُ عَنْ كَلاهِهِ ، سَمِعْتُ أَبَي يَعُولُ: إِذَا تَنَازَعَ اثْنَانِ فَعَاذَ أَحَدُهُمَا الآخَرَ فَلْيَرْجَعِ الْمَظْلُومُ إلى صَاحِبِهِ لَهُ عَنْ كَلاهِهِ ، سَمِعْتُ أَبِي يَعُولُ: إِذَا تَنَازَعَ اثْنَانِ فَعَاذَ أَحَدُهُمَا الآخَرَ فَلْيَرْجَعِ الْمَظْلُومُ إلى المَاحِبِهِ لَهُ عَنْ كَلاهِهِ ، سَمِعْتُ أَبِي يَعُولُ: إِذَا تَنَازَعَ اثْنَانِ فَعَاذَ أَحَدُهُمَا الآخَرَ فَلْيَرْجَعِ الْمَظْلُومُ إلى المَاعِبِهِ الْمُعْلِي اللهِ عَنْ كَلاهِ هِ ، سَمِعْتُ أَبِي يَعُولُ: إِذَا تَنَازَعَ اثْنَانِ فَعَاذَ أَحَدُهُمَا الآخَرَ فَلْيَرْجَعِ الْمَعْلُومُ إلى الْمُعْلِيْهِ مِنْ الْمُؤْمِ الْهِ الْمُؤْمِ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْ اللّهِ اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ الْهُ عَلَى اللّهُ الْمُؤْمِ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ الْمُعْرَاقِ اللّهُ الْمُ الْعَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُعْلِقُهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ الْمِنْ اللّهُ الْمُعْلِقُهُ اللّهُ اللّهُ الْعَلَيْلُومُ اللّهُ الْعَلْمُ اللّهُ عَلَيْهِ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللْمُعْلِقُولُ اللّهُ اللْمِعْ الْمُعْلِقُ الْمَالِقُولُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللْهُولُولُ الْمُعْلِقُ اللْعُولُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الْمُؤْمِ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللْعُلُومُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللْعَلْمُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللْهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ الللّهُ اللللْهُ اللّهُ اللّهُ

حَتَىٰ يَقُولَ لِصَاحِبِهِ: أَيْ أُخَى أَنَا الظَّالِمُ، حَتَىٰ يَقَطَعَ الْهِجْرَانَ بَيْنَهُ وَبَيْنَ صَاحِبِهِ، فَاِنَّ اللهَ تَبَادَكَ وَتَعَالَىٰ حَكَمْ عَدَلُ يَأْخُذُ لِلْمَظَّلُومِ مِنَ الظَّالِمِ.

اردادی کہنا ہے میں نے حضرت الم مجعفرصا دق علیا سلام سے پوچھا کہ اگر دوشندس کی دوستی کو قبل کرتے ہیں اور این کہنا ہے دو آدی کچھ ترک تعلق کریں تعدیب ان کر کے ، ان ہیں سے جو ظا لم ہوگا خدا ورسول اس سے بری اوران کی تعنت کا مستی ہوگا اور لعبض او قات دونوں ہوں گئے۔ آپ کے غلام معتب نے کہا۔ اس بین مظلوم کا کیا قصور، فرما با ہہ ہے کہ اس نے اپنے دوست سے صلام رحم کیوں شکیا ۔ اور اس کے کلام سے جشم پوشی کیوں شکی ۔ بین نے اپنے بدر بزرگوار سے سنا جب دوشن میں گئے اور ایک دوست سے ملام ہوں تاکدونوں اور ایک دوسرے پر غلبہ حاصل کرتے تومنطلوم کو جا چئے کہ وہ اپنے بھائی سے کھے میں ظالم ہوں تاکدونوں کے درمیان جو طبح تقلق ہوگیا ہے وہ متم ہو جائے جو نکہ الدتوانی حاکم وعادل ہے اس لئے وہ منظلوم کا بدلہ ظالم سے لیکا

٢ - عَلِيَّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، وَ عُدَّنَ إِسْاعِيلَ ، عَنِ الْفَصْلِ بْنِ شَاذَانَ ، عَنْ إِبْنِ أَبِي أَبِي غَمِيرٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ تَلْقَيْلًا قَالَ: قَالَ دَسُولُ اللهِ وَالْفَيْ الْحِجْرَةَ فَوْقَ ثَلَاثِ .
 ٢- فرايا حفرت الم جعفرها دق عليه لسلام في كرسول الله في فرايا خصّت بين روز سے ذيا وه ندر بهنا جاہيئے ورن وه عدادت بن ملے گا۔

٣ حُمَيْدُبْنُ زِيَادٍ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَدَالْحَسَنِ بْنِ عَدَالْحَسَنِ بْنِ عَدَالَة ، عَنْ وُهَيْبَ بِنِ حَقْصٍ، عَنْ أَبِي بَصَيسٍ قَالَ : ٣ صَالَتُ أَبَاعَبُ مِمَّنْ لاَ يَعْرِفُ الْحَقَّ ؟ قَالَ : لا يَنْبَعِي مَا لَذُ أَنْ يَعْرِفُ الْحَقَ ؟ قَالَ : لا يَنْبَعِي لَهُ أَنْ يَعْرِفُ الْحَقَ ؟ قَالَ : لا يَنْبَعِي لَهُ أَنْ يَعْرِفُ الْحَقَ ؟ قَالَ : لا يَنْبَعِي لَهُ أَنْ يَعْرِفُ الْحَقَ ؟ قَالَ : لا يَنْبَعِي لَهُ أَنْ يَعْرِفُ الْحَقَ ؟ قَالَ : لا يَنْبَعِي لَهُ أَنْ يَعْرِفُ الْحَقَ ؟ قَالَ : لا يَنْبَعِي

۳ ر ابولبھیرسے مروی ہے کہ میں حفرت الم جعفر صادق علیہ اسلام سے اس شخص کے متعلق ہو چھا جو کہ اپنے قرانبدارہ سے اس بنار پر فسطع تعلق کرتا ہے کہ وہ حق کوامرا است، کونہ ہیں بہجانتے۔ فرایا اس سے سزا وار پہے کہ ترک تعلق نہ کرہے۔

٤ - عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَابِنَا ؛ عَنْ أَحَمْدَ بْنِ عَمَّدٍ ؛ عَنْ عَلِيّ بْنِحَديدٍ ، عَنْ عَمِّهِ مُرَانِمِ بْنِ حَكِيمٍ قَالَ ؛ كَانَ عِنْدَا بَيْ عَبْدِ اللهِ عَلِيّ اللهِ عَنْ عَلَيْ مَنْ أَصَّحَابِنَا يُلَقَّبُ شَلْقَانُ وَكَانَ قَدْ صَيَّرَهُ فِي نَفَقَتِهِ وَ كَانَ سَيْعَ، الْخُلْقِ فَهَجَرَهُ ، فَقَالَ إِي يَوْما : يُامُرَانِمُ [و] تُكلِّمُ عِيسٰى ﴿ فَقَالَتُ نَعَمْ ، فَقَالَ : أَصَبْتَ لَا خَيْرَ فِي الْمُهَاجَرَةِ .
 خَيْرَ فِي الْمُهَاجَرة .

٨- مرازم بن عكيم عد ردى بي كرممار ع اصحاب مع ايك فنوس القان نام مفاجس كانفقه امام كه ومرحقا اور

وه مرد برخوشها مرازم نے اس سے غصی*ی ترکی تعلق کیا حفرت نے ایک دن مجھ سے فو*ایا۔ اسے مرازم اعیسے سے بولوجالو ایس نے کہابہتر، فرایا تم نے سٹھیک کیا۔ ترک تعلق میں بہتری نہیں ہے۔

٥ ـ عَنْ أَبْنُ يَحْنَىٰ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ عَنَى ، عَنْ عَبَرْنِ سِنَانِ ؛ عَنْ أَبَي سَعِيدِ الْقَمْ الْطِ عَنْ دَاوُدَبْنِ كَثِيبِ فَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِ اللهِ عَنْ أَلَا مُسْلِمَنْ تَهَاجَزا فَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِ اللهِ عَنْ أَلْمَ مَا مُسْلِمَنْ تَهَاجَزا فَالَ : فَالَ دَسُولُ اللهِ وَالْمَعْتُونَ أَبْنَهُمَا مُسْلِمَنْ تَهَاجَزا فَمَكَنا ثَلاثًا لا يَصْطَلِحُن إلا كَانا خَارِجَيْنِ مِنَ الْإِسْلامِ وَلَمْ يَكُنْ بَيْنَهُمَا وَلاَيَةٌ فَأَيْنَهُمَا سَبَقَ إِلَى كَلام أَجْبِهِ كَانَ السَّابِقُ إِلَى الْجَنَّةِ يَوْمَ الْحِسَابِ.

ہ۔ دادی کہتلہے حِفرت الوعبدالشرعلیالسلام نے فرایا کہ میرے پدربزرگوارنے فرایار ہر۔ دوسلمان جوغصہ میں ہم کلامی کے بغیرتین دن دہمی اورصلح مذکریں کے تووہ اسسلام سے خادرج ہوجا ہیں تکے اوران کے درمیسُسان دوستی شدر ہے کی جوکوئ ان ہیں سے سب سے پہلے اپنے بھائی سے کلام کرے گا وہ روز قیامت پہلے جنت ہیں جائے گا۔

٢ ـ عَلِي بُنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ؛ عَنِ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ؛ عَنِ إِبْنِ أَذَيْنَةَ ؛ عَنْ زُرارَةَ ؛ عَنْ زُرارَةَ ؛ عَنْ أَبِي جَعْفَر اللّهَ عَلَا إِبْنَ أَلِمُ وَمِنِينَ لِمَالَمْ يَرْجِعْ أَحَدُهُمْ عَنْ دَبِنِهِ ؛ فَإِذَا فَعَلُوا ذَٰلِكَ اسْتَلْقَا عَلَى قَالَ : إِنَّ الشَّيْطَانَ يُعْرِي بَيْنَ الْمُؤْمِنِينَ لَمَالُمْ يَرْجِعْ أَحَدُهُمْ عَنْ دَبِنِهِ ؛ فَإِذَا فَعَلُوا ذَٰلِكَ اسْتَلْقَا عَلَى قَالَ : فُرْتُ ، فَرَجِمَ اللهُ المْرَدُ أَلَقَ بَيْنَ وَلِيتَيْنِ آلنا ، يَا مَعْشَرَ الْمُؤْمِنِينَ تَأَلَّقُوا وَ تَعْلَامَهُمُ اللّهُ وَلِيتَيْنِ آلنا ، يَا مَعْشَرَ الْمُؤْمِنِينَ تَأَلَّقُوا وَتَعْلَى اللّهُ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ الْمُرَدُ أَلَقًا اللّهَ عَيْنَ وَلِيتَيْنِ آلنا ، يَا مَعْشَرَ الْمُؤْمِنِينَ تَأَلّقُوا اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهُ الْمُرَدُ اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهُ الْمُرَدُ اللّهُ الْمُرَدُ اللّهَ عَلَى اللّهُ الْمُولَى اللّهُ الْمُرَادُ اللّهُ اللّهُ المُولَى اللّهُ المُولَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ الللللّهُ ال

۲- سنرمایا ۱۱م محد با قرطیرا سیلام نے کرشید طان عداوت ڈانٹ ہے مومنین کے درمیان جب تک وہ اپنے دین سے برگٹ نز نہوں۔ جب دہ ایس کرلیٹا ہے تواہنے کام سے فارغ ہوکر آ رام سے لیدے جا آلمہ ہے ۔ پھر کہتا ہے ہیں کامیاب ہوگیا الٹردم کرے اس پرج ہمارے دو دوستوں کے درمیسان مجت مت کم کرائے۔ اے مومنو! ایک دوسے رسے معبت کرو اور جربانی کا برتاؤ کرو۔

٧ ـ اَلْحُسَيْنُ بُنْ عُيِّهِ ، عَنْ عَلِي بْنِ عَبَّرْبْنِ سَعِيدٍ ، عَنْ عَبَّرْبْنِ مُسْلِم ، عَنْ عَبَّرْبْنِ مَحْفُوظٍ ، عَنْ عَلِي بْنِ مُعْلَق بْنِ مُعْلَق بْنِ عَنْ أَبَي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى الْأَيْزَالُ إِبْلَيْسُ فَرِحاً عَلَى النَّعْمَانِ ، عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عُنْ أَبَي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلِي قَالَ : لأيزَالُ إِبْلَيْسُ فَرِحاً عَلَى النَّعْمَانِ ، فَإِذَا الْنَقَيَا اصْطَكَتْ رُكْبَنَاهُ وَتَخَلَّعَتْ أُوصَالُهُ وَنَادَى يَاوَيْلَهُ ، مَالَقِي مِنَ النَّبُورِ. عَنْ الْمُثْلِمُ نَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ

، رفوا باحفرت الوعب النوعلي السلام نے جب سلمان آپس بس بنا برخص کے ہم کلام نہیں ہوتے توشیطان نوشس ہوتا ہے اورجب وہ علتے ہی تواینے گھٹنے ہیٹ لیتا ہے اور اس کے بدن کے جمٹ ڈھیلے پڑ جلتے ہیں اوپڑتے کر کمہتلہ ہے گ

ليسى لماكت كامامليعد

دوسوستروال باب قطع رهم (نبهي رشته معظم تعلق) (باب قطيعة الرّحي) ٢٤٠

١ عَلَى بُنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْأَبِيهِ ؛ عَنْ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ؛ عَنْ عُمَرَ بْنِ ا كَنَّهُ عَنْ مِسْمَعِ بْنِ عَبْدِاللهِ ؛ عَنْ عُمَر بْنِ ا كَنَّهُ عَنْ مِسْمَعِ بْنِ عَبْدِاللهِ ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَمْ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْكَ ؛ فِي حَديثِ أَلا إِنَّ فِي النَّبَاعُسِ عَبْدِاللهِ ؛ عَن أَبِي عَبْدِاللهِ عِلَيْ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّمْ عَلَى اللهِ عَلَيْهَ اللهِ عَلَيْهَ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ اللّهِ عَلَيْهِ ع

در فرای دار جعفرصادق علیزانسدام نی کردسون النگر نی فرط یا آگاه جهوکرآ میس بعی بغض رکھنا سرعندوا کلهے لیکن س سے میری مراد سسرمنڈ دانا نہیں بلکروین کا سرمونڈ ناچند-

٢ . عد قَ مُنْ أَصَحَابِنَا ؟ عَنْ أَحَمَدَ بْنِ عَلَيْ بْنِ خَالِدٍ ؟ عَنْ عُقْدَ بْنِ عَلَى ؟ عَنْ عَلَى ؟ عَنْ عَلَى ؟ عَنْ أَعْدَبْنِ أَلْعُصْدِلِ ؟ عَنْ عَلَى ؟ عَنْ أَعْدَبْنِ أَلْعُصْدِلِ ؟ عَنْ عَلَى ؟ عَنْ أَعْدَبُوا أَلْحَالِقَةَ فَا نِشَهَا تُمْبِتُ الرَّجَالَ ؟ قُلْتُ ، وَمَا الْعَالِقَةُ ؟ عَنْ الْعَلَامُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَّهُ عَلَا عَلَا عَلَّهُ عَلَّالَّهُ عَلَّا عَلَّا عَلَا عَلَا ع

۲۔ مند بایا حقرت الم جعفوصا دق علیہ السلام نے حالتہ سے بجو۔ وہ لوگوں کو ارڈالستلہد لوگوں نے پوچھا حالتہ کسیا ہے فرایا وہ قبلیج رحم کرنا ہے۔

٣ - عَنْ بَعْنِ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَنْ أَحَمَدَ بَنِ عَيْنِ عِيسَى ، عَنْ عُنْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ بَعْنِ السَّخَابِنَا ، عَنْ أَيْعَالُهُ عَلَى اللّهُ الللّهُ اللّهُ الل

فَقَالَ: هُوَيِمًا صَنَعُوا بِكَ وَ يِمُقُوقِهِمْ إِيثَاكَ وَ قَطْعِ رَحِيهِمْ بَيْرُوا أَتَحْبُ أَنَّهُمْ بَقُوا وَ أَنَّهُمْ شَبَّقُوا عَلَيْكَ ؟ قَالَ: قُلْتُ: إِي وَاللهِ .

٣ رفرایا حفرت ابوعبد النوطیا اسلام فیجیکد و وی نے کہا کومیرے ہما تا اور چاپز او کھا تی میرے خیمن ہوگئے ہیں اور اخفوں نے کچھے گھرسے نکال دیلہ اور این دوسرے گھرس چلاکیا ہوں ۔ اگر کچھ کو قدرت ہوتی توجیا تھوں نے کیا ہے ہے واب کرلیتیا ۔ حفرت نے فرایا مبرکر النوعن غرب کشادگی عطافر اسٹ کا ۔ بیکس کر چلاتیا ساسلاھ میں دہا رکھیلی وہ سب مرکئے اس کے بعد میں حفرت کی خدمت میں آیا ۔ حفرت نے فرایا کہو تم ارسے خاتدان والوں کا کیا حال ہے ہیں نے کہا سب مرکئے کوئی باتی نہیں دہا فرایا یہ اس کا نتیجر ہے جو اتھوں نے تمھارے ساستھ کیا شھا اور قبطع رح کر کے تم برطلم کیا تھا ۔ کیا تم چا ہتے تھے کہ وہ زندہ اسپتے اور تم کوئنگ کے جلتے ہیں نے کہا خواک فتم نہیں ۔

٤ - عَنْهُ ؛ عَنْ أَحْمَدَ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبِ ؛ عَنْ مَالِكِ بْنِ عَطِيْةَ ؛ عَنْ أَيِي عُبْدَةَ ؛ عَنْ أَيِي جَعْفَ أَيِي جَعْفَى يَقِي عَلَيْ عَلَيْ عَلَيْ كَالْكُ عَمْلِكَ الْمَوْتُ صَاحِبُهُنَ أَبْدَأَ حَتَىٰ يَرَى وَبِالَّهُنَّ : الْبَعْقُ وَقَطِيعَةُ الرَّحِمِ وَالْيَمِينُ الْكَاذِبَةُ، يُبَارِزُاللهُ بَهَا ، وَإِنَّ أَعْجَلَ الطَّاعَةِ ثَوْاباً لَسِلَةُ الرَّحِمِ وَإِنَّ الْبَعْنِ وَقَطِيعة الرَّحِمِ وَإِنَّ الْمَعْفَ الرَّحِمِ وَإِنَّ الْمَعْفَ الرَّحِمِ وَإِنَّ الْمَعْنَ الْكَاذِبَةَ وَ قَطِيعة الرَّحِمِ النَّهُ الرَّحِمِ النَّهُ الرَّحِمِ النَّالُ الرَّحِمِ الْقَطَاعُ السَّلِهِ عَنْ أَهْلِهَا وَتَنْقُلُ الرَّحِمَ وَإِنَّ نَقْلَ الرَّحِمِ الْقَطَاعُ الشَّلِ .

۲ دفرها یا حفرت ۱۱ م محروا قرطیدا سدام نے کوکتاب علی علیدا سدام بیں ہے کہ تین خصلتیں ایسی ہیں کہ ان کا وبال دیکھے بغیران دنیا سے استحتائی نہیں ۔ ایک بغاوت (۱ للٹرورسول سے) دوسرت قطع درجی تغیرسے تھوٹی قسم کہ یہ اللہ سے جنگ ہے اور سب سے زیادہ چلد تواب دلانے والی چیز صلائہ رجم ہے اگر کمچھ لوگ فاجر موں اور عدار درج کریں توان کے اموال میں ذیادتی بہوگی اور وہ صاحب فردت ہوجاتے ہیں اور تھوٹی قسم کھانا اور قطع رحم کرتا ۔ گروں کواس کے اہل سے فائی کرکے اجا ڈرسیقے اور رست نہ وادی کا فائمہ کردیتے ہیں۔ نقل رحم انقطاع مسل ہے ۔

٥- عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيم ، عَنْ صَالِحِبْنِ السِّنْدِي ؛ عَنْ جَعْفَرِبْنِ بَشِير ، عَنْ عَنْبَسَةَ ٱلْمَابِدِ قَالَ : جَاءَ رَجُلٌ فَشَكَا إِلَى أَبِي عَبْدِاللهِ تَطَيِّكُمُ أَفَادِ بَهُ ؛ فَقَالَ لَهُ : اكْظِمْ غَيْظَكَ دَافْمَلْ ، فَقَالَ : إِنَّهُمْ يَفْمَلُونَ وَيَفْعَلُونَ ؛ فَقَالَ : أَتَرْبِكُ أَنْ تَكُونَ مِثْلَهُمْ فَلا يَنْظُرُ اللهُ إِلَيْكُمْ .

۵ ر دا وی که آسید ایک شخص ام معفوما دق علیدانسلام کے پاس آیا اور اپنے اعزو ک شکایت کی - فرط یا اپنے عقد کو پی جاؤ ا ورنیکی کرو- اس سے کہا وہ توایب ایساعمل کرتے ہیں فرطیا کیساتم ہمی ان کی مثل ہوٹا چلہتے ہوتا کہ خدا تحصاری طرت

نذويكيمه

حَالِيٌّ بْنُ إِبْرُاهِيمَ ' عَنْ أَبَيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ' عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ﷺ قَالَ : قَالَ رَسُرُ اللهِ بَهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ﷺ قَالَ : قَالَ رَسُرُ اللهِ بَهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ﷺ قَالَ :

٨ ي مخضرت في ارشاد فرا إرتم قطع رحم مذكرو الرتم قطع رحى كرد كاتوسم يعدكو في تعلق نهين -

٧ - عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَايِنَا ، عَنْ أَحَمْدَ بَنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبَيهِ رَفَعَهُ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ الثُّمَالِيَّ قَالَ : قَالَ أَمَيرُ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَ الْمُؤْمِنِينَ أَعُوذُ بِاللهِ مِنَ الذَّ نُوبِ النِّي تُعَجِّيلُ الْفَنَاءَ ، فَقَامَ إِلَيْهِ عَبْدُ اللهِ بِنَ الْمُؤْمِنِينَ أَوَتَكُونُ ذُنُوبُ تُعَجِّيلُ الْفَنَاءَ ؟ فَقَالَ : نَعَمْ وَيُلَكَ قَطْبِعَةُ اللهُ وَإِنَّ أَهْلَ الْبَيْتِ لَيَجْنَمِهُ وَيَلَكُ قَطْبِعَةُ اللهِ عَبْدُ اللهُ وَإِنَّ أَهْلَ الْبَيْتِ لَيَتَفَرَ قُونَ الرَّحِم ، إِنَّ أَهْلَ الْبَيْتِ لَيَتَفَرَّ قُونَ وَهُمْ فَجَرَةٌ فَيَرْزُقَهُمُ اللهُ وَإِنَّ أَهْلَ الْبَيْتِ لَيَتَفَرَّ قُونَ وَيَقَطَعُ بَعْضُهُمْ بَعْضُهُمْ بَعْضُا فَيَحْرِمُهُمُ اللهُ وَهُمُ أَتَقَيْاءُ .

۱-۱ بوجزه خمالی سے مردی ہے کہ امیرا لموٹنین علی السلام نے اپنے خطیے میں فرایا کر بعض گناہ البیے ہیں جنسے موت جلد آجا تی ہے ۔عبد النّد بن کوّا نے کہا۔ اسے امیرا لموٹنین کیا ایسے بھی گناہ ہیں جن سے جلدموٹ آجلئے۔ فرایا - یا ں اور وہ قبطع رجم ہے جس خاندان کے لوگ جمع ہوتے ہیں اور میروردی کا اظہار کرتے ہیں تو اگرچہ وہ برکار ہوں النّد

ا در وہ صطع رحمہ ہے جس خاندان کے لوگ جمع ہوتے ہیں اور مبردر دی کا اَظِها رکرتے ہیں لواکرچہ وہ برکار ہموں الند ان کے دزق میں برکت دنیاہے اورجس گھروالے منفرق ہونے ہیں اور قبلع رحم کرتے ہیں توا لنٹران کومودم کردیتاہے جاہے پرہمز کا دموا

٨ - عَنْهُ ، عَنِ إَبْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ مَا الكِبْنِ عَطِيتَةَ ، عَنْ أَبِي حَمْزَةَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عَلَيْهِ السَّلامُ
 عَالَ : قَالَ أَمَيْرُ الْمُؤْمِنِينَ لِلْبَلِا : إِذَا نَظَعُوا الْأَرْحَامَ جُعِلَتِ الْأُمْوَالُ فِي أَيْدِي الْأُشْرَادِ .

۸ مفوایا ایلم ممد با فرطلیا سلام نے کہ امیرا کمونینن علیا نسلام نے فرایا ہے کرجب لوگ فیلع رحم کرتے ہی توان کی دوست انٹرار کے باتھوں میں پہنچے جاتی ہے ۔ استان جليم المنطقة الم

دوسواكهتروال باب عقوق (نافرانی والدین) (بنائ العُنوني) ۲۷۱

١ - عَدَّابُنْ يَحْدَىٰ ، عَنْ أَحَمْدَبُنْ عَبَرْنِ عِيسَى ، عَنْ عَلْمَ بِنْ سِنَانِ ، عَنْ حَديدِبْنِ حَكِيمٍ ، عَنْ أَلَى عَبْدِ اللهِ عَلَى إِنْ يَعْدِيلُهِ عَنْ أَلَمْ وَنَ مِنْهُ لَنَهَى عَنْهُ .
 أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلِيلٍ قَالَ : أَدَنَى الْعُقُوقِ ا أَنْ ، وَلَوْعَلِمَ اللهُ عَنْ وَجَلَّ شَبْئًا أَهُونَ مِنْهُ لَنَهَى عَنْهُ .

ار فریایا، مجعفهادق علیدانسلام نے کہ تافوا نی کم سے کم ان باپ سے اُمٹ کہنلہے اگر خداکے علم یں کوئی اورجیب نر اس سے جی منع کرتا ہے۔

٢ - عَلِي بَنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيدٍ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ ٱلْمُغِيرَةِ ، عَنْ أَبِي ٱلْحَسَنِ عِلِيدٍ قَالَ : قَالَ : قَالَ وَمُؤْلُللهُ وَالْمُعَلِيّ : كُنْ بارْ أَ وَافْتَصِرْ عَلَى الْجَنّةِ وَإِنْ كُنْتَ عَاقًا (فَظًا) فَافْتَصِرْ عَلَى النّادِ .

۲۔فربایا حفرت امام دخاعلیالسلام نے کردسول انٹرنے فربایا - ماں باپ سے سیا تھ نیکی کرنے والے بنوا گرجنت درکار پیے اورنا فران بنو اگر دو ذرخ میں جانا چاہتے مہو۔

٣ . أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِينَ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِي الْكُوفِي، عَنْ عُبَيْسِ بْنِ هِمْام، عَنْ صَالِح الْحَدَّاءِ عَنْ يَعْمُ الْفِيامَةِ كُشِفَ غِطَاءٌ مِنْ أَغْطِيَةِ الْجَنَّةِ عَنْ يَعْمُ الْفِيامَةِ كُشِفَ غِطَاءٌ مِنْ أَغْطِيَةِ الْجَنَّةِ فَلْ الْجَنَّةِ فَوْجَدَ دِيحَهٰ مَنْ كَانَتْ لَهُ دَوْحُ مِنْ مَسْيرَةِ خَمْسِمِائَةِ عَامِ الْأُصِيْفُ واحِدٌ ، قُلْتُ : مَنْهُمْ ؟ قَالَ : الْعَاقُ لِوَالِدَيْهِ . اللهَ اللهُ اللهُ

۳۔ فرمایا دام جعفرصادت علیالسام نے روز قیامت جنت کے پردوں میں سے ایک پرددہ ہٹایا جلے گاجس کی وجبہ سے ایک جان رکھنے والا پانسو برس کی راہ سے اس کی ٹوٹ بوسونگھ ہے گا سوائے ایک گرمہ کے۔ را وی نے پوچھا یہ گون لوگ موں گے فوایا والدین کے نا فرمان برفرار-

٤ - عَلِي بُنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أُبَهِ ، عَنِ النَّوْقَلِي ، عَنِ السَّكُونِيُّ ، عَنْ أُبِي عَبْدِ اللهِ عَالَ :

قَالَ رَسُولُ اللهِ مَهْ عَنْ فَوْقَ كُلِّ ذِي بِرِ يرَ " حَنْ يُمْ نَلَ الرَّ جُلْ فِي سَبِلِ اللهِ ، فَاذَا قُمْ تَلَ فِي سَبِلِ اللهِ فَوْقَهُ بِرُ " ، وَإِنَّ فَوْقَ كُلِّ عَمْوْقِ عُمْوْقاً جَنَّىٰ يَقْنُلُ الرَّ جُلُ أَحَدَ وَالِدَيْهِ ۚ فَاذَا فَعَلَ ذَٰلِكَ فَلَيْسَ فَوْقَهُ مِنْوَقَهُ مِنْ وَأَنْ فَاللَّهُ عَلَيْسَ فَوْقَهُ مَنْوَقَ مُ عَنْوَقَهُ عَنْوَقَهُ عَنْوَقَهُ مَنْوَقَهُ عَنُوقَ " .

مهر فرما یا حفرت امام جعفرصاد تی علیدا بسلام نے کررسول اللہ نے فرا یا بہرسکی کے اوپراک نیک ہے بہاں تک کر قتل کیا جلتے ایک شخص دا و فدا میں رہب جب را و فدا میں قسل مہونز اس سے بڑھ کرنیکی نہیں اور سرنا فوانی کے اوپر ایک نافرانی ہے بہاں کے کرفتن کرے اپنے والدین میں سے کسی ایک کو ، ایسا کرے گا تو اس سے بڑھ کرکوئی تا فرانی نہیں۔

٥ ـ عِدَّةً مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ تُقَيِّبْنِ خَالِدٍ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَبْنِ مِهْزَانَ ، عَنْ سَيْفِبْنِ
 عَمِيرَةَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلِيلٍ قَالَ : مَنْ نَظَرَ إِلَىٰ أَبُوَيْدِ نَظَرَمَا فِتٍ وَهُمَا ظَالِمَانِ لَهُ لَمْ يَقْبُلَ اللهُ لَهُ صَلَاةً .

۵ - فوایا ۱ مام جعفرصادق علیدالسلام نے جس نے اپیٹ والدین پیغضبناک نظر ڈالی - درآ نمالیکرانھوں نے اس پیظلم کیا مورتو بھی دس ک نشگاہ قبول ند ہوگئ -

٢ عَنْهُ ، عَنْ غَيْرَيْنَ عَلِيّ ، عَنْ عُيْرَيْنِ فَرَاتٍ ، عَنْ أَبِي جَمْعَرِ عِلِي قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمُخْتُكُ فِي كَلامِ لَهُ : إِينَا كُمْ وَعَقُونَ الْوَالْمِيْنِ فَانَّ رِيحَ الْجَنَّةِ تُوجَدُ مِنْ مَسْيَرَةٍ أَلَقْ عَامٍ وَلا يَجِدُهَا عَالَى فَي كَلامِ لَهُ : إِينَا كُمْ وَعَقُونَ الْوَالْمِيْنِ فَانَ رِيحَ الْجَنَّةِ تُوجَدُ مِنْ مَسْيَرَةٍ أَلَقْ عَامٍ وَلا يَجِدُهَا عَالَى وَلاَ قَالِمَ مَن عَلَى اللهَ عَنْهُ وَلا يَجِدُهُمْ عَالَى اللهَ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهَ عَلَى اللهُ عَلَى اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ الْهُ اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللهُ اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُولِي اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ الل

الدفراباصفرت دام محدبا قرعلیدان الام نے کدرسول انگر نے فرطالی ایستے کلام کے درمسیان بچا ڈاپنے کو وا لدین کی کا فرطی سے ، جنّت کی ٹوشبر پوایک ارسال کی مسافت سے سونگھی جلٹ کی رعاقی انسان اس کورندسونگھ پلسے گا اور ندقا طبع الرجم اور نڈ ہوڑھا زانی اور نہ وہ جوابیٹے ڈیرجا مرکو تکبترسے کھینچے ۔ بے شک کبرخواسی کے لیئے ہے۔

٧ عَنْهُ ، عَنْ يَحْبَى بْنِ إِبْرُاهِيمَ بْنِ أَيِي الْبِلادِ [السَّلَمِيّ] ، عَنْأَبِيهِ ، عَنْ جَدّهِ ، عَنْأَبِي عَبْدِاللهِ السَّلَمِيّ] ، عَنْأَبِيهِ ، عَنْ جَدّهِ ، عَنْأَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ قَالَ : لَوْعَلَمَ اللهُ مَبْعًا أَدَنَى مِنْ أَنْ لَنَهَى عَنْهُ وَهُومَنْ أَدَنَّى الْعُقُوقِ وَمِنَ الْعُقُوقِ أَنْ يَنْظُرَ الرَّ جُلُ اللهَ وَالدّيهِ فَيُحِدَّ النَّظَرَ إِلَيْهِما .

٤- فرمایا ابدهیدا لله علیا بسلام نے اگر خدا کے علم میں آن سے کم کوئی کلم میوتا تووہ اس سے بھی منبع کرتا اور نا فرمانی میں یہ بھی داخل ہے کہ کوئی شخص اپنے والدین کو عصد میں تھور کردیکھے۔

٨ _ عَلِي "، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ هَارُونَ بْنِ الْجَهْمِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سُلَيْمَانَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَر عِبِ قَالَ:

William States and in the state of the state

إِنَّ أَبِي نَظْرَ إِلَى رَجُلٍ رَمَّعُهُ ابْنُهُ يَمْشِي وَالْإِبْنُ مُنْكِيءُ عَلَىٰ ذِرَاعِ الْآبِ ؛ قَالَ: فَمَا كَلَّمَهُ أَبِي اللهِ مَقْنَالُهُ حَنْتَىٰ فَارَقَ الدُّ ثَيًّا .

٨- فرايد امام محد با فرعيد السلام نه كرمير برد برز دگوار في ايشخص كود يكهاجس كس ننواس كابينيا مقاجا دام سخاشخص اس طرح كربيل امس كه ما تنوير تكيد كي بوري مستما امام في فرايا كرمرته دم تك مير به والد في اس بين سع كلم ذكيا

٩ _ أَبِهِ عَلِي الْأَشْعَرِينَ ، عَنْ أَحَمْدَبَنِ عَبَى ، عَنْ مُحْسِنِ بْنِ أَحْمَد ، عَنْ أَبانِ بْنِ عُنْمان ، عَنْ مَحْدِيدِ بْنِ حَكِيم ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : أَدَهُ اللهُ أَلْعَقُوقِ اثْقِ ، وَلَوْ عَلِمَ اللهُ أَيْسَرَ مَنْهُ لَنَهَىٰ عَنْهُ .

۹۔ فرمایا ۱ ام جعفرصا دق علیدا سائد مے نافرانی کی دوقا صورت یہ ہے کہ ان باپ کے بیٹے اکت کمیا جلسے ۔ اگر علم خوامین اس سے کم کوئی لفظ ہو ا تو وہ اس سے بھی منبع کرتا ۔

دوسور به شروال باب الاشف المردن محد مقابل نب برفسر، دوسرون محد مقابل نب برفسر، (باب الإنتيفاء) ۲۷۲

١ ـ عَلِي بَنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ، عَنِابْنِ أَبِي عَنْ أَبِيهِ، عَنِابْنِ أَبِي عَنْ أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ يَخْتُلُ فَالَ: كَفَرَ بِاللهِ مَنْ تَبَرَّ أَمِنْ نَسَبِ وَإِنْ دَقَّ .

ار ذیایا حفرت امام جعفها دق علید اسلام نے رائٹ سے کفرکیا اس شخص نے میں نے کسی سے بیزاری کا ہر ک اگرچہ وہ نسب ضعیف سور

٢ _ عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحٰ إِنَا ، عَنْ أَحَمْدَ إِنْ غَيْرِ، عَنِ ابْنِ فَضْ اللهِ ، عَنْ أَبِي الْمَغْرَاء عَنْ أَبِي بَصِيدٍ ،
 عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ تَبَرَ أَ مِنْ نَسَبِ وَإِنْ دَقَ ،

٧- ترجم اوپرگزرا-

٣ عَلِيُّ بَنُ عَنَوْ مَا الحِ بْنِ أَبِي حَمَّادٍ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ! وَابْنُ فَمَنَّالٍ ، عَنْ رِجَالٍ مَنْ رَجَّالٍ ، عَنْ رَجَالٍ مَنْ عَنْ رَجَالٍ مَنْ عَنْ رَجَالٍ مَنْ عَنْ رَجَالٍ مَنْ عَنْ أَبَي جَمْفَرِ وَ أَبِي عَبْدِاللهِ اللَّهِ اللَّهِ اللهِ الل

۳ ـ فرایا اللحبدالله علیالسلم نے کداگرکسی نے بوجہ نسب کسی سے بیزادی کا انہا رکبا تواس نے کفراللہ کیا۔ اگرجہہ نسب ضعیف ہی کیوں نربور

دوسونهشروال باب مسلمانون کواذبین ادر تقیر مجھنا

(بَابُ) ۲۲۳ «(مَنْ آذَى الْمُسْلِمِينَ وَاحْتَقَرَهُمْ)»

١- عَنْ مِشَامِ بْنِ يَحْبَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنَّ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِمِ قَالَ : سَمِقْتُ أَبَا عَبْدِي عَبْدِي الْمُؤْمِنَ وَلْيَأْمَنْ عَسَبِي عَبْدِي الْمُؤْمِنَ وَلْيَأْمَنْ عَسَبِي عَبْدِي الْمُؤْمِنَ وَلْيَأْمَنْ عَسَبِي عَبْدِي الْمُؤْمِنَ وَلْيَأْمَنْ عَسَبِي مَنْ أَدَى عَبْدِي الْمُؤْمِنَ وَلْيَأْمَنْ عَسَبِي مَنْ أَكْرَمَ عَبْدِي الْمُشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ إِلاَّ مُؤْمِنُ مَنْ خَلْتِي فِي الْأَرْضِ فِيمَا بَيْنَ الْمَشْرِقِ وَالْمَغْرِبِ إِلاَّ مُؤْمِنُ وَاحِدٌ مَعَ إِمام عَادِلٍ لَاسْتَغْنَبْتُ بِعِبَادَتِهِمِا عَنْ جَمِيعِ مَا خَلَقْتُ فِي أَدَضِي وَلَقَامَتْ سَبْعُ سَمَاوَاتٍ وَ وَالْحَبْنَ بِيمِا وَلَيْ اللَّهُ عَنْ جَمِيعِ مَا خَلَقْتُ فِي أَدَضِي وَلَقَامَتْ سَبْعُ سَمَاوَاتٍ وَ أَرْضِينَ بِهِمَا وَلَجَعَلْتُ لَهُمَامِنْ إِبِمَانِهِيا اللَّهُ الْإِيمَا أَجْنِ إِلَى أَنْسِ سِوْا هُمَا .

ا فرایا حفرت الم جعفرها و ن علیدالسلام نے کرفدا فرا آسید (حدیث قدسی جھ سے جنگ کے لئے آکا دہ ہوا وہ جس نے بعد کہ کومن کو اذبیت وی اور میرے غضب سے بخوت ہوا جس نے میرے بندہ مومن کاعوت کی اگر دوئے زمین پر کمشر تی و مغرب کے درمیسان میری کوئی مختلوق بی سوائے ایک مومن اور امام عاول کے مذربیت تومی ان دوئوں کا عبادت کے سبب تمام مختلوقات اور امام عادل کے مذربیت تومی ان دوئوں کا عبادت کے سبب تمام مختلوقات اور امام کا دوئوں کا دوئوں کا دوئوں کا دوئوں کی دوئوں کی دوئوں کے ایک ان کے ایمان سے اس دوئوں کے دوئوں کی دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کو دوئوں کی دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کی دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کے دوئوں کو دوئوں کے دو

٢ - عَنْهُ ، عَنْ أَحَمدَ بَنْ عَبَر ، عَنِ ابْنِ سِنَانِ ، عَنْ مُنْفِرِ بْنِ يَزِيدَ ، عَنِ الْمُفَسَّلِ بْنِ عُمَر قَالَ : قَالَ أَبُوعَبَدِ اللهِ عَلَيْكُمْ : إِذَا كَأْنَ يَوْمُ الْقِيَامَةِ نَادَى مُنَادٍ : أَيْنَ الشَّدُودُ لِأَ وْلِيسَائِي فَيَقُومُ قَوْمُ لَيْسَ عَلَى وَجُوهِمٍ لَحْمُ ؛ فَيُقَالُ : هَوُ لَآءِ النَّذِينَ آذَوُا الْمُؤْمِنِينَ وَنَصَبُوالَهُمْ وَعَانَدُوهُمْ وَعَنَّعُوهُمْ فِي دِينِمِ عَلَى وَجُوهِمٍ لَحْمُ ؛ فَيُقَالُ : هَوُ لَآءِ النَّذِينَ آذَوُا الْمُؤْمِنِينَ وَنَصَبُوالَهُمْ وَعَانَدُوهُمْ وَعَنَّعُوهُمْ فِي دِينِمِمْ عَلَى وَبُومَ إِلَيْ جَهَنَا مَنْ .

- ٢- نوايا حفرت الم جعفرصا دق عليه اسلام في تيامت ك ون ايك منادى نداكر الكيكاكها ناين ركا دا بيدا

کرنے والے میرے دوستوں کے معاملہ میں میں کھی لوگ کھڑے ہوں کے جن کے چروں پرگوشت ندخ دگاان کے لئے کھا جائے گا یہ وہ لوگ میں جنھوں نے موسنوں کوسنایادن سے تعسب برتا ، وشمنی کی ، ان پرخلم کیا ۔ مکم بہوگا انحبیں جہنم میں ڈالو-

٣ ـ أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ نُعَدِيْنِ عَبْدِالْجَبِّ إِنْ عَنْ ابْنِ فَضَّالٍ ؛ عَنْ تَعْلَبَ ةَبْنِ مَيْمُونِ عَنْ حَمَّادِبْنِ بَشِيرٍ، عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَى اللهِ عَلْمَ عَلَى اللهِ عَلْمَ عَلَى اللهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللهِ عَلَ

سر قربایا حفرت امام جعف رصادق علیال المام نے کردسول اللہ نے قربایا کہ فدا نے فربایا ہے جس نے میرے دوست کی قربین کو مجھ سے جنگ برتیار مروا۔

٤ عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْأَبِهِ ، عَنِ إَبْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنِ الْحُسَيْرِ بْنِ عُمْانَ ، عَنْ عَنْ عَبْ الْمَ عَنْ أَبِي حَمْزَةَ عَمَّنَ ذَكَرَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَى قَالَ : مَنْ حَقَرَ مُؤْمِناً مِسْكِيناً أَوْغَيْرُ مِسْكِينِ لَمْ يَزَلِ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ خَاقِر ٱللهُ مَا قِناً ، حَنْ مَحْقَرَ يَهِ إِيتًا ، .

م - فرمایا حفرت امام جعفرصا دق علیه اسلام خص نرکسی مومن مسکین طغیرسکین کوحقیر مجعار خدااس کو دلیل کرسے گا اور اس پر عفی ب ناک رہے گا جب تک وہ اس مومن کی حقارت سے با زن آسے -

٥ - عَنَّ بَعْنِي ، عَنْ أَحَمْدَبَنِ عَنِّ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ النَّعْمَانِ ؛ عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ؛ عَنْ مُعَلَّى بْنِ خُنَيْسٍ قَالَ : سَمِقْتُ أَبَاعَبْدِ اللهِ عَلَيْ يَعُولُ: إِنَّ اللهَ تَبَارَكَ وَتَعَالَى يَقُولُ : مِنْ أَهَانَ لِي وَلِينَا فَقَدْأَدَ سُدَ فَخُنَيْسٍ قَالَ : سَمِقْتُ أَبَاعَبْدِ اللهِ عَلَيْ عَمُولُ: إِنَّ اللهَ تَبَارَكَ وَتَعَالَى يَقُولُ : مِنْ أَهَانَ لِي وَلِينَا فَقَدْأَدَ سُدَ لَيُعَالَ بَهِي وَلِينًا فَقَدْأَدُ سُدَ لَهُ لِي اللهُ عَنْ مُعَلَّى اللهُ عَنْ مُعَلَّى اللهُ عَنْ مُعَلَّى اللهُ عَنْ مُعَلِّى اللهُ عَنْ مُعَلَّى اللهُ عَنْ مُعَلِّى اللهُ عَنْ مُعَلَّى اللهُ عَنْ مُعَلَّى اللهُ عَنْ مُعَلِّى اللهُ عَنْ مُعَلِّى اللهُ عَنْ عَلَيْ اللهُ عَنْ مُعَلِّى اللهُ عَنْ مُعَلِّى اللهُ عَنْ عَلَيْ اللهُ عَنْ مُعَلِّى اللهُ عَنْ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ عَلَيْ اللهُ عَنْ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْدَ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْكُ اللهُ عَلَيْ اللّهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْ اللّهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولِي اللّهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُولُولُولُولُولُ اللّهُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُولُولِكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُولُولُولُولُولُولُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلْمُ عَلَيْكُولُولُولُولُولُولُولُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُلُولُ عَلَيْكُولُولُولُولُولُولُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُولُولُولُ عَلَيْكُولُ عَلَيْكُلُ

۵-رادی کمتلہ حفرت ام جعفرصادت علیہ اسلام نے فرایا کہ خدا نے (مدیثِ قدسی میں) کملہ عبس نے میرے دوست کو دلل کیا وہ مجھ سے خیار میں مرتبے سے زیادہ اپیٹ اولیاری نعرت کرنے والا ہول -

٢ ـ عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِزِيَادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ، عَنْ هِمَّامِ بْنِ سَالِم عَنْ مُعَلَّى بْنِ خُنَبْسِ ، عَنْ أَبِي عَنْ هِمَّامِ بْنِ سَالِم عَنْ مُعَلَّى بْنِ خُنَبْسِ ، عَنْ أَبَي عَبْدَى اللهُ عَرَّا بَعْ عَلْ اللهُ عَلَى اللهُ عَرَّا وَ حَلَّ : قَدْنَا بَدَنِي مَنْ أَذَلَ عَبْدِي اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ وَ حَلَّ : قَدْنَا بَدَنِي مَنْ أَذَلَ عَبْدِي اللهُ عَنْ أَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّ

١- ووايا صفرت ١١م جعفوص أق عليدا سلام ن كررسول الشرف فراياكه الله تعالى في فرايا بع جس فيمر عبده

مومن كودلييل كيا است كعلم كعلا كجه سع وشمى مول ل-

۱ دادی کہتا ہے ہیں نے حفرت امام جعفرصاد ق طلبہ السلام سے سنا کہ رسول اللہ نے فرمایا کہ خدا کہتا ہے جس فیرسے دوست کی دہیں کا دہ میری جنگ پر آمادہ ہوا اور میرا تقرب بندہ نے اس چیزسے حاصل کیا ہو مجھے زیادہ محبوب ہے لائی جو میں نے اس پر واجب کیا ہے اسے پورا کرکے اور وہ اس تقرب کو زیادہ کر تلہے نا فلہ اوا کرکے تاکہ میں ہے دوست رکھوں اور جب میں اے دوست رکھتا ہوں۔ تر میں ہم وتا ہوں اس کاحق سامع جس وہ سنتا ہے اور جس بامرہ حرب سے وہ دیکھتا ہوں۔ تر میں ہم وتا ہوں اس کے ہاستہ ہوتا ہوں جس سے وہ حملہ کرتا ہوں اور میں اپنا میں میرے مکم کے بعد جب سرز دہوتی ہی بید چاروں ہا تیں میرے مکم کے کہوجب سرز دہوتی ہی بید جا دہ مرتا نہیں جا بتا تو میں اس کو آزادہ کرنا نہیں جا تا۔

گرموت موس کے لئے جب بندہ مرتا نہیں جا جا تا تو میں اس کو آزادہ کرنا نہیں جا تا۔

٨ ـ عِدُّة مِنْ أَصَّحَابِنَا ؛ عَنَّ أَحْمَدَبْنُ عَلَيْبَ خَالِدٍ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ أَي سَعِيدِ الْقَمَّاطِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ تَغْلِبَ ، عَنْ أَي جَعْفَرِ تَلْقَبِّ قَالَ : لَمَا أَسْرِي بِالنّبِي وَالْهُوْمِنِ عِنْدَكَ ؟ قَالَ : يَا عُنَّ أَهْانَ لِي وَلِينًا فَقَدْ بَارَذَنِي بِالمُحَارَبَةِ وَأَنَاأَسْرَعُ شَيْءٍ إِلَى نَعْرَةً وَالْمَوْمِنِ عِنْدَكَ ؟ قَالَ : يَا عُنَّ مَنْ أَهَانَ لِي وَلِينًا فَقَدْ بَارَذَنِي بِالمُحَارَبَةِ وَأَنَاأَسْرَعُ شَيْءٍ إلى نَعْرَةً وَالْمَوْمِنِ عَنْ مَنْ عَنْ شَيْء أَنافَاعِلُهُ كَثَرَدُ دِي عَنْ وَلَوْ صَرَفْتُهُ إِلَى غَيْرِ ذَلِكَ لَهَلَكَ ، وَإِنَّ مِنْ عِبَادِي الْمُوْتِ وَأَكْرَهُ مَسَاءَتَهُ ؛ وَ الْمُؤْمِنِ عَنْ لَا يَسْلَحُهُ إِلاَّ الْفِنْ فَلَوْ صَرَفْتُهُ إِلَى غَيْرِ ذَلِكَ لَهَلَكَ ، وَإِنَّ مِنْ عِبَادِي الْمُؤْمِنِينَ مَنْ لَا يَسْلَحُهُ إِلاَّ الْفِنْ فَلَوْ صَرَفْتُهُ إِلَى غَيْرِ ذَلِكَ لَهَلَكَ وَمَا يَتَقَرَّ بُ إِلَيْ عَبْدُ مِنْ عِبَادِي الْمُونَ وَأَكُومُ مَنْ عَبْدِي وَلَوْ صَرَفْتُهُ إِلَى غَيْرِ ذَلِكَ لَهُلَكَ وَمَا يَتَقَرَّ بُ إِلَى عَبْدُ مِنْ عِبَادِي الْمُونِي وَالْمُ مَنْ لَا يَسْلَحُهُ إِلاَ الْفَقْرُ وَلُوصَ وَقُو مَنْ فَي بَاللّٰ فِلَةِ حَتَىٰ الْمَالِقُ وَمَا الْفَتَرَعْتُ عَلَيْهِ وَإِنّهُ لَيَتَقَرَّ بُ إِلَى غَيْرِ ذَلِكَ لَمُلْكُ وَمَا الْمَوْمُ وَالْمَوْمُ وَالْمُومُ وَلِي اللّهُ فِلَةِ حَتَىٰ الْمُ فَي فِي وَيَدَهُ النّهِ يَبْعِلُ مِنْ عَلَاهُ إِلَى عَبْدِي مَا الْمَافِقُ فِي وَيَدَهُ النّهُ عِنْ وَيَدَهُ النّهُ وَالْمَالَ مُعْلَى اللّهُ عَلَوْ اللّهُ عَلَيْهُ وَيَدَهُ الْمَالَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ وَلَا اللّهُ عَلَيْهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللللّهُ الْمُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُولُ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَى ا

اورتمام اعفاء کرکت مو تون برجاتی بے تدیر اہلی پرجبیا کرفرافرانگے۔ فینسا وہ للیسدی ۔
اورمحنف طی نوراللہ مرقدہ نے فرایا ہے عارف جب معاملات دنیا ہے اپنے نفس کو قطع کر این ایسے جو
حق ہ اتصال کر ابنا ہے تو وہ دیکھتا ہے کہ اس کی ہرتدرت اس قدرت کے بحرج بت میں ڈولئ ہو لئے ہے جو
صفعات ہے تمام مقدورات سے اور برطام خرق ہے اس طمیع جست موجودات کی کوئی شے پوش بین اور
اس کا ہرار اوہ مستفرق ہوجاتا ہے اس ارادہ میں جس سے حکنات کی ہرشے وجود میں آتی ہے اس منزل پرخی اس
کی بھرین جاتا ہے جس سے وہ دیکھتا ہے اور کان بن جاتا ہے جس سے دہ سنتا ہے اور اس کی قدرت بنتا ہے جس
سے وہ کام کرتا ہے اور علم بنتا ہے جس سے وہ جاتا ہے بین اس حالت میں عارف کا بل فی الحقیقت احماد ق

٩ - عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبَدٍهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ بَمْضِ أَصْحَادٍهِ ، عَنْ أَبِيهِ عَنِي اللهِ عَلَيْ إِلَيْ عَنْ اللهِ عَنْ أَبَدِهِ وَلِنَقْرِهِ شَهَّرَ وُاللهُ يُومَ ٱلْقِيْامَةِ عَلَىٰ رُؤْسُ الْخَلائِقِ : قَالَ : مَنِ اسْنَذَلَ مُؤْمِناً وَاسْنَحْقَرَ وُ لِقِلْةٍ ذَاتِ يَدِهِ وَلِفَقْرِهِ شَهَّرَ وُاللهُ يُومَ ٱلْقِيْامَةِ عَلَىٰ رُؤْسُ الْخَلائِقِ : قَالَ : مَنِ اسْنَذَلَ مُؤْمِناً وَاسْنَحْقَرَ وُ لِقِلْةٍ ذَاتِ يَدِهِ وَلِفَقْرِهِ شَهَّرَ وُاللهُ يُومَ ٱلْقِيْامَةِ عَلَىٰ رُؤْسُ الْخَلائِقِ :

۹۔ زبایا صاوق آل محرکے کہ جس نے بندہ ہوئن کو ذمیس کیا اور اس کی عمرت و تنگارستی کے سبب اسے دمیل وحقیر جانا دلٹر تعالیٰ روز تیا دیت تمام محنلون کے ساھنے اسے مشتم کرسے گا یعنے بری کی علامت اس کے چرہ پڑایاں کر کے لوگوں پر ظاہر کردیتاہیے

مَنْ يُونُسَ ، عَنْ مُعْاوِيَةً ، عَنْ عُبَدِينِ عِيسَى ، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ مُعَاوِيَةً ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الله

۱۰ فرمایا حفرت الم جعفرصادق علیا اسلام نے کرسول الترف فرایا - شب معواج بسب پرده فدان بھے بیر دی کی جو چاہا اور کی مجموع ہے ہے واسط کلام کیا ۔ اسے محد جرب نے میرے دوست کو فسل کیا اس نے مجھ سے جنگ کی اور میر محق ہے جنگ کی اسے محد جرب نے میرے دوست ہے یہ تو ہس نے مجھ سے جنگ کر دی گاہیں نے کہا اے میرے رب یہ تیراکون دوست ہے یہ تو ہس نے جان بیا کر جو تجھ سے جنگ کر سے گا تو مجھ اور تھاری تھاری تھاری اور تھاری اور تھاری تھاری

اخاف بلدم لاع المنظمة المنظمة

١١ . عَلِيَّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عُلَيْبَنِ ، عِيسَى ، عَنْ يُونُسَ ، عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ خَنْسِ ، غَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ مُعَلِّى بْنِ خَنْسِ ، غَنْ أَبِيرَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَنْ أَبَيْ عَنْ اللهُ عَنْ أَبَيْ عَنْ اللهُ عَنْ أَبَيْ عَنْ اللهُ عَنْ أَبَيْ عَنْ اللهُ عَنْ أَلَهُ عَنْهُ وَ أَنَا فَاعِلُهُ كَثَرَدَّ دِي فِي عَبْدِي الْمُؤْمِنَ ، إِنْهِ الْمُؤْمِنَ فَقَدْ بْأَرْزَنِي بِالْمُخْرَةُ وَمُا تَرَدَّ دُتُ فِي شَيْءٍ أَنَا فَاعِلُهُ كَثَرَدَّ دِي فِي عَبْدِي الْمُؤْمِنَ ، إِنْهِي الْمُؤْمِنَ ، إِنْهُ لَيَدْعُونِي فِي الْأُمْرِ فَأَسْتَجِبُ لَهُ بِمَا هُوَخَيْرُ لَهُ .

اد فرمایا حفرت امام جعفرما ون علیدان المام نے کردمول الله نے فرمایا حسب نے میرے بندہ مومن کو دلیسل کیا تو وہ میری جنگ برآمادہ بہوا میرا تردد کسی نسے جس کا میں ایسا نہیں جیسا اس بند کہ مومن کے متعلق جس کی لقا کو میں دوست رکھتا بہوں اور وہ موت سے کرا ہت کرتا ہے ہیں اس کو اس سے بٹا دیتا بہوں جب وہ مجھسے دعا کرتا ہے تو میں جوامراس کے لئے بہتر بہرتا ہے اسے قبول کرلیتا ہوں -

دوسوچوہ شروال باب ان لوگوں کے بارے میں جو دوسروں کے بیب ڈھونڈتے ھیں

((بالث)) ۲۵/۲ ((بالث)) «(مَنْ طَلَبَ عَفَراتِ الْمُؤْمِنِينَ وَعَوْدا تِهِمْ) ﴿

ا - عُمَّدُ بُن يَحْيى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عُلَيْهِ عِيسَى ، عَنْ عَلَيْهِ نِ سِنَانِ ، عَنْ إِبْرَاهِيمَ وَالْفَصْلِ ابْنَى يَرَدِدَ الْأَشْعَرِيّ ، عَنْ عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ بِهِ عَنْ زُرَازَة ، عَنْ أَبِي جَمْفَ وَأَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ فَالْا : أَفْرَبُ مَا يَكُونُ الْعَبْدُ إِلَى الْكُفْسِ أَنْ بُواخِيَ الرَّ جُلَ عَلَى الله بِنِ فَيُحْصِي عَلَيْدِ عَثَرَاتِهِ وَ ذَلْآتِهِ لِيُعَنِّفَهُ مَا يَكُونُ الْعَبْدُ إِلَى الْكُفْسِ أَنْ بُواخِيَ الرَّ جُلَ عَلَى الله بِنِ فَيُحْصِي عَلَيْدِ عَثَرَاتِهِ وَ ذَلْآتِهِ لِيُعَنِّفَهُ مِا يَكُونُ الْعَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ بَنِ فَيَحْصِي عَلَيْهِ عَثَرَاتِهِ وَ ذَلْآتِهِ لِيُعَنِّفَهُ إِلَيْ الْمُعْدِلُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْواتِهِ وَ وَلَا يَعْلَى اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ

٧- عُمَّدُ بِنُ يَحْيَى ، عَنَاحَمْدَ بْنِ عَنَ عَلْى عَنْ عَلْى بْنِ النَّعْمَانِ ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ عَمَّارِ قَالَ : سَعْتُ أَبْاعَبْدِ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلْمَ عَنْ اللهِ عَوْدَ اللهِ عَنْ اللهُ عَوْدَ اللهِ عَوْدَ اللهِ عَوْدَ اللهِ عَنْ اللهُ عَوْدَ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَوْدَ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَوْدَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ عَوْدَ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ

عَنْهُ ؛ عَنْ عَلِيّ بْنِ النُّهُمَانِ ، عَنْ أَبِي الْجَادُودِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ إِلَيْلِا مِثْلَهُ .

۲-فرایا به عبد الشوه ایدار می از الشرخ قرایا ساسه وه ایکوج مرت زبان سے بمسلام لائے ہوا در ایمان خلوص کے ساستھ ان می وال می شہری سی استحال کی مذہبت مذکر دور د خدا تمہا رسے بوسشیدہ عمیب شکال کوڈا کرے گا اور تم ذلیل موجا دُگے۔ چاہے اپٹے گھرین میں کیوں شہور

٣ ـ عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بَنْ غَيَرِ خَالِدٍ ؛ عَنْ عَلِيتِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ الْحَكَمْ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ الْحَكُمْ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ الْحَكُمْ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ أَنَّ عَنْ أَلَى اللهُ عُولًا عَنْ أَلَا عَنْ أَلَا عَنْ أَلَا اللهُ بِنِ فَيُحْمِى عَلَيْهِ عَنْ أَيْهِ وَزَلَاتِهِ لِنُعَنْفَهُ بِهَا يَوْمَأَمَا .

٣- اس كا ترجم مديث ا ولي كزرا-

٧- دسول الله ف فراياسه وه وكو اجود بان اسلام لائ دل ساقبول بذكيا يسلمانول كالغرشين الماش د كروجوا يساكر عدك الملابس كعيب طابركردس كا اوروه دسوا بوكرديد كا -

٥ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ عَلِي بْنِ إِسْمَاعِيلَ ، عَنْ ابْنِ مُسْكَانَ عَنْ غَلِي بْنِ إِسْمَاعِيلَ ، عَنْ ابْنِ مُسْكَانَ عَنْ غَلِي بْنِ إِسْمَاعِيلَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمْ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ رَالْتُ عَلَيْكُمْ قَالَ عَمْراتِ عَنْ عَنْ اللهُ عَمْراتِ وَمَنْ تَتَبَّعَ اللهُ عَمْراتِهِ وَمَنْ تَتَبَّعَ اللهُ عَمْراتِهِ وَمَنْ تَتَبَّعَ اللهُ عَمْراتِهِ وَمَنْ تَتَبَعَ اللهُ عَمْراتِهِ وَمَنْ تَتَبَعَ اللهُ عَمْراتِهِ يَفْضَحُهُ وَلَوْفِي جَوْفِ بَيْنِهِ . الْمُؤْمِنِينَ فَانَ مَنْ تَتَبَعَ عَمْراتِهِ عَمْراتِهِ عَمْراتِهِ عَمْراتِهِ عَلَيْهِ اللهُ عَمْراتِهِ وَمَنْ تَتَبَعَ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُ اللهُ اللهُولِي اللهُ ال

۵۔ رسول الشرنے قرایا کر مومنین کی ضطائوں کو ٹلامشس نہ کر دجوا پنے بھائی کی غلطیاں تلاش کرے گا اللہ اسس کی غلطیاں ا جاکر کر دے گا اورحس کی غلطیاں خدانے ا جا گرکیں توجا سے ا سپنے گھسد ہی مسیس کیوں نہ بہو وہ رسوا ہو کر دہے گا۔

٦- عِدَّةُ مِنْ أَصَّحٰابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ عُلَيْنِ خَالِدِ ، عَنِ ابْنِ فَضَّالِ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ ذُرْادَةَ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عِلِي قَالَ : أَقْرَبُ مَا يَكُونُ ٱلْعَبْدُ إِلَى الْكُثْرِ أَنْ يُواخِي الرَّ جُلُ الرَّ جُلَ عَلَى الدِّ مِنْ فَيْحْمِي عَلَيْهِ زَلْاتِيلِعَيْشَ مُ بِهَا يَوْمَأَمَا .

۹ رحفرت ۱۱م محربا قرطیدالسلام نے فرایا ککفرسے کس قدر قربب سے برکہ ایکٹ خس کسی کواپنا دینی مجائی بنلسے اور مچھران کہ خیا دُس کڑھے کرے تاکہ اس کوعیب دیگلئے اور مرزنش کرہے ۔

٧ - عَنْهُ ؛ عَنِ ابْنِ فَضَّالِ ، عَنِ ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ اللهِ قَالَ : أَبْعَدُ مَا يَكُونُ الْعَبْدُ مِنَ اللهِ أَنْ يَكُونَ الرَّ جُلِ دُهُو يَحْفَظُ [عَلَيْهِ] زَلاَتِهِ لِيُعَبِّرَهُ بِهَا يَوْمَا مَا .

ے۔ فربایا حفرت امام جعفر صادت علیدانسلام نے سب سے ذیادہ فداسے دور رہنے والی بات سے کر ایک خص کی کو اپنا دینی بھال بنائے اور بچواس کی فلطیاں یا دکرے اس لئے کہ ایک دن اسے عیب سکلئے اور سرزنش کرسے -

دوسو مجهیتروال باب مذمت سرزنش دومن (بناب التَّعْبير) ۲۷۵

١ - عَلِي ثُن إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرِ ، عَنِ ٱلحُسَيْنِ بْنِ عُثْمَانَ ، عَنْ رَجُلٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ السَّلامُ قَالَ : مَنْ أَنْبَ مُؤْمِنا أَنْبَهُ اللهُ فِي الدُّنْيا وَالآخِرةِ .

ا د فرمایا حفرت امام جعفرصا دق علبالسلام نے بوکوئی بندہ مومن کوسرزنش کرسے کا خدااس کو دنیا و آصندت میں سرزنش کرسے کا ۔

٢ ـ عَنْهُ ؛ عَنْ أَبَهِ ، عَنِ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَ بْنِ عَمَـّـارٍ ؛ عَنْ إِسْحَاق بْنِ عَمَـّـارٍ ، عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ تَلْكُنْ كُمْبْتَدِينها وَمَنْ عَيْشَرَمُؤْمِناً بِشَيْءٍ لَمَيْ عَبْدَ اللهِ عَلَى يَرْ كَبَهُ أَنَ
 لَمْ يَمَنْ حَنْ فَى يَرْ كَبَهُ أَنْ

۲۔ وشد ما با حفسرت ۱ مام جعف رصادتی علیہ سیلام نے جس نے بدکام کوسٹیرٹ دی وہ اسس کی مانند ہے جس نے اسس کی ابت دادکی ادرجس نے کسی کام پر مومن کوسرزنٹس کی رمرنے سے پہلے وہ اسس کا مرتکب ہوگا۔

ان فرمايم المنظمة المن

٣ - عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ يَحْيَى ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ عَيْرَبْنِ عِيسَى ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ بْنِ سِنَانِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلْمَ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَلْمَ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ اللهِ ال

١٠ جى نے مومن كوكسى لعل برمرزنش كى - وه مرنے سے پہلے اس كا مرتكب موكا -

٤ - عِدَّةٌ مِنْأُصَحْابِنا ، عَنْ أُحَمَدَبْنِ عَمَّرِبْنِ خَالِدٍ ، عَنِ ابْنِ فَضَالٍ ، عَنْ حُسَيْنِبْنِ عُمَرَبْنِ مُلَيْمَانَ ، عَنْ مُعاوِيَةَبْنِ عَمَّادٍ ، عَنْ أَبِيَعَبْدِاللهِ عَلَيْهِ السَّلامُ فَالَ : مَنْ لَقِيَ أَخَاهُ بِمَا يُؤَنِّبُهُ أَتَّبَهُ اللهُ فَى الدُّنْيَا وَالآخِهِ رَةِ .
 في الدُّنْيَا وَالآخِه رَةِ .

٧٠ فرایا حفرت ۱ مام جعف رها دق علیهٔ اسلام نے جربنده مومن کومرزنش کرنے آئے گا اللہ دنیا و آخرت میں آسے سرونش کرے گا-

روسوچیم شروال باب غیبت دبهتان (باب) ۲۷۷

»(الغيبةِ وَالْبَهْتِ_اهِ

١ - عَلِي مُن إِبْرَاهِيمَ ، عَن أَبَيهِ ، عن النّوفكيّ ، عَن السّكونيّ ، عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَلَى اللّهَ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَن الْأَكْلَةِ فِي جَوْفِهِ .
 قال دَسُولُ اللهِ وَاللّهُ مِنْ اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهِ عَنْ الْأَكْلَةِ فِي جَوْفِهِ .

قَالَ : وَقَالَ رَسُولُ اللهِ وَالنَّهِ وَالْجُلُوسُ فِي الْمَسْجِدِ إِنْتِظَارَ الصَّلاَةِ عِبَادَةٌ مَالَمْ يُحْدَثُ ، بَيلَ: الْاَغْتِيابَ .

۱- فرایا حفرت امام جعفه معادت علیه اسلام نے کہرسول النٹر نے فرما یا- غیبت مردسلمان کے دین کو اس طسوع بلاک کم تی ہے جس طرح سر طان (کینسر) کسی کے بیٹ میں مہوا وراسے ہلاک کر دسے اور یہبی فرمایا کہ سجد کے اندر انتظار میں بیٹے نام واقع نہ مہور لوگوں نے پوچھیا وہ کیا- فرمایا غیبت گوئی نہ مہور

٢ - عَلِي بُنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ؛ عَنْ بَعْضِ أَصْحَابِهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ وَجَلَ : دَإِنَّ اللَّهُ بِنَ قَالَ اللهُ عَنْ وَجَلَ : دَإِنَّ اللَّهُ بِنَ

يُحِبُّونَ أَنْ تَشْبِعَ الْفَاحِشَةُ فِي الَّذِينَ آمَنُوا لَهُمْ عَذَابُ أَلِيمُ .

۷- فرمایا امام جعفر مسادت علیدانسدام نے بی نے کسی کومن کے بارے میں ہروہ بات کردی بوآ کمرسے دیکی یا کانسے سن مہوتو وہ ان لوگوں میں سے بیع بن کے بارے میں فدا فرما تھے وہ اس بات کو دوست رکھتے ہیں کم دمنو کے متعملی بُری بایش مشہور کریں ایسے لوگوں کے بیئے دردناک عذاب ہے -

٣- اَلْحُسَيْنُ بِنْ عَبْهِ ، عَنْ مُعَلَى بْنِ عَبْهِ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِي الْوَشَاءِ عَنْ دَاوُدَ بْنِ سِرْ حَانَ قَالَ :
 مَا أَنْتُ أَبْاعَبْدِ اللهِ عَلِيدٍ عَنِ الْغِيبَةِ قَالَ : هُوَأَنْ تَغُولُ لِأَجْبِكَ فِي دِينِهِ مَالَمْ يَغْعَلُ وَتَبْتَ عَلَيْهِ أَمْراً قَدْ سَتَرَ وَاللهُ عَلَيْهِ لَمْ يَغَمَّلُ وَتَبْتَ عَلَيْهِ أَمْراً قَدْ سَتَرَ وَاللهُ عَلَيْهِ لَمْ يَغَمَّلُ وَتَبْتَ عَلَيْهِ أَمْراً قَدْ سَتَرَ وَاللهُ عَلَيْهِ لَمْ يَغْمَلُ وَتَبْتَ عَلَيْهِ أَمْراً قَدْ سَتَرَ وَاللهُ عَلَيْهِ لَمْ يَعْمَلُ وَتَبْتَ عَلَيْهِ أَمْراً قَدْ

سررادی کېتلې يى نے امام جعفر مسادق عليه اسلام سے غيبت كے متعلق له چا فرمايا ده يہ ہے كه تم لهنے دينى كھائى كے متعلق ده بات بيان كروجواس نے دى كې داورايسا امراس كے لئے تابت كروجى كوائل نے جھپا يا ہواوراي بر عد شرى سندكائى گئى ہو۔ دكائى گئى ہو۔

٤ عِدْ أَمْ مِنْ أَصْحَابِنا ، مَنْ أَحْمَدَ مِنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنْ هَارُونَ بْنِ ٱلْجَهْمِ ، عَنْ حَفْسِ ابْنِي عَمَر . عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ لَمِن اللهَ اللَّهِ عَنْ أَللهُ اللهَ اللَّهُ اللهَ لَمَن اللهُ اللَّهُ عَمْر اللهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهِ عَنْ أَللهُ اللهُ اللَّهُ عَنْ أَللهُ اللَّهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللهُ اللَّهُ اللَّا اللَّهُ اللّ

ہ رحفرت رسول فداسے کسی نے بچھا کو فلیبت کا کفارہ کیا ہے فرایا جس کا تم نے فلیبت کی جی بھی اس کی یا وکسٹے اس کے لئے خداسے است ففاد کرور

ه . عَنَّابُنُ يَحْيَى ، عَنَّ أَحَمْدَبُنُ عَنِي عِيسَى ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ مُالِكِ بْنِ عَطِينَةً عَنِ ابْنِ أَبِي يَمْفُودٍ ، عَنْ أَبِي عَنْ الْكِ بْنِ عَطِينَةً عَنِ ابْنِ أَبِي يَمْفُودٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدَالله عَلَيْكُ فَالَ : مَنْ بَهَتَ مُؤْمِنًا أَوْمُؤُمِنَةُ بِمَا لَيْسَ فِيهِ بَعَثَهُ الله في طبينة خَنِ ابْنَ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَنْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَيْ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ الله

۵ - فرمایا حفرت امام چوغرصادتی علیالسلام فرجس نے کسی مومن یا مومند پرتهمت دکھی خدااسے دو فرقیامت طینت نبال سے اسمائے گا پوچھا طینت خبال کیاسے فرمایا وہ برپ ہے چوزنا کارعور ترب کی شرم کا بہوں سے نکلے گا ۔ ۱۰ - غَدَابُن یَعْبَی ، عَنْ أَحَدَدَ بْنِ نَعْبَ ، عَنِ الْعَبْ اسِ بْنِ عَامِرِ ، عَنْ أَبَانِ ، عَنْ دَجُلِ الْاَعْلَمُهُ إِلّا

الله على الله على الله على الله على المعلى على الله على الله على الله على الله على الله على الله الله على الله الله على الله على

CATALLA CALLA CALL

النان لَمْ يَغْتَبُهُ وَمَنْ ذَكَرَهُ مِنْ خَلْمِهِ مِنْ خَلْمِهِ مِنْ خَلْمِهِ مِنْ فَمَ مِنْ فَكَنَّهُ النَّاسُ لَمْ يَغْتَبُهُ وَمَنْ ذَكَرَهُ مِنْ خَلْمِهِ مِنْ فَمَ مِنْ فَالْمَدُ فَاللَّهِ مِنْ فَكَنَّهُ

عَرَّفَهُ النَّاسُ لَمْ يَغَنَّبُهُ وَمَنْ ذَكُرَهُ مِنْ خَلْفِهِ بِمَا هُو مُنْ دِينًا لَا مِن النَّابُ وَ مَن دُكْرَهُ بِمَالَيْسٌ فِيهِ فَقَدَّ بَهَتَهُ .

۷۔ فرایا حفرت امام موسی کا قلم علیہ اسلام نے جوکس ک بھی بشت ایسی بُرائی بیبان کرے جو لوگل پیرامشہود ہوگئ بھوا ور اس نے کی بھی بھو تو اس نے غیبست نہ کی اور جوالیسی بڑائی بیبان کرے جو اس نے کی بھو مگرمشہور نہ بھوئی بھو توسے غیبست بھو گی اورجیس نے ایسی بات بیبان کی جو اس نے ک نہ بھوتو ہے ہمثان ہے۔

" .. عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ' عَنْ عَيْسِي، عَنْ يُونِسَيْنِ عَبِسْلَى، عَنْ عَبْدِالرَّ حُمْنِ بْنِ مَالَةُ عَلَيْهِ وَ أَمَّالاً مُنُ سَبَابَةَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِاللهِ عِلَيْهِ وَأَمَّالاً مُنْ سَبَابَةَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِاللهِ عِلَيْهِ وَ أَمَّالاً مُنْ سَبَابَةَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِاللهِ عِلَيْهِ مَعْدُولُ : الْفِيدَةُ أَنْ تَعُولُ فِيهِ مَالَيْسَ فِيهِ . النَّالِهُ فَالْمَالُ الْحِدَةَ وَ وَالْسَحَلَةِ فَلا ؛ وَالْبَهْنَانُ أَنْ تَعُولُ فِيهِ مَالَيْسَ فِيهِ .

٤٠ قرایا د مام جعفوسا دن علیه اسلام نے نیبت بیسپے کرتم اپنے بھائی کے بارسے میں بُری بات کہوج می کو النّد نے چپایا ہو۔ مکین جو فیہت کھلم پوچسے تند مزاجی یا جلد بازی تو دہ نیبت نہیں۔

د وسوستهنروال باب نقلب خن برموس

(بَاكِ) ٢٧٤ ١٥(الرِّوْايَةِ عَلَى الْمُؤْمِنِ)٥٥

ا عَنْ مُقَضَّلِ بْنِ عَنْ أَحَمْدَ بْنِ عُلَيْ بْنِ عِيسَى ، عَنْ عُلْوَبْنِ سِنَانٍ ، عَنْ مُقَضَّلِ بْنِ عُمَرَ قَالَ : قَالَ لِي أَبَوْعَبْدِاللهِ عِلْمَ اللهِ عَلَى مُوْمِنِ مِنْ أَعْبَىٰ رِوْايَةً يُرِيدُ بِهَا شَيْنَهُ وَهَدَّمَ مُرُوعَتِهِ لِيَسْقُطَ مِنْ أَعْبَىٰ النَّاسِ أَخْرَجَهُ اللهُ مِنْ وَلا يَتِهِ لِلْ وَلا يَقِ النَّاسِ فَلا يَقْبَلُهُ الشَّيْطَانُ .

ار و شرما یا حفرت ا ما مجعفه مساوق کیرانسلام نے جوکوئی بندهٔ مومن کی تعلق ایسی دوایت بیان کرکسیے جس سے اس کے ع عبب ظاہر بردں اس ک مروت خشم بیرجائے اور نوگوں کی ذکا جول میں اس کا و شارخم بیوجائے تواللٹراس کو اپنی والایت سے نکال کر د لایت شیطان جی داخل کرتاہے اور شیطان بھی اس کو تبول ہیں کرتا۔ ٢ _ عَنْهُ ، عَنْ أَحَمْدَ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ عَدْ اللهِ بْنِ سِنَانِ قَالَ : قُلْتُ لَهُ : عَوْرَةُ الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُدُومِنِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ قَالَ : لَيْسَ حَيْثُ تَذْهُبُ ، إِنْكُمْ اللّهُ عَنْ عَدْدُومِ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ قَالَ : لَيْسَ حَيْثُ تَذْهُبُ ، إِنْكُمْ اللّهُ عَنْ عَدْدُومِ اللّهُ اللّهُ عَلْمُ اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى الْمُسَاعِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلْمُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلْمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى عَلَالُهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَامِ عَلْمُ عَلَيْهِ عَلَالْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلْ

ا عبدالله سنان سعروی بد كرين فحفرت سد كها كيا عورت اومن الرمن برح ام ب فرايا. إلى يس ف الما كيا اس سعم ادات كي دو دون شرع كا بي بير - فرايا ايسا نهين به بلكاس سعم ادات مي مومن كا دا فكولنا -

٣ - عَلِمُ أَنْ إِبْرَاهِيمَ ' عَنْ عُرَبِّنِ عِيسَى ، عَنْ يُونْسَ ' عَنِ الْعُصَيْنِيْنِ مُخْتَارِ ، عَنْ ذَيْدٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدَالُ عَتِمْ أَنْ إِبْرَاهِيمَ ' عَنْ عُرَامُ الْمُؤْمِنِ عَلَى الْمُؤْمِنِ حَرَامُ ، قَالَ: مَاهُوَ أَنْ يَسْكَفِفَ عَنْ أَبِي عَبْدَالُ عَلَيْ الْمُؤْمِنِ حَرَامُ ، قَالَ: مَاهُوَ أَنْ يَسْكَفِفَ فَتَرَى حَدْلَهُ مِنْ اللّهُ وَاللّهُ عَلَيْهُ أَوْتُدْبِيهُ .
 فَتَرَى ﴿ لَهُ شَيْئًا إِنْهَا هُوَأَنْ تَرْدِي عَلَيْهِ أَوْتُدْبِيهُ .

فرایا حفرت الم جعفرها دق علیداسلام نے کر حورت مومن پروام بے نیکن اس سے بدمرا دنہیں کر خرگاہ کھول کرام یہ کوئن ک کول کرام یہ کو ف حقد و کیو اسلکران سے مراویہ ہے کہ اس کے متعلق کوفی ایسی یات یان کرے میں سے اس کاعیب ظاہر ہو۔

دوسوائهم شروال باب

(بَابُ الشَّمَاتَةِ) ٢٤٨

ا ـ عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمَدَبَنِ عَبَّرَ خَالِدٍ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ بْنِ فَسَأَالِ ، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ غَلِيّ الْنَهُ عَلَى السَّمَاتَةَ إِبْرَاهِيمَ بْنِ غَلَيْ اللَّهُ عَلَى عَبْدِاللَّهِ عَلَيْ السَّمَاتَةَ إِبْرَاهِيمَ بْنِ غَلَيْ السَّمَاتَةَ الْمُجِيدُ فَيَرَا لَهُ عَلَى السَّمَاتَةَ اللَّهُ عَلَى السَّمَاتَةُ وَيُمْ مَنَ اللهُ عَلَى السَّمَاتَةُ وَاللهُ عَلَى اللهُ اللهُ

اروندها باحفرت ا ما مجعفرصا وق عليا اسلام نے ، اپنے بجائی کی مصیبت پر انہاں فوشی نے کرور ور ند ا لنڈ اس پر دھم کرے گا اور وہ معیبت تم پر نا ذل ہوجائے گا اور بہ بھی هندوا یا۔ جواپنے بھائی کی معیبت پر شما تت کرے گا وہ ونیاسے نرجائے گا جب کے کمی آزاکش ہیں نر پڑجلئے۔ TINGLE TO THE PETERS TO THE PE

دوسواتاسی وال باب سباب رگلبالا)

(بالبِالسِّبَابِ) ٢٤٩

١ - عَلِي مَنْ إِبْرَاهِهِم ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ الشَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ الشَّلَامُ عَالَ اللهُ عَلَيْهِ السَّلَامُ عَلَى الْهَلَكَةِ .
 عَالَ : قَالَ دَسُولُ اللهِ بَهِ اللهُ عَلَى الْهُ وَمِنِ كَالْمُشْرِفِ عَلَى الْهَلَكَةِ .

ا فرطيا حفريندا مام جعفوه ا وقره ليذ السلام في كرديمون، للاً في فوطيا عومن كوگا لى دين و الا اسپنه كوجهنم مح كذاريس بهنچان و الاسبت .

٧- عِدَّةُ مِنْ أَصْحَابِنَا، عَنْ أَحَمَّدَبَنْ نَجْمَيْنِ عِبسَى، عَنِ ٱلخَسَيْنِيْنِ سَعِيدٍ، عَنْ فَضَالَةَ بْنِ أَيْهُوَبَ
 عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ بُكَيْرٍ، عَنْ أَبِي بَسِيرٍ، عَنْ أَبِي حَعْمَر بِهِع قَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِي بَسِيرٍ، عَنْ أَبِي حَعْمَر بِهِع قَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبِي بَسِيرٍ، عَنْ أَبِي حَعْمَ بِهِع قَالَ: قَالَ رَسُولُ اللهِ وَاللَّهِ وَاللَّهِ عَنْ أَبِي بَسِيرٍ، عَنْ أَبِي مَعْمِ بَهِ عَنْ أَبِي مِنْ فَعْمَ عَنْ أَبِي مَنْ أَبِي مِنْ فَعْمَ عَلَيْهِ كَخْرُمَةً وَاللَّهِ وَاللَّهِ عَنْ أَنْهُ كُنْهُ وَاللَّهِ عَلَيْهِ عَنْ أَبْهِ عَنْ أَنْهِ عَنْ أَنْهِ عَنْ أَنْهُ عَنْ أَنْهِ عَنْ أَنْهِ عَنْ أَنْهِ عَلَيْهِ عَنْ أَنْهِ عَلْهِ عَلَى اللَّهِ عَلَيْهِ عَنْ أَنْهُ عَلَيْهِ عَنْ أَنْهُ عَنْ أَنْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلْهُ عَنْهُ عَنْهِ عَنْهِ عَنْهُ عَنْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْهُ عَنْهُ عَنْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْ أَنْهِ عَنْهِ عَنْهُ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَنْهُ عَلَيْهِ عَلْهُ عَلْهُ عَلَيْهِ عَل

۲-فرمایا حفرت امام محد با قرعلیال الم از کردس لگا انتشار مومن کوگا ن دبیتے وا لاسب سے بڑا فامن ہے اس سے لڑنا کفریے اور اس کی غیبت کرنام عصب شدہت اور اس کے مال کا احترام اسی طرح لازم ہے۔ پیسے اس کے فون کا احترام لازم ہے۔

٣ - عَنْهُ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْهِ ضَاءِ بْنِ سَالِم ، عَنْ أَبَي يَصِيرِ ، عَنْ أَبَي جَعْفَر عِلِيهِ قَالَ : الْأَرْجُلامِنْ بَنِي تَمِيم أَتَى النَّيْقِ وَالْفَالَ : أُوَسِّنِيْ ، فَكُانَ فِيمَا أُوَسَّاهُ أَنَّ قَالَ : لاَ نَسْبَتُوا النَّاسَ فَتُكَنْسَبُوا الْعَدَاوَة بَيْنَهُمْ .

٧. فرمایا امام محد با قرطیدا مسلام نے کربنی تمبر کا ایک شخص رمول اللہ کے پاس آیا اورکہا کہ بھے کچھ ہدایت فرلسیے۔ پس مجملہ باتوں کے حفرت نے بریمی فرما یا کہ لوگوں کو گائی ندوہ کیونکہ اس سے آپس میں عدادت پدیدا ہوت ہے۔

٤ - إَبْنُ مَحْبُوبٍ ، عَنْ عَبْدِالرَّ حُمْنِ بْنِ الْحَجْنَاجِ ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ مُوسَى عَلَيْكُمْ فِي رَجُلَيْنِ يَسْلَبْنَانِ قَالَ ؛ الْبَادِي مِنْهُمَا أَظْلَمُ ، وَوِزْرُهُ وَوِزْرُصَاحِيهِ عَلَيْهِ ، مَالَمْ بِمَنْنَبِدُ إِلَى الْمَظْلُومِ .
يَسْلَابِنَانِ قَالَ ؛ الْبَادِي مِنْهُمَا أَظْلَمُ ، وَوِزْرُهُ وَوِزْرُصَاحِيهِ عَلَيْهِ ، مَالَمْ بِمَنْنَبِدُ إِلَى الْمَظْلُومِ .
يَسْلَ إِنْهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّلَّا اللَّهُ اللللّ

ہے۔ فرایا حقرت امام موسی کا فلم علیہ اسلام نے جیب دوآ دی آب میں ایک دوسرے کو گان دسے رہے مہول تو ایت دام کرنے والا زیادہ ظالم بیوگا اس کا اور اس کے دوسرے کا گنا ، اس پر بہوگا جب تک وہ مظلیم سے معانی ندمانگے۔

٥- أَبُوعَلِي الْأَشْمَرِيُ ، عَنْ نَعَدِبْنِ سَالِم ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ النَّضْرِ ، عَنْ عَمْرِوبْنِ شِمْرٍ ، عَنْ جَايِرِ عَنْ أَبِي جَمْفَرٍ عِلِيْ قَالَ : مَاشَهِدَ رَجْلٌ عَلَى رَجْلٍ بِكُفْرِ فَظُ إِلاَّ بَاءَ بِهِ أَحَدُهُمَا ، إِنْ كَانَ شَهِدَ [بِهِ] عَلَى كَانُ مَدْهُمَا وَاللَّهُ مَا اللَّهُ عَلَى كَانَ شَهِدَ [بِهِ] عَلَى كَافِر صَدَقَ وَإِنْ كَانَ مُؤْمِنِارَ جَعَ الْكُفْرُ عَلَيْهُ ، فَإِينًا كُمْ وَالطَّهْنَ عَلَى الْمُؤْمِنِينَ .

۵ رفر بایا حضرت امام محدیا توطیدالسلام نے ایک آدی اگر دوسرے کے کفرک گواہی دے توان میں ایک کا فرہوگا اگرجس کے متعلق کفرک گواہی دی ہے وہ کا فرہے تب تو بہیجا ہے اور اگر وہ مومن ہے توکفراس کی طوث رجوع کرے گا۔ پس اپینے کی پشن پرطعن کرنے سے پچائے۔

۱- دا دی کمتنا بید کرمیں نے دخرت ا مام محد با قرعلیا نسان سے اور ا مام جعفوصا دق علیہ اسلام سے سنا کہ جب کولٹ کمی ہو عن کر تلب تو اگر وہ ستی معن ہے تو اس کی طرف نوٹتی ہے اور اگرنہیں تو نعن کرنے واسے ک طوف جاتی ہے۔

٧ عُنَّهُ بُنْ يَعْيَى ﴿ عَنْ أَحَمَّهَ بَنْ غَيْهِ بَنِ عِيسَى ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِيّ ، عَنْ عَلِي بْنِ عُقْبَةَ ، عَنْ عَبْدِ اللهُ بْنِ سِنَانٍ، عَنْ أَبَى حَمْزَةَ النَّمَالِيِّ قِالَ : سَعِمْتُ أَبَاجَعْهَ رِيَالِهُ يَقُولُ: إِنَّ اللَّعْنَةَ إِذَا خَرَجَتْ عَنْ عَبْدِ اللهُ بِي عَنْوَلَ: إِنَّ اللَّعْنَةَ إِذَا خَرَجَتْ عَنْ عَبْدِ اللهِ بِعَوْلُ: إِنَّ اللَّعْنَةَ إِذَا خَرَجَتْ عَلَى صَاحِبُهَا .

ے۔ ابوج زہ ٹمالی سے مروی ہے کہ ہیں نے حفرت المام چعفرصاد تی علیانسلام سے سنا کہ لعنت جب کسی کے مذسے او نکلتی ہے تو گھومتی ہے وونوں کے درمیان اگر درہ میجے سے توخیر ورنز لعنت کرنے والے کی المٹ عود کرتی ہے۔

٨- أَبَوْعِلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَنْ نُعِّرِبْنِ حَسْنَانِ . عَنْ نُعْرَشَ مُلْقَ " ثَنَّ عُلَيْنَ الْمُصَّلَّلِ، عَنْ أَبِي
 حَمْزَةَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ تَلْقَلْكُمُ يَقُولُ: إِذَا فَالَ الرَّ جُلْ لِا جَهِدِ الْمُؤْدِنِ اللَّهِ عَرْدَ عَرِي فَلْاَ يَشِيرُ
 وَإِذَا قَالَ: أَنْتَ عَدُة بِي كَفَرَ أَحَدُهُمَا، وَلا يَقْبَلُ اللهُ مِنْ مُؤْدِنٍ عَمَلاً وَهُوَمُشْمِرُ عَلَى أَجَيدِ الْمُؤْمِنِ سُوراً.

۸ دندر ما یا حفرت صادق آل محمد نے جب کون کسی مومن بھائی کے متعلق کوئ بری بات کہتا ہے تواس کی ولایت سے خارج جوجا آلہ ہے اور جب کہتا ہے تو میراد شمن ہے آوان میں سے ایک کا فریوگا اور اللہ کسی ایے مومن کے ممل کو تبول مذکرے کا جس کے دل میں اپنے مومن بھائی کی طرف سے بدی تھی مہو۔

٩ - عَنْ أَبْنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَعَنِهِ ، عَنِ ابْنِ سِنْانٍ ، عَنْ حَمْ إِبْنِ مُعْمَانَ ، عَنْ رِبْعِيّ ، عَنِ الْفَضَيْلِ ، عَنْ أَبْنَ جَمْفَر بِهِ إِلّامَاتَ بِشَرِ مِبْتَةٍ وَكَانَ فَهَنّا أَلْفَضَيْل ، عَنْ أَبْنَ جَمْفَر إِلّامَاتَ بِشَرِ مِبْتَةٍ وَكَانَ فَهَنّا أَنْ لَا يَنْ جَمْ إِلَى خَيْرٍ .
 أَنْ لاَيرَ عِنْ إِلَى خَيْرٍ .

ار فرایا حفرت امام محدبا قرطیها اسلام نے جس نے کئی کوئ کی سے سامنے طعنہ دیا وہ برٹرین موٹ مرحے کا اور اسس کا سرا وار بہوگا کہ امر نیکسا کی طرف دیجوع دیمرہے۔

دوسواسی وال باب تهمت وبرگان

(بـُنارُبُم) ٢٨٠ «(الثُّهُمَةِ وَسُومِ الظَّنِّ)»

ا عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ حَمَّادِبْنِ عِيسَى ؛ عَنْ إِبْرَاهِيمَبْنِ عُمَرَ ٱليمَانِيّ ، مَنْ أَبِيعَ الْمَاقِ الْمِيمَانُ مِنْ قَلْبِهِ كَمَا يَنْمَانُ ٱلْمِلْحُ فِي ٱلْمَاق . أَبَاعَ اللّهُ عَلَى أَخَاهُ انْمَاكَ الْإِيمَانُ مِنْ قَلْبِهِ كَمَا يَنْمَاكُ ٱلْمِلْحُ فِي ٱلْمَاق .

ارزمایا حضرت امام جعفرصادن علیدالسلام نے جو مومن اپنے مومن کھائی پرتہمت لگانلہے توالیان اس کے ول میں اس کے ول میں اس کا فائیں۔

٢ - عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَابِنَا ؛ عَنْ أَحَمْدَ بْنِ عَبَرِ خَالِدٍ ، عَنْ بَعْسِ أَصَحَابِهِ ، عَنِ أَلْحُسَيْنِ بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ بَعْسَ أَصَّحَابِهِ ، عَنِ أَلْحُسَيْنِ بْنِ خَالِدٍ ، عَنْ خَصَّرَ بْنِ عَمَلَ أَخَاهُ فِي دَهِيهِ فَلَا عَنْ خَصَّرَ بَنْ عَمَلَ أَخَاهُ فِي دَهِيهِ فَلَا خُرْمَةَ بَيْنَهُمَا وَمَنْ غَامُلَ أَخَاهُ بِمِيثُلِما عَامَلَ بِهِ الشَّاسُ فَهُوبَرَيْ، مِثَايَنْتَجِلُ .

٢- فرمايا ا مام جعفرمسادق عليدا سلام فيجس في البين دينى بعائى برتهمت دكائى توان دونوں كدورميان ومت باتى

BELGEN MYC BESTERS MUNICION مدريه كادر بن فاب مومن بعال مدورتا و كا و كالف وك كرتيب قوده لهذ دعوف ايمان مدالك بومايكا ٣- عَنْهُ ؛ عَنْ أَبِ عَمَّنْ حَدَّ ثَهُ ، عَنِ الْحُسَنِيْنِ الْمُحْتَارِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عِلْ قَالَ : قَالَ أَمْيِرُ الْمُؤْمِنِينَ فِي اللَّهِ مَعْ أَمْرُ أَحِبْكَ عَلَى أَحْسَنِهِ حَسِّي مَأْتُمْكُ مَا يَغْلُكُ مِنْهُ وَلَا تَعْلُقُنَّ بِكَلِّمَةٍ خَرَجَتْ مِنْ أَخِيلَ مِنْ أَنْ تَحِيْلُها فِي الْخُرْ وَحُملًا. م. قرايا حفرت إلم بعفوصا وق عليالسلام ف كراميرا لمونيين عليالسلام نه فراغا بين برا دروس سع بري سال ١٠٠٠ جبت كم اس سے ايسا امرمرزون بهر جو تھيں عاجز بنادے اوراينے بحال سے بركمان مربوجي مك تم اسكان فرك او-ووسواكيباسي وال باب اس كياريس جوابن بعثان كولفيعي نزكرك YAI (¿٤) ١٥ (مَن لَم إِنَّاصِعُ آعَاهُ الْمُؤْمِن) ١٥ ه ١- عَرُبُنُ يَحْنِي ، عَنْ أَحْمَدَ بَنِ عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عِلْيِ بْنِ النَّقْبَانِ عَنْ أَبِي حَفْسِ الْأَعْلَى عَنْ أَبِي عَبْدِاللَّهِ ﷺ قَالَ : سَمِفْتُهُ يَقُولُ : قَالَ رَسُولُ اللَّهِ وَاللَّهِ عَنْ صَفَى فِي حَنَّاجَةِ لِأَجْبِهِ فَلَمْ ينصيحه فقد خانالة ورسولة ارفواباحد ري المام جعفوصا وق عليالسلام في كرسول الشرف قرابا بوكون كسي مومن مجانى كا حاجت برا دى ي سى توكرے ليكن اسے نعيمت رزك تواس نے فدا ورسول سے نيانت كا -٢ - عِدَّةُ مِنْ أَصَّعَا بِنَا ، عَنْ أَحَمَدَ بْنِ عَلَيْ بِن خَالِدٍ ، عَنْ عَنْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ سَمَاعَ قَالَ: سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِاللهِ عِلْمَ يَقُولُ: أَيُّمَا مُؤْمِنِ مَشَى فِي خَاجَةِ أُحَبِهِ فَلَمْ يُنَاصِحُهُ فَقَدْ خَارَاللهُ وَرَسُولُهُ . ۲- ترجمه اورگزما-٣- عِدَّة مِنْ أُصَّخَابِنَا ، عَنْ أُحْمَدَ بْنِ عَلَيْهِ خَالِدٍ ، وَأَبَوْعَلِي الْأَشْعَرِي ، عَنْ عَلَى إِنْ حَسَّانِ جَمِيعاً، عَنْ إِدْرِيسَ بْنِ الْحَسَنِ ' عَنْ مُصَبِّحِ بْنِ هِلْقَامَ قَالَ: أَخْبَرَ نَاأُ بَوْبُسَيْرِ قَالَ: سَيْعُتُ أَبَاعَبُدِ اللهِ عِلْقَامَ قَالَ: أَخْبَرَ نَاأُ بَوْبُسَيْرِ قَالَ: سَيْعُتُ أَبَاعَبُدِ اللهِ عِلْقَا

اساف مدس المستحد المست

يَقُولُ: أَيَّمُا رَجُلٍ مِنْ أُصَّحَابِنَا اسْتَفَانَ بِهِ رَجُلُ مِنْ إِخْوَانِهِ فِي حَاجَةٍ فَلَمْ يُبَالِغُ فِيهَا بِكُلِّ جَهْدِفَقَدْ خَانَاللهُ وَ رَسُولَهُ وَالْمُؤْمِنِينَ ، قَالَ أَبَوْبَصِيرٍ : قُلْتُ: لِأَبِي عَبْدِاللهِ يَلِهِلِ: مَاتَعْنِي بِقَوْلِكَ : وَالْمُؤْمِنِينَ ؟ قَالَ : مِنْ لَدُنْ أُمِيرِ السُّوْمِنِينَ إِلَىٰ آخِرِهِمْ .

۳۰ ا پولبیرسے مردی ہے کہیں نے حفرت ا مام جعفرصا دن علیدا لسسلام سے سنا کہ ہما دسے امحاب پیں سے ،گرکسی سے کوئی طا لب ا مدا دیمو اور وہ اس کی ہے رمی طرح ا مدا در ترکسے تو اس نے خدا ورسول ا ورموشین سے خیانت کی ۔ ابولبعیر نے کہما ۔ آپ کی مومنین ہسے کیا مراد ہے ؟ فرما یا امیرا لمومنین شسے ا ماع آنٹڑنگ ر

٤ - عَنْهُما جَمِيعاً ، عَنْ تَحْدَيْنِ عَلِيّ ، عَنْ أَبِي جَمِيلَةُ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَا عَبْدِاللهِ ﷺ يَقُولُ : مَنْ مَشْمُ فِي خَاجَةِ أُخِيهِ ثُمُ ۚ لَمْ يُنَاصِحُهُ فِيهَا كَانَ كَمَنْ خَانَ اللهُ وَرَسُولَهُ وَكَانَ اللهُ خَصْمَهُ .

۷۶ را وی نے کہا پر نے حفرت امام جعفرصادتی علیہ اسلام سے سنا بھی نے برا درمومن کی حاجت برا دری میں سعی کی اوراس کو نصیحت رہ کی وہ اس کی مثل ہے جس نے النّد ورسول سے خیبائٹ کی - النّداس کا دشمن ہے -

و عِدَّةُ مِنْ أَصَحَابِنَا ، عَنْ أَحَمَدَ بَنِ خَلْدٍ ، عَنْ بَعَضْ أَصَحَابِهِ ، عَنْ حُسَيْنِ بْنِ خَالِم، عَنْ حُسَيْنِ بْنِ عُمَر بْنِ يَزِيدَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ يَهِع قَالَ: مَنِ اسْتَشَارَأَخَاهُ فَلَمْ يَمَحَشُهُ مَحْضَ الرَّ أَيْ سَلَبَهُ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ رَأْيَهُ .

۵- فرمایا حفرت ابوعدد الدُّرعلیدا تسلام فروکون ایف بر ادر دومن سیمشوره کرسے اور وہ سی راے اے شرفے ا تواللاً تعالیٰ اس کی عفل کوسلب کرایتا ہے۔

حَلِيُّ بْنُ إِبْرُاهِيمَ، عَنْ عُلِيْنِ عِبسَى بْنِ عُبَيْدٍ، عَنْ يُؤنسَ، عَنْ سَمَاعَةَ قَالَ: سَمِعْتُ أَبَاعَبَدِ اللهِ كَالِيَّةُ مَا يُعْلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُل

برونوا ياحفرت الم جعفرساد تى علياسلام ندوينده مومن كى ماجت برارى كه يه بط ادراس كونعيوت مذكر يه توات من كالعبوت من كرية توان من كون المن كون المن كون المن كون المن كون كالمن كون كالمن كون كالمن كون كالمن كون كالمن ك

Wideling States and Later States and in in

دوسوببیاسی وال باب مخلف جعد

(بنابُ خُلْفِ الْوَعْدِ) ٢٨٢

١ عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرِ . عَنْ هِشَامِ بْنِ سَالِمِ قَالَ: سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِاللهِ
 ١٤ يَقُولُ : عِدَةُ الْمُؤْمِنِ أَخَاهُ نَذْرٌ لَا كَفَّارَةَ لَهُ ، فَمَنْ أَخْلَفَ فَبِخُلْفِ اللهِ بَدَأَ وَلِمَقْتِهِ تَعَرَّ مَنَ وَ لَيْكُ قَوْلُهُ : يَاأَيْمُ اللَّهُ عَلَوْنَ مَا لاَتَفْعَلُونَ ٢٠ كَبْرَ مَقْتًا عِنْدَاللهِ أَنْ تَقُولُوا مَا لاَتَفْعَلُونَ ٢٠ عَنْ اللّهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّ

ار دادی کمتا ہے ہیں نے ایعبدا للہ علیہ السلام سے سناکہ دمن سے مومن کا وعدہ کرنا ایک استم کی نفر ہے حبس کا کفارہ نہیں جس نے وعدہ کے خلاف کیا اس نے اللہ سے خلف وعدی ابتداء کی اور خدا کی تخمی پرآ ما وہ ہوا۔ خدا سو الله کفارہ نہیں جس نے انتہاں جس نے ایک وہ ہوا۔ خدا سو الله کا حداث کے بیار نوا کہ بیار کہتے ہو ہو کرتے نہیں ، خدا کے نزدیک سب سے بڑی شمنی کی بات یہ ہے کہ جو اسے ہورا نرکرو۔

العَرْرَادُ يُرَادُ عَنْ أَبِيهِ ! عَنِ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرٍ، عَنْ شُمَيْبِ الْعَقَرْ قَوْفِتِي، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ اللهِ عَالَ : قَالَ الْعَالَ الْعَالَ

چاہیے کرجب وعدہ کرے دسے بورا کرے۔

دوسوتراسی وال باب اس کے بارمین سے برادرمومن ملئے آئے اوردہ سنملے

(بات)

٥ (مَنْ هَجَبَ أَخَاهُ ٱلْمُؤْمِنَ) ٢٥

١- أَبُوعِلِي إِلا شَعْرِيُّ ، عَنْ تَعَرَّبْنِ حَسَّانٍ ؛ وَعِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَحَمدَبَّنِ عَلَيْنِ خَالِدٍ

ات نا والمدم المنظمة ا

جَهِيماً ، عَنْ عَيْدِ عَلِي ، عَنْ عَمَّرَ عِنْ اللهُ عَنِ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ عَنْ اللهُ اللهُه

۱۔ فرایا حفرت امام جعفرصا دق علیہ اسلام نے چی مومن برا درمومن کے اذنِ دخول سے مانع پی اللہ اس کے اورجنت کے درمیان ستر ہزار دیوادیں کولی کردے گا ایک دلیوار کا فاصلہ دومسری دیوارسے ایکپڑا دہیں کی راہ کا چوگا-

٧- را دى كېتاب كېيى حفرت الم رضا على السلام كى فدمت بين حافر بوا المصحمين سنان د ماند بنى اسرآيل يى چاشخى مومنين ميں سے مقعان ميں سے ايک تين سے ملئے آيا - وہ ايک گھري يا تين كرد ہے تھے اس شخص نے دق الباب كيا ايک شام تى كا اس نے كہا تيرا آت كہاں ہے اس نے كہا وہ تو گھر ترجہيں ہيں وہ شخص فوث كيا - غلام جب آت كے پاس آيا تواس نے ايد جا دق الباب من نے كيا تھا اس نے كہا خلال نے ميں نے كہدويا آپ گھر ترجہ بين ہيں يرمن كروہ تجي رہا اور مذہرواك اورد غلام کو سرزنش کی اورد اُن میں سے کمی کواس بات کا رخ ہم ار دوسرے علی العباح وہ شخص مجو آبا اوران سے

الملا وہ کسی کے گئیت برعائے کا ادادہ کررہے ہے اس نے سلام کیا ادر کہا کہ بن بھی آپ لوگوں کے ساتھ جلتا ہموں انفوں نے

المہ انہا اس سے معانی ند مانگی ۔ پیشنمی مرد محتلے تھا راہ میں جارہے تنے کہ بادل سر پر چھایا ۔ وہ سمجھے بائش آرہی ہے چال تیز

الکی جب بادل ان کے سروں پر چھاگیا تو اس کے اندرے ایک منادی نے نداک اے آگ ان کو کم المے پی جرشلی النٹر کا رسول اُلی جب بادل ان کے سروں پر چھاگیا تو اس کے اندرے ایک منادی نے نداک اے آگ ان کو کم انے پی جرشلی النٹر کا رسول اُلی مہ باتی رہا ۔ اسے بیشہ شہلا کر اس کا مہم کے اندر آبا توحفرت پوشع بن ٹون سے ملاقات ہموئی ۔ اس نے جو کچھ دیکھا اور سنا تھا ان سے بیان کیا ۔ اس خوص نے قبر سے ساتھ کیا تھا اس نے کہا وہ کیا گیا ۔ ان محمول نے قبر سے ساتھ کیا تھا اس نے کہا وہ کیا گیا ۔ ان محمول نے قبر ان کیا ۔ اس نے کہا وہ کیا گیا تھا تھا ہم تھا اس عمل پرچوا محمول نے قبر سے ساتھ کیا تھا اس نے کہا وہ کیا گیا ۔ ان محمول نے قبر ان کیا ۔ اس نے کہا جو کہا تھا تھا کہ کہا ہوتی تو ان کردیا ۔ فرمایا بیر معانی بہلے ہم وتی تو ان کے موالے نے فرائے دو فرائے ہے موالے نے فرائے کے فرائے کے فرائے کے فرائے کے خوالے کے خوالے ہے معانی بہلے ہم وتی تو ان کے خوالے میا نے کا کہ وہ کھا نے کہا ہم آئے گا۔

۳- فرایا حفرت الم جوفرصادق علیدالدام نے اگر ایک مومن و دسرے مومن سے ملنا پسند مذکر سے آواس کے اور جنت کے درمیان متر دیوادیں حاکل ہوں گی اور مردیوا را یک میزادسال کی مسافت کے برا برموٹی ہوگ اور ایک کا فاصلہ دوسری سے میزارسالدرا ہ کی مسافت پر میرکا۔

٤ - عَلَيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ الْمُبَادَكِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَلَمَةً ، عَنْ عُاصِمِ بْنِ حُمَيْدِ ، عَنْ أَبِي جَمْفَ عَنْ أَبِي جَمْفَ عِلَيْ قَالَ : قُلْتُلَهُ جُعِلْتُ فَدَاكَ مَا نَعُولُ فِي مُسْلِما أَتَى مُسْلِما وَاللهِ ، عَنْ أَبِي جَمْفَ فِي عَلْمَ عَلَيْهِ قَالَ : يُا زَائِراً [أَوَطْالِتُ خَاجَةٍ] وَهُو فِي مَنْزِلِهِ ؛ فَاسْتَأْذَنَ عَلَيْهِ فَلَمْ يَأْذَنُ لَهُ وَلَمْ يَخْرُجُ إِلَيْهِ ؟ قَالَ : يُا أَبَاحَمْزَةَ أَيْمُنا مُسْلِما أَتَى مُسْلِما أَنْ مُسْلِما أَتَى مُسْلِما أَيْ وَلَا إِلَيْهِ وَلَا اللّهِ خَاجَةٍ وَهُو فِي مَنْزِلِهِ فَاسْتَأَذَنَ لَهُ وَلَمْ يَخْرُجُ إِلَيْهِ لَمْ يَرَلُ فَعَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَنْ اللهِ عَلْمُ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهُ وَلَمْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ ا

٧- الوعزه صروى ك حضرت الم محر با قرطيدالسلام صين نے كما - اگر ويك مسلمان كم باس آتا به اس سه الاقات كرك كوئ مرورت بورى كرنے كے اور وہ اپنے گومي موجود بوتا ب ا ور اندر آنے كا اجازت جا اسا ب اور وہ اجازت نہيں دينا ورگو بي سے نہيں نكلتا قرآب اس كم متعلق كيا فوات بي دفوايا - الوعزه جواليا كرے النافيس المنافظة المن

كاس برالله ك لعنت بهوتى رجعجب تك وه مليس نهيل - يس في كما الله ك معنت بهوك . مشروا يا إل سلع الجيمزه -

دوسوچوراسی دان باب اس کیار بیرجس سطیس کامھائی مدد جا ہے اوردہ مذکرے

ه (بنائِ) ٢٨ ٢٨ ١٥ (مَن اسْتَعَانَ بِهِ آخُوهُ فَلَمْ يُفِنْهُ ٢٠

١ عد الله عن أَمَّ خَابِنا، عَن أَحَمْ مَن أَمَّ خَابِن عَن أَمَّ خَابِدٍ ؛ وَأَبُوعَلِي الْأَشْعَرِي ، عَن عَمَّ بَهِ خَسَان عَنْ خَسَيْنِ بْنِ أَمَينٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرٍ عِلِي قَالَ : مَنْ بَخِلَ بِمَعُونَة أَجْهِ الْمُسْلِم وَالْقِيام لَهُ فِي خَاجَتِهِ [إلا] ابْنُلِي بِمَعُونَة مَنْ يَأْمُمُ عَلَيْهِ وَلا يُوجَرُ

ا۔ فرایا حفرت امام محد باقرطیدا نسان م نے جوابیٹ مومن کھا اُن ک اعانت با اس کی حاجت برلانے میں بخل کرے گا تو وہ مبتلا ہوگا ایے شخص کی مدوم پیش کی مدوسے وہ گنا ہسگار ہوگا ا وراس نیکی کا گوٹن اجرنہ پائے گا۔

٣ - عَلِيٌّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عُلِّرِبْنِ عِيسَى ، عَنْ يُونُسَ ، عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ أَبِي بَصَيْرٍ ، عَنْ أَبِي عَنْ أَبَي عَنْ أَبَي عَنْ أَبَي عَنْ أَبَي عَنْ أَبَي عَنْ أَبَي عَنْ أَبَيْ أَبُولُهُ إِنْ أَنْ أَلْهُ عَلَيْهَا أَنْ أَلَهُ عَلَيْهَا أَنْ أَلَهُ عَلَيْها عَلَيْها مَا فَعَلَمْ عَنْ أَبْعَلُهُ عَلَيْها عَلَيْها مَا فَعَلَمْ عَلَيْها عَلَيْهَا عَلَيْها ع

۲-فرایاحفرنشا مام جعفرصا دفی علیالسلام نے ہمارے شیعوں ہیں اگرکسی کے پاس کوئی برا در بومن آئے اورا بنی کسی خرورت ہیں مددچلہے اور دہ با وجود مددکرنے کے قابل بہونے کے مددن کرے آدفدا اس سے سلیب توفیق کرکے ہما ک دشمنوں میں سے کسی کی مددکرا تما ہے تاکہ اسے دوز قمیا مرت تک عذاب ہیں بنتلار کھے۔

٣ - أَبُوْعَلِي الْأَشْعَرِيُ ، عَنْ كُنْدَبْنِ حَسَّانِ ، عَنْ كُنْدِبْنِ أَسْلَمَ ، عَنِ الْخَطِّابِبْنِ مُصْعَبِ ، عَنْ أَبْدِيْرٍ، عَنْ أَبْيَعْلِي اللهُ عَلَيْكُمْ قَالَ : لَمْ يَدَعْ رَجُلَّ مَعُونَةَ أَخَيهِ الْمُسْلِمِ حَتَّلَىٰ يَسْعَى فَيهَا وَيُواسِينُهُ إِلَّا ابْتُلِي بِمَعُونَةِ مَنْ يَأْثُمُ وَلَا يُؤْجَرُ .

اف زمین کری کری کاری است ایک کری کری کری کری کری افزان

۳- فرمایا حفرت ۱ ما مجعفرصا دق علیا اسلام في جوكون برا در مومن كى اعانت اوراس كے بارسيمي معنى و مدردى چيورد ديا ہے فدا اس كوا بسے شخص كما عانت ميں جنلاكر تلہيج مى كا عانت گفاه مبوا دركون اجرفرد كھے۔

٤ - اَلْحُسَيْنُ بُنُ عُبَّهِ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَبِّه عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ عَلِي بْنِ جَعْفَهِ ، عَنْ الْحَبِي اللهِ عَنْ عَلْقَ بْنِ جَعْفَهِ ، عَنْ الْحَبِي اللهِ عَنْ عَلْمَ اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَيْهِ اللهِ عَنْ عَلَيْهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلْمَ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلْمُ اللهِ اللهِ عَلْمُ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلْمُ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ الل

مهرفرها يحضرت امام موسی کافل عليدالسلام نے جس کے پاس اس کاموس بھائی بعض حالات ہيں لحاليب پناہ جو اور وہ با رحود تدرت اسے پناہ نہ دے تووہ ولایت تعداسے خارج ہوجا آسہے۔

دوسو بجیک سی وال باب جوکوئی برادروس کونے نے دے میں دوروس دوروں دوروں کا بیارے میں دوروں کونے نے دے کے میں میں کونے کے دوروں کے دوروں کے دوروں کونے کے دوروں کونے کے دوروں کے دوروں کونے کے دوروں کے

(باك) ۲۸۵

۵(مَنْ مَنَعَ مُؤْمِنا مَهْ عِنْ عِنْدِهِ أَوْمِنْ عِنْدِ غَيْرِهِ) ٥

١ عِدَّة مِنْ أَصَّحٰا بِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبَّرٍ ، وَأَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ، عَنْ عَيْبَرِنِ حَشَانِ ، جَمِيماً عَنْ عَنْ عَيْبَرِنِ عِلْيَ ، عَنْ عَنْ عَيْبِ اللهِ لَيْلِيَّا فَالَ : أَيْمَا مُؤْمِنِ عَنْ عَيْبَرِنِ عَلَيْ مَعْ فَالَ : أَيْمًا مُؤْمِنِ مَنْ عَنْ مُؤْمِنِ عَنْدِيَعَ مِقْ عَنْدِي أَوْمِنْ عِنْدِغَيْرِهِ أَقَامَهُ اللهُ يَوْمَ الْقِيامَةِ مُسُودً أَ مَنْ عَنْدِي فَا عَنْهِ فَيْقَالُ : هٰذَا أَلْخَائِنُ الّذِي خَانَ اللهُ وَ رَسُولَهُ ثُمْ يُؤْمَرُ بِهِ وَجْهُهُ مُزْرَقَةً عَبْنَاهُ مَعْلُولَةً يَذَاهُ إِلَى عُنْقِهِ فَيْقَالُ : هٰذَا أَلْخَائِنُ الّذِي خَانَ اللهُ وَ رَسُولَهُ ثُمْ يُؤْمَرُ بِهِ

إلتى النَّادِ

۱- فرایاحفرت ۱۱ م جعفرمادت علیران ام نے جوکوئی نبدہ مومن کو باجود قدرت رکھنے مذخود کوئی نشے دے اور مذ دوسروں سے دلائے تو وہ دوزتیا مت اس طرح محشود ہوگا۔ کا لامنہ نیلی انکھیں دونوں ہا تھ گرون سے بندھے ہوئے لوگ پوچیں سکے یہ کوٹ ہے کہاجا سے گائیڈ فائن ہے جس نے فدا ورسول سے خیبا نت کی بھے راسے جہنم میں ڈاسنے کا حکم دیا جائے گا۔

٣ ـ عُنَّرُبُنُ سِنَانٍ ، عَنْ مُفَسَّلِ بْنِ عُمَرَقَالَ : قَالَ أَبُوْعَبْدِاللهِ عَلَىٰ اللهُ اللهُ عَنْ مُفَسَّلِ بْنِ عُمَرَقَالَ : قَالَ أَبُوْعَبْدِاللهِ عَلَىٰ اللهُ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ : يَامَلَا يَكُنْ عِنَا إِلَىٰ سُكُنْ عَلَىٰ عَلَىٰ عَبْدِي بِسُكُنْ عَالَىٰ اللهُ اللهُ

۳- فرمایا حفرت امام جعفرصادق علیداسدام فیجس کے پاس گفرتھا اور ہوادروس اس گفرکا محتاج ہوا وروہ اس کو ریاکش کے لئے مند دے تو خدا فرما تا ہے۔ میرے ملاککہ!اس میرے بندے نیرے بندے کو دنیا بیں گھرند دیا ۔ مجھے اپنی عزت وجلال کا قسم ہے کم بیں اس کو اپنی جنت میں ہرگز جگہ ندول کا۔

٤ - اَلْحُسَيْنُ بُنُ عُهُو ، عَنْ مُعَلَى بْنِ عَبُّ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَبْدِاللهِ ، عَنْ عَلِي بْن جَمْعُو قَالَ: سَمِعْتُ أَبَا الْحَسَنِ عِلِيلٍ يَقُولُ : مَنْ أَتَاهُ أَخُوهُ الْمُؤْمِنُ فِي خَاجَةٍ فَإِنَّمَاهِي رَحْمَةٌ مِنَ اللهِ عَنَّ وَجَلَ سَعْتُ أَبَا الْحَسَنِ عِلِيلٍ يَقُولُ : مَنْ أَتَاهُ أَخُوهُ الْمُؤْمِنُ فِي خَاجَةٍ فَإِنَّمَاهِي رَحْمَةٌ مِنَ اللهِ عَنْ وَجَلَ لَا يَقْعُ وَصَلَهُ بِوَلاَيَتِنَا وَ هُو مَوْصُولُ بِوَلاَيَةِ اللهِ عَنْ وَجَلَ وَإِنْ رَدَّهُ مُنْ خَاجَةٍ وَ هُو يَقْدِدُ عَلَىٰ فَضَائِها سَلَطَ اللهُ عَلَيْهِ شُجَاعًا مِنْ نَادِينَهُمْ فَي قَبْرِهِ إِلَى يَوْمِ الْقِيامَةِ عَنْ خَاجَةٍ وَ هُو يَقْدِدُ عَلَىٰ فَضَائِها سَلَطَ اللهُ عَلَيْهِ شُجَاعًا مِنْ نَادِينَهُمْ فَي قَبْرِهِ إِلَى يَوْمِ الْقِيامَةِ مَعْمُودُ لَهُ أُومُومُونُ لَهُ أُومُومُونُ يَقُولُ: مَنْ قَصَد إلَى يَوْمِ الْقِيامَةِ مَعْمُودُ لَهُ أُومُومُونُ لَهُ أُومُومُونُ يَقُولُ: مَنْ قَصَد إلَيْهِ رَجُلُ مَعْمُودُ لَهُ أُومُومُونُ لَهُ أُومُومُونُ يَقُولُ: مَنْ قَصَد إلَيْهِ مُسْتُجِير أَبِهِ فِي بَعْضِ أَحُوالِهِ فَلَمْ يُجْرِهُ بَعْدَأُنَ يَقْدِرَعَلَيْهِ فَقَدْ قَطَعَ وَلاَيةِ اللهِ تَبْارَكُ وَتَعَالَىٰ.

۴- فره یا حفرت ۱ مام موسی کا فلم طیرانسلام نے جس کے پاس کو گ برا در مومن اپنی حاجت سے کرآئے تو یہ اللّٰد کی رجمت چنداس نے اس محتلیح کو اس کے پاس سمیر بااگر اس نے اس کی خرورت پوری کر دی تواس کی ہما ری ا درا لٹند کی مدد حاصل جو نی ادرا گراس کورُد کر دیا درآئی الیکراس کو بجالا نے پر قورت تھی تو فدااس پر ایک اُزد با مسلط کر بیگا آگ کا بنا ہوا جو مدد تویات اس کو نوچنا رہے گا معفور مہویا معذب اور اگر طالب عذر تواہ تو اور بُراسال جو گا اور مربی فرایا جو کس کے پاس کسی خاص مصید بت میں طالب پناہ ہو کر آئے تی دہ جا وجود قورت مدد نرکر سے نوالٹری مدد اس سے منتقبط جو جائے گا۔ النافيد المحالي والمعالم المحالية المحا

روسوچیت اسی وال باب بوروس کو درائے

(بُابُ)) ۲۸۹ (مَنْ آخَافَ مُؤْمِناً)

١- عِدَّةَ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ عَلَيْنِ خَالِدِ ، عَنْ عَنْ عَنْ مِيسَى ، عَنِ الْأَنْمَادِي، عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ مَنْ مَنْ مَنْ أَمَّا إِلَى مُؤْمِنِ نَظْرَةً لِيُخِيفَهُ عَبْدِاللهِ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَبْدِاللهِ عَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْكُولِيَةِ : مَنْ نَظَرَ إِلَى مُؤْمِنِ نَظْرَةً لِيُخِيفَهُ بِهِا أَخَافَهُ اللهُ عَنَّ وَجَلَ يَوْمَلاظِلَ إِلْاظِلَهُ إِلَّا لِللهُ اللهُ عَنْ وَجَلَ يَوْمَلاظِلَ إِلْاظِلَهُ .

د زمایا انام جعفر صادن علیدالسلام ند کررسول الله ف قرمایا جوکمی مومن کوخو فزده کرنے کنیت سے دیکھے تواسس کو الله اس دن توت نده بندائے کا جس دورسوائے، س کی بناہ کے کوئی بناہ من ہوگ -

٢ ـ عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ، عَنْ أَبِي إِسْحَاقَ أَلْخَفَافِ ، عَنْ بَعْضِ الْكُوفِيتِينَ ، عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي إِسْحَاقَ الْخَفَافِ ، عَنْ بَعْضِ الْكُوفِيتِينَ ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ لِلْمَيْنَةِ فَلَمْ يُسْبِهُ فَلُوفِي النَّارِ ؛ وَمَنْ رَوَّ عَ مُؤْمِنا بِسُلْطَانِ لِيُصِيبَهُ مِنْهُ مَكْرُوهُ فَأَضَابَهُ قَهُومَعَ فِرْعَوْنَ وَآلِ فِرْعَوْنَ فِي النَّارِ .

ارفرایا معرف امام جعفرها دق علیالسان منے بوکسی مومن کو بادرات است فردائے تاکہ اس پرکول کم صیب تا جائے ایس اگر دہ محفوظ رہے تب نوڈرانے والاجہم میں جلنے گا اورا گراسے کوئی مصیب تبہم نے گئی تووہ فرعن اورا ل فرعون سے جمراہ جمتم میں جلنے گا -

٣ ـ عَلَي بَنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيدِ ، عَنْ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرِ ، عَنْ بَعْضِ أَصَّحْنَابِهِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَى عَلَيْ اللهِ عَنْ أَعَانَ عَلَى مُؤْمِنِ بِشَطْرِ كَلِمَةٍ لَقِيَ اللهَ عَنَّ وَجَلَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ مَكْنُوبُ بَيْنَ عَيْنَيْهُ : أَيْسُ مِنْ رَحْمَتِي .

۳- فرمایا حفرت ایومبد النزعابدال لام نے چھومن کے خلاف دراسی بی کوشش کریکا روز قیبا مت اس کی پیشانی پرلکھا ہوگا میری رحمت سے ایومس - ان وبدا لا ما المنظمة المنظمة

دوسوستناسی وال باب جغل خوری

(بابُ النَّمِيمَةِ) ٢٨٤

١ عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَبَدِ الْحَسَنِبْنِ مَحْبُوبِ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ بِنَانِ عَنْ أَجْدَاللهِ بْنِ مَكْبُولِ اللهِ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ اللهِ عَبْدِ اللهِ عَبْدِ اللهِ عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَبْدُ اللهِ عَنْ عَبْدِ اللهِ عَنْ عَلَا عَلَا اللهِ عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى عَلَى عَلَى اللّهِ عَلَى عَلَى اللّهِ عَلَى عَلَى اللهِ عَلَى عَلْ عَلَى عَلَم

۱- فرما یا حفرت ۱۱ م جعف رصاد ق علیدال الم فرکر رسول الشر زرفوایا کیا پس تمهی برترین اسان کون مهد ما در در یا رسول الشر فرمایا چفل فور ، لوگول بین عبران داله ، معامت سع بری مهور فی سع بقادت کرف به دولا ،

٣ _ عَنْ أَيْ جَعْفَرِ عَلَيْكُمْ فَأَنْ يَحْمِلُى ، عَنْ كُفَّرَبْنِ أَحْمَدَ، عَنْ عَيْبِبْنِ عِيسَى، عَنْ يُوسْفَ بْنِ عَقِيلٍ ، عَنْ عَيْدِبْنِ قَيْسِ عَنْ أَيِي جَعْفَرِ عَلَيْكُمْ قَالَ : مُحَرَّ مَهُ ٱلْجَنَّةُ عَلَى الْقَتْ اتِينَ الْمَشْائِينَ بِالنَّمِيمَةِ

٢- فوا ياحفرت المام محديا قرطيرا لسلام فيحزام بعجنت باتون بركان لنكلف والعبغل فورون برر

" عَنْ يُونْسَ، عَنْ أَبِي الْمُسَمَّ، عَنْ عَلَيْبْنِ عِيسَى ، عَنْ يُونْسَ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ الْإَصْبَهَانِيّ ، عَمَّنْ ذَكَرَهُ ، عَنْ أَبِي الْحَسَنِ الْإَصْبَهَاؤُونَ بِالنَّمِيمَةِ وَكُرّ مُ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ بِهِ اللهِ عَلَى اللهُ عَنْ أَلِمُ الْمُسَاؤُونَ بِالنَّمِيمَةِ وَكُرّ مَ مَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ بِهِ الْمُنْعَوْنَ لِلْبُرَاءِ الْمُعَايِبَ. وَالْمُعَايِبَ.

۳۔ فرمایا حضرت امام جعفرصادق علیدائسلام نے کہ امیرا لموئنین علیہ ابسلام نے فرایا برترین انسان چفل ٹور ، احبایس تفرقہ ڈالف والے اور گنا جوں کی براک سے بناوت کرنے والے۔ الله المنافظة المنافظ

دوسو المقتاسي وال باب انشائے داز

((بان الإذاعة)، ٢٨٨

١ ــ عِدَّ ة مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ عَجَّابِنِ خَالِدٍ ، عَنْ عَثْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ عَجَّدْنَ عَجْلانَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبْاعَبْدِ اللهِ عَنْ أَوْلُهُ عَنْ أَوْلُهُ عَلَى وَجَلَ عَيْرَ أَقُواهُ أَوْلُهُ اللهِ عَنَّ وَجَلَ : ﴿ وَ قَالَ : ﴿ وَ قَالَ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ وَجَلَ : ﴿ وَ إِنَّ اللهُ عَنْ وَجَلَ عَنْ وَالْإِذَاعَةِ فِي قَوْلِهِ عَنْ وَجَلَ : ﴿ وَ إِذَا جَاهَهُمْ أُمَّرُ مِنَ الْأَمْنِ أُوالْخَوْدِ أَذَاعُوا بِهِ ۚ فَا يَنَّا كُمْ وَالْإِذَاعَة .

اردادی کمتنه بدی سند حضرت ۱۱ م جعفرصادق علیال ایم سی سنا کرخدانے سرزنش کی ہے منافقوں کو افتتائے دار کے متعلق اہنے اس تول میں " جب ۱۱۰، کے لیے کوئی معاملہ امن یا خوت کا ہوتلہے تو وہ اس کو افتا کردیتے ہیں یہ لیس اپنے کو افتائے رانسے بچا کہ ۔

٢ عَلِي مُنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عَيْ مَنْ عَيْ مِينِ عَيْنِ عَيْنِ مَنْ عَنْ عَيْ الْخَرْ الْزِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ عَنْ اللهِ عَلَيْ اللهِ اللهِلمُ اللهِ المَا اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الل

قَال : وَقَالَ لِمُعَلَّى بْنِ خُنَيْسٍ : الْمُذبيعُ حَدِيثَنَا كَٱلْجَاحِدِ لَهُ.

۲۔ قرایا اما مجعفرصادق علیہ اسلام جس نے ہمارا افشات داذکیا ایسا ہے گویا ہمارے حق سے انکارکیا اور عسال بن خنیس سے فرایا ہماری بات کو دوسروں دنخا لفوں ، سے بیان کرنے والا اس سے انکاد کرنے والے کہ ان ندیے۔

حديثنا سَلَبَهُ اللهُ الْإِيمَانَ .

٧- فرايا صادق آل محدوليدارسلام فيجس في مارى عديث كا افشاكيا الشرف اس كم ايمان كوسلب كرييا-

٤ ـ يُونْسُبُنُ يَمْقُونَ ، عَنْ بَهْضِ أَصْحَابِهِ، عَنْأَبِيعَبْدِاللهِ تَكَلَّكُمُ قَالَ: مَاقَتَلَنَامَنَ أَذَا عَحَدِيَثَنَا قَتْلَ خَطَّهُ وَلٰكِنْ قَتَلَنَاقَتْلَ عَمْدٍ . مهر فرا يا حفرت الرور الشرعليالسلام فيجرب فيهمادى حديث كا انشاكيا واس فيهم كوف لما نهي بكر مداً قش كيا-

ق يُونُسُ ، عَنِ الْمَلاهِ ؛ عَنْ كَتَّى بَنِ مُسْلِمِ قَالَ : سَمِتُ أَبَاجَعْمَرِ عُلِيَكُمُ ، أَمُولُ : يُحْشُرُ الْمَبْدُ يَوْمَ الْقِيامَةِ وَ مَا نَدِينَ دَما فَيُدْفَعُ إِلَيْهِ ثِنْبُهُ الْمَحْجَمَةِ أَوْفَوْقَ وَلِكَ فَيُقَالُ لَهُ : سَهُمُكَ مِنْ دَمِ فَلانِ ، فَيَقُولُ : يَارَبِ إِنَّكَ لَتَعْلَمُ أَنَتُكَ قَبَصْتَنِي وَمَا سَفَكُتُ رَمَا فَيَقُولُ : بَلَى سَمِعْتَ مِنْ فَلانِهِ وَايَةً كَذَا وَكَذَا ، فَرَوَيْتُهَا عَلَيْهِ فَنَقَلْتَ حَتَى طَارَتْ إِلَى فَلانِ الْجَبْارِ فَقَنَلَهُ عَلَيْهَا وَهَذَا سَهُمُكَ مِنْ دَمِهِ . كَذَا وَكَذَا ، فَرَوَيْتُهَا عَلَيْهِ فَنَقَلْتَ حَتَى طَارَتْ إِلَى فَلانِ الْجَبْارِ فَقَنَلَهُ عَلَيْهَا وَهَذَا سَهُمُكَ مِنْ دَمِهِ .

ہ ر فرایا حفرت انام محدیا تریلیدانسال ہے کہ دور تیاست ایک، ایسانشخص لایا جائے گا جس نے کسی کا نون نرہایا ہوگا اس کی طرف ایک ججامعت بنانے کا آلہ با اس سے بڑی کون چیز پڑھا کہ کہا جلے گائے یہ ہے یہ حصد مسئلاں کے تون بہلے کے بیں وہ ہے گا میرود د گا دا آرجا تھا ہے کہ میرنے وم بکہ پیرہ نے کسی کا تون نرہایا تھا خدا فرائے یاں لیسکن قرنے فلاں سے بات مسئ تی تونے اس کو فقصان بہنچانے کے لئے دو مرود ہے ہیاں کیا وہ تغل ہوت بہدی فلال ظالم کسینچی جس نے اس کو قتی کر دیا لہذا ہے تیرا چھر ہے اس کے خواہدے ۔

٩. يُونُسُ عَنِ ابْنِ سِنَانِ ، عَنْ إِسْخَاقَ بْنِ عَنْ أَبِي عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الأَيْهَ ؛ وَذَٰلِكَ بِأَنْهُمْ كَانُوا يَكُمْرُونَ مِآياتِ اللهِ وَيَقْتُلُونَ النَّبِيتِينَ بِعَيْرِ الْمَحَقِّ ذَٰلِكَ بِمَاعَصُوا وَكَانُوا يَعْنَدُونَ ، قَالَ : وَاللهِ مَا فَتَلُومُمْ بِأَيْدِيمٍ وَلاضَر بُوهُمْ بِأَسْنِافِهِمْ وَلٰكِذَبُهُمْ تَمِنُوا أَحَادِيثُهُمْ فَأَذَاعُوهَا فَأَخِنُوا عَلَيْهَا وَاللهِ مَا فَضَارَ قَتْلاً وَاعْتِدَاءً وَمَعَمْسِيةً .
 فَقُيْتِلُوا فَضَارَ قَتْلاً وَاعْتِدَاءً وَمَعْشِيةً .

۱ سعفرت امام جعفرت ادم جعفرصتا دق علیا اسلام نے اس آیت کی تلادت کی ہم بیرمنزاان کو اس ہے دی گئی ہے کہ وہ آ بات النی سے آنکار کرتے تھے اوز بیروں کو بے گناہ قستن کرتے ہے ہمس ہے کہ وہ نافران بی عدسے تبخدا و زکرنے والے بجرفرایا والٹرائنوں نے اپنے باشھوں چے تسل کیا تھا شکوار دوں سے بادا بھا بلکوا تھوں نے آبسیار سے اماد بیٹسس کرانٹ نے را ذکریا تھا جسس پر رہ پکڑے اور تستل کئے گئے یہ بھی تسل ہی تھا اور عدسے تجاوز کرنا اور معصیبے بیں مبتلام ہونا۔

٧- عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَايِنَا ، عَنْ أَحَمْدَبْنِ أَبِيعَبْدِاللهِ ، عَنْ عُثْمَانَبْنِ عِيسَى ، عَنْ سَمَاعَةَ ، عَنْ أَبَى بَصِيرٍ ، عَنْ أَبَى عَبْدِاللهِ عِيقَوْلِ اللهِ عَزَّ وَجَلَّ : «وَيَقَتْلُونَ الْأَنْبِيَا، بِغَبْرِ حَتِّى » فَقَالَ : أَمَا وَاللهِ مَاقَتَلُوهُمْ بِأَشْيَافِهِمْ وَلَكِنْ أَذَاعُوا سِرَ هُمْ وَأَفْشَوْا عَلَيْهُمْ فَقُتِلُوا .

ار فروايا حفرت الم جعفرمسا وق عليالهام في اس آيت كامتعلق الروه ا بنيا كوب كنا وقسل كرت تقي والتعامل

الناوطيم والمنافظة والمناف

نے تلوادوں سے تسل نہیں کیا- اپنے انبسیاء کے بھیدلوگوں پرظا ہرکئے اورا قشلے راز کے جس کی بنار پروہ تسل کھے گئے

٨. عَنْهُ ، عَنْ عُنْمُانَ بْنِ عِيسْى ، عَنْ عَنْ عَجْدِانَ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمُ قَالَ: إِنَّ اللهَ عَنْ وَجَلَّ عَيْدَ قَوْماً بِالْإِذَاعَةِ ، فَقَالَ : «وَإِذَا جَاعَهُمْ أَمْرُ مِنَ الْأَمْنِ أَوِالْخَوْفِ أَذَاعُوا بِهِ ، فَإِينَا كُمْ وَالْاذَاعَة .

۸۔ فرمایا صادق آلِ محدعلی السلام نے اللہ تعالیٰ نے مرزنش کی ہے لوگوں کو افشائے مراز پرجیسا کہ فرما تا ہے جب ان کے سامنے کو نُ معالم اِمن یا خوف کا آیا تو انخول نے آوشا کرویا " اپنے کو افشائے دا زسے بچا گو۔

٩ عَلِيٌّ بُنُ إِبْرَاهِيم، عَنْ أَبِيهِ، عَنِ ابْنِ أَبِي غَمَيْرٍ، عَنْ حُسَيْنِ بْنِ عُثْمَانَ ، عَمَّنْ أَخْبَرَهُ ، عَنْ أَجْبَرَهُ ، عَنْ أَمْرِ نَافَهُوَ كَمَنْ قَتَلَنْا عَمْداً وَلَمْ يَقْتُلْنَا خَطَلُ . عَنْ أَمْرِ نَافَهُوَ كَمَنْ قَتَلَنْا عَمْداً وَلَمْ يَقْتُلْنَا خَطَلُ .

٩- فرا يا حفرت الم جعفرها دف عليالسلام قبس نيه بين خريستي فذك نشر بماريد معاملات كاكوني م بحي افشاً كيا توكو باعمداً اس فريم كوتسل كبارت كرخ طاءً.

١٠ - الْحُسَنْ بُنُ عَبَّهِ ، عَنْ مُعَلِّى بْنِ عَنْ أَخَد بَنِ أَغَبَهِ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ أَغَبَهِ ، عَنْ أَصْرِ بْنِ صَاعِدِ مَوْلَنَى أَبِي عَبْدِ اللهِ عَنْ أَبَهِ كَافِلُ عَنْدَ غَيْرِ أَهْلِهِ كَافِلُ وَمَنْ تَمَدُّ أَبَهِ عَنْدَ عَيْرِ أَهْلِهِ كَافِلُ وَمَنْ تَمَدُّ لَكُ اللهِ عَنْدَ عَنْ اللهِ عَنْدَ عَيْرِ أَهْلِهِ كَافِلُ وَمَنْ تَمَدُّ لَهُ اللهِ عَنْدَ عَيْرِ أَهْلِهِ كَافِلُ وَمَنْ تَمَدُّ لَهُ اللهِ عَنْدَ عَيْرِ أَهْلِهِ كَافِلُ وَمَنْ تَمَدُّ لَهُ اللهُ اللهِ عَنْدَ عَيْرِ أَهْلِهُ كَافِلُ وَمَنْ اللهُ اللهُ وَاللّهُ اللّهُ اللّه

اردا دی کهتلیمیں نے حفرت امام جعفرصا دق علیا لسلام سے سنا - ہما دے را زوں کا افشا کرنے والا ہمشاری اما مست میں شک کرنے والا ہے ا ورنا ا ہلول سیے اس کا ہمیان کرنے والاکا فریبے اوریس نے خواک دسی کی مفیسوطی سے پکڑ ایا وہ نجات پانے والا ہے میں نے پوچھاعودۃ الوثق کیا ہے ۔ فرمایا ہما دے امرا کا مست کونسلیم کرنا –

١١ - عَلِي ثَنْ نَتَهَ مَ عَنْ طَالِح بْنِ أَبِي حَمَّادٍ ؛ عَنْ رَجْلٍ مِنَ الْكُوفِيثِينَ، عَنْ أَبِي خَالِدِ الْكَابِلِيّ
 عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْكُمُ أَنَّهُ قَالَ : إِنَّ اللهَ عَزَ وَجَلَ جَمَلَ الدّينَ ذَوْلَنَيْنِ ذَوْلَةَ آدَمَ لَ وَهِي دَوْلَةَ اللهِ لَهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ عَنْ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُولِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ ا

الدفرايا حفرت المام جعفرصا دق عليه السلام في كراللدنف لا فدين من دوم كومتين قراردى بين مكومت آدمٌ

اورمکومت ابلیس رجب فداچا بناپی کراس کی عبادت علانید بهوایین حاکم عادل کی حکومت میں) تو بدعکومت آدم سبے اور می ادرجب چا بند بین کو کرد میں اور کا امام کراں کے نوشت تھی آوریا بلیں حکومت ہے ایسی بات کا ظاہر کرنے والا جسفدا جہانا چاہیں این دین کا برباد کرنے والابت ۔

١٧ - أَبُوْعِلِي الْأَشْمَرِيُّ ، عَنْ عَبَرِانِ عَبْدِالْجَبِسَادِ ، عَنْ صَفُوانَ ، عَنْ عَبْدِالرَّ خَمْنِبْنِ الْحَجَسَاحِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلْمَ اللهُ عَلَيْهِ حَرَّ الْحَدِيدِ الْحَجَسَاجِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ حَرَّ الْحَدِيدِ وَضَيقَ الْمَحَايِسِ .

۱۱ رفوا احفرت ابوع برالشرعليداسالم فيجرب في اس حال بي بي كار وه بمار سر بعيد كاظام كرف والاست. تو خدااس پرمسلط كرما بيت كم م لوب كو اورنگ قيد خانول كور

دوسو نواسی وال باب معمیت ندا کے ساتھ اطاعت منلوق کرنا

(بَاْبُ) ٢٨٩ (مَنْ اَطْاعَ الْمَخْلُوقَ فِيمَعْصِيَةِ الخالِقِ) ﴿

١ علي بن إبراهيم ، عَنْ أبيه ، عَنْ أبيه ، عَنْ أبيه ، عَنْ أبيع قَالَ : قَالَ الله علي بن إبراهيم ، عَنْ أبيع قَالَ : قَالَ رَسُولُ الله بَهْ وَقَالَ الله عَنْ أَلَى الله عَنْ أَلَى الله الله عَنْ الله

ا۔ قربایا حفرت امام جعفرصادق علیدانسلام فرکررسول الله فے فربایا جس فرداکونا دائس کرے مخلوق کی مضاج ہی فدانس کی تعریف کرنے والبنادتیا ہے۔ فدانس کی تعریف کرنے والبنادتیا ہے۔

٧- عِدَّ ةَ مِنْ أَصَّحَابِنَا ،عَنْ أَحَمْدَ بَنْ عَنَا حَمْدَ بَنْ عَلَيْ بِعْنِ خَالِد ، عَنْ إِسْمَاعِبِلَ بْنِ مِيْرَانَ ،عَنْ سَيْفِ بْنِ عَبِيرَةً عَنْ عَمْرِ عَلَيْكُمْ قَالَ : قَالَ رَسُولَ اللهِ وَالْمَثْنَةِ : مَنْ طَلَبَ مَرْضَاةً عَنْ عَمْرِ عَلَيْكُمْ قَالَ : قَالَ رَسُولَ اللهِ وَالمَثْنَةِ : مَنْ طَلَبَ مَرْضَاةً اللهِ بِعَضَبِ النَّاسِ كَفَاهُ اللهُ عَدَاوَةً اللهِ بِعَضَبِ النَّاسِ كَفَاهُ اللهُ عَدَاوَةً كَانَ خَامِدُهُ مِنَ النَّالِيُّ أَذَامَنَا وَمَنْ آثَرَ طَاعَةً اللهِ بِغَضَبِ النَّاسِ كَفَاهُ اللهُ عَدَاوَةً كَلِّ عَدُو ، وَحَسَدَ كُلِ خابِد ، وَبَعْنَي كُلِّ بَاغِ وَكَانَ اللهُ عَزْ وَ جَلَ لَهُ نَاصِراً وَظَهِراً.

النافيلية المنظمة المن

۲- جابر نے ام محمد با قرطیا سیام سے روایت کہ سے کو رایا حفرت رسولِ فدا نے جس نے فدا کو نارا فس کر کے تخلی کورائی کیا - اللہ اس کے مداح کو : می کامفرمت کرنے والا بنا دیے گا ورجس نے اللّٰد کی اطاعت بیں محلوق کو نارا فس کیا - اللّٰد ہر رشمن کی عدادت سے ہر حاسد کے حد مصلے اور بریائی کی بغادت سے اسے بچائے گا اور اس کا مزور مدد دگا رم ہوگا -

 ٣. عَنْ شَرِيفِ بْنِ سَابِقٍ ، عَنِ أَلْفَضْلِ بْنِ أَبِي قُرَّ ةَ ، عَنْ أَبِي قُرَّ ةَ عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى عَلَيْهِ عَلَى اللّهِ عَلَيْهِ عَل عَلَيْهِ عَلَيْ

مور فرا با حفرت الم جعفرصا دتن عليدالسلام نداكي شخص ندام حسين عليدالسلام كولكها كر تيج كي نصيحت فرابي وفرت ندتح در فرايا رج معصيت خداكا قعد كريكا وه سبست زياده كلون والا بوگا اپنى احيدكا اور جس چيز سردن اپ بهت جلداس كرسلفتة آئ كى ر

إَبُوْعَلِمْ الْأَشْعَرِينُ ، عَنْ ثَنَ مَنْ عَبْدِ أَلْجَبْنَادِ ، عَنْ صَغْوَانَ ، عَنِ الْعَلَاءِ ، عَنْ عَبَدِ أَسْلِم عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَنْ عَنْ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ ، وَلادِينَ لِمَنْ ذَانَ بِعُدْدِ شَيْءِ مِنْ آياتِ اللهِ .
 عَلَى اللهِ ، وَلادِينَ لِمَنْ ذَانَ بِجُحْدودِ شَيْءٍ مِنْ آياتِ اللهِ .

موفوا عفوت المائمر الركن جوفداك تافوان بنده ك اطاعت مقريب بوااس كادين كياج باطل عب بالماس كادين أي كيا ادجى في كي ادجى المائل ال

ه - عَلَى بَنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنِ النَّوْفَلِيّ ، عَنِ السَّكُونِيّ ، عَنْ أَبِي عَبْدِ اللهِ ، عَنْ أَبَيهِ اللهِ اللهُ عَنْ أَبَيهِ عَنْ أَرَضَى سُلُطَاناً سِتَخَطِ اللهِ خَرَجَ عَنْ خَابِرِ بْنِ عَبْدِاللهِ [الْأَنْسَارِيّ] قَالَ : قَالَ رَسُولَ اللهِ بَهِ اللهِ عَنْ أَرَضَى سُلُطَاناً سِتَخَطِ اللهِ خَرَجَ عَنْ خَابِرِ بْنِ عَبْدِاللهِ إِللهُ نَصْارِيّ] قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ بَهِ اللهِ عَنْ أَرَضَى سُلُطَاناً سِتَخَطِ اللهِ خَرَجَ هِنْ فِينَ اللهِ .

٥- حفرت رسول فدو فروا يجرى في من سلطان ماكل كرف كدف من اكا فف بول بياده دين عادج بهوا-

دوسو نوتے وال باب دنیا میں کتاموں کی سنوا دنیا میں کتاموں کی سنوا

ه (في عُقُولِناتِ المَعْاصِي الْعَاجِلَةِ)

١ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، وَعِدْ أَهُ وِنْ أُصَعَابِنَا ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنَّ ، جَمِيعا عَنْ أَحْمَدَ بْنِ

عُنَيْنُ أَبِي نَصْرِ ، عَنْ أَبَانٍ ، عَنْ رَجُلِ ، عَنْ أَبِي جَعْفَر عَلَيْكُ قَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمَرْفَقِ : خَمْسٌ إِنْ أَذَرَ كَنْمُوهُنَّ قَنْعَوَّ ذَوْا بِاللهِ مِنْهُنَ : لَمْ تَعَلَّمِ الْفَاحِمَةُ فِي تَوْمٍ قَطَّ حَتَىٰ يُمْلِنُوهُا الْأَظَهَرَ فِيهِمُ الطَّاعُونُ وَالْا وَجُاعُ النَّهِ مِنْهُنَ فِي أَمْلافِهِم اللهِ مِنْهُنَ ، وَلَمْ يَنْقَضُوا الْمِكْيَالَ وَالْمِيزِ انَ إِلاَّ الْجَنُوا بِالسِّنِينَ وَيُولِ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمَ اللهُ عَلَيْهُمَ عَدُو اللهُ اللهُ عَلَيْهُمَ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ عَدُو اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ عَدُو اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ عَدُوا بِعَنْ مَا أَنْ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ عَدُو اللهُ اللهُ عَلَيْهُمُ عَدُولُهُمْ وَأَخَذُوا بَعْضَ مَا فِي أَيْدِيمِمْ، وَلَمْ يَمْطَرُوا بِعَيْمُ اللهُ عَلَيْهُمُ عَدُولُهُمْ وَأَخَذُوا بَعْضَ مَا فِي أَيْدِيمِمْ، وَلَمْ يَعْدُوا بِعَنْمُ مَا أَنْزَلَ اللهُ إِنَّ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُمُ عَدُولُهُمْ وَأَخَذُوا بَعْضَ مَا فِي أَيْدِيمِمْ، وَلَمْ يَعْدُولُ اللهُ عَلَيْهُمْ عَدُولُ اللهُ عَيْمُ مَا أَنْزَلَ اللهُ إِنَّ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْهُمْ عَدُولُهُمْ وَاخَذُوا بَعْضَ مَا فِي أَيْدِيمِمْ، وَلَمْ يَعْدُلُهُ وَعَلَى اللهُ عَنْ وَجَلَ بَأُسْهُمْ بَيْنَهُمْ .

ا۔ فربایا امام موبا قرطیزانسدہ نے کہ دسول انٹرنے فربایا باتنے باش ایسی ہیں کہ اگر وہ تم میں بیدیا ہوجا بیس آوالنڈسے بناہ مانگو (۱) جب بھی قوم میں بالاعلان ذنا ہونے لگے تو طاعون اورا یسی بیما دیاں مجھیلیں گی جران کے اسلاف کے لئے دمنیں (۲) کم مذآولا جا کہ نا با جلئے ورنہ تخدط سالی نو داد مہوگا اور فرج میں شخق ہوگی بادشاہ کلم کرسے گا (۳) ڈکا ۃ نہ دوئی جلئے ورنہ بادسش رک جائے گ چویلئے نہیوں سے توایک قدارہ نریسے گا اور میروشوں کوا ورعب ورسول کی در توثیری ورنہ خدا ان کے دشمن کوان پیسلط کر دسے گا اوران کو کی ال اور شدیرگا (۵) جواح کام الٹرنے تا وال کئے ہیں ان کے خلاف فیصلہ: کروورند الشّران کے فوف وہراس پیرد اکردسے گا۔

۲- فرایا ا مام محدیا فرطیلاسلام نے کر دسول اللہ کا کتاب میں ہیں نے دیکھا جب پیرسے بعد زنا کا ذور مہوگا تو مرک مفاجات ڈیا وہ مہوگ اور جب وک کم تولیں اور تا ہیں گئے قرص سالی ہوگ اور جب ڈکا ق ند دیں گئے توکھینی اور کھیلوں کی برکت اس جلے النے گا اور جب احکام میں جور کریں گئے توظلم وبفاوت میں باہم مدو کا دم ہوں جب تقعی عمد کریں گئے توالٹران کا ڈیمن ان پرمسلط کر سے گا اور جب
قطع دھم کہیں گئے توان کے اس ال شرمیون کے قبضر میں آجا میں کئے اور جب امر یا معود دن اور نہی من المنکر ذکویں گئے اور میرسے المبدیت کے ہیروی ند کویں سے تو خدا ان پرمشر ہروں کو حساسا کرسے گا وہ نیکوں کو بیکا دیں گئے مگر وہ جواب مذ دیں گئے ۔

3

Birth Branch Bra

دوسوائیالویدال باب

(بان) ۲۹۱

٥(مجالَة أهل المعاصي)٥

على مَنْ إِبْرَاهِيم ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنْ اَبْنِ أَنْبِي عُمَنْرٍ ، عَنْ أَبِي ذِبَادِ النَّهُدِيِّ ، عَنْ عَدِاللهِ بَنِ أَنْبَعِلَى عَمْدِر ، عَنْ أَبْبِي عَمْدُلِهِ اللهِ النَّهُ دِي رَلَا يَقَدْرُ عَلَى تَعْبِرِهِ .
 طالِح ، عَنْ أَبِي عَبْدِالله عِلْع قَالَ: لا يَنْبَعِي لِلْمُؤْمِنِ أَنْ يَجْلِلَ مَجْلِساً بِسُمَّى الله فيهِ رَلاَ يَقَدْرُ عَلَى تَعْبِرِهِ .

ارترا یا امام چوخ مداد تی علیدامسلام نے مومن کرتہیں جا بیٹے کہ دہ دیسے مجلے ہیں ٹیٹے جس میں وکٹ الٹھرک تا دندرمانی درتے چوں اوران کو یا تدکھنے پرتسا ان پذیج و

عَدَّهُ وَن أَصَحَابِنا عَن أَحَمَدَ بَن عَن عَرْبَ عَن عَن الْمَدْعَورَ عَنَالَ الْمَدْعَوْدَ عَنْهِ اللهِ عَلَي عَنْهِ اللهِ عَلْمَا ، يَسِعُناهُ وَلا يُوسَفُ ؛ قَامًا جَلَسْتَ مَعهُ وَ مَن كَثنا قَلْمِنْ عَلْهُ اللهِ يَعُولُ فَي اللهِ عَلْمِها ، يَسِعُناهُ وَلا يُؤسَفُ ؛ قَامًا جَلَسْتَ مَعهُ وَ مَن كَثنا قَلْمِنْ عَلَي عَنْهِ اللهِ يَعْولُ ؟ فَقَالَ مَعْنَا وَتَر كُته ؟ فَقَلْتُ ؛ هُويَع عَلْمَ اللهَ إِنَّا كَمْ أَقُلُ مَا يَقُولُ ؟ فَقَالَ مَعْنَا وَتَر كُته ؟ فَقَلْتُ عَنْه اللهَ عَلَى مِنْه اللهَ عَلَى مِن الْمَعْدِي عَلَى مِن اللهِ عَلَى اللهِ اللهَ عَلَى اللهِ اللهَ عَلْه اللهَ عَنْه اللهِ اللهَ عَنْه اللهِ اللهَ عَنْه اللهِ اللهَ عَنْه اللهِ عَنْه اللهِ اللهَ عَنْه اللهِ اللهِ عَنْه اللهِ اللهُ عَنْه اللهِ اللهُ عَنْه اللهِ اللهُ اللهُ عَنْه اللهِ اللهُ اللهُ عَنْه اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الله

۲۔ جعفری داوی کہتاہے کہ میں صفرت امام طی نقی علیدالسلام سے سنا مانھوں نے تھے سے فرایا کیا بات ہے کہ میں تم کوعبدالرحمٰن بن بعقوب کے ساتھ دیکھتا ہوں۔ میں نے کہا وہ میرادوست چھٹوٹ فرایا وہ خداک تعربیٰ اس کے بغروصف کے ساتھ کرتاہیہ میں یا توتم اس کے ساتھ دیہ ہمیں تھیوڑ دو یا ہم اُرسے ساتھ دیہواس کو چھوڑوں میں نے کہا وہ ہوچا ہے ہے کھے کیا تعلق میں جو دہ کہتا ہے میں نہیں کہتا رحفرت نے فرایا کیا تم اس سے نہیں ڈورتے کم اگر کوئی غذا ہا اس بد نازل بد توتم بھی اس کی بعیث میں آجاؤ کیا تہمیں علم نہیں کہ ایک شخص اصحاب موسی ہیں ایسا تھا جس کا ہا ہ فرعون کے

ساتھ متھا جب شکرفر کون موسلی سے جا ملا آونشکر کو سے سے نہلا تاکہ اپنے باپ کونھیں سے اور وہ فرحون کو بھوڈ کرموسی سے جا جا ہے۔ وہ اپنے باپ کے پاس آبا اور خریب باطلاک ابطال پی مہاں تک کہ وہ دونوں بائیں کرتے دریا کے کشارے بہنچ اور وہ کی دونوں ڈوب گئے ۔ جب جناب موسی کومعلوم ہوا توفر مایا اس پر رحمت فدا ہوگ ۔ میسکن عذاب جب نازل ہوتا ہے تو گنہ کارے کی جو قرمیب ہوتا ہے وہ بھی لیسٹ میں آجا تہے۔

٣ ـ أَبُوعَلِي الْأَشْمَرِي ، عَنْ عَبْرِ عَبْدِ الْجَبْارِ، عَنْ عَبْدِالْرَ حَمْنِ بْنِ أَبِي نَجْرَانَ، عَنْ عُمَرَ بْنِ يَرْبِدِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَنْ عَبْدِالْجَبْارِ، عَنْ عَبْدِالرَّ حَمْنِ بْنِ أَبِي نَجْرَانَ، عَنْ عُمَرَ بْنِ يَرْبِيدِ ، عَنْ أَبِي عَبْدَ اللهِ عَلَى دَبِنِ خَلِيلِهِ وَقَربنِدِ . هَنْهُمْ ؛ قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْمَرْ اللهِ عَلَى دَبِنِ خَلِيلِهِ وَقَربنِدِ .

۳۔ فرمایا حفرت امام جعفوصا وق علیدالسسلام نے بوعت پسندوں کے معداحیب ندمبنوا وران کے پاس ندہ کھو ورز لوگ تم کوبھی انہی میں سے جانیں گے رسول اللّٰہ نے فرطایا آ ومی المہنے دوست کے دین پرمہز آ سیے اور اسپنے میم نشین کے۔

٤ - عَنَّ أَبِي نَصْبِى ، عَنْ عَنْ عَنْ عَنْ الْمُسَيْنِ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنْ أَبِي نَصْرٍ ، عَنْ ذَاوُدَ بْنِ سِرْحَانَ عَنْ أَبِي مَبْدِاللهِ لَلْمَلِيَّةِ عَلَيْكُمْ قَالَ : قَالَدَ سُولَ اللهِ وَاللهِ وَاللهِ عَنْ أَهْلَ الرّ يْبِ وَالْهِدَعِ مِنْ بَعْدِي فَأَغْبِرُوا الْبَرْالَةَ مَيْنَهُمْ وَأَكْثِيرُوا مِنْ سَبْيِمْ وَالْقَوْلَ فِيهِمْ وَالْوَقِيعَة وَباهِ مُولُومٌ كَيْلا يَطْمَعُوا فِي الْفَسَادِ فِي الْإِسْلامِ وَيَحْذَدُهُمْ النَّاسُ وَلا يَتَعَلَّمُوا مِنْ بِدَعِيمْ يَكُنْ إِللَّهُ لَكُمْ بِذِلِكَ الْحَسَنَاتِ وَ يَرْفَعُ لَكُمْ بِهِ الذَّرَجَاتِ فِي الْآخِرَةِ .

مهر فرمایا صادق آگی محکد نے کدیرول النزنے فرمایا کم جب تم احکام مشیرے میں شک کرنے والوں اور برعت پسندو کومیرے بعد دیکی عوتوان سے اپنی براکٹ طاہر کروا ورا پنے دل بین اکثر ان کوبرا کہوا وران کے مذہب کے ابطال میں گفت گو کروتا کروہ امسلام میں فساد بربا کرنے کی طبع نہ کریں اور لوگوں کو ان سے ڈوراڈ اوران سے بدعات کور سیکھوا ساحمل کرنے ہے النز تمہارے لئے حسنات کھے گا اور آخرت میں تمعار سے درجات بلند کرے گا۔

٥ - عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ أَخْمَدَبُنِ عَلَيْهِنِ خَالِدٍ ، عَنْ عُثْمَانَبْنِ عِيسَى، عَنْ عَلَيْبْنِيوُسْفَ عَنْ عَشِيدٍ ، عَنْ أَبِيَ عَبْدِاللهِ عَلَيْكُ قَالَ : لا يَنْبغي لِلْمُسْلِمِ أَنَّ يُوا خِيَ أَلْفَا جِرَ وَلاَ الْأَحْمَقَ وَلاَ الْكَذَّ الِ

۵ ـ فرمایا حفرت امام حفوصا دق هلیوانسلام نے مسلما نوں کو نہیں چاہیے کہ وہ بدکار آدی سے بھائی چارہ کریں اور رز احمق اوربہت ذیادہ جھوٹ بولنے واسے سے ۔ ان والماليكي وال

مَ عَنْهُ ، عَنْ عَمْرِ وَبْنِ عُثْمَانَ ، عَنْ عَلَيْهِ إِذَا صَعِدَ الْمَنْبَرَ فَالَ : يَنْبَعَي لِلْمُسْلِمِ أَنْ يَجْتَنِبَ مُواجَاةً قَالَ : كَانَ أَمِرُ الْمُؤْمِنِينَ صَلُواتُ اللهِ عَلَيْهِ إِذَا صَعِدَ الْمَنْبَرَ فَالَ : يَنْبَعَي لِلْمُسْلِمِ أَنْ يَجْتَنِبَ مُواجَاةً ثَلاثَةً : الْمَاحِن وَالْأَحْمَقِ وَالْكَذَّابِ ؛ فَأَمَّا الْمَاحِنُ فَيْزَيْنُ لَكَ فِعْلَهُ وَيَجِبُ أَنْ تَكُونَ مِثْلَهُ وَلَا يَعْبَلُكَ عَلَى أَمْرُ دِبنِكَ وَمَعْادِكَ ، وَمُقَارَنَتُهُ جَفَاءُ وَقَسُّوةً ، وَمَدْخَلُهُ وَمَحْرَجُهُ عَلَيْكَ مَنْ وَأَمْالاً حْمَقُ فَعَرَ لَا يُشْهِرُ عَلَيْكَ مِنْ عَلَيْكَ مَنْ وَمُعْرَفِلا عَلَيْكَ مَا أَوْادَ مَنْفَعَتَكَ فَضَرَّ كَ وَمَا اللهُ وَعَنْ وَقَسُوهُ وَ وَمُونَةً فَمَنْ لَكَ فَعَلَى عَلَى اللهُ وَاللهُ وَعَلَيْكَ مَنْ مُنْ اللهُ وَعَنْ وَلَوْا عَلَيْكَ مَنْ مُنْفَعَتَكَ فَضَرَّ كَ وَاللّهُ وَاللّهُ وَعَنْ وَلَا لَهُ وَمُعْرَجُهُ وَلَا يُرْجَى لِي وَلْمُ وَلِي اللّهُ وَعَنْ وَلَوْا مُرْدُولِ وَمَعْرَبُهُ وَلَا اللّهُ وَعَنْ وَلَوْا مُولِكُونَهُ خَيْرٌ مِنْ خَلِي وَمُعْمَلِكُ مَنْ فُلْهِ وَاللّهُ وَمُؤْمَدُهُ خَيْرٌ مِنْ خَلِيهُ وَمُعْرَبُهُ لِللّهُ اللّهُ لَا يَهْتَكُ فَعَلَى اللّهُ وَمُعْرَفِهُ وَمُعْرَفُهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَمُولِكُونَهُ مَنْ اللّهُ وَلَيْهُ وَلَمُ اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَقَلْ اللّهُ وَمُنْ عَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللّهُ وَاللّهُ وَلَا اللللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا اللّهُ وَلّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا اللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللللّهُ وَلَا الللللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا اللللّهُ وَلَا الللّهُ وَلَا الللللّهُ وَلَا الللللللّه

٧ - عَدَّةُ مِنْ أَصَحَابِنا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيادٍ ، عَنْ عَسْرِو بْنِ عُثْمَانَ ، عَنْ عَبَّرْبِنِ عُذَافِي ، عَنْ بَعْضِ أَصَحَابِهِ ، عَنْ عَبَّرْبِنِ مُسْلِم أَوْأَبِي حَمْزَة ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ أَبِيهِ الطَّلاَقُالَ : قَالَ لِي عَلِي بْنُ الْخُسَيْنِ صَلَوَاتَ اللهِ عَلَيْهِما : يَا بُنَيْ انْظُرْ خَمْسَةُ فَلا تَصَاحِبُهُمْ وَلا تُحَادِثُهُمْ وَلا تُرَافِقُهُمْ فَي طَرِيقَ فَقُلْتُ الْخُسَيْنِ صَلَوَاتَ اللهِ عَلَيْهِما : يَا بُنَيْ انْظُرْ خَمْسَةُ فَلا تَصَاحِبُهُمْ وَلا تُحادِثُهُمْ وَلا تُرَافِقُهُمْ فَي طَرِيقَ فَقُلْتُ الْخُسَيْنِ صَلَوَاتَ اللهِ عَلَيْهِما : يَا بُنَيْ انْظُرْ خَمْسَةُ فَلا تَصَاحِبُهُمْ وَلا تُحادِثُهُمْ وَلا تُحادِثُهُمْ وَلا تُعَلِيقُ فَي اللهُ اللهِ عَلَيْهِ وَإِينَاكَ وَمُصَاحَبَةَ الْعَلْمِ وَاللّهُ وَمُصَاحَبَةَ الْا حُمْقِ فَائِلُهُ مَنْ ذَلِكَ ، وَإِينَاكَ وَمُصَاحَبَةَ الْا تَحْمَقِ فَائِلُهُ مِنْ ذَلِكَ الْبَعِيدُ وَ يُباعِدُ اللّهُ مَنْ ذَلِكَ مَنْ وَاللّهُ مَنْ اللّهُ مَنْ ذَلُكَ فَي مَاكُونَ إِلَيْهِ وَإِينَاكَ وَمُصَاحَبَةُ الْا حُمْقِ فَائِلُهُ مِنْ ذَلُكَ فَي مُنْ لَا عَلَيْهُ مُنْ لَا عَلَيْهُ مَنْ اللّهُ مَنْ فَعْمُ فَي مَالِهِ أَحُوجَ مَا تَكُونَ إِلَيْهِ وَإِينَاكَ وَمُصَاحَبَةُ الْا حُمْقِ فَائِلُهُ مُ مَنْ اللّهِ الْحَوْمَ عَلَيْهُ لَلْكُونَ إِلَيْهُ وَإِينًاكَ وَمُصَاحَبَةُ الْا حُمْقِ فَائِلُهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ الْمُعْلِيقُ فَي مُلْالِهِ أَحُوجَ مَا تَكُونَ إِلَيْهِ وَإِينَاكَ وَمُصَاحَبَةُ الْا حُمْقِ فَائِهُ مُ مُعْلِمُ اللهِ أَحْوَجَ مَا تَكُونَ إِلَيْهِ وَإِينًاكَ وَمُصَاحَبَةُ الْا حُمْقِ فَائِهُ مُنْ اللّهُ مُنْ اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ الْمُعْتَلِقُولُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ مَنْ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ اللّهُ عَلَيْهُ اللْعُولِي السَالِمُ اللّهُ اللّهُ الْعُلُولُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللْعُلُولُ الللّهُ اللْعُلْمُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ الللّهُ اللْعُلُولُ اللْعُلْمُ اللْعُلُولُ الللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ اللْعُلْمُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ اللْعُلْمُ اللّهُ اللْعُلْمُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللْعُلُولُ اللّهُ

۸۰ دادی کمت دیدی می فحفرت امام جعفرصادت علیدالسلام سے اس آیت کے تنعماق بوجھا۔ تم پرکت ب بیں بینازل کی شید بست میں اور اور میں کا آباد کو دیکا در خات الخ افزال اس سے مرادیہ بدی جب تم کی کے تعلق بی کہت ہے تا کہ کہ میں اور کا آباد کا در خات کی اس خات کے اور خات کا در خات کا در

٩ - عَلِي بَنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَلِي بِنِ أَسَّبَاطِ ، عَنْ سَيْفِ بْنِ عَمِيرَةَ ، عَنْ عَبْدِالْأَعْنَى ابْنِ أَعْنَى ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ ؛ مَنْ كَانَ يُؤْمِنُ بِاللهِ وَالْبَوْمِ الآخِرِ فَسَلايَجْلِسُ مَجْلِساً يُنْتَقَصَ فِيهِ إِمَامُ أَوْبِمُالٍ فِيدِ مُؤْمِنُ إِللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى اللهِ عَ

۵ رفرایا حفرت امام جدفومها دق علیدانسان ف الله اور دوز آخرت پرایمان لاف والاالیے جلسیس نہیں جی بی المام کے نقائص بیان بھوں یامؤن مے عیب -

١٠ عِدَةَ مَّمِنْ أَصَّخَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيادٍ ، عَنْ جَعْفَرِ بْنِ عَبَّالًا شُعَرِيٍّ ، عَنِ ابْنِ الْقَدَّ اج ، عَنْ أَمِي عَلْدِهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ : مَنْ كَانَ يُؤْمِنُ بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ عَنْ أَمِي عَلَيْهِ : مَنْ كَانَ يُؤْمِنُ بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ عَنْ أَمِي عَلَيْهِ : مَنْ كَانَ يُؤْمِنُ بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ : مَنْ كَانَ يُؤْمِنُ بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ وَالْيَوْمِ الْأَخِرِ عَنْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ

ا۔ فرط احفرت ا مام جعفرصا دق ملبالسلام نے کمامیرالمونئین علیائسلام نے فرط جواللڈا ودروز قبیام شن پرایمان لانے والاہے وہ نہمت اورشک کی جگرمی کھڑا تہ ہوگا ۔

١١ - عُنَّدُ بْنُ يَحْنِى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَنْ عَلْ عَنْ عَلِيتِى بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ سَيفِ بْنِ عَمِيسرَةَ، عَنْ عَبِدِالْأَعْلَىٰ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ غَلِيَةً مُ يَعُولُ : مَنْ كَانَ يُؤْمِنْ بِاللهِ وَٱلْيَوْمِ الْآخِرِ فَلاَيَقَعْدُنَ فِي مَجْلِي يُعَابُ فِيهِ إِمَامُ أَوَ يُنْتَقَصَ فِيهِ مَوْمِنْ .

اارترجه عافين ديكهن -

١٢ - الْحُسَيْنُ بْنُ عَبَّهِ، عَنْ عَلِي بْنِ عَبَدِاللهِ عَنْ عَبَيْ بَنِ عَبْدِ مَ عَنْ يَهَدِيْنِ مُسْلِم ، عَنْ إِسْحَاقَ بْنِ مُوسَى اللهَ : مَلاَ أَهُ مَجَالِسَ يَمْقُنُهَا اللهُ وَيُرْسِلُ يَقْمَنَهُ عَلَىٰ قَالَ : حَدَّ ثَنِي أَجِي وَعَمْنِي ؛ عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ غَلِيَا أَفَلا اللهُ وَيُوبُولِ اللهُ وَيُرْسِلُ يَقْمَنَهُ عَلَىٰ أَهْلِهَا فَلا اللهُ وَيُمْ وَلا تُجَلِسا فِي مُنْ يَصِفُ لِسَانَهُ كِذَبا فِي فُتْنَاهُ ، وَمَجْلِسا فِيهِ مَنْ يَصَدُّعُنا وَأَنْتَ تَعْلَمُ ، قَالَ : ثُمَّ تَلاا بَوْعَبَدِاللهِ عَلَيْ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ ال

١٣ ـ وَيِهٰذَاالْإِسْنَادِ ، عَنْ تَعَرَبْنِ مُسْلِم، عَنْ دَاوُدَبْنِ فَرْ قَدِ قَالَ : حَدُّ ثَنِي عَدَّبُنُ سَعِيدِ الْجُمَحِيِّ قَالَ : حَدُّ ثَنَى هِشَامُ بْنُ سَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَالَ : إِذَا ابْنُلِيتَ بِأَهْلِ النَّسْبِ وَمُجَالَسَنِيمُ فَكُنْ قَالَ : خَدُّ ثَنَى هِشَامُ بْنُ سَالِم ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْ قَالَ : إِذَا ابْنُلِيتَ بِأَهْلِ النَّسْبِ وَمُجَالَسَنِهُمْ فَكُنْ كَاللهُ عَلَيْهُمْ وَيَلْعَمُهُمْ ، فَإِذَا رَأْيَتُهُمْ يُخَوْضُونَ فِي ذِكُو إِمَامٍ مِنَ الْأَيْمَةِ فَقُمْ فَإِنَّ سَخَطَاللهِ يَنُولُ هُنَاكَ عَلَيْهُمْ .

۱۳- فرمایا صادق آل محرور ملیالسلام نے جب تم ناصبیوں میں مجنس جا قداور مجبور الن کے پاس بیٹنا ہو آواس طرح اپنے وہاں سے اکھنے کے بے مین رہو گویا تم جلتے بچھ وں پر میٹھے موکیوں کہ خدا ایسے درگوں کا دشمن ہے اوران پر نعنت آوا اور جب دیکھو کر وہ تمہارے کی امام کی مذمت کر ہے ہیں تو وہاں سے کھڑے ہوجا و کیوں کر اللّٰد کا عذاب ان برنا ڈل ہوگا

١٤ - أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ، عَنْ تُحَرِّنِ عَبْدِالْجَبُّادِ، عَنْ صَفُوانَ، عَنْ عَبْدِالرَّ حُمْنِ بْنِ الْحَجَّاجِ عَنْ أَبَوَ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدِاللهِ عَنْ اللهُ تَعَالَىٰ .

۱۲۰ فرایا حضرت دام جعفوصاد تی ملیدانسلام نے وکول الیف خص کے پاس بیٹے جدا ولیائے فعدا کو کا لیاں دے دہا جداس نے اللہ ک تا فرانی ک ر

 ۱۵ و فرایا حفرت امام محد با قرعلیا اسلام نے جوکوئی ایسی مجلس بیر پینی کاجہاں امام کو کالیاں دی جساتی ہوں اور وہ انتقام کی نندرت رکھتے ہوئے انتقام نربے تودنیا وا توت میں خدا اسے دلت کا لباس پہنائے گا اور اپنی بہترین نعمت جوہا دی معوفت ہے ہے سلب کر ہے گا۔

١٩ - الْحَسَيْنُ بِنْ عَلِي بُونَهُ بِنَ عَلَى بَعْنَى ، عَنْ عَلَى بْنِ عَلَى بْنِ عَلَى بْنِ عَلَى بْنِ عَلَى بَالْمُ اللهِ ، عَنْ الْعَمَانِ ، عَنِ الْمَمَانِ بْنِ عَلَيْ بْنِ اللهُ عَالْ بَهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَى بْنُ النَّعْمَانِ ، عَنِ الْمَمَانِ بْنِ عَلَيْ بْنُ النَّعْمَانِ ، عَنِ الْمَمَانِ بْنِ عَبَيْدِ اللهِ قَالَ : مَنْ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ الله

۱۱- دادی کہتاہے میں نے می ابن ام الطویل کو کماسہ رحملہ کوئی ایس کھڑا دیکھا جو با واز بلند کہد رہا تھا - اے دوستانِ خدا جو تم سنتے ہوئیں (س سے بری موں حب نے مل علیہ السلام کوگا لی دی اس پر خدا کی لعنت اور ہم بیٹر ارہی اولا دمرواٹ سے ادر ہم سنتے ہوئی دی اس بر عبال معنی میں مست بیٹوا ور اس مست بیٹوا ور اس مست بیٹوا ور جو ہما کہ سے خدیب الم بیسے میں مست بیٹو اور جو ہما کہ سے خدیب الم بیسے میں مست بیٹو اور جو ہما کہ سے خدیب الم بیسے میں مسلمان سے میں میں اور جو ہما کہ بیسا کی تم سے سوال کرے اور جو بر سال اسے منہ ویا تو جم ایک میں میں بر کر ہما ہو ان کہ بر اور کوئی کے بیس کی اور جب بریاسے ہو کو سندیا وکریں کے قوان دے کا کیسا بر ابین کہ اور کیسی بری کر سے کہ گھرہے ۔

دوسوبالو<u>دال باب</u> امنان مردم

> (باب)) ۲۹۲ ه(اَصْنَافِ النَّاسِ)ه

١ عَذْ مَ مِنْ أَصَحْابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيادٍ، عَنْ عَلِيّ بْنِ أَسْبِاطٍ ، عَنْ سُلَيْمٍ مَوْلَىٰ طِرْ بَالِ قَالَ:
 حَدَّنَهُي هِشَامٌ ، عَنْ حَمْزَةَ بْنِ الطَّيْنَادِ ، قَالَ : قَالَ لِي أَبُوْعَبْدِاللّهِ يَطْبِيلًا : اَلنَّاسُ عَلَىٰ سِتَّةِ أَصْنَافِ

قَالَ: قُلْتُأَ تَأَذُنَ لِيأَنَ أَكُنْبَهَا ؟ قَالَ: نَعَمْ فَلْتُ: مَاأَكُنْبُ ؟ قَالَ: اكْنُبُ أَهْلَ الْوَعِيدِ مِنْ أَهْلِ الْجَنَةِ وَأَهْلَ النَّارِوَاكُنْبُ هُ وَآخَرُونَ اعْتَرَفُوا بِذُنُو بِهِمْ خَلَطُواعَمَلاً صَالِحاً وَآخَرَسَتِ اللهُ قَالَ: قُلْتُ : مَنْ هُولاءِ قَالَ: وَحْيِيُ مِنْهُمْ قَالَ : وَاكْنُبُ هُ وَآخَرُونَ مُرْجَوْنَ لِأَ مُسرِ اللهِ إِمَّا يُعَذِّ بُهُمْ وَ إِمَّا يَتُوبُ عَلَيْهِمْ عَالَ : وَ اكْنُبُ وَإِلاَ الْمُسْتَضَعَفِينَ مِنَ الرِّجَالِ وَالنِسْاءِ وَالْوِلْدَانِ لا يَسْتَطِيعُونَ جِيلَةً وَلا يَهْتَدُونَ سَبِيلاً إِلَي الْإِيمَانِ هُ فَا وَلَئِكَ عَسَى اللهُ اللهُ مَنْ مَنْ الرِّجَالِ وَالنِسْاءِ وَالْوِلْدَانِ لا يَسْتَطِيعُونَ جِيلَةً وَلا يَهْتَدُونَ سَبِيلاً إِلَي الْإِيمَانِ هُ فَا وَلَئِكَ عَسَى اللهُ اللهُ اللهُ عَرَافِ ؟ قَالَ: قَوْمُ اسْتَوَتُ مَنْ مَنْ الرَّعُونَ اللهُ عَرْافِ عَلَى اللهُ عَرَافِ ؟ قَالَ: قَوْمُ اسْتَوَتُ حَسَى اللهُ عَرَافِ ؟ قَالَ: قَوْمُ اسْتَوَتُ حَسَى اللهُ وَسَيْعَاتُهُمْ وَ الْ أَدْخَلَهُمُ النَّالَ وَالْتُلْ عَرَافِ ؟ قَالَ: قَوْمُ اسْتَوتُ حَسَى اللهُ حَسَى اللهُ عَرْافِ ؟ قَالَ: قَوْمُ اسْتَوتُ حَسَى اللهُ وَسَيْعَاتُهُمْ وَسَيِعًا تُهُمْ ؟ فَالَ : قَالَ أَدْفُولِهِمْ وَإِنْ أَدْخَلَهُمُ الْجَنْدُ فَوْمُ الْسَوَتَ عَلَى الْتُولِ وَالْ اللهُ الل

۱- دادی کیتلبید فی سے حفرت امام جعفوصا دن علیدا نسام خوا با کردگ چھوستم کے ہیں میں نے کہا اجازت ہو توسیل لکے اور وفر والے اور دورزخ والے اور ملحوا کی کو وہ ہے جوری فی اور دورزخ والے اور ملحوا کی گروہ ہے جوری نے اپنے گئا ہوں کا احراف کیا اور نیک و بلدا عمال کو طادیا میں نے پوچھا وہ کون ہیں فرایا وہ ، وہ ہیں جوگٹ اہوں سے وہ ہے جری نے اپنے گئا ہوں کا احراف کی ایک اور نیک اور خاس اور کی تعلیماں نیادہ ہیں ، فرایا ملحوا کی گروہ بخت الله کے احدد ادول کلہے فعدا چاہے گا آلو ان پرعذا ہے کہ اور چاہے گا توان کی تو بہول کر اے گا اور فرایا ملحوا کی گروہ ختش الله کے احدد ادول کلہے فعدا چاہے گا آلو ان پرعذا ہے کہ توان کی تو بہول کر اے گا اور فرایا ملحوا کی گروہ ضعیف الله عقادم دول اعور تول اور کول اور کول کا ہے جو اپنی عقل کی کروں سے نرگئا ہ سے بہتے کی تدریر کرتے ہیں اور دورہ میں اور کہ موان ہمایت باتے ہیں دیعنی نہ تو وہ کو ہے۔ میں سے دیا ہے ہیں دیون میں تو وہ کو ہے۔ میں اور کا ہے دیا تھی تو ایسے گرا اللہ کی کروں اور اگر جنت ہیں اگروہ دورہ میں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہیں جائیں کے تولیعے گنا ہوں کی بدولت اور اگر جنت ہے۔

٢ عَلَى بَنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عَيْرَبْنِ عِيسَى بْنِ عُبَيْدٍ ، عَنْ يُونْسَ ، عَنْ حَمثَادٍ ، عَنْ حَمْزَةَ بْنِ الطَّيَّارِ قَالَ : قَالَ أَبُوعَبْدِ اللهِ غَلْبَالِيُ : النَّاسُ عَلَى سِتِ فِرَقِ ، يَوُّولُونَ كُلِّهُمْ إِلَى ثَلَاثِ فِرَقِ : الْإِيمَانُ وَالْكُفْرُ وَالضَّلالُ ، وَهُمْ أَهْلُ الْوَعْدَيْنِ الذّبِينَ وَعَدَهُ مُ اللهُ الْجَنَّةَ وَالنَّارَ : الْمُؤْمِنُونَ وَالْكَافِرُونَ وَالْكُفْرُ وَالضَّلالُ ، وَهُمْ أَهْلُ الْوَعْدَيْنِ الذّبِينَ وَعَدَهُ مُ اللهُ الْجَنَّةَ وَالنَّارَ : الْمُؤْمِنُونَ وَالْكَافِرُونَ وَالْكُفْرُ وَالشَّارَ : الْمُؤْمِنُونَ وَالْكَافِرُونَ وَالْمُسْتَضْمَفُونَ وَالْمُسْتَضْمَفُونَ وَالْمُسْتَضْمَفُونَ وَالْمُسْتَضْمَفُونَ وَالْمُسْتَضْمَعُونَ وَالْمُسْتَطْمُونَ وَالْمُسْتَضْمَعُونَ وَالْمُسْتَضَمِّعُونَ وَالْمُسْتَضَمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ عَلَيْهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللهُ وَاللّهُ مِنْ وَاللّهُ اللهُ وَاللّهُ اللهُ وَاللّهُ اللهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ الللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ ولَالْمُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ الللّهُ وَلّمُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ اللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ وَاللّهُ

۲- فرمایا ۱ مام جعفه صادق علیدالسلام نے لوگوں کے چھ گر وہ ہیں جن کے نین فرتے بنتے ہیں ایمان واسے ، کفروالے ، فسلالت والے و وعد و وظیر والے بہی دیگ ہیں جن سے اللہ نے چنت و دوزخ کا وعدہ کیا ہید مومن ہیں کا فرہیں ضعیف الایمان ہیں اور امر خدا سے امید وا رہیں چلہے ان کو عذا ہد دے یا تو ہترول کرسے اور ایک گروہ اپنے گئنا ہوں کا اعتراث کرنے وال ہے جفول نے ا

برسداعمال كو لماركها بعاورا يك كروه ابل اعوات كاسي-

اقل رجن سے جنت کا وعدہ ہے وہ موشین ای جو الله ورسول اور تمام ماجار بدائرسول پر فران وقلب سے ایمان لائے اور اینے اعضا می وارج سے الله کا طاعت کا۔

دوم - اہل وعید دیا لٹاراوروہ کا فربی جنھوں نے النّرورسولٌ اور اجارب النّی میں سے کسی چرکایمی زبان اورقلب سے انکا دکیا اور تقریم چرکزواکف کو ترک کیا

سوم مستفعف ومبرجندوا ، فعدم من بلیت ک دم سے ایمان کا طرف برایت شبائی رجیسے لائے۔ بیسے دیات اسلام بہنی ۔ لائے دیات اسلام بہنی ۔

پہر سام ۔ ہرائبی کے اعید واریہ وہ ہیں جن کے گئے حکم قیامت پر موتون سے چاہے ان کو عذا ب۔ دے یا ان کی توبر قبول کرلے ریہ وہ لؤگ ہیں جتھوں نے کفرسے توب کی ۔ اور اسسلام میں داخل ہوئے اور اسلام نے ان میں حت لوب ہیں جڑ نہیں بکڑی اور وہ المنڈ کی کھے عبادت نذکر ہائے اور مرککے نذایمان ہی سنتھم ہوا اندکفر ہی چھوٹا ۔ ابل فسلال سب مرحون لامرائٹ میں ہیں ۔

پنجمرا فساق المومنين مبنوں ئے نیک وبائل کو خلط ملط کردیا بھول بنے گنا ہوں کا اعترات کیا مکن سے خداان کی تربی بندل کرہے ۔

مششم امعاب اعوان به ده لوگ چیجن که دان وسیّات برابری ایک کودوسید پرترجیخ نهیں اس نے ان کے لئے معرف جنست دوزخ ، ده اعراف یں دی گنجب یک اللّردو امردن میں سے ایک کورجیح ددے پراس کا شیبت پرموقو ضعیت.

٣ - عَلَيَّ بُنْ إِبْرَاهِيم ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْرِ ، عَنْ هِشَامِبْنِ سَالِم ، عَنْ زُرَارَةَ قَالَ :

 آنَا وَحُمْرَانَ _ أُوْأَنَا وَبُكَبْرُ - عَلَى أَبِي جَعْفَرِ إِلِيلِا قَالَ : قَلْتُ لَهُ : إِنَّا نَمُدُ الْمِطْمَارَقَالَ :
 وَمَا الْمِطْمَارُهُ قُلْتُ النَّذُ عُمَنَ وَافَقَنَا مِنْ عَلَوِي أَوْغَيْرِهِ تَوَلَّ يُنَاهُ وَمَنْ خَالَفَنَامِنْ عَلَوِي أَوْغَيْرِهِ بَوَلَانًا اللهِ عَنْ وَجَلَ : وَإِلّا الْمُسْتَضَعَفِينَ مِنْ قَوْلِكَ ، فَآيْنَ الْدِينَ قَالَ الله عَنْ وَجَلَ : وَإِلّا الْمُسْتَضَعَفِينَ مِنْ قَوْلِكَ ، فَآيْنَ الْدَينَ قَالَ الله عَنْ وَجَلَ : وَإِلّا الْمُسْتَضَعَفِينَ مِنْ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَنْ وَجَلَ : وَإِلّا الْمُسْتَضَعَفِينَ مِنْ قَوْلِكَ ، فَآيْنَ الْدَينَ قَالَ الله عَنْ وَجَلَ : وَإِلّا الْمُسْتَضَعَفِينَ مِنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ اللّهُ عَنْ الْمُولَقَةُ قُلُونِهِمْ ؟ ! .

 مَن الدّبِن خَلَطُوا عَمَلا ضَالِحاً وَآحَرَ سَيْئاً ؟ أَيْنَ أَصْحَانِ اللّا عَرَافِ أَيْنَ الْمُؤلِّفَةُ قُلُونِهُمْ ؟ ! .
 أَيْنَ اللّهُ بِنَ خَلَطُوا عَمَلا ضَالِحاً وَآحَرَ سَيْئاً ؟ أَيْنَ أَصْحَانِ الْأَعْرَافِ أَيْنَ الْمُؤلِّفَةُ قُلُونِهُمْ ؟ ! .

وَزَادَ حَمَّادُ فِي الْحَدِيثِ أَوْلَ : فَارْتَفَعَ صَوْتُ أَبِي جَعْفَرِ عَلَيْكُمْ وَصَوْبِي حَتَّىٰ كَادَ يَسْمَعُهُ مَن عَلَى بُابِ الذَّادِ

وَزَادَ فِيهِ جَمِيلٌ ، عَنْ زُرارَةَ : فَلَمَا كَثْرَ ٱلكَلامُ بَيْنِي وَبَيْنَهُ قَالَلِي : يَاذُراَرَةُ حَقَّاعَلَى اللهِ أَنْ { لاَ يُدْخِلَ الشُّلَالَ ٱلْجَنَّةَ .

۳- دراده نے کہایں اور عمران پایں اور بکیرام محدیا ترطیران سام کی غدمت میں آئے۔ بیں نے کہاہم مدو بلیتے ہیں طمار سے (دہ ڈوری چی کو نگا کو عمار سے دیکھتا ہے کہ کون ایڈٹ آ بھے ہے کول بیچے ، حفرت نے پوچھا مطمار کیا ہے کہا تربی جوہم سے موائن ہمذا ہے علوی ہو یا فی علوی ہم اسے نحبت کرتے ہیں اور جوہمارے خلاف ہو علوی ہم اس پر تبرا کرتے ہیں حفرت نے ڈوالیا ہے زرادہ اللہ کے قول سے زیادہ ہجا ہے کہاں جائیں گے وہ کو گرجن کے لئے خدا فرانا ہے اور فسعیف الاحتقاد مردھورتی اور لوکے جو نہ گراہی سے بچنے کی طاقت رکھتے ہیں اور دیم میچے داستہ کی طوف بدا جت باتے ہیں اور کہاں جاتیں گے وہ کو گرجوا مرفول کے الم بدوارہ یہ اور وہ کو گرج خوں نے بہک دکہ کو طاویل ہے اور اصحاب اعراف اور تو گفتہ القالوب (مطلب سب کے ذکارہ نے اتسام ناس کو دو قسموں ہیں محد ود کردیا تھا حفرت نے فرایا ایسا نہیں ہے بلکرف آخد واور قسیس بھی ہیان کہیں ۔

ممادنے اس مدیدن میں اتناا ضافہ اور کیا ہے کہ ام محدیا قرطیا اسلام کی آ واز بلند ہوئی اور میری بیہاں کک کر جودروازہ پر تھے انفوں نے من لی اور جمیل نے زرارہ سے نقل کیا ہے کہ جب میرے اور حفرت کے دیمیان بات بڑھی توحفرت نے نمایا اے زرارہ اللہ کو پین ہے کردہ اہلِ ضلال کو داخل جنت کردے (توب کے بعد)

اس مدیث سے ذران کی قدر شابت ہوتی ہے اور سوکا دب کی دلیسل ہے تیکن می تک وہ ما اس پر دال ہیں ہندا مدیث اس مرفعہ اور سوکا دب کی دلیس ہے میں اس پر دال ہیں ہذا مدیث کے آخری شکر اس کی طوت تھے اور ان کی تفصیلات پر نوگوں کا اجماع اور ا حادیث آئمہ کی جمل اس پر دال ہیں ہذا مدیث کے آخری شکر اس کی طوت توجہ ندی جائے گئی مکن ہے اس مستم کی باتیں کما الم مونت مامسل ہونے سے بہلے ہوئی ہوں یا ان کی عا دت زور سے بولے اور بی شکرے کی جوا ور اپنے نفس برقا اور در کھتے ہوں اور مفرات آئم سے شہوت حاصل کرنا اور منا کی کیفیت سے آگا ہ ہونا ہویا امردین میں وہ حد درج سے بول اور حفرات آئم سے شدید محبت رکھتے ہوں اور حفرات آئم سے شدید محبت رکھتے ہوں۔

دوسوترانوے وال باب کفر (بائ الکفر) ۲۹۳

١ - عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ أَحَمْدَ بَنْ عَنِي مَنْ الْحَسَنِ بْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنْ دَاوُدَ بْنِ كَثِيرِ الرَّقِيقِ

قَالَ: قُلْتُ: لِأَ بِي عَبْدِاللهِ تَلْقِتُكُمُ : سُنَنُ رَسُولِ اللهِ عَنَيْنِ كُفَرَا عِضِ اللهِ عَنَّ وَجَلَ ؟ فَقَالَ : إِنَّ اللهَ عَنَّ وَجَلَ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَم

ار دادت کمتلہے میں نے امام جعفر مسادتی علیالسام سے اِنتھا، کیاسنت دسول اُود وَاکْف خعا برا بریں۔ وَما یا خوانے جو وَاکْفَ دِ کھے ہیں وہ بشدول بدلانم ہیں جوکوئی ان میں سے ایک فریف ترک کرے گا ورشل مذکر سے گا اور اس کا انکار کرے گا وہ کافر ہے اور جن امود کا دسول النٹرنے حکم ویلہے وہ حسنات ہیں ہیں چوکوئی بعض اس چریکا حسم میں اطاعت کا حکم النسف دیاہے تارک ہوجائے تو وہ کفرنہیں بلکہ فضیلت کا تارک اور نیکی ہیں کمی کرنے والا ہوگا۔

٧ - عَلِي بْنُ إِبْرَاهِيمَ ،عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ حَشَادِبْنِ عِيسَى، عَنْ حَرِيزٍ، عَنْ ذُرْارَةَ، عَنْ أَبِي جَعْفَسِر عِيلَ اللهِ إِنَّ أَلْكُفْرَلاَ قُدْمُ مِنَ الشَّرْكِ وَأَخْبَثُ وَأَعْظَمُ ، فَالَ: ثُمَّ ذَكْرَ كُفْرَ إِبْلِيسَ جِينَ قَالَ اللهُ لَهُ : البَّجُدُ لِآدَمَ فَأَيْنُ أَنْ يَسْجُدَ ، فَالْكُفْرُ أَعْظَمُ مِنَ الشَّرْكِ فَمَنِ اخْتَارَ عَلَى اللهِ عَنَّ وَجَلَ وَأَبَى الطَّاعَةَ وَأَقَامَ عَلَى الْكَثَائِرِ فَهُو مُشْرِك .

۲- زراره نه روایت ک به کرتر مایا ۱۱ م محد با قرطیدانسلام نے کفرشرک سے آگے ہے اوراس سے زیادہ برا مجسد حضرت نے کفرا بلیس کا ذکر کیا گرجب خواف سجد آ اوم کے لئے اس سے کہا آواس نے انکار کیا۔ بس گفوششرک سے بڑا ہوا یا نہیں جس نے نا فرانی الجی کی جراکت اوراس کی اطاعت سے انکار کیا اور گٹا یان کبیرہ پر آگا دہ ہوا مہ کا فرہے اور جس نے مومنین کے وین کے خلاف کوئی دین نکال کو اکیا وہ مشریک ہے۔

٣ - عَلِي بَنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ عَلَيْنِ عِيسَى ، عَنْ يُونْسَ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ يُكَيْرٍ ، عَنْ دُرارَةَ عَنْ أَبِي حَفْصَةُ وَأَصْحابُهُ فَقَالَ : إِنسَّهُم يُنْكِرُ وَنَ أَنْ يَكُونَ مَنْ خَارَبَ عَلِينًا عِلِيهِ قَالَ : ذَكِرَ عِنْدَهُ سَالِمُ بْنُ أَبِي حَفْصَةُ وَأَصْحابُهُ فَقَالَ : إِنسَّهُم يُنْكِرُ وَنَ أَنْ يَكُونَ مَنْ خَارَبَ عَلِينًا عَلِيهِ مُشْرِ كِينَ ؟ فَقَالَ أَبُو جُمْفَرَ عَلَيْهِ السَّلامُ : فَإِنتَهُمْ يَزْعُمُونَ أَنشَهُم كُفَّالُا ، ثُمُّ قَالَ لَهُ : اللهُ فَقَالَ أَنْهُم كُفَّالًا بُهُ وَكُلُولً قَالَ لَهُ : اللهُ فَا اللهُ اللهِ قَالَ لَهُ : اللهُ هُو كَافِلُ عَلَى اللهُ اللهِ فَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ فَا اللهُ عَلَى اللهُ اللهِ فَهُو كَافِلُ عَلَى اللهُ اللهِ عَلَى اللهُ اللهِ فَهُو كَافِلُ اللهِ مُشْتَخِفُ كَافِلُ .

العدر دراره في حفرت المام محد با قر عليدا سالم سے روايت كل جدكر المام محد با قرعنيدا سلام كاسا حضر سالم بن الح حفق

ا و راس کا هماب کا ذکر آناک و ه اس کرمنگری کریمنول نے امیرالمؤمنین علیان اندم سیعنگ کی وہ مشرک تقی حفرت نے فرطانیا تو او ویر گمان کرتے میں کہ وہ کا فریق پیونشروا یا کفر ترسندرک سے کلی پرتر ہے کھوٹولیلیس کا بھی توکرکیا۔ جب، اس سے کہا سجدے کروان کے ان انعار کیا رحفرت نے فرطانی کوششر کی سے اسٹر سے جس نے نافرطانی تواک ہوائت کی اور اطاعت سے انکام کیا اور گنا ان کبیرہ پراحراد کیا تو وہ کا فریج نعنی احکام الی کوشفر سمجھنے والا کا فریج ۔

ع - عَنْهُ . عَنْ عَبْدِاللهِ بِنَ بُكَيْرٍ ، عَنْ ذُرَارَةَ ، عَنْ خُمْرَانَ بْنِ أَعْيَنَ قَالَ : سَأَلْتُ أَبَا عَبْدِاللهِ عَنْ قَوْلِهِ عَنْ قَالَ : إِمْنَا أَهُ السَّبِيلَ إِمَّا شَاكِراً وَ إِمَّا كَفُورَا أَنْ قَالَ : إِمْنَا آخِذُ فَهُو اللَّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَنْ عَلَيْهِ اللَّهُ عَنْ قَوْلِهِ عَنْ قَالَ : إِمْنَا أَخِذُهُ فَهُو اللَّهُ عَنْ قَوْلِهُ عَنْ قَالَ اللَّهِ عَلَيْكُ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَنْ قَوْلِهُ عَنْ قَوْلِهُ عَنْ قَوْلِهُ عَنْ فَوْلِهُ عَنْ عَنْ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْهِ عَنْ عَلَيْهِ عَنْ قَوْلِهُ عَنْ قَوْلِهُ عَنْ قَوْلِهُ عَنْ قَوْلِهُ عَلَى اللَّهُ عَلْمُ ال

٧ د عملات بن اعین سے روی ہے کم کی سے حضرت الم جعقرصا دق علیدانسان نے فرایا ہم نے اس کوهرا طامنتقیم کاطرت بدایت کہ اب وہ چلہے شکرگزار مہد چلہد کا فرہو ۔ فرمایا اگر اس نے دا و فداکو افتیار کیا توسٹا کرہے اور ترک کیا توکا فرج

۵ رابن زداره سعردی به کویر خدخرت الم جعف ما ان ملیا اسلام سه اس آیت کیمتعلق موال کیا جس نے ایمان سے ایمان سے ا ایمان سے اتکارکیا اس کاعل خالئے ہوا۔ قرابا جس نے ایساعل ترک کیا جس کا افراد کرچکا ہے مان جس سے کہ نماز کو اینے بھاری یا خاص مشنو لیست کے ترک کیا -

٩- عِدَّةَ أَهِنْ أَصَّخَامِنَا ، عَنْ سَمْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ عَلِيّمِ بْنِ أَسَّبَاطِ ا عَنْ مُوسَى بْنِ بُكَيْبِ فَالَ : مَا عَلِيّم بْنِ أَسْبَاطِ ا عَنْ مُوسَى بْنِ بُكَيْبِ فَالَ : مَا عَلَمْدِي بِكَ تَخَاصِمُ النَّاسَ مَا لَنْ أَسْأَلُكُ عَنْ ذَلِكَ ، عَمَّالَ لِيَ : الْكُفْنُ أَقْدَمُ وَ هُوَ الْجُحُود ، قَالَ اللهُ عَنْ ذَلِكَ ، عَمَّالَ لِيَ : الْكُفْنُ أَقْدَمُ وَ هُوَ الْجُحُود ، قَالَ اللهُ عَنْ وَجَلّ : وَإِلاَّ إِلْمِيسَ أَبَىٰ وَاسْتُكْبَرَ وَكَانَ مِنَ الْكَافِرِينَ ،

٣- دا دی کېتا په چې نے حفرت امام وی کا فاعلیال ۱۸ سه پوچاک کفود سفرک بین کان مقدم سے حفرت نے مجھ سے ترایا - پی نے تو تہیں دگوں سے مساحثہ کرتے نہیں دیکھا معلاب یہ ہے اس مسئلہ کا نقلق تو منا خلوسے سے اور تم مناط نہیں کرتے - بین نے کہا مہشام بن مالم نے بہی سوال کونے کہتے ہے کہا ۔ فروا کا کفر شسرک سے آگئے ہے کیون کے وہ اسکار ہے آیات المی

سے خدا فرما آسے مشیطان نے سبدہ سے انکارکیا تنکبرگیا اورکا فروں ہیں سے ہوگیا۔

٧ - عَلِي بَنُ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنِ أَبِهِ ، عَنْ عَبْدِالتَّ حُمْنِ بْنِ الْحَجَّاجِ عَنْ ذُرْادَةَ قَالَ : فَلْتُ لِأَ بِي جَبْفَهِ عِلَى إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ عَبْدِالتَّ حُمْنِ بْنِ الْحَجَّاجِ عَنْ ذُرْادَةً قَالَ : لأَوَلللهِ ، قَلْتُ فَمَا يَدْخُلْهُ إِلاَّ كَافِلُ ؟ قَالَ : لأَوَلللهِ ، قَلْتُ فَمَا يَدْخُلْهُ إِلاَّ كَافِلُ ؟ قَالَ : لاَ وَلللهِ مَنْ عَلَيْهِ مِنْ اداً قَالَ لِي أَيْ ذُرْارَةً إِنِّي آقُولُ : لاَ وَأَقُولُ : إلاَ مَنْ شَآءَ اللهُ ، وَأَنْتَ تَقُولُ : لاَ وَلاَتَقُولُ : إلاَ مَنْ شَآءَ اللهُ ، وَأَنْتَ تَقُولُ : إلاَ مَنْ شَآءَ اللهُ ،

قَالَ فَحَدَّثَنَي هِ شَاءُ بْنُ الْحَكَمِ وَحَمَّادٌ ، عَنْ ذُرارَةَ قَالَ: قُلْتُ فِي نَفْسِي: شَيْخُ لَا عِلْمَلَهُ بِالْخُصُومَةِ . قَالَ : فَقَالَ لِي : يَاذُرْارَ قَمَا تَقُولُ فِي خَدَمِكُمْ ۚ وَ أَهْلِيكُمْ قَالَ : فَقَالَ لِي : يَاذُرْارَ قُمَا تَقُولُ فِي خَدَمِكُمْ ۚ وَ أَهْلِيكُمْ أَتَقَتْلُهُ ؟ مَا تَقُولُ فِي خَدَمِكُمْ ۚ وَ أَهْلِيكُمْ أَتَقَتْلُهُ مِ اللّهِ عَلَم لِي اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهِ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّه

كانشون ومشكم منومك الدقشويين فيلط كشنية وفشولين فيلتسو بيواهاس كايهمناك الم بوشيع بي اورع نهي ركت ونكرز بال سعد زمَّها بلكه موث دل مي برفيال آيا تخاله أمث ال مواخزه نهي فلاعديه بيدارام لابون وكافرك درميان كي اوراد كون كوبطوروسا لكاك بتاياكيو كم مخالفين مين ليعفى احكام بين مكمسلمين بين بهونقين اوداكرجن وسائعا كاذكركيباكي الذيح غيربهون توكلوشفه النشار موں تے اور اکنویں جرحفرت نے مجھایا اس کی توضیع یہ ہے کہ اگر غیرتنی کا فرہو تو اس کے ٹو کرچا کری کافر موس كويس اكراس عورت بين ان كاآت مرنا قبول درك الاخلاف اجماع اسلم ا ورهل وسول موكا . اوراگان كات الدنا قبول كرد كا اورقتل و كرد كاتوية كم إلى كه فلان بوكا وارت أنكاف بي كدك فلك كُنْهُ فُراوْزُنُا وَالْقِسْفِيتُمُ اللَّهِ فِي الْحُفُرُد الْفَقْيُ فِي السِّيفَ السِّيف مقصديد بيه كجب زراره كانظري مرف دوېي مورښې يومن د کافر تواس تيسري موريتين کيا بوگا-

٨ - عَلِيُّ بْنُ إِبْرَاهِيمٍ ، عَنْ هَارُونَ بْنِ مُسْلِم ، عَنْ مَسْعَدَةَ بْنِ صَدَقَةَ قَالَ : سَمِعْتُ أَبَا عَبْدِاللَّهِ ع وَمُثِلَ عَنِ الكَذْرِ وَالْفَهْرِكِ أَيْنُهُمَا أَفَدَمُ؟. فَقَالَ: الْكُفْرُ أَقَدُّمُ وَذَٰلِكَ أَنَ إِبْلِبَسَأَةً لُ مَنْ كَفَرّ وَكُلُّ كُفْرُهُ غَنْدَهُمْ لِهِ لِآمَّهُ لَمُ بِمَدَّعُ إِلَى عِنادَةِ غَبْرِاللَّهِ فَإِنَّمَا دَعَى إِلَى ذَلِكَ بَعْدُ فَأَشْرَكَ .

«- ما وی کهتلهه میں نصفرت امام جعفی اوق علیدا مسلم سے سنا -جسب ای سے سوال کیا گیا رکٹر وٹٹرکٹیں کول فقدم بدفوا ياكغرادريداس نفاك الجبس فسبسع بجث كغركيا اوراس كايركة إفرانسرك بالشرك تقاس تماس سببط دعوشنب شرك نهين دى تق ايسا بعدي كياجس سعده مفرك قراد فايا-

 عَارُونَ ، عَنْ مَسْعَدَةً بْنَ صَدَقَةً قَالَ : سَمِعْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهُ اللّلْمُ اللَّهُ اللَّمْ اللَّهُ اللَّهُ اللّ لْاتْسَمْبِيهِ كَافِواً وَتَارِكُ الصَّلَامِ قَدْ سَمَّيْنَهُ كَافِراَوَمَا الْحُجَّةُ فِيذَلِكَ ؟ ـ فَفَالَ : لِأَنَّ الرَّابِي وَمَا أَشْبَهَ أَنْ مَا يَعْمَلُ ذَٰلِكَ لِمَكَانِ الشَّهُوَةِ لِأَنَّهُا تَعْلِبُهُ، وَ تَارِكَ الصَّلَاةِ لاَيَتْنُ كُهَا إِلاَّ النَّاسْخِفَافاً بِهَا وَذَٰلِكَ لِا نُنْكَ لَاتَجِيدُ الرِّ انِيَ يَأْتِي ٱلْمَرْأَةَ إِلَّا وَهُوَمُسْتَلِذً لِإِنَّهَانِهِ إِينَاهَا قَاصِداً إِلَيْهِا ، وَكُلُّ مَنْ تَرَكَ العَمَّلَاةَ قَاصِداً إِلَيْهَا فَلَيْسَ بَكُونُ قَمُدُهُ لِتَرْكُهَا اللَّذَةَ، فَاذَا نُفِيَتِ اللَّذَ ةُوقَعَ الْإِسْتِخْفَافُ وَإِذَا وَقَعَ الأسْبَخْفَافُ وَقَعَ ٱلكَّفْنُ .

قَالَ : وَسُئِلَ أَبُوْعَبُدِاللَّهِ لِلسِّكُ وَقَهِلَ لَهُ : مَا ۚ فَزْقُ بَيْنَ مَنْ نَظَرَ إِلَى الْمَرَأَةِ فَزَنَى بِهَاأُوْخُمُرٍ فَشَرِبَهَا وَبَيْنَ مَنْ تَرَكَ الصَّلاةَ حَتَّىٰ لايتكونَ الزَّ ابني وَ شادِبُ الْخَمْرِ مُسْتَخِفًّا كَمَا يَسْتَخِفُ عَارِكُ الصَّلاةِ؟وَمَاالْحُجِنَّةُ فِي ذَٰلِكَ وَمَا الْعِلَّةُ الَّهِي تَقْرِ قُ بَيْنَهُمَا ؟ قَالَ : الْحُجَّةُ أَنَّ كُلَّمَا أَدْخَلْتَ أَنْتُ

نَفُسَكَ فِيهِ لَمْ يَدْعُكَ إِلَيْهِ ذَاعِ وَلَمْ يَغْلِبُكَ غَالِثَ شَهْوَةٍ مِثْلَ الزِّ نِي وَشَرْبِ الْحَمْ وَأَنْتَ دَعُونَ، نَفْسَكَ إِلَىٰ تَرُّ لِدِ الصَّلَاةِ وَلَيْسَ ثُمَّ شَهُوةً فَهُوالْاسْ يَخْفَافُ بِعَبْنِهِ وَهَذَافَرْقُ مَا بَيْنَهُمَا

ه رحفرت امام جعفرماد قى عليدائسلام سعكى قسوال كياه كياد جهيد كرآب زانى كوكا فرنهي كيت اوزارك العدلاة كوكوم بي و وايا تانى و فيره فليرس معلى قسوال كياه كياد جهيد كرآب زانى كوكا فرنهي كيا كراستخفافاً زانى جبكى عورت كياس جالم به في قد معد معول لذت بموتا به برغلان تارك بعلوة كدات توك مي لذت نهي ملتى بلكروه استخفافاً ايدا كرتا بي كياب عالم بي بن من من مولى أو استخفاف واقع بموارا وراستخفاف بوا توكفوه الدين فرست براتوكفوه الدين فرست موال كياكياك الك من من من كالمولاة كوروب الدين و كياب الدراس المراس في المراس في المراس في المراس في المراس في المراس في المراس الدراك العملاة كوروب الداس بركيا ورقوف و من من من المراس في منازك المراس في المراس المر

٩٠ عَنْ مَبْدُاللهِ مَنْ أَحَمْدَبُن كَتَّدَبُن عِينَى 'عَنِ ابْن مَحْبُوبِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ أَن سِنَانِ ؛
 عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ الشّلامُ قَالَ : مَنْ شَكْ في اللهِ وَفِي رَسُولِهِ وَاللّهِ عَلَيْهِ كَا وَنْ .

١٠ ر فرما يا حضرت صادق آل ممكّد عليا تسلام فحيس كوا للله اوراس كرسول حي شك بهواده كالربيع-

١٠ عَلِيْ مَنْ إِمْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِهِ ، عَنْ صَفْدُوانَ ، عَنْ صَفْوْرِ بَنِ خَارِمِ قَالَ : قُلْتُ لِأَبِي عَبْدَاللهِ نَشْتُلُمُ : مَنْ فَكُ فِي رَسُولِ اللهِ وَإِنْ فَهَالَ : كَافِلُ ، قَلْتُ : فَمَنْ مَاكَ فِي كَفْرِ الشَّالِقُ فَهِدَوَ كَافِلُ ؟ فَأَمْسَكَ عَنْي فَرَدَدْتُ عَلَيْهِ ثَلَاتَ مَرْ ابَ فَاسْتَبَنْتُ فِي وَجْبِهِ الْغَضَبَ .
 كُافِلُ ؟ فَأَمْسَكَ عَنْي فَرَدَدْتُ عَلَيْهِ ثَلاثَ مَرْ ابَ فَاسْتَبَنْتُ فِي وَجْبِهِ الْغَضَبَ .

المتحفرت المهجعفرها دَنْ عليدالسلام سعد بِهِ چا بُوشِنْ عَلَى كسد دسالتِ دسول كمين اس كسلغ كيا طكه عِنْ وَلَا وه كا فربعد بيرم نه كها جو امس مك كا فريو في من شك كسد اس كمدك كيا حكم بهديسن كوحفرت فا مؤش بهركَنْ بين في بار يسوال وهرا يا توحفرت كېچره برآ تارغفسب نود ادبو كه - فالباً ترك جواب اس ك يوكري تفعيل وارنيس اودوت اعده كليدنهيں بهدت كغرمي مذعدم كفري -

١٧٠ - عَمَّ مُنْ يَحْنَى ، عَنْ أَحْمَدَ بَنْ خَهَر ، عَنِ ابْنِ فَضْأَلِ ، عَن ابْنِ بُكَيْرٍ ، عَنْ عَبِيدِ بْن زُرَارَةً قَالَ : سَأَلْتُ أَبَاعَبْدِاللهِ عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنَّ وَجَلَ : مُومَنْ يَكُفُرُ بِالْإِيمَانِ فَقَدْ حَبِمَا عَمَلُه ، فَقَالَ ، مَنْ نَرَكَ الْعَمَلَ الّذِي أَفَى بِهِ ، قَلْت : فَمَامَوْضِعْ تَرْكِ الْعَمَلِ ؟ حَتَّىٰ يَدَعَهُ أَجْمَعَ ؟ قَالَ : مِنْهُ الّذِي يَدَ وَالتَمَالُاةَ مُتَعَمِّدًا لَامِنْ سُكُمْ وَلا مِنْ عِلَةٍ . ۱۱ د داوی کهتلهه پی فرحفرت ابوعبدالفرعلیه اسلام سے اس آیت کے متعلق پیچھا جس نے ایمان سے اکارکیا اس کا عمل ضائع میواد فوایا جس نے اس عمل کو ترک کیا جس کا وہ آ وار کرچکا بدیس نے ہوچھا کہ ترک عمل کی وہ کیا صورت ہے جسے ہم چھوڑ دیں۔ فرمایا ان تارکوں میں ایک وہ ہے جو قعد ڈا تارک نمان ہے نہ نشد کی وجرسے دئری بیاری کی وجرسے۔

١٣. عَلَيُّ بُنْ إِبْرَاهِمَ عَنْ أَبِيهِ، عَنِ أَبْنِ أَبِي عَمَيْرٍ ، عَنْ عَلَيْبِنِ حَكِيمٍ وَحَمَّادٍ، عَنْ أَبِي مَسْرُوقٍ ، قَالَ : سَأَلَنِي أَبُوعَبْدِاللهِ بِلِيْدِ عَنْ أَهْلِ الْبَصَّرَةِ ' فَعَالَ لِي : هَاهُمْ ؟ قُلْتُ: هُرْجِتَةً وَقَدَرِيَّةٌ وَحَرُورِيَّةً فَعَالَ بِي الْمَاهُمُ ؟ قُلْتُ: هُرْجِتَةٌ وَقَدَرِيَّةٌ وَحَرُورِيَّةٌ فَعَالَ : لَعَنَ اللهُ يَلْكُ أَلْهِاللهُ عَلَى مَنْ إِنْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ ا

۱۳۰ ا بدمسروق سے مردی ہے۔ کرحفرت امام جعفرصادتی علیہ السلام نے مجھ سے اہلِ بھرہ کے متعلق پوچھا۔ یہ کس عقیدہ کے متعلق ہوچھا۔ ریکس عقیدہ کے لوگ ہیں۔ میں نے کہا مرجبے وقد رہے دحرور یہی فرطا یا۔ خدا اعذت کرے ان کا فردمشرک ملتوں پر چوکی طرح النڈی عبادت نہیں کرتے۔

مرحیته به ده نوگ بین جامرالمونین علیالساد کوخلانتین آؤی درم دینته بی ا دریع فیده این محدید می در در در در بیشته بی ا دریع فیده این می ترک ایمان که بوری معمیت نقصان نهیو پینچاقی دند در بده بین جو تعذیش که که تاکل بین ا درید کربمارسد ا فعال به اری مختلوق بین فداک مشعد و دنیشت و اداده کواس می دهند نهین رحن درید و تربی معرود را ک طرف شدو بدید ا در کوف کرید به بید

١٤ عَنْهُ . عَنِ ٱلْخَطْنَابِ بْنِ مُسْلِمَةً وَأَبَانِ ، عَنِ ٱلْفُضَيْلِ قَالَ : دَخَلْتُ عَلَى أَبِي جَعْفَرِ عَلَيْكُ وَعَنْدَهُ رَجْلٌ فَخَرَجَ ، فَقَالَ لِي : يَافُضَيْلُ عَالَمْذَا عِنْدَكَ ، قُلْتُ : وَمَاهُو وَفَالَ:
 حَ. وُرِيْ . قُلْتُ كَافِلُ : قَالَ: إِي وَاللهِ مُشْرِكُ

مها رفطیبل دا دی بیمی کدمیں ابی جعفرعلیال الم کی خدمیت میں حا عزم دا اس وقت آپ کے پاس اکیے آ دی اوجود تھا جب میں آیا تو دہ آ دمی امنے کرچیلاگیا امام علیسال سالم نے قشر ایا اے فقیبل تمہا ہے پاکس کیا ہے، میں نے کہا ، وہ کمیا ہے ارت او فرایی وہ موردی حقیدہ کا آدی ہے میں نے عرض کیا وہ کا فرسے ارشا دفول کی خدائی تمہ وہ مشرک ہے۔

١٥ - نَمَّ بُنُ يَحْمَى عَنْ أَحْمَدَ بَنِ نَتَّهِ ، عَنِ أَنْ مَحْبُوبِ ، عَنْ أَبِي أَيْنُوبَ ، عَنْ عَلَى بُنِ مُسْلِمِ قَالَ . كُلُّ شَيْء يَجُنُّ ، الْإِقْرَارُ وَالنَّسْلِيمِ فَهُو الْإِيمَانُ وَكُلُّ شَيْء يَجُنُّ ، قَالَ اللَّهُ الْإِيمَانُ وَكُلُّ شَيْء يَجُنُّ ، قَالَ اللَّهُ اللَّهِ عَلَيْهِ فَهُو اللَّهُ اللَّهِ عَلَى الْإِنْكَارُو النَّسْلِيمِ فَهُو اللَّهُ عَلَى الْإِنْكَارُو النَّسْلِيمِ فَهُو اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللْهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللْهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى الللللّهُ عَلَى اللللللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى

10- دادى كېتلىپىيى نے امام محد باقر عليالسلام سعد سناكى برد د شعر بى اقرارتسلىم كوهينى ابان سے اور دروہ شع

بسانكارا وجهوكينيع كالاشفاء كفريع

الْحُسَيْنُ بُنُ عَبَّدٍ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَبْدٍ ، عَنِ الوَشَّآءِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ النِهِ عَنْ أَبِي حَمْزَةً عَالَ ، الْحُسَيْنُ بْنُ عَبْدِ اللهِ بْنَكُ اللهُ ، وَنْ وَخَلَهُ كَانَ مُؤْمِناً وَمَنْ خَرَجَ مِنْهُ كَانَ كَافِراً .
 وَمَنْ خَرَجَ مِنْهُ كَانَ كَافِراً .

۱۱ ابی ترد نے کہا ہی تی حقرت الم محد باقر علیدا نسلام سے سنا کرعلی علیدانسلام وہ وروا زہ جی جے النز نے کھولاسی جو اس بیں داخل موادہ موسن ہے اور جاس سے خادن ہوا وہ کا فرسے۔

٧٧ ـ عِدَّةُ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ الْمُبَادَكِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ جَبِلَةَ عَنْ إِصْحَاقَ بْنِ عَمَّارِ ؛ وَابْنِ سِنْانٍ ؛ وَسَمَاعَةً ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَبْداللهِ عَلَى اللهِ فَالَ : قَالَ رَسُولَ اللهِ وَاللهِ وَابْنِ سِنْانٍ ؛ وَسَمَاعَةُ ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْداللهِ عَبْداللهِ وَابْنِ سِنْانٍ ؛ وَسَمَاعَةُ ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ ، عَنْ أَبِي عَبْداللهِ وَابْنِ مِنْانٍ ؛ قَالَ : قَالَ وَمَعْمِينَهُ كُفُرُ مِاللهِ وَابْنِ مَنْ مَنْ مَنْ مَنْ وَابْنِ مَا لَهُ وَمَعْمِينَهُ كُفُرُ مُاللهِ وَاللهِ وَاللّهِ وَاللهِ وَاللهِ وَاللهِ و

، دغرایا حفرت ۱ م جعفوس ا فی علی السلام نے کر سول اللہ نے قرایا علی کی اطاعت فرقنی بیرہ ندا کے نزدیک اود ان کی معسیت کفرا لنٹر ہے کی نے ہوچھا یہ کیسے فرایا علی تم کوح کی حفر مندے جا تیں گے اگر منم ندان کی اطاعت کی توعف را لنٹرتم شکھ فرزی کی تواریا دُکے اور اگر نافران کی آوا لنٹرسے کفر کو دیے۔

١٨ - اَلْحُسَيْنُ بْنُ عَلَمْ ، عَنْ مُعَلَّى بْنِ عَلَى ، عَنْ الْوَشَّآةِ ، قَالَ ؛ حَدَّ ثَنِي إِبْرَاهِيمُ بْنُ أَبِي بَكْرِ قَالَ : سَعِيْتُ أَبَا الْعَسَنِ مُوسَى عِلْمَا يَتَوْلُ : إِنَّ عَلَبْ اللهِ بَابُ مِنْ أَبُوْابِ الْهُدَى ، فَمَنْ دَخَلَ مِنْ بابِ عَلِي كَانَ مُؤْمِناً وَمَنْ خَرَجَ مِنْهُ كَانَ كَافِراً وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخُرُجُ مِنْهُ كَانَ فِي الطَّبِقَةِ الَّذِينَ لَيْ فِيهِمُ ٱلْمَشْهِنَةُ .

۱۸ حفرت ۱ مام موسی کافع علیدالسنام نے ذرایا کرعلی ہما بیت کے دروا ذول میں سے ایک وروا ذاہ ہیں اس مسیس داغل موشی الاعوم ندیسے اورا س سے خادرج مہونے والاکا فرا ورجون واضل مہوا نہ خادرے ہوا کو وہ ان توگوں کے گروہ ہیں ہے جن کا حفا لم شیئٹ ایزدی سے متعلق ہے۔

١٩ ـ نَهَدُ بَنْ يَعْنِي ، عَنْ أَحَمْدَ بَنِ عَنْ أَخَمْدَ بَنِ عَنْ أَخَدُ بَنِ عَنْ زُرْلَةً ، عَنْ

أَبِي عَبْدِاللَّهِ إِنَّ قَالَ: لَوْأَنَّ الْعِبَادَ إِذَاجَهِلُوا وَقَفُوا وَلَمْ يَجَحَدُوا لَمْ بَكُفُرُوا.

۱۹ حقرت امام موسی ۷ م میلیا اسلام نے فرالیا بندست اگرن میلنتے ہوں توانپنی داسٹے زف میں توقف کریں اورانکا دریوسیت د کریں اور کا فرزمیوں ۔

قَلَ عَنْ فَضَيْلِ بْنِي يَسَادٍ ، عَنْ كَتَلَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ يُونُسَ ، عَنْ فَضَيْلِ بْنِ يَسَادٍ ، عَنْ أَبِي جَعْفَرِ عَلَمْ اللَّهِ عَلَمْ اللَّهِ عَنْ عَلَمْ اللَّهِ عَلَمْ اللَّهِ عَلَمْ اللَّهِ عَلَمْ اللَّهِ عَلَمْ اللَّهِ عَلَمْ اللَّهِ عَلَمْ اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَمْ اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَمْ اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ عَلَى اللَّهُ اللللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللللَّهُ الللللَّهُ الللللّهُ الللللَّهُ الللللَّهُ اللللللَّهُ الللللّهُ الللللّهُ اللللللّهُ اللللللّهُ اللللللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّهُ الللللّ

۰۷- ذوا یا حفرت امام محدیا قرطیرال ملام نے کرخدا نے علی کو اسپیٹراورا پنی محنلوق کے دومیان علامت بنایل پیولیس حسس نے ان کی موقت حاصل کی وہ مومن ہے اورجس نے انکادکیا وہ کا فریبھا ورجوان سے جاہی رہا وہ گراہ سے اورجس نے ان کے ساتھ کسی شے کوقائم کیا وہ مشرک ہیں جس نے ان کی ولایت کا افراد کہا وہ واضل جنت ہوا اورجس نے ان سے عدا وت کی وہ واصل جمع ہوا۔

٢١. يُونُسْ ،عَنْ مُوسَى بْنِ بَكْسِ ،عَنْ أَبِي إِبْزَاهِهِمَ عِلِيّا قَالَ : إِنَّ عَلَيْنًا عِلِيّا اللهِ بَابُ مِنْ أَبُوابِ اللَّهِ فَمَنْ دَخَلَ بَابَهُ كَانَ مُؤْمِناً وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَابِهِ كَانَ كَافِراً، وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَابِهِ كَانَ كَافِراً، وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَابِهِ كَانَ كَافِراً، وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَابِهِ كَانَ كَافِراً، وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَابِهِ كَانَ كَافِراً، وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَابِهِ كَانَ كَافِراً، وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَابِهِ كَانَ كَافِراً، وَمَنْ لَمْ يَدْخُلُ فِيهِ وَلَمْ يَخْرُجُ مِنْ بَالْعَالِمِ فَي المَّامِ فَي المَّا لِهِ إِنْ عَلَيْكُ اللَّهِ عَلَى إِنْ عَلَيْكُ اللّهُ عَلَيْكُ فِي إِنْ عَلَيْكُ إِنْ كَافِراً مِنْ مَا لَهُ عَلَى اللَّهُ عَلَيْكُ فِي إِنْ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْكُ عَلَيْهِ إِنْ لَا يَعْفِيلُونُ إِنْ مِنْ إِنْ إِنْ إِنْهُ إِنْ مُونِي إِنْ يَعْمِلُ مِنْ أَنِي لِنْهِ فِيمِ إِنْهِ إِنْهُ إِنْ إِنْ إِنْهِ إِنْهِ إِنْ لَا لَهُ مِنْ إِنْهُ إِنْهِ إِنْهُ إِنْ عَلَى إِنْهُ إِنْ إِنْهُ إِنْ أَنْ عَلَى إِنْهُ فِي اللَّهِ لِمْ يَعْمُ اللّهُ إِنْهِ إِنْكُولُولُ أَنْ مَنْ لَمْ يَعْفَى اللَّهُ فِي اللَّهُ عِنْ إِنْهِ إِنْهُ إِنْ إِنْهِ إِنْهُ لِللَّهُ فِي اللَّهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهِ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهِ إِنْهُ إِنْهِ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ أَنْهُ أَنْهُ إِنْهُ أَنْهُ أَنْهُ أَنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ إِنْهُ أَنْهُ أَنْهُ إِنْهُ أَنْهُ أَنْهُ أَنْهُ إِنْهُ أَنْهُ إِنْهُ أَنْهُ أَنْمُ أَنْهُ أَنْهُ إِنْهُ أَنْهُ أ

۱۱- ابی ابرا بیم طیدانسلام نے فرایا علی جنت کے دروا زول میں سے ایک دروا زہ بین جراس میں داخل ہوا وہ مومن سے جو خارج ہوا وہ کا فریجوں و اخل ہوا نہ اس کی بخات کا معا ما شیئت النی پرموتون سے -

دو سوچورالوے ال باب دجوولفسر

(بابُ وُجُوهِ إلكُفْرِ) ۲۹۴

١ عَلِي بُن إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ بَكْرِبْنِ صَالِحٍ ، عَنِ الْقَـٰاسِمِبْنِ يَزِيدَ ، عَنْ أَبِي عَمْرِهِ
 الزّبَيْرِيّ ، عَنْ أَبِيَ عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ الشّلامُ قَالَ : قُلْتُ لَهُ : أُخْبِرْ نِي عَنْ وُجُوهِ الْكُفْرِ فِي كِنَابِ اللهِ عَنْ وَجَلّ الرّبَيْرِيّ ، عَنْ أَبِي عَنْ وَجَلّ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ وَجَلّ اللهِ عَنْ وَجَلْ اللهِ عَنْ وَجَلّ اللهِ عَنْ وَجَلّ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ وَجَلّ اللهِ اللهِ عَنْ وَجَلّ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ وَجَلّ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَنْ اللهِ اللهِل

قَالَ : الْكُفْرُ فِي كِنَابِ اللهِ عَلَىٰ خَمْسَةِ أَوْجُهِ :

فَمِينُهُا كُفُرُ ٱلْجُحُودِ ، وَالْجُحُودُ عَلَىٰ وَجْهَيْنِ ، وَٱلْكُفُرُ بِتَرْكِ مَاأَمَرَ اللهُ ؛ وَكُفْرُ ٱلْبَرْآءَةِ ؛

وَكُفُرِ النِّعَمِ.

فَأَمَّا كُفْرُ الْجُحُودِ فَهُوَ الْجُحُودُ بِالرُّ بُوبِيَّةِ وَهُوَقُولُ مَنْ بِقُولُ ؛ لَارَبَّ وَلا جَنَّةَ وَلا نارَ وَهُو قَوْلُ صِنْفَيْنِ مِنَ الزَّ نَادِقَةِ يَقَالُ لَهُمْ: الدَّهْرِيَّةُ وَهُمُ الَّذِينَ يَقُولُونَ وَمَايْهُلِكُنَا إِلَّالدَّهُرُ وَهُوَدِينٌ وَضَعُوهُ لِا نَفْسِهِمْ بِالْإِسْتِحْسَانِ عَلَى غَبْرِ تَفَبُّتِ مِنْهُمْ وَلاتَحْقَيقِ لِشَيْ. مِمَّا يَقُولُونَ ، قَالَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ: وإِنْهُمْ إِلَّا يَظُنُّونَ ۚ أَنَّ ذَٰلِكَ كُمَّا يَقُولُونَ. وَقَالَ: وإِنَّ الَّذَينَ كَفَرُ والَّواءُ عَلَيْهِمَ ۗ أَنْدَرْتَهُمَّ أَمْلُم تُنْذِرُهُمْ لْأَيْوُمْنِوْنَ عَنِّي بِتَوْحِيدِاللهِ تَعَالَىٰ فَهٰذَا أَحَدُ وُجُوهِ الْكُفْرِ.

وَ أَمَّا الْوَجْهُ الْآخَرُ مِنَ الْجُحُودِ عَلَىٰ مَمْرِفَةٍ وَ هُوَ أَنْ يَجْحَدَ الْجَاحِدُ وَ هُوَ يَعْلَمُ أَنَّهُ حَقٌّ، قَدِاسْتَقَرَّ عِنْدَهُ وَقَدْ قَالَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ : «وَجَحَدُوا بِهَا وَاسْتَيْقَنَتْهَا أَنْفُسُهُمْ ظُلْماً وَعُلْوًا * وَقَالَ اللهُ عَنَّ وَجَلَّ ; «وَكَانُوا مِنْ قَبْلُ يَسْتَفَتْحِدُونَ عَلَى الَّذِينَ كَفَرُوا فَلَمْنَا جَاءَهُمْ مَاعَرَ فُواكَفَرُوا بِهِ فَلَمْنَةُ اللهِ عَلَى الْكَافِرِينَ، فَهَذَا تَفْسِيرُ وَجْهَى الْجُحُودِ.

وَالْوَجْهُ النَّالِثُ مِنَ الْكُفْرِ كُفْرُ النِّعَمِ وَ ذَٰلِكَ فَوْلُهُ تَعَالَىٰ يَحْكِي قَوْلَ سُلَيْمَانَ عِلَا ﴿ هَذَامِنْ فَشْلِ رَبْتِي لِيَبْلُونِيَ.أَشْكُرُأَمْأَ كُفْرُومَنْ شَكَرَفَانِتَمَايَشْكُرُ لِنَفْسِهِ وَمَنْ كَفَرَ فَاِنَّ رَبْبِي غَيْنِي كَرِيمٌ ٢ وَقَالَ : وَلَيْنَ شَكَرْتُمْلاً زِيدُنَّكُمْ وَلَئِنْ كَفَرْتُمْ إِنَّ عَذَا بِي لَشَدِيدُ ﴾، وَقَالَ : و فَاذْكُرُونِي أَذْكُو كُمْ وَاشْكُرُوالِي وَلَاتَكُفُرُونِ • .

وَالْوَجْهُ الرَّابِعُ مِنَالُكُمْ وِتَوْكُ مَا أَمَرَاللهُ عَنَّ وَحَلَّ بِهِ وَهُوَقُولُ اللَّهِ عَنَّ وَحَلّ : ﴿ وَإِذَا أَخَذْنَا مِيْنَاقَكُمْ لَاتَسْفِيكُوْنَ دِمَاءًكُمْ وَلَا تُخْرِجُونَ أَنْفُسَكُمْ مِنْ دِيَارِكُمْثُمَّ أَفْرَرْتُمْ وَ أَنْتُمْ تَشْهَدُونَ لا ثُمَّ أَنْتُمْ هُوُلَاءً تَقْتُلُونَ أَنَفْسَكُمْ وَتُخْرِجُونَ فَربِقاًمِنْكُمْ مِنْ دِيَادِهِمْ تَظَاهَرُونَ عَلَيْهِمْ بِالْآثِمْ وَالْفُدُوانِ وَإِنْ يَأْتُوْ كُمْ ٱسارَى تُفادُوهُمْ وَهُوَمُحَرَّ مُ عَلَيْكُمْ إِخْرَاجُهُمْ أَفَتُؤُمِنُونَ بِبَعْضِ ٱلكِنَابِ وَتَكُغُرُونَ بِيَقْصِ فَمَاجَزَآءُ مَنْ يَفْعَلُ ذُلِكَ مِنْكُمْ، فَكَفَّرَهُمْ بِتَرْكِ مَاأُمَرَ اللهُ عَزَّ وَجَلَّ بِهِ وَنَسَبَهُمْ إِلَى الْإيمـــانِ الْإِ وَلَهُ يَفْبَلُهُ مِنْهُمْ وَلَمْ يَنْفَعُهُمْ عِنْدَهُ فَقَالَ : وَفَمَا جَزَآءُ مَنْ يَفْعَلُ ذَلِكَ مِنْكُمْ إِلَّاخِزْيُ فِي ٱلْحَيَاةِ الدُّنْيَا وَأَلِّهِ يَوْمَ الْقِيامَةِ يُرَدُّنَ إِلَى أُشَدِّ الْمَذَابِ وَمَااللهُ بِفَافِلِ عَمَّاتُعُمَلُونَ، .

وَالْوَجُهُ الْخَامِسُ مِنَ الْكُفْرِ كُفْرُ الْبَرْ الْمَوْ وَذَٰلِكَ قَوْلُهُ عَنَّ وَجَلَّ يَحْكِي قَوْلَ إِبْرَاهِمَ اللَّ

اخاق بلام المنظمة المن

«كَفَرْ نَا بِكُمْ وَبَدَا بَيْنَنَا وَبَيْنَكُمُ الْمَدَاوَةُوا الْبَغْضَاءُ أَبَدَاجَتَىٰ تُؤْمِنُوا بِاللهِ وَحْمَنُهُ يَقْنِي تَبَرَّ أَنَا مِنْكُمْ ، وَ قَالَ يَذْكُرُ إِبْلِيسَ وَتَبْرِ ثَنَهُ مِنْ أُولِيا ثِهِ مِنَ الْإِنْسِيَوْمَ الْقِبَامَةِ : وإنْبي كَفَرْتُ بِمَاأَشْرَ كُنْمُونِ مِنْ قَبْلُ، ﴿ وَفَالَ : إِنَّمَا اتَّخَذْتُمُ مِنْ دُونِ اللهِ أَوْثَاناً مَوَدَّ ةَ بَيْنِكُمْ فِي الْخَيَّاةِ الذُّنَيا ثُمَّ يَوْمَ الْقِيامَةِ يَكُفُلُهُ بَعْضُكُمْ بِبَعْضِ وَيَلْعَنُ بَعْضُكُمْ بِمَضَاء يُعنِي يَتَبَرَّ ، بَعْضُكُمْ مِنْ بَعْضٍ .

١- راوى غدام جعفرها دق علىدالسلام سدله بياككتاب خداي وجود كفركياكيدا بس وفوايا وستمآن مير بایچ صورتیں ذکر کی گئی ہیں نسیکن ان میں کقرجو دسیے اور اس کی دوصورتیں ہیں اورتعیسرے کفرہے کرا لٹٹرنے جومکم دیا ہے اس سے انکارکرے اور کفرِ براثت اور کفرنتم کفرجو دسے مرادیہ انکار دبوبیت باری تعالیٰ اور وہ یہ کہنا ہے کر مذ رب بهاجاتا جدنت ودوزخ بعدا وريقول ال زنديقول كابت جن كودبريه كماجاتا بعيدوه لوكسهي جوكهتيس بميل بلاك نہیں کرتا مگر زمامذیہ دین انفوں نے فودا پنے لئے بنا کر کھوا کیا ہے جس کانہ کوئی تُبوت ہے نہ کوئی تحقیقی بات ، انہی لوگوں کے لفي خدا في فرا لي جولوك كفركر عكى اسد رسول جاسية تم ان كودرا فرار درا قروه ايمان لاف والدنهس يعن توحيد الله بر ایک وجرکفرتوبیمونی دوسری وجرا نسکادم فرفت ہے اور وہ یہ ہے کہ انسکا دکرنے والدا مکارکرے کی ایسے امرکاجس کو وہ حق جانثا ہے۔ا دراس کے نزدیک ٹابندہے۔خداان کے تعلق فرا آہے۔ انھوں نے اس سے انکارکیا۔ حا لانکہ ان کے نفسول کویقین تھا ظلم اورلینے تکترکا ، اور النہ صنرما تاہے جورسول کے تنفیص شتے کے طالب تھان لوگوں پر جو دین موسی میں کا فرہوگے تھ سیکن جب وہ رسول آیاجے توریت کے ذریعے بہان چکے سے توانکارکر دیا ۔ کافروں پرخداکی معنت ، پرتفیر سے جود ک د دھورتوں کی تیری وج کفوا منته بعد خدائے تول سلیمان کی حکایت ہوں کہ سے یمیرے دیب کا فضل سے تاک وہ مجھے آ را كرمين كراواكرتا بهون ياكفوجوت كركم تلهيدوه اينف نفس كمداي اورجو كفركم تلهيد يتوميرا غداغني وكريمهيدا ورخداني بربهي فرايلي اكستكركر وكي توتم ارى نعتول كوزياده كردول كارا ور ذكرتم في كفركيا توميرا عذاب خت بداوريكمي فرايا - شم مجه بادكروس تمهين يادكرون كارميراستسكراد اكروا وركا فرنه بنورج تقى وجه نرك كرناسيما حكام فعداكار وه فرما آسيرا ور جب بهم في تم ين عبدليا كرتم البين فون نهم الواورا بين نوكون كوابيف شهرو رست يذ كالونوتم في اقراد كرليا ا وراس يرتم خود گواه چو بچوتم وبی چوکه ا پنوں کونسل کرتے مہوا درا پیغے شہروں سے ایک گرمہ کوجلا وطن کردیتے مہوا درگناہ ا درظلی پر ایک دوسرے كى بشت بنا يى كرتے ہوا ورجب تمهارے باس قيدى آتے ہن توان كاف رب دے كرد باكراتے موحالانكران كاجلاط کرناہی تم پرحزام کھا بیس تم کتاب کے بعض احکام بیٹل کرتے بہوا دربعض سے آنکا دکرتے ہوئیس بیہ ہے امرخدا سے انکا مکامور اس بنے ابنے دلوگ کو ایمان سے نسبت دی ہے ا دراس کوتبول نہیں کیا اور د ایسا دیمان پیش کیا ۔ خداان کوف الد وسیفوالا بهد بيساك قواتابيه" بوتم مي سے ايساكر ف والے بي ان كاسزاد نيا بي رسوائي اور دوزِقيامت عداب بي مبتلا بور كے اور جوتم كرتيم والمداس سے فافل نهيں، كفرى بالخوي مورت كفر برارت ب جيساك مت رآن بين حفرت ابرا بيم ك فول ك حكايت ک کی ہے ہم نے تم ہے انکادکیا اور ہمارے اور تمہادے درمیان عدادت ظاہر ہوئی ہمیشہ کے لئے جب تک تم خدائے واحد پر ایمان : لا وُ۔ یعنے ہم نے تم سے برارت ظاہر کی اور شیطان کے ذکر اور روز قیاست اس کا بہنے درستوں سے ہرّ اکر نے کے متعلق فرقا ہے انسان سے ، تم نے چو د ٹیا میں مجھے قدا کا سے رکیہ بنایا ہیں اس سے برار ہوں اور دوسری جگ فرطانا ہے تم نے اللہ چھوٹر کو بتوں کے معبود د بنایا ۔ دنیا میں تمہاری دوستی ان سے رہی ۔ اب تھیامت ہیں تم ایک دوسرے سے براُت ظاہر کرتے ہوا ور کیک دوسرے یہ میں کرتے ہو۔ بینے ایک دوسرے سے بیڑادی کا انہار کرتے ہو۔

دوسومی الوسے ال باب کفرے سے ال باب کفرے ستون اور اس کی شناخیں (باب) ۲۹۵ (باب) ۱۹۵ (منابع انتخار و منابع و منابع انتخار و منابع انتخار و منابع و

١ - عَلِيَّ بْنُ إِبْرُاهِيمَ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ حَمَّادِبْنِ عِيسَى، عَنْ إِبْرَاهِيمَ بْنِ عَمَرَ ٱلْيَمَانِيّ ، عَنْ عُمَرَ أَبِيهِ ، عَنْ أَبَانِ بْنِ أَبِيهِ ، عَنْ أَمَيرِ الْمُؤْمِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَمَرَ بُنِ الْمُؤْمِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَمْرَ أَبْنِي الْمُؤْمِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَمْرَ أَنْ يَنِي الْمُؤْمِنِينَ صَلَوْاتُ اللهِ عَلَيْ وَالشَّكِ وَالشَّكِ وَالشَّكِ وَالشَّكِ وَالشَّكِ وَالشَّكِ وَالشَّهَ وَعَائِمَ : الْفِسْقِ وَالْفُلُو وَالشَّكِ وَالشَّكِ وَالشَّهِ .

وَالْفِسْقُ عَلَىٰ أَذَبَعِ شُمَبِ عَلَى الْجَفَاءِ ، وَالْعَلَى ، وَالْفَفْلَةِ ، وَالْمُنُوِ ، فَمَنْ جَفَا احْنَقَرَ الْحَقَّ ، وَمَقْتَ الْفُقْلَةِ ، وَالْمُنُوِ ، فَمَنْ جَفَا احْنَقَرَ الْحَقِّ ، وَمَقْتَ الْفُقْلَةِ ، وَالنَّبَعَ الظَّنَ ، وَبَارَذَ خَالِقَهُ ، وَ أَلَمَّ عَلَيْهِ الشَّيْطَانُ ، وَطَلَبَ الْمَغْفِرَةَ بِلْاَتُوْبَةِ وَلَا اسْتِكَانَةٍ وَلاَعْفَلَةِ ، وَمَنْ غَفَلَ جَنَى عَلَىٰ فَسِهِ ، وَ أَلَحَ عَلَيْهِ الشَّيْطَانُ ، وَطَلَبَ الْمَغْفِرَةَ بِلاَتُوْبَةِ وَلاَ اسْتِكَانَةٍ وَلاَعْفَلَةٍ ، وَمَنْ غَفَلَ جَنَى عَلَى الْعَشْهِ ، وَ الْقَلْمَ اللهَ اللهَ عَلَيْهُ اللهَ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ الشَّيْطَانُ وَحَسِبَ غَيْهُ رُهْدًا ، وَغَرَّ ثَهُ الْأَمْانِيُ ، وَأَخَذَتُهُ الْحَسْرَةُ وَالنَّدَامَةُ إِذَا تُعْفِي الْأَهْرُ اللهِ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلْهُ اللهِ عَلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَفَّرَهُ وَسَفَّرَهُ مِجَلالِهِ كَمَا اعْتَرْ بِرَبِهِ الْكَرِبِمِ وَفَرَّ طَ فِي أُمْرُوهِ .

وَالْفُلُوُ عَلَىٰ اُرْبَعَ شُعَبَ : عَلَى النَّعَمَّ فَي بِالرَّ أَيْ ؛ وَالتَّنَاذُ عَ فِيهِ ، وَالرَّ يْغِ ، وَالشِّقَاقِ ؛ فَمَنْ تَمَمَّ فَ لَمَ يُنِينُ إِلَى الْحَقِ وَلَمْ يَزُدَدُ إِلَاْعَرْقَافِي الْفَمَراتِ وَلَمْ تَنْحَسِرْ عَنْهُ فِئْنَةٌ إِلَا غَشِيتُهُ الْحُرى ، وَ الْفَحَرَقَ دَبِنُهُ فَهُو بَهُو يَهُو فَهُ مَر بِالْعَلْ مِنْ طُولِ اللِّجَاجِ وَمَنْ نَاغَ قَبُحَتْ عِنْدَهُ الْحَسَنَةُ وَحَسَنَتْ عِنْدَهُ السَّيِئَةُ وَمَنْ شَاقَ أَعْوَرَتْ عُلَيْهِ طُولُ فَهُ وَ اعْنَرَ مَن عَلَيْهِ وَمَنْ نَاغَ قَبُحَتْ عِنْدَهُ الْحَسَنَةُ وَحَسَنَتْ عِنْدَهُ السَّيِئَةُ وَمَنْ شَاقَ أَعْوَرَتْ عُلَيْهِ طُولُ فَهُ وَ اعْنَرَ مَنَ عَلَيْهِ وَمَنْ نَاغَ قَبُحَتْ عَلَيْهِ الْمُؤَهُ وَ اعْنَرَ مَن عَلَيْهِ

أَمْرُهُ ، فَضَاقَ عَلَيْهِ مَخْرَجُهُ إِذَالَمْ يَتَّبِعْ سَبِيلَ الْمُؤْهِنِينَ .

وَالشَّكُ عَلَى أَرْبَعِ شُعَبِ عَلَى أَلْمِرْ يَهِ، وَالْهَوى ،وَالتَّرَدُّدِ ، وَالْاِسْتِسْلامِ وَهُوَقُولُ اللهِ عَزَ وَجَلَ مَغَبَأَيْ آلاهِ رَبِيْكَ تَتَمَارَى،

ادرادی کهته کادیرالمرسنین علیالسلام فرابا که کفری بنیاد جاد ارکان پر بیخ شق علی شک وشیر ،

د فتی کی چارشا فیس بی جفا ، عمی ، عفلت ادرعتو ، جفا کے بیم عنی بین کر جفا کرنے و الاامری کو حقی سمجھ تاہا ور

عالمان دین کا دیمن بوتا ہے اور گنا و عظیم پا عراد کرتا ہے عمی سے مراد یہ ہے کہ ذکر فلا کو بھول جا تاہے اور فلن کی پیروی کرنا

ہے اور اپنے ضائق کا مفایلہ کرتا ہے اور اس پر شیطان کا علیہ برتا ہے اور وہ طلب مغفرت کرتا ہے بغیر توب کے اور بغیرات دار اس کی اور اس کے ابنی سستی اور عفالت سے مراد یہ ہے کہ انسان اسپنے نفس کو نقصان بہنجا تاہے اور درا و تی میں بجائے چلئے تھے جت لیدی سات ہو اور اپنی گراسی کو تیلی جانت اسے امیدیں اسے دھو کہ دیتی ہی اور حرب و ندامت تنہ جرب عاصل ہوتی ہے اور جب معاملہ ہو اس بردہ ہن ما ہر بری تاہے جب کو وہ امر فلا اسے دہوں کا ہے اپنی قوت سے اور حقیر بنا تاہے اپنی عوت و مراد یہ ہے کو وہ امر فلا اسے دہوں کو ایسے دہوں کا ہے اپنی قوت سے اور حقیر بنا تاہے اپنی عوت و مقابل سرکتی و کھا تاہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہے اپنی عوت و مراد سے بردہ ہنا تاہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہے اپنی عوت و مراد یہ ہے کہ وہ اسے دہوں کا ہے اپنی قوت سے اور حقیر بنا تاہے اپنی عوت و مراد ہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہم اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہد اور می کیا تو خدا اسے دہوں کرنا ہے اپنی قوت سے اور حقیر بنا تاہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہد و اسے دہوں کرنا ہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہد و اسے دہوں کرنا ہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہد و اسے دہوں کرنا ہے اپنی توب سے اور حقیر بنا تاہد و اسے دوب کرنے کہ کہ اور اسے کیونا کا موب کا دیا اور اس کے معاملہ بن تاہد کہ کو تا کہ دیا ہے اسے دوب کرنا ہے اپنی توب سے اور حقیر کیا ہے اسے دوب کرنے کرنے کی کو تاہد کرنا ہے اس کی معاملہ بن تاہد کی کو تاب کو تاہد کرنا ہے کہ کو تاہد کرنا ہے کہ کو تاہد کرنا ہے کہ کو تاہد کی کو تاہد کی کو تاہد کرنا ہے کہ کو تاہد کی تاہد کرنا ہے کہ کو تاہد کرنا ہے کرنا ہے کو تاہ

غلوی چارصورتی تعنی بالائے لینے اپنی دائے سے مسائل دین بیں دخل دینا اور لوگوں سے اپنی غلط دائے کی بنیا کی بنیا کی اور کی جا اور وہ تا ریکیوں ہے اپنی خلط دائے کی بنیا کی اور کی دائی اور آئم سے مخالفت کا اظہار ہی جس نے ایسا کیا وہ حق کی طوف رجوع نہیں کرسکتا اور وہ تا ریکیوں ہیں گروبت ہی چلاجائے گا اور ایک پریشاں کی معاملہ میں پڑجائے گا اور ایک پریشاں کی معاملہ میں پڑجائے گا اور جس نے مسائل دین میں خو درائی سے نزاع کیا اور خصوصت کا افران کیا اور محافت میں منے ہور ہوائے گا اور جس نے مسائل دین میں خو درائی سے نزاع کیا اور خصوصت کا افران میکی اور می بن گی اور در بی کا اور جس اور سے دراہ حق سے بی کی اس کی نظریں نیکی بری بن گی اور در بی کی اور جس سے مشہور پردا اپنے خطولاتی جسکی کی در میں کی اور جس سے مشہور پردا اپنے خطولاتی جسکی کی اس کی نظریں نیکی بری بن گی اور در بی کی اور جس سے مشہور پردا اپنے خطولاتی جسکی کی اس کی نظریں نیکی بری بن گی اور در بی کی اور جس سے مشہور پردا اپنے خطولاتی جسکی کی در میں کی نظری نیک بری بن گی اور در بی کی کی در میں کی در جس سے در بی در کی کی در میں کی در میں کی در کی کی در کی کی در کی در کی کی در میں کی در کی کی کی در کی کی کی در کی کی در کی کی در کی کی کی در کی کی در کی کی در کی کی در کی کی کی در کی کی در کی کی در کی کی کی در کی کی کی در کی در کی در کی در کی کی در کی کی در کی کی در کی کی در کی کی در کی کی در کی در کی کی در کی در کی در کی کی در کی در کی کی در کی کی در کی در کی کی در کی کی در کی کی در ک

رسولًا دراً ثمرًى كانفت كى تغير فيدم وشاس كريش ده راست جواس نداختيا ديك العدشوادم دكيا اس كامعا مل امس پر ادر چونكه اس فردا و مومنين كا اشبارا نه كيا-لهذا اس كي و پال سي دكانا دشوادم وكيار

اور شک کی چارهورتیں ہیں مرتبر ، ہوآئ ترد د اور استسلام رمرت کے بارے میں خوا فرا آہے جم خلال کون کی تعمت کے بارے میں خوا فرا آہے جم خلال کون کی تعمت کے بارے میں خدا فرا آہے جم خلال کون کی تعمت کے بارے میں خدک اور جھگڑا کردگے دوسری دوایت ہیں ہے اور جن بات ہے خوف اور جھسے ہے گئ پالٹ کیا اور جم نے اہلے تعلق ہوجا آہے ہیں ہوجا آہے ہوئی ہائے اور جم من اہلے ہوئی ہائے گا اور جم من اولین نے چونکہ شک ونجا حمد من امور میں جھگڑا کیا وہ شک میں جا پڑا ، مومنین اولین نے چونکہ شک ونجا حمد من من اور جا کہ جمل اور علم میں برتی کی اور آخر دالے لکد کوب میں آگئے اور جس نے اس کی بات مان کی اس کی دنیا وا تو حق تنبا ہے ۔ اور جل کہ جمل اور وہ چوا اور خد لئے بقت بن سے کم کوئی جیسٹ وہ جو ان کے در میان جوس نے اس سے نجات بائی وہ نفین کی فقیلت سے بہرہ ور جوا اور خد لئے بقت بن جس کے اور جی ان کے در میان بین بہت کم اور ہو۔

اورشبهدی چادمورتین بی اعجاب بالزین، تسویل نفس، تا ول عودج اوربس المحق بالباطل، شبه معین حق کو باطل کی مثل بنا ناان میں پہلی چیزامرباطل کو تیاسات شعربہ پر آن است کرنا ہو بلٹ دیتی ہے کھلی دلیل سے دوسرے فرسید نفس جو آدی کوشہوت سے مغلوب کر آمیصا ورکع فہمی آدی کوبری طرح اکن کرتی ہے الدلیس سے مراد تا دیکیوں پر تا دیکی سے یہ ہے کفر

ا دراس کے ستون اورسٹا فیں ۔

روسوچھیالوے وال باب صفت نفاق ومنافق (بان) ۲۹۲

«(مِيغَةِ النِّفَاقِ وَالْمُنَافِقِ)»

قَالَ: وَالنِّفَاقُ عَلَىٰ الرَّبِيعِ دَعَائِمَ : عَلَى الْهُوَى، وَالْهُوَيْنَا، وَالْحَفِيظَةِ ، وَاللَّمْجِ فَالْهُوَى عَلَىٰ الرَّبِيعِ شُعَبِ : عَلَى الْبَغْيِ ، وَالْمُدْوَانِ ، وَالشَّهْوَةِ ، وَاللَّمْفَانِ ، فَمَنْ بَغَى كَثْرَتُ غَوْائِلُهُ وَتُحُلِّى مِنْهُوَ قَصُرُ عَلَيْهِ، وَمَنِ اعْنَدَى لَمْ يُؤْمَنُ بَوَائِقَهُو لَمْ يَسْلُمُ قَلْبُعُولَمْ يَمْلِكُ نَفْسَهُ عَنِ الشَّهُواتِ، وَمَنْ لَمْ يَمْذِلْ نَفْسَهُ فِي الشَّهُواتِ خَاضَ فِي الْخَبِيثَاتِ، وَمَنْ طَعَىٰ ضَلَّ عَلَى عَدْ إِلا حُويَةٍ .

وَٱلْهُوَيْنَا غَلَىٰ آدَبَيْمِ شُعَبِ : عَلَى ٱلْغِزَّ قِهِ ، وَٱلْأَمَلِ ، وَٱلْهُبِيَّةِ ، وَٱلْهُمَا مَلَةِ ، وَ ذَٰلِكَ بِأَنَّ ٱلْهَيْبَةَ

تَرُدُّ عَنِالْحَقِّ ، وَالْمُمَاطَّلَةَ تُفَرِّ طُ فِي الْعَمَلِ حَنْىٰ يُقْدِمَ عَلَيْدِالْاَجَلُ ؛ وَلَوْلَا الْأَمَلُ عَلِمَالْاِنْسَانَ حَسَبَ مَاهُوَفِيهِ وَلَوْعَلِمَ حَسَبَ مَاهُوَفِيهِ مَاتَ خُفَاتًا مِنَ الْهَوْلِ وَالْوَجَلِ ، وَالْفِزَ ةَ تُقَصِّرُ بِالْمَرْءِ عَنِ الْعَمَلِ

وَالْحَفِيظَةُ عَلَىٰ أَدَّبَيَعِ شُعَبِ: عَلَى الْكِبْرِ وَالْفَخْرِ وَالْحَمِينَةِ وَالْمَصَبِيَّةِ، فَمَنِ اسْتَكْبَرَ أَذَبَرَ عَنِ الْمَحْرِ وَالْعَفِي وَمَنْ أَخَذَتُهُ الْمَصَبِيَّةُ خَارَ 'فَبِئْسَ الْأَمْنُ عَنِي الْحَقِّ وَمَنْ أَخَذَتُهُ الْمَصَبِيَّةُ خَارَ 'فَبِئْسَ الْأَمْنُ بَيْنَ إِذْبَارِوَفُخُودٍ وَإِصْرَارِوَجَوْدِعَلَى الشِرَاطِ.

وَالطَّمَعُ عَلَى أَرْبَعِ شُعَبِ: الْفَرَجِ، وَالْمَرَجِ، وَاللَّجَاجَةِ، وَالتَكَاثُو، فَالْفَرَحُ مَكُووُهُ عِنْدَاللهِ ، وَالْمَرَحُ خُيَلاً، وَاللَّجَاجَةُ بَلاَءُ لِمَنِ اضْطَرَ ثُهُ إِلَىٰ حَمْلِ الْآثَامِ، وَالتَكَاثُورُ لَهُو وَ لَمِبُ وَ شُعْلُ وَاسْتِبْدَالُ الْذَي هُوَادَنْي بِالَّذِي هُوَخَيْرٌ.

قَدْلِكَ النِّفَاقُ وَدَعَائِمُهُ وَشَعَبُهُ. وَاللّهُ قَاهِرُ فَوْقَ عِبَادِهِ تَعْالَىٰذِ كُرُهُ وَجَلّ وَجْهُهُ وَأَحْسَنَ كُلّ شَيْءِ خَلْقَهُ وَالْبَسَطَتْ يَدَاهُ وَوَسِعَتْ كُلّ شَيْءٍ رَحْمَتُهُ وَظَهَر أَمْرُهُ وَ أَشْرَقَ نَوْرُهُ وَفَاضَتْ بَرَكَنْهُ وَ شَيْءٍ الْمَنْهُ وَالْبَسَطَتْ يَدَاهُ وَهَبِمَنَ كِنَابُهُ وَفَلَجَتْ حُجَنّهُ وَخَلَصَ دِينُهُ وَاسْتَظْهَرَ سُلْطَانُهُ وَ حَقَتْ كَلِمَنْهُ وَ السَّنَطْعَتْ حِكْمَنُهُ وَهَيْمَنَ كِنَابُهُ وَفَلَجَتْ حُجَنّهُ وَخَلَصَ دِينُهُ وَاسْتَظْهَرَ سُلْطَانُهُ وَ حَقَتْ كَلِمَنْهُ وَ السَّيْئَةَ ذَنبًا وَالذَّ نَبَ فِنْنَةُ وَالْفِيْنَةَ وَالْفِيْنَةَ وَالْفِيْنَةَ وَالْفِيْنَةَ وَالْفِيْنَةُ وَالْفَعْنَ وَاللّهُ وَيَعْتَرِفُ عُولَى مَالَمٌ يَتُعْلَى اللّهِ وَيَعْتَرِفُ فَهُ وَالْفَيْنَ عَوْلَى مَالَمٌ يَتُمْ إِلَى اللّهِ وَيَعْتَرِفُ مَنْ عَلَى اللّهُ وَيَعْتَرِفُ وَلَا يَعْلُقُونَ عُولَى مَالَمٌ يَتُعْلَى اللّهِ وَيَعْتَرِفُ بَعْنَ اللّهُ اللّهُ وَلَالَةً فَاللّهُ وَلَا يَعْلَى اللهُ إِلّا هَالِكُ .

أَللهَ اللهَ اللهَ قَمَا أُوَسْعَ مَالَدَيْهِ مِنَ التَّوْبَةِ وَالتَّ حُمَّةِ وَالْبُشْرَى وَالْحِلْمِالْعَظِيمِ وَمَا أَنْكُلَ مَاعِنْـدَهُ مِنَ الْأَنْكَالِ وَالْجَحِيمِ وَالْبَطْشِ الشَّدِيدِ ، فَمَنْ ظَفِرَ بِطَاعَتِهِ احْتَلَبَ كَرَامَنَهُ وَ مَنْ دَخَلَ فِي مَعْمِينِهِ ذَاقَ وَبَالَ نِفْمَتِهِ وَعَمَّا قَلِيلِ لَيُصْبِخْنَ نادِمِينَ ،

اردیہ تھہ صدیت سابق کا نفاق کے جارستون ہیں ، پیروی خانہش نفس، مہل انکا ، دوسہ وں سے سائنے اپنی فروشتی کے اظہارسے کینا اور طبع ، پیروی خوانہش نفس کی جا رحود تیں ہیں۔ بغادت ، ظلم ، شہوت اور سرکتی ، جس نے فدا ور ہوگئی اور شہوت اور سرکتی ، جس نے فدا ور ہوگئی اور توفیق الم ، شہوت اور سرکتی ، جس نے فدا ور ہوگئی اور توفیق الم ، شہوت اور سرکتی ہوگئے اور توفیق الم اسے منقبطے ہوئی اور شبیطان سے بغادت کی تیاری ہوئی اور جس نے صدیعے ہوئی اور اسس سے منقبطے ہوئی اور اسس سے منقبطے ہوئی اور اسس سے اس کی یاری ہوئی اور اس نے موا اور اسس سے منقبطے ہوئی اور جس نے معمدت پرا حرار کیا وہ والسنہ بلاکی نے نوا جشات نفسانی سے ایک کو در ہوئی ہے گا اور جس نے معمدت پرا حرار کیا وہ والسنہ بلاکی جست کے گمرا ہوں اور ہونیا کی چا کھور تیں ہے میں نے خواجت اور جس اور جس اور جس اور جس اور جس میں جا ہے ہوئی اور کھوٹی کی اور کھوٹی کے اور جس میں جا نہ ہوئی کی ہوئی کی ہوئی کی ہوئی کے دور کھی اینا اور جب جانت ا

النافريس المنافري والمنافرين المنافرين المنافر

اوربيخون مرتاا درغره كوتابي ل ہے۔

ادرا بنے کوٹروتنی سے بچانا اس کی چارصورتیں ٹین - اپنی بزرگ کی ادعا اورشینی کے ساتھ اپنی تعریف اور اپنی طون داری اپنی بزرگ کی ادعا اورشین کے ساتھ اپنی تعریف اور اپنی طون داری اپس جس نے کمرکیا وہ حق سے پھرکی اور جس نے گھرنڈ کیا وہ فاج ہوا ہیں فرن داری اپنی بات کہنے کی اس نے گنا ہوں پرامرار کیا اور جس نے دوسروں کی طون داری کی وہ را ہی سے سے گیا رہیں برک ہے وہ یا جواد بارو نجور اور جور کے درمیان ہمو۔

اورطمع کی چارصورتمی بین رخش بونا ناجائز امور پر نکتر کی چال، مضطربونا طلب مال بین، مال دنبا کی زیادتی چام نا حوام مال پا المورمحرمه پرخوش میوناعت دالله نالپیند میرو بیندا در اکرائر جلناب و توفی ہے اور طلب مال بین اضطراب بلاسے جو بے ت ابو بناتی ہے گذا وکرنے پراور تکافر لہوں عب سے اور ایسا کام ہے جو نیکی کابدل اوٹی چیز کے ساتھ میہو۔

یہ بے نفاق اوراس کے ادکان اورت نمیں اور فداغالبہ بے اپنے بندوں براس کا ذکر بلندہے اس کی دات
اجل و ارفوجہ اوراس نے ہرتنے کو مہنزی ہورت میں پیدا کیا ہے اور وست کشا وہ وکریم) ہے اس کی رحمت ہرتنے کو گھرے
ہوئے ہے اوراس کا حکم ظاہرہ اس کی عفلت کا لورم و بگر چھکنا ہے اور اس کی برکت ہر طون بھیلی ہوئی ہے اوراس کی حکمت کے
دلائل دوشن ہیں اوراس کی کتاب میں ہرفتے کا بیتان ہے اوراس کی جست ظاہر وبا ہر ہے اس کا دین اسلام خالص وین ہے اور
قوت سب پرغالب ہے اوراس کا کلم سجا ہے اوراس کی جائے ہی ٹال مبنی برعدل ہے اس کے دسول ہمایت کے لئے آئے اورانی و
قوت سب پرغالب ہے اوراس کا کلم سجا ہے اوراس کی جائی ٹی ٹال مبنی برعدل ہے اس کے دسول ہمایت کے لئے آئے اورانی اور تعدل اور قدت کو نا پائی اور نیکی اپنی رضا مدندی کا فعل نسرا اور قوب کو رضا کا ذریعے بنایا اور تو بسے معاصی سے بچنا کا ہر جوا ۔ بس حب نے تو بسی ہم ایست پائی اور جو برجہ کہ جائے ہوں کا مقرنہ ہوا ورا للڈ کے مقابلہ کی جائے تنہیں مگر جو کہ جہ بہت کی وہ گراہ جو اورا للڈ کے مقابلہ کی جائے تنہیں مگر جو کہ جہ بہت کی وہ گراہ جو اورا للڈ کے مقابلہ کی جائے تنہیں مگر جو کہ جو ہے۔
کی وہ گراہ جو اجب تک فداسے تو بہ ند کر سے اوراس پنے گئا ہوں کا مقرنہ ہوا ورا للڈ کے مقابلہ کی جائے تنہیں مگر جو کہ جو بہت ہوں کا مقرنہ ہوا ورا للڈ کے مقابلہ کی جائے تنہیں مگر جو کہ جمانے کا جو کہ کو تنہ بی کی وہ گراہ جو ایست بی مگر جو کہ جو کہ جو کہ بھوں کی جو کہ ایست بی مگر جو کہ جو کہ بی بی مقابلہ کی جائے سب میں کا وہ کہ بھوں کی مقابلہ کی جائے سب میں حسان کا وہ کہ کا مقابلہ کی جائے سب میں کی مقابلہ کی جائے کی مقابلہ کی جائے کی جو کہ کی حدالے کی معابلہ کی جائے کی حدالے کی حدا

الله ہے ڈروالٹرسے ڈرو، ٹوب کے بعداس کی بھت میں بڑی وسعت ہے اوربشارٹ ہے مکوکا رول کے لئے اور ملم عظیم ہے اس گنا ہوں کے لئے اورکیساسخت ہے اس کے ٹرد کیسعنداب بہنم اوراس کی پیڑکتنی سخت ہے جس نے اس کی اطاعت کی اس نے اس کی بخت شرحال کی اور جومعصیت میں داخل ہوا اس نے اس کے عذاب کا مزہ چکھا اور روز قیامت بدامت حاصل ہوگی۔

٢ مَ نَعَدَنْ يَحْيَى ، عَنِ الْحُسَبْنَ إِسْحَاقَ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ مَهْزِيَارَ ، عَنْ عَلَيْبْنِ عَبْدِالْحَمِيدِ وَالْحَسَّيْنَ بْنِ سَعِيدِحَمِيعاً ، عَنْ عَبَرْبِ الْفَضَيْلِ فَالَ : كَنَبْتُ إِلَى أَبِي الْحَسَنِ عَلَيْكُمْ أَسَالُهُ عَنْ مَسْأَلَةً وَلَا يَلَ أَبِي الْحَسَنِ عَلَيْكُمْ أَسْأَلُهُ عَنْ مَسْأَلَةً فَكَتَب إِلَيْ مَواللَّيَ الْصَّلاَةِ فَامُوا لَكَسَالَى يُوا وُونَ فَكَتَب إِلَيْ مَوْلاً وَلَا إِلَى هُولاً وَمَنْ يُضَلِل الله عَلَيْ وَلا إِلَى هُولاً وَمَنْ يُضْلِل الله النَّاسَ وَلاَيَذُ كُرُونَ اللهَ إِلاَ قَلْمُوا مِنَ الْكَافِرِينَ وَلَبْشُو امِنَ الْمُسْلِمِينَ ، يَظْهُرُونَ الْإِيمَانَ وَ يَصِيرُونَ إِلَى عَلَيْ لِلْكَلْوِيلِ الله عَلَيْ اللهَ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْ الله عَلَيْ الله الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْ الله عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهُ اللهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهُ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ عَلَيْهُ وَلِي اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ عَلْمُ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ عَلَيْهُ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُو

الْكُفْرِ وَالتَّكْذِيبِ لَعَنَّهُمُ اللهُ .

۷- داوی که تا بسه می نے امام رضا علیہ سسام سے ایک سسکار کا جواب پوچھا حضرت نے تحریر فی وایا ۔ منافق اللہ کو دھوکہ دیتے ہیں اور ان کے قریب کا دوکر تاہیے اور جب نماز پڑھتے ہیں ا مکسلے وہ لوگوں کو دکھا دسے بنے کرتے ہیں ۔ دیا کا دہی اور اللہ کو بہت کم یا دکرتے ہیں مذبذب ہوگ ہیں مزاد حرکے نداد حرکے جس کواللہ کمراہی میں چھوڈ دسے مجر است صحیح راست تنہیں ملتا۔ بیر منافق نہ توکا فرہی اور نہ مومن اور نرمسلمان ایمان کوظا ہر کرتے ہیں اور عمل کا مندوں کا سالہے اور وہ امری کو جب لا تھے ہیں۔ فداکی ان برلعنت ہو۔

٣- اَلْحُسَيْنُ بِنُ نُعْلَا ، عَنْ نَعْلَا بَنْ جُمْهُور ، عَنْ عَبْدِالشّبْنِ عَبْدِالرّ حُمْنِ الْأَصَمّ ، عَنِ الْهَيْمَ بْنِ فَاقِدٍ ، عَنْ عَبْدِ بَعْنَ عَلَى بْنِ الْحُسَيْنِ صَلَوْاتُ الله عَلَيْ بْنِ الْحُسَيْنِ صَلَوْاتُ الله عَلَيْهِما قَالَ : إِنَّ الْمُنَافِقَ يَنْهَى وَلاَ يَنْهَى وَيَأَمْرُ بِمَالاَ يَأْتِي وَإِذَا قَامَ إِلَى الصَّلاةِ اعْتَرَسَ لَ قُلْتُ عَلَيْهِما قَالَ : إِنَّ الْمُنَافِقَ يَنْهَى وَلاَ يَنْهَى وَيَأَمْرُ بِمَالاَ يَأْتِي وَإِذَا قَامَ إِلَى الصَّلاةِ اعْتَرَسَ لَ قُلْتُ عَلَيْهِما قَالَ : الْإِلْنِهاتُ لَ وَ إِذَا رَكَعَ رَبَضَ ، يُمْسِي وَ هَمَّهُ الْعَمَاءُ وَهُو يَا الْبَنَ رَسُولِ اللهِ وَمَا الْإِعْنِر اللهَ ؟ قَالَ : الْإِلْنِهَاتُ لَ وَإِذَا رَكَعَ رَبَضَ ، يُمْسِي وَ هَمَّهُ الْعَمَاءُ وَهُو مَعْلَلُو وَيُصَلِّ وَهَا الْوَعْمَ الْوَعْمَ وَلَمْ يَسْهَرْ ، إِنْ حَدَّ ثَكَ كَذَبَكَ وَإِنِ ائْنَمَنْنَهُ خَانَكَ وَإِنْ غِبْتَ اغْتَابِكَ وَإِنْ وَعَدَكَ أَخْلَفَكَ .
 وَإِنْ وَعَدَكَ أَخْلَفَكَ .

۳- فرمایا حفرت علی الحسین علیا اسلام نے منافق دوسروں کو منع کرتلہد اورخود بازنہیں آ آ جب کا حکم دوسروں کو دیستا کہ اورخود بازنہیں آ آ جب کا حکم دوسروں کو دیستا کے اورخود بازنہیں آ آ جب کا حکم دوسروں کو دیتلہد اورخود بازنہیں لآ ا جب نماز پڑھنا ہے تو اص کرتلہد اورجد دکوئی کہ اس کرتلہد اورجد دکوئی کہ اس کا لئے وہ دعد آ اس کے اس کا ادا دوسونے کا بہت شام کرتلہد تا دوس کو اس کی دھن ہوتی ہدہ الا تکہ وہ دعد آ کہ میں مہت اس طرح کرتلہد کر اس کا ادا وہ دیا کہ بہت کہ اس کا اگر ہم سے دعدہ کر سے گا تو اللہ میں کہ دائل میں کہ دیا تک کرے گا تو اللہ میں کہ دیا گری کے دوسرہ کر سے گا تو میں میں کہ دوسرہ کی دوسرہ کی دوسرہ کی اس کا ایک ہوئے نو غیرت کرے گا آگر ہم سے دعدہ کر سے گا تو میں دوسرہ کی دوسرہ کو دوسرہ کا اگر ہم سے دعدہ کر سے گا تو دوسرہ خواتی کرے گا۔

٤ - عَنْهُ ، عَنِ ابْنِ جُمْهُورٍ ، عَنْ سُلَيْهُ انَبْنِ سَمَاعَةَ ، عَنْ عَبْدِ الْمَلِكِ بْنِ بَحْرٍ ، رَفَعَهُ مِثْلَ ذَلِكَ . وَزَادَ فِيهِ - إِذَارَكَعَ رَبَضَ وَإِذَا سَجَدَنَقَرَ ، وَإِذَا خَلَسَ شَغْرَ.

ہورا ورا مام زین انعا برین علیا لسلام ہی ک سندسے عبد الملک نے حدیث سابن ہیں آننا اضافہ اور کبلہے کہ جب رکوع کرنا ہے گوسویا ہوا معلوم ہوتاہے اور سجدہ اس طرح کرناہے جب پرندہ ٹھونگ مارے اور جب دو سجدوں کے دربیان بیٹھے تونا قص نشست بعنی فی الفور دوسرے سجدہ میں جلاجائے۔

٥ - أَبُوعَلِي الْأَشْعَرِيُّ ، عَنِ الْحَسَنِ بْنِ عَلِي الْكُوفِيّ ، عَنْ عَنْمَانَ بْنِ عِيسَى ، عَنْ سَعِيد بْنِ
يَسَادِ، عَنْ أَبِي عَبْدَاللهِ عُلْبَكُمْ فَالَ : قَالَ رَسُولُ اللهِ وَالْفَيْطِةِ : مَثَلُ الْمَنَافِقِ مَثَلْ جِذْعِ النَّخْلِ أَرَادَ صَاحِبُهُ أَ أَنْ يَشْفَعَ بِهِ فِي بَعْضِ بِنَائِهِ فَلَمْ يَسْنَقَمْ لَهُ فِي الْمَوْضِعِ الَّذِي أَرَادَ ، فَحَوَّلَهُ فِي مَوْضِعِ آخَرَ فَلَمْ يَسْتَقِمْ لَهُ فَكَانَ آخِرُ ذَٰلِكَ أَنْ أَحَرَقَهُ بِالنَّارِ

۵- فرا با امام جعفه صادق علیات م نے که دسول اللہ نے فرمایا۔ منافق که شال در خت کھجورے اس تندکی ہے جس کا مالک پنے ترقیم مرکان میں ایک جنگ فٹ کرنا چلہے مگر وہ وہاں فٹ مذمو ۔ بچر دوسری جنگ نصب کرنا چلہے۔ وہ وہاں بھی فٹ نہوا حشسر مجبور بہ یرکھ جلادے ۔

٢ عِدَّةٌ مِنْ أَصَّحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيَادٍ ، عَنْ عَرَّبُنِ الْحَسَنِ بْنِ شَمَّوْن ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ الْحَسَنِ بْنِ شَمَّوْن ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ عَلْمَالُ وَعَنْ عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدَ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ عَبْدَ عَلَى اللهِ عَلَى الله

۵ رفوایا معرت ابوعیدالله علیالسلام نے کرسول الله نفروایا جب کمی کی ریاضت مدن صفائی قلب زیاده مود ر (جی اکدمکا رصونی کرتیمین) توید بهادر نزدیک نقات بهد

دوسوستانوے وال باب مضرک

(بابُالشِرْكِ) ٢٩٤

١ عَلِي مَنْ إِنْرَاهِيمَ ، عَنْ عَيْرِ عِيسَى ، عَنْ يُونْسَ ، عَنْ بْرَيْدِ الْعِجْلِيّ ، عَنْ أَبِي جَمْفَرِ
 عَلَا إِنَّانَ اللَّهُ عَنْ أَدَّنَى مَا يَكُونَ الْعَبْدُ بِهِ مُشْرِكًا، قَالَ : فَقَالَ: مَنْ قَالَ لِلنَّوَاةِ : إِنَّهَا حَمَاتُهُ وَلِلْحَمَاةِ : إِنَّهَا نَوْاةً ثُمَّ ذَانَ بِهِ .
 وَلِلْحَمَاةِ : إِنَّهَا نَوْاةً ثُمَّ ذَانَ بِهِ .

ا قرایا نام محد با قرعلیان سلام نیجدکد ان سے کس نے پوچھا" کم سے کم کس بات سے آدی مشہرک ہوجا آسے کا جوکشنے میں مشہرمہ کی گھٹنی کوسندگریزہ کہد دے اور سسننگریزہ کو گھٹل اور اسپنے اسس فلن پر اسپنے دین کی بہت یا در کھے ۔

٧ - عَنْهُ ، عَنْ عَبْدِ اللهِ بْنِ مُسْكَانَ ، عَنْ أَبِي الْعَبْ ابِي قَالَ . سَأَلْتُ أَبِاعَبْدِ اللهِ عَلْيَكُ عَنْ أَدْنَى مَا

يَكُونُ بِهِ الْأَنْسَانُ مُشْرِكاً ، قَالَ : فَقَالَ : مَنِ ابْتَدَعَ دَأَيْا فَأَجْتَ عَلَيْهِ أَوْ أَبْغُضَ عَلَيْهِ . ٧- دادى كِتلب بين فعفر المجعفوات عليال الم عدلي جِها كم عدكم وه كونى بات بي عبى النسان

۱۳ د (۱۵ هم ما پیچندی میره در ۱۳ مهم میشونده در میشدند. است به بیست که به بین سال ما در می بین است مشرک بن جالمایی فرمایا جس نے کو کی نئی دائے بطور ان و نباس قائم کر کے کسی سے محبت کی یا بغن کیا ۔

م عَدَّةُ مِنْ أَمَّحُامِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيادٍ ، عَنْ يَحْمَى بْنِ الْمُنَادَكِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ عَبْ سَمَاعَةَ ، عَنْ أَبِي بَصِيرٍ وَ إِسْحَاقَ بْنِ عَسَّادٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ بِلِيْعِ فِي قَوْلِ اللهِ عَنْ وَجَلَّ : « وَمَا يُؤْمِنُ أَكْثَرُهُمْ إِللهِ إِلاَّ وَهُمْ مُشْرِكُونَ ، قَالَ : يُطِيعُ الشَّيْطَانَ مِنْ حَيْثُ لاَيَعْلَمَ فَبَشْرِكُ

مر قویا یا مام بعفر مساوق علیالسلام نے اس آیت کے متعلق "ان بین سے بہت سے ایمان نہیں لائے اور وہ مشرک میں رہے د بی رہے کہ انفوں نے سف ملان کی اطاعت اس طرح لاعلی بین کی کہ انھیں پندہی مذ چلا ہیں اس سے شرک ان میں آگیا۔

ي عَلِي ثُنْ إِبْرَاهِيم ، عَنْ نَتَوَبَّنِ عِينَى ، عَنْ يُوَمِّنَ عَينَى ، عَنْ يُونَى ، عَنِ ابْنِ بْكَبْر، عَنْ ضَرَيْس ، عَنْ أَبِي عَبْدِيلَةُ لِلْكَالَةُ فِي قَوْلِيالَةُ عَنَّ وَجَلَ : وَوَهَا بُؤْمِنُ أَكْثَرُهُمْ بِاللهِ إِلَّاوَهُمْ عَشْرِ كُونَ لِا قَالَ ، شِرْكُ طَاعَةِ وَلَيْسَ مِنْ بَشْدُالله عَلَى حَرْفِ لَا قَالَ ، إِنَّ الْآيَةَ وَلَيْسَ مِنْ بَشْدُالله عَلَى حَرْفِ لَا قَالَ : إِنَّ الْآيَةَ تَنْوَلُ فِي الرَّجُلِ ثُمْ تَكُونَ فِي أَتْبَاعِهِ ثُمَّ قُلْتُ : كُلُّ مَنْ نَصَبَ دُونَكُمْ شَبُّنَا فَهُوَ مِمَّنْ يَشْبُدَالله عَلَى خَرْف ؛ فَقَالَ : نَمَ فَوَقَدْ يَكُونَ مَحْضَا

ہم۔ فریا الوعب النّر بلیا اسلام نے اس آبیت کے متعلق منہیں ایکان لاسے النّریان ہیں سے اکثر مگریہ کہ وہ مشرک بغررے کر اس سے مراد نثرک طاعت ہے ذکر شہرک عبادت اوداس آبیت کے منعلق کچھ لوگ ایسے ہیں کہ اللّہ کی جادیّ ایک کنا رے پر کھڑے ہوکر کر قربی رفرا باک یہ آبیت نازل توجون سمی ایک شعم کے بار پیر دیکن اس کا حصداتی وہ سب بنے جنھوں نے اس شخص کی ہروی کی میں نے برچھا جوآپ کے چنگ دور سے کوانام لمنے وہ بھی اس آبیت کا مصداتی ہے رفرا یا ہاں م مجھی جن نی صورت سمی ہرتی ہوئی کے رشخص خود ہی ایسا کرتا ہے بغیرتا بھین ۔

وَنُونُ ، عَنْ رَافُرَهُن فَرْ قَدِ ، عَنْ حَشَانِ الْجَمَّالِ ؛ عَنْ عَمِيرَةَ ، عَنْ أَبِي عَدْدِاللهِ إليهِ عَالَ . وَإِنْ صَامُوا وَصَلَوُا لَا اللهِ عَنْ اللهِ اللهُ اللهِ الهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ المَا ال

۵۰ را وی کپتاسے کہ الوعبد الشّعلیات اللّم نے فرایا لوگوں کوہماری معزفت کا حکم دیا گیاہے اورہماری طرف رجوع کرنے ، ہماری بات کو اننے کاہی ۔ بچرفشہ یا یا اگر وہ لوگ دوزہ رکھیں ، نماز پڑھیں اور لاا لہ الااللّٰدی گواہی دیں اور اپنے دلوں ہیں بر اداوہ دکھیں کہم سے رجوع نزگیں گئے قواس سے مشرک بن جائیں گئے ۔ بداان کا طآ عت بدنگر اس معنی سے ہوگا کہ ہم معصوبین علیم اسلام کوفدانے امام بنایا ہے لہذا ان کا طآ کو مسیح :- فرض ہوئی بیس اگران کی بجائے دو سرے کے بنائے ہوئے کوا مام شکیم کیا توگویا اس دو سرے کو فعدا کا شدر کی بنایا -

اد فرایا حفرت امام چعفر مبادق ملیل اسلام نے اگر کو گاتوم خدائے و مدہ اسٹ رکید کی عبادت کرے نما فریٹ سے ذکوہ ہے جہیت الٹرکرے دوراہ مرمضان کے روگر کھے جرکی چیز کے متعلق جس کو اللہ یا دسول نے بنا یا ہوہ برکمہ و سے کہ اس کے خلاف نبایا جاتا تو انجھا تھا یا ایسا خیال بی ان کے دل میں گزرے تو وہ شرک ہوجا تیں گئے ۔ بھریہ آیت تلاوت فرائی ہو تشم ہے تیرے دب کی وہ ایکان والے نہیں مہول گے جب تک اپنے نزاعات میں تجھ کو اے دسول حکم ند بنا میں اور مجرج فیصلے تو در کرائے اس سے اپنے نفسوں میں تشکی نہ پائیں اور تیرے فیصلے کو قبول بھی کرائیں کی حفرت نے فرا با - اور تمہادے ہے ہمسا دی با شکا تبول کو نا لازم ہے۔

٧- عِدَّةٌ مِنْ أَصَحْابِنا ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَلَيْبِ خَالِدِ ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ يَحْيسَى ، عَنْ عَبداللهِ عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ وَحَلَ : «اتَّحَذُواأَحْبَارَهُمْ عَيْدَاللهِ عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ وَحَلَ : «اتَّحَذُواأَحْبَارَهُمْ عَيْدَاللهِ عَنْ قَوْلِ اللهِ عَنْ وَحَلَ : «اتَّحَذُواأَحْبَارَهُمْ وَرُهْبِاللهِ عَنْ وَحَلَ : «اتَّحَذُواأَحْبارَهُمْ وَرُهْبِاللهِ عَنْ وَحَلَ : هَا مَا وَاللهِ مَا دَعَوْهُمْ إلى عِبادَةً أَنْهُ سُهِمْ وَلُودَعَوْهُمْ إلى عِبادَةً أَنْهُ سُهِمْ وَرُهْبِاللهِ عَنْ حَيْثُ لا يَشْعُرُونَ .
لَمْا أَجَابُوهُمْ وَلٰكِنْ أَحَلُوا لَهُمْ حَرَامًا وَحَرَّ مُوا عَلَيْهِمْ حَلَالًا فَعَبَدُوهُمْ مِنْ حَيْثُ لا يَشْعُرُونَ .

مرابد بھیرے مروی ہے کہیں نے امام جعفر مسادتی علیا اسلام ہے اس آیت کے بارے میں پوٹھا استھوں نے ا بینے عالمین اور درونیٹوں کو خدمی بجلے ایٹ رب بنا لیا مختا ۔ آ بے فرطیا - والنّد استعواں نے ایٹے تفسوں کی مبادت ک طرف ان کونہیں بلایا مختا و درا کہ استعمال کونہیں بلایا مختا اور اگرا سے استعمال کونہیں بلایا مختا اور اگرا سے استعمال کونہیں بلایا مختا اور ایک ان کی بات نہ بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا اور ایک ان کی بات نہ بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا اور ایک ان کی بات نہ بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا اور ایک ان کی بات نہ بات نہ بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا اور ایک بیات کے بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا کے بیٹھی بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا کے بیٹھی بات کے بات کے بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا کے بیٹھی بلکہ استعمال کونہیں بلایا مختا کے بیٹھی بات کے بات کے

ا دران كوامس ك جرر بهوق.

٨ ـ عَلَي بَنْ عَنْ مَالِحِبْنِ أَبَي حَشَادٍ ! وَعَلَي بَنْ إِبْرَاهِبَم ، عَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبَي عُمَيْرِ
 عَنْ رَجُلٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ كَالَيْكُ قَالَ : مَنْ أَلَماعَ رَجُلاً فِي مَعْمِينَةٍ فَقَدْ عَبَدَهُ .

٨- فرما ياحا وق آل محرعليدا لسدم في معصبت فدا بيركى كا اطاعت ك - اس في اس كي هبادت ك -

دوسوالمفالوع ال باب

شك (بنابُالشَّكِّ) ۲۹۸

الْمَدُو الشَّالِج عَلَى أَنْ إِبْرَاهِيمَ، عَنْ عَلَيْ بَنِ عِيسَى، عَنْ يُونَسَ، عَنِ الْمُسَيِّنِ بِنِ الْمَحَدَمِ قَالَ: كَتَبَّتُ إِلَى الْمَدُونِيَ وَ الْمَدُونِي الْمَدُونِي وَ الْمَدُونِي اللَّهُ وَ اللَّهَ عَلَيْهِ اللَّهُ وَ اللَّهُ وَاللَّهُ وَالَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّه

اردادی مجتلب میں نے الم موسیٰ کا فلم طیرال مام کو تکھا کہ ہیں آپ کی الم منت کے بارسے میں شک کرنے والاہوں ۔ اہماہم گر نے کہا تھا ۔ پروددگارا مجھے و کھلادسے کر توٹر وں کوکس طرح زندہ کرتا ہے بہیں ہیں ہیں ہیں جا ہتنا ہوں کہ آپ تھدیق المامت کے ہے کو کی ایسی چیز و کھا ہی جس سے میرا شک دور ہو حضرت نے جواب اکھا کہ ابراہیم طیرانسسانام مومن تھے انھوں نے جا ا ایمان ٹریا وہ ہوا ور تم شک کرنے والے ہموا ورشک ہیں بہتری نہیں اور یہ بھی ایکھا ۔ شک اسی وقت تک دہتا ہے جب بھی یعین نہوا ورجب یقین آ جا کہتے تو بھوٹنگ باتی نہیں رہتا اور یہ بھی انجھا ہے کہ خدائے جو وجل فرما تمامی نے ان میں سے اکثر کوعہ دیر چھا میم نے ان میں سے اکثر کو فاسی بایا ور فرایا ہے آیت شک کرنے والوں کے بارسے میں ہے ۔

٢ - عِدَّةُ مِنْ أَصَّحٰا بِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ زِيادٍ ، عَنْ عَلِي بْنِ أَسْبَاطٍ ، عَنْ أَبِي إِسْحَاقَ الْخُر اسْانِيَ فَالَ : كَانَ أَمْبِرُ الْمُؤْمِنِينَ عَلَيْ يَقُولُ فِي خُطْبَنِهِ : لا تَرْ تَابُوا فَتَشُكَّنُوا وَلا تَشُكَّنُوا فَتَكُفُوهُ ا .

٧ يمون مسلم نے بيان كيا كه ام جعفوما دق عليالسلام كى خدمت بيں حاض بوا - بي باتين طرف تقا زرارہ وائم فى طرف كر او بعير بي يَسَكُ كِهِف لِكُ على على الله آب كيا فراتے ميں اس شخص كے بارسے ميں ہوا لله كے متعلق شك، كرّا ہو وفرا يا وہ كا فريد انفوں نے كہا جو دسول كے بارسے ميں فنك كرے اس كے لئے فرايا اے البومحد دكنيت الجابعير) وہ بھى كا فريد كيون دا رہ كا عوف رخ كركے فرايا - داوبيت بارى تعالى اور دسالت محراص طفاع كرت جون كا دركارے وہ كا فريد -

٣ عِدَّةٌ مِنْ أَسَّحَابِنَا ، مَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَلَيْهِنِ خَالِدٍ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنْ خَلَفِ بْنِ حَمَّادٍ ، عَنْ أَبِي أَيْنُوَبَ الْخَرْ الْزِ ، عَنْ عَلَيْهِنْ مُسْلِم قَالَ : كُنْتُ عِنْدَأَنِي عَبْدِاللهِ تَلْقَيْنُ جَالِساً عَنْ يَسَارِهِ وَ زُرُارَةٌ عَنْ يَمِينِهِ ، فَدَخَلَ عَلَيْهِ أَبَو بُصِيرِ فَقَالَ : يَا أَبَاعَبْدِاللهِ مَا تَقُولُ فِيمَنْ شَكَ فِي اللهِ ؟ فَقَالَ : كَافِرٌ يَاأَبَاعُهَا قَالَ : فَشَكَ فِي رَسُولِ اللهِ ؟ فَقَالَ : كَافِرٌ ، قَالَ : ثُمَّ الْتَفَتَ إِلَىٰ زُرَارَةً فَقَالَ : إِنَّمَا يَكُفُرُ إِذَا جَحَدَ.

٠٠ الواسحاق فراسا فى سعروى بيدكم اميرالمومثين عليدائسلام ني ابيث ابين حطبيرى فرما باستبهركوا مودوين ميس دخل د دورد شك بين برج جا كم يكا اورشك بين مذبر وورد كا فريوجا وكرك -

٤ عَنْهُ ، عَنْ أَبَهِ ، عَنِ النَّفَ رِبْنِ سُويْدِ ، عَنْ يَحْيَى بْنِ عِشْرَانَ الْحَلَمِيّ ، عَنْ هٰارُونَ بْنِ أَكُلُ اللهِ عَلْمَ عَنْ أَبِي مَعْنَ هٰارُونَ بْنِ أَكُلُ اللهِ عَنْ أَعْنَ اللهِ عَلْمَ عَنْ أَعْنَ اللهِ عَلْمَ عَنْ أَيْ وَجَلَ : «اللّذِينَ آمَنُوا وَلَمْ يَلْبُسُوا إِنْ عَنْ أَيْ يَظُلُم ، فَالَ : بِمَكِ .
 إينا نَهُمْ يِظُلُم ، فَالَ : بِمَكِ .

٥ - اَلَّحْسَيْنِ بَنْ عَيْ مَنْ أَحْمَدَ بِنْ إِسْخَاقَ ، عَنْ بَكْرِ بْنِ كَهُو ، عَنْ أَبَي عَبْدِ اللهِ عَالَ : إِنَّ الشَّلَكَ وَالْمَسْعِيَةَ فِي النَّادِ، لَيْسَامِنْ اوْلا إِلَيْنَا .

ه دفرایا حفرت دام جعفوما دن علیالسلام نے شک ومعمیت کا نیتجہ و وزخ ، ایسا نشخص جو کہتا ہے نہ وہ ہمادی بات ہے اور بڑاس کی ، رجوع ہماری طرف ہے ۔

- عِدْةُ مِنْ أَصَّحَامِنَا ، عَنْ أَحَدَدَبُنِ أَبِي عَبْدِاللهِ ، عَنْ عَنْمَانَ بْنِ عَيسَى ، عَنْ رَجْلِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَنْ عَنْمَانَ بْنِ عَيسَى ، عَنْ رَجْلِ عَنْ أَبَي عَبْدِاللهِ عَلَى اللهِ عَلْمَ اللهِ عَلَى اللهِ عَنْمُ أَنْ أَنْ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْمُ اللهِ عَلَى اللّهِ عَلَى اللهِ عَلَى ال

AFO

ورفوایا ۱ مام جعفر مدادق علیا اسدایم جوالترکی ربوبیت مین شک کرے اس کے بعد میمی کراس کی ولادت فطرت اسسلام پر ہوئی جو آوشکی کرکہی مذیا ہے گا

٧ ـ عَنْهُ ، عَنْ أَبَهِهِ ، زَفَعَهُ إِلَىٰ أَبِي جَعْفَرِ عَلَيْكُمْ قَالَ : لَا يَنْفَعْ مَعَ الشَّكِ وَالْجُحُودِ عَمَلٌ . ٤ ـ وَما ياحفرت المام محد ما فرعيرالسلام في كم ثنك اورانكا در عبوت عمل بيكادي -

٨ - وَفِي رَصِياتَةِ ٱلْمُفَضَّلِ قَالَ سَمِعْتَأَبَاءَ دِاللهِ إِنْ يَقُولُ : مَنْ شَكَّ أَوْظَنَ فَأَقَامَ عَلَى أَحَدِهِمَا أَحْبَطَاللهُ عَمَلَهُ ، إِنَّ حُجَّةَ اللهِ هِي الْحُجَّةُ الواضِحَةُ .

۸- را دی کہتاہے میں فی حفرت ا بوعد الشعلیہ السلامے سنا جس نے شک یا کمکان کیا اوران میں سے کسی ایک پر منا کم دہا تو اللہ اس کے عمل کو فیسط کر دیتا ہے اللہ می ک حجت ، حجت واضح ہے بھتی جہعتی ونقلی ولائل ربوبیت باری تعالیٰ پر مزجد دہی تو پھرشک یا کمکان کیسا۔

ه . عَنْهُ ، عَنْ عَلِيّ بْنِ أَسْاطِ ، عَنِ الْعَلَاء بْنِ رَزْبِنِ ، عَنْ كُوْبَ مَسْلِم ، عَنْ أَحَدِهِما مَتَكُ أَا اللّهَ اللّهَ عَلَا اللّهَ عَلَى اللّهَ عَلَا اللّهُ اللّهَ اللّهَ عَلَا اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللّهُ عَلَى اللّهُ اللهُ عَلَى اللّهُ اللهُ عَلَى اللّهُ اللهُ الل

۹ محدین مسلم سے دوایت ہے کہ میں نے امام جعفر صادق علیدانسلام با امام محد باقر علیدانسلام سے کہا ایک شخص ایس ہوء علی ایس میں ہوء فروان ہوں سے ایک جاندوں کا جد کر کے است کے داندوں کے جاندوں دن کا جد کر کے

دعامانگی جوقبول بهرتی دو سرسے نے بھی ویا ہی کیا اس کی دعا قبول نہوئی اس نے حفرت سے شکایت کی اور دعا کی دن خوات کی ہے پہنے نے وضو کرکے نماز پڑھی اور فداسے دعا کی اللّہ نے وی کی اسے عینی یہ میرا بندہ اس دروازہ سے بہت اسے دیا جاتا ۔ اُس نے کچھ سے دعا کی لیکن اس کے دل ہیں ہم ادی رساست کے متعلق شک تھا اگراس حالت ہیں وہ دعا کرتا دہتا ہمال کی کواس کی گردن قبطے ہوجاتی اور انگل کی لیور لچر وجد ابوجانی تب بھی اس کی دعا قبول نہوتی یحفرت عیلی نے اس سے کہا۔ آؤ نے رب سے دعا ابیں حالت میں کی جب کراس کے نبی کی نبوت میں تجھے شک تھا۔ اس نے کہا ۔ اے وقع اللہ کا کھتا اللہ ایسا بی تھا جیسا آپ نے کہا ۔ اب آپ فداسے دعا کویں کہ اس شک کو میرے دل سے دور کرے مفرت نے دعا کی اس نے فعد اسے دعا کی آو تی جیل ہوگی اور دوہ اپنے اہل فائدان کے مرتبہ میں وافل جوا۔

روسونت انويدوال باب مندال مندال ه(بائ الفّلال))، ۲۹۹

ا عَلَيْ بْنُ إِبْرَاهِيم ، عَنْ أَبَيد ، عَنِ ابْنِ أَبِي عُمَيْر ، عَنْ عَبْدِالرَّ حُمْنِ بْنِ أَبُوالْحَطْنَابِ ، عَنْ عَبْدِالرَّ حُمْنِ بْنِ أَبُوالْحَطْنَابِ ، عَنْ الْمَا أَبُوالْحَطْنَابِ ، مَجْتَمِعِينَ قَقَالَ لَمَا أَبُوالْحَطْنَابِ ؛ مَا أَبُوالْحَطْنَابِ مَجْتَمِعِينَ قَقَالَ لَمَا أَبُوالْحَطْنَابِ ؛ مَا تَقُولُونَ فِيمَنْ لَمْ بُعْرِ فْ هَذَاالاً مْرَ ؟ فَقَلْتُ : مَنْ لَمْ يَعْرِ فْ هَذَاالاً مْرَ ؟ فَقَلْتُ : مَنْ لَمْ يَعْرِ فْ هَذَاالاً مْرَ وَقَالَ أَبُوالْحَطْنَابِ اللّهُ مِنْ اللّهُ وَالْمَالَة عَلَى اللّهُ عَلَيْهِ الْحَجَد يَكُمْنُ ؟ ؛ لَيْسَ بِكَافِرٍ إِذَالَمْ يَجْحَد ، قَالَ ؛ فَلَمْنَا مُسْلِم : سُبْحَانَ اللهِ عَالَهُ إِذَالَمْ يَعْرِفْ وَلَمْ يَحْحَد يَكُمُنْ ؟ ؛ لَيْسَ بِكَافِرٍ إِذَالَمْ يَجْحَد ، قَالَ ؛ فَلَمْنَا مُسْلِم : سُبْحَانَ اللهِ عَالَهُ إِذَالَمْ يَعْرِفْ وَلَمْ يَحْدَد يَكُمُنْ ؟ ؛ لَيْسَ بِكَافِرٍ إِذَالَمْ يَجْحَد ، قَالَ ؛ فَلَمْنَا مُسْلِم : سُبْحَانَ اللهِ عَالَهُ إِذَالَمْ يَعْرِفْ وَلَمْ يَدْرُثُهُ إِيكُ فَقَالَ : إِنَّكَ قَدْ حَضَرْتَ وَغَابًا وَلَكِنَ مَوْعِدَ كُمْ وَعَمْ عَلَيْهُ عَلَيْهِ عَلَى اللّهُ عَلَيْكُ قَقَالَ : إِنَّكَ قَدْ حَضَرْتَ وَغَابًا وَلَكِنَّ مَوْعِدَ كُمْ اللّهُ اللّهُ الْمُحْمَرَةُ الْوَسُطِي بِعِينِي .

قَلَمْ كَأَنَتِ اللَّيْلَةُ اجْنَمَهُمْا عِنْدَهُ وَأَبُو الْخَطْلُ وَخَفَرُ بُنُ مُسْلِم فَتَنَاوَلَ وَ سَادَةً فَوَضَعَها فِي صَدْدِهِ ثَمَّ قَالَ اَنَا : مَا تَقُولُوْنَ فِي خَلَمِكُمْ وَنِسْآئِكُمْ وَأَهْلِيكُمْ اللّهِ اللّهَ اللّهَ اللّهُ الللّهُ اللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ الللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّهُ اللّ

قَالَ : سَبْحَانَ اللهِ أَمَارَأَيْتَ أَهْلَ الطَّرِيقِ وَأَهْلَ الْمِيَاءِ ؟ قُلْتُ : بَلَى ، قَالَ : أَلَيْسَ يُصَلَّوُنَ وَيَصُوْمُونَ وَيَحَجَّوْنَ ؟ أَلَيْسَ يَشْهَدُونَ أَنْلا إِلْهَ إِلاَّ اللهُ وَأَنَّ خُدَا رَسُولُ اللهِ الْأَمْنَ فَهُلُونَ عَالَ: فَيعُو فُونَ مَاأَنْتُمْ عَلَيْهِ؟ قُلْتُ: لاَ اقْالَ : فَمَا هُمْ عِنْدَكُمْ ؟ قُلْتُ: مَنْ لَمْ يَعْرِفُ هٰذَا الْأَمْنَ فَهُلُوكًا فِسُر.

فَالَ:سُبْحَانَ اللهِ أَمَادَأَيْتَ الْكَعْبَةَ وَالطَّو افَ وَأَهْلَ الْيَمَنِ وَتَعَلَّقُهُمْ بِأَسْتَادِ الكَعْبَةِ ؟ قُلْتُ: بَلَىٰ قَالَ: أَلَيْسَ يَشْهَدُونَ أَنْ لا إِلٰهَ إِلاَ اللهُ وَأَنَّ عُمَّ ارَسُولُ اللهِ وَاللَّيْ وَيُصَلُّونَ وَيَصُومُونَ وَيَحُجَّوُنَ ؟ قُلْتُ: بَلَىٰ قَالَ: فَيَمْرِ فَوْنَ مِا أَنْتُمْ عَلَيْهِ ؟ قُلْتُ : لا ؟ قَالَ قَمَا تَمْوُلُونَ فِيهِمْ ؟ قُلْتُ: مَنْ لَمْ يَعْرِفْ فَهُو كَافِنْ.

قَالَ : سُبِّحْانَافِثِهِ هَذَا قَوْلُ الْخَوَادِجِ ، ثُمُّ قَالَ : إِنْ شِئْتُمْ أَخْبَرُ تُكُمُّ ، فَقُلْتُ أَنَا : لا، فَقَالَ : أَمَا إِنَّهُ شَرُّ عَلَيْكُمْ أَنْ تَقَهُ لِنُوا بِشَيْءِ مَالَمْ تَسْمَعُوهُ مِثْنَا ، قَالَ : فَظَنَنْتُ أَتَّهُ يُدِيرُنَا عَلَى قَوْلِ غَيَّهُنِ مُسْلِمٍ .

ال والمالي المنظمة الم

بهد وه اپنے سواکس کوسلمان نہیں مجھے کیا میں تمہیں کچھ اور تباؤں ریں نے کہ اب فرورت نہیں۔ فرایا بیتمعارے لئے بُری کا ہے کہ جوتم نے سم سے نہیں سناوہ بیان کرو۔ را وی کہتا ہے ہیں نے گمان کیا کہ حفرت قول محد مبنی سلم کی طوٹ مجھے بھیرنا چا بہتے ہیں ۔ علامه مجلسى عليدالرجمة فيعراة العقول بين تحدر يؤرا يلهدكم سأئل صاحب البرديركاعقبيده بديقا يميح بسرك المدت كى معرفت مذر كھنے والاكا فرہے خواہ اس پرججت قائم ہو لینے اس نے دلوبسیت كودلائل عقلی ونقلی سے جان دیا ہوخواہ ا نکارکرے یا ذکر سے لینی اس کے نزدیک مؤمن وکا فرکے درسیان کوئی درجنهي اورالوالخطاب كاعقيده يرتفاكها مشراس صورت مي بركا كرجمت اسس يرت المهومك أنكاد كرسه بإنه كرسه ان دونوں كے درميسان واسطرے اورغ برعارت قبل قيدام جمت ہے اور محد بن مسلم كا عقیده برکفا دجب انسکارکریے توکا فرہے اورنہ انسکا دکرے ٹوکا فرنہیں، بیس اس صودت میں بھی مومن و كافركے درمسیان ایک اور گروہ ہو گاج درمع فت رکھنے والا ہوا در نا دا کار کرنے والا ہر اوگ مستفعف اورضلال كهلاتيهي اوركها ككيباسط كراس إب بين ضال سيريي مرادب الرجدا طلاق ضال كالفنطعام معسنى بين استعال موتلسيديين جهسلمان تتمسك بالحق شهوا وركا فرصدا ديهان وه شخص بعصب يرونبا ين احكام كفرمارى مول منتلا بخاست اورعدم جواز مباشرت ومناكح دغيره جيساكه بمرار سديعض اصحاب كاحكم بع درىزىعفى كفار كمستنى عتوبت بهونداور وافل جبنم بوندي كوئى اختلاف نهيس ينوا دج كا عقيده بريخا كوئى كناه منغيره بريابيره ، ياصغيره براصراركرف والا بوتوكافريها وراسلام سي خاك ا ورستى قتل ، اسى لي المعود في الميرالمومنين كي قتل كا حكم ديا ميونك آب كيم درافي موكة تقيه مالانكر حفرت دافى دتھے آب كواس برمجبوركيا كيا تھا۔ حاصل هديث يہ سے كر نفظ كفرى تُلف عنى بين بولاج آنا ہے ادر سرایک کے بے جدا کا نا احکام ہی ایمان ک مختلف صور توں کی طرح ، کفر بعض صور توں میں اسلام کے ساتهجع بوجانا ب ايسانهي ب كراحاديث مين جهان كهين لفظ كفركا اطلاق كياكيا بوا وروقت لكاستن موياس بعدناكحت دمبا شرت حرام مواوريذايسا بدكرة إت واحا ديث مي سلبايمان حبس كاذكر بواس كاجبنم س بهيشدر بنا فرورى بوكفركا اطلاق بواسيه اس شخص برجودين إسلام كى فرور ياتست انكاد كرسة ظامر أوا لمنا بيد شهادتين اورقبامت اليديراحكام كفارجارى مون محد ونياس اورآخ یں اس کے نے عذاب جہم ہوگا اہل کتا جدفان کی نجاست اور صرح داندمنا کمت میں اختلات کیا ہے ا ورلفظ كا اطلاق اس بريمي موتلسي حسس كعمفا تدايما ثيري خلل بويكن اسسلام كم لف وه خرودى ند م و يجيسا المدت اور شهروشيع علما دين بيسب كروز آخرت وه ممكم كفارس ميون كا در مخلد في السسّار موں كے جيسے منا نفين اور تمام فرقہ مشيعہ سوائے الله ميسك اكثر احاديث سے طاہر موالي اسے كر معفق منا نفين

كى تجان جهنى عدمكن مهو كى جيئے ستنف عقيين اور المرون لامراللدا ورعلامم دغيره حف ايك قول ذكركيا بيجب سے ثابت ہو کہ ہے کہ مخالفین مے ایع خاود فی الٹارڈ ہوگا ایکن یہ تول حدد رج ضعیف ہے کیوں کہ شعیعوں کے نزدیک المولدين بيه ورسول كارمديث متواتر يحمن كمات ولع بعدون امام زمان له مادن ميلتك جاهلينة دجواس حالى مراكداس فابيف الم زمان كون بهجانا توده كفرى موت مرا اددامى تايدي بكرت احاديث بي اب رب دينوى احكام ميسي طهارت وتناكح وتوارث تومشهور بيدي كراس ببرسلا فون اسا مكمان برمركا اورجناب سيدم تفنى اورايك كروه علمائ شيدكا خبال يدكر دينيوى معاملات مبس كبنى ان سے افروں اسابرتا و کہاجلے گا در اخیاروا حادیث سے بھی ایسا بن طام مود البولین جدنکر علم المہیں یہ بات تقى رمخا نفين صاحبان حكومت موسك اورشيدون بِرأن كو تعليه حاصل ميركار لهذا ان ك لط وشمنون سے مل جل كوربنا لازم بوگالهذاان كواجازت دى گئ تمام دينوى اموريس منشركت كى اور مخا لفين بر تفيسته مے زمان میں اسسلای احکام جسّاری رہے البسند قائم آل محکم ظہر، کے بعدان کے کفار کے دومیان کوئی م فرق زبردكا اوران مختلف احاديث كاجمع كرنا اس طرح مكن بركا كركبى اطلاني كفرم تابي ان كنايان كمير عدارت كاب كرف والول يرح توبه نهي كرق ادركناه كادل يركوني الزنهيين ليت احتمال بهم كان برطولاني مدنت كك عذاب رسي بيكن جهنم مي ميشدن ربي إوردنسياي بجائے كفار كا مكم جارى بون كے بعض ايس حقوق سے اتفین محوم کردیا جائے جومومنین سے تخصوص بیں اور کیمی کا فرکا لفظ اطلاق بہوتا معاص كيم تركيب پر مختصر کے بید لفظ کثیر معانی میں بولاجا آج اوراس کے احکام جدا جدا بین شہید ثانی نے رساد حقاً لن الايمان مي تحريف ما يلبيدكم تمام علمائ الماسيد في الإفلان ك كفرم إتفاق فرايس اوراكترف كم اسلام كاسلك اختيادكيلها وداس سعراوان كى يدب كدكا فربي نفس امر مي اور ظاهري بدنزاع نفظى بيكيونكم جواسلام كة قائل بين الخول في اكثر إحكام سليين كوفل برس جائز ركعاب د كونفس الامرس اس ليفان كا وخول ف اندارسیان کیا ہے اور حوباطناً وظا ہراً کا فرجونا بیان کرتے ہیں توان کے پاس دلیل نہیں کیوں کہ لاالذالاالله كيف سوال كالمسلام ظامر بوتاي-

فَحَدِّ ثُنِي بِمَااسْتَحْلَلْتُهَا ؟ قَالَ : فَلَمْ يَكُنْ عِنْدِي جَوَالُ .

فَقُلْتُ لَهُ : فَمَا تَرَى أَتَرَو جُ ؟ فَقَالَ : مَا أَبَالِي أَنْ تَفْعَلَ ، قُلْتُ : أَرَأَيْتَ قَوْلَكَ : مَا أَبَالِي أَنْ تَفْعَلَ ، قُلْتُ : أَرَأَيْتَ قَوْلَكَ : مَا أَبَالِي أَنْ تَفْعَلَ ، فَيْرَأَنْ آمْرَكَ ، فَمَا تَأْمُر نِي أَفْعَلُ ذَلِكَ بِأَمْرِكَ ؟ فَعَالَلِي : قَدْكَانَ رَسُولَ اللهِ رَاللَّهُ وَالْمَوْئَةِ تَرَو جُوقَدْكَانَ مِنْ أَمْرِاهُمَ أَوَ نُوجٍ وَامْرَ أَوَ لُوطِ ذَلِكَ بِأَمْرِكَ ؟ فَقَالَ لِي : قَدْكَانَ رَسُولَ اللهِ وَاللَّهُ وَاللَّهُ عَنْ مَا اللَّهُ عَلَى اللهِ عَنْ أَمْرُ اللهِ اللهِ عَنْ مَعْدَى اللهِ عَلَى اللهُ وَاللهِ اللهِ عَنْ أَمْرُ اللهِ اللهِ عَنْ مَعْدَى اللهِ عَلَى اللهِ عَنْ وَجَلَ وَهُ عَلَى اللهُ مَا تَاهُمُ اللهُ اللهِ عَنْ وَجَلَ وَفَخَا لَنَا هُمَا أَمْرُ نِي أَنْظُلِقَ فَأَتَرَ وَ جَالِكُ إِللهُ اللهُ عَنْ وَجَلَ وَفَخَا لَنَاهُ مَا تَاهُمُ اللهُ إِللهُ إِلَّا الْفَاحِشَةَ وَقَدْ ذَوْ جَرَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ الْخِيانَةِ فِي قَوْلِ اللهِ عَنْ وَجَلَ وَفَخَا لَنَاهُمَاء مَا يَعْنِي بِذَلِكَ إِلاَ الْفَاحِشَةَ وَقَدْ ذَوْ جَرَسُولُ اللهِ صَلَّى اللهُ الْحَدُونِ اللهِ فَلَانًا ، قَالَ اللهُ عَنْ وَجَلَ وَمَا اللهُ مَا تَأَمْرُ نِي أَنْظُلِقَ فَا تَرَوْ خَالًا وَ فَقَالَ لِي : إِنْ كُنْتَ اللهُ عَلَيْكُ بِاللّهُ إِلَا لَهُ عَلَى اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ مَنْ النِّسَاءَ ؛ قَمَا اللهُ مَا تَأَمْرُ نِي أَنْظُلِقَ فَا تَرَوْقَ الْخَدُورُ الْعَفَائِفَ . .

فَقُلْتُ : مَنْ هِيَ عَلَى دِينِ سَالِمِ بِنِ أَبِي حَفْصَة ؛ قَالَ : لا، فَقُلْتُ : مَنْ هِيَعَلَىٰ دينِ رَبِيعَسَةَ الرَّأَي ؛ فَقَلْتُ : مَنْ هِيَعَلَىٰ دينِ رَبِيعَسَةَ الرَّأَي ؛ فَقَالَ : لاَوَلَكِنَّ الْمَوَاتِقَ اللَّوَاتِي لاَينْصِبْنَ كُفُراْ وَلاَيمْرِ فَنَمَاتَهْرِ فَوْنَ ، قُلْتُ : وَهَلْ تَعْدُو أَنْ تَكُونَ مُؤْمِنَ مُؤْمِنَ مُؤْمِنَ مُؤْمِنَ مُؤْمِنَ مُؤُمِنَ النَّاسِ لَيسَيمُؤُمِنِ عَلَىٰ اللهُ الله

فَفُلْتُ: أَمِنَأَهُلِ الْجَنَّةَ هُمَّامُمِنَ أَهُلِ النَّارِ؟ فَهَالَ: اتَّنَ كَيْمٌ حَيْثَ تَرَكَيْمُ اللهُ قُلْتُ : أَفَتُرْجِئْهُمْ؟ قَالَ: نَعَمْ أَرْجِئْهُمْ كَمَا أَرْجَاْهُمُ اللهُ ، إِنْ شَاءَ أَدْخُلُهُمُ الْجَنَّةَ بِرَحْمَتِهِ وَإِنْ شَآء سَاقَهُمْ إِلَى النَّارِ بِذَنُو بِهِمْ وَلَمْ يَظْلِمْهُمْ ، فَقُلْتُ : هَلْ يَدْخُلُ الْجَنْثَةَ كَافِرُ ؟ قَالَ : لا، قُلْتُ : [فَ] هَلْ يَدْخُلُ النَّارِ الْأَكَافِرُ ؛ قَالَ : فَقَالَ : لا يَظْلُمُهُمْ ، فَقُلْتُ : هَلْ يَدْخُلُ النَّارِ الْأَكَافِرُ ؛ قَالَ : فَقَالَ : لا يَظْلُمُ مُمْ اللهُ اللهُ وَأَنْتَ لا يَقُولُ مَا شَآءَ اللهُ ، أَمَا إِنَّكُ إِنْ كُبْرْتُ لَوْقُولُ مَا شَآءَ اللهُ وَأَنْتَ لا يَقُولُ مَا شَآءَ اللهُ ، أَمَا إِنَّكُ إِنْ كُبْرْتُ لَمُ عَلَيْكُ عُقَدُكَ . وَمَعْتَ وَتَحَلَّدُ مَنْكُ عُقَدُكَ .

اورنیمانت سے مراوزنا یا چری نہیں بلکھٹوہر کے دین سے پرکٹ ترم ہونا ہے اور دسولُ اللہ نے بھی فلاں حورت سے مت دی کٹی میں نے ہا۔ فدا آپ ک حفاظت کرے تو آپ کی اجازت ہے کہیں شادی کرلوں ، فرمایا کر نلیعے تو ہے وقوت عورت سے کر ، فرمایا اس سے آپ کی کسیا مراوسے فرمایا ہر وہ نشین اور باک والمن ، جی نے کہا کیا وہ سالم بن حف ہر ایک زیریہ فرقہ) فرق وال ہوجس کی محاقت اس سے ظاہر سے کرایب کچروج بوز فرم ہافتیا رکیاہے فرمایا نہیں ۔

تين سووال باب منتضعف ((باك ألمُسْتَضْعَفِ)) ، ، س

ا علي بُنْ إِبْرَاهِيمَ ؛ عَنْ عَيْبَيْنِ عِيسَى ، عَنْ يُونْسَ ، عَنْ يَوْسُ أَصْحَابِهِ ، عَنْ ذُرَارَةً قَالَ: سَأَلْتَ أَبَاجَمْفَ يَطْكُمُ وَلَا يَمْتَدُى عَنْ أَبَاجَمْفَ عَنِ الْمُسْتَضْفَفُ فَقَالَ : هُوَالَّذِي لَا يَهْتَدِي جِيلَةً إِلَى الْكُفْرِ فَيَكُنْلُ وَلاَ يَهْدَى سَبِلاَ إِلَى الْكُفْرِ فَيَكُنْلُ وَلاَ يَهْتَدِي سَبِلاَ إِلَى الْأَيْمَانِ ، لاَ يَسْتَطِيعُ أَنْ يُؤْمِنَ وَلاَ يَسْتَطِيعُ أَنْ يُوْمِنَ وَلاَ يَسْتَطِيعُ أَنْ يُوَمِّنَ وَلاَ يَسْتَطِيعُ أَنْ يُكُفُر ، فَهُمُ الْعِبْيَانُ ، وَمَنْ كَانَ مِنَ الرِّجَالِ فَالنِّسَاء عَلَى مِثْلُ عَقُولِ العِبْيَانِ مَرَّفَوْعُ عَنْهُمُ الْقَلَمُ .

ا - ذرا روسفا مام محد باقرعلیدا مسلام سد بوجها مستنصدف کون بهت فرمایا وه لوگ بهی جونه تواتن توت دستگان منطق به یک کفر که طرف ماکن مهو که کافرین چاقی اور مذاس مشابل بین کرمحکمات قرآن سے بدایت حاص کری مذاف میں ایمان میں کا مل بحرنے کی قوت اور نے کفر کی طرف لوٹ جانے کی طاقت ، بدگروه اطفال کلیے ادران مروون مادر عود توں کلیے جن کاعقل بچون کسی

ہے یہ وکٹ فرق القلم ہیں۔

٢ ـ عَلِيْ بْنْ إِبْراهِيمَ ، عَنْ أَبَيهِ ، عَنِ ابْنِأْبَي عُمَيْرٍ ، عَنْ جَمِيلٍ ، عَنْ زُرارَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَي ابْنِ أَبِي عَمَيْرٍ ، عَنْ جَمِيلٍ ، عَنْ زُرارَةَ ، عَنْ أَبِي جَمْفَي إِنْ قَالَ : الْمُسْتَطْيعُونَ حِيلَةً وَلا يَهْتَدُونَ سَبِيلًا عَلْنَ الْإِسْتَطيعُونَ حِيلَةً إِلَى الْمُسْتَطيعُونَ حِيلَةً إِلَى الْإِيمَانِ ، وَلا يَكْفُرُونَ الصِّبْيانُ وَأَشْبَاهُ عَتْولِ الصِّبْيانِ مِنَ الرِّ جَالِ وَالنِّسَاءِ .

۲- زراره ندا مام محد با قرطیدانسلام سے پوچها که مستف عف کون بین فرما یا جن که علوات آنی کم اورعقل آنی کوآه پیچکه مذوه اسپیف سے کفرکود فعے کوسکتے بین اور در را وحق ک پرایت پاسکتے بین شایران والول پی بین بیٹ کافرول بیں- وه اطفال بین اور وه مردا ورمورتین جو کوتا عظی میں لڑکوں کی انتدیبی -

٣ عِذَة أَ مِنْ أَصَّحَا بِنَا ، عَنْ سَهْلِ بْنِ ذِيادٍ ، عَنِ ابْنِ مَحْبُوبٍ ، عَنِ ابْنِدِئابِ، عَنْ ذُرارَةَ قَالَ: سَأَلْتُ أَبَاجَعْمَرِ عِلِيهِ عَنِ الْمُسْتَضَّعَفِ ، فَقَالَ: هُوَ الَّذِي لايَسْتَطيعُ حيلَة يَدْفَعُ بِهَاعَنْهُ الْكُفْرَ وَلا يَهْنَدَى لا يَسْتَطيعُ حيلَة يَدْفَعُ بِهَاعَنْهُ الْكُفْرَ وَلا يَهْنَدَى يَا لِللهِ عَنِ الْمُسْتَطيعُ أَنْ يُوهُمِنَ وَلا يَكُفْرَ فَالَ: وَالصِّبْيَانُ وَمَنْ كَانَ مِنَ الرِّجَالِ وَالنِسْلَةِ عَلَى اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ اللّهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللّهُ اللّهُ اللهُ الل

۱ سرفوایا ۱ مام محدیا قرطیدانسالیم نے مستنفعفین وہ بیں بود کو تی حیلہ قوت رکھتے ہیں ۔ دراہ ہوایت بانے کی بیضن مع ایمان کے ہے کچھ کرتے ہیں دکفوکے ہے وہ اطفاء ل ہیں اورا طغالج سی عقل رکھنے والے مرد اور جس سے -

٤ - 'عَّاَبُهْنُ يَحْيَى ، عَنْ أَحْمَدَبْنِ عَيْنِ عِيسَى ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَكَمِ ، عَنْ عَبْدِاللهِ بْنِ خُندَبِ عَنْ سُفْيَانَ بْنِ السَّمْطِ الْبَجِلِي قَالَ : قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللهِ عَبْدِاللهِ عَلَى الْمُسْتَضْعَفِينَ فَقَالَ لِي شَبِيبًا عَنْ سُفْيَانَ بْنِ الْمُسْتَضْعَفِينَ فَقَالَ لِي شَبِيبًا بِاللهِ : مَا تَقُولُ فِي الْمُسْتَضْعَفِينَ فَقَالَ لِي شَبِيبًا بِاللهِ : مَا تَقُولُ فِي الْمُسْتَضْعَفِينَ فَقَالَ لِي شَبِيبًا بِاللهِ : مَا تَقُولُ فِي الْمُسْتَضْعَفِينَ فَقَالَ لِي شَبِيبًا بِاللهِ اللهِ اللهِلْ اللهِ ال

مهردان کې تدېیمین نے حفرت امام جعفرصادق علیا سلام سے پو پیچا آپ ستضعفین کے بارے پی کیا فراتے ہیں اوہ خوت و اضر وہ خوت و اضوار ب کی صورت سے مشاب ہے کیا تم متقعفین کو کھیوڑ دو کے اور ستضغفین ہیں کہاں - واللہ تمعادا امر امامت آبات محکمات سے ہرایک بہنچ چکا ہے یہاں تک کرنوجوان لڑکیاں گھروں کے اندر اور پانی مجرفے والی عورتی مدینہ کے کل کو جوں ہیں اسس کا تذکرہ کرنی ہیں دہیں جب جمت ان برتمام ہوگئ تو مجرستضعف کھاں رہے۔)

٥ - عَنْهُ ، عَنْ أَحْمَدَ بْنِ عَنِي مَنِ الْحُسَيْنِ بْنِ سَعِيدٍ ، عَنْ فَضْالَةَ بْنِ أَيَّوْبَ، عَنْ عُمَر بْنِ أَبانِ فَالَ:

النافيس للمنظمة والمنظمة والمن

سَأَلْتُ أَبِاعَبْدِاللهِ تَتَلِيَّكُ عَنِ الْمُسْتَضْعَفِينَ فَقَالَ : هُمْ أَهْلُ الْوَلاَيَةِ ، فَقُلْتُ أَيُّ وَلاَيَةٍ ؛ فَقَالَ : أَمَا إِنَّهُا لَيْسَتْ بِالْوَلاَيَةِ فِي الدِّينِ وَلَكِنَّهَا الْوَلاَيَةُ فِي الْمُناكَحَةِ وَالْمُوارَثَةِ وَالْمُخَالَطَةِ وَهُمْ لَيْسُمُ ا بِالْمُؤْمِنِينَ وَلاِبالْكُفْتَارِ وَمِنْهُمْ الْأَرْجَوْنَ لاَ مُرِاللهِ عَزْ وَجَلَ .

۵ - داوی کهتاییه مین مستفعف که تعلق از جعفر احق علیدانسلام نفوا یا وه ایال و دستی چی - پس نے کہا کہیں دوشی فرمایا اس سے مرا دوینی دوستی تہمیں بلکریر عرف مناکوت عمیرات اور ہم تشیقی کا جوازیے وہ ندمومن چین ندکا فر، ان میں سے کچھ مرجون لامرالتربین ان کے متعلق آنے کرکائی ہے قیارت تک مجھ وہ چاہئے کھنٹے یا د بختے ۔

٣- الْحُسَبْنُ بَنْ عَنَوْ مَعْلَى بَنِ عَنَ الدَّبِي لَا يَسَعُ الْعِبَادَ جَهْلَهُ ، فَقَالَ : الدّ بِنُ وَاسِعُ وَلَكِنَ قَالَ : سَأَلْتُ أَبَاجَعْفَر عَلَى عَنِ الدّ بِنِ الدّ بِي الدّبِي لَا يَسَعُ الْعِبَادَ جَهْلُهُ ، فَقَالَ : الدّ بِنُ وَاسِعُ وَلَكِنَ الْحَوَادِجَ شَيْتَفُواعَلَى أَنَعْشِهُمْ مِنْ جَهْلِهُمْ ، قُلْتُ : خَعِلْتُ فِدَاكَ قَا حَدِ ثُلَّ بِدِينِي الّذَي أَنَا عَلَيْهِ ؟ فَقَالَ : بَلَّى ، فَقَلْتُ : أَشْهَدُ أَنْ لا إِلهَ إلاَّ الله وَأَشْهَدُ أَنَّ عَدَاعَتُهُمْ وَطَلَمَكُمْ حَقَكُمْ ، فَقَالَ : مَا جَهْلِي فَقَالَ : بَلَّى ، فَقَالَ : مَا جَهْلِي فَقَالَ : مَا جَهْلِي فَقَالَ : مَا عَدِي فَقَالَ : مَا عَدِي فَقَالَ : مَا جَهْلِي فَقَالَ : مَا عَلَيْهِ عَلَى الله اللهُ مَنْ مَا فَقَالَ : مَا جَهْلِي فَقَالَ : مَا عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى الله اللهُ مَنْ مَا فَقَالَ : مَا عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ اللهِ اللهُ مَنْ مَا فَقَالَ : مَا عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ مَنْ مَا عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ اللهُ مَنْ مَا مَا عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ مَنْ مَا فَقَالَ : مَا مُعْلِي عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهُ مَا أَنْهُ مَا أَنْهُ مَا أَلْ اللهُ مَنْ أَيْمَ وَاللهِ اللهُ عَلَى اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَيْهِ عَلَى اللهُ اللهُ

۲- داوی نے حفرت محدیا قرطیا سلام سے دین کے ان سائل کے متعلق پوچھاجن سے لوگوں کو جاہل ندرہ ا چاہیے۔
قرایا دین کے سائل بی آسانی رکھی گئی ہے لیک فارجیوں نے مسائل مشکار ضع کر کے دین کو اپنے اوپر ذرگ بنا لیا ہے ابنی
جہا ست سے بیس نے کہا بیس آپ کو اپنے دینی عقائد سناؤں فرایا عزور، میں نے کہا بیں گواہی دنیا ہوں کہ اللہ کے سواکوئی معبود
نہیں اور مخد اس کے عبد ورمول ہی اور جو کچھ حفرت فدا کی طون سے لائے ہیں اس کا آفراد اور آپ کا حق عقد ب کرتے والوں
آپ کے دشمنوں سے اور آپ کی گرونوں برسوار ہونے والوں ،آپ پر حکومت کرنے والوں اور آپ کا حق عقد ب کرتے والوں
سے فرطیا نہمی چیز سے جاہل ندرہے واللہ بہم ہما دا دین ہے میں نے کہا جس کو امرا مامت کا عرف ان ہو کیا وہ جہنی ہیں ہے تربیا
نہیں بحرمت ضعف کمیں نے لیجھا فہ کون ہیں۔ فرطیا تمہاری عربی اور اولا وی ایم تم نورہ ہیں کو اہی دیشا

٧- عَلِي بْنْ إِبْدَاهِيم، عَنْ عَلَى بْهَدَبْنِ عِيسَى، عَنْ يَوْنْسَ. عَنِ ابْنِ مُسْكَانَ، عَنْ أَبِي بَسِيرِ فَالْ : قَالَ أَبُوعُبْدَالله عِلَيْل مَسْمَضْعَنَه.
 قَالَ: قَالَ أَبُوعُبْدَالله عِلَيْل مَنْ عَرَفَ اخْتِلافَ النَّاسِ فَلَيْسَ بِمُسْمَضْعَنَه.

ان نبس المنافقة والمنافقة المنافقة المن ٤- الوبعير سعروى مع كرا لوعروا للزعليدال المام فرطايا . بختنص لوگول كه مذمهي حياتا كوجانته بعد ويستنف عله بهب ٨ - عَكَرُبُنْ يَعْمَيْ ، عَنْ أَحْمدَبْنِ عَيْبِيْ عِيسَى ، عَنِ أَبْنِ مَحْبُوْبِ ، عَنْ جَمِيلِ بْنِ دَرّ اجِقَالَ: قُلْتُ لِأَ بِي عَبْدِاللهِ عِلِيدٍ : إِنِّيزُبَّمَاذَ كَرَّتْ هَٰؤُلِّهِ ٱلْمُسْتَضْعَهِينَ فَأَقُولْ : نَحْنَ وَهُمْ فِي مَنَازِل ٱلْجَنَّةِ؟ فَقَالَ أَبُوْعَبُدِاللهِ عَلِينِكُمُ؛ لايَمُعَلَّاللهُ ذَٰلِكَ بِكُمْ أَبَداً ١٠ ٨ - دادى كمتا بيدين في حفرت امام حعق صادق عليالسلام سيكما بسااو قات بين ان متضعفون كاذكركم تا بول ا در کهنا چو*ں ہم* ا وروہ جذت کے یکسال ورجات ہیں ہوں گے۔ فرایا اللہ بھیاڑسا تھرالیا کبھی ترکیا دیعی درجات مختلف تاؤیکی ٩. عَنْهُ ، عَنْ عَلِي بْنِ الْحَدَينِ الشَّبْوِيِّي ، عَنْ أَخَوَيْهِ عُبَدِ وَ أَخْدَدَ ابْنِي الْحَسَنِ ، عَنْ عَلِي بْنِ يَمْقُوبَ ، عَنْ مَرْوَانَ بْنِ مُسْلِم ؛ عَنْ أَيَـُّوْبَ بْنِ ٱلْحَرِّ قَالَ : قَالَ رَجُلُ لِا َ بِيَعَبْدِاللهِ اللهِ وَنَحْنُ عَنْدَهُ: جِعِلْتْ فِدَاكَ ، إِنَّا نَخَافُ أَنْ نَنْزِلَ بِذَنُو بِنَا مَنَازِلَ الْمُسْتَضْعَفِينَ ، قَالَ فَقَالَ : لأَوَاللهِ لأَيَفُعَلَ اللهُ ذَلِكَ عَلِيٌّ بِّنْ إِبْرَاهِيمَ ، عَنْ أَبَيدِ ، عَنِ إِبْنِ أَبِي عُمَيْرٍ ، عَنْ رَجْلٍ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ عَلَيْهِ الشَّلامُ مِثْلَهُ . ٩ ـ دا وی که تناسین ایک خص نے امام وجغ مسا دق سے بما ری بوجود کی میں کہا میں آپ پرف داہوں ہم اس سے ڈرنے كه بهاركاكما بوريك باعض بين تنفع فول كادر جرجنت مين يادفرا يا خدائمها رساسة الساكمين شرك كا-١٠ - عَلِيُّ إِنْ إِبْرَاهِيم ، يَنْ أَبِيهِ ، عَنِ ابْنِ أَبِي عَمْيْرِ ، عَنْ أَبِي الْمَغْرَا ، عَنْ أَبِي بَصيرِ ، عَنْ رُ أَبِي عَبُّدَالِثَهِ إِنْ عَلَى مَنْ عَرَفَ اخْتِلافَ النَّاسِ فَلَيْسَ بِمُسْتَضْعَفِ . -ا- مازی بران فرمایاجس خاوگوں کے مذہب اختالانات کوجان لیا وہ ستفعف نہیں ۔ ١١ ـ عِدَّةٌ مِنْ أَصْحَابِنَا ، عَنْ سَهْلِبْنِ زِيَادٍ ، عَنْ إِسْمَاعِيلَبْنِ مِهْرَانَ ، عَنْ عَنْ عَيْرَبْنِ مَنْصُورٍ ٱلْخُرْاعِيْ ، عَنْ عَلِيٌ بْنِ سُوَيْدٍ ، عَنْ أَبِي ٱلْحَسَنِ مُوسَىٰ ﷺ قَالَ : سَأَلْتُهُ عَنِ الضُّعَفَا ، فَكَتَبَ إِلَيَّ : الضَّعِيفُ مَنْ لَمْ تُدْوْفَعْ إِلَيْهِ حُجَدَّةً وَلَمْ يَعْرِفِ الْإِخْتِلافَ ، فَإِذَاعَرَفَ الْإِخْتِلافَ فَلَيْسَ بِمُسْتَضْعَفِ . ١١- داوى كېنالىيد يى فى امام دسى كافل عليداك الم بي إينيا كرف د فاكون ب يحفرت ف محص كندها بس يرججت فائم م ا وروه مديمي اختلافات كور جاننا بهواكر اختلافات كوجان في قصعيف بيس ١٢ ﴿ فَي أُصَّحَابِنًا ، عَنْ عَلِي بْنِ ٱلْحَسَنِ ، عَنْ عَلِي بْنِ حَبِيبِ ٱلْخَنْعَمِيِّ، عَنْ أَبِي سَارَةً إِمَامِ مَسْجِدِ أَنْ مِلْلِ ، عَنْ أَبِي عَبْدِاللهِ يَعِيدُ فَالَ : لَيْسَ ٱلْبَوْمَ مُسْتَفُعَفُ ، أَبْلَغَ الرِّ خَالُ الرُّ خَالَ وَالنَّيَّاءُ النِّياآ. ١١٠- فوايا حفرت الوعيد الدعلياك الاكتاب زمانه مي كولم متضعف فهر عمر وتوتيس سب عالت سع باخري -